काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

2020-21

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

www.bhu.ac.in

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

सम्पादन समिति

1. **प्रो० राज कुमार**
   हिन्दी विभाग, कला संकाय
2. **प्रो० अरूण कुमार मिश्र**
   वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
3. **प्रो० राकेश सिंह**
   कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान संस्थान
4. **प्रो० योगेश आर्या**
   मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय
5. **प्रो० सत्यपाल शर्मा**
   हिन्दी विभाग, कला संकाय
6. **डॉ. पंचानन दलाई**
   अंग्रेजी विभाग, कला संकाय
7. **डॉ. जसमिंदर कौर**
   दृश्यकला संकाय
8. **डॉ. आरती निर्मल**
   अंग्रेजी विभाग, कला संकाय
9. **डॉ. राहुल चतुर्वेदी**
   अंग्रेजी विभाग, कला संकाय
10. **डॉ. संजीव सर्राफ**
    उप पुस्कालय अध्यक्ष, केन्द्रीय ग्रंथालय
11. **डॉ. विचित्रसेन गुप्त**
    हिन्दी अधिकारी
12. **डॉ. संजय कुमार**
    संयुक्त कुलसचिव (शिक्षण)
13. **डॉ. पुष्यमित्र त्रिवेदी**
    उप कुलसचिव (शिक्षण)

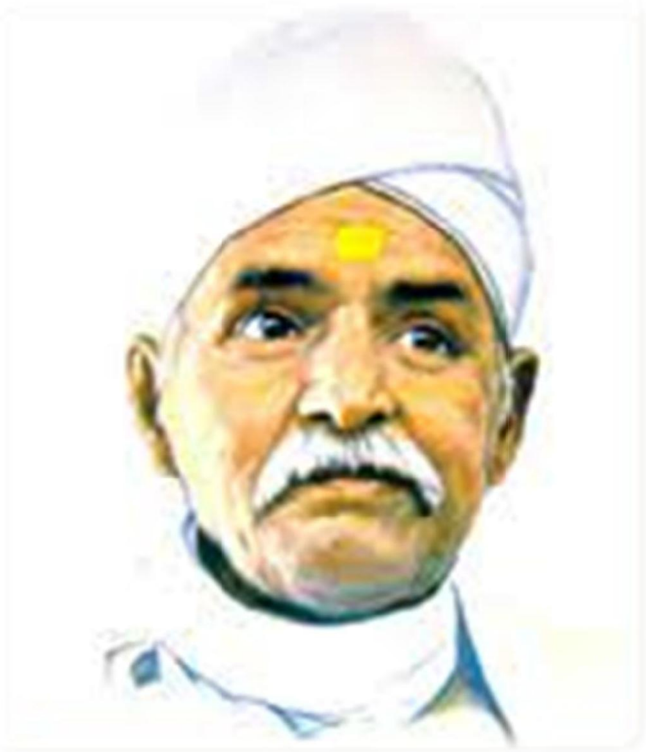

संस्थापक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय

२५.१२.१८६१ - १२.११.१९४६

(पौष कृष्ण अष्टमी, वि. सं. १९१८ – मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी, वि. सं. २००३)

The Founder

of the

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya

25.12.1861 – 12.11.1946

(Paush Krishna Ashtami, V.S. 1918 – Margshirsha Krishna Panchami, V.S. 2003)

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नापुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

"I do not covet kingdom, neither heaven, nor Nirvana
The only desire I have is to serve Disconsolate"

- Mahamana Malaviya

कुलगीत

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी ।

यह तीनो लोकों से न्यारी काशी ।
सुज्ञान धर्म और सत्यराशी ॥
बसी है गंगा के रम्य तट पर,
यह सर्वविद्या की राजधानी । मधुर मनोहर -॥

नये नहीं हैं यह ईंट पत्थर ।
है विश्वकर्मा का कार्य सुन्दर ॥
रचे है विद्या के भव्य मंदिर,
यह सर्व सृष्टि की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

यहाँ की है यह पवित्र शिक्षा ।
कि सत्य पहले फिर आत्म-रक्षा ॥
बीके हरिश्चंद्र थे यहीं पर,
यह सत्यशिक्षा की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

यह वेद ईश्वर की सत्यवाणी ।
बने जिन्हें पढ़ के ब्रह्मज्ञानी ॥
थे व्यास जी ने रचे यहीं पर,
यह ब्रह्मविद्या की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

यह मुक्तिपद को दिलाने वाले ।
सुधर्म पथ पर चलाने वाले ॥
यहीं फले फूले बुद्ध शंकर,
यह राजऋषियों की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

सुरम्य धारायें वरूणा अस्सी ।
नहाए जिनमे कबीर तुलसी ॥
भला हो कविता का क्यों न आकर,
यह बागविद्या की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

विविध कला अर्थशास्त्र गायन ।
गणित खनिज औषधि रसायन ॥
प्रतीचि-प्राची का मेल सुन्दर,
यह विश्वविद्या की राजधानी । मधुर मनोहर - ॥

यह मालवीय जी की देश भक्ति ।
यह उनका साहस यह उनकी शक्ति ॥
प्रकट हुई है नवीन होकर,
यह कर्मवीरों की राजधानी ।

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी ॥

Dr. SHANTI SWARUP BHATNAGAR
Eminent Scientist
who composed the BHU Kulgeet

Kulgeet (English Translation)

So sweet serene, infinitely beautiful
This is the presiding center of all learning.

Radiant Kashi, wonder of the three worlds
Treasure-Chest of Jnana , Dharma and Satya
Nesting on Ganga`s bank, center of all disciplines.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

No Recent work of brick and stone
Primordial design of divinity alone
Mansions of Vidya, center of all creation.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Clear here is the doctrine pure
Truth first, then only one' self
Home of Harishchandra, Truth's testing ground.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

The voice of God in Vedic record
Constant Inspiration for soul-accord
Work-shop of Veda Vyasa, center freedom for Bhrahma Vidya
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Find here the steps of freedom
Tread here the path of Dharma
Flaming trail Budha`s and Shankara`s center for philosopher-kings.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Life-Giving waters of Varuna and Assi
Sustenance of Kabir and Tulsi
Fountainhead of eloquent speech and poetry.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Music, Economics, other arts so many
Maths, Mining, Medicine and Chemistry
Fraternal forum of East and West, university in trust sense.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Patriotism of Malviyaji
His intrepidity and energy
All in youthful manifestation,
centre for men of action

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding center of all learning.

Á®å fot; dekj ‘kDYk
कुलगुरू एवं
कार्यवाहक कुलपति
Prof. Vijay Kumar Shukla
Rector &
Officiating Vice-Chancellor

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
BANARAS HINDU UNIVERSITY

Telephone : 0542-2368938
Fax : 0542-2369100
Email : vc@bhu.ac.in
rector@bhu.ac.in
Website: www.bhu.ac.in

प्रस्तावना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की वर्ष 2020-21 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस प्रतिवेदन में विश्वविद्यालय के संस्थानों, संकायों, विभागों और केन्द्रों की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का समावेश है। प्रस्तुत प्रतिवेदन में शैक्षणिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त, उल्लिखित अवधि के दौरान संचालित महत्वपूर्ण सह-पाठ्यक्रम और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में अर्जित विशिष्ट उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक संस्थान के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अपने ज्ञानदीप्त संस्थापक एवं महान शिक्षाविद महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा शिक्षा के समग्र एवं मूल्यनिष्ठ पद्धति को नूतन आयामों से जोड़कर युवा वर्ग का संपोषण एवं उन्नयन कर रहा है। विश्वविद्यालय, शिक्षा के समस्त क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्ति के अपने प्रयास में सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों रूप से अन्वेषण, नवाचार और ज्ञान प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं अनुसंधानिक गतिविधियों को बढ़ावा देंने के उद्देश्य से कई नयी संरचानाओ के स्थापत्य एवं नयी सुविधाओं के विकास पर जोर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान, समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप कई नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत करने के साथ साथ विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व से चली आ रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों का संशोधन भी किया गया है। विश्वविद्यालय की शोध और शैक्षणिक योजनाओं को व्यवहारिक रूप से कार्यान्वित करने के लिए परिचालन योजना को उच्च प्राथमिकता दी गयी है।

विश्वविद्यालय द्वारा अपने विद्यार्थियों के प्रत्यक्ष व्यवहारिक लाभ हेतु उनके कौशल संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गए है। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के शैक्षणिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यानों एवं विभिन्न संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। छात्रावास सुविधाओं में विस्तार के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा खेलकूद एवं योग शिक्षा की सम्यक व्यवस्था की गयी।

मै, इस वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21 के संकलन, सम्पादन एवं प्रकाशन से जुड़े समस्त लोगों को बधाई देता हूँ और उनके अथक मेहनत एवं प्रयासों की सराहना करता हूँ।

(विजय कुमार शुक्ल)

BHU
capital of knowledge

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विषय सूची

भाग-1

1. **भूमिका**
    1.1. विश्वविद्यालय - एक दृष्टि में
    1.2. शैक्षणिक सत्र 2020-21की प्रमुख विशेषताएँ
2. **विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)**
    2.1. **मुख्य परिसर**
        2.1.1. **संस्थान**
            2.1.1.1. कृषि विज्ञान
            2.1.1.2. चिकित्सा विज्ञान (आधुनिक, आयुर्वेद, दन्त चिकित्सा)
            2.1.1.3. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास
            2.1.1.4. प्रबंध शास्त्र
            2.1.1.5. विज्ञान
        2.1.2. **संकाय**
            2.1.2.1. कला
            2.1.2.2. वाणिज्य
            2.1.2.3. शिक्षा
            2.1.2.4. विधि
            2.1.2.5. मंच कला
            2.1.2.6. सामाजिक विज्ञान
            2.1.2.7. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान
            2.1.2.8. दृश्य कला
        2.1.3. **महिला महाविद्यालय**
        2.1.4. **अध्ययन केन्द्र**
            2.1.4.1. आनुवांशिकी विकार केन्द्र
            2.1.4.2. डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र
            2.1.4.3. नेपाल अध्ययन केन्द्र
            2.1.4.4. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र
            2.1.4.5. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
            2.1.4.6. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र
            2.1.4.7. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
        2.1.5. **स्कूल**
            2.1.5.1. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल
            2.1.5.2. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
            2.1.5.3. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय
        2.1.6. **काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ग्रंथालय प्रणाली**
        2.1.7. **यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर**
        2.1.8. **मालवीय भवन**

2.1.9. भारत कला भवन

2.2. दक्षिणी परिसर

2.3. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय
2.3.1. आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय, चेतगंज
2.3.2. वसन्त महिला महाविद्यालय, राजघाट
2.3.3. वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा
2.3.4. दयानन्द पी.जी. महाविद्यालय, औसानगंज

3. अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम

4. प्रदत्त उपाधियां / सनद / प्रमाण पत्र
4.1 छात्रों की संख्या

5. मानव संसाधन रूपरेखा

6. वित्तीय संसाधन

7. पुरस्कार व सम्मान

8. छात्रवृत्तियाँ / अध्येतावृत्तियाँ (छात्रों के लिये)

9. सुविधाएं

9.1. आवास
9.1.1. छात्रावास (बालक)
9.1.2. छात्रावास (बालिका)
9.1.3. छात्रावास (विदेशी)
9.1.4. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ

9.2. अतिथि गृह संकुल

9.3. इन्टरनेट एवं संगणक

9.4. सम्मेलन कक्ष

9.5. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ

9.6. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

9.7. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

9.8. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र

9.9. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

9.10. विद्युत एवं जल सेवाएं

9.11. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

9.12. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र)

9.13. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद

9.14. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम

9.15. जलपान गृह

9.16. राष्ट्रीय सेवा योजना

9.17. नेशनल कैडेट कोर

9.18. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड

9.19. विपणन संकुल

9.20. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

9.21. छात्र कल्याण
- 9.21.1. संस्थापन सेवा
- 9.21.2. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
- 9.21.3. छात्र परिषद्
- 9.21.4. नगर छात्र निकाय
- 9.21.5. समान अवसर एवं समावेशी पद्धति
- 9.21.6. पाठ्येतर क्रियाकलाप

9.22. हिन्दी प्रकाशन प्रकोष्ठ

भाग – 2

परिशिष्ट - 1 विश्वविद्यालय के कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद् व विद्वत् परिषद् के सदस्यगण एवं अधिकारीगण

परिशिष्ट - 2 विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण

परिशिष्ट - 3 विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची

परिशिष्ट - 4 वर्ष 2020-21 में आयोजित कुछ प्रमुख संगोष्ठियाँसम्मेलन एवं कार्यशालाएँ

परिशिष्ट - 5 वर्ष 2020-21 में शैक्षणिक विचार-गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों की संख्या का विवरण

परिशिष्ट - 6 वर्ष 2020-21 सीधी नियुक्ति और पदोन्नति

हिन्दी संस्करण

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21

1.भूमिका

परिसर विन्यास संबंधी महामना की दृष्टि

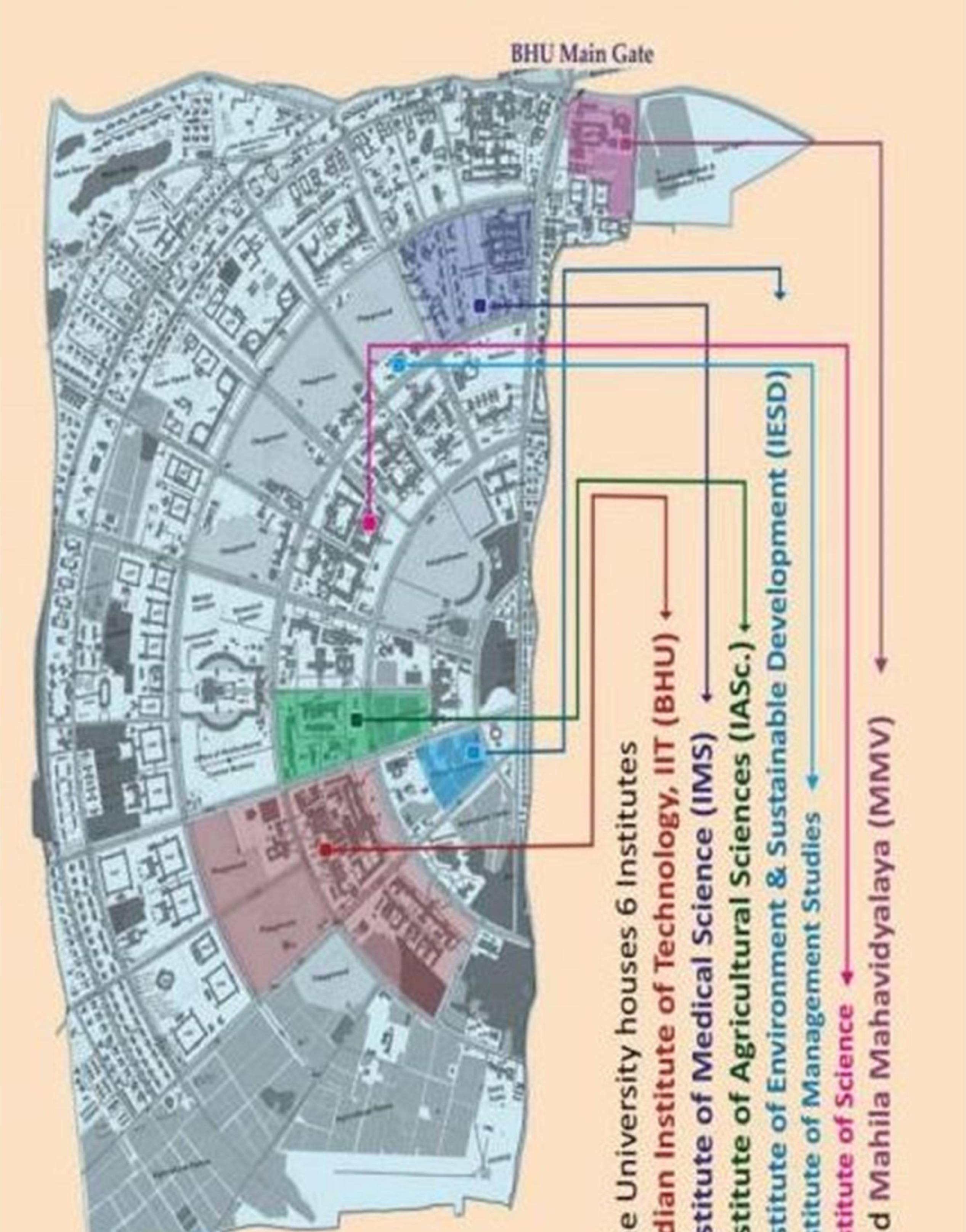

1.1 विश्वविद्यालय – एक दृष्टि में

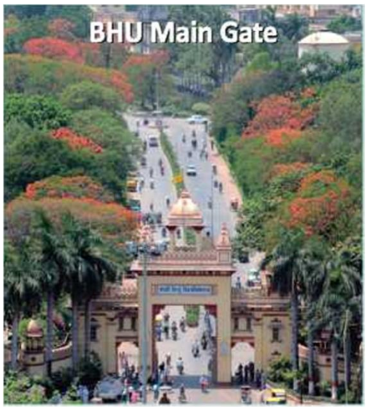

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय देश के अति प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में एक है जिसकी स्थापना महामान पंडित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् 1916 में की गई थी। ये एक स्वायत्तशासी उत्कृष्ट संस्था है जिसके विजिटर भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी हैं। ये एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय है। पंडित मदन मोहन मालवीय जी, डॉ. एनी बेसेन्ट एवं डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन जैसे मनीषियों की दूरदर्शिता की जीवन्त प्रतीक यह राष्ट्रीय संस्था प्राचीन भारतीय ज्ञान विज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक चिंतन दृष्टि का एक अद्भुद संगम है। अपने ज्ञानदीप्त संस्थापक द्वारा पल्लवित-प्रतिपादित शिक्षा की समग्र एवं पवित्रमूलक पद्धति को नूतन आयामों से जोड़कर यह विश्वविद्यालय युवा वर्ग का उन्नयन कर रहा है तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा का सम्पोषण कर उन्हें पर्याप्त सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

संस्थापक की दृष्टि

- "यह मेरी हार्दिक इच्छा और उम्मीद है कि आज से स्थापित होने वाले इस प्रकाश स्तम्भ से ऐसे स्नातक दीक्षित हो जो न केवल बौद्धिकता में विश्व के किसी भी क्षेत्र के विद्यार्थियों के समतुल्य हो बल्कि एक सुसंस्कृत जीवन यापन करने वाले देशभक्त तथा धर्मनिष्ठ भी हो"
- "एक आवासीय विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य के प्रति अपूर्ण है यदि वह अपने स्नातकों में समान उत्कन्ठा से उनके भावावेगों को समुन्नत नहीं करता जिस प्रकार उनके बौद्धिक विकास हेतु वह सचेष्ट है। अतैव इस विश्वविद्यालय ने अपना मूल लक्ष्य युवकों के चरित्र निर्माण के लिये निर्धारित किया है। यह संस्था न केवल अभियंताओं, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, धार्मिक विचारकों, व्यापारियों को बनाने के लिए प्रयत्न करेगा बल्कि ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा जो अत्यन्त चरित्रवान, नैतिक तथा सम्मान के योग्य होंगे, जिनका उदाहरण महान विश्वविद्यालय के महनीय उद्देश्यों के समरूप दिया जा सकेगा।"

विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय की स्थापना चरित्र निर्माण तथा अभिभावकत्व की मूल परिकल्पना के अनुरूप एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप की गई। यह सम्भवतः विश्व का अनूठा विश्वविद्यालय है जिसमें 550 हेक्टेयर (1360 एकड़) के चहारदीवारी से घिरे तथा स्थापत्य की दृष्टि से अनुपम भवनों के परिसर में नर्सरी से लगायत डाकरेट उपाधि तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। इस विशाल हरीतिमा से परिपूर्ण परिसर में विज्ञान, अभियंत्रिकी एवं तकनिकी, मानविकी, समाज विज्ञान, वाणिज्य, विधि, शिक्षा, दृश्यकला, मंचकला, संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान, कृषि, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता तथा बड़ी संख्या में भारतीय एवं विदेशी भाषाओं आदि लगभग समस्त विधाओं में शिक्षा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय के 5 विभागों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायत कार्यक्रम के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हो रहा है तथा 3 अन्य केन्द्रों/कार्यक्रमों तथा 7 डी.एस.टी. फिस्ट कार्यक्रमों को वित्तीय अनुदान मिल रहा है। शहर में अवस्थित 4 महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय 3 विद्यालयों का भी संचालन करता है, इसके अतिरिक्त 1 केन्द्रीय विद्यालय भी परिसर में अवस्थित है। इनके अलावा मुख्य परिसर से 75 किलोमीटर दूर मिर्जापुर जिले के बरकच्छा नामक स्थान पर 1012.6 हेक्टेयर (2700 एकड़) भूमि के विस्तृत परिसर में सन् 2006 में विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर की स्थापना की गई है।

उत्कृष्टता का प्रतीक

एन.आई.आई.एफ. रैकिंग में विगत 5 वर्षों से लगातार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में तृतीय तथा समस्त शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में दसवां स्थान प्राप्त करता आ रहा है। इण्डिया टुडे-नील्सन सर्वेक्षण (2010) के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उपरोक्त सर्वेक्षण में प्रसिद्धि, शैक्षणिक गुणवत्ता, संकाय गुणवत्ता, शोध प्रकाशन / रिपोर्ट / परियोजना, बुनियादी संरचना एवं रोजगार के अवसरों आदि विशिष्ट मानको के विश्लेषण पर आधारित है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता के आयाम सें सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किये गये हैं। सत्र 2009-10 के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिका करेंट साइंस में प्रकाशित दस वर्षीय सर्वेक्षण में सूचकांक जर्नलों में अधिकतम शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सर्वोच्च 25 भारतीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रखागया है। इंडिया टुडे के (जून 2013) में प्रकाशित इंडिया टुडे नील्सन के द्वारा कराये गये सर्वेक्षण के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय भारत के पाँच शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान रखता है। अन्य एजेंसियों ने भी इस विश्वविद्यालय एवं इसके विभिन्न संकायों / विभागों को समान प्रकार की श्रेणी दी है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, का.ही.वि.वि.

कृषि विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

शताब्दी सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक

ब्रोचा छात्रावास

कृषि विज्ञान संस्थान

समग्र कृषि और संबद्ध विज्ञान के सतत और समान विकास के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध यह संस्थान मानव संसाधन विकास, अध्यापन, अनुसंधान एवं विस्तार के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से स्वतंत्रता, सुरक्षा और समृद्धि के द्वारा मानव संसाधन का विकास कर रहा है। ज्ञान निर्माण कारक, दक्षता, फसलों / सब्जीयों / फलों / पशुओं / मुर्गीयों / मछलियों में उत्पादन, गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन सुधार, आजीविका सुरक्षा में सुधार और भुखमरी मुक्त समाज के सपने को साकार करने की दिशा में संस्थान सतत प्रयासरत है। इसके अतिरिक्त संस्थान शिक्षा, शोध, खेल-कूद एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है।

हावाई पट्टी

साईबर लाइब्रेरी

चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं चिकित्सालय

चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत 3 संकाय- आधुनिक चिकित्सा, आयुर्वेद एवं दन्त चिकित्सा संकाय कार्यरत है। संस्थान में चिकित्सीय एवं चिकित्सा सहायक सभी विषयों के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित होते है। संस्थान के अंतर्गत स्थापित विभिन्न चिकित्सालयों के माध्यम से सात राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखन्ड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल) एवं पड़ोसी राष्ट्र नेपाल तथा भूटान से आने वाले 20 करोड़ की जनसंख्या को चिकित्सीय सुविधायें उपलब्ध कराई जाती है। चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों का लगभग 40 प्रतिशत गरीब तबके से आता है। वर्तमान में संस्थान के चिकित्सालयों में 2614 बेड क्रियान्वित हैं जिसमें 1385 बिस्तरों का सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, 180 बिस्तरों का आयुर्वेद विंग, 334 बिस्तरों का ट्रामा सेंटर, 13 बिस्तरों का दन्त चिकित्सा, 430 बिस्तरों का शताब्दी सुपर स्पेशिलिटी ब्लाक, 100 बिस्तरों का मातृ एवं शिशु एवं स्वास्थ्य विंग, 60 बिस्तरों का मानसिक चिकित्सा उत्कृष्ट केन्द्र, 12 बिस्तरों का बोन मैरो ट्रांस्प्लांट एवं स्टेम सेल रिसर्च सेंटर, 100 बिस्तरों का क्षेत्रीय संस्थान, शामिल है।

केन्द्रीय ग्रंथालय

मालवीय भवन

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

विश्वविद्यालय में सन् 2010 में एक राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान की स्थापना की गई। इस संस्थान में सन् 2011 में शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ हुई। संस्थान का उद्देश्य सम्पोष्य विकास के बारे में शिक्षा एवं शोध करने के साथ-साथ सतत विकास हेतु शिक्षा प्रदान करना है। संस्थान का लक्ष्य देश के सतत विकास से सम्बन्धित शिक्षण, शोध एवं विस्तार कार्य करना है जिससे देश का संपोष्य विकास हो सके, निर्धनता मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल एवं समुचित प्रबंधनहो सके।

सेन्ट्रल डिस्कवरी सेंटर

प्रबंधन शास्त्र संस्थान

विश्वविद्यालय में प्रबंधन में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम की शुरूआत सन् 1968 में की गई। प्रारम्भ में प्रबंधन शास्त्र एक विभाग के रूप में वाणिज्य संकाय के

अटल इन्क्यूबेशन सेंटर

अंतर्गत संचालित होता था परन्तु गुणवत्तायुक्त प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने की बढ़ती आवश्यकता की परिकल्पना करते हुए, विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधन अध्ययन विभाग को सन् 1984 में एक स्वतंत्र संकाय के रूप में स्थापित किया गया। प्रबंधन संकाय अपने प्रतिष्ठित एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्तशिक्षकों के नेतृत्व मेंकॉर्पोरेट जगत के लिए उपयुक्त नवीन और आवश्यकता आधारित कार्यक्रम चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। संकाय को दिसंबर 2015 में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के रूप में उच्चीकृत किया गया।

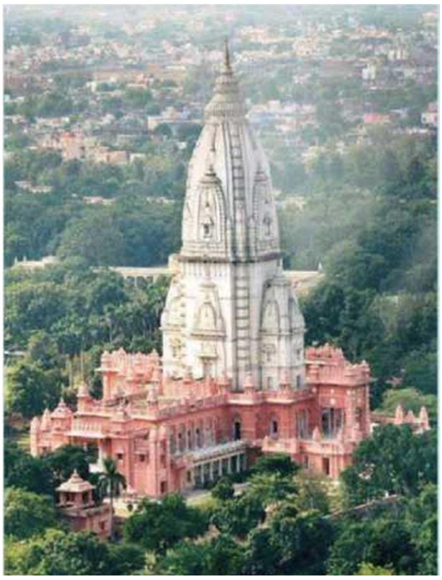

श्री विश्वनाथ मंदिर

विज्ञान संस्थान

सन् 1916 में स्थापित विज्ञान संकाय जो बाद में विज्ञान संस्थान के रूप में उच्चीकृत हुआ, स्नातक, परास्नातक, एवं पी.एच.डी.कार्यक्रमों के अतिरिक्त डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। संस्थान के अंतर्गत 13 विभाग, 6 केन्द्र, 2 अंतरविषयक स्कूल आते हैं। आधुनिक एवं जटिल उपकरणों से लैस प्रयोगशालाओं के माध्यम से यह संस्थान विज्ञान के सभी क्षेत्रों में पठन-पाठन एवं शोध की दिशा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तरफ अग्रसर है।

भारत कला भवन

एशिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में सम्पूर्ण भारत एवं विश्व के 34 देशों से लगभग 32 हजार छात्र एवं छात्राएं अध्ययनरत है। विश्वविद्यालय के 64 छात्रावासों में लगभग 11 हजार विद्यार्थी प्रवास करते हैं। ये छात्रावास इंटरनेट सुविधा के साथ-साथ सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। विश्वविद्यालय में 1400 कर्मचारी आवास एवं 7 अतिथि गृह भी है।

एन.सी.सी. केडेट्स के लिये फ्लाइंग प्र शिक्षण

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसके पास अपना हवाई पट्टी एवं तीन हेलीपैड है. इनका उपयोग एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

दक्षिणी परिसर

पुस्तकालय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय प्रणाली में 13000 ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं, 50000 ई-पुस्तिकाओं, डिजीटलाइज्ड पाण्डुलिपियों सहित 15 लाख पुस्तको का विसाल संग्रह है। यह पुस्तकालय विभागीय, संकायों तथा संस्थानों के पुस्तकालयों की श्रृंखला का समुच्चय है। इसके अतिरिक्त दिन-रात कार्यरत 200 से अधिक सीटों की एक वातानुकूलित साइबर लाइब्रेरी है। नवीनीकृत वातानुकूलित पत्रिका अध्ययन कक्ष की भी स्थापना की गई है जिसमें 60 व्यक्तिगत कक्ष शोध छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उपलब्ध है।

पर्यावरण जागरूकता एवं सौन्दर्यीकरण

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर 575.75 प्रक्षेत्र सुन्दर बगीचों एवं हरीतिमा युक्त है।

- 33.5 कि.मी. का कटीलें बाड़ों का घेरा है।
- संस्थानों, संकायों, मैदानों एवं आवासीय परिसरों के चारो तरफ 142800 झाड़ियाँ लगाई गई है।
- 11 एकड़ की नर्सरी जिसमें 40500 फलदार पौधे, 20000 वन वृक्ष, 15000 सजावटी पौधे, 15 लाख मौसमी फल के पौधे एवं 5000 अन्य पौधे हैं।

सूचना एवं संचार संरचना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक,प्रशासनिक एवं कार्यालयीय भवन वाई-फाई से लैस हैं। इसके अलावा,विश्वविद्यालय में कैंपस वाइड लैन की 100 किलोमीटर लंबी फाइबर ऑप्टिक की एक सुदृढ़ संरचना भी है जोसभी शैक्षणिक और प्रशासनिक भवनों के साथ-साथ छात्रावासों को आधुनिक तकनिकों से सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र से जोड़ती है,जो उच्चिकृत कंप्यूटिंग और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करती है। विश्वविद्यालय को एनएमई-आईसीटी के तहत राष्ट्रीय नॉलेज नेटवर्क (एन.के.एन.) के तीन 1 जीबीपीएस नोड प्रदान किए गए हैं। इनके अलावा,विशेष रूप से कोविड काल में ऑनलाइन पठन-पाठन को सुगम बनाने के लिए 100 से अधिक स्मार्ट क्लास रूम किये गये हैं।वर्ष 2018 से विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षायें कम्प्यूटर आधारित टेस्ट प्रणाली के माध्यम से संचालित हो रही है। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों को संपादित करने के लिए ई.आर.पी. सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है जिससे विश्वविद्यालय पेपर लेस कार्यालय बनने की तरफ अग्रसर है।

मंदिर

परिसर के केन्द्र में भगवान शिव का एक मंदिर स्थित है जिसे श्री विश्वनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का विस्तृत ले-आउट एवं नक्शा स्वयं मालवीय जी के देख-रेख में तैयार किया गया था। हरितिमा युक्त मंदिर परिसर तथा सुरूचिपूर्ण उद्यान दर्शनार्थियों के नेत्र को ठंडक एवं मन को शांति प्रदान करते हैं। मंदिर के केन्द्र में शिव लिंग तथा दीवारों पर हिन्दू शास्त्रों के श्लोक चित्र सहित उत्कीर्ण हैं।

भारत कला भवन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व का एक संग्रहालय-भारत कला भवन है, जिसमें प्राचीन कलात्मक वस्तुओं का एक अद्भुत संग्रह उपलब्ध है। भारत कला भवन में 13 कला वीथिकायें हैं जिनमें एक लाख से अधिक दुर्लभ कला वस्तुओं एवं दुर्लभ मूर्तियों, लघुचित्र, राजस्थान, मुगल एवं पहाड़ी चित्र, सिक्के, गहने, रत्न आदि के साथ-साथकई प्रसिद्ध लेखकों की हस्तलिखित ऐतिहासिक महत्व की कृतियाँ संग्रहित हैं।

दक्षिणी परिसर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा मिर्जापुर जिले के बरकच्छा में अपने दक्षिणी परिसर का विस्तार किया गया है। समाज के कमजोर वर्ग एवं जन-जातियों से सम्बद्ध युवा-युवतियों के लिए विशेषतः स्थापित इस शिक्षा केन्द्र का विकास शिक्षण, प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता के लिए किया गया है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य इस पिछड़े क्षेत्र में वहां के निवासियों के लिए आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं अनुसंधान से उन्हें लाभान्वित करना है।

ब्राण्ड बी.एच.यू.

भारत का यह एक ऐसा पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय है जिसमें ग्राफिक आइडेंटिटी लागू किया गया है। इसके अंतर्गत सील, लोगो, द्विभाषीय लोगो टाईप, टैग लाईन, कलर आइडेंटिटी के अतिरिक्त कार्यालयीय उपयोग की स्टेशनरी एवं साइनेज सिस्टम का मानकीकरण किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत डिजाइन स्टूडियों, सोविनियर शॉप, इलेक्ट्रानिक, वेब एवं सोसल मिडिया आदि का भी मानकीकरण किया गया है।

प्रमुख उपलब्धियाँ – नवाचार, शोध, शिक्षा एवं सरचनात्मक विकास

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान का भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के समकक्ष संस्थान के रूप में उन्नयन
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के टैग से नवाजा जाना। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय को आगामी 5 वर्षों के लिए 1000 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग प्राप्त होगा।

- आधुनिक चिकित्सीय सुनिधाओं से लैस 430 बिस्तरों के सुपर स्पेशिलिटी ब्लाक की स्थापना। इसमें 13 मॉडुलर ओ.टी., 50 आई.सी.यू. एवं 19 सी.सी.यू. हैं।
- 100 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग की स्थापना।
- क्षेत्रीय नेत्र संस्थान की स्थापना।
- बोन मैरो ट्रांस्प्लानंट एवं स्टेम सेल रिसर्च सेंटर की स्थापना।
- टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से महामना कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान की स्थापना।
- सेन्ट्रल डिस्कवरी सेंटर की स्थापना। इस सेंटर में विज्ञान के आधुनिक शोध उपकरणों एवं सुविधाओं की स्थापना की जा रही है जो विश्वविद्यालय की एक केन्द्रीय सुविधा है जिसे विज्ञान की मूल एवं सम्बद्ध विषयों पर शोध एवं नवाचार हेतु स्थापित किया गया है।
- नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से SATHI Centre के अंतर्गत एक स्वतंत्र पारिस्थितक तंत्र की स्थापना
- निति आयोग, भारत सरकार के तत्वाधान में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर परियोजना के अंतर्गत Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship की स्थापना
- देश के प्राचीन ज्ञान भण्डार एवं आधुनिक ज्ञान विज्ञान के मध्य सम्बन्ध स्थापित करने के उद्देश्य से वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना
- मुख्य परिसर के साथ-साथ दक्षिण परिसर में कई भवनों में रूफ टॉप सौर ऊर्जा पैनल स्थापित करना।
- दक्षिण परिसर में दो नए छात्रावास एवं तीन आवासीय संकुल का निर्माण
- एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान का निर्माण
- विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं वाले एकीकृत खेल परिसर की स्थापना तथा खेल मनोविज्ञान प्रयोगशाला एवं संसाधन कक्ष की स्थापना
- 300 फ्लैटों वाले शिक्षक आवास का निर्माण
- दक्षिणी परिसर में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय की स्थापना
- दक्षिणी परिसर में पहाड़ी क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए चेक डैम का निर्माण
- अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए 110 कमरों के छात्रावास का निर्माण
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधानपरिषद के तत्वाधान में अंतरिक्ष विज्ञान में शिक्षण और अनुसंधान को सुदृढ़ बनाना
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान संस्थान,बी.एच.यू. में निर्माण/बीज अवसंरचना हेतु वित्तीय सहायोग प्राप्त होना।

बीएचयू में अंतरराष्ट्रीय चेयर

- शांति और अंतरसांस्कृतिक शिक्षण एवं शोध हेतु यूनेस्को चेयर
- नेपाल चेयर
- बाल अधिकारों के लिए यूनिसेफ चेयर

भविष्य की योजनाएँ

- जनजातीय और जीनोमिक चिकित्सा संस्थान का निर्माण
- संक्रमित रोग पर अनुसंधान के लिए जैव सुरक्षा स्तर IV BSL4 सुविधा की स्थापना।
- सेंटर फॉर ट्रांस्लेशनल रिसर्च की स्थापना
- जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स पर अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर अध्ययन को बढ़ावा देना।
- 500 कमरों की क्षमता वाला अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास का निर्माण

ट्रॉमा सेंटर

बी.एच.यू. पुरातन छात्र

महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करने और सामुदायिक मूल्यों का पुर्नस्थापन एवं सतत् प्रवाह इस बात का प्रमाण है कि यहां से ज्ञान प्राप्त विशिष्ट व्यक्तियों की एक लम्बी श्रृंखला सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न राजकीय एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रमुख पदों पर आसीन है।

हमारे कुलपति

यहाँ के यशस्वी कुलपतियों में महामना मालवीय जी, सर सुन्दरलाल, डॉ. एस. राधाकृष्णन एवं आचार्य नरेन्द्र देव जैसे महापुरुष रहें, जिन्होंने इस महान विश्वविद्यालय का निर्माण किया।

सर सुन्दरलाल	(1.4.1916-13.4.1918)
डॉ. पी. एस. शिवास्वामी अय्यर	(13.4.1918-8.5.1919)
पंडित मदन मोहन मालवीय	(29.11.1919-6.9.1938)
डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन	(17.9.1939-16.1.1948)
डॉ. अमर नाथ झा	(27.2.1948-5.12.1948)
पंडित गोविन्द मालवीय	(6.12.1948-21.11.1951)
आचार्य नरेंद्र डेव	(6.12.1951-31.5.1954)
डॉ. सी.पी. रामास्वामी अय्यर	(1.7.1954-2.7.1956)
डॉ. वी. एस. झा	(3.7.1956-16.4.1960)
न्यायमूर्ति एन.एच. भगवती	(16.4.1960-15.4.1966)
डॉ. त्रिगुण सेन	(9.10.1966-15.3.1967)
डॉ. ए.सी. जोशी	(1.9.1967-31.7.1969)
डॉ. के.एल. श्रीमाली	(1.11.1969-31.1.1977)
डॉ. मोटी लाल धर	(2.2.1977-15.12.1977)
डॉ. हरि नारायण	(15.5.1978-14.5.1981)
डॉ. इकबाल नारायण	(19.10.1981-29.4.1985)
डॉ. आर.पी. रस्तोगी	(30.4.1985-29.4.1991)
डॉ. सी.एस. झा	(1.5.1991-14.6.1993)
प्रो० डी.एन. मिश्रा	(8.2.1994-27.6.1995)
प्रो० हरि गौतम	(2.8.1995-25.8.1998)
प्रो० वाई. सी. सिम्हाद्री	(31.8.1998-20.2.2002)
प्रो० पी. रामचंद्र राव	(20.2.2002-19.2.2005)
प्रो० पंजाब सिंह	(03.5.2005-7.5.2008)
प्रो० डी.पी. सिंह	(08.5.2008-21.8.2011)
डॉ. लालजी सिंह	(22.8.2011-22.8.2014)
प्रो० गिरीश चन्द्र त्रिपाठी	(27.11.2014-27.10.2017)
प्रो० राकेश भागनगर	(28.3.2018-28.3.2021)

दीक्षांत संबोधन

88th Convocation – 2006
Hon'ble President of India
Dr. APJ Abdul Kalam

89th Convocation – 2007
Hon'ble Vice-President of India
Shri Bhairon Singh Shekhawat

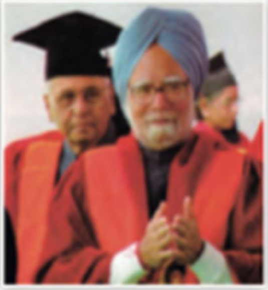

90th Convocation – 2008
Hon'ble Prime Minister of India
Dr. Manmohan Singh

91st Convocation – 2009
Hon'ble President of India
Smt. Pratibha Devi Singh Patil

92nd Convocation – 2010
Hon'ble Vice-President of India
Shri Hamid Ansari

93rd Convocation – 2011
Hon'ble Minister of HRD
Shri Kapil Sibal

94th Convocation – 2012
Hon'ble Speaker of Lok Sabha
Smt. Meira Kumar

Special Convocation – 2012
Hon'ble President of India
Shri Pranab Mukherjee

95th Convocation – 2013
Hon'ble Chancellor of BHU
Dr. Karan Singh

96th Convocation – 2014
Padma Vibhushan
Prof. Jayant Vishnu Narlikar

97th Convocation – 2015
Padma Vibhushan
Dr. G. Madhavan Nair

98th Convocation – 2016
Hon'ble Prime Minister of India
Shri Narendra Damodar Das Modi

99th Convocation – 2017
Bharat Ratna
Prof. C.N.R. Rao, FRS

100th Convocation – 2018
Padma Vibhushan
Dr. Raghunath Anant Mashelkar, FRS

101st Convocation – 2019
Padma Vibhushan
Dr. Vijay Kelkar

प्रशासन

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक संरचना मुख्य रूप मे कार्यकारिणी परिषद एवं विद्वत परिषद द्वारा संचालित की जाती है। इस उच्च अधिकार युक्त मंडल में सत्र 2020-21 के सदस्यों के नाम परिशिष्ट-1 में वर्णित हैं। वर्तमान आंकलन अवधि (2020-21) के अंतर्गत निम्नलिखित महानुभाव विश्वविद्यालय के वैधानिक पदों पर अपनी सेवायें प्रदान किये है।

कुलपति

प्रो. राकेश भटनागर (28.3.2021 तक)
प्रो. विजय कुमार शुक्ल(कार्यकारी) (28.3.2021 से)

रेक्टर

प्रो. विजय कुमार शुक्ल

कुलसचिव

डॉ. नीरज त्रिपाठी

वित्ताधिकारी

डॉ. अभय कुमार ठाकुर

परीक्षा नियंता

श्री मनोज कुमार पाण्डेय

छात्र अधिष्ठाता

प्रो. महेन्द्र कुमार सिंह

मुख्य आरक्षाधिकारी

प्रो. ओ.पी. रॉय (31.12.2020तक)
प्रो. आनन्द चौधरी (1.1.2021 से)

पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. डी. के. सिंह

1.2. शैक्षणिक सत्र 2020-21 की महत्वपूर्ण गतिविधियां

उक्त अधिक के दौरन अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं विकासपरक कार्यक्रम पूरे किए गए और नई पहलें की गईं। वर्तमान वर्ष के दौरान की मुख्य उपलब्धियां व पहलें नीचे दिए जा रहे हैं।

प्रवेश

नया शैक्षणिक सत्र 1.4.2020 से प्रारम्भ हुआ और विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 13576 नये विद्यार्थी (8094 पुरुष एवं 5482 महिला) पंजीकृत हुये। विभिन्न स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हुए। पुरूष व महिला विद्यार्थियों का संकायवार विवरण अध्याय-4.1 में दिया जा रहा है। उक्त अवधि के दौरान 117 नये विदेशी विद्यार्थियों (84 पुरुष एवं 33 महिला) ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। इन विद्यार्थियों का देशवार विवरण अध्याय 4.1 में दिया जा रहा है।

समीक्षाधीन वर्तमान वर्ष के दौरान 6336 स्नातकों, 4631 परास्नातकों एवं 6 एम.फिल. शोधार्थियों ने अपनी-अपनी उपाधियाँ प्राप्त की और 681 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उपाधि प्राप्तकर्ताओं का संकाय व पाठ्यक्रम विवरण अध्याय 4 में दिया गया है।

शैक्षणिक योगदान

उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक परिवेश को प्रोत्साहित करने में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य अग्रणी रहे हैं। वर्ष 2020-21 की अवधि के दौरान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से 4152 से अधिक प्रकाशन (विवरण अनुलग्नक-2 में दिया गया है) निर्गत हुए है जिनमें 2958 शोध पत्र (अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में 1902 तथा राष्ट्रीय जर्नल्स में 1056) शामिल है।

वर्ष 2020-21 की अवधि में शिक्षकों का शैक्षणिक योगदान										
शोधपत्र			**लेख**		**पुस्तके**				मोनोग्राफ	19
राष्ट्रीय	1056		राष्ट्रीय	**317**	राष्ट्रीय	**144**			**मैनुयल**	**23**
अन्तर्राष्ट्रीय	1902		अन्तर्राष्ट्रीय	**228**	अन्तर्राष्ट्रीय	**63**			**लीफलेट / अन्य**	**400**
योग	8958		**योग**	545	**योग**	207			**योग**	442

सम्मान / पुरस्कार / मान्यता

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान के विभिन्न रूपों में मान्यता मिली है (अध्याय-७ में सूचीबद्ध)। अनेक शिक्षक विभिन्न प्रतिष्ठित अकादमियों (यथा-इंडियन अकेडेमी ऑफ साइंस,नेशनल अकादमी ऑफ साइंस,नेशनल अकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंस) के अध्येता चुने गए हैं। विदेशों में (उदाहरणार्थ- अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ड,अध्येत्तावृत्ति,जर्मनी;आई.एन.एस.ए.-डी.एफ.जी. अध्येतावृत्ति) उन्नत शोध के लिए कई शिक्षकों को अध्येतावृत्ति तथा एसोसिएटशिप प्रदान की गई है। व्यावसायिक संगठनों में पदाधिकारी,अध्यक्षता/विद्वत निकायों एवं सम्मेलनों की अध्यक्षता,राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों,पत्रिकाओं का संपादकत्व इत्यादि अन्य मान्यताओं में शामिल है।

शोध परियोजनाएं

वर्ष के दौरान कुल 3335.09 लाख से अधिक अनुदान की 117 नई शोध परियोजनाएं मंजूर की गई। साथ ही, 370 पूर्व से चली आ रही परियोजनाएं (कुल अनुदान रु 159000.23 लाख से अधिक) जारी रही। देश की प्रमुख निधियम एजेंन्सियों ने बीएचयू को शोध में सहयोग प्रदान किया। शोध परियोजनाओं का विस्तृत विवरण अनुलग्नक-3 में दिया गया है।

विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची

सत्र 2020-21में स्वीकृत नई शोध परियोजनायें

	नवीन परियोजनाएं		पूर्व से संचालित परियोजनाएं	
संस्थान/संकाय/विभाग का नाम	**संख्या**	**स्वीकृत धनराशि**	**संख्या**	**स्वीकृत धनराशि**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	13	11723500	19	33072100
अतंर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र	1	75000	2	654000
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	7	46426819	30	181297525
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	35	161144562	148	784240973
वैज्ञानिक और औद्योगिकी परिषद्	3	2969500	12	10936167
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्	9	14644120	10	17019621
क्रिश्चिन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, वेल्लोर	-	-	02	2726930
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	7	17195540	23	49657684
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	1	283320	05	4268049
परमाणु उर्जा विभाग	1	3075625	7	17081775
रक्षा मंत्रालय	2	10944971	3	14948016
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	-	-	5	23315150
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	5	3888000	11	8280000
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	2	13199954	18	65778006
विदेशी अभिकरण	5	4178052	6	4701226
सहयोग परियोजना, स्ट्रैसा	-	-	04	2071583
संस्कृति मंत्रालय	-	-	01	10700000
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन	-	-	5	9716000
विश्व स्वास्थ्य संगठन	-	-	02	28175462
आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी.(एक्सलेरेटर प्रोग्राम ग्री-टेक स्टार्ट-अप)	-	-	01	2408000
बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउडेंशन, यू.एस.ए.	-	-	01	31912595
जी. बी. पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान	-	-	01	1415920
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	-	-	01	2403500
राष्ट्रीय वरिष्ठ वैज्ञानिक अकादमी (एन.ए.एस.आई)	2	200000	4	1880000
इंण्डेयन नेशनल साइंस ऐकेडमी	-	-	6	4340000
अन्तरराष्ट्रीय मक्का और गेहूं उन्नयन केंद्र सहयोगी परियोजना, हैदराबाद	-	-	02	842156
मानव और परिवार स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली	-	-	02	16300000
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ब्लूमवर्ग	-	-	01	1014281
संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, (यूनिसेफ)	-	-	01	625000

केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ	1	1890000	1	1890000
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	1	4994000	1	4994000
ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रिय केन्द्र	1	817420	1	817420
राष्ट्रिय मिशन स्वच्छ गंगा	-	-	01	6307175
तेल और प्राकृतिक गैस निगम	01	500000	1	1568000
केनकीड्स प्राईवेट लिमिटेड	-	-	1	111000
कृषि विज्ञान केन्द्र,नई दिल्ली (के.वी.के.)	-	-	01	850000
क्लिऐंथ रिसर्च लिमिटेड, नई दिल्ली	-	-	1	71050
खान मंत्रालय, नई दिल्ली	-	-	1	829800
सीनोफी –सींथलैब, लिमिटेड	-	-	01	49680
ड्रग ट्रायल	-	-	2	98156
सेट्रल काउसिल फार रिसर्च आयुर्वेदिक सांइसेस	-	-	1	3958000
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	-	-	01	200000000
स्ट्रैसा राइस	-	-	01	500000
इंडिया हेल्थ एक्सन ट्रस्ट, लखनऊ	1	2331315	01	2331315
एरेडेंट क्लीनिकल रिसर्च सर्विसेस, पुणें	1	426250	-	-
बेयर क्रॉप साइंस लिमिटेड	1	876000	-	-
सी.एस.सी.	1	500000	-	-
क्रिस्चियान मेडिकल कॉलेज	1	2226930	-	-
धानुका एग्रीटेक लिमिटेड	1	803004	-	-
ग्लोबल हेल्थ एडोकेसी इंक्यूबेटर	1	1081205	-	-
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद	1	375000	1	375000
आई.एफ.एम.आर. ट्रस्ट	1	798000	1	798000
मलेरिहा एवं बी.बी.डी., लखलऊ	1	35000	-	-
आयुष मंत्रालय	3	1670789	3	1670789
खाद्य एवं रसद उद्योग मंत्रालय	1	3251000	1	3251000
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	1	426250	-	-
ओ.एस.सी.ए.आई.एल.				
उत्तर प्रदेस सरकार				
एरेडेंट क्लीनिकल रिसर्च सर्विसेस, पुणें				
बेयर क्रॉप साइंस लिमिटेड				
धानुका एग्रीटेक लिमिटेड	-	-	1	1803004
ग्लोबल हेल्थ एडोकेसी इंक्यूबेटर	-	-	1	1081205
इंडियोफिल इन्डस्ट्री लिमिटेड			1	390000
मलेरिहा एवं बी.बी.डी., लखलऊ			1	35000
ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केंद्र			1	1720000
ऑयल इंडिया लिमिटेड			1	500000

सम्मेलन

विभिन्न विषय क्षेत्रों में हुए विकास का मूल्यांकन करने तथा शैक्षणिक विचार-विमर्श हेतु अवसर उपलब्ध करने के लिए बहुत से विभागों/संकायों में शैक्षणिक समागम आयोजित किया जिसमें काफी संख्या में बाहरी प्रतिभागी शामिल हुए। कुल मिलाकर सन् 2020-21 के दौरान बीएचयू में 44 सम्मेलन आयोजित किए गए (विस्तृत विवरण में अनुलग्नक-4 में दिया गया है)।

देश एवं विदेशों में आयोजित संगोष्ठियों / सेमिनारों / कार्यशालाओं और इत्यादि में बीएचयू के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। वर्ष 2020-21 के दौरान विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया गया जिनमें से 3 भारत के लिए प्रतिनियुक्त किए गए थे। बाहरी देशों में जो प्रतिनियुक्ति की गई थी वे हैं - यू.एस.ए., कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, चीन, यू.के., जापान, भूटान, आस्ट्रेलिया तथा जर्मनी इत्यादी (विवरण अनुलग्नक -5 में दिया गया है)।

विश्वविद्यालय की श्रेणी (रैंकिंग)

वर्तमान वर्ष में राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणी ढांचा (एन.आई.आर.एफ.),भारत सरकार,शिक्षा मंत्रालय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालयों की श्रेणी में तृतीय तथा उच्च शिक्षण संस्थानों की श्रेणी में 10वां स्थान प्राप्त हुआ है।

विद्यार्थी केन्द्रित पहल

- **रोजगार परामर्श योजना :** विश्वविद्यालय ने एक रोजगार परामर्श योजना शुरू की है जिससे विद्यार्थियों को अपने लिए उचित रोजगार के चयन में मार्गदर्शन मिलेगा। पूर्णकालिक दो परामर्शदाता रखे गये है जो छात्रावासों का दौरा करते हैं,विद्यार्थियों से मिलते है, उनसे बातचीत करते हैं और उनकी क्षमताओं का पता लगाकर, उन्हें नियमित परामर्श देते है। इस पहल के अन्तर्गत संकल्प जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं के विद्वानों की वार्ताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किए गए। विद्यार्थियों हेतु रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ाने के लिए अंग्रेजी बोलने तथा साक्षात्कार कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- **कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर की स्थापना :** विश्वविद्यालय के छात्रों के सर्वांगीण कैरियर की संभावनाओं और व्यक्तित्व विकास को आगे बढ़ाने के लिए यह केंद्र विश्वविद्यालय में संचालित हो रहा है। यह विश्वविद्यालय के हॉबी सेंटर में स्थित है। कैरियर डेवलपमेंट सेंटर की प्रमुख उपलब्धियों में छात्रों के मामले,कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श, व्यक्तित्व विकास सत्र, प्लेसमेंट पूर्व वार्ता, कैरियर ड्रॉप-इन एडवाइजिंग, करियर संबंधी गतिविधियों पर व्याख्यान, छात्रों के बीच आत्महत्या की प्रवृत्ति की पहचान पर कार्यशाला, नवीन संकायों हेतु संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम में व्याख्यान, महिला महाविद्यालय के छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और छात्राओं के साथ वार्ता सत्र, कैरियर परामर्श योजना की तैयारी और मॉड्यूल की तैयारी शामिल है। उपरोक्त के अतिरिक्त, केंद्र ने व्यक्तित्व विकास सत्र, बेसिक कंप्यूटर सत्र, सी-प्रोग्रामिंग सत्र, वेबसाइट मेकिंग सत्र, सफाई अभियान, अभिवृत्ति सत्र, गीता पर साप्ताहिक सत्र, दैनिक योग सत्र, उद्यमिता सत्र, स्पोकेन इंग्लिश सत्र, आई.आर.डी.एम. एम.ए.के छात्रों के लिए समूह चर्चा पर कार्यशाला, लोक प्रशासन परास्नातक छात्रों के लिए मॉक साक्षात्कार, यू.पी.एस.सी. की तैयारी हेतु सत्रों का आयोजन किया।
- **स्थापना दिवस पर झांकी यात्रा :** विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस, बसंत पंचमी के दिन लगभग तीन दशकों के अंतराल के बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और इकाइयों द्वारा झांकी निकालने की उल्लेखनीय परम्परा 24 जनवरी 2015 से पुन: शुरू की गई। तब से, संबंधित संकाय पूर्ण उत्साह के साथ अपनी झांकी निकालते हैं।

- **महिला संवेदीकरण :** महिला संवेदीकरण,एंटी-रैगिंग आदि जैसे सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ के गठन द्वारा कई पहलें की गई हैं,विशेषकर छात्राओं के लिए जिसमें परामर्शदाताओं और एंटी-रैगिंग दल के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी है।

- **तरण ताल :** खाली समय में विद्यार्थी खेल कूद में संलग्न रहें इसके लिए प्रत्येक छात्रावास में खेल कूद की सामान्य न्यूनतम सुविधाओं के साथ एक नए तरण ताल का निर्माण किया गया ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

- **बीएचयू पर वृत्तचित्र :** विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बीएचयू के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों का चित्रण करते हुए एक वृत्तचित्र को विभिन्न संकायों में प्रवेश के समय नए प्रवेशार्थियों के लिए प्रदर्शित किया जाता है।

- **गीता प्रवचन :** विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की एक अनन्य विशेषता,गीता-प्रवचनों का आयोजन गीता समिति के तत्वावधान में चल रहा है। इससे हमारे धर्मग्रंथों के जीवंत दार्शनिक और आध्यात्मिक विचार-विमर्श की संस्कृति सुदृढ़ हुई है।

- **साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्र :** विद्यार्थियों को इलेक्ट्रानिक संसाधनों का अभीष्ट उपयोग करने तथा स्वाध्याय हेतु प्रेरित करने के लिए एक उच्च क्षमता की साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है। यह विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक संसाधनों (पत्रिकाओं एवं पुस्तकों) तक पहुँच प्रदान करता है। इस केन्द्र में 220 कम्प्यूटर टर्मिनल एवं उच्चगति की इंटरनेट पहुँच सुविधा उपलब्ध है जिसमें एक साथ 200 से अधिक विद्यार्थी बैठ सकते हैं। यह बीएचयू साइबर पुस्तकालय एक इलेक्ट्रानिक पुस्तकालय है जो बेब ऑफ साइंस, ऐनुअल रिव्यू, मैथसाइनेट, साइफाइडर स्कालर तथा वैब एबस्ट्रेक्ट्स नामक पत्रिकाओं और पुस्तकों के पूर्ण पाठ तक पहुँच प्रदान करता है। यह डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया, वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरी, युनिवर्सल डिजिटल लाइब्रेरी तथा प्रोजेक्ट गुटनवर्ग तक भी पहुँच प्रदान करता है। सेज ई-बुक, स्प्रिंगर ई-बुक्स, टेलर एण्ड फ्रांसिस, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, इनसाइक्लोपीडिया, ब्रिटानिक, मेडिकल रिर्सोसज, (ई.आर.एम.ई.डी.) तथा पम्ब, इंजीनियरिंग साइंस रिसोर्सेज, इंस्टीट्यूशन रिपाजिटरीज नामक ई-पुस्तक साइबर पुस्तक में उपलब्ध है। हिन्दी समय, हिन्दी साहित्य दर्पण, हिन्दी कवितायें, कविता कोश, साहित्य शिल्पी, संस्कृत शोध प्रबंध तथा संस्कृत ई-बुक्स जैसे हिन्दी व संस्कृत की सामग्रियों की इस साइबर पुस्तकालय में अभिगम्य है। पुस्तकालय में "लाइब्रेरी आन मोबाइल" की भी शुरूआत किया है जहाँ पुस्तक के ई-संसाधन मोबाइल प्रारूप में उपलब्ध कराये गये हैं जिसे इंटरनेटर के जरिये स्मार्ट फोन से प्राप्त किया जा सकता है।

- **परामर्श और मार्गदर्शन केंद्र :** इस प्रकोष्ठ की स्थापना मुख्य रूप से बीएचयू के छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों की आवश्यकतों को पूरा करने, विशेषकर कैरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में और साथ ही उनके व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं के लिए समाधान खोजने में उनकी मदद करने के उद्देश्य से किया गया था। केंद्र छात्रों के लिए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक कौशल को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं और विशेषज्ञों के लोकप्रिय व्याख्यानों को आयोजित करता है। केंद्र छात्रों को विभिन्न विषयों,पाठ्यक्रमों और शैक्षिक विकल्पों और कैरियर के नियमों के बारे में जानने में मदद करने के लिए कैरियर परामर्श सत्र आयोजित करता है इस प्रकार, छात्र एक अवगत विकल्प बना सकते हैं, और उक्त कैरियर का मूल्यांकन कर सकते हैं जो कैरियर के निर्णय लेने में जोखिम से बचने में मदद करता है। यह मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है और छात्रों को नई दिशा दे सकता है। इसके अलावा,यह प्रकोष्ठ बीएचयू के छात्रों के लिए शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन, मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएँ और जागरूकता और शिक्षाप्रद प्रक्रियाओं जैसे विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है।

- 25 अप्रैल 2019 को कुलपति प्रो राकेश भटनागर ने सैयाजी राव गायकवाड़ पुस्तकालय (केंद्रीय पुस्तकालय) बीएचयू में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए डिजिटल संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया। बीएचयू के दृष्टिबाधित छात्रों के लिए इस केंद्र को अत्याधुनिक उच्च तकनीकी कम्प्यूटरीकृत सेवाओं के साथ विकसित

किया गया है। केंद्र ने 525 पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को ऑडियो प्रारूप में विकसित किया है। इसके अलावा,नेत्रहीन छात्र ऑडियो रिकॉर्डिंग के बिना कंप्यूटर स्क्रीन पर स्कैनर की मदद से सीधे ऑडियो प्रारूप में पुस्तकों को पढ़ और सुन सकते हैं।

नई सुविधाओं का विकास

संरचनात्मक विकास

- ✓ पाँच वर्षों में रू० 4600 करोड़ की धनराशि की लागत से चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे संस्थान के रुप में उन्नयन
- ✓ रू० 200 करोड़ की लागत से 430 बिस्तरों एवं अधुनिक मशीनों से सुसज्जित सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक की स्थापना जिसमें 13 मॉड्यूलर ओ.टी., 50 आई.सी.यू. एवं 19 सी.सी.यू. बेड है।
- ✓ रू० 45 करोड़ की लागत से 100 बिस्तरों वाले मदर एंड चाईल्ड केयर विंग की स्थापना
- ✓ रू० 38.58 करोड़ की लागत से रिजनल इन्स्टिट्यूट ऑफ ऑप्थेलमोलॉजी की स्थापना
- ✓ रू० 35 करोड़ की लागत से बोन मैरो ट्रान्सप्लांट एंड स्टेम सेल रिसर्च सेन्टर की स्थापना
- ✓ बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में शोध एवं नवाचार हेतु आधुनिक मशीनों एवं सुविधाओं से सुसज्जित सेन्टर डिस्कवरी सेन्टर की स्थापना
- ✓ नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रू० 125 करोड़ की लागत से "Sophisticated Analytical & Technical Help Institute Centre"के अंतर्गत एक स्वतंत्र पारिस्थितिक तंत्र की स्थापना
- ✓ रू० 6 करोड़ की लागत से BIONEST की स्थापना
- ✓ निति आयोग, भारत सरकार के तत्वाधान में अटल इनक्यूबेशन सेन्टर परियोजना के अंतर्गत Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship की स्थापना
- ✓ देश के प्राचीन ज्ञान भंडार एवं आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के मध्य संबंध स्थापित करने की दिशा में शोध करने के उद्देश्य से वैदिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना
- ✓ मुख्य परिसर एवं दक्षिणी परिसर में सोलर पॉवर पैनेलों की स्थापना
- ✓ दक्षिणी परिसर में आवासिय भवन संकुल एवं दो छात्रावासों का निर्माण
- ✓ एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का निर्माण
- ✓ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिये 300 अपार्टमेंट का निर्माण। 300 अतिरिक्त निर्माणाधीन है।
- ✓ दक्षिणी परिसर में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय की स्थापना
- ✓ दक्षिणी परिसर की पहाड़ी क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिये चेक डैम का निर्माण
- ✓ अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये 110 कमरों वाले छात्रावास का निर्माण
- ✓ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को ईन्स्टिट्यूशन ऑफ एमिनेन्स के टैग से नवाज़ा गया है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय को 5 वर्षों में रु० 1000 करोड़ का आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा
- ✓ 450 संकाय सदस्यों, 10 अधिकारियों एवं 1270 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती
- ✓ विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परिक्षाओं का कम्प्यूटर आधारित परीक्षा पद्धति के माध्यम से संचालन
- ✓ विश्वविद्यालय की प्रशासनिक एवं आर्थिक कार्यों के स्वचालन एवं कागज़ रहित कार्यालय की दिशा में ई-ऑफिस का क्रियान्वयन

प्रशासकीय सुधार एवं इ-गवर्नेंस पहल

- पुराने रिकॉर्ड के ज्यादातर हिस्से का डिजिटलाइजेशन का कार्य चल रहा है और परिसर में वाई-फाई नेटवर्क स्थापित करने से संबंधित काम पूरा हो चुका है।
- प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया का स्वचालन प्रवेश में दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए विश्वविद्यालय में आनलाइन प्रवेश कार्यक्रम को विकसित कर लिया गया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों व कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रवेश पत्र जारी करने, प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित करना, अभ्यर्थियों द्वारा

पाठ्यक्रमों में वरीयता चयन काउंसलिंग, प्रवेश का प्रस्ताव, प्रवेश शुल्क का भुगतान, छात्रावास आवंटन इत्यादित जैसी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं। स्वचलन की यह प्रक्रिया अन्य शैक्षणिक प्रशासनिक क्षेत्रों में भी जारी रहेगी।

- **ई-गवर्नेन्स का क्रियान्वयन :** विश्वविद्यालय ने प्रवेश,काउंसिलिंग तथा परीक्षा हेतु एक समर्पित आनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन चक्र प्रबंधन का एक बड़ा हिस्सा पहले ही स्वचालित बना दिया है इसी तरह से भर्त्ती तथा वित्तीय प्रबंधन की प्रशासनीय प्रक्रियाओं को भी आंशिक तौर पर स्वचालित कर दिया गया है। सरसुदंरलाल अस्पताल में पूर्णत: कार्यक्षम अस्पताल सूचक प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई है। ई-खरीद एवं ई-नीलामी भी की जा रही है। प्रभावी आंकडा आधारित विश्वविद्यालय की वेबसाइट निर्माणाधीन है। बढ़ते कार्यभार तथा घटते श्रमशक्ति के बीच की खाई को पाटने के लिए अन्य महत्वपूर्ण प्रशासकीय प्रक्रियाओं के कम्प्यूटरीकरण का भी खाका तैयार कर लिया गया है। कार्यालयी कामकाज को स्वचालित बनाते समय प्रक्रियागत पुर्नसंरचना को भी ध्यान में रखा जा रहा है तथा इसमें दक्षता लाने के लिए तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। विश्वविद्यालय प्रभावी एवं दक्षतापूर्ण प्रबंधन हेतु आधुनिक उपकरणों के उपयोग के लिए सजग एवं सक्रिय प्रयास कर रहा है।

ख्यातिलब्ध शिक्षकों की अल्पकालिक नियुक्ति

विश्वविद्यालय समय-समय पर नियुक्ति योजना के अंतर्गत संबंधित विभागों की नीति एवं आयोजना समिति की सिफारिश पर विजिटिंग प्रोफेसरों, मानित प्रोफेसरों, विजिटिंग फेलो तथा एक्सटर्नल एडजंक्ट फैकल्टी के तहत ख्यातिलब्ध शिक्षकों व विशेषज्ञों की नियुक्ति करता है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान उक्त योजना के अंतर्गत नियुक्तियॉं की गई। विश्वविद्यालय में विद्यमान पुराने इंडोव्ड चेयर्स को पुन: प्रवर्तित करने के प्रयास किए गए हैं विश्वविद्यालय ने भातर अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत सेंटेनरी चेयर प्रोफेसर्स के 5 पद तथा सेंटेनरी विजिटिंग फेलो के 10 पदों का भी सृजन किया है।

आउटरीच और एक्सटेंशन

- **समुदाय विकास प्रकोष्ठ :** विश्वविद्यालय ने एक समुदाय विकास प्रकोष्ठ बनाया है,जिसने आसपास के पाँच गाँवों को आदर्श गाँव के मानको के आधार पर विकसित करने के लिए गोद ले लिया है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे स्वच्छ भारत,स्वस्थ भारत और कौशल विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।
- **समर्थ ग्राम अभियान:** विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत की है। अभियान के हिस्से के तौर पर विद्यापीठ ब्लाक के अन्तर्गत आने वाले 100 गाँवों का चयन किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जैविक खेती, वृक्ष रोपण, घरेलू जानवरों के स्वास्थ्य, घरेलू उद्यान, जल प्रबन्धन, पर्यावरणीय जागरूकता आदि के महत्व के बारे में शिक्षित करना तथा स्वयं-संपोष्य आत्मनिर्भर बनाने वाले विधिक मामलों की जानकारी प्रदान करना है। समर्थ ग्राम अभियान के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गतिविधियां आयोजित की गई। प्रतिवेदन अवधि के दौरान समर्थ ग्राम अभियान ग्राम दल द्वारा चिन्हित गाँवों में अने कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुछ प्रमुख गतिविधियाँ हैं - बेस लाइन सर्वे, कार्यशाला, ग्रामीण लड़कियों हेतु बुनाई, सिलाई और कढ़ाई का प्रशिक्षण, जैविक कृषि सम्मेलन, एन.एस.एस. द्वारा आयोजित कार्यक्रम, पशु चिकित्सा शिविर, दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर, ई.एन.टी. चिकित्सा शिविर, महिलाओं हेतु स्वास्थ्य जांच शिविर, घरेलू उद्यान हेतु बीज वितरण, आम, नींबू और आंवला के पौधे का रोपण, ग्रामीणों के लिए योग कक्षाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर नुक्कड़ नाटक।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान,विदेशों के कई प्रतिनिधियों ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय का दौरा किया। विश्वविद्यालय ने विदेशों में कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, स्पेन, नेपाल, मॉरीशस आदि शामिल हैं ।

विश्वविद्यालय-उद्योग सहभागिता प्रकोष्ठ

उच्चतर शिक्षा एवं शोध को समाज एवं अर्थव्यवस्था के प्रति और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय में एक व्यापार प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। व्यापार प्रकोष्ठ की अवधारणा का केन्द्र बिन्दु यह है कि उद्योग क्षेत्र को चाहिए कि वह निर्देशन हेतु इनपुट प्रदान करे जिससे विश्वविद्यालय में शोध कार्य हो सके और दूसरी ओर शोध के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा प्रौद्योगिकी / उत्पाद / प्रक्रियाएं विकसित हों जिनका पर्याप्त मात्रा में विपणन हो ताकि औद्योगिक क्षेत्र उन्हें अपनाएं और नवप्रवर्तनों का उत्पादनपरक उपयोग हो सके। विश्वविद्यालय के व्यापार प्रकोष्ठ के लिए यह अनिवार्य है कि वह उचित प्रौद्योगिकी के विकास, हस्तांतरण, व्यापार विकास और औद्योगिक शैक्षणिक पारस्परिक प्रभाव हेतु दिशा निर्देश दें। विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों, शोध एवं अपने संकाय सदस्यों द्वारा विकसित शोध-उत्पादों के वाणिज्यिक दोहन हेतु अरविन्द रेमेडिज प्रा.लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय सेबी, एन.एस.ई., एक्सिस बैंक तथा अन्य औद्योगिक संगठनों के साथ भी समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की योजना बना रहा है।

शिकायत निवारण तंत्र का सुदृढ़ीकरण

समस्त शिकायतों को प्रस्तुत करने और संसाधित करने हेतु एक केन्द्र बिन्दु प्रदान करने के लिए सभी शिकायत निवारण समितियों के एक संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए संयुक्त कुलसचिव की अध्यक्षता में केन्द्रीय कार्यालय में एक केन्द्रीकृत शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य सभी शिकायतों का समाधान करना है। सभी शिकायत निवारण समितियों को पर्याप्त प्रबंधकीय एवं सचिवीय सहायता प्रदान करने और शिकायत निवारण समितियों से संबंधित दस्तावेजों के रख-रखाव हेतु प्रकोष्ठ को पर्याप्त कर्मचारी मुहैया कराए गए है। भेदभाव-निरोध अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

महत्वपूर्ण बैठकें :

कार्यकारिणी परिषद् की बैठकें

मई 7, 2020 (प्रसार माध्यम से)
जुलाई 15, 2020
जुलाई 31, 2020 (प्रसार माध्यम से)
अगस्त 16, 2020 (प्रसार माध्यम से)
अगस्त 30, 2020
सितम्बर 23, 2020 (प्रसार माध्यम से)
नवम्बर 1-2, 2020
नवम्बर 17, 2020
जनवरी 1, 2021

विद्वत् परिषद् की बैठकें

नवम्बर 4, 2020
अप्रैल 4, 2020(प्रसार माध्यम से)
अगस्त 8, 2020(प्रसार माध्यम से)
सितम्बर 9, 2020(प्रसार माध्यम से)
नवम्बर 11, 2020(प्रसार माध्यम से)
दिसंबर 11, 2020(प्रसार माध्यम से)

वित्त समिति की बैठक

मई 5, 2020
जून 20, 2020
अक्टूबर 29, 2020
दिसंबर 11, 2020

संकाय की बैठकें

कला संकाय	9.1.2021
	14.1.2021
चिकित्सा विज्ञान संकाय	8.10.2020
	23.1.2021
सामाजिक विज्ञान संकाय	3.3.2021
कृषि संकाय	15.1.2021
दन्त विज्ञान संकाय	12.10.2020
संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय	16.1.2021
	26.3.2021

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना

क. संस्थान

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान
- कृषि विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास संस्थान
- प्रबन्ध शास्त्र संस्थान
- विज्ञान संस्थान

ख. संकाय

- कृषि
- कला
- आयुर्वेद
- वाणिज्य
- दन्त चिकित्सा विज्ञान
- शिक्षा
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास
- विधि
- प्रबन्ध शास्त्र
- चिकित्सा
- मंच कला
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान
- विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान
- दृश्य कला
- पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

ग. महाविद्यालय

अंगीभूत महाविद्यालय: महिला महाविद्यालय (वूमेन्स कॉलेज) परिसर के अन्दर स्थित

घ. अन्तर्विषयी उच्च शिक्षापीठ (स्कूल)

- जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल
- जीवन विज्ञान स्कूल

च. अध्ययन केन्द्र

- आनुवांशिक विकृति
- डी़एस़टी़ सेन्टर फार इंटर डिसीप्लीनरी मैथमेटिकल साइंस
- नेपाल अध्ययन केन्द्र
- महिला अध्ययन एवं विकास
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
- समन्वित ग्रामीण विकास
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

छ विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालय

- सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल
- सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
- श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

ज़. विश्वविद्यालयी विशेषाधिकार प्राप्त महाविद्यालय

- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज
- दयानन्द पी.जी. कॉलेज
- वसन्त महिला महाविद्यालय (राजघाट)
- वसन्त कन्या महाविद्यालय

झ. यू.जी.सी.-एस.ए.पी.: डी.आर.एस., डी.एस.ए. व सी.ए.एस. कार्यक्रम

विशेष सहायकता कार्यक्रम (स्तर)

- रसायन शास्त्र (सी.ए.एस.)-2
- भूविज्ञान (सी.ए.एस.)-2
- मनोविज्ञान (डी.आर.एस.)-2
- जन्तु विज्ञान (सी.ए.एस.)-6
- वनस्पति विज्ञान (सी.ए.एस.)-6

ट.अन्य मान्यता प्राप्त यूजीसी केन्द्र/कार्यक्रम

- महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशि निति अध्ययन, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- नेपाल अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- विश्वविद्यालय में अंतरिक्ष विज्ञान गतिविधियों को सुदृढ करने वाले विज्ञान संकाय (इसरों), भौतिकी विभाग।
- डीएसटी- महामना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन क्लाइमेट चेंज रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट।

ठ. डी एस टी-फीस्ट कार्यक्रम

(विश्वविद्यालय एवं उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए आधारभूत कार्यक्रमों (फीस्ट) के उन्नयन के लिए कोष)

- शरीर रचना विज्ञान, चि.वि.स.
- रसायनशास्त्र
- जन्तु विज्ञान
- भूविज्ञान

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)

2.1. मुख्य परिसर

2.1.1. संस्थान

2.1.2. संकाय

2.1.3. महिला महाविद्यालय

2.1.4 अध्ययन केन्द्र

2.1.5. स्कूल

2.1.6. का.हि.वि.वि. ग्रन्थालय प्रणाली

2.1.7. यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

2.1.8. मालवीय भवन

2.1.9. भारत कला भवन

2.2. दक्षिणी परिसर

2.3. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अंतर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

2.1.1.1. कृषि विज्ञान संस्थान

सन् 1931 में स्थापित कृषि शोध संस्थान बाद के काल खण्ड में कृषि विज्ञान संस्थान के रूप में उच्चकृत हुआ। संस्थान का मुख्य उद्देश्य कृषि पर पठन-पाठन, शोध एवं विस्तार करना एवं भूखमरी रहित राष्ट्र का निर्माण करना है। कृषि विज्ञान संस्थान अपने आप में पहली ऐसी संस्था है जहाँ परास्नातक एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया गया। सन् 1945 में जब यह कृषि विज्ञान कॉलेज, अभियंत्रिकी संकाय के अंतर्गत संचालित होता था, यहाँ पर स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया गया। सन् 1968 में कृषि विज्ञान कॉलेज एक स्वतंत्र कृषि विज्ञान संकाय के रूप में स्थापित हुआ। इसी अनुक्रम में सन् 1969 में संकाय में छः विभाग जुड़े जिनके नाम इस प्रकार है- पादप कार्यिकी विज्ञान, शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान एवं कृषि अर्थशास्त्र। सन् 1971 में उद्यान एवं कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान विभाग संकाय में शामिल हुए। सन् 1981 में प्रसार शिक्षा, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान एवं कृषि अभियंत्रिकी भी संकाय के हिस्सा बने। सन् 2008 में खाद्य विज्ञान एवं तकनिकी केन्द्र की स्थापना हुई जो सन् 2016 में संकाय का अभिन्न हिस्सा बना। सन् 2019 में खाद्य विज्ञान एवं तकनिकी केन्द्र का पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान में विलय हो गया।

21वीं सदी में कृषि एवं खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में मानव संसाधन एवं तकनीक की मांग को ध्यान में रखते हुए सन् 2006 से कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा परास्नातक स्तर पर 8 विशेष पाठ्यक्रम चलाए गए जो इस प्रकार है।

1. कृषि उद्योग प्रबंधन
2. कृषि वानिकी
3. पादप जैव अभियंत्रिकी
4. मृदा एवं जल संरक्षण
5. खाद्य विज्ञान
6. कृषि साख्यिकी
7. फसल कटाई प्रबंधन
8. बीज उत्पादन एवं व्यवसाय

वर्तमान में कृषि विज्ञान संस्थान के अंतर्गत 2 संकाय संचालित हैं जिनके नाम इस प्रकार है- कृषि विज्ञान संकाय तथा पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय। हाल ही में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु विज्ञान संकाय को इसकी नियामक संस्था भारतीय पशु चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त हो गई है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में संस्थान में संचालित स्तातक (कृषि) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु देशभर से लगभग 80 हजार अभ्यर्थीयों ने आवेदन किया। परास्नातक (कृषि) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 10 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। संस्थान के कृषि विज्ञान संकाय में 5 एवं पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय में 11 नये अध्यापक भर्ती हुए। संस्थान मे अध्ययनरत 695 विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को विभिन्न वित्तीयपोष देने वाले संस्थानों के फेलोशिप / स्कालरशिप आदि प्राप्त है।

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान 211 राष्ट्रीय एवं 149 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किये गये। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों द्वारा 28 पुस्तक एवं 50 पाठ भी प्रकाशित किये गये। वर्तमान में संस्थान में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वरा वित्तपोषित 123 शोध परियोजनायें संचालित हैं।

2.1.1.2. चिकित्सा विज्ञान संस्थाना

चिकित्सा विज्ञास संस्थान जिसके अंतर्गत मेडिसिन, दन्त चिकित्सा एवं आयुर्वेद शामिल है, ने अपनी स्थापना के बाद से एक लम्बा सफर तय किया है। सन् 1922 में ओरिएंटल लर्निंग एण्ड थियोलॉजी संकाय में आयुर्वेद विभाग का शुभारंभ हुआ जोसन् 1927 में एक स्वतंत्र आयुर्वेद कॉलेज के रूप में स्थापित हुआ जिसे सन् 1960 में मेडिकल साइंस कॉलेज में परिवर्तित किया गया। बाद के कालखण्ड में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सन् 1971 में मेडिकल कॉलेज को संस्थान के रूप में उच्चीकृत किया गया। वर्ष 1978 में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत 2 संकाय मेडिसिन एवं आयुर्वेद का संचालन प्रारम्भ हुआ। अपनी इस यात्रा के दौरान चिकित्सा विज्ञान संस्थान ने विकास के कई दौर देखे तथा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की। वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत मेडिसन संकाय, आयुर्वेद संकाय, दन्त चिकित्सा संकाय, नर्सिंग कॉलेज एवं चिकित्सालयों का एक विस्तृत नेटवर्क संचालित हो रहा है।

सन् 1960 में मेडिसिन संकाय के अंतर्त एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई तथा सन् 1963 में एम.डी. / एम.एस. पाठ्यक्रम भी जुड़ा। वर्तमान में संस्थान में एम.डी. / एम.एस. की 168 सीटें है। सुपर स्पेशियालिटी पाठ्यक्रम जैसे डी.एम. / एम.सी.एच. पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ सन् 1976 से हुआ तथा वर्तमान में संकाय के 11 सुपर स्पेशियालिटी विषय कुल 21 सीटों के साथ संचालित होती है। इसके अतिरिक्त संकाय में कुल 49 सीटें फेलोशिप पाठ्यक्रम के रूप में संचालित होती है जिसमें एनेस्थिसिया, बाल रोग, सर्जिकल आंकोलॉजी, जर्नल सर्जरी, रेडियो डायग्नोसिस, जेरियाट्रीक मेडिसिन, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी आदि के पाठ्यक्रम शामिल है। संकाय के पैथोलॉजी, नेफ्रोलॉजी एवं रेडियोथेरेपी विभाग में परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है।

आयुर्वेद संकाय विश्वविद्यालय के संकायों में से सबसे एक है। वर्तमान में आयुर्वेद संकाय के अंतर्गत स्नातक,स्नातकोत्तर, पी.जी. डिप्लोमा एवं सर्टीफीकेट पाठ्यक्रम चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देश में आयुर्वेद का यह एक मात्र संकाय है जो 15 विशिष्ट विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान करता है। संकाय के द्रव्यगुण विभाग के अंतर्गत 10 एकड़ के भू-भाग में 200 औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ एक औषधीय पौधशाला का रख-रखाव किया जाता है। संकाय के रस शास्त्र विभाग में 450 हर्बेरियम नमूनों से लैस एक हर्बेरियम एवं क्रूड

औषधि संग्रहालय है। आयुर्वेद के पंचकर्म विभाग में विभिन्न रोगों के लिए पूर्ण उपचार की व्यवस्था है तथा शल्य तंत्र विभाग के अंतर्गत क्षारसूत्र इकाई विभिन्न प्रकार के गुदा रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी संख्या में लाभ पहुँचाता है।

सन् 1962 में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के छात्रों को पढ़ाने के लिए सर्जरी विभाग की एक इकाई के रूप मेंदन्त चिकित्सा की शुरूआतमें हुई। सन् 1971 में दन्त चिकित्सा विभाग स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आया तथा एम.डी.एस. पाठ्यक्रम की शुरूआत सन् 1979 में हुई। एम.डी.एस. पाठ्यक्रम की शुरूआत सन् 1988 में हुई। सन् 2005 में दन्त चिकित्सा विभाग दन्त विज्ञान संकाय में परिवर्तित हुआ जो वर्तमान मे विश्वविद्यालय के स्थापना स्थल के समीप स्थित है। संकाय में बी.डी.एस. पाठ्यक्रम की शुरूआत सन् 2008 में 25 विद्यार्थियों के साथ हुई जो वर्तमान में बढ़कर 50 तक पहुँच गई। प्रत्येक वर्ष 12 विद्यार्थी विभिन्न एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में नामांकित होते हैं तथा संकाय में 2 डिप्लोमा कोर्स डी.डी.एम. और डी.डी.जेड.एच. का भी संचालन किया जाता है।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत 1585 बिस्तरों का एक सर सुन्दरलाल चिकित्सालय एवं 334 बिस्तरों का एक ट्रॉमा सेंटर संचालित होता है। सर सुन्दरलाल चिकित्सालय एवं ट्रॉमा सेंटर में पूर्वांचल, सात पड़ोसी राज्यों एवं पड़ोसी देश नेपाल से आने वाले गरीब मरीजों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ न्यूनतम दर पर उपलब्ध कराई जाती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए अलग से विद्यार्थी स्वास्थ्य संकुल एवं कर्मचारी स्वास्थ्य संकुल है। विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के समकक्ष संस्थान के रूप में उच्चीकृत किया जा रहा है। इस क्रम में उन्नत एवं विशिष्ट उपचार प्रदान करने की उद्देश्य से एक 400 बिस्तरों का सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक की स्थापना की गई है। सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक आधुनिक चिकित्सिय उपकरण से लैसजिसमें 13 माड्यूलर ओ.टी., 50 आई.सी.यू. एवं 19 सी.सी.यू. बनाए गएहै। इसमें चिकित्सा विज्ञान के 11 प्रमुख सुपर स्पेशिलिटी विषयों पर चिकित्सा एवं उपचार की सुविधाएँ उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इसमें आधुनिक रक्त बैंक, जांच संकुल एवं मोबाइल रक्त बैंक की सुविधाएँभी हैं। इस नव निर्मित चिकित्सालय को एन.ए.सी.ओ. नई दिल्ली द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत अन्य नई स्वास्थ्य सुविधाएँ भी स्थापित की गई है जिनमें 100 बिस्तरों का मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, 100 बिस्तरों का क्षेत्रिय नेत्र संस्थान, 12 बिस्तरों का बोन मैरो ट्रांस्प्लांट एवं स्टेमसेल रिसर्च सेंटर एवं 60 बिस्तरों का मानसिक चिकित्सा केन्द्र, मुख्य हैं। इन नई सुविधाओं का उद्घाटन माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया है।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान अपने विद्यार्थियों, जो यहाँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत है, को उन्नत शिक्षण, ट्रेनिंग एवं शोध सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। संस्थान के विभिन्न विभागों में आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं में शिक्षण एवं शोध की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को छात्रावास, कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की सुविधाएँ भी प्रदान की जाती है।

वृद्ध जनमानस को उत्तम स्वास्थ्य सुविधआएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्थान ने जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई है। इसके अलावा टेलिमेडिसिन-क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र के माध्यम से भी पठन-पाठन, शोध के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान देश विदेश के कई प्रख्यात चिकित्सकोंएवं चिकित्सा विज्ञान से जुड़े लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों का चिकित्सा विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभगों में आगमन हुआ। इनमें से कुछ के नाम इस प्रकार है- डॉ. क्रिस्टीन पीटर्सन, डॉ. जेनेफर ब्लैकवेल, डॉ. मैरी ई. विल्सन, डॉ. एरियाना स्नीडर, डॉ. क्लैसॉन, डॉ. ओलिवॉ गेटेनो, डॉ. राउटॉन, डॉ. सीमा कपूर, डॉ. जॉन क्वीटजर, डॉ. नीरज कुमार, प्रो. मंजरी त्रिपाठी, प्रो, शरद चंद्र, प्रो. संजय गुप्ता, डॉ. प्रवीर सिंह, डॉ. बलेंदु प्रकाश।

संस्थान की प्रमुख उपलब्धियाँ

मेडिसिन संकाय

- मेडिसिन संकाय के संकाय सदस्यों द्वारा 35 शोध परियोजनाएँ प्राप्त की गई।
- प्रो. समीर त्रिवेदी को इकोनॉमीक टाईम्स इन्पायरिंग यूरोलॉजिस्ट इन इण्डिया की ख्याति से नवाजा गया।
- प्रो. डी. दास को उनके औद्योगिक क्षमता से व्याप्त शोध कार्य के लिए रसायन एवं खाद मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ओ.पी.पी.आई. वैज्ञानिक (2020) पुरस्कारसे नवाजा गया। इसके अतिरिक्त भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध हेतु उन्हें डॉ. वाई. सुब्बा रॉव मेमोरियल पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।
- प्रो. डी. दास राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी प्रयागराज के चयनित फेलो चुने गये।
- डॉ. कुमार सर्वोत्तम, फिजियोलॉजी विभाग, को डी.आर.डी.ओ. द्वारा उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार से नवाजा गया।
- डॉ. एच.बी. शर्मा फिजियोलॉजी विभाग को भारतीय फिजियोलॉजी संघ द्वारा देव राज बजाज शोध सम्मान से पुरस्कृत किया गया।
- डॉ. आन्नद कुमार, न्यूरोलॉजी विभाग, को अमेरिकी न्यूरोलॉजी अकादमी द्वारा 2020 के अंतर्राष्ट्रीय स्कॉलरशिप प्रदान किया गया।
- डॉ. प्राची, जे.आर.-3 जनरल मेडिसिन, को टोरेंट युवा स्कॉलर पुरस्कार से नवाजा गया।
- डॉ. अंकिता पाण्डेय, डॉ. श्रेया सिंह एवं डॉ. नेहा लाल, जे.आर. रेडियोथेरेपी विभाग को ओ.एफ.सी.ओ.एन. 2020 सम्मेलन में पोस्टर प्रेजेन्टेशन के लिए क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- प्रो. सी.पी. मिश्रा, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा टॉक्स फोर्स का सदस्य नियुक्त किया गया।
- डॉ. धरमेन्द्र जैन को सोसाइटी ऑफ कार्डियोंवास्कूलर एन्जीयोग्राफी एण्ड इंटरवेंशन का फेलोशिप प्राप्त हुआ।
- डॉ. दीपक मिश्रा, नेत्र विभाग को अखिल भारतीय नेत्र चिकित्सा संस्था के वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ भौतिक पेपर के अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- प्रो. मनोज पाण्डेय को कोविड-19 के दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान संघ द्वारा सम्मानित किया गया।
- डॉ. आशीष वर्मा, रेडियोलॉजी विभाग, इण्डियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी के फेलो चुने गये।

विस्तार कार्यक्रम

- जेरियाट्रिक विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न वृद्धाश्रमों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा जिला प्रशासन के सहयोग से लोगों में मास्क एवं सेनेटाइजर का वितरण किया गया।
- मानसिक चिकित्सा विभाग द्वारा कोविड-19 काल में जन मानस हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कियागया एवं काउंसलिंग की सुविधा प्रदान की गई।
- नेत्र विभाग द्वारा पैन इण्डिया मधुमेह रेटिनोपैथी परियोजना का संचालन किया गया।
- कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा कोविड-19 काल में जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम एवं रैलियों का आयोजन किया गया।

आयुर्वेद संकाय

- आयुर्वेद संकाय के संकाय सदस्यों द्वारा 10 शोध परियोजनाएँ प्राप्त की गई।

- प्रो. जे.एस. त्रिपाठी, कायचिकित्सा विभाग, को राष्ट्रीय मानवाधिकार रक्षा बोर्ड एवं विश्व गुरू भारत परिषद, वाराणसी द्वारा माँ वरूणा महोत्सव स्मृति सम्मान से नवाजा गया।
- प्रो. राजेंद्र प्रसाद, कायाचिकित्सा विभाग, को अखिल भारतीय आयुर्वेद विशेषज्ञ संघ, नई दिल्ली द्वारा आयुर्वेद शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

विस्तार कार्यक्रम

- संज्ञाहरण विभाग द्वारा स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया।
- कायाचिकित्सा विभाग द्वारा एस.एन.एस.के. आयुर्वेद मेडिकल में बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु गठित समिति में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

दन्त चिकित्सा संकाय

- दन्त चिकित्सा संकाय के संकाय सदस्यों द्वारा 10 शोध परियोजनाएँ प्राप्त की गई।

विस्तार कार्यक्रम

- संकाय द्वारा मुख स्वास्थ्यएवं चिकित्सा तथा कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया।

नर्सिंग महाविद्यालय

सत्र 2009-10 में से 60 सीटों की वार्षिक प्रवेश के साथ चार वर्षीय बी.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम की शुरूआत करने के उद्देश्य से स्कूल ऑफ नर्सिंग को नर्सिंग महाविद्यालय के रूप में उच्चीकृत किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल-कूद एवं अन्य पाठ्येतर कार्यक्रमों में सहभागिता की जाती है।

नर्सिंग महाविद्यालय में चल रही परियोजना

इस परियोजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में नर्सिंग कैडर एवं इससे जुड़ी स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक व्यवस्था को सशक्त करना है। इस परियोजना के नोडल केन्द्र की जिम्मेदारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान के नर्सिंग महाविद्यालय को दी गई है।

यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश का एक राजकीय प्रादेशिक नोडल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नर्सिंग महाविद्यालय को सुदृढ़ बनाने के लिए वित्तीय सहयोग प्राप्त होता है।

ट्रामा सेंटर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का ट्रामा सेंटर सम्भवतः देश का सबसे बड़ा ट्रामा सेंटर है। 334 बिस्तरों वाला यह ट्रामा सेंटर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उपकरणों से लैस है। ट्रामा सेंटर में 27 आधुनिक आई.सी.यू. केन्द्रीय वातानुकूलित गैस एवं वैक्यूम वितरण सुविधा, 10000 लीटर की क्षमता का तरल आक्सीजन प्लांट, 13 माड्युलर ओ.टी., बहिरंग चिकित्सा सुविधा (हड्डी रोग, प्लास्टिक सर्जरी), आंरतरिक चिकित्सा सुविधा (हड्डी रोग, प्लास्टिक सर्जरी एवं न्यूरो सर्जरी), 24 घंटे आपातकालिन चिकित्सा सुविधा, 24 घंटे इमेजिंग जांच सुविधा, रक्त बैंक, 225 लोगों की क्षमता का एक सभागार एवं 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है।

कोविड-19 काल में चिकित्सा विज्ञान संस्थान द्वारा प्रदान की गई स्वास्थ्य सुविधा

चिकित्सा विज्ञान संस्थान का शताब्दी सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक कोविड मरीजों के लिये लेवल-3 कोविड चिकित्सालय के रूप में क्रियान्वित रहा। जिसमें कोविड मरीजों के लिये 469 बिस्तरों (133 आई.सी.यू. एवं 336 एच.डी.यू.) की सुविधा के साथ-साथ उनके लिये अलग से जांच सुविधाएँ एवं उपचार सुविधाएँ जैसे डायलिसिस, प्रसूती चिकित्सा, हृदय रोग चिकित्सा की सुविधाएँ प्रदान की गई। जुलाई 2021 तक कोविड के

4094 मरीज विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में भर्ती हुए जिनमें 2630 स्वस्थ्य होकर अपने घर लौट गये। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार के लिए भी सुविधाएँ प्रदान की गई। जुलाई 2021 तक ब्लैक फंगस के कुल 256 मरीज भर्ती हुएजिनमें 44 स्वस्थ्य होकर घर लौट गये। इस संदर्भ में 152 ऑपरेशन भी किये गए।

चिकित्सा विज्ञास संस्थान के वी.आर.डी.एल. लैब एवं एम.आर.यू. लैब द्वारा 24*7 कोविड सैंपलिंग एवं जांच कि सुविधा मुहैया कराई गई। इन प्रयोगशालाओं में 10 जिलों से प्राप्त सैंपलों की जांच की जाती रही। जुलाई 2021 तक 19 .5 लाख सैंपलो की जांच की गई जिनमें से 1.19 लाख सैंपल पाजिटिव पाये गये। कोविड के नये प्रकारों के अध्ययन हेतु एम.आर.यू. द्वारा कोविड पाजिटिव नमूनों की जीन सिक्वेसिंग की जा रही है। 215 से भी अधिक सैंपलों की सैंपलिंग की जा चुकी है।

कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के डॉक्टर्स लॉज एवं दन्त चिकित्सा में स्थापित किये गये टीकाकरण केन्द्रों में वृहत स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम सम्पादित किया जा रहा है। अब तक लगभग 1.05 लाख टीकाकरण किये जा चुके हैं।

2.1.1.3. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

दिसम्बर, 2002 में आयोजित अपने 57वें सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2005-2014 तक की अवधि को धारणीय विकास के “शिक्षा-दशक”(डी.ई.एस.डी.) के रूप में घोषित किया गया था। धारणीय विकास के शिक्षक दशक कार्यक्रम के अनुसार धारणीय विकास की शिक्षा से जनमानस, समुदायों, संगठनों एवं देशों के संपोष्य विकास के पक्ष में निर्णय लेने तथा विकल्प चुनने की क्षमता विकसित व मजबूत होती है। संयुक्त राष्ट्र के इस दृष्टिकोण के अनुसार उपयुक्त ज्ञान के विकास एवं संपोष्य विकास क्षमता के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इसी अनुक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2010 में एक राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान स्थापित किया गया। संस्थान में वर्ष 2011 एवं 2017 में शैक्षिक पदों पर नियुक्तियाँ हुईं। वर्तमान में संस्थान के चार प्रोफेसर (आचार्य), 2 सह आचार्य एवं आठ (सहायक आचार्य) कार्यरत हैं। संस्थान के उद्देश्यों में धारणीय विकास से सम्बन्धित शिक्षा प्रदान करना,समाविष्ट के बारे में जागरूकता विकसित करना एवं धारणीय विकास हेतु शिक्षा तथा संपोष्यता की प्राप्ति के लिए शिक्षा को एक यंत्र के रूप में उपयोग करना शामिल करना है। संस्थान का मिशन ऐसा शिक्षण,शोध व विस्तार कार्य करना है जिससे भविष्योन्मुख भारत का संपोष्य विकास हो सके तथा गरीबी मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल व समुचित प्रबंधन बरकरार रहे।

संस्थान के उद्देश्य

1. पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा को बढ़ाना,इसमें सुधार करना एवं तत्संबंधी शिक्षा प्रदान करना
2. पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए अंतर-अनुशासनिक उपागम में कार्य करना
3. समुदाय स्तर पर धारणीय सामाजिक एवं आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों और चुनौतियों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने में योगदान देना
4. धारणीय विकास के संदर्भ में पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याओं की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए एक विचार-विमर्श मंच तैयार करना,वैज्ञानिक चर्चाओं को बढ़ावा देना एवं निर्णयकर्ताओं के लिए उपयुक्त उपागम व विश्लेषण नीति विकसित करना
5. एक राष्ट्रीय नीति विकसित करने एवं धारणीय विकास संबंधी पहलों को क्रियान्वित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना है।

शिक्षण कार्यक्रम

यह संस्थान पर्यावरण एवं धारणीय विकास के क्षेत्र में अंत: विषय शिक्षा में योगदान देने के उद्देश्य से वर्ष 2012-13 से एकीकृत एम-फिल –पी.एच.डी पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। इसके अलावा संकाय के संकाय सदस्य एम.एस.सी में शिक्षण और शोक्ष मार्ग दर्शन में भाग लेते हैं। वर्तमान में संस्थान द्वारा परास्नातक लेवल पर तीन नये पाठ्यक्रमों पर्यावरण एवं जैव प्रौद्योगिकी,पारिस्थितिक विज्ञान और पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान का संचालन भी किया जा रहा हैं। संस्थान के शिक्षकों द्वरा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय एवं विज्ञान संस्थान में संचालित विभिन्न एम.एस.सी. एवं एम.एस.सी. (टेक) पाठ्यक्रमों जैसे जैव सूचना,भूभौतिकी एवं पर्यावरण विज्ञान,में शिक्षण एवं विनिबंध मार्गदर्शन आदि कार्यों में भी सहभागिता की जा रही है।

शोध कार्यक्रम

संस्थान द्वारा अंतरविषयक एवं सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं का संचालन किया जाता है जिससे सामाजिक जरूरतों का विधिक प्रबंधन करने में सहायता मिले। प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र जहां संस्थान के संकाय सदस्य ध्यान केंद्रित कर रहे हैं,उनमें पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान,पारिस्थितिक विज्ञान और पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान,सतत कृषि आदि शामिल हैं। पूर्व से संचालित अनुसंधान परियोजनाओं को जारी रखने के अलावा,संस्थान के संकाय सदस्य शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान 5 नई शोध परियोजनाओं को आकर्षित करने में सक्षम हुए हैं। इन परियोजनाओं के लिए प्रमुख वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एजेंसियों जैसे डी.एस.टी,एस.ई.आर.बी.एम.ओ.ई.एफ. और सी.सी.एम.ओ.डब्ल्यू.आर., और विदेश मंत्रालय, यू.जी.सी., इज़राइल साइंस फाउंडेशन, बी.आर.एन.ए. (डी.ए.ई.) और अन्य राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से प्राप्त हुआ है।

संस्थान के संकाय सदस्यों ने 2020-21 के दौरान उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं और पुस्तकों में,173 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं,जिसमें 111 शोध और समीक्षा पत्र (6 राष्ट्रीय और 105 अंतर्राष्ट्रीय),6 राष्ट्रीय लेख,18 अंतर्राष्ट्रीय लेख आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा 28 पुस्तक अध्याय, 1 नीति रिपोर्ट-आई.यू.सी.एन.और 9 पुस्तक (1 राष्ट्रीय और 8 अंतर्राष्ट्रीय) भी प्रकाशित की गयी है।

सुदूर पहुँच/विस्तार

यह संस्थान अपनी सुदूर गतिविधियों के माध्यम से समुदाय स्तरीय कार्यक्रम एवं संगोष्ठियों इत्यादि के आयोजन समेत धारणीयता को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार के अन्य कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। संस्थान का उद्देश्य तथ्यपत्र,स्थिति रिपोर्ट एवं शैक्षणिक संसाधन तैयार करना भी है। इस दिशा में सार्क आपदा प्रबंधन केन्द्र (एस.डी.एम.सी.).नई दिल्ली के निर्देशानुसार आईइएसडी ने “सार्क देशों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर सारांश” तैयार किया है।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला

- शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार के तत्वाधान में स्मार्ट इण्डिया हैकाथान 2020 के ग्रैण्ड फिनाले कार्यक्रम का आयोजन।
- वैश्विक संदर्भ में महामना की भारतीय दृष्टि विषयक संगोष्ठी का आयोजन।
- कोविड संक्रमण से बचने हेतु जागरूकता अभियान का आयोजन।

छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ

छात्र-छात्राओं के लिए शोध सुविधाओं हेतु संस्थान में सेन्ट्रल इन्स्ट्रूमेन्टल लैब की सुविधा प्रदान की गयी है,जिसमें गैस क्रोमैटोग्राफी, एच.पी.एल.सी.,सोलर फोटोवोल्टिक ट्रेनिंग किट, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, थर्मल साइक्लर, इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, एरोसोल सैम्पलर, फ्यूम हुड, आयन क्रोमैटोग्राफी, ए.ए.एस., प्रकाश संश्लेषण मीटर, जेल-डॉक, नाइट्रोजन के लिए जेलडाहल, स्वचालित पाचन,

माइक्रो-पिपेट, पी.एच. मीटर, ई.सी. मीटर, कंडक्टिविटी मीटर, फ्लेम फोटोमीटर, कैमरा से जुड़ा माइक्रोस्कोप, माइक्रो-वेटिंग बैलेंस, हाई पावर कंप्यूटिंग सिस्टम (एच.पी.सी.), हाई एंड सर्वर, सॉलिड फेज एक्सट्रैक्शन, कूलिंग सेंट्रीफ्यूज, डीप फ्रीजर -800°सी, नैनो ड्रेप, बी.ओ.डी. शेकिंग इनक्यूबेटर, हाई पावर रोटरी शेकर, हेमोसाइटोमीटर, आयन क्रोमैटोग्राफी, टी.ओ.सी. एनालाइजर, जी.सी.-एम.एस., ऑटो-टाइट्रेट, बायो एयरोसोल सैंपलर (व्यवहार्य प्रभावक), सतत परिवेश वायु गुणवत्ता निगरानी (सी.ए.ए.क्यू.एम.) सिस्टम, स्वचालित मौसम स्टेशन (एडब्ल्यूएस), प्लांट ग्रोथ चैंबर, आदि शामिल है।

2.1.1.4. प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

विश्वविद्यालय द्वारा अपने महान संस्थापक के सपनों को साकार करने की दिशा में एक और मील का पत्थर हासिल किया,जब 1960 के दशक के अंत में विश्वविद्यालय में प्रबंधन में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्रारम्भ में प्रबंधन शास्त्र एक विभाग के रूप में वाणिज्य संकाय के अंतर्गत संचालित होता था परन्तु गुणवत्तायुक्त प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने की बढ़ती आवश्यकता की परिकल्पना करते हुए,विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधन अध्ययन विभाग को सन् 1984 में एक स्वतंत्र संकाय के रूप में स्थापित किया गया। प्रबंधन संकाय अपने प्रतिष्ठित एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्तशिक्षकों के नेतृत्व मेंकॉर्पोरेट जगत के लिए उपयुक्त नवीन और आवश्यकता आधारित कार्यक्रम चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। संकाय को दिसंबर 2015 में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के रूप में उच्चीकृत किया गया।

शैक्षणिक एवं शोध पाठ्यक्रम

कार्पोरेट जगत की बदलती जरूरतों की दृष्टिगत प्रबंध शास्त्र संस्थान द्वारा कई प्राकार के नये अभिनव प्रबंधन कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। पी.एच.डी. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त संस्थान द्वारा 2 वर्ष का एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। नौकरीशुदा अभ्यर्थियों के लिये संस्थान द्वारा 3 वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्थान में एक वर्ष का अंशकालिक पी.जी. डिप्लोमा (कार्मिक प्रबंधन, व्यवसायिक प्रबंधन एवं वित्तीय प्रबंधन) के पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं।

नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा प्रबंधकों को जटिल व्यवसायिक क्रियाकलापों के कुशल संचालन हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। प्रबंध संस्थान के रूप में उच्चीकृत होने के पश्चात संस्थान द्वारा चिकित्सालय प्रबंधन, अतिथ्य प्रबंधन जैसे प्रासंगिक विषयों में एम.बी.ए. पाठ्यक्रम चलाने तथा बी.टेक-एम.बी.ए. की एकीकृत कार्यक्रम जैसे नये पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु प्रयासरत है।

कार्पोरेट जगत के साथ सहभागिता

संस्थान का कार्पोरेट जगत के साथ अत्यन्त ही सुदृढ़ संपर्क है। संस्थान द्वारा कार्पोरेट जगत के सर्वश्रेष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को संस्थान में आमंत्रित किया गया जिससे वे विद्यार्थियों से विचार-विमर्स करने के साथ-साथ व्याख्यान तथा ब्रेन स्टार्म सेसन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सहभागिता कर संस्थान को लाभ पहुँचा सके। संस्थान द्वारा आजोजित वर्ष पर्यन्त व्याख्यानमालाओं, संगोष्ठइयों एवं कार्यशालाओं में कार्पोरेट जगत के

अधिकारीगण हमेशा से प्रतिभाग करते आ रहे हैं। कार्पोरेट जगत के प्रतिष्ठित सदस्यों द्वारा सुझाये गये बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर विभिन्न पाठ्यक्रमों का संशोधन भी किया जाता है।

प्रायोगिक प्रशिक्षण, लघु शोध प्रबंध और सेवानियोजन

पाठ्यक्रम के एक भाग के अनुरूप संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थोयों को प्रत्येक वर्ष 8 सप्ताह के गृष्मकालिन प्रायोगिक प्रशिक्षण में भाग लेना होता है। अपने निबंधन कार्य में भी संस्थान के विद्यार्थियों को व्यावसायिक संगठनों से सहयोग एवं सुझाव प्राप्त होते हैं। देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी व्यावसायिक संगठनएवं संस्थानजैसे भारतीय रिजर्व बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, कोल इण्डिया, डी.एच.एल., पेंटालून, इनफ़ोसिस, एफ.आई.एन.ओ.,केनरा बैंक, देना बैंक, आई.डी.आई, बैंक ऑफ़ इंडिया, एक्सीस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इन्दोगल्फ़, स्टैग इंटरनेशनल, यूको बैंक, विजा स्टील आदि संस्थान में आयोजित परिसर चयन प्रक्रियाओं में भाग लेते हैं।

सहभागिता

- निति आयोग, भारत सराकर के तत्वाधान में अटल इंक्योबेसन मिशन के तहत महामना फाउण्डेशन फॉर इनोवेशन एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप-प्रबंध संस्थान की स्थापना।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा डीआरएस विशेष सहायता कार्यक्रम का संचालन।
- इलाहाबाद बैंक चेयर
- केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के तत्वाधान में कार्यान्वित विद्युत मंत्रालय की अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के तृतीय पक्ष मूल्यांकन के लिए परामर्श परियोजना का संचालन।
- भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग में परामर्श परियोजना का संचालन।
- पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के लिए एमडीपी का आयोजन।
- दिशा - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ।
- भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण की सहभागिता से संचालित कार्यक्रम।
- बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज इंस्टिट्यूट के साथ सहभागिता।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के तत्वाधान में संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन।
- भारतीय डाक विभाग, पूर्वांचल विद्युत् विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
- पूर्वांचल विद्युत निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के लिये प्रशिक्षण का आयोजन।
- आई.सी.आई.सी.आई. प्रूलाइफ के सहयोग से एक वर्ष के पी.डी. डिप्लोमा (प्रबंधन एवं बीमा) का संचालन।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के पदाधिकारियों के लिये फेलोशिप कार्यक्रम का आयोजन।
- 15 वित्त आयोग के साथ अध्ययन रिपोर्ट पर हस्ताक्षर।
- गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम केंद्रों में से एक के रूप में संस्थान को पहचाना गया।
- प्रबंधन विषय में राष्ट्रीय डॉक्टरल फेलोशिप हेतु मेजबान संस्थान के रूप में प्रबंध शास्त्र संस्थान का चयन।
- इंटरप्रेन्योरशिप सेल की स्थापना
- उद्योग संस्थान पार्टनरशिप सेल की स्थापना।

अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

प्रबंध शास्त्र संस्थान द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त कई विश्वविद्यालयों के साथ भी संस्थान का शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान हेतु एम.ओ.यू. है। इनमें में मुख्य रूप से निम्न संस्थानें शामिल है।

- इथोपियन सिविल सर्विस कॉलेज, इथोपिया

- विल्किस विश्वविद्यालय, पेंसिलवानिया, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- स्कूल ऑफ़ बिजनेस, क्लैफिन विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- लॉसिड्स विश्वविद्यालय, जर्मनी

उपरोक्त संस्थानों के अलावा,संस्थान ने विभिन्न अवसरों पर बौद्धिक और शैक्षणिक भागीदारी के लिए कई अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ भी सहयोग किया। ये संस्थान निम्न हैं:

- स्कूल ऑफ़ बिजनेस,कान्सास विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- टेनीसी स्टेट विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- ग्लोबल स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- इंस्टीट्यूट ऑफ कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका

व्यवसाय निदानगृह

संकाय द्वारा व्यवसाय निदान गृह की स्थापना हेतु एक नव प्रवर्तनीय कदम था। इस पहल का उद्देश्य-कक्षा के उपरान्त व्यवसाय अध्ययन के व्यावहारिक एवं सैद्धान्तिक अन्तर को मिटाना एवं व्यवसायियों एंव उद्यमियों को विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान कराना है।

समुदाय सेवा

संस्थान में संचालित डी.आ.एस. 1 कार्यक्रम के अंतर्गत "सेवार्थ" योजना चलाई जाती है जिसके अंतर्गत युवा वर्ग को समाज के प्रति अपने दायित्व का नर्वहन करने एवं अपनेअन्दर सामाजिक जिम्मेदारी का भाव पैदा करने हेतु प्रेरित किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान कैम्प, चिकित्सालय में गरीब मरीजों एवं उनके परिजनों के लिये कंबल वितरण विभिन्न प्रकार के समाजिजक संगठनों से वार्तालाप एवं प्रदान करने के सप्ताह का का उत्सव मनाना जैसे विभिन्न समुदाय संबंधी क्रियाकलापोंका आयोजन किया जाता है।

पुरातन छात्रों से संबंध

संस्थान के पाँच हजार से भी अधिक भूतपूर्व छात्र विश्व में विभिन्न क्षेत्रों एवं संगठनों में अपनी सेवायें दे रहें हैं। ये पुरातन छात्र अपने मातृ संस्थान के प्रति निष्ठा रखते हैं एवं विश्वविद्यालय के प्रति हर सम्भव सहयोग प्रदान करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं। इन पुरातन छात्रों को एक कड़ी में जोड़ बांधने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबंधन पुराछात्र संघ की स्थापना की गई है जिसके क्षेत्रिय घटक देश एवं विदेश में फैले हुए हैं। इस संघ के माध्यम से जुड़े पुराछात्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहें हैं तथा संस्थान में कैम्पस प्लेशमेंट से लेकर कार्पोरेट जगत के साथ संस्थान के संबंधों को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहें हैं।

सेमिनार / संगोष्ठी / वेबिनार / सम्मेलन

- एम.बी.ए. एवं एस.बी.ए.आई.बी. के छात्रों का परिचय कार्यक्रम
- श्री बी.एस. नागेश द्वारा रिटेल मार्केटिंग विषय पर परस्पर संवाद सत्र का आयोजन
- ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन
- कार्पोरेट जगत के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों के संवाद सक्ष का आयोजन
- सामाजिक अद्यम प्रबंध विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन
- श्री प्रदीप दत्ता, प्रमुख पैनासोनिक का अतिथि व्याख्यान
- संस्थान दिवस कार्यक्रम का आयोजन
- व्यवसाय में हानिकारक तकनिकों विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
- मार्केटिंग 4 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

- अनिश्चित जोखिम प्रबंधन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
- मानव संसधान की चुनौतियाँ, कोविड-19 काल में विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

महामना फाउण्डेशन फॉर इनोवेशन एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप-प्रबंध संस्थान

नीति आयोग भारत सरकार के तत्वाधान में अटल इंक्यूबेशन सेंटर के अंतर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबंध शास्त्र संस्थान में महामना फाउण्डेशन फॉर इनोवेशन एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप-प्रबंध संस्थान की स्थापना की गई। यह कार्यक्रम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी के आधुनिक भारत के निर्माण के प्रति चिंतन, दृष्टिकोण एवं सपनोंको साकार करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करते हुए राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के प्रयास जारी है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्टार्टप व्यवसाय शुरू करने तथा उन्हें विकसित करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान द्वारा अभिनव व्यावसायिक योजनाओं को यथार्थ बनाने हेतु आवश्यक सहयोग, प्रशिक्षण एवं अंतरविषयक संवर्धन प्रदान किये जाते हैं।

विद्यार्थियों के लिये सुविधाएँ

- छात्रावास
- पुस्तकालय
- पुस्तक बैंक
- स्कॉलरशिप
- कम्प्यूटर शिक्षा

शोध हेतु सुविधाएँ

संस्थान द्वारा परास्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है जिसके जिसके पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए 8 सप्ताह के प्रायोगिक प्रशिक्षण साथ-साथ लघु परियोजना एवं निबंधन कार्य अनिवार्य है।

बौद्धिक संपदाओं का साझाकरण

संस्थान के सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को किसी भी विषय पर मूल अथवा अंतरविषयक चर्चा करने का पूर्ण अधिकार है। इस हेतु संस्थान में एक ऐसे परितंत्र की रचना की गई है जिसमें एक छत के नीचे उन सभी बौद्धिक संपदाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है जिसके द्वारा विद्यार्थियों को अध्पाकगणों से किसी भी विषय पर चर्चा करने कि स्वायत्ता मिले। इस प्रकार का परितंत्र दुर्लभ है।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण,निबंध,लघु परियोजनाएं,प्रेरण कार्यक्रम और इंटर्नशिप

आठ सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण,लघु परियोजना और निबंध परियोजना संकाय के एम.बी.ए.,एम.बी.ए. आई.बी. और एम.बी.ए. ए.बी. कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग हैं। छात्र इन प्रोजेक्ट असाइनमेंट को विभिन्न संगठनों में फैकल्टी की मेंटरशिप और औद्योगिक संगठन के एक कार्यकारी गाइड के तहत कर रहे हैं। संस्थान, एम.बी.ए.,एम.बी.ए. आई.बी.एम.बी.ए. ए.बी. प्रोग्राम के छात्रों के लिए एक सप्ताह का फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुकों को फैकल्टी, फैकल्टी सदस्यों, पेशेवर और व्यापक व्यावसायिक पर्यावरणीय कारक बनने के लिए अपेक्षित कौशल से परिचित कराना है। उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ इन इंडक्शन कार्यक्रमों में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम करते हैं। कार्यक्रम के तहत शामिल कुछ सांकेतिक विषय इस प्रकार हैं- संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास,जी.डी. / साक्षात्कार तकनीक; सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट; गैर-लेखा लोगों के लिए लेखांकन;क्रॉस कल्चरल ट्रेनिंग;और संगठनात्मक कौशल और टीम बिल्डिंग।

2.1.1.5. विज्ञान संस्थान

सन् 1916 में स्थापित विज्ञान संकाय जो बाद में विज्ञान संस्थान के रूप में उच्चीकृत हुआ, स्नातक, परास्नातक, एवं पी.एच.डी.कार्यक्रमों के अतिरिक्त डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। संस्थान के अंतर्गत 13 विभाग, 6 केन्द्र, 2 अंतरविषयक स्कूल आते हैं। आधुनिक एवं जटिल उपकरणों से लैस प्रयोगशालाओं के माध्यम से यह संस्थान विज्ञान के सभी क्षेत्रों में पठन-पाठन एवं शोध की दिशा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तरफ अग्रसर है।

संस्थान के संकाय सदस्यों के द्वारा देश विदेश के कई संस्थानों के साथ शोध सहभागी परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। संस्थान के संकाय सदस्यों को कई विशिष्ट पुरस्कारों एवं सम्मानों से भी नवाजा गया है जिनमें मुख्य रूप से शांति स्वरूप भटनागर प्राइज, हम्बोल्ट फेलोशिप, जवाहर लाल नेहरू फेलोशिप, टी.एफ.आई.आर. फेलोशिप, विज्ञान अकादमियों की सदस्यता आदि शामिल है।

विज्ञान संस्थान के शिक्षक अपने शैक्षणिक और शोध कार्य के माध्यम से विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक रैंकिंग को बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रहे हैं। वर्ष 2020-21 में,संस्थान के शिक्षक सदस्यों ने प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में लगभग 1184 पत्र प्रकाशित किए और लगभग 150 शोध प्रबन्ध को निर्देशन किया। लगभग सभी महत्वपूर्ण वित्त पोषण एजेंसियों से बड़ी संख्या में प्रायोजित अनुसंधान अनुदान शिक्षक सदस्यों द्वारा प्राप्त किये गये।

इस अवधि के दौरान 15 प्रोफेसर, 5 एसोसिएट प्रोफेसर और 55 सहायक प्रोफेसर हमारे संस्थान में शामिल हुए। विद्वान और प्रतिभाशाली युवा अध्यापकों के शामिल होने से अब हमारे संकाय सदस्यों की संख्या 248 से बढ़कर 323 हो गई है। संस्थान में शोधकर्ताओं के लिये नई सुविधाएँ जो उन्हें इस आधुनिक दौर में उत्कृष्ट शोध करने में सहायता कर सके, स्थापित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। संस्थान में नव स्थापित शोध सुविधाओं में कुछ प्रमुख सुविधाएँ निम्नवार हैं-

- सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर- विज्ञान के मूल एवं व्यावहारिक विषयों पर शोध करने के उद्देश्य से आधुनिकतम उपरणों एवं सुविधओं से लैस सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर की स्थापना की गई। यह केन्द्र एक ऐसा अवसर प्रदान

करता है जिसमें शोधकर्ताओं के अलग-अलग समूह अपने शोध कार्यों से नई तकनिक का विकास करने के साथ-साथ ऐसी विज्ञान की उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक सेवायें प्रदान करेंगे जिसके लिये अभी तक भारतीय उद्योग विदेशी संस्थानों पर निर्भर रहते हैं।

- डीएसटी द्वारा वित्तपोषित सोफिस्टिकेटेट एनालिटिकल एण्ड टेक्निकल हेल्प इंस्टीट्यूट (एस.ए.टी.एच.आई.) सेंटर की स्थापना की जा रही है। इस सेंटर के अंतर्गतऔर सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर में अत्याधुनिक हाई रेजोल्यूशन एक्यूरेट मास स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा एक हाई रेजोल्यूशन कन्फोकल माइक्रोस्कोप और आइसोटोप रेशिओ मास स्पेक्ट्रोमीटर भी आ गया है।
- संस्थान में जैव प्रौद्योगिकी विभागए भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बायोनेस्ट की स्थापना की गई है जिसके अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगो एवं स्टार्टअप कम्पनियों को इन्क्यूबेट किया जा रहा है। वर्तमान में इसमें दो इनक्यूबेटियों ने काम करना शुरू कर दिया है।
- भूगर्भ में स्थित तेल के भंडारों की खोज में मदद करने हेतु ओ.एन.जी.सी. और आयल इण्डिया की सहायता करने के लिए भूकंपीय डेटा की व्याक्या के उद्देश्य से भूभौतिकी विभाग में एक भूकंपीय इमेजिंग केंद्र ने भी काम करना शुरू कर दिया है।
- नए शामिल हुए शिक्षक सदस्यों की वैज्ञानिक उत्पादकता में तेजी लाने के लिएविश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस योजना के अन्तर्गत विज्ञान संस्थान और महिला महाविद्यालय में नव नियुक्त 79 सहायक प्रोफेसरों को सीड ग्रांट के रूप में कुल 8.25 करोड़ रुपये प्रदान किए।
- 103 संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता में उनके योगदान के लिए उनके शोध कार्य को सहायता प्रदान करने के लिये अनुदान के रूप में कुल 8.5 करोड़ रुपये भी प्रदान किए गए।

उत्कृष्ट शोध के लिये सम्मान

प्रो कृष्णा नन्द सिंह (रसायन विज्ञान विभाग) को 2020 के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (NASI) का फेलो चुना गया और प्रोफेसर शशि भूषण अग्रवाल (वनस्पति विज्ञान विभाग) को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (NASI), इलाहाबाद का फेलो चुना गया। प्रो एन. वी. चलपति राव (भूविज्ञान विभाग) को अर्थ साइंस मंत्रालय द्वारा भूविज्ञान में उत्कृष्ट कार्य हेतु भूविज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर शशि कांत मिश्रा (गणित विभाग) को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा शिक्षक पुरस्कार 2020के लिए चुना गया।

संस्थान के उत्कृष्ट शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के हमारे प्रयास में,इस वर्ष भी मोस्ट प्रोडक्टिव रिसर्चर अवार्ड के लिए प्रोफेसर माया शंकर सिंह (रसायन विभाग), प्रोफेसर अरविंद मोहन कायस्थ (जैव प्रौद्योगिकी स्कूल) प्रोफेसर राजेश कुमार श्रीवास्तव (भूविज्ञान विभाग) को 55-65 आयु वर्ग में, प्रोफेसर वी गणेशन (रसायन विज्ञान), प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे (जूलॉजी विभाग), प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव (भौतिकी विभाग) को 40-55 आयु वर्ग में, डॉ ओम प्रकाश सिंह (जैव रसायन विभाग),डॉ मानसी घोष (भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय) और डॉ भानु प्रकाश (वनस्पति विज्ञान विभाग) को 40 वर्ष से कम आयु वर्ग मे पुरस्कृत किया गया।

16 दिसंबर 2020 को संस्थान दिवस मनाया गया, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सचिव, प्रोफेसर आशुतोष शर्मा विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न प्रो. सी.एन.आर. राव और श्री संत सांगानेरिया की गरिमामयी उपस्थिति मे नव सृजित प्रोफेसर सी.एन.आर. राव रोटेटिंग चेयर प्रोफेसरशिप फॉर एक्सीलेंस इन रिसर्च तथा श्री संत सांगानेरिया रोटेटिंग चेयर प्रोफेसरशिप फॉर एक्सीलेंस इन इंडस्ट्रियली ओरिएंटेड रिसर्च के लिए प्रोफेसर माया शंकर सिंह (रसायन विज्ञान विभाग) और प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव (भौतिकी विभाग) को चुना गया।

प्रमुख कार्यक्रम

28 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रोफेसर एस.एन. ठाकुर,पूर्व डीन,विज्ञान संकाय बीएचयू द्वारा “रमन स्मृति”पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर एक ब्रेन

स्टॉर्मिंग सत्र भी आयोजित किया गया,जिसमें सी.एस.आ.ई.आर., नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ गिरीश साहनी द्वारा "समस्याओं को हल करने के लिए पारंपरिक विषयों की सीमाओं को तोड़ने की आवश्यकता"विषय पर प्रमुख वक्ताओं ने विचार रखे।

नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन की जयंती 7 नवंबर,2019 पर भौतिकी,रसायन विज्ञान और शरीर विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में 2020 के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के कार्यों पर देश के तीन प्रख्यात वैज्ञानिकों प्रोफेसर कुलिंदर पाल सिंह (आई.आई.एस.ई.आर.,मोहाली), डॉ देवज्योति चक्रवर्ती (सी.एर्स.आइ.आर.-आ.ई.जी.आई.बी. नई दिल्ली) और प्रोफेसर सौमित्र दास (एन.आई.बी.एम.जी., कल्याणी) के व्याख्यान आयोजित किये गये। प्रोफेसर तपस कुंडू, निदेशक, सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई. ने 28 जनवरी, 2019 को संस्थान का दौरा किया,बीएचयू और सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई. के बीच पारस्परिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए विज्ञान संस्थान के अध्यापकों के साथ उनकी वार्ता आयोजित की गई।

इस वर्ष जन्तु विज्ञान विभाग ने अपना शताब्दी वर्ष मनाया, जिसमें 06 मार्च, 2021 को प्रोफेसर ब्रूस बीटलर (फिजियोलॉजी और मेडिसिन में 2011 के नोबेल पुरस्कार विजेता) द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।

संस्थान के अंतर्गत आने वाले विभाग

जैव रसायन विभाग

जैव रसायन विभाग को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सन् 1984 में एक स्वतंत्र विभाग के रूप में स्थापित किया गया। विभाग में जैव रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। वर्तमान समय मे विभाग में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे-कैंसर बायोलॉजी, न्यूरोबायोलॉजी, इम्यूनालॉजी, इनफेक्टीअसडिजीज, क्लीनीक बायोकमेस्ट्री, इनजाइमोलॉजी, इनजाइम तकनीक, प्लान्ट बायोकमेस्ट्रीआदि क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधाएँ हैं। विभाग स्नातकोत्तर एवं शोध की डिग्री बोयोकमेस्ट्री में प्रदान करता है।

विद्यार्थियों के लिये सुविधाएँ

विभाग सभी छात्रों को शिक्षण एवं शोध हेतु सभी सुविधाएँ प्रदान करता है। नेट योग्यता के लिए सफलता की दर प्रत्येक वर्ष लगभग 30 % है। इसके अलावा,विभाग नियमित रूप से पीजी और पीएचडी दोनों पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद गतिविधियों का भी आयोजन करता है। विभाग से छात्र-छात्रायें भारत और विदेशों में कई संगठनों जैसे रूटरग्स यूनिवर्सिटी, एन.जे., जॉन्स हॉपकिन्स मेडिकल इंस्टीट्यूट, एमडी आदि में विभिन्न पदों पर काबिज हैं।

शैक्षणिक सहभागिता

जैव रसायन विभाग के संकायों ने बहु-विषयक अनुसंधान परियोजनाओं को लाने और अनुवाद संबंधी अध्ययन करने के लिए अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग किया है।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

स्नातकोत्तर के द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में स्वयम पाठयक्रम लागू है। वर्तमान समय में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे-न्यूराडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर, कैंसर बायोलॉजी, क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, संक्रामक रोग विज्ञान, परजीवी इम्यून-बायोलॉजी और प्लांट-बायोकमेस्ट्री के क्षेत्र में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम होते रहते हैं।

जैवप्रौद्योगिकी स्कूल

सन् 1986 में जैवप्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना जैवप्रौद्योगिकी विभाग,भारत सरकार,नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान में हुई। सन् 1990 में प्रमुख प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई। वर्तमान मे स्कूल में कुल 11 प्रमुख प्राध्यापकों में (6 प्राध्यापक,6 सहायक प्राध्यापक व 1

यूजीसी-बीएसआर फेलो) हैं। इसके अलावा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मल्टीडिसीप्लीनरी अध्यापन कार्यक्रमों में विज्ञान संस्थान, प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अन्य विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थानों के प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता है। विभाग के सभी प्राध्यापक सहायक पाठ्यक्रमों के अध्यापन कार्य में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

शिक्षण एवं शोध

अध्यापन कार्यक्रमः स्कूल में द्विवर्षीय (4 सत्रीय) जैवप्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम चलता है,जिसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं का प्रतिवर्ष प्रवेश होता है।

शोध कार्यक्रमः सभी प्राध्यापकगण सक्रिय रूप से शोध कार्य में लगे हुए हैं और शोध छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वर्तमान में 21 शोध छात्र अध्ययन कर रहे है।

सैप (एस.ए.पी) से प्राप्त सुविधाओं के साथ स्कूल का अध्यापन तथा शोधकार्यों का चतुर्दिक विकास हो रहा है। प्राध्यापकों द्वारा अध्यापन/प्रायोगिक कार्यों में एलसीडी प्रोजेक्टर का बराबर इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे छात्रों को बेहतर लाभ मिल रहा है। केन्द्रीय प्रयोगशाला में जेल डाक्युमेंटेशन सिस्टम,फ्लोरासेंस माइक्रोस्कोप (सूक्ष्मदर्शी), स्पेक्ट्रोफ्लोरीमीटर, थर्मल साइक्लर, एलाइजा रीडर, डीएनए सीक्वेंसर, रेफ्रीजरेटेड सेंट्रीफ्यूज इत्यादि उपकरण मौजूद हैं, जिसका इस्तेमाल शोध तथा स्नातकोत्तर छात्र प्रतिदिन कर रहे हैं। शोध छात्रों के इस्तेमाल लिए कोल्डरूम की सुविधा भी बराबर मौजूद है।

जैव प्रौधौगिकी स्कूल में समय-समय पर एम. एस. सी. पाठ्यक्रम का नवीनीकरण किया गया है। इसके अतंर्गत नये प्रयोगात्मक विधि का समावेश किया गया है जोकि पीसीआर, डीएनए सिक्यूनसर तथा रियल टाइम पीसीआर पर आधारित है। बायोइंफोरमैटिक्स में शिक्षा के लिये नये और गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्रों के लिये शोध विषय पर आधारित प्रयोगात्मक संगोष्ठी (3 एवं 4 सेमेस्टर पर आधारित) लागू की गई है। बाहरी विषयों पर आधारित माइनर इलैक्टिव अंतर्विषीय पाठ्यक्रम दो क्रेडिट का शुरू किया गया है। सेमेस्टर परीक्षा और असाइनमेंट के द्वारा छात्रों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।

जैवसूचना केन्द्रः स्कूल मे सन् 1989 में जैवप्रौद्योगिकी विभाग,भारत सरकार,नई दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित एक जैवसूचना केन्द्र भी विकसित की गई है, जिसमें इण्टरनेट सुविधा, डाटाबेस, जैवसूचना मशीन, दूरभाष, फैक्स मशीन, मौजूद हैं और छात्रों, अध्यापकों तथा शोध छात्रों के अलावा विश्वविद्यालय के अन्य विभागों व बाहरी संस्थाओं द्वारा इसका भारी पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। केन्द्र प्रतिवर्ष 2-3 कार्यशाला आयोजित करता है।

वृहद्शोध क्षेत्र

वर्तमान में शोध कार्य हेतु स्कूल के प्राध्यापकों की सक्रियता निम्न क्षेत्रों में है-कार्यात्मक जीनोमिक्स, सिस्टम जीव विज्ञान और जीवाणुओं में सिंथेटिक जीव विज्ञान, कोशिकीय एवं आणुविक प्रतिरक्षा एवं अर्भुद विज्ञान, कर्क एवं इन्फ्लेमेटरी रोगों का प्रतिरक्षात्मक उपचार, जीनोमिक एवं प्रोटोमिक स्तर पर चूहे में यकृत कैंसर से बचाव में जड़ी बूटियों की भूमिका, इमोनोटाक्सिक और इमोनोमॉलिडेटरी शिक्षा में साइनो बैक्टीरियल पदार्थो का अध्ययन, फुट अल्सर की मौलीकुलर टाइपिंग जो जीवाणुओं के कारण होता है, आणुविक सूक्ष्मजीव विज्ञान के साथ प्लांट ग्रोथ जीवाणुओं के अध्ययन पर जोर, नाइट्रोजन फिक्सिंग जीवाणुओं का क्रियात्मक जीनोमिक्स, आणुविक विज्ञान पर आधारित यूबी-बी विकरण की जीवाणुओं और साइनो बैक्टीरिया की सहन शक्ति।

विद्यार्थी केन्द्रित गतिविधियां

जैव प्रौद्यौगिकी स्कूल में अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान के तहत नवनिर्मित भवन में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ पॉवर पांइट प्रस्तुति के माध्यम से पठन पाठन, भवन के प्रत्येक तल वाटर कूलर की व्यवस्था, रैम्प निर्माण, पाठ्यक्रम पुनरीक्षण को समय-समय पर लागू करना।

स्कूल में प्रतिष्ठित आगंतुक

डा. उत्पला चट्टोपाध्याय, पूर्व निदेशक, सी.एन.सी.आर.आई., कोलकता, डा. पी. के. अम्वस्त, जैव रसायन विभाग, नार्थ ईस्ट विश्वविद्यालय, शिलांग, डा. आलोक चन्द्र भारती, जंतु विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डा. कल्पना पाई, जंतु विज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, डा. श्रीनिवासन, एन.आर.सी.आई.ए.आर.आई.,नई दिल्ली, डा. अच्युत कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, डा. राकेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय औषधीय एवं संगंध पौधा संस्थान, लखनऊ

परिसर विकास हेतु सृजित की गई नवीन आधारभूत संरचना

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल में भारत सरकार के अनुदान के तहत एक चार मंजिला नई इमारत का निर्माण पूर्ण हो चुका है। जिसका प्रयोग शिक्षण, शोध एवं परीक्षा के उपयोग में हो रहा है।

शैक्षणिक सहयोग/ सहभागिता

आई.आई.वी.आर (वाराणसी), एन.बी.आर.आई,आई.आई.टी.आर., सी.बी.एम.आ.व., सीमैप (लखनऊ), जे.एन.यू., आई.ए.आर.आई.,एन.बी.ए.आई.एम., मउ व दिल्ली विश्वविद्यालय आदि के साथ स्कूल द्वारा सहयोगात्मक शोध कार्य शुरू किये गये है।

वनस्पति विज्ञानविभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग देश में सबसे पुराना और प्रमुख स्नातकोत्तर और शोध केन्द्रों में से एक है। वनस्पति विज्ञान-उन्नत अध्ययन केन्द्र ने अपने आप को देश में वनस्पति विज्ञान का एक उत्कृष्ठ विभाग के रूप में प्रतिष्ठित किया है जहाँ पारिस्थितिकी,अल्गोलॉजी,माइकोलॉजी और वनस्पति रोग विज्ञान के साथ-साथ आणविक जीव विज्ञान जैसेमहत्वपूर्ण क्षेत्र में शोध कार्य किये जाते हैं। विभाग के पारिस्थितिकीय अनुभाग द्वारा घास पारिस्थितिकी, निवास संरक्षण, प्राथमिक उत्पादकता, कार्बन संग्रहण, नदी पारिस्थितिकी, वैष्विक परिवर्तन प्रभाव, सी.एच.जी. का उत्सर्जन, पारिस्थितिक तंत्र के विषलेशण और प्रदूषण का पौधों पर पड़ते दुषप्रभाव जैसे क्षेत्रों में शोध किया है। पारिस्थितिकी समूह द्वारा विकसित अवधारणाओं और तरीकों ने राष्ट्रीय सीमाओं को पार किया है और इन शोध कार्यो को दुनिया भर में आत्मसात कर लिया जाता है। फाइकोलॉजी स्कूल में जैव रसायन, फिजियोलॉजी, पारिस्थितिकी, आनुवंशिकी, आणविक जीव विज्ञान, नाइट्रोजन निर्धारण, हाइड्रोजन उत्पादन, भारी धातु के प्रदूषण और अप्लाइड फाईकोलॉजी के क्षेत्र में शोध कार्य जारी है। माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी ग्रुप के जड़ क्षेत्र की सूक्ष्म जीव विज्ञान में सक्रिय रूचियों, एंडोसिमबियांट्स, पत्ती की सतह का माइक्रोफ्लोरा, जैविक और पौधे रोग नियंत्रण की अन्य रणनीतियों, कवक एंडोफाइटस, प्राकृतिक कीटनाशकों और पौध सूक्ष्मजीव के बीच संबंध में सक्रिय रूचियां हैं।

शिक्षण एवं शोध

वनस्पति विज्ञान विभाग में स्नातक और स्नाकोतर छात्रों के लिए और साथ ही साथ इंडस्ट्रियल माइक्रो बायोलाजी स्नातक स्तर पर व्यावसायिक पाटयक्रम और स्नातकोतर में पर्यावरण विज्ञान और अप्लाइड माइक्रालाजी के लिए शिक्षण कार्यक्रम चलाता है। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायलय के निर्देश के अनुसार विभाग के शिक्षकों ने विभिन्न संकायों के छात्रों को पर्यावरण अध्ययन पाटयक्रम में शिक्षण प्रदान करता है। विभाग एम-एससी स्तर पर माइनर वैकल्पिक विषय पत्र अन्य विभाग के छात्र छात्राओं के लिए भी प्रदान करता है। विज्ञान संकाय के गणित स्ट्रीम के छात्रों के लिए स्नातक स्तर पर जीव विज्ञान के एंसीलरी पाठयक्रमों के अध्यापन में भी अध्यापकों की सहभागिता होती है । एम.एससी. के छात्र प्रयोगशाला कार्यों के लिए उपयोगी पौधों को इकटठा करने के अलावा उसके प्राकृतिक आवासों और उनके प्राकृतिक वातावरण में पौधों का अध्ययन करने के लिए भ्रमण करने जाते हैं। छात्रों ने चतुर्थ सेमेस्टर के दौरान विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी कार्य

किया। विभाग ने निम्नलिलिखत प्रमुख विषयों में अनुसंधान प्रशिक्षण की पेशकश की: परिस्थितिकी, अलगोलाजी, माइकोलाजी और प्लांट पैथेलाजी और प्लांट आणविक जीव विज्ञान।

छात्र केन्द्रित शोध सुविधाएँ

उन्नत अनुसंधान सुविधाओं से लैस संकाय सदस्यों के तहत व्यक्तिगत प्रयोगशालाओं के अलावा छात्रों के लिए सेंट्रल लैब में परिष्कृत उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग में कई आधुनिक उपकरण स्थापित किये गये हैं जिनमें मुख्य हैं- बायोलाग सिस्टम, अल्ट्रासंट्रीफयूज, पोर्टेबल प्रकाश संशलेष्ण प्रणाली, ग्रीन हाउस गैस विशलेषक, जी.स.ह.,एम.एस., फलोरोसेंस स्पेक्ट्रोफाटोमीटर, एच.पी.एल.सी., सी.एच.एन.एस. विशलेषक आदि। छात्रों के लिए वाई-फाई इन्टरनेट का उपयोग भी उपलब्ध है ।

वृहद्शोध क्षेत्र

अध्यापक और शोध छात्र और छात्रायें निम्नलिखित क्षेत्रों पर सक्रिय रूप से शोध में लगे हुए हैं। एथिलीनडाईयुरिया (ई.डी.यू) का उपयोग करते हुए ओजोन के बायोइंडिकेशन के लिए भारतीय कोल्वर की सूचक किस्मों की पहचान;लेमनग्रास (सिंबोपोगोन साइट्रेटस (डीसी) स्टेप्फ) और वेटीवर (क्राइसोपोगोन ज़िज़ानियोइड्स एल रॉबर्टी) का उपयोग करके धातुओं का उपचार एल.एल. लाल मिट्टी डंप पर सूचक प्रजातियों की पहचान;वाराणसी में वायु प्रदूषण की निगरानी;पत्ती के कार्यात्मक लक्षणों और वृक्ष विशेषताओं के संबंध में शहरी वायु प्रदूषण के लिए उष्णकटिबंधीय पेड़ों के रिसपान्स का आकलन करने के लिए जीएलएम दृष्टिकोण का उपयोग;चौदह भारतीय गेहूं की किस्मों के बीच ओजोन विषाक्तता का आकलन; संवेदनशील और सहिष्णु गेहूं की किस्मों में ऊंचा ओजोन के तहत राइज़ोस्फेरिक एंजाइमेटिक गतिविधियों का आकलन; कोलियस फोर्स्कोहली पर यूवी-बी विकिरण और इंडोल-3-एसिटिक एसिड के इंटरैक्टिव प्रभाव; मिट्टी माइक्रोबियल समुदाय संरचना पर भूमि उपयोग परिवर्तन का प्रभाव;गंगा नदी की आत्म-शुद्धिकरण क्षमता के लिए एक पारिस्थितिकीय स्पष्टीकरण; एक स्तर निर्धारक के रूप में क्षारीय फॉस्फेट का उपयोग करके गंगा नदी के यूट्रोफिकेशन के लिए वैकल्पिक चेतावनी प्रणाली; गंगा नदी के तलहट में माइक्रोबियल एंजाइम गतिविधियों का आकलन; गंगा नदी के लैंड-वाटर इंटरफ़ेस पर कार्बनडाईआक्साइड की रिहाई को प्रभावित करने के लिए बिंदु स्रोतों का आकलन;आइसोप्रीन गिरावट के लिए संभावित बैक्टीरिया का अलगाव और उपयोग; उष्णकटिबंधीय घास के मैदान में नाइट्रोजन इनपुट के ढाल के साथ मिट्टी नाइट्रोजन पूल और प्रवाहों का आकलन; घास के मैदानों पर वर्शा परिवर्तनशीलता और हिपार्टस सूवालेन्स आक्रमण का प्रभाव; उष्णकटिबंधीय घास के मैदानों में वर्शा परिवर्तनशीलता और नाइट्रोजन इनपुट का प्रभाव; ओजोन शमन रणनीतियां। विधेनिया सोमनीफेरा नामक औशधीय पौधे की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय कारक; इमोबलाईजेशन तकनीक का आवेदन; गर्मी तनाव के तहत अेनाबिना पीसीसी 7120 के प्रकाश संश्लेषण को बनाए रखने में कैल्सियम की भूमिका; एक जैव ईंधन संसाधन के रूप में डी सेलिना; प्रकृति में थायोक्रोमोफोर का रसायन शास्त्र से संबंध; यूवी-बी विकिरण के बाद क्रोमोफोर के साथ मुक्त थियोल्स और रिलेशनशिप का प्रारंभिक पता लगाना; प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में टिकाऊ विकास और साइनोबैक्टीरिया के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अंर्तजातीय जैविक संकेत के रूप में सर्कडियन लय; ईएमटीएचडीसीए की एंटीकेन्सर क्षमता वाला साइनोबैक्टीरियम नोस्टोक जाति एम जी एल जीरो जीरो एक; साइनोबैक्टीरियम फिशरेला जाति की मिथाईल पैराषियान से सहिष्णुता रणनीति। सिनकोकोकसजाति पीसीसी 7942 में एनएसीएल तनाव से प्रेरित विषाक्तता के उन्मूलन में कैल्सियम की भूमिका। बिटर गोर्ड के विकास के लिए राइजोस्पेयर से राइजोबैक्टीरिया (पीजीपीआर) की पहचान; गंगा नदी से कई हेटरोसाइटस साइनोबैक्टीरियल मेजबानों को सर्वमित करने वाले साइनोपैज एन-1 का अलगाव; विभिन्न पर्यावरण स्थितियों और उनके जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का सामना करने के लिए साइनोबैक्टीरिया विकसित करने वाली समन रणनीतियों को समझना; साइनोबैक्टीरिया और पौधों में ऐबायोटिक तनाव के दौरान कार्यात्मक जीनोमिक्स, प्रोटीयोमिक्स और सिग्नल ट्रांसडक्सान; पॉलिफिशिक दृष्टिकोण का उपयोग कर साइनोबैक्टीरिया की सिस्टमैटिक्स और वर्गीकरण; फ्यूसेरियम विल्ट बीमारी के खिलाफ टमाटर में रक्षा प्रणाली में बढ़ोतरी पर पौधों की रक्षा इलीसिटर और ट्राइकोडर्मा हेंजिएनम के सहक्रियात्मक प्रभाव;ट्राइकोडर्मा जाति के विभिन्न फंगल रोगजनकों के

खिलाफ मूल्यांकन। अल्टरनेरिया अल्टरनेट वैकल्पिक और इसके विषाक्त पदार्थों से सवंमित टमाटर के फलों में पोशक तत्वों पर प्रभाव; ताजा पानी के मोल्ड (अचल्या एम बाई सेक्सूलाइस) की संक्रमित एक दुर्लभ मछली पर टैक्सोनोमिक नोट; सिस्टस लडानिफर एल तेल के बीज को प्रभावित करने वाले मोल्डों के खिलाफ एक पौधे आधारित संरक्षक के रूप में आवष्यक तेल,एफ्लाटोक्सिन बी.1 स्राव, ऑक्सीडेटिव गिरावट और मेथिलग्लोक्साइल बायोसिंथेसिस; क्रिप्टिक मेटाबोलाइट्स के अलगाव और पौधों में ज्ञात मेटाबोलाइट्स के संवर्द्धन के लिए मानक स्पेक्ट्रोस्कोपिक तरीकों का उपयोग करते हुए एंडोफेटिक सूक्ष्मजीवों से कुछ कार्यात्मक एंटीमाइक्रोबायल यौगिकों (मिलीबेमिसिन, सैकिनिक एसिड और ऑक्सीलिक एसिड) की पहचान; एंडोफेटिक फंगल अलगाव, चिटोमियम ग्लोबोसम और पेस्टलोटीया जाति का गुणन जीवाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट चांदी और सोने के नैनोकणों के जैव संश्लेषण के लिए; बीज एंडोफाईट्स का बायोप्रोस्पेक्टिंग; विभिन्न पौधों की प्रजातियों से आरवसकुलर माईकोराइजल का एसोसिएशन;सिस्टम लडेनिफर की संरक्षण क्षमता; ज्यादा उपज और ज्यादा माध्यमिक मेटाबोलाइट उत्पादन के लिए माइक्रोप्रोपैगेशन और एबियोटिक एलिसिटर का उपयोग; एलियम जाति में माइटोटिक गतिविधि के दौरान कोरियोमोर्फोलॉजी और गुणसूत्र की गड़बड़ी लेप्टोस्पाइरा जीनस की पुनः संयोजक अभिव्यक्ति और रोगजन्य में उनकी भूमिका।

शैक्षणिक सहभागिता

- अंतर्राष्ट्रीय जलवायु और पर्यावरण अनुसंधान केंद्र (CICERO),ओस्लो,नॉर्वे के सहयोग से जलवायु चरम सीमाओं, वायु प्रदूषण और कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र (CiXPAG)का अंतःक्रिया का अध्ययन-प्रो. एम. अग्रवाल
- भाभा-मुंबई से सहयोग से जैव ईंधन उत्पादन के लिए *डुनालिएला एसपी* के मेटाबोलिक इंजीनियरिंग का अध्ययन- प्रो. आर.के. अस्थाना
- दवा की खोज (कैंसर रोधी) पर आईआईटी-लखनऊ से सहयोग - प्रो. आर.के. अस्थाना
- मेथानोट्रोफिक समुदाय संरचना पर सहयोगात्मक परियोजना और उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन मिट्टी में मीथेन ऑक्सीकरण के लिए उनकी क्षमता का अध्ययन - प्रो. एस.के. दुबे (पीआई) और प्रो जे पांडे (सह-पीआई))

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विभाग की स्थापना 14 सितम्बर 1987 को हुई थी । विभाग मे शुरू से तीन साल का स्नातक पाठयक्रम पढ़ाया जाता है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग में वर्ष 1990 में परास्नातक प्रोग्राम शुरू किया गया। शिक्षण गतिविधियाँ सितम्बर 2002 तक भौतिकी विभाग में आयोजित जाती थी। विभाग सितम्बर 2002 से अपने स्वयं के भवन में कार्य कर रहा है । विभाग को एमसीए कोर्स चलाने की जिम्मेदारी शैक्षणिक सत्र 2006 से दी गई। एमसीए पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य शैक्षणिक सत्र 2007 में पेड सी श्रेणी के तहत दिक्षिणी परिसर में शुरू किया गया ।

शिक्षण एवं शोध

विभाग द्वारा तीन वर्षीय बी.एस.सी. (आनर्स) कंप्यूटर साइंस औरदो वर्षीय एम.एस.सी. (कंप्यूटर साइंस) के साथ दो साल के एम.सी.ए.पाठ्यक्रम संचालित होते है। इसके अलावा विभाग द्वारा सर्टीफिकेट डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम भी चलाया जाता है। वर्तमान में विभाग में कुल 47 पी.एच.डी. छात्र-छात्राएँ नामांकित हैं ।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

विभाग में अध्ययनरत कई विद्यार्थियों का कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों जैसे अन्थिन्केबल सालूशन, हेक्साव्यू टेक्नोलाजी, लोकोबज, उमडाक्स डेव्लपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और सीकोना नेटवर्क आदि में चयन हुआ।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग विज्ञान संस्थान के प्रमुख विभागों में से एक है, जिसे वर्ष 1916 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के तुरंत बाद स्थापित किया गया था। इस अवधि के दौरान, विभाग को प्रतिष्ठित एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति रसायनज्ञों जैसे प्रो. एस.एस. भटनागर, प्रो. एस.एस. जोशी, प्रो. जी.बी. सिंह, प्रो. एच.जे. अर्निकर, प्रो. सी. एन.आर. राव आदि के सक्षम मार्गदर्शन में विकसित और पोषित किया गया है। वर्तमान में यह विभाग यू.जी.सी.-सी.ए.एस. लेवल- II और डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. लेवल- II समर्थित विभाग है। इस विभाग में रसायन विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएँ एवं सुविधाएँ है। वर्तमान में, विभाग में 28 प्रोफेसर, 3 एसोसिएट प्रोफेसर, 22 सहायक प्रोफेसर, 3 विशिष्ट प्रोफेसर, 1 एमेरिटस प्रोफेसर, 2 बी.एस.आर. फेलो हैं।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

विभाग स्नातक,परास्नातक एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य करता है। स्नातकोत्तर स्तर पर विभाग विश्लेषणात्मक,अकार्बनिक,कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता प्रदान करता है। वर्ष 2020-21 के दौरान 170 पी.एच.डी. छात्र.लगभग 1150 स्नातक स्तर पर और 182 परास्नातक स्तर पर विद्यार्थीइस विभाग में नामांकित हैं।

विभाग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग,विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एस.ई.आर.बी.),परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड,जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसे प्रमुख वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का संचालन किया जाता है। इसके अंतर्गत बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रों का प्रकाशन होता है। पिछले एक साल में विभाग ने 200 से अधिक गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रकाशित किए हैं,जिनमें से ज्यादातर उच्च प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। विभाग के संकाय सदस्यों के राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और अंतरविभागीय सहयोग उनके द्वारा उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य के संदर्भ में परिलक्षित होते हैं।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विभाग के अनुसंधान कार्यक्रमों में सौर सेल,जैव-अकार्बनिक रसायन विज्ञान,जैव-कार्बनिक रसायन विज्ञान, सुपरमॉलेक्यूलर रसायन विज्ञान,कीमो / बायोसेंसर, संचालन पदार्थ,मेसोजेनिक संभावित अनुप्रयोगों के लिए कार्यात्मक सामग्री विकसित करना आदि शामिल है। तरल क्रिस्टल, आयनिक तरल पदार्थ, एन.आई.आर उत्सर्जक सामग्री आदि भी विभाग के शोध कार्यों केन्द्र में शामिल हैं। इनके अलावा विभाग के संकाय सदस्यों के अनुसंधान हेतु कटैलिसीस, रासायनिक कैनेटीक्स, रासायनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी, समन्वय रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, मुख्य समूह धातु रसायन विज्ञान, ऑर्गेनोमेटेलिक्स, प्राकृतिक उत्पाद, ड्रग डिजाइनिंग, पॉलिमर केमिस्ट्री, क्वांटम केमिस्ट्री और स्टैटिस्टिकल मैकेनिक्स जैसे मौलिक क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।

अनुसंधान सुविधाएं

विभाग कई आधुनिक परिष्कृत उपकरणों और सुविधाओं जैसे 300 और 500 मेगाहर्ट्ज एन.एम.आर.सिंगल क्रिस्टल एक्स.आर.डी., एफ.टी.आई.आर., यू.वी.-विज़, जी.सी-एम.एस, एलिमेंटल एनालाइज़र, इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम, फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रोमीटर, टीजीए / डीटीए.ए.एफ.एम., से लैस है। एच.पी.एल.सी.,डी.एस.सी और एक उच्च गति कंप्यूटिंग प्रणाली को भी विभाग के अनुसंधान सुविधाओं में जोड़ गया है। हाल ही में, विभाग ने दो नई इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाएं यथा वी.एस.एम. और बी.ई.टी. सतह विश्लेषक स्थापित की हैं। वर्तमान सत्र में,विभाग में व्यापक संख्या में सहायक सुविधाओं को भी जोड़ा गया है, जैसे हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर, जेल परमीशन क्रोमैटोग्राफी, सोर्स मेजरमेंट यूनिट (कंडक्टिविटी एंड कैपेसिटेंस), माइक्रो रमन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डायनामिक लाइट स्कैटरिंग (डीएलएस) और यूवी-विज़ की एक और इकाई।

विभाग के विकास में योगदान

हर साल तीस छात्रों के प्रवेश के साथ,रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत फोरेंसिक विज्ञान का एक नई शाखा स्थापित की गई है। उक्त पाठ्यक्रम में छात्रों को चार सेमेस्टर की अवधि में सैद्धांतिक और साथ ही व्यावहारिक में उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, इस सहयोगी विभाग का चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू के साथ-साथ विश्वविद्यालय के 31 अन्य विभागों के साथ भी सहयोग विकसित किया गया है।

भूविज्ञान विभाग

भूविज्ञान विभाग देश का सबसे बड़े भूविज्ञान विभागों में से एक है जो भूविज्ञान की लगभग सभी शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान के संबंध में सबसे अधिक विविध है। विभाग द्वारा खनिज और ऊर्जा क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए नए पाठ्यक्रम समय-समय पर तैयार किए जाते हैं। भारतीय भूविज्ञान के कुछ विशेषज्ञ जैसे प्रो. के.के. माथुर, प्रो. राजनाथ, प्रो. आर.के. लाल, प्रो. एम.एस. श्रीनिवासन, प्रो. आर.एस. शर्मा इस विभाग के हिस्सा रहें हैं। विभाग के कई छात्र जी.एस.आई., ओ.एन.जी.सी., सी.आई.एल., ए.एम.डी. आदि जैसे प्रतिष्ठित भूवैज्ञानिक संगठनों में शीर्ष स्थान पर रहे हैं। विभाग के कई संकाय सदस्य हम्बोल्ट (जर्मनी), कॉमनवेल्थ (यू.के.), मैरी क्यूरी (फ्रांस), लेउवरहोल्म (यू.के.).जे.एस.पी.एस. (जापान) जैसे प्रतिष्ठित फेलोशिप से नवाजे गये हैं। विभाग के कईसंकाय सदस्य प्रतिष्ठित यू.एस..कनाडा, इटैलियन, स्पेनिश, हंगेरियन, जर्मन, पुर्तगाली, मैक्सिकन,चीनी और ब्राजीलियाई फेलोशिप धारक हैं। विभाग के कुछ संकाय सदस्यएफ.एन.ए., एफ.ए.एस.सी.,एफ.एन.ए.एस.सी., एफ.टी.डब्ल्यू.ए.एस. सहित प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी अकादमियों के फेलो हैं। विभाग में एक पेट्रोलियम भूविज्ञान ओएनजीसी मालवीय चेयर स्थापित है और एक पुन: नियोजित प्रोफेसर भी है।

शिक्षण एवं शोध

विभाग भूविज्ञान में तीन साल (6 सेमेस्टर) बी.एससी. (ऑनर्स); दो साल (4 सेमेस्टर) भूविज्ञान में एम.एस.सी और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है। वर्तमान में विभाग में 420 बी.एस.सी.,69 एम.एस.सी. और 142 पी.एच.डी. छात्र नामांकित हैं। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए विभाग छात्र-छात्राओं को विभिन्न सार्वजनिक संगठनों, निजी कंपनियों और प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं (वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एन.जी.आर.आई.), भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.), सी.आई.एम.एफ.ई.आर., जी.एस.आई.,इसरो और बीएआरसी आदि) में प्रशिक्षण हेतु भेजता है। इन संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों को उनके प्लेसमेंट के लिए भी सहायता मिलती है। विभाग में अध्ययन के लिए आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। बड़ी संख्या में छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट इस विभाग की पहचान है। एम.एस.सी. के छात्रों की अच्छी संख्या ओ.एन.जी.सी., कोल इंडिया लिमिटेड, परमाणु खनिज विभाग (ए.एम.डी.), मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एम.ई.सी.एल.) मोनेट इस्पात, विप्रो, टाटा स्टील, बी.ए.आर.सी., एच.जे.ड.एल.वेदांत, राज्य भूजल विभाग आदि जैसी कंपनियों में प्लेसमेंट की पेशकश की गई है।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विभाग में स्ट्रैटिग्राफी, पेलियोन्टोलॉजी, माइक्रो-पैलियोन्टोलॉजी और ओशनोग्राफी, सेडिमेंटोलॉजी, इकोनॉमिक जियोलॉजी, कोल जियोलॉजी,आग्नेय और मेटामॉर्फिक पेट्रोलॉजी, स्ट्रक्चरल जियोलॉजी और टेक्टोनिक्स, जियोकेमिस्ट्री, जियोफिजिक्स, हाइड्रोजोलॉजी, इंजीनियरिंग भूविज्ञान जी.आई.एस. और रिमोट सेंसिंग आदि के मूल एवं उप-विषयों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध किए जा रहे हैं। विभाग के पास एक सुव्यवस्थित संग्रहालय (प्रो. राजनाथ स्मारक संग्रहालय) भी है जिसमें संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों द्वारा एकत्रित किये गये चट्टानों, खनिजों, जीवाश्मों का एक विशाल संग्रह उपलब्ध है।

अनुसंधान सुविधाएं

विभाग में छात्रों को विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों में अनुभव के साथ आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी विकास से भी अवगत कराया जाता है। इस प्रयास में उन्हें विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जिनमें शामिल हैं (1) स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (ii) मोर्टार ग्राइंडर (iii) सीबीएम के लिए थर्मल गैस डिसोर्शन (iv) कण आकार विश्लेषक (v) पतली खंड तैयारी इकाई, (vii) द्रव समावेशन माइक्रोस्कोप और फ्रीजिंग चरण, (viii) एलईआईसीए डीएमआरएक्स ध्रुवीकरण और स्टीरियोस्कोपिक चर्चा माइक्रोस्कोप और ऑर्थोप्लान (ix) रॉक इवल पायरोलाइज़र (एक्स) फ्रांज आइसोडायनामिक सेपरेटर (xi) आर्क-व्यू जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरण (xii) एक्सआरडी (xiii) जीपीएस , सर्वेक्षण उपकरण, मिरर स्टीरियोस्कोप और कुल स्टेशन (xiv) इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस (xv) परावर्तन माप फोटोमेट्री सिस्टम (xvi) पेट्रोलियम सिस्टम मॉडलिंग उन्नत सॉफ्टवेयर और (xvii) इलेक्ट्रॉन जांच माइक्रो विश्लेषक (EPMA), xviii) चट्टानों के लिए संपीड़न परीक्षण मशीन, (xix) मृदा निर्देश सुनती है और (xx) AMS। इसके अलावा, विभाग में यूजी, पीजी के लिए 25 कंप्यूटर सिस्टम से लैस केंद्रीय सुविधा के रूप में कॉर्डलेस वाईफाई की सुविधा वाले कंप्यूटर और जीआईएस - रिमोट सेंसिंग लैब्स और शोध छात्रों के लिए जीआईएस सॉफ्टवेयर के साथ 10 कंप्यूटर हैं। पीजी, अनुसंधान कर्मियों और शिक्षकों के लिए केंद्रीय सूक्ष्म सुविधा भी विकसित की जा रही है।

आउटरीच कार्यक्रम

विभाग ने अपने संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को उपलब्ध कराई है। विभाग में स्थापित कई उपकरण जैसे ईपीएमए, एसईएम, एएमएस आदि कई अन्य संगठनों के विद्वानों को शोध के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। अन्य विश्वविद्यालयों जैसे कुमाऊं विश्वविद्यालय, गढ़वाल विश्वविद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय आदि के छात्रों को क्षेत्र कार्य प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा पेशेवर संगठनों के कई युवा और मध्यम स्तर के वैज्ञानिकों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अकादमिक सहयोग / सहभागिता

विभाग द्वारा कई अन्य चल रहे सहयोगी कार्यों के अलावा बीएसआईपी और जीएसआई के साथ शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग के लिए नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, यू.एस., फ्रेंच, कनाडा, जापान, पुर्तगाल और स्पेन के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ कई सक्रिय सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम प्रगति पर हैं। कई संकाय सदस्य अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ के सदस्य के रूप में वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

भूगोल विभाग

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भूगोल का शिक्षण 18 अगस्त 1946 को (स्वर्गीय) प्रोफेसर एच एल छिब्बर द्वारा संस्थापक प्रमुख के रूप में भूगोल के एक स्वतंत्र और पूर्ण विभाग में शुरू किया गया था। समय के साथ साथ विभाग ने कई महत्वपूर्ण विकास किये है और अब यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भूगोल विभागों में से एक है। अपने उल्लेखनीय योगदान के आधार पर, यूजीसी ने विभाग को डीआरएस एसएपी-द्वितीय स्तर तक बढ़ा दिया है।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

विभाग पीएचडी के अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर से शिक्षण प्रदान करता है। वर्तमान में 150 यूजी,170 पीजी छात्र और बड़ी संख्या में पी.एच.डी. स्कालर विभाग में नामांकित है। विभाग में 12 प्रोफेसर, 2 एसोसिएट प्रोफेसर और 7 असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत हैं।

अनुसंधान सुविधाएं

पीजी स्तर पर,तीन विशेष समूह हैं, i जनसंख्या और निपटान भूगोल ii अनुप्रयुक्त भूगोल और योजना और iii कार्टोग्राफी और रिमोट सेंसिंग। विभाग में निम्न प्रयोगशालाएँ है

1. सर्वेक्षण प्रयोगशाला, जिसमे में थियोडोलाइट, डम्पी स्तर, प्रिज्मीय कंपास उपकरण शामिल हैं।
2. पर्यावरण प्रयोगशाला, जिसमें मिट्टी और पानी परीक्षण पोर्टेबल किट, मफल फर्नेस, बी.ओ.डी. इनक्यूबेटर, शोर नमूना, हाई टेंप ओवन फ्लेम फोटोमीटरऔर स्पेक्ट्रोफोटोमीटरआदि शामिल है।
3. कार्टोग्राफी लैब जिसमे दूरबीन के साथ मिरर स्टीरियोस्कोप जैसी सुविधाए उपलब्ध हैं।
4. जी.आई.एस. लैब, जिसमें आर्क इंफो (ULK किट), ENVI इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयरकी सुविधाओ के साथ साथ 40 स्कैनर,हाई रेजोल्यूशन डिस्प्ले मॉनिटर वाला सर्वर, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और 15 कंप्यूटरों का नेटवर्क सेट शामिल है।
5. इंटरनेट सुविधा और ज़ेरॉक्सिंग के साथ हार्डवेयर से युक्त कंप्यूटर लैब है।
6. पीजी कंप्यूटर लैब में पी.जी. छात्रों और शोधार्थियों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, इंटरनेट सुविधा शामिल है।

ये सभी लैब सुविधाएं छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

भूभौतिकी विभाग

विश्वविद्यालय में भूभौतिकी विभाग के नीव तत्कालीन कुलपति पं. गोविंद मालवीय जी द्वारा केवल एक संकाय सदस्य के साथ रखी गयी। 1949 में स्थापित भूभौतिकी विभाग देश में भूभौतिकीय शिक्षा के सबसे पुराने और अग्रणी केंद्रों में से एक है। स्वतंत्र भूभौतिकी विभाग ने 1964 में प्रो. एच.एस. राठौर को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रारंभ में विभाग ने एम.एस.सी. (भूभौतिकी) पाठ्यक्रम संचालित किया और बाद में सन 1976 से विभाग द्वारा 3 साल के एम.एस.सी (टेक) भूभौतिकी पाठ्यक्रम की शुरुआत की गयी। विभाग का शिक्षण कार्य दो मुख्य शाखाओं में विभाजित है, अर्थात् अन्वेषण भूभौतिकी और मौसम विज्ञान। सन 2003 से विभाग को DST-FIST द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

भूभौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम के अलावा,विभाग एम.एस.सी (टेक) का 3 वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री (6 सेमेस्टर) पाठ्यक्रम संचालित करता है जिसमे दो विशेषज्ञताए अन्वेषण भूभौतिकी और मौसम विज्ञान शामिल है। वर्तमान में 48 एम.एससी. (टेक) और 22 पी.एच.डी.शोधार्थी विभाग में नामांकित हैं। विभाग के संकाय सदस्य भूभौतिकी के विभिन्न विषयों में अनुसंधान (सैद्धांतिक और अवलोकन) को आगे बढ़ाने और क्षेत्र की जांच करने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। विभिन्न सरकारी/अर्ध-सरकारी संगठनों के साथ सहयोगात्मक कार्य भी किया जाता है और इच्छुक एजेंसियों को परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती है।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विभाग के संकाय सदस्य भूभौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करते हैं जिसमें भूजल भूभौतिकी;जल संसाधन और मॉडलिंग; भू-विद्युत चुम्बकीय और मैग्नेटोटेलुरिक्स; गैर-रैखिक गतिकी; भग्न गतिकी और मॉडलिंग; साइट प्रतिक्रिया और भूकंपीय माइक्रोज़ोनेशन तथा जमीन का विघटन; भूकंपीय जोखिम आकलन; क्रस्टल फीचर्स के टेक्टोनिक्स;संख्यात्मक मौसम भविष्यवाणी; मानसून और मानसून परिवर्तनशीलता की ऊर्जा; जलवायु परिवर्तन और सामाजिक क्षेत्रों पर इसका प्रभाव; फसल उपज पूर्वानुमान के साथ कृषि मौसम विज्ञान और सलाहकार सेवाएं;पर्यावरण मौसम विज्ञान/वायु प्रदूषण आदि शामिल है।

सहभागिता

एक मौसम वेधशाला,एक भूकंपीय वेधशाला,एक ओजोन इकाई बनाये रखने के लिए विभाग का भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार के साथ शैक्षणिक सहभागिता है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के सहयोग से विभाग ने प्राथमिक डेटाबेस के संग्रह के लिए एक पीजोमीटर टैप स्थापित किया है। विभाग ने आई.आई.टी.एम.-पुणे, दिल्ली सेंटर फॉर स्टडी रेन वाटर केमिस्ट्री के साथ MoES प्रोजेक्ट CAIPEEX के तहत सहभागिता की है। एन.पी.एल., नई दिल्ली के साथ भी पार्टिकुलेट मैटर विशेषताओं के लिए सहभागिता है।

गणित विभाग

गणित विभाग की स्थापना 1898 में सेंट्रल हिंदू स्कूल, कमच्छा, वाराणसी में हुई थी। इसे 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसका एक गौरवशाली अतीत है। इस विभाग को प्रो. गणेश प्रसाद, प्रो. वी.वी. नार्लीकर, प्रो. बृज मोहन, प्रो. आर.एस. मिश्रा, प्रो. के.पी. सिंह, प्रो. वी.एल.एन. सरमा, प्रो. एल.एम.त्रिपाठी, प्रो. एस.एन.लाल, प्रो० ऐ.के. तिवारी, प्रो० आर.एस. पाठक जैसे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित गणितज्ञों द्वारा पोषित किया गया है। वर्तमान में विभाग में 23 संकाय सदस्य कार्यरत हैं। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान विभाग ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 103 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

विभाग बी.ए. / बी.एस.सी. (ऑनर्स), एम.ए. / एम.एस.सी. और पी.एच.डी. गणित के पाठ्यक्रम संचालित करता है। यूजी और पीजी कार्यक्रमों में लगभग 2500 विद्यार्थी नामांकित हैं तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम में 79 शोधार्थी नामांकित है। इस विभाग के विद्यार्थी को विबिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में छात्रवृत्तिऔरफेलोशिप प्राप्त हो रहे है।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं

विभागीय पुस्तकालय, मैथेमैटिका सुविधा युक्त यूजी कंप्यूटर प्रयोगशाला, पी.जी. कंप्यूटर प्रयोगशाला, शोध छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला, छात्रों को शिक्षण सामग्री प्रदान करने के लिए फोटोकॉपी और नेटवर्क प्रिंटर।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग का दस दशकों से अधिक का गौरवशाली इतिहास है और इसे विज्ञान संस्थान के शुरुआती विभागों में से एक के रूप में स्थापित किया गया था। विभाग प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक भौतिकी में कई महत्वपूर्ण योगदान के लिए विख्यात है। भौतिकी विभाग ने सेंटर ऑफ एडवांस स्टडी (सी.ए.एस.) कार्यक्रम का पांचवां चरण पूरा कर लिया है, जिसका उद्देश्य विभाग में भौतिकी के विविध क्षेत्रों में उच्च स्तरीय इंटरैक्टिव,अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना है। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान परिषद् ने अंतरिक्ष भौतिकी और संबंधित उपकरण के क्षेत्र में चल रहे अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को जारी रखने के लिए विभाग को दीर्घकालिक वित्तीय सहायता प्रदान की है। विभाग क्वार्क ग्लूऑन प्लाज्मा (क्यू.जी.पी.) का पता लगाने के लिए बी.एन.एल.,यू.एस.ए.के फीनिक्स और जी.एस.आई.,जर्मनी के सी.बी.एम. नामक दो अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का हिस्सा रहा है तथा न्यूट्रिनो का पता लगाने के लिए एक भारतीय संस्थान आई.एन.ओ. का हिस्सा रहा है।

विभाग में उन्नीस नए संकाय सदस्य शामिल हुए हैं,जिससे विभाग को सूक्ष्म / नैनो इलेक्ट्रोमैकेनिकल संरचनाओं और उपकरणों, रासायनिक सेंसर, बायोसेंसर, सेंसर सरणी और इलेक्ट्रॉनिक नाक जैसे भौतिकी के कई अन्य प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान शुरू करने में मदद मिली है।

अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र

नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी, 2 डी नैनोमैटेरियल्स, नैनोस्ट्रक्चर और डिवाइसेज, हाइड्रोजन स्टोरेज मैटेरियल्स, एनर्जी स्टोरेज मटीरियल और डिवाइसेज, मल्टीफेरिक्स, मल्टीफंक्शनल मैटेरियल्स, सुपरकंडक्टिविटी, सॉफ्ट मैटर, लिक्विड क्रिस्टल, बायोफिजिक्स: डी.एन.ए. विकृतीकरण, पॉलिमर और प्रोटीन तह; अनाकार ऑक्साइड सामग्री, क्वार्क ग्लूऑन प्लाज्मा का भौतिकी, क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत, बी.आर.एस.टी. औपचारिकता, गैर-हर्मिशन क्वांटम यांत्रिकी, क्यूसीडी और होलोग्राफी, डी.एन.ए. विकृतीकरण, पॉलिमर और प्रोटीन तह, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु और आणविक भौतिकी, सेंसर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक रासायनिक सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक नाक, नॉनलाइनियर डायनामिक्स और अराजकता, क्वांटम कंप्यूटिंग, नॉनलाइनियर ऑप्टिक्स, फोटोनिक संरचनाएं और सेंसर; आईआर और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्रतिदीप्ति, जैव-अणुओं की संरचना और स्पेक्ट्रा; अंतरिक्ष भौतिकी, वायुमंडलीय भौतिकी, अनाकार सामग्री, जैव-अणुओं की संरचना और स्पेक्ट्रा, ऑप्टिकल फाइबर, फोटोनिक बैंड गैप संरचना और सामग्री, ध्वनिक विद्युत उपकरण और सेंसर आदि विभाग के प्रायोगिक और सैद्धांतिक समूहों की अनुसंधान गतिविधियों के मुख्य केंद्र हैं ।

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग यह सुनिश्चित करने में दृढ़ता से विश्वास रखता है कि शिक्षक एकीकृत प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों की शक्ति का उपयोग करके शिक्षण, महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान और रचनात्मक कौशल के उच्च क्रम प्राप्त किये जाते हैं। यह उन शिक्षण विभागों में से एक है जो विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों की जरूरतों को पूरा करता है, विशेष रूप से, विज्ञान संकाय, कला संकाय और सामाजिक विज्ञान संकाय।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

विभाग स्नातक स्तर पर दो प्रकार के पाठ्यक्रम सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और स्नातकोत्तर स्तर पर शुद्ध सांख्यिकी संचालित करता है। विभाग द्वारा छात्रों को विज्ञान और कला संकाय द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम में सांख्यिकीय प्रक्रियाओं की अवधारणा और सैद्धांतिक विकास पर जोर दिया जाता है। अनुप्रयुक्त सांख्यिकी पाठ्यक्रम मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान के छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है जहाँ व्यावहारिक समस्याओं के लिए उपयोगी विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के उपयुक्त चयन और अनुप्रयोग पर जोर दिया जाता है। यूजी और पीजी स्तर पर थ्योरी पाठ्यक्रम को बेहतर और व्यावहारिक तरीके से समझने के लिए प्रायोगिक पाठ्यक्रम पूरक के रूप में सहायता करता हैं। विभाग में चल रहे चार सेमेस्टर के स्नातकोत्तर कार्यक्रम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों के आलोक में और सिद्धांतकारों और सांख्यिकीय चिकित्सकों की मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2015 में पूरी तरह से संशोधित किया गया था। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में परियोजना कार्य के रूप में व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है।

उपरोक्त वर्णित नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, विभाग अन्य संकायों के छात्रों और शोधकर्ताओं के लाभ के लिए सांख्यिकी में एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी चलाता है जो अपने शोध और विकास कार्यों में उपयोग के लिए सांख्यिकीय पद्धतियों को सीखने के इच्छुक हैं। विभाग ने अन्य विभागों के शोध स्तर के छात्रों के लिए सांख्यिकी और कम्प्यूटिंग में एक स्व-वित्तपोषित एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किया है।

विभाग के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्रकाशित किए जाते हैं। विभाग नियमित रूप से सम्मेलनों,सेमिनारों और कार्य दुकानों का आयोजन करता है।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विभाग अनुसंधान के लिए विषय के विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है जिसमें सांख्यिकीय अनुमान,जीवन परीक्षण और विश्वसनीयता, बायेसियन अनुमान, नमूना सिद्धांत, स्टोकेस्टिक मॉडलिंग और जनसंख्या अध्ययन आदि शामिल हैं।

जीव विज्ञान विभाग

जीव विज्ञान विभाग पशु विज्ञान पर शिक्षण और अनुसंधान के लिए देश में अग्रणी विभागों में से एक है। पशु व्यवहार का समावेश,आणविक और मानव आनुवंशिकी,आणविक एंडोक्रिनोलॉजी,न्यूरोबायोलॉजी,आर्थिक प्राणीशास्त्र,आदि विषयो पर शिक्षण एवं शोध कार्य ने विभाग को प्रतिष्ठित स्थान प्रदान किया है। शिक्षण में वृद्धि और विविधता (शारीरिक विकलांग छात्रों के लिए ऑडियो-विजुअल एड्स की सुविधा) प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धी संकाय सदस्यों के शामिल होने से संभव यह सब संभव हुआ है।

विशवविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित विशेष सहायता कार्यक्रमCOSIST,उन्नत अध्ययन केंद्रतथा विज्ञानं एवं तकनीक विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित उपकरणों ने विभाग की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पद्म श्री, एस.एस. भटनागर पुरस्कार, फिक्की पुरस्कार, हरिओम ट्रस्ट पुरस्कार, यूजीसी कैरियर पुरस्कार, विज्ञान रत्न, और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों की फैलोशिप अलेक्जेंडर वॉन हंबोल्ट, जे.एस.पी.एस., डी.ए.ए.डी., आई.बी.आर.ओ-यूनेस्को, फुलब्राइट.फेलोशिप आदि जैसे सम्मानो और पुरस्कारों के माध्यम से समय-समय पर संकाय की वैज्ञानिक योग्यता को मान्यता दी गई है।

तीन गणमान्य प्रोफेसर और एक एमेरिटस प्रोफेसर विभाग की विशेषज्ञता को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, विभाग में तीन प्रतिष्ठित बी.एस.आर. फेलो भी हैं। विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित अनुसंधान प्रयोगशालाएं, केंद्रीय परिष्कृत उपकरण प्रयोगशालाएं और इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला और सभी अनुसंधान प्रयोगशालाओं और कक्षाओं के लिए नेटवर्किंग है। विभाग ने सी.ए.एस. चरण V को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और सी.ए.एस. चरण VI हेतु पांच साल (2017-2022) के लिए 176 लाख का वित्त पोषण विभाग को प्राप्त हो रहा है। विभाग को डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. (स्तर-द्वितीय) का वित्त पोषण भी प्राप्त हुआ। 5 वर्षों के लिए 304 लाख की लागत से अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए परिष्कृत उपकरणों की खरीद की प्रक्रियारत है।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

विभाग बी.एस.सी, एम.एस.सी. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रमो का संचालन करता है। वर्तमान में 1000 से अधिक बी.एस.सी. और 135 एम.एस.सी. के छात्र विभाग में नामांकित हैं। 26 नए पी.एच.डी. छात्रों को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नामांकित किया गया है।

जैसा कि शोध प्रकाशनों से स्पष्ट है, विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से चार प्रमुख क्षेत्रों अर्थात् जैव रसायन, साइटोजेनेटिक्स, इकोफिजियोलॉजी और प्रजनन जीवविज्ञान और एंडोक्रिनोलॉजी जिसमे इम्यूनोलॉजी, न्यूरोबायोलॉजी और क्रोनोबायोलॉजी भी शामिल हैं, में अनुसंधान करते हैं।

छात्र केंद्रित गतिविधियां

इंटरनेट और नेटवर्किंग सुविधा के साथ एक केंद्रीय कंप्यूटर प्रयोगशाला सभी शोधार्थियो, पी.जी. और यू.जी. (बी.एस.सी. सेमेस्टर Vऔर VI) के विद्यार्थियों के लिए सुलभ है।

विभाग के प्रख्यात आगंतुक

इसमें गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय संबलपुर, ओडिशा के पूर्व कुलपति प्रो अतनु कुमार पाटी और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के जूलॉजी विभाग के पूर्व डीन, जीव विज्ञान और प्रोफेसर मदन मोहन चतुर्वेदी शामिल हैं।

आणविक और मानव आनुवंशिकी विभाग

अगस्त 2004 में स्थापित आणविक और मानव आनुवंशिकी विभाग अपने छह प्रमुख संकाय सदस्यों और विज्ञान संस्थान और चिकित्सीय विज्ञान के अन्य विभागों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य संकायों के सहयोग से एक अनूठा शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है। विभाग जैव प्रौद्योगिकी विभाग,भारत

सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित है। विभाग द्वारा एम.एस.सी. और पीएच.डी. आणविक और मानव आनुवंशिकी पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। एम.एस.सी.पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों का चयन ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन बायोटेक्नोलॉजी (GAT-B)के माध्यम से किया जाता है

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विभाग के प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र में बेसिक जेनेटिक्स, बायोकेमिस्ट्री, सेल बायोलॉजी, बायोइनफॉरमैटिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन, डेवलपमेंट जेनेटिक्स, इम्यूनो-जेनेटिक्स, जेनेटिक इंजीनियरिंग, ह्यूमन मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स, न्यूरोजेनेटिक्स, क्लिनिकल जेनेटिक्स, पॉपुलेशन एंड इवोल्यूशनरी जेनेटिक्स, जेनेटिक काउंसलिंग, साइटोजेनेटिक्स और कैंसर आनुवंशिकी शामिल हैं। ।

जीव विज्ञान,चिकित्सा और सूचना प्रौद्योगिकी के बीच एक अद्वितीय इंटरफेस होने के नाते, विभाग अस्पताल के नियमित दौरे, केस-प्रस्तुति और आणविक निदान तथा आनुवंशिक परामर्श में व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करता है। विभाग के शिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों प्रतिष्ठित आणविक जीव विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशालाओं में ग्रीष्मकालीन परियोजनाओ के संचालन के अतिरिक्तएक प्रायोगिक परियोजना,एक "ड्रीम प्रोजेक्ट" की तैयारी और प्रत्येक छात्र द्वारा संगोष्ठी की प्रस्तुति शामिल है।

गृह विज्ञान विभाग

अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए गृह विज्ञान शिक्षण वर्ष 1927 में महिला महाविद्यालय में शुरू हुआ। 1975 में इसे विभाग का वैधानिक दर्जा मिला और इसे गृह विज्ञान विभाग के रूप में स्थापित किया गया। यह विभाग विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में से एक होने के साथ साथ महिला महाविद्यालय का भी एक हिस्सा है। विभाग में पीएचडी कार्यक्रम 1976 में शुरू हुआ। यह गृह विज्ञान के सभी पांच क्षेत्रों अर्थात् खाद्य और पोषण,वस्त्र,विस्तार और शिक्षा / संचार, गृह प्रबंधन और बाल विकास जैसे विषयों में अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान करता है।

2.1.2. संकाय

2.1.2.1. कला संकाय

वाराणसी,असीम कांति से पूर्ण नगर जो कि भगवान शिव के त्रिशूल पर बसा हुआ है,सम्पूर्ण विश्व में अनेक कारणों से जाना जाता है,जिनमें गंगा,सारनाथ तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय उल्लेखनीय हैं। सन् 1916 में स्थापित का.हि.वि.वि. महान दिव्यदर्शी तथा असाधारण राष्ट्रवादी नेता पं. मदन मोहन मालवीय के सपनों का वास्तविक आविर्भाव है। इस का.हि.वि.वि. में कला संकाय को मानविकी के केन्द्र के रूप में विकसित किया गया जो कि पूर्व में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज के नाम से जाना जाता था तथा 1918 में एनी बेसेन्ट के द्वारा स्थापित किया गया था। यह वह नींव साबित हुआ जिस पर का.हि.वि.वि. की महान इमारत तथा आशावादी भाविष्य का निर्माण हुआ। निश्चित रूप से इन्हीं कारणों से कला संकाय का का.हि.वि.वि. से ऐसे संबंध स्थापित किया गया है,जहाँ पर ज्ञान की धारा निरन्तर अबाधित रूप से प्रवाहित होती रहती है।कला संकाय पारंपरिक तथा आधुनिक ज्ञान व्यवस्था के बीच एक अद्वितीय समन्वय को विकसित करने की परिकल्पना करता है तथा सर्वदा ऐसे मतों एवं विचारों को विकसित करने की योजना में संलग्न रहता है जो कि मानवता की समग्र अवधारणा के अनुकूल हो। अपनी आंतरिक उर्जा को संरक्षित रखते हुए यह संकाय अन्तर्विषयी शोधों के नये परिदृश्यों को प्रोत्सहित करता है ताकि “मानव स्वतंत्रता”के सिद्धान्त को जीवंत बनाकर उसे मूर्त रूप दिया जा सके। 21 विभागों तथा 4 महत्वपूर्ण केन्द्रों- भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, अंतर-संस्कृति अध्ययन केन्द्र तथा अनुवाद अध्ययन केन्द्र के साथ यह संकाय विभिन्न पारम्परिक तथा देशज ज्ञान स्त्रोतों और उनके सापेक्ष पारम्परिक महत्व के मूल्यांकन हेतु संवाद को प्रोत्साहन देता है। छात्रों तथा अध्यापकों को और जागरूक, जीवंत तथा परस्पर संवादात्मक बनाने हेतु, यह संकाय समय-समय पर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों / सम्मेलनों तथा कार्याशालाओं का आयोजन करता रहता है। एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में, संकाय “तुलनात्मक साहित्य” पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। जिसकी परिकल्पना साहित्य के प्रति अंतर्विषयी दृष्टिकोण के क्षेत्र में संकाय सदस्यों की जागरूकता को बढ़ाने के लिए की गयी है। संकाय की वार्षिक पत्रिका “अपूर्वा” का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। क्योंकि यह अध्यापकों एवं शोध छात्रों के शोध-पत्रों के प्रकाशन के लिए एक मंच प्रदान करता है।

मूलरूप से संकाय का केन्द्र बिन्दु त्रिआयामी है- यह छात्रों को दोनों भाषाओं भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में शिक्षण प्रदान करता है जैसे कि एक ओर हिन्दी, संस्कृत, पाली, उर्दू, तेलगू, तमिल, मराठी, बंगाली, भाषा-विज्ञान है तो दूसरी ओर अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पैनिश, अरबी, परसीयन, रूसी तथा चीनी भाषाएँ हैं। यह छात्रों को इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, कला का इतिहास, दर्शन तथा धर्मशास्त्र के क्षेत्र में नूतन प्रगति से भी परिचित करवाता है। इसका तीसरा आयाम वृत्तिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे- पत्रकारिता व जन संचार, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, पर्यटन व यात्रा प्रबंधन संग्रहालय विज्ञान तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के परिचय से संबंधित है। इसमें तनिक भी अतिशयोत्ति नहीं होगी यदि हम कहें कि कला संकाय मानव विकास की प्रक्रिया

तथा एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में एक उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वानों की एक लम्बी सूची है जो कि इस संकाय से सम्बद्ध हैं तथा का.हि.वि.वि. की छवि को बढ़ा चुके हैं। उसमें से कुछ इस प्रकार है- डॉ एस. राधाकृष्णन, बी.एल. अत्रेया, टी.आर.वी. मूर्ति, जे.एल. मेहता, देवराज (दर्शनशास्त्र); बाबू श्याम सुन्दर दास; आचार्य राम चन्द्र शुक्ल; केशव प्रसाद मिश्र; हजारी प्रसाद द्विवेदी; नंद दुलारे बाजपेयी; विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; शिव प्रसाद सिंह; नामवर सिंह; केदार नाथ सिंह (हिन्दी); सी.एन. मेनन; राम अवध द्विवेदी; डॉ. साहनी; विक्रमादित्य राय; हरीश त्रिवेदी (अंग्रेजी); रामावतार शर्मा; ए.बी. ध्रुव; पी.एल. वैद्य; बलदेव उपाध्याय; रेवा प्रसाद द्विवेदी; सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत); राय कृष्ण दास; राय आनन्द कृष्णा; कपिला वात्सयायन (कला इतिहास); ए.एस. आल्टेकर; राजबली पाण्डेय; वासुदेव शरण अग्रवाल; आर.सी. मजूमदार तथा ए.के. नारायन (प्रा.भा.इति.संस्कृति व पुरातत्व) कहने की आवश्यकता नहीं कि ये लोग भावी पीढ़ी के लिए शक्ति और प्रेरणा के महान स्त्रोत थे।

कला संकाय को न केवल सबसे पुराना संकाय होने का सौभाग्य प्राप्त है बल्कि-सबसे बड़े संकायों में से भी एक है-जिसके अर्न्तगत लगभग 300 संकाय सदस्य, 5500 छात्र तथा 58 कार्यालय कर्मचारी हैं। इसके पास सबसे बड़े २१ शिक्षण विभागों की होने का एक विरल विशिष्टता प्राप्त है। इन विभागों के अतिरिक्त संकाय के पास व्यावसायिक वर्ग जैसे कार्यालय प्रबंधन व सचिवालयी तकनीक, विज्ञापन व विक्रय कला, सुरक्षा (बीमा) प्रबंधन, लेखा एवं लेखा परीक्षा, पुरातत्व विज्ञान व संग्रहालय विज्ञान तथा यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन भी है। इन विभागों के माध्यम से संकाय विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम जो कि प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम से लेकर शोध स्तर तक जैसे पी.एच.डी. और डी.लिट. तक के कार्यक्रमों को प्रदान करता है। यू.जी.सी. इनोवेटिव प्रोग्राम के अंतर्गत एकवर्षीय (पूर्णकालिक) अनुवाद दक्षता (विविध सामर्थ्य हेतु) का डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संकाय द्वारा संचालित किया जाता है।

प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग

यह विभाग उन्नत अध्ययन केन्द्र की विशिष्टता के साथ भारत विद्या अध्ययनों का प्रमुख विभाग है। इसके शिक्षण तथा शोध के मूलभूत क्षेत्र के अंतर्गत कला एवं वास्तुकला, धार्मिक तथा दार्शनिक अध्ययन, पुरालेख विद्या तथा प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन, मुद्राशास्त्र व पुरातत्व तथा संग्रहालय विज्ञान सम्मिलित हैं। संकाय के सबसे बड़े पुस्तकालय के साथ ही विभाग के पास आर्कियोमेटालर्जी में वैज्ञानिक शोधों, मृत्तिका कला तकनीक अकार्बनिक (अजैवीय) पदार्थों से संबंधित आंकड़ों को संभालने हेतु एक प्रयोगशाला भी है। अतीतकाल के विस्तृत तथा वैज्ञानिक ज्ञान हेतु विभाग के पास पुरातत्व विभाग, कैम्ब्रीज विश्वविद्यालय, आई.आई.टी.कानपुर, बीरबल साहनी प्राचीन शिलालेख अध्ययन संस्थान, लखनऊ जैसे संस्थानों के साथ सहयोगी शोध कार्यक्रम भी हैं। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां निष्पादित की गयी हैं।

विदेशी भाषा विभाग

सन् 1948 में स्थापित इस विभाग की महत्ता है कि यह एशिया व यूरोप के सात प्रमुख भाषाओं यथा चीनी, जापानी, सिंघली, रूसी, स्पैनिश तथा पोलिश भाषाओं के शिक्षण कार्यक्रम को संचालित करता है। इस विभाग का वर्तमान केन्द्र-बिन्दु चीनी भाषा एवं साहित्य, संस्कृति,इतिहास, राजनीति, चीनी भारतीय बातचीत, रूसी भाषा तथा साहित्य है। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजित की गयीं।

पाली तथा बौद्ध अध्ययन विभाग

भारत में बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में यह विभाग अग्रणी संस्थानों में से एक है। यद्यपि इस विभाग की स्थापना 1982 में हुयी,लेकिन भीखु जगदीश कश्यप,भारत में बुद्ध धर्म के पुनर्जीवन के अग्रदूत के प्रयास से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पाली की शिक्षा 1940 में ही प्रारम्भ हो गयी थी। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजिन की गयीं।

भारतीय भाषा विभाग

भारतीय भाषा विभागों में अतंर्राष्ट्रीय भाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

इसी तरह दर्शनशास्त्र और धर्म विभाग, उर्दू, बगांली, अंग्रेजी, संस्कृत, फ्रेंच अध्ययन, जर्मन अध्ययन, हिंदी, पत्रकारिता और जनसंचार, भाषा विज्ञान, मराठी, फारसी, शारीरिक शिक्षा, संस्कृत, तेलुगु, कला का इतिहास, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग और मालवीय मूल्य अनुशीलन केंन्द्र जर्मन स्टडीज, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, भारत अध्ययन केन्द्र शिक्षण और शोध की नियमित गतिविधियों में लगें हुए है।

व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन

छात्रों में कौशल विकास के संवर्धन हेतु,कला संकाय व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रमों के अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है। इस संकाय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम सन् 1984 से चल रहे हैं। पर्यटन तथा कार्यालय प्रबंधन में दो वर्षीय अंशकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम इस संकाय में बहुत प्रचलित पाठ्यक्रम हैं। इन कार्यक्रमों के अर्न्तगत कक्ष शिक्षण के साथ-साथ अध्यवसाय में व्यवहारिक सत्र तथा क्षेत्र स्तरीय अनुभव के लिए शैक्षिक यात्रा भी सम्मिलित है।

भारत अध्ययन केंद्र

भारत अध्ययन केंद्र की स्थापना 2015 में हुई थी। भारत अध्ययन केंद्र फरवरी 2020 से मालवीय हेरिटेज संकुलमें स्थित और कार्यात्मक है। केंद्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान 1 संगोष्ठी, 2 कार्यशालाओं और 19 ऑनलाइन विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया है।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

- अनुप्रयुक्त संस्कृत स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)
- कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान पी.जी. डिप्लोमा कोर्स (दो साल)
- भारत अध्ययन सर्टिफिकेट कोर्स (एक साल)
- भारतीय आध्यात्मिकता के अध्ययन की मंशा और प्रकृति पर विशेष पाठ्यक्रम- लघु अवधि (3 महीने)
- हिंदू अध्ययन में एम.ए. (दो साल),4 सेमेस्टर नियमित कार्यक्रम (16 पेपर)

उपरोक्त पाठ्यक्रम केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों और यहां तक कि परिसर के बाहर के नागरिकों के लिए शुरू किए गए हैं।

शैक्षणिक सहभागिता

संकाय का देश-विदेश के कई विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग है जिसमें उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी; इंडोस्कैंडिक इंस्टीट्यूट, स्वीडन विश्वविद्यालय; ए.आई.एच.सी. और पुरातत्व विभाग, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, हेरिटेज सोसाइटी, पटना; इंडोलॉजी फाउंडेशन, नई दिल्ली; ऋत्विक, नई दिल्ली; भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आई.सी.पी.आर.), नई दिल्ली।

नेट / जे.आर.एफ. / सी.एस.आई.आर. / गेट आदि- 04 जे.आर.एफ. (यू.जी.सी.) और 06- नेट (यू.जी.सी.)

2.1.2.2. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य संकाय,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वर्तमान में देश का सबसे बड़ा वाणिज्य शिक्षण का विभाग है। वाणिज्य विभाग का प्रादुर्भाव सन् 1940 में हुआ। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में इस विभाग का उद्भव हुआ। सन् 1950 में वाणिज्य विभाग एक स्वतंत्र विभाग के रूप में प्रस्फुटित हुआ और सन् 1965 में वाणिज्य विभाग एक संकाय के रूप में उच्चस्तरित हुआ। वर्तमान सत्र की अवधि में बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा), एम.कॉम्, तथा पी.एच.डी. का पाठ्यक्रमों का संचालन जारी है। इसके साथ ही एम.बी.ए.-एफ.एम., एम.बी.ए.-आर.एण्ड आई. और एम.बी.एम.-एफ.टी. जैसे विशेष स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम संचालित है। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर (रा.गाँ.द.प.), बरकछा में भी वाणिज्य संकाय के नियंत्रण में पेड सीट श्रेणी के आधार पर बी.कॉम. (प्रतिष्ठा) और एफ.एम.एम. के पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। इस प्रकार पंजीकृत विद्यार्थीयों की सम्पूर्ण संख्या 2573 रही (इसमें दक्षिणी परिसर, बरकक्षा के विद्यार्थी भी सम्मिलित है)।

अधिक संख्या में विदेशी छात्र / छात्राएँ वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से प्रभावीत होकर अध्ययन के लिए आये जैसे- नेपाल, जिमबाम्बे, यमन, इरान, केन्या और श्रीलंका इत्यादि। इस वर्ष में छात्राओं का प्रवेश वाणिज्य संकाय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इनकी संख्या लगभग कुल छात्रों का पचास प्रतिशत रहा।

संकाय के सदस्यों ने पीएच.डी. धारक तैयार करने, शोध पत्रों / लेखों एवं पुस्तकों के प्रकाशन, भारत व विदेशों में विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न हुए संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में सहभागिता के द्वारा तथा का.हि.वि.वि. और अन्य विश्वविद्यालयों के विभागों में परीक्षा या अतिथि वक्ता के रूप में कार्य करके अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

छात्रों के लिए सुविधाएँ

छात्रों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने एवं उनके प्रदर्शन में उत्थान की दृष्टि से संकाय उन्हें अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करता है। वे सुविधाएँ हैं:

- विभागीय पुस्तकालय
- ट्रैक्सट् बुक बैंक
- वाणिज्य संघ पुस्तकालय
- शुल्क मुक्त अध्ययन
- योग्यता एवं एनडाउमेंट स्कॉलरशिप
- यू.जी.सी. फेलोशिप
- बी.एच.यू.छात्रवृति
- अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति
- एन.सी.सी.

- एन.एस.एस.
- गेस्ट फेकल्टी व्याख्यान
- परियोजना प्रशिक्षण
- बिजनेस एक्सीक्यूटिव के साथ वार्तालाप
- इन्टरनेट सुविधा
- वाई-फाई सुविधा

छात्रों को अन्य सुविधायें: कम्प्यूटर-80, लैपटाप-34, फोटो कॉपियर-03, लेजरप्रिंटर-65 उपर्युक्त सुविधाओं के अतिरिक्त वाईफाई इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

2.1.2.3. शिक्षा संकाय

शिक्षा संकाय की स्थापना 15 अगस्त1918 को टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (टी.टी.सी.) के रूप में हुई। अपने स्थापना के समय से अद्यतन शिक्षा संकाय ने सामान्य एवं विशेष रूप से शिक्षक-शिक्षा के सुधार में समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

इस सत्र के दौरान 20 से अधिक पी.एच.डी. विद्यार्थियों को उपाधि मिली और 20 से अधिक विद्यार्थियों कोनेट/ जे.आर.एफ. प्राप्त हुआ। शैक्षिक कार्यक्रम के सफल संचालन के अलावा शिक्षा संकाय ने सामान्य और विशेष शिक्षा दोनों के लिए शैक्षिक नेतृत्व,व्यक्तित्व विकास,कौशल विकास,संगणक संचालन कौशल,एम.ओ.ओ.सी. और सहायक उपकरणों में प्रशिक्षण,सांकेतिक भाषा और अनुसंधान संस्कृति के लिए संसाधन केंद्र के रूप में काम किया।

संकाय ने गैर सरकारी संस्थानों एवं अन्य संस्थानों/ संगठनों के साथ अनेक पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया है। संकाय ने विभिन्न प्रकार के संगठनो के साथ विभिन्न मुद्दों पर आधारित सहयोग एवं समन्वय का कार्य भी किया है:

- उत्तर प्रदेश में विद्यालयीय शिक्षा
- विशिष्ठ अध्यापकों का विशिष्ठ उन्मुखीकरण (वी.आई., एच.आई. एवं अन्य)
- प्राचार्यो एवं प्रशासकों हेतु प्रशिक्षण
- दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों हेतु उभरती तकनीकियों संबंधी कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु उन्मुक्तीकरण कार्यक्रम
- पुनरिक्षितस्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी.कोर्स वर्क कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।
- शिक्षा शास्त्र में एम.ए. कार्यक्रम के संचालन हेतु पहल

इस सत्र के दौरान संकाय के विद्यार्थियों ने विशिष्ट विद्यालयों का भ्रमण किया और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। पर्यावरण को बचाने के लिए संकाय परिसर में कई वृक्ष लगाये गए; इको क्लब,शिक्षा संकाय और अंकुर (एन.जी.ओ.), वुमेन इनर व्हील क्लब एवं अन्य एन.जी.ओं के साथ जागरूकता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया; संकाय ने गैर-सरकारी संगठनों और अन्य संस्थानों / संगठनों के साथ अनेक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया; शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोजित करके संकाय ने विद्यालयी शिक्षा के साथ सम्बंध स्थापित किया; गुणात्मक दृष्टिकोण में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के जवाबदेहिता, समयबद्धता और नियमितता पर जोर दिया; विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षा अंत:क्रिया उपलब्ध करायी।

संकाय भारतीय राज्यों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त विदेशी विद्यार्थियों को भी अच्छी संख्या में आकर्षित करता है। अकादमिक सत्र 2020-21 के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ, पं.बंगाल, उत्तराखण्ड, इत्यादि के विद्यार्थी सम्मिलित थे। विदेशी विद्यार्थियों में थाईलैण्ड, इरान, कम्बोडिया एवं नेपाल के विद्यार्थी शोध एवं शैक्षिक क्रियाकलाप कर रहे हैं।

प्रयोगशालायें / संसाधन कक्ष

संकाय में विज्ञान प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, संगणक प्रयोगशाला, सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला, दृष्टिबाधित प्रयोगशाला, श्रवणबाधित प्रयोगशाला, पर्यावरण शिक्षा प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ, चयन प्रकोष्ठ, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ, पुरातन विद्यार्थी प्रकोष्ठ, क्रीड़ा कक्ष, स्कूल ऑफ एज्युकेशन, आदि है।

पूर्ण किये गये/प्रक्रिया अन्तर्गत कार्य

- शिक्षा संकाय में सौर्य पैनल पावर बैक-अप का कार्य पूर्ण हो गया है।
- संकाय की नवीन बिल्डिंग के द्वितीय तल के निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है।
- संकाय की नवीन बिल्डिंग में महिला एवं पुरूषों के शौचालय का कार्य पूर्ण किया गया है।
- संकाय की नवीन बिल्डिंग में विशिष्ठ विद्यार्थियों के लिए रैंप निर्माण का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय के बागवानी तथा सफाई एवं सहायक सेवा ईकाई के उपयोग हेतु दो कमरों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

शोध प्रकाशन

संकाय के सदस्यों ने विभिन्न स्थानों पर एकादमिक कार्यो में क्रियाशीलता से सहभागिता की है। संकाय के संकाय सदस्यों द्वारा 24 राष्ट्रीय एवं 8 अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र,12 राष्ट्रीय एवं 1 अन्तर्राष्ट्रीय लेख,राष्ट्रीय स्तर की 2 पुस्तकें एवं 3 मोनोग्राफ का प्रकाशन किया गया है। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों ने समग्र रूप से 90 स्रोत व्याख्यान्न दिए हैं एवं राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में सहभागिता की है।

2.1.2.4. विधि संकाय

विधि शिक्षा के परिष्कार और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता की निर्मिति की दृष्टि से शुरू से ही बनारस लॉ स्कूल की महती भूमिका रही है। तीन वर्षीय पूर्णकालिक एल.एल.बी. पाठ्यक्रम एवं दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने में यह संस्था अग्रणी रहा है। सत्र 1998-99 से लॉ स्कूल ने ठह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटीज एजूकेशन" में दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम की शुरूआत की और सत्र 2001-02 में "एनिमल लॉ" से सम्बन्धित एक प्रश्नपत्र को उसमें प्रतिस्थापित किया। "बार काउंसिल ऑफ इण्डिया"के निर्देशानुसार लॉ स्कूल ने सत्र 2009-10 में पाठ्यक्रम का पुनर्निधारण / पुनर्निर्माण करते हुए एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम की शुरूआत की। सत्र 2010-11 के विश्वविद्यालय आर्डिनेंस के अनुसार उसी सत्र से संकाय ने एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा),एल.एल.एम. और एल.एल.एल (एच.आर.डी.ई.) पाठ्यक्रमों में "च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम"लागू किया गया। इसके अतिरिक्त लॉ स्कूल ने जनवरी 2011 से पी.एच.डी. प्रोग्राम में "कोर्स वर्क" को प्रारम्भ कर दिया है।

एल.एल.बी. स्तर की शिक्षा इस बात को ध्यान में रख कर दी जाती है कि विद्यार्थी विधि व्यवसाय की चुनौतियों के अनुसार तैयार हो सकें और व्यवसाय,वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भी लॉ ग्रेजुएट के रूप में अपने को योग्यता प्रमाणित कर सकें। समुदायोन्मुख कई पाठ्यक्रमों को भी लॉ स्कूल ने प्रारम्भ किया है जो समाज, पर्यावरण, उपभोक्ता, महिलाओं, बच्चों एवं अन्य और की भी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। संकाय में "एग्रीकल्चरल लैंड लॉ एण्ड रिफार्म्स" की दृष्टि से तत्सम्बन्धी ग्रामीण समस्याओं के निमित्त विधि शिक्षा का भी प्रबंध है। निर्धन एवं साधनहीन व्यक्तियों को भी संकाय द्वारा विधिक सहायता प्रदान की जा रही है।

विधि संकाय एक राष्ट्रीय जर्नल "बनारस लॉ जर्नल" निरन्तर प्रतिवर्ष प्रकाशित कर रहा है जिसमें भारत एवं विदेश के अध्यापकों, प्रख्यात व्यावसायिकों एवं शिक्षाविदों के शोध आलेख / पुस्तक समीक्षा प्रकाशित होते रहते हैं। भारत एवं भारत से बाहर के अनेक महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान जर्नल्स के आदान-प्रदान का यह जर्नल एक प्रमुख आधार है। हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों एवं वकीलों द्वारा इस जर्नल में उल्लिखित लेखो का नजीर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा संकाय ने राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद कोर्ट प्रतियोगिता-महामना मालवीय राष्ट्रीय वाद-विवाद कोर्ट को आरम्भ किया है।

प्रमुख गतिविधियाँ

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश, अध्यापन एवं परीक्षा की समस्त गतिविधियां निर्धारित समय पर सकुशल सम्पन्न हुई।
- बी.एच.यू. एवं अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, ओरियन्टेशन कोर्स, रिफ्रेशर कोर्स एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं में विभाग के अनेक अध्यापकों ने स्रोत विद्वान के रूप में सहभागिता की।
- विधि संकाय को विधि संस्थान में उन्नयन करने हेतु कार्य प्रगति पर है।
- ऑनलाइन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, कानूनी जागरूकता और कानूनी सहायता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

परिसर विकास/ नए बुनियादी ढाँचे का निर्माण:

ऑनलाइन कक्षाओं के लिए सुसज्जित दो स्मार्ट क्लासरूम और वेब एक्स लाइसेंस की स्थापना।

शैक्षणिक सहयोग/ समझौता ज्ञापन:

आई.आई.यू.एम.यमांशी विश्वविद्यालय के साथ प्रस्तावित एक शैक्षणिक सहभागिता कार्यक्रम हेतु प्रस्ताव स्वीकृति एवं क्रीयांवयन हेतु प्रक्रियारत है।

शिक्षण-अध्ययन के कार्यक्रम

देश के अन्य लॉ स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त लॉ स्कूल बी.एच.यू. अन्य अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। यथा-अपराध एवं दण्डशास्त्र, अन्तर राष्ट्रीय अर्थ / आर्थिक कानून, कारपोरेशन एवं पब्लिक कंट्रोल कानून, ग्रामीण विकास सम्बन्धी कानून, रेन्ट कंट्रोल संबंधी कानून, मिलिटेरी लॉ, हिन्दू एवं मुस्लिम विधि शास्त्र आदि। विगत कई वर्षों से अनेक सेमिनार पाठ्यक्रम (सेमिनार कोर्सेस) भी लॉ स्कूल आयोजित करता है। यथा-लॉ एण्ड सोसाइटी, लॉ एण्ड पावर्टी, लॉ एण्ड एजूकेशन, लॉ एण्ड रिलीजन, लॉ एण्ड वीमेन, लॉ एण्ड चाइल्ड, लॉ एण्ड प्लानिंग, लॉ एण्ड कन्ज्यूमर, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, लॉ एण्ड मेडिसिन आदि। इसके अतिरिक्त एल.एल.एम. (ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटी एजूकेशन) पाठ्यक्रम में जिन विषयों को पढ़ाया जाता है वे इस प्रकार हैं- मानवाधिकार एवं विधि शास्त्र, मानवाधिकार एवं भारत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं मानवाधिकार, मानवाधिकार वं आपराधिक न्याय, अन्तर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून, अन्तर्राष्ट्रीय मानवता कानून, मानवाधिकार एवं पर्यावरण, मानवाधिकार एवं महिलाएं, मानवाधिकार एवं बच्चे, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एवं मानवाधिकार आदि। एल.एल.एम. डिग्री प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों द्वारा लघु शोध प्रबन्ध लिखना आवश्यक होता है।

2.1.2.5. मंचकला संकाय

संगीत एवं मंच कला संकाय पारम्परिक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में निरन्तर संलग्न है। भारतरत्न पं. महामना मदन मोहन मालवीय जी के संकल्पानुसार पं. श्री गोविन्द मालवीय जी (तत्कालीन कुलपति का.हि.वि.वि.) के भगीरथ प्रयास के फलस्वरूप संगीत-मार्तण्ड पं. ओंकारनाथ ठाकुर के संरक्षकत्व में सन् 1950 में संगीत एवं ललितकला महाविद्यालय की स्थापना हुयी। कालान्तर में उक्त महाविद्यालय संगीत एवं मंच कला संकाय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। यह संकाय अपनी स्थापना के आरम्भ से ही सफलता के साथ गायन, वादन एवं नृत्य तीनों सांगीतिक विधाओं का उत्तर एवं दक्षिण भारतीय परम्परानुसार शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस संकाय को देश में सर्वप्रथम संगीतशास्त्र विभाग स्थापित करने का गौरव भी प्राप्त है। इस संकाय से प्रेरणा लेकर देश के अनेक विश्वविद्यालयों ने अपने यहां संगीत एवं संगीतशास्त्र का अध्ययन अध्यापन प्रारम्भ किया।

वर्तमान में इस संकाय में गायन,वादन,नृत्य एवं संगीतशास्त्र चार विभाग संचालित हैं। संकाय में नृत्य विभाग की स्थापना 2007-08 में हुई और भरतनाट्यम् एवं कथक नृत्यों का शिक्षण स्नातकोतर स्तर पर आरम्भ हुआ। वर्तमान में संकाय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं- शोध (पीएच.डी.), स्नातकोतर (एम.पी.ए.), स्नातक (बी.पी.ए.), जूनियर डिप्लोमा (प्राय: सभी विभागों में)। गुरूवासरीय कार्यक्रम इस संकाय की एक महत्वपूर्ण परम्परा है इससे छात्रों,शिक्षकों एवं संगीतनुरागियों का ज्ञानवर्धन होता है। संकाय में ऐसे ही अनेक सांगीतिक कार्यक्रम ख्यातिलब्ध कलाकारों के द्वारा आयोजित किये जाते हैं।

महामना जी के स्वप्न एवं संकल्प के अनुसार विश्वविख्यात विद्यामन्दिर-काशी हिन्दू विश्वविद्यालय समाज एवं संस्कृति के चतुर्दिक विकास में अपने दायित्व का निर्वहण कर रहा है, तदनुगत संगीत एवं मंच कला संकाय भी भारतीय कलाओं एवं विद्याओं के संवर्धन एवं संरक्षण में निरन्तर संलग्न है। 1971 में तत्कालीन संकाय प्रमुख प्रो. लालमणि मिश्र द्वारा प्रारम्भ किये गये गुरूवासरीय एवं पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह, संकाय के महत्वपूर्ण प्रकल्प हैं। प्रति सप्ताह आयोजित होने वाले गुरूवासरीय कार्यक्रम में छात्रों एवं अध्यापकों को समानरूप से अवसर प्रदान किया जाता है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह में सप्ताह पर्यन्त देश के प्रतिष्ठित संगीताचार्यों द्वारा विभिन्न सांगीतिक प्रस्तुतियां की जाती हैं। इसके अतिरिक्त संकाय में वर्ष पर्यन्त समय-समय पर, अभ्यागत आचार्यों के व्याख्यान, सोदाहरण व्याख्यान, कार्यशालायें, सेमिनार, संस्कृत नाट्य प्रयोग एवं अन्य सांगीतिक-शैक्षणिक अनुष्ठान सम्पन्न होते हैं। साथ ही राष्ट्रीय सेवा

योजना संगीत एवं मंच कला संकाय इकाई ने वर्ष पर्यन्त अनेक सामाजिक गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और उन्हें संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ एवं विभाग के लिए सम्मान

सत्र के दौरान विभागीय क्रियाकलाप: विभाग के शिक्षकों, संगीतकारों शोधार्थियों एवं विद्यार्थी वर्ष पर्यन्त प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुतियाँ एवं संकाय स्तरीय व विश्वविद्यालय स्तरीय क्रियाकलापों में सक्रिय सहभागिता प्रदान करते रहें।

छात्र / छात्राओं की उपलब्धियां

इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षकों द्वारा 20 से अधिक आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की गयी। कोविड महामारी काल के दौरान छात्र केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन सम्भव नहीं हो पाया। फिर भी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने स्तर पर विभिन्न आभासीय मंचों पर आयोजित संगीत प्रतियोगिता एवं कार्यक्रमों में भाग लिया एवं पुरस्कार जीता।

कंठ संगीत विभाग

- श्री ईशान घोष को महिला महाविद्यालय अमरावती द्वारा आयोजित आभासीय राष्ट्रीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- श्री ईशान घोष को सुरंजन ट्रस्ट, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पैशन 2020-विश्व संगीत प्रतियोगिता में विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री ईशान घोष ने गुनरस पिया संगीत न्यास द्वारा आयोजित आभासीय संगीत समारोह में ख्याल गायकी की प्रस्तुति की।
- श्री ईशान घोष ने गुरूकुल संगीत अकादमी द्वारा आयोजित आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की।
- श्री ईशान घोष ने सुबह-ए-बनारस में पुस्तुति की।
- सुश्री बन्दना राय का सुरेश वाडेकर आजीवन अकादमी द्वारा आयोजित आभासीय विश्व प्रतियोगिता में (अगला सुपरस्टार हूँ-2020) लोक संगीत प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में चयन।
- सुश्री सौम्या वर्मा ने आभासीय लोक संगीत प्रतियोगिता में प्रस्तुति की।
- श्री आदित्य विजय भण्डारी ने आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की।
- सुश्री अलंकृता राय ने आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की।
- सुश्री पूजा बसक ने आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की।
- सुश्री राजश्री ने द्वारा आभासीय संगीत समारोह में प्रस्तुति की।
- श्री पंकज श्रीनाथन ने सुबह-ए-बनारस में प्रस्तुति की।

वाद्य संगीत विभाग

- श्री प्रशांत मिश्र यू.जी.सी. नेट चयनित
- वाद्य संगीत विभाग द्वारा 28 जून से 8 जूलाई 2020 तक “लय-ताल प्रज्ञा प्रवाह” विषयक एक ऑनलाइ व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।
- वाद्य संगीत विभगद्वारा 6 जुलाई से 10 जुलाई 2020 तक “वायलिन स्टाईल, तकनीकि, प्रेजेंटैशन एवं अन्य संगीतिक परिचर्चा के तकनीकि प्रपेक्ष्य” विषयक एक ऑनलाइन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।
- संगीत एवं मंच कला संकाय,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 28 जून से 4 जूलाई 2020 तक “भारतीय संगीत में शास्त्र चिंतन के विविध आयाम” विषयक एक आनलाईन व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।
- वाद्य संगीत द्वारा 8 अगस्त से 14 अगस्त 2020 तक ऑनलाइन व्याख्यानमाला का आयोंजन किया गया।

- वाद्यय संगीत विभाग द्वारा दिनांक 15 एवं 16 जून 2020 को “प्रस्तुतिकरण के विविध आयाम वाद्य संगीत के सन्दर्भ में” विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

नृत्य विभाग

- अदिति बशाक,एम.पी.ए. कथक, यू.जी.सी.नेट 2020 में चयनित हुई
- रूद्र शंकर मिश्र,एम.पी.ए. कथक यू.जी.सी. नेट 2020 में चयनित हुए एवं जे.आर.एफ प्राप्त किया
- रूपम रघुवंशी,एम.पी.ए. भरतनाट्यम, यू.जी.सी. नेट 2020 में चयनित हुई

2.1.2.6. सामाजिक विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान संकाय शिक्षा के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित केंद्रों में से एक होने के नाते काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। सामाजिक विज्ञान संकाय (पूर्व में सेंट्रल हिंदू कॉलेज के कला संकाय से विभाजित) की स्थापना 1971 में हुई थी जिसमें अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के पांच विभाग शामिल थे। इसने कई विद्वानों और शोधकर्ताओं की मेजबानी की है जिनके योगदान को दुनिया भर में मान्यता दी गई है और प्रशंसित किया गया है। अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के पांच विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण के अलावा, संकाय ने निम्नलिखित नए केंद्रों की स्थापना करके अपने शैक्षणिक दायरे को बढ़ाया है

- एकीकृत ग्रामीण विकास केंद्र
- नेपाल के अध्ययन केंद्र
- सामाजिक बहिष्करण और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र
- महिला अध्ययन और विकास केंद्र
- मालवीय शांति और अनुसंधान केंद्र

उपरोक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित 02 पीठों को भी संकाय में स्थापित किया गया है-

- पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ, अक्टूबर, 2017
- बी.आर. अम्बेडकर पीठ, अक्टूबर, 2017

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 1918 में हुई थी और यह विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है।विभाग द्वारा बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. (अर्थशास्त्र में), मास्टर इन एनर्जी इकोनॉमिक्स, एम.बी.ए. इन इकोनॉमिक्स, पीएच.डी., डी. लिट आदि पाठ्यक्रमो का संचालन किया जाता हैं। पाठ्यक्रमों में लाये गए हालिया परिवर्तनों में गणित, सांख्यिकी, पर्यावरण के मुद्दे, सामाजिक क्षेत्र के मुद्दे, बैंकिंग और वित्तीय बाजार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त, अर्थशास्त्र के शिक्षण में बुनियादी ढांचे की सामग्री पर जोर दिया गया है। विभाग एक बड़ी संख्या में वैकल्पिक पेपरों में पाठ्यक्रम भी चला रहा है। पाठ्यक्रम तैयार करने में सामान्य दृष्टिकोण सिद्धांत को अनुभवजन्य अध्ययनों के साथ जोड़ना रहा है।

भूमि संबंध, ग्रामीण रोजगार, विकास केंद्र, आय वितरण के बदलते पैटर्न और गरीबी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शोध करने के उद्देश्य से विभाग में एक शोध इकाई 1988 से कार्य कर रही है। इस शोध इकाई में सांख्यिकीय सहायकों के दो पद हैं। विभाग द्वारा शोध के नए आयामों जैसे सार्वजनिक वित्त, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, और विकास तथा योजना, आदि पर भी शोध कार्य किये जा रहे है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभाग के संकाय सदस्य पूर्व से चल रही परियोजनाओं को जारी रखने के अलावा 2 नई शोध परियोजनाओं को आकर्षित करने में सक्षम रहे हैं।

प्रकाशन

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा 15 से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं और राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में बड़े पैमाने पर (800 से अधिक पत्र) योगदान दे रहे हैं। विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित किए गए शोध पत्रों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है तथा कुछ पत्रों को सेमिनारों में पृष्ठभूमि के कागजात के रूप में भी इस्तेमाल किया गया है और उन्हें पुनर्मुद्रित किया गया है। इनमे से कुछ शोध पत्रों को इंडिया न्यूज एंड फीचर अलायंस (इन्फा) ने फ्लैश भी किया है। दस्तावेज़ीकरण और अनुसंधान शाखा, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए साप्ताहिक बुलेटिन में विभाग द्वारा प्रकाशित कुछ शोध पत्रों का सार दिखाई देता है। भारत के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित अपने लेखों में लेखकों द्वारा इनमे से कुछ पत्रों का उल्लेख किया गया है।

छात्रों द्वारा अन्य उपलब्धियां

- 20 से अधिक छात्रों द्वारा अपनी पी,एच.डी. थीसिस शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान जमा की गयी।
- यूजीसी-नेट/जेआरएफ के लिए 15 से अधिक छात्रों ने अर्हता प्राप्त की
- विभिन्न राज्य/केंद्रीय/अनुसंधान विश्वविद्यालयों/संस्थानों में विभिन्न शैक्षणिक पदों के लिए 10 से अधिक शोधार्थियों का चयन हुआ।
- एम.ए. इकोनॉमिक्स, मास्टर इन एनर्जी इकोनॉमिक्स और बिजनेस इकोनॉमिक्स के 10 से अधिक छात्रों को विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट मिला।

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। भारतीय इतिहास के विभिन्न युगों के सांस्कृतिक, सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक पहलुओं पर मुख्य पारंपरिक और मूलभूत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, यह विभाग यूरोपीय और एशियाई इतिहास पर विविध प्रकार के पाठ्यक्रम और जनजातीय इतिहास, लिंग, प्रवासी अध्ययन और समुद्री इतिहास और व्यापार पर विषयगत पाठ्यक्रम का संचालन करता है। विभाग में विज्ञान के इतिहास, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के इतिहास जैसे महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में अध्ययन एवं अध्यापन की शुरुआत के लिए छात्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावाशोध के क्षेत्र में छात्रों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास के सिद्धांतों और शोध पद्धतियों के भी पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की विविधता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभाग में अध्ययनरत नब्बे स्नातकोत्तर छात्रों को चार सेमेस्टर में कुल मिलाकर 49 पेपरों का अध्ययन करना होता हैं। पाठ्यक्रम को अद्यतन और प्रासंगिक बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम पुनरीक्षण का अभ्यास नियमित रूप से किया जाता हैं।

शिक्षण और अनुसंधान में विविधता लाने और उत्कृष्टता के नए क्षेत्रों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के जोर को विभाग से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। बीएचयू-आई.ओ.ई. कार्यक्रम के नए और प्रतिष्ठित माध्यम से एक संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तावित अभिलेखीय अध्ययन के नए पाठ्यक्रम को शुरू करने की मंजूरी मिल गयी है। विभिन्न शैक्षणिक निकायों की गहन तैयारी और अनुमोदन के बाद,अभिलेखीय अध्ययन और प्रबंधन में दो वर्षीय स्पेशल एम.ए. अब छात्रों के अध्ययन के लिए तैयार है। 12 पेपरो तथा राष्ट्रीय

अभिलेखागार और एन.एम.एम.एल. जैसे पेशेवर संगठन में एक इंटर्नशिप से युक्त 64 क्रेडिट का इस पाठ्यक्रम में अभिलेखीय अध्ययन के इतिहास, सिद्धांत और अभ्यास का समागम होगा। इस कोर्स को बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस प्रोग्राम के तहत अनुमोदन प्राप्त करने का गौरव प्राप्त है।

विभाग के संकाय सदस्य पूर्व से चल रही परियोजनाओं को जारी रखने के अलावा 2 नई शोध परियोजनाओं को आकर्षित करने में सक्षम रहे हैं। पिछले एक साल में महत्वपूर्ण प्रकाशन हुए हैं। 5 पुस्तकें (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन 2,और राष्ट्रीय 3) और 3 लेख प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और 11 राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके अलावा,अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों में 4 और राष्ट्रीय प्रकाशनों में 2 पुस्तक अध्याय प्रकाशित हुए हैं। छात्रों और अन्य इच्छुक व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करते हुए एक अकादमिक वीडियो भी तैयार किया गया है। विभाग का एक संकाय सदस्य ग्लोबल साउथ एशियन सीरीज़ ऑफ़ द कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस का जनरल सीरीज़ एडिटर भी है।

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। अर्थशास्त्र के साथ एक संयुक्त विभाग के रूप में स्थापित, इस विभाग को सन 1929 में एक स्वतंत्र अस्तित्व मिला। विभाग ने खुद को अकादमिक रूप से प्रतिष्ठित किया है,जो कि अतीत और वर्तमान में भी विभाग को सुशोभित करने वाले प्रख्यात राजनीतिक वैज्ञानिकों की एक आकाशगंगा द्वारा प्रमाणित होता है। वर्तमान में विभाग में 16 संकाय सदस्य और विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित 500 से अधिक छात्र-छात्राएँ हैं। विभाग राजनीति विज्ञान में बी.ए. (ऑनर्स), राजनीति विज्ञान में एम.ए., लोक प्रशासन में एम.ए. और राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन में पूर्णकालिक अनुसंधान कार्यक्रम संचालिन किया जाता है।

पुरस्कार / फैलोशिप और मान्यताएं

विभाग के विद्यार्थियों ने यूजीसी (नेट/जे.आर.एफ.) और राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप प्राप्त की है। विभाग के छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग,सामाजिक विज्ञान संकाय ने अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। संज्ञान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभाग के उच्च गुणवत्ता वाले अकादमिक उत्पादन को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विभाग की एस.ए.पी.-डी.आर.एस.-I के टैग को एस.ए.पी.-डी.आर.एस.-II में उच्चीकृत कर दिया गया है।

विभाग द्वारा बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान, एम.ए-मनोविज्ञान और मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में पी.एच.डी. के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है। प्रतिष्ठित प्रकाशनों में पुस्तक अध्यायों के रूप में योगदान के अलावा, विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में पर्याप्त संख्या में शोध पत्र और पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।

विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों को लगातार बढाने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त विद्वानो के विशेष व्याख्यानों के आयोजन के अलावा, मूल्यांकन की अवधि के दौरान विभाग द्वारा विभिन्न सम्मेलन / वेबिनार / कार्यशालाएं आयोजित की गईं है। विभाग के छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए कई शैक्षणिक और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए देश के विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञों को विभाग में अतिथि व्याख्याता देने के लिए आमंत्रित किया गया ताकि उन्हें मनोविज्ञान में अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों से परिचित कराया जा सके और विषय के सैद्धांतिक पहलुओं से परे, बड़े पैमाने पर समाज के प्रति उन क्षेत्रों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए उनके क्षितिज को व्यापक बनाया जा सके।।

समाजशास्त्र विभाग

सन 1966 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र को अध्ययन को एक अलग विषय के रूप में शुरू किया गया। 21 नवंबर1961 को विश्वविद्यालय के विद्वत परिषद ने विभाग की स्थापना के लिए प्रस्ताव पारित किया, जिसकी सिफारिश 1962 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विजिटिंग कमेटी ने की जिसके नतीजतन, 1963 में राजनीति विज्ञान विभाग में समाजशास्त्र का शिक्षण शुरू हुआ। समाजशास्त्र विभाग अप्रैल 1966 में बीएचयू का एक स्वतंत्र और अलग विभाग बन गया।

वर्तमान में विभाग द्वारा बैचलर ऑफ आर्ट्स, मास्टर ऑफ आर्ट्स, मास्टर ऑफ आर्ट्स इन सोशल वर्क और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी में पाठ्यक्रम संचालित किया है। यह विभाग विश्वविद्यालय के उन तीन विभागों में से एक था जिसने 1984-85 में एम.फिल. पाठ्यक्रम का अध्ययन शुरू किया। सामाजिक कार्य में एम.ए. की शिक्षा 1999 में समाजशास्त्र विभाग के तहत अध्ययन के एक विशेष पाठ्यक्रम के रूप में शुरू हुई। समाजशास्त्र विभाग में शोधार्थियों का सबसे बड़ा समूह नामांकित है जिसकी संख्या 100 से भी अधिक । वे अपराध के समाजशास्त्र, वृद्धावस्था, ग्रामीण-शहरी प्रणाली, सामाजिक परिवर्तन और विकास, लिंग, स्वास्थ्य और पेशे के समाजशास्त्र आदि जैसे विविध क्षेत्रों में सक्रिय रूप से अनुसंधान कर रहे हैं।

विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न पुस्तकों में अध्यायों के योगदान के अलावा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में पर्याप्त संख्या में शोध पत्र और पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विभाग में विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित एक दर्जन से भी अधिक शोध परियोजनाएं चल रही हैं।

विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से कई प्रगति की है और नई ऊंचाइयों को छुआ है। विभाग के पूरा छात्रआई.ए.एस.-संबद्ध और राज्य पी.सी.एस. और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों में चुने जाने के आलावा पंजाब विश्वविद्यालय, मिजोरम विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ बी.आर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, रोहिलखंड विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अवध विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, डॉ एच.एस.जी. विश्वविद्यालय, सागर, आई.आई.टी. खड़गपुर और थाईलैंड विश्वविद्यालयजैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में संकाय सदस्यों के रूप में चुने गए है। भारत और विदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में विभिन्न क्षमताओं में पूर्व छात्रों की एक प्रभावशाली संख्या ने अपनी पहचान बनाई है।

2.1.2.7. संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान संकाय

संस्कृतभाषा विश्व की प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसका वाग्यमय भारतीय संस्कृति के सभी अंगो की प्रामाणिक एवं व्यापक अभिव्यक्ति करता है। इस भाषा एवं इसके साहित्य के ऐतिहासिक महत्व का अनुभव करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में संस्कृत कॉलेज (महाविद्यालय) की स्थापना सन् 1918 में हुई थी। बाद में इसी का नामान्तरण प्राच्यविद्या धर्म विज्ञान संकाय के रूप में हुआ। वर्तमान में यह संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के नाम से सुविख्यात है।

वर्तमान में इस संकाय के अन्तर्गत कुल आठ विभाग कार्यरत हैं- वेद विभाग, व्याकरण विभाग, साहित्य विभाग, ज्योतिष विभाग, वैदिकदर्शन विभाग, जैनबौद्ध दर्शन विभाग, धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग एवं धर्मागम विभाग। इन विभागों में लगभग 23 विषयों का शिक्षण होता है तथा त्रिवर्षीय (छ: सेमेस्टर) शास्त्री उपाधि और द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) आचार्य उपाधियाँ दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त सभी विषयों में उच्चकोटि के अनुसंधान की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है।

शिक्षकों एवं छात्रों के अनुसंधानपरक गंभीर लेखों के प्रकाशनार्थ “संस्कृतविद्या” नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी यह संकाय करता है। प्रकाशन की गतिविधियाँ संकाय के प्रकाशन अनुभाग के माध्यम से संचालित होती है। संकाय का पंचाग अनुभाग सन् 1926 से नियमित रूप से विश्वपंचांग का प्रकाशन कर रहा है।

संकाय के विद्ववानों द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों में सहभागिता

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोंष्ठियों में इस संकाय के विद्वानों की सहभागिता रही है तथाउन्होंने व्याख्यान दियें है, जिनमें विद्वानों ने विविध सत्रों की अध्यक्षता के साथ ही शोध-पत्रों का वाचन किया है तथा व्याख्यानमालाओं में व्याख्यान प्रस्तुत कियें हैं।

वैदिक विज्ञान केन्द्र

इस केन्द्र का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 2017 में प्राप्त हुई थी,जिसे मूर्त रूप देने के लिए भवन का शिलान्यास (18 सितम्बर 2018) तथा भवन का उद्घाटन (16 फरवरी 2020) दोनों ही माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया है। वैदिक विज्ञान केन्द्र के द्वारा एक वर्षिय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का शुभारम्भ सत्र 2019-20 से ही किया जा रहा है।

केन्द्र के प्रथम चरण के भवन का निर्माण रू.11.21 करोड़ की लागत से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित विश्वनाथ मंदिर के बगल में किया गया है। भवन में एक वृहत्तर पुस्तकालय, सात व्याख्यान कक्ष (एक 5 अत्याधुनिक एवं 2 पारम्परिक), एक संगोष्ठी कक्ष (200 व्यक्तियों के बैठने हेतु), एक सम्मेलन कक्ष (60 व्यक्तियों के बैठने हेतु) एक केन्द्रीयकृत लैब, एक वैदिक केमेस्ट्री लैब, कम्प्यूटर लैब, एक अध्यापकों हेतु लगभग 30 कक्ष, कार्यालय कक्ष, प्रकाशन कक्ष तथा समन्वयक / निदेशक कक्ष आदि है।

गतिविधियों और कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ

केंद्र द्वारा इस सत्र में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है –

23 से 27 सितंबर 2020 तक राष्ट्रीय वैदिक ज्ञान- विज्ञान कार्यशाला; 17 से 23 नवंबर 2020 तक "वैदिक गणित" विषयक सप्त दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार; 11 दिसंबर 2020 को "विश्व शांति के लिए वेद"विषयक एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार; 31 जनवरी 2021 को "स्मारिका" (केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रम का संग्रह) का विमोचन; 9 फरवरी 2021 को "वेदामृत आवलेह"का जनमानस हेतु समर्पण; 10 मार्च 2021 को वैदिक विज्ञान केन्द्र के नवनिर्मित भवन का प्रवेश पूजा का आयोजन किया गया।

प्रो. उपेन्द्र कमार त्रिपाठी, समन्वयक वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को उत्तर प्रवेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा उनके पुस्तक- वैदिक संस्कृति विमर्श हेतु डॉ. भगवान दास पुरस्कार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सुश्री नेहा सिंह, वैदिक विज्ञान केन्द्र की छात्रा ने "द लार्जेस्ट स्पाईस पेन्टिंग" के तहत दिनांक 18 नवम्बर 2020 को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया जिसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया

प्रो. जे.पी.एन.मिश्रा, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ लाईफ साइंस, गुजरात सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, गुजरात; डॉ. पीयूष परीमू, असिस्टेंट प्रोफेसर दर्शनशास्त्र विभाग, चण्डीगढ विश्वविद्यालय, पंजाब; प्रो. कैलाश विश्वकर्मा, राष्ट्रीय सरंक्षक, वैदिक गणित शिक्षा संस्कृति, उत्थान न्यास नई दिल्ली आदि महानिभावो का केंद्र में प्रवास हुआ।

2.1.2.8. दृश्य कला संकाय

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सन 1950 में दृश्य कला संकाय की स्थापना की गई थी। यह भारत के प्रमुख कला संस्थानों में से एक है जहाँ एप्लाइड आर्ट, पेंटिंग, टेक्सटाइल डिज़ाइन, प्लास्टिक आर्ट (मूर्तिकला) और पोट्री सिरामिक जैसे विषयों पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है । इसके अलावा विभाग में एक साल,छह महीने और दो महीने की अवधि के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाए जाते हैं। दृश्य कला और डिजाइन के इतिहास जैसे अनिवार्य सैधांतिक विषय, व्यावहारिक रूप से उन्मुख बी.एफ.ए. और एम.एफ.ए.पाठ्यक्रमों के पूरक हैं। संकाय सभी पांच विषयों में उत्कृष्ट डॉक्टरेट स्तर की शोध पाठ्यक्रमो का भी संचालन करता है।

उपरोक्त सभी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कुक ही संस्थानों में से एक होने के कारण काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के दृश्य कला संकाय भारत,सार्क देशों,उत्तरी अमेरिका और यूरोप के छात्रों को भी बड़ी संक्या में आकर्षित करता है। यह संकाय छात्रों को ऐसे पेशेवरों के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रहा है,जिनकी समाज में रचनात्मक सोच को विकसित करने महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

अध्ययन-अध्यापन एवं शोध

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 मेंकुल 115 छात्रों को प्रथम वर्ष के बी.एफ.ए. और 98 छात्रों को एम.एफ.ए. में प्रवेश लिया। वर्तमान में विभिन्न विषयों के 52 शोधार्थी संकाय में पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में नामंकित हैं। संकाय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों को सन 2010 में सेमेस्टर पैटर्न में पुनर्गठित और उन्नत किया गया,जिससे पूरे देश में समकालीन कला गतिविधियों के साथ इष्टतम तालमेल हो सके। संकाय के बी.एफ.ए., एम.एफ.ए. और डॉक्टरेट स्तर के डिग्री धारकसंबंधित विभिन्न व्यवसायों में अपने भविष्य के लिए मार्ग खोजते हैं अथवा भारत और विदेशों में फ्रीलांसर पेशेवरों के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। संकाय के विद्यार्थियों ने नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर प्रतिष्ठित पुरस्कार,फेलोशिप और अवार्ड प्राप्त किये हैं।

हाल ही में संकाय ने एस.पी.ए.आर.सी. (शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना) आई.एम.पी.ई.आर.एस.एस. (सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान), पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.-शिक्षक प्रशिक्षण के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन,इंस्टीट्यूट

ऑफ एमिनेंस स्कीम के तहत कुछ प्रमुख शोध परियोजनाएं प्राप्त की है। संकाय को इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के सीड एंड फैकल्टी इंसेंटिव ग्रांट के तहत दो परियोजनाएँ प्राप्त हुई है।

डिजाइन इनोवेशन सेंटर

दृश्य कला संकाय के तत्वाधान में स्थापित डिजाइन इनोवेशन सेंटरसंभवतः भारत का एकमात्र केंद्र ऐसा केंद्र है जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.), मोतीलाल नेहरू भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहयोग से हब एंड स्पोक मॉडल के तहत दृश्य कला के लिए विशिष्ट रूप से चलाया जा रहा है।केंद्र को 435 से अधिक नवोन्मेषी प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं,जिनमें से 157 पूर्ण हो चुके हैं और 87 पेटेंट और डिजाइन पंजीकरण में प्रक्रियारत हैं। केंद्र द्वारा ग्राफिक और डिजिटल मीडिया लैब,डिजिटल इनोवेशन गैलरी,डिजाइन कैफे (प्रोटोटाइप लैब और वर्कशॉप प्लेस) विकसित किया गया है और छात्रों के बीच डिजाइन इनोवेशन कल्चर की जागरूकता और प्रचार के लिए 971 गतिविधियों का आयोजन किया गया है। डिजाइन इनोवेशन सेंटर विश्वविद्यालय में संस्थान इनोवेशन काउंसिल के नामकरण के तहत हाल ही में स्थापित केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की इनोवेशन सेल के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में भी काम कर रहा है। इनोवेशन सेल नियमित आधार पर विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशालाओं, ई-वार्ता और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है। केंद्र में स्थापित संस्थान इनोवेशन काउंसिल को हाल ही में 5 स्टार परफॉर्मर की सूची में शामिल किया गया है। 2020-21 मेंबीएचयू को राष्ट्रीय संस्थान के रूप में ए-लेवल पर ए.आर.आई.आई.ए. रैंकिग (एम.एच.आर.डी. द्वारा संस्थानों की नवाचार उपलब्धियों के लिए अटल रैंकिंग) में इस केंद्र को 11 वीं और 25 वीं रैंक के भीतर वर्गीकृत किया गया है।

कला मेला

कला मेला दृश्य कला संकाय की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह सामाजिक पहुंच और विभिन्न दृश्य कलाओं और इसकी शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। संकाय और छात्र नियमित रूप से वार्षिक कला प्रदर्शनी जैसी विविध पाठ्येत्तर गतिविधियों में भाग लेने के अलावा इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल चैंपियनशिप में ललित कला कार्यक्रमों में और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भी प्रतिभाग करने के साथ साथ सराहनीय प्रदर्शन भी करते हैं। लगातार तीन वर्षों,यानी 2015,2016 और 2017 के लिएदृश्य कला संकाय को इंडिया टुडे-नील्सन सर्वे में भारत के शीर्ष कला संस्थानों में स्थान प्राप्त हुआ था।

सम्मान और मान्यता

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं और नियमित रूप से भारत और विश्व स्तर पर विभिन्न कला कार्यक्रमों में आमंत्रित किए जाते हैं। संकाय के संकाय सदस्यों और तकनीकी सहयोगियों ने राष्ट्रीय ललित कला अकादमी, राज्य ललित कला अकादमी, अखिल भारतीय ललित कला और शिल्प सोसायटी नई दिल्ली, भारत भवन बिएननेल, किची बिएननेल, बोडग गया बिएननेलके तत्वावधान में आयोजित कई कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धाओ में पुरस्कार जीते हैं।संकाय के संकाय सदस्यों ने इंटरनेशनल ट्राइनेले और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के फेलोशिप तथा रमन पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप के आलावा तामा यूनिवर्सिटी (जापान) में विजिटिंग स्कॉलर, बफेलो विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी, मैरीलैंड इंस्टीट्यूट कॉलेज ऑफ आर्ट और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए) में टीचिंग फेलोशिप जैसी विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त की है।

2.1.3. महिला महाविद्यालय

लड़कियों में नेतृत्व कौशल विकसित करने और उन्हें समाज में आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से महिला महाविद्यालय की स्थापना 1929 में "वुमेन्स कॉलेज" के नाम से की गई थी। यह काशी हिंदू विश्वविद्यालय का एकमात्र घटक कॉलेज है।

शैक्षणिक गतिविधियां

कॉलेज 6 विषयों के 31 पाठ्यक्रमों में शिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावायह शिक्षा,गृह विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

यहां के शिक्षक अपने मूल विभागों से जुड़े हुए हैं और वे स्नातकोत्तर शिक्षण,अनुसंधान और कई शोध परियोजनाएं भी चलाते हैं। महाविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो में क्रमशः 820 और 60 छात्राएँ नामांकित हैं। इस साल भी कई छात्राओं ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में मेरिट सूची में जगह बनाई है।

शैक्षणिक योगदान, उपलब्धियां और पुरस्कार

महिला महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित प्रकाशन गृहों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में पुस्तक अध्यायों के योगदान के अलावा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की शीर्ष पत्रिकाओं में पर्याप्त संख्या में शोध पत्र और पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

महिला महाविद्यालय द्वारामहिला सशक्तिकरण,विज्ञान और प्रौद्योगिकी,कोविड के प्रति जागरूकता,लिंग संवेदीकरण आदि पर केंद्रित कई सम्मेलन,सेमिनार,कार्यशालाएं और वेबिनार आयोजित किए गए हैं।

महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रख्यात विद्वानों और प्रसिद्ध शिक्षाविदों के व्याख्यानो के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा एवं शोध के अनेक आयामों से परिचित कराने और प्रबुद्ध बनाने का सार्थक प्रयास किया गया। कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित संस्थानों में विभिन्न प्रस्तुतियों के लिए आमंत्रित किया गया था और वे कई प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में निर्णायक मण्डल के हिस्सा भी बने।

परिसर विकास/नई अवसंरचना

महिला महाविद्यालय देश के उन गिने-चुने परिसरों में से है जिन्होंने बिजली व्यवस्था के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की लंबी छलांग लगाई है। परिसर में एक बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है,जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। शिक्षकों और छात्रों की सुविधा के लिए गृह विज्ञान विभाग का नवीनीकरण भी किया गया है।

2.1.4. अध्ययन केंद्र

2.1.4.1. अनुवांशिकी विकारकेंद्र

2.1.4.2. डी.एस.टी.-अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र

2.1.4.3. नेपाल अध्ययन केंन्द्र

2.1.4.4. महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र

2.1.4.5. मालवीय शांति अनुसन्धान केंद्र

2.1.4.6. समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र

2.1.4.7. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केंद्र

2.1.4.1. अनुवांशिकी विकार केंद्र

सन 2006 से 2011 तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषितअनुवांशिकी विकार केंद्र विज्ञान संस्थान में स्थापित एक केंद्र है। केंद्र की प्राथमिकता कम आनुवंशिक बोझ और रोग के बेहतर प्रबंधन के साथ एक स्वस्थ और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक समाज बनाना है। केंद्र का फोकस समुदाय पर आनुवंशिक रोगों के बोझ का अनुमान लगाना, उनके अंतर्निहित आणविक तंत्र को उजागर करना और उनके निदान,उपचार और प्रबंधन के लिए रणनीति विकसित करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, केंद्र में आनुवंशिक और जटिल विकारों पर अनुसंधान कार्यक्रम, गुणसूत्र और आनुवंशिक विकारों के लिए एक नैदानिक इकाई और अनुसंधान, निदान और प्रबंधन के लिए तकनीकी रूप से कुशल संसाधन एवं कर्मियों के उत्पादन के लिए शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

केंद्र आनुवंशिकी से संबंधित विभिन्न दायरों पर अनुसंधान करता है,जिसमें विभिन्न गुणसूत्र और आनुवंशिक विकारों के आनुवंशिक निदान, संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण-मानव दांत की पीड़ा के कारण को डिकोड करना, वृक्क कोशिका कार्सिनोमा का आणविक विश्लेषण, पारंपरिक आयुर्वेदिक कैंसर विरोधी गतिविधि का आकलन, औषधीय पौधों के उत्पाद या फॉर्मूलेशन, पॉलीसिस्टिक किडनी विकारों के जीनोमिक्स, पार्किंसंस रोग के विशेष संदर्भ में न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के जेनेटिक्स, धातु मिश्र धातुओं से बने बायोकंपैटिबल डेंटल इम्प्लांट का विकास, अल्जाइमर रोग के जेनेटिक्स, टर्नर सिंड्रोम में एक्स क्रोमोसोम की आणविक साइटोजेनेटिक्स मैपिंग और मायलोप्रोलिफेरेटिव विकारों के लिए जिम्मेदार उत्परिवर्तन की पहचान पर अध्ययन, गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए स्टेम सेल आधारित अनुसंधान का विकास, गर्भकालीन मधुमेह आदि शामिल है।

आनुवंशिक विकारों के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए केंद्र ने पैथोलॉजी विभाग, बाल रोग और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के साथ शैक्षणिक सहभागिता करता है।

गतिविधियों और कार्यक्रमों की उपलब्धियां

- **आनुवंशिक निदान:** डाउन सिंड्रोम, टर्नर सिंड्रोम, डी.एमडी/बीएमडी, थैलेसीमिया, बार-बार होने वाले गर्भपात, एन.टी.डी., सीएमएल आदि सहित विभिन्न विकारों के लिए 500 से अधिक संदर्भित मामलों का निदान किया गया।
- कार्यशालाओं, सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुति एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण जैसी शैक्षणिक गतिविधियाँ केंद्र द्वारा आयोजित की जाती है

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं

- डी.एन.ए., आर.एन.ए., प्रोटीन, पी.सी.आर., जीनोटाइपिंग, डी.एन.ए. अनुक्रमण आदि के विभिन्न विश्लेषणों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस बुनियादी आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला।
- संपूर्ण रक्त संवर्धन, स्टेम सेल और सेल लाइनों सहित सेल कल्चर प्रयोगशाला।
- मानक साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला जिसमें क्रोमोसोम तैयार करना, बैंडिंग, कैरियोटाइपिंग आदि सुविधाएँ शामिल हैं।
- सेंट्रीफ्यूज,जेल इलेक्ट्रोफोरेटिक उपकरण, यूवी-ट्रांसिल्यूमिनेटर, जेल-डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, पी.एच-मीटर, वाटर बाथ इन्क्यूबेटर, ओवन, वजन संतुलन, रेफ्रिजरेटर, -200 डिग्री सी डीप रेफ्रिजरेटर, -800 डिग्री सी डीप रेफ्रिजरेटर, कोल्ड चेंबर, थर्मल साइक्लर सहित उपकरण लैमिनार फ्लो चेंबर, फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप के साथ ऑटोमेटेड कैरियोटाइप सिस्टम, लाइट माइक्रोस्कोप, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, इंटरनेट के साथ कंप्यूटर सिस्टम, ऑटोमेटेड डीएनए सीक्वेंसर, नैनोड्रॉप स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, हेमेटोएनालाइजर आदि उपलब्ध हैं।

2.1.4.2. डी.एस.टी.-अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र

डी.एस.टी-अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र की स्थापना सन 2007 में गणितीय विज्ञान में प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। केंद्र ने एक अनुकूल और जीवंत वातावरण में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के निष्पादन के लिए संकायों,छात्रों और आने वाले आगन्तुको के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को विकसित करना और जोड़ना जारी रखा है। केंद्र द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम चलाये जाते है जिसमें पी.एच.डी, गणितीय विज्ञान में, एम.एस.सी-सांख्यिकी और कंप्यूटिंग, एम.एस.सी.-कम्प्यूटेशनल विज्ञान और अनुप्रयोग, एम.एस.सी-गणित और कंप्यूटिंग, शामिल है।

केंद्र में एक अलग इमारत में कक्षाओं के साथ,आधुनिक उपकरणों और कंप्यूटिंग सुविधाओं से लैस अनुसंधान प्रयोगशालाएं,संकाय सदस्यों के लिए अलग कक्ष और छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं हैं।

केंद्र के संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करते हैं। पुस्तकों के प्रकाशन के अलावा, केंद्र के संकाय सदस्य और शोधार्थी विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशनों में पुस्तक अध्यायों और लेखों का पर्याप्त संख्या में योगदान दे रहे हैं। केंद्र के संकाय सदस्य और शोध छात्र भारत और विदेशों में विभिन्न सम्मेलनों और संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुत करते हैं।

कोविड 19 महामारी के कारण केंद्रभौतिक मोड में सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आयोजित करने में सक्षम नहीं हो सका, परन्तुऑनलाइन मोड के माध्यम से केंद्र द्वारा पर्याप्त संख्या में वेबिनार आयोजित किए गए हैं।

इस शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान केंद्र के दो छात्रों को पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई है।

2.1.4.3. नेपाल अध्ययन केंद्र

नेपाल के अध्ययन केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सन 1976 में अपने क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम के तहत की गई थी। प्रारंभ में यह केंद्र केवल नेपाल के अध्ययन के लिए समर्पित था परन्तु समय के साथभारतीय उपमहाद्वीप को उसकी समग्रता में समझने के लिएनेपाल के अध्ययन के साथ-साथ ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र को शामिल करने के लिए अध्ययन के क्षेत्र का विस्तार किया गया। नेपाल और ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र को और अधिक व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए यह केंद्र भविष्य में अपने शैक्षणिक दायरे को पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में विस्तारित करना चाहता है।

केंद्र में एक अलग भवन है जिसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर लैब और पुस्तकालय है जिसमें पुस्तकों,पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की अच्छी संख्या है। सैद्धांतिक अध्ययन के अलावा, छात्रों और शोधकर्ताओं को क्षेत्रिय कार्यों में भी लगाया जाता है।

शैक्षणिक गतिविधियां और उपलब्धियां

- केंद्र "नेपाल और भारत में मानव तस्करी का विन्यास: मानव सुरक्षा बनाम राज्य सुरक्षा" विषय पर अनुसन्धान एवं एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए वित्त पोषण आकर्षित करने में सक्षम रहा है।
- सत्र 2020-21 के लिए केंद्र में दो पी.एच.डी. सीटें आवंटित की गई हैं।
- केंद्र के अधिदेशों के आधार पर विषयों पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करने के लिए केंद्र कड़ी मेहनत की जा रही है।

2.1.4.4. महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र

सन 1988 में स्थापित महिला अध्ययन और विकास केंद्र,काशी हिंदू विश्वविद्यालय,महिला अध्ययन के क्षेत्र में देश के अग्रणी केंद्रों में से एक है और तब से यह एक लिंग अनुकूल समाज विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस क्षेत्र में लैंगिक संवेदनशीलता लाने के अपने निरंतर प्रयासों के कारण केंद्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। यह औपचारिक रूप से वर्ष 1988 में यूजीसी द्वारा 7वीं पंचवर्षीय योजना के तहत स्थापित किया गया था। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारणयू.जी.सी. की विजिटिंग समिति ने सन 1997 में केंद्र को अपने संसाधन एवं नोडल केंद्रों में से एक घोषित कियाजो कि किसी भी महिला अध्ययन केंद्र को दी गई उत्कृष्टता की सर्वोच्च मान्यता है।

केंद्र ने 32 परियोजनाओं को पूरा किया है। "उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वच्छता और स्वास्थ्य शिक्षा पर भारत-डच परियोजना" केंद्र द्वारा संचालित एक प्रमुख परियोजना रही है जिसमें 27 गांव और नौ हजार परिवार शामिल हैं। शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान केंद्र ने 20 से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/संवादों/विशेष व्याख्यानों/समूह-चर्चाओं आदि का आयोजन किया है। केंद्र का भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रह, पुणे के साथ शैक्षणिक सहभागिता है। फिल्मों में महिलाओं की छवियों पर चर्चा करने के अलावा, इस कार्यक्रम ने वैकल्पिक करियर के रूप में फिल्मों और फिल्म निर्माण प्रक्रिया के लिए रुचि रखने वाले छात्रों को उत्साहित किया है।

इसके अलावा,महिला मुद्दों पर नेटवर्किंग केंद्र के रूप में काम करते हुएयह केंद्र महिला अध्ययन में शिक्षण और प्रशिक्षण देने के लिए अग्रणी केंद्रों में से एक के रूप में उभरा है। केंद्र ने सितंबर 2010 में सफलतापूर्वक एक वर्षीय पी.जी. लिंग और महिला अध्ययन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया। प्रत्येक तीन सप्ताह की अवधि में केंद्र द्वारा अब तकमहिला अध्ययन के क्षेत्र में लगभग 20 यू.जी.सी. पुनश्चर्या पाठ्यक्रमआयोजित किए गए हैं और इस प्रकार महिला-अध्ययन में 700 से अधिक शिक्षकों कोशिक्षित भी किया गया है। इसके अलावा,केंद्र ने शोधार्थियों,गैर सरकारी संगठनों,प्रशासकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए महिला अध्ययन में 18 अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं। यह बड़े गर्व की बात है कि अब तक इसने 550 से अधिक शोधार्थियों को महिला अध्ययन में प्रशिक्षित किया गया है। इन अभिविन्यास पाठ्यक्रमों का सबसे नवीन पहलू यह है कि व्याख्यान देने के लिए पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों से संबंधित विभिन्न विषयों के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। भाग लेने वाले शोधार्थी सामाजिक विज्ञान से लेकर मानविकी, विज्ञान, कृषि, विधि, चिकित्सा, वाणिज्य, प्रबंधन आदि विभिन्न विषयों से संबंधित हैं।

विश्वविद्यालयों के उच्च प्रशासन में अधिक से अधिक महिलाओं भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने अन्य महिला अध्ययन केंद्रों, गैर सरकारी संगठनों और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ एक समृद्ध नेटवर्किंग स्थापित की है।

केंद्र के पास आउटरीच गतिविधियों का एक समृद्ध इतिहास भी है। केंद्र वाराणसी जिले के निर्वाचित ग्राम-पंचायत नेताओं के साथ बैठकें आयोजित करता है और वाराणसी जिले की ग्रामीण महिलाओं के साथ लिंग संवेदीकरण कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है। केंद्र वाराणसी जिले में विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, कानूनी साक्षरता जागरूकता कार्यक्रमों, सुरक्षित पेयजल, पर्यावरण और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने वाले शिविरों का आयोजन करता है।

ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र अपनी आउटरीच गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में अमरा गांव में एक “सिलाई प्रशिक्षण केंद्र” चलाता है। ग्रामीण आबादी के बीच स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने के लिए, केंद्र नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करता है। महिला अदालत एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं और संकाय सदस्यों, गैर सरकारी संगठनों और विद्यार्थियों के साथ अकादमिक बैठक जैसे आयोजनों के माध्यम से केंद्र की उपस्थिति को भी महसूस किया गया है।

केंद्र ने 2012 में अपने जर्नल “जर्नल ऑफ जेंडर एंड जस्टिस” का पहला अंक सफलतापूर्वक लाया था। इसने अब तक हिंदी में एक प्रश्न पुस्तक, 32 परियोजना रिपोर्ट और विभिन्न अभिविन्यास पाठ्यक्रमों,पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और राष्ट्रीय संगोष्ठियों की लगभग 49 कार्यवाही तैयार की है। विभिन्न स्तरों पर क्लस्टरिंग के लिए केंद्र के प्रयासों ने अन्य विभागों के लिए एक मिसाल कायम की है। यह अब तक तीन स्तरों पर समूहित हो चुका है: (1) बीएचयू के अन्य सहयोगी विभागों के साथ (2) वाराणसी के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों जैसे सोशल एक्शन एंड रिसर्च कमेटी, वर्ल्ड लिटरेसी ऑफ कनाडा,यू.पी. स्वयंसेवी स्वास्थ्य संघ,श्री. शंभू नाथ रिसर्च फाउंडेशन और महिला समाख्याके साथ (3) आर्य महिला डिग्री कॉलेज,वाराणसी में अपनी शाखा “तेजस्विनी” के साथ।

केंद्र अपनी संरचनात्मक सुविधाओं में समृद्ध है। इसमें इंटरनेट सुविधा के साथ एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय,पुस्तकालय सह संगोष्ठी हॉल आदि है।

केंद्र में 2020-2021 सत्र के दौरान एक वर्ष के लिंग और महिला अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 29 छात्रों को प्रवेश दिया गया। । केंद्र में 6 विद्यार्थी पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में भी नामांकित है। महिला अध्ययन और विकास केंद्र एक ऐसा सक्रिय केंद्र रहा है, जो महिला अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता है। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- 18 जून 2020 को “कोविड-19:समावेशी समाज को विकसित/डिजाइन करने का अवसर” विषयक एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया
- क्रमशः 18 जून, 22 जून और 27 जून 2020 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तत्वाधान में तीन वेबिनार का आयोजन किया गया, जिनके नाम है “कोविड-19: एक समावेशी समाज को विकसित/डिजाइन करने का अवसर”; “कोविड-19:महिलाओं के स्वास्थ्य में योग और संगीत की प्रासंगिकता” और “कोविड-19: महिलाओं के खिलाफ हिंसा: मान्यता,रोकथाम और प्रतिक्रिया”
- उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, सरकार के निर्देश के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से “कोविड-19:एक समावेशी समाज को विकसित / डिजाइन करने का अवसर”विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 22 जून 2020 को “कोविड-19: महिलाओं के स्वास्थ्य में योग और संगीत की प्रासंगिकता" नगेपोबोक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया
- 27 जून 2020 को "कोविड-19: महिलाओं के खिलाफ हिंसा: मान्यता, रोकथाम और प्रतिक्रिया" विषयक एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया
- 16-23 जुलाई 2020 के दौरान "कोविड-19 के प्रति लैंगिक संवेदनशील प्रतिक्रिया" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया
- 12-13 जनवरी 2021 के दौरान "हिंसा के दायरे से परे: एक लिंग अनुकूल समाज की ओर" विषय पर दो दिवसीय वेब व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन
- 22 फरवरी 2021 को "ग्रामीण गांव में लड़कियों और महिलाओं को आमरा (उत्तर प्रदेश) से सबक" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता क्षेत्र का दौरा किया।
- 08 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया और "महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता" नामक एक वेबिनार का आयोजन किया

विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

केंद्र विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं प्रदान करता है जिसमें महिलाओं के अध्ययन पर दस्तावेज़ीकरण, अभिविन्यास पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं के माध्यम से समय-समय पर प्रशिक्षण, विस्तार गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी, महिलाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर परामर्श की सुविधाएं, पुस्तकालय में इंटरनेट की सुविधा आदि शामिल है।

2.1.4.5. मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आठवीं पंचवर्षीय योजना में संस्तुत मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र (एम.सी.पी.आर) की स्थापना वर्ष 1988 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत एक स्वतन्त्र,अर्न्तवैषयिक केन्द्र के रुप में समाज विज्ञान संकाय के अन्तर्गत की गई। मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने कुछ ही समयान्तराल में अपने विकास से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली है। एक अर्न्तवैषयिक केन्द्र होने के कारण मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र विभिन्न विषयों के विद्वानो को शोध का अवसर प्रदान करता है एवं राजनीतिज्ञों,प्रशासनिक अधिकारियों तथा राजनयिकों,गैर सरकारी संस्थाओं एवं अन्य जो संघर्षो के निवारण में कार्यरत है, के लिए महत्वपूर्ण विचार स्थली बन गया है। यह केंद्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दोनों ही प्रकार के संघर्षो के विश्लेषण एवं समाधान के लिए शोधरत है।

केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य है- गोष्ठियां, वाद-संवाद एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना। केंद्र के स्थापना काल से ही अनेक राजनीतिज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनयिक, गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, शोध छात्र एवं छात्राएं, शिक्षकगण एवं समाजसेवक केन्द्र की इस प्रकार की गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं। इस प्रकार की गोष्ठियां,परिचर्चा एवं कार्यशाला केन्द्र की संघर्ष विषयक सूचनाओं एवं शोध के लिए आकड़ों को विस्तृत करने में मददगार सिद्ध हुई हैं। गोष्ठियों, परिचर्चाओं एवं कार्यशालाओं से प्राप्त जानकारियों का केन्द्र के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य में उपयोग किया जाता रहा है।

बौद्धिक गतिविधियों के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उत्तर भारत में स्थापित मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र,भारत तथा विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन केन्द्र के रूप में सेवारत है। मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र का समाज विज्ञान संकाय में होना तथा संकाय के शिक्षकगणों का शान्ति अध्ययन के प्रति रुझान केंद्र के विकास का एक प्रमुख कारण रहा है एवं यह संकाय के छात्रों एवं शोधार्थियों को शान्ति अध्ययन संबंधी एक नवीन आयाम प्रदान करता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानिक सहयोग

- यूनेस्को,पेरिस द्वारा केन्द्र में प्रतिष्ठित यूनेस्को शांति एवं अन्तर-सांस्कृतिक सहमति पीठ की स्थापना 2010 में की गयी।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति,संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्य में सहयोग हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने टोनी ब्लेयर फेथ फाउण्डेशन,यू.के. के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्य में सहयोग हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।
- केन्द्र ने इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इन्स्टीट्यूट,नार्वे के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्य में सहयोग हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेश पत्र द्वारा स्थापित यूनिवर्सिटी फार पीस,कोस्टा रिका के साथ शांति अध्ययन के क्षेत्र में नये पाठ्यक्रम एवं परास्नातक पाठ्यक्रम में सह-शिक्षण की नयी तकनीकी के विकास के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है।
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने कार्लस्टाड विश्वविद्यालय,स्वीडेन;वेलज़ली कालेज,अमेरिकाएवं त्रिभुवन विश्वविद्यालय,नेपाल के साथ संस्थानिक सहयोग के लिए समझौता किया है।
- सन् 2006 से ही संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत शैक्षणिक फांउडेशन,नई दिल्ली से संयुक्त राज्य अमेरिका से फुलब्राइट प्रोफेसर एवं स्कॉलर केन्द्र में अध्यापन एवं शोध कार्य हेतु आते रहे है।

मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र ने एम.ओ.ओ.सी कार्यक्रम के अर्न्तगत 4 क्रेडिट के एक आनलाइन पाठ्यक्रम“ धर्म, संघर्ष एवं वैश्विकरण” की शुरूआत की है। यह पाठ्यक्रम धार्मिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, शांति कार्यकर्ताओं एवं सामुदायिक विकास से जुड़ी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। यह नवोन्मेषी पाठ्यक्रम धार्मिक एवं अन्तर सांस्कृतिक सहमति को संघर्ष समाधान के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उपयोग करने की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है।

2.1.4.6. समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र

भारत सरकार द्वारा 1979 में शुरू किए गए समन्वित ग्रामीण विकास के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुक्रम में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एक समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र की स्थापना 1980 में की गई थी। केंद्र अंतर-संगठनात्मक सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है और भारत और विदेश में ग्रामीण विकास से संबंधित संगठनों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए काम करता है। यह केंद्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय की एक मान्यता प्राप्त इकाई है और विश्वविद्यालय के अन्य संबंधित विभागों के संयोजन के साथ सामाजिक विज्ञान संकाय के संकाय प्रमुख के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित होता है।

एक आदर्श गांव का विकास

उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री वी.पी.सिंह के आवाहन पर केंद्र ने भीसमपुर (चकिया प्रखंड) को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने का कार्यभार संभाला। केंद्र में आगामी दो वर्षों की अवधि अर्थात 1982-84 के दौरान कई विकासात्मक गतिविधियाँ कार्यान्वित की गईं।

केंद्र, काशी विद्यापीठ ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों और विश्वविद्यालाय परिसर के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए सिलाई,काटाई और बुनाई के कौशल सीखने का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जिसमे सुबह 10 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक और दोपहर 2.00 बजे शाम 5.00 बजे तक दो पालियों में विभिन्न गांवों और विश्वविद्यालय परिसर से 40 से अधिक महिलाएं नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करने आती हैं।

केंद्र आई.आर.डी.एम. में दो वर्षीय एम.ए.पाठ्यक्रम का संचालन करता है,जो सामाजिक विज्ञान संकाय के तहत केंद्र का एक स्व-वित्तपोषित कार्यक्रम है। विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानो एवं संकायों जैसे आई.आई.टी. (बी.एच.यू.), चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान, विज्ञान संस्थान और सामाजिक विज्ञान संकाय, के संकाय सदस्य नियमित रूप से केंद्र में संचालित सम्बन्षित पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं जिनमें समाज और राजनीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, ग्रामीण स्वास्थ्य, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और प्रबंधन शामिल हैं। शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए चालीस (40) छात्रों का नामांकन किया गया है।

2.1.4.7. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केंद्र

सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2008 में ग्यारहवीं पंचयोजना के तहत की गई थी। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारतीय समाज में सामाजिक बहिष्कार का अध्ययन करने और अधिक समावेशी समाज के निर्माण के लिए नीति-निर्माण से परिचित कराने के उद्देश्य से खोले गए 35 केंद्रों में से एक था। यह केंद्र देश के उन कुछ केंद्रों में से एक रहा है जिसने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में केंद्र को जारी रखने के अपने प्रस्ताव का सफलतापूर्वक बचाव किया और इसके अनुदान को जारी रखने के लिए अनुमोदन प्राप्त किया। स्थापना के बाद से,केंद्र पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। सम्मेलनों / सेमिनारों / संगोष्ठियों / विशेष व्याख्यानों आदि के आयोजन करने जैसी अकादमिक गतिविधियों में लगातार संलग्न होने के अलावा, केंद्र ने उन्नत अनुसंधान और संवाद के लिए एक अंतःविषयक स्थान प्रदान किया हैऔर विचारों के क्रॉस-फर्टिलाइजेशन के लिए भी मंच प्रदान किया है।

केंद्र का दृष्टिकोण

केंद्र शैक्षणिक रूप से निम्न विषयों पर केन्द्रित है :

अभाव की बहुआयामीता, वे प्रक्रियाएँ जिनके माध्यम से व्यक्तियों या समूहों को बाहर रखा जाता है; सामाजिक अभिनेताओं और एजेंटों की पहचान करना; राज्य, स्थानीय अधिकारियों, धार्मिक निकायों, स्थानीय अभिजात वर्ग, बाजार आदि से संबंधित जो शामिल है और बाहर है; अभाव की संबंधपरक जड़ें; कई नुकसानों का अंतर्विरोध और इससे निकलने वाली गतिशीलताऔर ढांचा जो विशेष रूप से कार्रवाई के लिए तैयार किया गया है आदि।

अतः इस प्रकार यह केंद्र, नीति निर्माताओं को नीति निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराने की दिशा में एक दृष्टिकोण प्रदान करता है जिसके माध्यम से अभाव की बहुआयामीता और नुकसान की प्रतिच्छेदन दिखाई देती है। इस प्रकार यह केंद्र नुकसान और सामाजिक अन्याय के खिलाफ पुनर्निर्माण के लिए एक गतिशील ढांचा प्रदान करता है।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च

- केंद्र जाति, जनजाति, लिंग, विकलांगता, धर्म, कला, साहित्य और मीडिया से संबंधित भेदभाव और बहिष्करण के असंख्य रूपों की प्रकृति और गतिशीलता के अध्ययन के साथ साथ समावेशी नीति के संबंध में इसके विभिन्न आयामों अर्थात संवैधानिक, कानूनी, सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से सामाजिक बहिष्करण और समावेशी नीति में एम.ए. कार्यक्रम का संचालन करता है।
- सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के क्षेत्र में सैद्धांतिक और पद्धतिगत दृष्टिकोणों की ओर उम्मीदवारों को उन्मुख करने के उद्देश्य से केंद्र सबाल्टर्न स्टडीज में पीएच.डी. और एम. फिल (सबाल्टर्न स्टडीज) कार्यक्रम चलाता है।
- सैद्धांतिक और औपचारिक समझ के अलावापूर्वोक्त क्षेत्र में अनुभवजन्य शोधों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र पी.एच.डी. पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

2.1.5. स्कूल

2.1.5.1. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल

2.1.5.2. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल

2.1.5.3. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

2.1.5.1. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल

सर्वज्ञान प्रकाशित काशी में 7 जुलाई 1898 को भारतीय संस्कृति एवं हिन्दू धर्म से अभिभूत होकर इंग्लैंड में जन्मी डॉ. एनी बेसेंट ने आधुनिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा हेतु सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल की स्थपाना की। 30 मार्च 1914 को विद्यालय की भूमि, भवन और निधि, युगानिर्मता भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को समर्पित कर दिया तथा महामना जी से यह वचन लिया कि इस विद्यालय का पोषण एवं संवर्धन महामना जी द्वारा स्थापित किये जा रहे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सदैव होता रहेगा। यह विद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मातृसंस्था के रूप में अपनी स्थापना के 123 वर्ष पूर्ण कर विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्धि को प्राप्त कर रहा है।वर्तमान में यह विद्यालय प्रशासनिक दृष्टि से विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग है और यह सी.बी.एस.ई. से संबद्ध है।

सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल में, प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश परीक्षा के तर्ज पर आयोजित स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से उनके मेरिट इंडेक्स के आधार पर कक्षा 6, 9 एवं 11में प्रवेश दिया जाता है। सेंट्रल हिंदू बॉयज स्कूल में ही हजारों छात्र प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं जो विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता के स्तर का द्योतक है। विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर में स्कूल का एक प्राथमिक खंड भी संचालित होता है जहां नर्सरी से कक्षा-5तक की कक्षाएं चलती हैं। वर्तमान सत्र में स्कूल के कमच्छा परिसर में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में कुल 1996 छात्रों का पंजीकरण हुआ है, वहीं स्कूल के बारकछा परिसर में पंजीकृत छात्रों की संख्या 186 रही।

स्कूल विज्ञान,कला और वाणिज्य संबर्ग के सभी विषयों जैसे गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कृषि, संगीत, कंप्यूटर, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थव्यवस्था, इतिहास, लेखा, व्यवसाय, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी आदि में शिक्षा प्रदान करता है। स्कूल में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान मनोविज्ञान, कृषि, कंप्यूटर, भूगोल और गणित की सुसज्जित प्रयोगशालाएँ भी हैं।

स्कूल में उपलब्ध सुविधाएं

1921 में स्थापित, स्कूल में एक भव्य पुस्तकालय है जिसका नाम तेलंग पुस्तकालय है,इसमें छात्रों के लिए विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की नियमित सदस्यता के साथ लगभग 40,000 पुस्तकें हैं। स्कूल परिसर में ही एक छात्रावास भी है जिसमें दूर-दूराज के क्षेत्रों से आये कुल 100 छात्रों को उनके योग्यता सूचकांक के आधार पर छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा स्कूल परिसर में एक स्वास्थ्य केंद्र भी चलाया जाता है जहां छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। स्कूल में कैंटीन और वाहन स्टैंड की भी सुविधा है। स्कूल के गरीब और मेधावी छात्रों की सहायता के लिए विद्यार्थी सहायक सभा और छात्र कल्याण कोष की स्थापना की गई है। जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता, पुस्तकें और वर्दी प्रदान की जाती हैं।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

छात्रों के बीच अखंडता,राष्ट्र और समाज की सेवा को बढ़ावा देने के लिएएन.सी.सी. की चार शाखाएं स्कूल में कार्यरत हैं। आर्मी एन.सी.सी. (जूनियर) के दो डिवीजन हैं.आर्मी एन.सी.सी. (सीनियर) की एक प्लाटून और एयर एन.सी.सी.का एक जूनियर विंग है।

छात्रों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की वार्षिक पत्रिका “सृजन” प्रकाशित होती है।

उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धियां

- स्कूल की दसवीं कक्षा की सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा- 2020 का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। बोर्ड परीक्षा में कुल 277 छात्र उपस्थित हुए थे। मयंक कुशवाहा 99% अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बने। जयेश भारद्वाज ने 98.40% अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रवि रंजन कुमार ने 98.40% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।
- स्कूल के कुल 19 छात्रों ने विभिन्न विषयों में 100% अंक हासिल किए और सीबीएसई परीक्षा -2020 की, जिन्हें 0.1 मेरिट श्रेणी के तहत सी.बी.एस.ई. द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया। छात्रों के नाम इस प्रकार हैं : गणित- अनूप सिंह, प्रतीक मिश्रा, सत्यम पटेल, वात्सल्य सिंह और गिरीश कुमार; अंग्रेजी- विवेक कुमार, आयुष राज, जयेश भारद्वाज, मयंक कुशवाहा, विवेक दुबे, आर्यन राज परमार, अभिनव आनंद और सौरभ नंदन; संस्कृत- रमाकांत शर्मा, रमन शर्मा और संजीव कुमार; विज्ञान- आशुतोष चतुर्वेदी और रवि रंजन कुमार; सामाजिक विज्ञान- अंकेश कुमार।
- दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में कुल 108 छात्रों ने अंग्रेजी में, 84 छात्रों ने हिंदी में, 116 छात्रों ने गणित में, 76 छात्रों ने विज्ञान में और 175 छात्रों ने सामाजिक विज्ञान में 90% से अधिक अंक प्राप्त किए।
- बारहवीं कक्षा की सीबीएसई परीक्षा- 2020 का परिणाम 98.04% रहा। बोर्ड परीक्षा में कुल 418 छात्र शामिल हुए। संदीप कुशवाहा (आर्ट्स स्ट्रीम) 97.40% अंक हासिल कर स्कूल टॉपर बने। शशांक कुमार (साइंस ग्रुप) ने 96.60% अंक प्राप्त कर दूसरा और नवल प्रीत सिंह (कॉमर्स स्ट्रीम) ने 95.20% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- कक्षा 6,7,8,9 और 11 की स्कूल होम परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या 1285 थी। कक्षा 6 में स्कूल टॉपर बने- शिवम यादव-92.92%,कक्षा 7 मेंटॉपर बने- कुमार दिव्यांश- 93.14%;कक्षा 8 में टॉपर बने- हरिओम- 98.42%;कक्षा 9 में टॉपर बने(i) आदर्श सिंह-96.16%; (ii) आर्यन मौर्य-96.16%; कक्षा 11 में टॉपर बनेरमन शर्मा- 93.80%, अभिषेक सिंह- 90%; विश्वास गिरी-92.83%,रक्षित सिन्हा- 94.50%।

- स्कूल के छह छात्रों (दिलीप कुमार,वैभव विश्वकर्मा,आदित्य सिंह,अमित कुमार,हर्ष जायसवाल और अभिषेक कुमार) का जे.ई.ई.-2020 की प्रतिष्ठित परीक्षा में अच्छी योग्यता के साथ चयन हुआ। सचिन प्रसाद गौंड और शिवम कुमार ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-एन.इ.इ.टी में क्वालीफाई किया।
- यूनिफाइड काउंसिल, हैदराबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन मेंटल एबिलिटी रिकॉग्निशन टेस्ट में छठी से दसवीं कक्षा तक के स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। आशुतोष कुमार पटेल (कक्षा 6) ने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय स्तर पर 352 वां रैंक प्राप्त किया। अभिषेक त्रिपाठी (कक्षा आठवीं) और प्रभात कुमार (नौवीं) ने अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। यूनिफाइड इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड-2021 में स्कूल के चार छात्रों ने मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल किया है।
- ऑनलाइन मोड में आयोजित सोसायटी फॉर सोशल एक्शन एंड रिसर्च (एस.ए.ए.आर.) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा की मेरिट सूची में कुल 47 छात्रों ने स्थान हासिल किया। राघवेंद्र राय (बारहवीं कक्षा) आदित्य भारद्वाज (कक्षा 9)और आनंद कुमार (कक्षा 7) ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- अनुराग वार्ष्णेय (ग्यारहवीं-कला) ने ऑनलाइन जी.के. प्रतियोगिता, माइंड वॉर ओलंपियाड -2020; चैंपियंस ऑफ टुमॉरो में अखिल भारतीय स्तर पर 11वां स्थान हासिल किया। उन्हें 11000/- रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- स्कूल के पूर्व छात्र, सिद्धार्थ पाठक, ने यू.पी.पी.सी.एस. परीक्षा-2019 में 9 वाँ स्थान प्राप्त किया और अंकित मिश्रा का उसी परीक्षा में डिप्टी एस.पी. के पद के लिए चयन हुआ।
- एक अन्य पूर्व छात्र,सुमित पांडे ने यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में 607वीं रैंक प्राप्त की।

अन्य उपलब्धियां और सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के अलावा,स्कूल कई महान व्यक्तियों की जयंती भी मनाता है, जो इस प्रकार है - 29.04.2020 को शंकराचार्य जयंती;प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) के अवसर पर ऑनलाइन मोड में विभिन्न प्रतियोगिताएं ड्राइंग, कहानी लेखन और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गईं; माता एनी बेसेंट जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महामना जयंती के अवसर पर हवन पूजन कार्यक्रम एवं भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया; शिक्षक दिवस (5 सितंबर को महान दार्शनिक डॉ. एस राधाकृष्णन की जयंती) के अवसर पर विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियाँ-भाषण, कविता पाठ, गायन का आयोजन; संविधान दिवस के अवसर परजूनियर वर्ग के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता तथा वरिष्ठ वर्ग के लिए “आत्मनिर्भर भारत- चुनौतियाँ और समाधान” विषय पर एक ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन तथा 14 सितंबर 2020 से 20 सितंबर 2020 तक ऑनलाइन हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

कला और ड्राइंग

- हर्ष कुमार सिंह (कक्षा 10) ने नवंबर के महीने में शोभा सिंह मेमोरियल आर्टिस्ट सोसाइटी, भटिंडा, पंजाब, द्वारा आयोजित 5वीं अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन ड्राइंग प्रतियोगिता (ग्रुप बी) में प्रथम पुरस्कार जीता। विषय था "माई सिटी- क्लीन एंड ग्रीन"। उन्हें प्रमाण पत्र के साथ 1000/- रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जुलाई, 2020 में मोहित वर्मा (कक्षा 9)ने प्राकृतिक रूप से उपयुक्त शमन कार्रवाई (NAMA)विकास और प्रबंधन परियोजना,नगर निगम,वाराणसी द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित कला और शिल्प ई-प्रतियोगिता में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- देवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित ड्रॉइंग प्रतियोगिता में मोहित वर्मा (कक्षा 9) ने जूनियर ग्रुप में प्रथम,हर्ष कुमार सिंह (कक्षा 10) ने सीनियर ग्रुप में दूसरा और विवेक यादव (कक्षा 10) ने सीनियर ग्रुप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

- विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर दिनांक 11.07.2020 को आयोजित कला एवं शिल्प प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
- छात्र केंद्रित गतिविधियां; कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए करियर जागरूकता कार्यक्रम के तहत 08.12.2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त 12.12.2020 कोकरियर जागरूकता कार्यक्रम के तहतएक वेबिनार और 05.12.2020 को कानून और नीति में करियर के अवसर के बारे में जागरूकता फ़ैलाने के उद्देश्य से एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

एन.सी.सी. और अन्य गतिविधियां

- कैडेट वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एयर एन.सी.सी. के 13 छात्रों को रू 6000/- की छात्रवृत्ति मिली। टैलेंट हंट प्रतियोगिता में बारहवीं कक्षा के स्वप्निल यादव (एयर एन.सी.सी.) को प्रथम पुरस्कार मिला।
- देश के शहीद जवानों की मदद के लिए स्कूल के छात्रों द्वारा एकत्रित 7840/- रुपये का फंडजिला सेना कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी,वाराणसी को चेक के माध्यम से दान किया गया।
- एनसीसी कैडेटों के लिए स्कूल में कोरोना जागरूकता एवं सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

परिसर विकास एवं निर्माण

विद्यालय की जीव विज्ञान प्रयोगशाला का नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्य पूर्ण किया गया,विद्यालय के प्रधानाध्यापक कक्ष से पास के परीक्षा कक्ष का पुनर्निर्माण किया गया,दो नये शौचालयों का निर्माण किया गया तथा विद्यालय परिसर में पुराने शौचालयों का जीर्णोद्धार किया गया।

2.1.5.2. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल

सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल, पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक है जो युवाओं को प्राचीन,मध्यकालीन और साथ ही आधुनिक मूल्य प्रदान करता है। इस संस्था की स्थापना 29 दिसंबर 1904 को सेंट्रल हिंदू कॉलेज के रूप में हुई थी। 1916 में स्कूल पंडित मदन मोहन मालवीय जी को सौंप दिया गया और यह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बन गया। यह स्कूल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) से संबद्ध है और काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा शासित है।

स्कूल नर्सरी से कक्षा 12 तक शिक्षा प्रदान करता है। नर्सरी और प्रारंभिक कक्षाओं को छोड़कर कक्षा 6,9 और 11 में प्रवेश स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से लिया जाता है। हालाँकि, कोविड 19 के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 में प्रवेश पिछले वर्ष के अंकों के आधार पर किया गया है।

छात्रों की संख्या: एलकेजी से 5 तक अनुमानित 757 है।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

स्कूल पेंटिंग, ड्राफ्टिंग, कार्ड मेकिंग, सोलो सिंगिंग, सोलो डांस, हिंदी पोएट्री सस्वर पाठ आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। मालवीय जयंती के अवसर पर, स्कूल के बच्चों ने मालवीय भवन में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस साल कोविड 19 महामारी और लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद होने के कारण कई कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया जा सका।

स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा

सभी छात्रों की हेल्थ डायरी मेंटेन की जा रही है,जिससे जरुरत पड़ने पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र व अस्पताल में मुफ्त इलाज हो सके। स्कूल में प्राथमिक उपचार की भी सुविधा है जो जरूरत पड़ने पर बच्चों को दी जाती है।

खेलकूद गतिविधियां

कहा गया है,स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में वर्ष भर विभिन्न प्रकार के खेलकूद एवं योग का आयोजन किया जाता है। वर्तमान सत्र में भी इसकी पुनरावृत्ति हुई। इसके अलावा खेल का मैदान, वॉलीबॉल कोर्ट, इनडोर खेल आदि जैसी कई खेल सुविधाएं स्कूल में उपलब्ध हैं।

विकासात्मक कार्य

वर्तमान सत्र के दौरान विद्यालय में मुख्य भवन के पीछे एक बड़ा मंच,कुछ पठन-पाठन हेतु कक्ष और शौचालय का निर्माण कराया गया, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। साथ ही स्कूल के प्राइमरी विंग में एक ओपन ऑडिटोरियम बनाया गया है।

स्कूल की शैक्षिक और अन्य गतिविधियाँ

यह स्कूल एल.के.जी. से कक्षा 12 तक की छात्राओं को शिक्षा प्रदान करता है,जिसमें एल.के.जी. से कक्षा 5 तक की कक्षाएं कोलुहा के स्थित स्कूल के प्राथमिक विंग में चलती हैं और कक्षा 6 से 12 तक स्कूल के मुख्य परिसर में चलती हैं। सभी अनिवार्य विषयों के अलावा, छात्राओं को कंप्यूटर विज्ञान स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षाएं, सामान्य अध्ययन, संगीत, पेंटिंग, रेड क्रॉस, नृत्य और स्वास्थ्य की शिक्षा भी दी जाती है। प्राथमिक और वरिष्ठ वर्ग के छात्राएँ एन.सी.सी. ए और बी प्रमाणित शिविरों और अभ्यासों में भी भाग लेते हैं। छात्राओं के स्कूल आने के लिए कुल 10 बसें नियमित रूप से चलती हैं। स्कूल में भौतिकी, जीव विज्ञान, विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, गृह विज्ञान, कंप्यूटर आदि विषयों के व्यावहारिक कक्षाओ के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ भी हैं।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में स्कूल ने छात्रों और शिक्षकों के लिए 5 महत्वपूर्ण कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

यहां तक कि कोविड 19 महामारी और लॉकडाउन की परिस्थितियों में भी स्कूल ऑनलाइन मोड में शिक्षण प्रदान करता रहा। परीक्षा और आकलन भी ऑनलाइन मोड में किए गए हैं।

बोर्ड परीक्षा संबंधित विवरण

- कक्षा 10; प्रथम तीन लड़कियों का विवरण: पलक -98.8%, भूमि रघुवंशी -98.6%, रूपाली राय-98.6%।
- कक्षा 12 में विभिन्न वर्गों, कला, वाणिज्य और विज्ञान में प्रथम तीन स्थान

  साइंस स्ट्रीम: जैस्मीन श्रीवास्तव - 98.2%, जयंती शिवा - 97.4%, प्रियंका दीक्षित -97.2%;

  आर्ट्स स्ट्रीम: आकांक्षा शर्मा - 97.2%, दीपा पांडे- 96.8%, शालू रानी - 96%;

  कॉमर्स स्ट्रीम: सौम्या सिंह -97.2%, जैलम फलक-96.4%, चेतना जाजू- 88.6%

2.1.5.3. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। पं. अंबा दास शास्त्री और पं. अनंत राम शास्त्री जो पूज्य मदन मोहन मालवीय के शिक्षक थे, ने इस विद्यालय के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। इस स्कूल में प्रवेशिका (आठवीं कक्षा) से लेकर आचार्य (एम.ए.) तक की कक्षाएं चलती थीं और यहां तक कि उपरोक्त दो सज्जनों के हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र भी जारी किए जाते थे।

यह विद्यालय प्राचीन भारतीय ज्ञान के संरक्षण और प्रसार के लिए जम्मू के सरदार-ए-रियासत द्वारा 1883 में तेरही नीम दशाश्वमेध रोड,वाराणसी में जम्मू कश्मीर हाउस के महलनुमा भवन में स्थापित किया गया जिसे मूल रूप से जम्मू संस्कृत पाठशाला के रूप में जाना जाता था। बाद मेंइसे डॉ. एनी बेसेंट के अध्यक्षता में संचालित केंद्रीय हिंदू कॉलेजिएट सोसायटी को सौंप दिया गया। इसके बाद विद्यालय का परिसर कमच्छा में बनारस के काशी नरेश का एक ऐतिहासिक महल में बनाया गया और विद्यालय का नाम बदलकर जम्मू महाराजा प्रताप सिंह के तत्कालीन सरदार-ए-रियासत के पिता के नाम पर रणवीर संस्कृत विद्यालय कर दिया गया। बाद के कालखंड में काशी हिंदू विश्वविद्यालय का सेंट्रल हिंदू कॉलेजिएट सोसायटी के साथ विलय के बाद,रणवीर संस्कृत विद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय का एक हिस्सा बन गया।

ओरिएंटल लर्निंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय (वर्तमान में बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय) की स्थापना के बाद,उसमें मध्यमा और आगे की कक्षाएं शुरू हुईं और 1968 तक केवल प्रवेशिका कक्षाएं (आठवीं कक्षा तक) ही विद्यालय में संचालित होती रहीं। जुलाई 1978 से,रणवीर संस्कृत विद्यालय में सभी विषयों (साहित्य,वेद,व्याकरण,ज्योतिष और दर्शन) के मध्यम वर्ग के चारों भाग चल रहे हैं। वर्तमान में विद्यालय में दी जाने वाली कक्षाओं/पाठ्यक्रमों के नाम निम्नानुसार हैं:

प्राथमिक कक्षा I - V सीबीएसई

प्रथम कक्षा VI - VIII संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय के संकाय द्वारा तैयार पाठ्यक्रम

प्रवेशिका कक्षा IX और X पाठ्यक्रम संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय द्वारा तैयार किया गया

मध्यमा कक्षा XI और XII पाठ्यक्रम संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय द्वारा तैयार किया गया

इस स्कूल में,छात्रों को पारंपरिक विषयों (वेद,ज्योतिष,व्याकरण,दर्शन,साहित्य) के साथ-साथ आधुनिक विषयों (हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान) को पढ़ाया जाता है। इस तरह यह प्राचीन ज्ञान और आधुनिक ज्ञान के बीच सेतु का काम कर रहा है। विद्यालय में विज्ञान और ज्योतिष प्रयोगशालाओं के विकास के अवसर हैं।

- प्रो. विनय कुमार पाण्डेय (प्रमुख, ज्योतिष विभाग, एस.वी.डी.वी., बीएचयू) विद्यालय के प्राचार्य हैं।
- वर्तमान में हमारे विद्यालय में 10 स्थायी शिक्षक और 13 संविदा शिक्षक हैं।
- विद्यालय के प्राइमरी सेक्शन में 185 और सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी सेक्शन में 301 विद्यार्थी नामांकित हैं।

अंतर्विद्यालय प्रतियोगिताएं

स्कूल द्वारा आयोजित विभिन्न इंटरस्कूल / स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरस्कार जीते।

2.1.6. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ग्रंथालय प्रणाली

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय,देश के सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है। इस पुस्तकालय की शुरुआत न्यायमूर्ति स्व. काशी नाथ त्रयम्बक तैलंग की याद में उनके पुत्र प्रो. पी.के. तैलंग द्वारा दान स्वरूप प्रदान की गयी पुस्तकों के संग्रह से सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज,कमच्छा के तैलंग हाल में हुई। अपने प्रारम्भिक काल में इसे प्रसिद्व इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने सँवारा और बाद में पुस्तकालय आन्दोलन के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन व उनके बाद प्रो. पी.एन. कौल व डॉ. जे.एस. शर्मा यहाँ के पुस्तकालयाध्यक्ष बने।

पाठ्य सामग्री

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय की व्यवस्था में शीर्ष पर सयाजीराव गायकवाड ग्रन्थालय (केन्द्रीय ग्रन्थालय) है और इसके अतिरिक्त इसमें 5 संस्थान पुस्तकालय (विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, कृषि विज्ञान, प्रबंन्ध शास्त्र तथा पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान), 6 संकाय पुस्तकालय, 42 विभागीय पुस्तकालय तथा दक्षिणी परिसर, बरकच्छा, मिर्जापुर में स्थित पुस्तकालय सम्मिलित है। सभी पुस्तकालयों को मिलाकर 16 लाख से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। भारत की विश्वविद्यालय पुस्तकालय व्यवस्थाओं में यह पुस्तकालय व्यवस्था सबसे वृहत व्यवस्थाओं में से एक है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में इस पुस्तकालय व्यवस्था में 5529 पुस्तकें एवं 58891 ऑनलाइन पुस्तकें जोड़ी गई। पुस्तकालय में 126 विदेशी पत्रिकायें एवं 198 भारतीय पत्रिकायें मुद्रित प्रारूप में आती हैं। इसके अतिरिक्त एक अच्छी संख्या में नि:शुल्क पत्रिकायें भी पुस्तकालय को प्राप्त होती हैं। पुस्तकालय में लगभग 7227 पाण्डुलिपियों के अद्वितीय संग्रह के अतिरिक्त दुर्लभ पुस्तक संग्रह, शोध प्रबन्ध संग्रह, विश्वविद्यालय संस्थापक संग्रह, कर्मचारी प्रकाशन संग्रह एवं स्थानीय इतिहास संग्रह भी उपलब्ध हैं।

केन्द्र तथा राज्य सरकार व उनके अधिकरणों के प्रकाशन विशेषत: समाज विज्ञान, विधि, वाणिज्य व कृषि विषयों के लिए बहुत उपयोगी सूचना स्रोत हैं, जिन्हें पुस्तकालय या तो क्रय करता है या उपहार रूप में प्राप्त करता है।

केन्द्रीय पुस्तकालय को संयुक्त राष्ट्र संघ तथा उसके अधिकरणों के प्रकाशन के लिए “डिपॉजिटरी पुस्तकालय” का स्थान प्राप्त है। सन 1973 में नि:शुल्क वितरण प्रथा के समाप्त हो जाने के बाद भी पुस्तकालय इन प्रकाशनों को

डिपॉजिटरी पुस्तकालय सदस्यता योजना के अन्तर्गत खरीदता है। पुस्तकालय की यह विशेषता किसी भारतीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में नहीं है।

पुस्तकालय समय

केन्द्रीय ग्रन्थालय वर्ष में 359 दिन खुला रहता है। स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, दशहरा, दीपावली, बसंत पंचमी व होली इन छह दिनों में पुस्कालय बंद रहता है। सामान्यत, पुस्तकालय का समय सप्ताह के दिनों में प्रात: 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक व रविवार व छुटियों में प्रात: 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहता है। साइबर लाईब्रेरी सुबह 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक खुली रहती है।

छायाप्रति सुविधा

केन्द्रीय पुस्तकालय में छायाप्रति सुविधा की भारी माँग रहती है। विश्वविद्यालय एवं बाहर के छात्रों व अध्यापकों की माँग पूरी करने के लिए यहाँ तीन फोटोकापी मशीने हैं। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय ने 1,20,603 छायाप्रतियां प्रदान की।

दृष्टिबाधित विभाग

केन्द्रीय ग्रन्थालय में दृष्टिबाधित पाठकों की सुविधा के लिए अलग से अनुभाग हैजो पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामग्री को आडियो साफ्ट कापी में दृष्टि बाधित पाठकों को उपलब्ध कराता है। वर्ततान वर्ष में 377 दृष्टिबाधित पाठकों को ग्रन्थालय द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई गई एवं उनकी मांग के अनुरुप चार पुस्तकों की डिजिटल साफ्ट कॉपी तैयार की गयी। इसके अलावा "सुगम्य पुस्तकालय" की सदस्यता लेकर दृष्टि बाधित छात्रों की सहायता की गयी।

ऑनलाइन पत्रिकायें, ऑनलाइन पुस्तकें एवं डाटाबेस

केन्द्रीय पुस्तकालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ई-जर्नल्स प्राप्ति हेतु ई-शोध सिंधू का सदस्य है। केन्द्रीय ग्रन्थालय के पास वर्तमान में 7000 से अधिक फुल टेक्स्ट आनलाइन जर्नल्स और बिब्लियोग्राफिक डाटाबेस को सर्च करने की सुविधा उपलब्ध है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (10 पत्रिकायें), एमेराइल्ड विषय संग्रह (312 पत्रिकायें), वैब एब्सट्रेक्ट और इण्डियन जर्नल्स डाटकॉम (305 पत्रिकायें), सेज एच.एस.एस. ऑनलाइन (जर्नल्स एवं बुक्स) को सबस्क्राइब कर रहा है। पुस्तकालय में अमेरिकन केमिकल सोसाईटी, रायल सोसाईटी आफ केमेस्ट्री, नेचर, साइंस प्रोजेक्ट म्यूज (सोशल सांइस एवं ह्यूमिनिटी), इमेराइल्ड (लाइब्रेरी सांइस), एमेराइल्ड मैनेजमेन्ट एक्सट्रा, साइंस, इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, स्प्रिंगर वारलॉग, क्लुवर ऑनलाइनआदि के ई-स्रोतों को एक्सेस करने की सुविधा यू.जी.सी. इन्फोनेट के माध्यम से उपलब्ध है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेज, केम्ब्रिज, स्प्रिंगर, टेलर एवं फ्रांसिस, वर्ल्ड सांइटिफिक, पीर्यसन आदि से 61,142 से अधिक ई-बुक्स को सब्सक्राइब कर रहा है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पास केमिकल एब्सट्रेक्ट (सांइस फाइण्डर), मैथ साइनेट, मनुपात्रा (लॉ) गेल, इण्डियन साइटेशन इन्डेक्स, स्प्रिंगर प्रोटोकोल (1980-2013) आदि डाटावेस की उपयोग सुविधा भी उपलब्ध है। सभी ऑनलाइन जर्नल्स को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में नेटवर्क के माध्यम से सर्च किया जा सकता है। इसकी विस्तृत जानकारी बी.एच.यू. की वेबसाइट www.bhu.ac.inसे प्राप्त की जा सकती है।

प्रलेख प्रदान सेवा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय इन्फ्लिबनेट कार्यक्रम के अन्तर्गत, प्रलेख प्रदान सेवा केन्द्र के रूप में चिह्नित देश के पाँच पुस्तकालयों में से एक है। इस सेवा का उद्देश्य बाह्य पाठकों को शीघ्र एवं तुरन्त प्रलेखों की इलेक्ट्रानिक प्रति उपलब्ध कराने एवं स्रोत संसाधन साझेदारी को बढ़ाने एवं साझेदारी सुविधा उपलब्ध कराना है। जिससे कम लागत मे अधिक से अधिक पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन

केन्द्रीय ग्रन्थालय को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन,संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के रुप में मान्यता दी गई है। ग्रन्थालय ने दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन प्रारम्भ कर दिया है। वर्तमान वर्ष में लगभग 80 दुर्लभ ग्रन्थों के 3755 फोलियो का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

शोध गंगा का ई-प्रारूप

यह एक भारतीय शोध निबंधो का संग्रह है जो भारतीय विश्वविद्यालयों के लगभग सभी पी.एच.डी. थीसिसो के सम्पूर्ण लेख का अभिगम प्रदान करता है। शोधगंगा का संरक्षण INFLIBNET केंद्र द्वारा किया जाता है।यह शैक्षणिक समुदाय को एक खुला अभिगम प्रदान कराती है जबकि अन्य भारतीय समुदायों के लिए इसका इलेक्ट्रानिक संस्करण उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथालय द्वारा लगभग 2000 थिसिसों के इलेक्ट्रानिक प्रारूप को शोधगंगा में अपलोड किया जा चुका है,जिनका दुनिया के किसी भी कोने से www.shodhganga.inflibnet.ac.inवेबसाईट के माध्यम से अभिगम किया जा सकता है|

जनगणना ऑकड़ा केन्द्र

इस केन्द्र में भारत सरकार द्वारा कराये गए जनगणना सर्वेक्षण के सभी प्रकार के जन सॉख्यिकी ऑकडे को संग्रहित किया जाता है और शोध के उद्देश्य के लिए शोधार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही स्टेटिस्टीकल सॉफ्टवेयर को इस केन्द्र के सभी संगणक में अपलोड किया गया है जिससे शोधार्थी ऑकड़ों को तालिकाबद्ध विश्लेषण एवं व्याख्या करते हैं। शोधार्थी एवं संकाय सदस्य अपने शोध एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सूक्ष्मस्तरीय जनगणना ऑकड़ा का उपयोग करते हैं।

शोध सूचना अनुभाग

केन्द्रीय ग्रंथालय में सन् 2017 से एक नए अनुभाग की संरचना की गयी है जो विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं शोध छात्रों को उनके शोध से सम्बन्धित सूचनाएँ प्रदान करता है। यह सूचना उनको व्यक्तिगत रूप से ई-मेल के माध्यम से प्रदान की जाती है। यह एक प्रकार की एस.डी.आई. सेवा (चयनात्मक सूचना संप्रेषण) जो ग्रंथालय के द्वारा दी जाती है।

इन्स्टीट्यूशनल रिपाजिटरी

विश्वविद्यालय के बौद्धिक अवदान को पूरा अभिलेखीय बनाने के उद्देश्य से केन्द्रीय ग्रंथालय द्वारा संस्थानिक अवदान केन्द्र की संरचना की गयी है और इसे विकसित किया जा रहा है। कई पुराने शोध प्रबंधों को इसमें अपलोड किया गया है। इस रिपाजिटरी को ऑन लाईन http://dl.bhu.ac.in/xmlui/वेबसाईट पर प्राप्त किया जा सकता है।

साइबर लाइब्रेरी अध्ययन केन्द्र

साइबर लाईबेरी का उद्घाटन 3 मार्च 2013 को माननीय डा. कर्ण सिंह, तत्कालीन कुलाधिपति,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। यह पूरी तहर से वातानुकूलित वातावरण में सफलतापूर्वक चल रहा है जिसमें 402 आपरेटिंग सिस्टम अलग-अलग केबिन में है।

साइबर लाइब्रेरी, सूचना के माध्यम से प्रति उपयोगकर्ताओं के व्यवहार को बदल रही है। साइबर लाइब्रेरी का हाल हमेशा छात्रों से भरा होता है जो वर्ष के 359 दिनों में सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक खुला रहता है। सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार,एक साल में औसतन 4,43,545 उपयोगकर्ता साइबर लाइब्रेरी की सुविधा का लाभ उठा रहे है।

ऑफ कैम्पस जर्नल्स एक्सेस (रिमोट) सेवा

केन्द्रीय ग्रन्थालय के पास ई-शोध सिंधु के साथ-साथ बिभिन्न प्रकाशनों की इलेक्ट्रानिक्स सेवाओं की सदस्यता है। सब्सक्राइव किये गये ई-संसाधनों का एक बडा हिस्सा INFLIBNETके आनलाइन प्रमाणीकरण तंत्र के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। यह सेवा वर्तमान में केवल शिक्षकों और शोधार्थियों के लिये खुली है,जो दुनिया में कही से भी केन्द्रीय ग्रन्थालय के सब्सक्राइव इलेक्ट्रिानिक संसाधनों का उपयोग कर सकते है।

बौद्धिक चौर्यरोधी सेवा

केन्द्रीय ग्रन्थालय नये शोधकार्य एवं शोधपत्रों की साहित्यिक चोरी की जाँच के लिये नोडल केन्द्र के रूप में काम कर रहा है। एंटी-साहित्यिक चोरी साफ्टवेयर के माध्यम से विश्वविद्यालय के शोंधों की जाँच की जाती हैं और संकाय सदस्यों एवं शोंध छात्रों को उनके शोध से संबधित कार्य की मौलिकता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों के लिए ग्रंथालय सेवाएं

पुस्तकालय आजीवन सतत् अध्ययन सुविध प्रदान करने का कार्य करता है। इसी कड़ी में सिर्फ 2000/- रूपयें (कॉशनमनी) में सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों के लिए ग्रंथालय परामर्श की सुविधा ग्रंथालय के द्वारा दी जाती है।

सांख्यिकीय

1. (क)पुस्तकें व पत्रिकाएँ

अ) वर्तमान वर्ष की शुरूआत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की कुल संख्या	11,32,415
आ) वर्तमान वर्ष में परिग्रहण की गयी मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	5529
इ) वर्तमान वर्ष के अंत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	11,38,944
ई) ब्राउंड संस्करणों की संख्या	1399
उ) वर्तमान वर्ष के शुरूवात में पत्रिकाओं (बाउंड संस्करणों) की संख्या	1,35,177
ऊ)परिग्रहण संस्करणों की संख्या	834

(ख) प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या (1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2020)

(अ) शुल्क देकर	324 (128 विदेशी व 198 भारतीय)
(आ) ऑनलाइन पत्रिकायें	1765
(इ) नि:शुल्क (अनियमित)	526

2. तकनीकी (अंग्रेजी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	4066
आ) तैयार जिल्द बन्धी पत्रिकाओं की संख्या	543
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	631
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	135

3. तकनीकी (हिन्दी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	2337
आ) तैयार जिल्द बन्धी पत्रिकाओं की संख्या	शून्य
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	शून्य
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	92

4. सेवाएं

क) कार्य दिवस

अ) साप्ताहिक कार्य दिवस	प्रातः 9.00 से रात्रि 9.00 बजे तक
आ) रविवार व अवकाश के दिन	प्रातः 10.00 से रात्रि 9.00 बजे तक
इ) ग्रन्थालय खुलने के दिवस (एक वर्ष में)	350

ख) सदस्य व पुस्तकों का वितरण

1) सदस्यता	
क) छात्र (31.3.2021 तक)	25169
ख) कर्मचारी	5389
ग) सेवानिवृत्त शिक्षक	35
2) पुस्तकों का वितरण	
क) छात्र (31.03.2021 तक)	46803
ख) कर्मचारी	4165
ग) विभागीय पुस्तकालय	410

ग) सन्दर्भ अनुभाग

बाहरी व्यक्ति का पंजीकरण

क) बाह्य पाठकों की पंजीकरण संख्या	312
ख) प्राप्त कुल पंजीकरण शुल्क	रू.31,680.00

घ) पाठ्य-पुस्तक विभाग

पढ़ी गयी पुस्तकों की संख्या	69,583
बढ़े पाठ्य पुस्तक की संख्या	504

ड.) सं. राष्ट्र संघ व सरकारी प्रकाशन विभाग

क) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	303
ख) पढ़े गये दस्तावेजों की संख्या	1352
ग) पढ़े दस्तावेजों मिमियोग्राफ सहित की संख्या	60

च) पांडुलिपि विभाग

क) आंगतुकों की संख्या	414
ख) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	176
ग) पढ़े गये दस्तावेजो की संख्या	352
घ) डिजीटाइजड फोलियों की संख्या	3755

छ) शोध ग्रंथ अनुभाग

क) पाठकों की संख्या	6,599
ख) पढ़ी गई शोध ग्रंथों की संख्या	7,171

ज) प्रतिलिपि इकाई

क) फोटो कापी किये गये पृष्ठों की संख्या	1,20,603
ख) कार्यालयीन	23,600

झ)संगणक अनुभाग

क) वाई-फाई/इंटरनेट/ई-संसाधन के द्वारा सेवा (लगभग) दिए गए पाठकों की संख्या 2800(लगभग)

ख) इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज डिलिवरी सेवा एवम एंटी प्लैगरिजम जाँच 5000

ग) प्रश्नावली का कार्य 05

ञ) दृष्टिबाधित अनुभाग

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या 377

ख) रिकॉर्डिंग पुस्तकों की संख्य 04

ट) जनगणना ऑकड़ा केन्द्र

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या 49

ठ) शोध संरचना विभाग

क) शोध प्रोफाईल की संख्या 365

ख) शोधकर्ताओं को प्रदान किए गए पूर्ण पाठ लेखा की संख्या 1913

ड) बुक स्टैक अनुभाग

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या 3,79,500

ख) प्रतिस्थापित पुस्तकों की संख्या 4,55,400

ग) जिल्द बन्धी पुस्तकों की संख्या 300किताबें

5. वित्त

(1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च2020)

अ) खर्चे

क) पुस्तकें व पत्रिकाएँ रखरखाव अनुदान
आवर्ती अनुदान,विलय अनुदान रू.305,31,670.00

ख) अन्य व्यय (जिल्द बंधवाई, प्रतिलिपि. आदि) रू.24,52,500.00

आ) आमदनी

क) विलम्ब शुल्क रू.3,49,375.00

ख) पुस्तक भरपाई मूल्य रू.105,252.00

ग) टोकन खोना रू.760.00

घ) प्रतिलिपिकरण रू.54,941.00

ड.)) पुस्तकालय परामर्श शुल्क रू.40,380..00

छ) अन्य शुल्क रू.18,703.00

6. साईबर लाईब्रेरी अध्ययन केन्द्र

क) इन्टरनेट सर्च विद्यार्थियों की संख्या (प्रति दिन) 1240 (लगभग प्रति दिन)

ख) साईबर लाइब्रेरी समय सेवा प्रात: 8.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक

कृषि विज्ञान संस्थान

वर्तमान सत्र के दौरान लगभग नई पुस्तकों की खरीद-40

विदेशी प्रकाशन	-	21
भारतीय प्रकाशन	-	19
कुल पुस्तकालय संग्रह	-	30,352

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान का ग्रन्थालय तीनो संकायों से सम्बन्धित पुस्तकों और पत्रिकाओं से समृद्ध है। संस्थान पुस्तकालय सभी रविवार एवं छुट्टियों में 24 घंटे खुला रहता है। इंटरनेट व फोटोकापी की सुविधा उपलब्ध है।
लाइब्ररी में टोटल बुक्स 107230 (वर्तमान सत्र में 404 बाध्य पत्रिकाओं को शामिल करना)

प्रिंटजर्नल चिकित्सा विज्ञान संस्थान
भारतीय जर्नल – 75
विदेशी जर्नल – 18
ई-जर्नल्स एआरएमइडी के माध्यम से - 243
आईएनएफएलआईबीएनइटी के माध्यम से - 401

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

छात्रों के लिए विश्वविद्यालय की केन्द्रीय ग्रन्थालय की सुविधा के साथ-साथ संस्थान में भी ग्रन्थालय की सुविधा उपलब्ध है जिसमें 206 पुस्तकें एवं 3 पत्रिका रखे गये हैं संस्थान के विशाल शिक्षण और अनुसंधान गतिविधि को कवर करता है।

प्रबन्धशास्त्र संस्थान

किताब में अध्याय	20575
नई पुस्तको का संकलन	762
जर्नल/पीरियाडिकल्स	45
नये जर्नल/ प्रियोडिकल का संकलन	18 (नवीनीकरण)
इलेक्ट्रॉनिक संस्करण	98
पुस्तकें जारी की और परामर्श दिया	15800
लाइब्रेरी खुलने का समय	सुबह 9:00 बजे से सांय 7:00 बजे तक

कला संकाय

बंगाली विभाग का विभागीय पुस्तकालय है। इसमें लगभग 3500 पुस्तकों और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय है।

शिक्षा संकाय

संकाय के ग्रंथालय मे 19819 से अधिक पुस्तकें, 132 शब्दकोष, 347 शोध थीसिस, 1087 लघुशोध प्रबन्ध, 750 पत्रिकाएं एवं ऑन लाइन पत्रिकायें विद्यार्थियों, शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिये उपलब्ध हैं। इसके साथ ही लाइब्रेरी में 40 संगणक टर्मिनल विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं।

विधि संकाय

लॉ स्कूल के 1600 विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं शोध छात्रों की दृष्टि से एक बड़ा पुस्तकालय है। एल.एल.बी. के विद्यार्थी ऋण योजना के अधीन पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। इसका क्षेत्रफल 18700 वर्गफीट है। लगभग 250 छात्रों के बैठने की दृष्टि से एक बड़ा रीडिंग रूम यहाँ उपलब्ध है। पुस्तकालय ज्ञानार्थियों के लिए अपने खुले द्वार के साथ हमेशा उपस्थित है। लॉ स्कूल पुस्तकालय निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है –

पुस्तकालय संग्रह	**पुस्तकों की संख्या**
पुस्तकें	54,194
पीरियाडिकल्स (सजिल्द)	29,781

पीरियाडिकल्स (करेंट टाइटिल्स)	70
पीरियाडिकल्स (बनारस लॉ जर्नल से आदान-प्रदान द्वारा)	40 विदेशी, 152 भारतीय (कुल 192)
शोध प्रबंध एवं लघु शोध प्रबंध	1887
कुल	**86124**

दृश्य कला संकाय

कुल पुस्तकों की संख्या - 10042
कुल शोध पत्रिकाओं की संख्या - 462 (सजिल्द)
संकाय ग्रन्थालय में रिपोर्ट अवधि के दौरान सग्रंहीत पुस्तकों की संख्या - 865
रंगीन स्लाईड्स - 323
मूल ग्राफिक्स प्रिंट - 363
सामयिक जर्नल - 25

वाणिज्य संकाय

विभागीय पुस्तकालय एक उल्लेखनीय संख्या में किताबों के साथ समृद्ध हो गया है। कुल मिलाकर छात्रों के परामर्श के लिए किताबें 25393 वाणिज्य संघ पुस्तकालय से संबंधित किताबें इस आंकडे के साथ शामिल नहीं हैं।

मंच कला संकाय

मंच कला संकाय में स्थित संगीतशास्त्र में स्थित संगीतशास्त्र विभाग में लगभग 7500 दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाएं, पांडूलिपि, समसामयिक पत्रिकाएं हैं।

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

संकाय ग्रंथालय में लगभग 25,000 से भी अधिक पुस्तकों तथा सैकड़ों पाण्डुलिपियों का विशाल संग्रह है, संकाय के पंचांग अनुभाग द्वारा प्रतिवर्ष विश्वपंचांग का निर्माण एवं संपादन होता है, संकाय के प्रकाशन अनुभाग द्वारा महत्वपूर्ण संस्कृत गन्थों का प्रकाशन होता है। इस अनुभाग द्वारा 'संस्कृतविद्या' शोंध-प्रत्रिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष किया जाता है।

महिला महाविद्यालय

वर्तमान सत्र में बढ़ाई गई पुस्तकों की संख्या – 1308, जर्नल – 03 और पत्रिका 05।

(अ) किताबें - 55370
(ब) शोध पत्रिकायें - 03
(स) पत्रिकायें - 05 (अप्रैल से अक्टूबर)
(द) पत्रिकायें - 03 (नवम्बर से मार्च)
(ग) समाचार पत्र - 04 (अप्रैल से अक्टूबर)
(घ) समाचार पत्र - 04 (नवम्बर से मार्च)
(ङ) सीडी/डीवीडी - 100
(च) नक्शा - 100
(छ) जिल्ददार शोध पत्रिकायें - 790

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

नवीनतम उपलब्ध साहित्य, पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों के साथ राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर का ग्रंथालय छात्रों, अध्यापकों एवं परिसर के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इस ग्रंथालय में संगणक कक्ष वायरलेस अंतरजाल की सुविधा के साथ उपलब्ध है। पढ़ने और चर्चा हेतु छात्रों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग कक्ष की सुविधा उपलब्ध है। यह ग्रंथालय विद्यार्थी, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए शिक्षा का केन्द्र बिन्दु है। परिसर का यह ग्रंथालय मुख्य परिसर वाराणसी के केन्द्रीय ग्रंथालय के अधीन क्रियाशील है। ग्रंथालय का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों को किताबों, पत्र-पत्रिकाओं को ले जाने तथा समय से वापस करने एवं छायाप्रति की सुविधा उपलब्ध है।

- 31 मार्च 2019 तक कुल पुस्तकों की संख्या - 13,140 वौल्यूम्स
- इस सत्र में बढ़ी हुई पुस्तकों की संख्या - 238 वौल्यूम्स
- निर्गत की गई पुस्तकें - 33,400
- परामर्श की गई पुस्तकें - 44,485

संस्थानों, संकायों व महाविद्यालयों के पुस्तकालय

अनेक विभागों के पास छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उनके अपने पुस्तकालय हैं।

1. रसायन शास्त्र विभाग

पुस्तकें 7000

2. भौमिकी विज्ञान विभाग

पुस्तकें 4985
पीरियाडिकल्स 301

3. भूगोल विभाग

पुस्तकें 7930

4. भू-भौतिकी विभाग

पुस्तकें 2000

5. आणविक एवं मानव अनुवांशिकी विभाग

पुस्तकें 618

6. जन्तु विज्ञान विभाग

पुस्तकें 8860
जर्नल 380

7. सांख्यिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग) 400

8. जैव रसायन विभाग

पुस्तकें 1621

9. भौतिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग) 20000

10. गणित विभाग

पुस्तकें (लगभग) 5504
पीरियाडिकल्स 12
जर्नल (लगभग) 2535

11. वनस्पति विज्ञान विभाग

पुस्तकें	8860

12. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

पुस्तकें	2650
नई पुस्तकें	20

13. गृह विज्ञान विभाग

पुस्तकें	3000

14. इतिहास विभाग

पुस्तकें	3500

15. डी.एस.टी. - अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द

पुस्तकें	746
जर्नल	606

16. संगणक विज्ञान विज्ञाग

पुस्तकें	3662

17. आनुवांशिकी विकार केन्द्र

पुस्तकें	76

18. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

पुस्तकें	200

19. नेपाल अध्ययन केन्द्र

पुस्तकें	3500
जर्नल	1400

20. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन

पुस्तकें	12

21. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र

प्रपत्र	2000
समाचार पत्र	10
जर्नल	30

22. भारत कला भवन

किताब	22,899
पीरियाडिकल्स	6393
जर्नल	53

23. यू.जी.सी.-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

किताब	2000
जर्नल	07

24. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र

पुस्तकें	3000
नई पुस्तकें	568

जर्नल	01
पत्रिका	09
समाचार पत्र	08

25. सेंटर ऑफ फॉरेंसिक साइंस

पुस्तकें	35

26. समन्वित ग्रामिण विकास केन्द्र

पुस्तकें	3528

27. नर्सिंग कॉलेज (जर्नल 404)

पुस्तकें	107230

28. वैदिक विज्ञान केंद्र

पुस्तकें11521

सम्बद्ध महाविद्यालयों के पुस्तकालय

1. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज

पुस्तकें	36,053
जर्नल	08
समाचार पत्र	17
पत्रिका	23
बुक (बुक बैंक)	2010

2. वसन्ता महिला महाविद्यालय

पुस्तकें	43,656
जर्नल	42
पत्रिका	11
समाचार पत्र	11

3. वसन्त कन्या महाविद्यालय

पुस्तकें	27129
जर्नल	06
पत्रिका	20
समाचार पत्र	10

4. डी.ए.वी. पी.जी कॉलेज

पुस्तकें	46379
पीरियाडिकल्स	59

विद्यालयों के पुस्तकालय

1. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

पुस्तकें	10000

2. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वाय़ज स्कूल

पुस्तकें	40000
पुस्तकें	11521

2.1.7.यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1983 के अन्तर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज की स्थापना की। यहाँ शिक्षकों के लिए प्रथम पाठ्यक्रम 21.12.1987 से 6.2.1988 तक आयोजित किया गया था जिसमें 26 प्राध्यापकों ने भाग लिया। सन् 2015 से इसका नाम परिवर्तित कर यू.जी.सी-ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कर दिया गया है।

यू.जी.सी-एच.आर.डी.सी. का मुख्य कार्य है- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नव-नियुक्त अध्यापकों और प्रशासनिक अधिकारियों को दिशानिर्देशन पाठ्यक्रमों एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के द्वारा प्रशिक्षित करना। इसके अतिरिक्त यहाँ प्रशासकों के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। समय-समय पर संगोष्ठियाँ और विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के भाषण भी इस कॉलेज में आयोजित किये जाते हैं।

अब तक यहाँ 7 विशेष समर स्कूल, 6 विशेष विन्टर स्कूल, 9 एकेडेमिक एडमिनिस्ट्रेटर्स कार्यशाला, 11 प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम गैर शिक्षण कर्मचारियों हेतु, 3 प्रोग्राम शोधरत विद्यार्थियों हेतु, 85 दिशानिर्देशन, 4 फेकल्टी इंडक्शन प्रोग्रामएवं निम्नलिखत विषयों में 224 पुनश्चर्या कार्यक्रम (31 मार्च 2021 तक) आयोजित किये गये हैं : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, महिला अध्ययन, पत्रकारिता, तिब्बती अध्ययन, वाणिज्य, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, भौमिकी, भूगोल, समाज शास्त्र, गणित, विधि शास्त्र, अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, तुलनात्मक साहित्य, संगीत एवं गायन और सूचना एवं संचार तकनीक अनुप्रयोग।

यू.जी.सी-ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान वर्ष में 4 फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्रामऔर 3 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अन्तरविषयी पाठ्यक्रम सहित) आयोजित किए गए। जिनसे कुल 10734 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। इन कार्यक्रमों में देश के प्रमुख विषय विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जिनमें प्रमुख रूप से प्रो. पी. के. मिश्रा, कुलपति झारखण्ड तकनिकी विश्वविद्यिलय, प्रो एच.के. पाण्डेय,एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद, प्रो. डी.के. गुप्ता,केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, प्रो. मनीश कुमार वर्मात्र, बी.आर.अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, प्रो. राजीव चौधरी, पण्डित रवि शंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर, प्रो. रमेश सी. गौड, आई.जी.एन.ए. नई दिल्ली, डॉ. संजय कटारीय, वेन्नटे विश्वविद्यालय ग्रेटर नोयडा, यू.पी,डॉ. जे.एस. पाण्डेय, नीरी नागपुर प्रमुख है।

अन्य सुविधायें

यू.जी.सी-एच.आर.डी.सी. के व्याख्यान कक्ष और कालेज के अतिथि गृह को विश्वविद्यालय के सहयोग से आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है। व्याख्यान कक्ष वातानुकूलित है। फरवरी 2012 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बैंगलोर की टीम ने इसका निरीक्षण किया एवं कालेज के द्वारा आयोजित किए गए पाठ्यक्रमों एवं अन्य कार्यों की सराहना की तथा एक रिपोर्ट कालेज को और यू.जी.सी.,नई दिल्ली को प्रेषित की। 10 अगस्त 2020 कों विडियो-कान्फरेंसिंग के माध्यम से यू.जी.सी-एच.आर.डी.सी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का रिव्यू परफारमेंस यू.जी.सी.,नई दिल्ली को दिया गया जो सराहनीय रहा।

वर्तमान सत्र में संचालित किये गये पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
	फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम		
१.	प्रथम फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम	दिसम्बर 01.28.2020	39
२.	द्वितीय फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम	दिसम्बर 01.28.2020	39
३.	तृतीय फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम	फरवरी 26 से मार्च 25,2021	40
४.	चतुर्थफैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम	फरवरी 26 से मार्च2 5,2021	36

बहु/अन्तर्विषयी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम			
५.	सातवाँ (बहु-विषयी) ग्रीष्मकालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जनवरी 16-29, 2021	49
६.	छठा (बहु-विषयी) शीतकालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जनवरी 16-29, 2021	41
७.	पर्यावरण का १० वाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (बहु-विषयी)	फरवरी 10-23,2021	42
		योग	286
अन्य विभागों और एच.आर.डी.सी. के सहयोग से संचालित कार्यक्रम			
१.	इंडियन साईटेशन इंडेक्स, नई दिल्ली द्वारा आई.सी.आई.डाटाबेस पर आनलाइन नेशनल वर्कशाप	27 सितम्बर 2020	82
२.	नई शिक्षा नीति पर विश्वविद्यालय के कुलपतियों की आनलाइन मीटिंग	11 अक्टूबर 2020	37
		योग	119
		महायोग	**405**

2.1.8.मालवीय भवन

सिद्धाश्रम मालवीय भवन,राष्ट्र निर्माता एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक परमपूज्य पं. मदन मोहन मालवीय जी का पूर्व आवास होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय-परिसर का हृदय-स्थल एवं मुख्य स्मारक भवन भी है। यह 1961 में मालवीय-शताब्दी वर्ष के अवसर पर जनसाधारण के दर्शन हेतु खोल दिया गया था। स्मारक होने के साथ ही मालवीय-भवन मालवीयजी की शिक्षा उनके विचारों एवं अतिप्रिय विषयों पर शोध-कार्य के दायित्व का निर्वहन भी करता है। आज मालवीय भवन में निम्नलिखित प्रकल्प कार्यरत हैं -

1. योग साधना केन्द्र
2. गीता -समिति
3. गीता-योग पुस्तकालय
4. सभागृह एवं
5. मालवीय-मूल्य अनुशीलन केन्द्र

योग साधना-केन्द्र

सन् 1961 में महामना मालवीय जी के शताब्दी जन्मोत्सव के सुअवसर पर मालवीय भवन सामान्य लोगों के दर्शनार्थ लोकार्पित हुआ। जिसके प्रथम मानित निदेशक प्रो. टी.आर. अनन्तरमन जी बनाये गये, जो बाद में रेक्टर भी हुए। उनके सतप्रयास से सन् 1975 में वसन्त पंचमी के दिन योग साधना केन्द्र की स्थापना हुई। यह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में योग के प्रशिक्षण, निर्देशन और शोध कार्य की अन्तरानुशासनिक शैक्षणिक संस्था है और योग के क्षेत्र में विश्वविद्यालयपरिसर में होने वाली सभी गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु है। इस केन्द्र के द्वारा दो पाठ्यक्रम संचालित होते है।

१. योग में सर्टिफिकेट एवं

२. योग में डिप्लोमा

वर्तमान सत्र में उक्त पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या निम्नवत् है:

पाठ्यक्रम	पुरुष	महिला	कुल
सर्टिफिकेट कोर्स- योग	615	553	1168
डिप्लोमा- योग	108	101	209

वर्तमान सत्र में योग साधन केन्द्र के तत्वाधान में दो नयें प्रकल्प का शुभारम्भ हुआ। प्रथम प्रकल्प "स्वाध्याय तपश्चर्या" का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस बसन्त पंचमी 16 फरवरी 2021 को हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्वत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव आर्चाय कामेश्वर उपाध्याय विशिष्टातिथि एवं वक्ता रहे। मुख्यातिथि के रूप में संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष आर्चाय जयशंकर लाल त्रिपाठी जी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता योग साधना केन्द्र,के समन्वयक एवं मालवीय भवन के मानित निदेशक प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय ने की।द्वितीय प्रकल्प "धर-धर योगयज्ञायोजन" का शुभारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2021 को होना प्रस्तावित है।

गीता-समिति

दिनांक 25 दिसम्बर 2020 गीता जयन्ती के सुअवसर पर तथा भारतरत्न पं. मदनमोहन मालवीय एवं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयन्ती पर एकदिवसीय आन-लाइन व्याख्यान एवं सर्वभाषा- गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. गजेन्द्र पण्डा संस्कृत विभागाध्यक्ष एल.डी.आट्र्स कालेज, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद; प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, सम्पादक राष्ट्रधर्म लखनऊ, उत्तर प्रदेश तथा डॉ. ऊषा त्रिपाठी, सहायक आचार्य, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशिष्ट वक्ता रहे। मालवीय जयन्ती के सुअवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ,जिसमें संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के संकाय- प्रमुख प्रो. विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र द्वारा कथा वाचन किया गया।

महामना सभागार (सभागृह)

मलवीय भवन के सभागृह में विश्वविद्यालय के सभी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। अगस्त 2020 में मालवीय भावन के सभागृह में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व आयोजित हुआ। यह सभागृह नियमित रूप से योग से सम्बंधित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गीता योग व मूल्य शिक्षा से सम्बंधित व्याख्यानों तथा संगोष्ठियों के लिये उपयोग में लाया जाता है।

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र विगत कई वर्षो से उच्च शिक्षा के अन्तर्गत नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा हैं इस केन्द्र के संचालन हेतु स्वतंत्र भवन है।

2.1.9.भारत कला भवन

भारत कला भवन, कला और पुरातत्व का एक विश्वविद्यालयी संग्रहालय है जो भारतीय लघु चित्रों, पुरातत्व संबंधी निष्कर्षों, मूर्तियों, वस्त्रों और सिक्कों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ भारतीय साहित्य की हस्तलिखित पांडुलिपियों के संग्रह लिए प्रसिद्ध है। इस संग्रहालय में लगभग 1.05 लाख प्राचीन वस्तुएं हैं, जिनमे से प्रत्येक श्रेणी में केवल मास्टर पीस भूतल और पहली मंजिल पर स्थित विभिन्न 13 दीर्घाओं में प्रदर्शित हैं। बड़ी संख्या में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों और आगंतुकों के अलावा, संग्रहालय देश और विदेश के विद्यार्थोयो और शोधकर्ताओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। भारत कला भवन का अपना समृद्ध पुस्तकालय भी है जिसे कला और पुरातत्व के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ संदर्भित पुस्तकालयों में से एक माना जाता है।

मूल्यांकन सत्र के दौरान, यह संग्रहालय कोविड महामारी के कारण बंद रहा। हालाँकि, छवियों की बिक्री के माध्यम से संग्रहालय द्वारा लगभग 3500/- रुपये अर्जित किये गए।

2020-21 के दौरान संग्रहालय में गतिविधियाँ

सरकार द्वारा लागू किए गए कोविड 19 महामारी और लॉकडाउन नियमों के कारण संग्रहालय को बंद कर दिया गया था,हालांकि भारत कला भवन की अन्य गतिविधियों को जारी रखा गया था जो इस प्रकार हैं

- विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों आदि को लगभग 100 डिजिटल प्रिंट और संबंधित जानकारी प्रदान की गई है।
- दस्तावेज़ीकरण, फोटोग्राफी और वस्त्र एवं सजावटी कला वस्तुओं का भौतिक सत्यापन किया गया है।
- निधि गैलरी का आधुनिकीकरण और जीर्णोद्धार किया गया है। अधिक प्रदर्शनों के साथ नए शोकेस आगंतुकों को सम्मानित करने के लिए निधि गैलरी में प्रदर्शित किए जाते हैं।
- डेकोरेटिव आर्ट गैलरी का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण किया गया है।

उपलब्धियाँ

- राजघाट से मिले एक हाथी दांत की कंघी पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया जिसे भारतीय पुरातत्व सोसायटी,आई.एस.पी.क्यू.एस. और भारतीय ऐतिहासिक सोसायटी के 53 वे संयुक्त वार्षिक सम्मेलन के दौरान सजावटी कला संग्रह के तहत शामिल किया गया है।
- भारत कला भवन द्वारा शताब्दी वर्ष के अवसर पर “भारत कला भवन: सौ वर्ष का सफर” लेख लिखा गया जो "समाकालीन कला” (ललित कला प्रकाशन, नई दिल्ली) में प्रकाशित हुआ है।

2.2.दक्षिणी परिसर

दक्षिण परिसर,बरकछा,मिर्जापुर से 8 कि.मी. दक्षिण पश्चिम में स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय की एक शाखा है जो एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण लिए मालवीय जी की दृष्टि का विस्तार है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल 1971 में भारत मंडल ट्रस्ट से स्थायी पट्टे पर प्राप्त 1104 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रमुख संस्थान के रूप में विकसित किया गया है जो विंध्य क्षेत्र के अधिक से अधिक हिस्सों के विकास की दिशा में एक सर्वांगीण प्रयास कर रहा है। परिसर छात्रों के व्यापक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।निरंतर बातचीत और विकास के वातावरण में उनकी शैक्षणिक, सांस्कृतिक, शारीरिक और सामाजिक जरूरतों को संबोधित करते हुए उन्हें संपोषित करने की दिशा में काम करता है, जो मन और शरीर के संवर्धन के लिए अनुकूल है। संकाय सदस्य अपने सभी कौशल और ज्ञान का निवेश करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। परिसर न केवल उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम देने का प्रयास करता है बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों के सामान्य उत्थान के अलावा उत्कृष्ट और सफल पेशेवरों का उत्पादन करने का भी प्रयास करता है। परिसर वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी,स्मार्ट कक्षाओं के साथ-साथ अनुसंधान और विकास के लिए कार्यात्मक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान संकाय इस परिसर की एक और नयी पहचान है, जो शिक्षा और अनुसंधान से संबंधित सभी आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ भारत में पशु चिकित्सा शिक्षा के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

गतिविधियां

दक्षिणी परिसर के शिक्षको ने शिक्षण प्रौद्योगिकी के नए तरीके को अपनाया और संभावित छात्रों की बेहतरी के लिए ऑनलाइन माध्यम से काम किया। परिसर ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और वेबिनार का आयोजन किया गया। शैक्षणिक सत्र के इस महामारी वर्ष के दौरान दक्षिणी परिसर के संकाय सदस्यों ने अपने शिक्षण मॉड्यूल को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। परिसर ने कोविड प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए स्वतंत्रता दिवस, गाँधी जयंती और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्योहार भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। जन्माष्टमी, महामना दीपावली और सरस्वती पूजा जैसे अन्य त्योहार भी इस अवधि के दौरान कोविड प्रतिबंधों के कारण छोटे पैमाने पर मनाए गए। इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों, एन.एस.एस. इकाइयों, स्टाफ सदस्यों और परिसर के निवासियों द्वारा परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया।

जैसा कि हमारा परिसर मानवता की सेवा में विश्वास करता है, दक्षिणी परिसर के संकाय सदस्यों और एन.एस.एस. इकाई ने सामाजिक कर्तव्यो के प्रति अपनी जबरदस्त रुचि दिखाई। इस महामारी की अवधि के दौरान, उन्होंने स्थानीय समुदाय के लोगों को वायरस के खतरों, क्या करें और क्या न करें, स्वास्थ्य एहतियात और टीकाकरण अभियान और इसके महत्व के बारे में शिक्षित करके हर पहलू से मदद करने का प्रयास किया। विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन कर किसानों में वितरित भी किया गया।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं और अन्य सुविधाएं

- छात्रों के लिए आधुनिक सॉफ्टवेयर पैकेजों से सुसज्जित 22 कंप्यूटरों के साथ एक नई स्थापित केंद्रीकृत कंप्यूटर लैब।
- साउथ कैंपस में नवनिर्मित लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स जिसमे सभी आधुनिक सुविधाएं हैं जैसे एक सभागार, हर कक्षा में दीवार पर लगे प्रोजेक्टर, सुसज्जित प्रयोगशालाएं आदि।
- उच्च अंत सर्वर और परिष्कृत डिस्प्ले स्क्रीन के साथ परिसर में अध्ययन कर रहे एम.सी.ए. के छात्रों के लिए एक सुसज्जित और नेटवर्क वाली कंप्यूटर लैब।
- एम.बी.ए. एग्रीबिजनेस में अत्याधुनिक कंप्यूटरों के साथ एक कंप्यूटर लैब है और व्यापार संगठन में उपकरण, जिससे छात्रों को प्रबंधन सूचना प्रणाली और आई.टी. के विभिन्न पहलुओं को सीखने में मदद मिलती है।
- दक्षिणी परिसर में अनुसंधान सुविधाएं पर्याप्त आकार ले रही हैं। एम.सी.ए.,एम.एस.सी (टेक) पर्यावरण विज्ञान, बी.एससी (कृषि), एम.एस.सी. (कृषि) मृदा और जल संरक्षण, एग्रोफोरेस्ट्री और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जैसे पाठ्यक्रमो के अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप,निबंध और थीसिस कार्यों के लिए लैब सुविधाएं और रसायन प्रदान किया जा रहा हैं।
- एम.एस.सी (कृषि) पाठ्यक्रम में शोध कार्य के लिए लगभग 2 हेक्टेयर भूमि प्रदान की गई है। कृषि वानिकी के छात्र जिन पर कस्टर्ड सेब, अमरूद और एगल मार्मेलोस आधारित कृषि-बागवानी प्रणाली विकसित की गई है।
- एम.फार्मा पाठ्यक्रम के अनुसंधान कार्य (निबंध और थीसिस) के लिए एक सुसज्जित आयुर्वेदिक फार्मेसी प्रयोगशाला है।
- फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रोटरी इवेपोरेटर, इनक्यूबेटर, फर्नेस, आटोक्लेव, टैबलेट पंचिंग मशीन, टैबलेट पैकेजिंग मशीन, पिल मेकिंग मशीन, डिसइंटीग्रेशन टेस्टर, टैबलेट हार्डनेस टेस्टर, लैमिनार एयरफ्लो, यू.वी. चैंबर, कैप्सूल फिलिंग मशीन, टिश्यू होमोजेनाइजर, टिश्यू बाथ, प्रयोगशाला में इलेक्ट्रो कन्वल्सियोमीटर, डिस्टिलेशन असेंबली आदि उपलब्ध हैं।
- बी.एस.सी. (कृषि) और एम.एस.सी (कृषि) पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं, टिशू कल्चर बिल्डिंग और नए लेक्चर थिएटर बिल्डिंग में व्यावहारिक कक्षाएं और शोध कार्य करने के लिए उपलब्ध हैं। उपकरण अर्थात् क्षैतिज वैद्युतकणसंचलन इकाई, ऊर्ध्वाधर वैद्युतकणसंचलन इकाई, मिनिस्पिन, रेफ्रिजेरेटेड माइक्रोसेंट्रीफ्यूज, आइस फ्लेकिंग मशीन, वाटर बाथ, वोर्टेक्स, लैमिनार एयरफ्लो, थर्मल साइक्लर (पीसीआर मशीन), जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, ऑर्बिटल शेकिंग इनक्यूबेटर, डीप फ्रीजर, फ्लोर सेंट्रीफ्यूज, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप इन प्रयोगशालाओं में यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, वजन संतुलन, जेल ब्लॉटिंग उपकरण, नैनोड्रॉप,यू.वी. ट्रांसिल्यूमिनेटर, प्लांट ग्रोथ चैंबर आदि की सुविधा उपलब्ध है।
- छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए नई केंद्रीकृत प्रयोगशाला।
- परिसर को छात्रों और कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, कैंटीन सुविधा, दुकानों और पुस्तकालय जैसी आधुनिक बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली परियोजना प्रक्रियारत है।
- जल पुनर्भरण प्रबंधन और वर्षा जल संचयन के लिए नए चेक डैम और तालाबों का निर्माण किया गया है।

कृषि फार्म इकाई

कृषि फार्म इकाई परिसर में 2020-21 के खरीफ और रबी दोनों मौसमों के दौरान विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। खरीफ मौसम के दौरान, धान, मूंग और तिल जैसी फसलें उगाई गयी, जबकि रबी के दौरान गेहूं, जौ, सरसों, मसूर, मटर और चने की फसलें बीज उत्पादन के उद्देश्य से उगाई गयी। उत्पादित बीजों को मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय किसानों के बीच प्रसारित किया गया। इन क्षेत्रों में किसानों द्वारा उगाई जाने वाली सामान्य फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज प्रतिस्थापन को बढ़ावा देकर विंध्य क्षेत्र में आवश्यक बीज मांगों को पूरा करने और कृषक समुदाय की आजीविका बढ़ाने के लिए एक प्रभावी प्रयास किया गया।

2.3. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारके अंतर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

2.3.1. आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय, चेतगंज

2.3.2. वसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट

2.3.3. वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा

2.3.4. दयानंद पी.जी. महाविद्यालय, औसानगंज

2.3.1. आर्य महिला पी.जी. कालेज, चेतगंज

देश की शैक्षिक गतिविधियों को निरन्तर अग्रसर करने एवं कला,संस्कृति,ज्ञान-विज्ञान के धरोहर को विकसित करने तथा स्त्रियों को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से महर्षि ज्ञानानन्द जी की कर्मठ एवं सुयोग्य शिष्या श्रीमती विद्या देवी के योगदान से सन् 1956 में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी। आज इस महाविद्यालय में सुचारू रूप से स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं का अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य हो रहा है। काशी का यह प्रतिष्ठित प्राचीन संस्थान महर्षि ज्ञानानन्द जी द्वारा संस्थापित तथा श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् द्वारा संचालित है।

अपनी सभ्यता और संस्कृति के लिए विश्व विदित यह देश जहाँ प्राचीनता एवं नवीनता की आभा से निरन्तर विभूषित एवं गतिशील है वहीं अपनी शैक्षिक अस्मिता की पहचान विश्व पटल पर अंकित करता हुआ विश्व गुरू बनने के क्रम में अग्रसर है। संस्कृति और सभ्यता के बहुआयामी स्वर को विकसित करने में शैक्षणिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश के शैक्षिक गतिविधियों को निरन्तर अग्रसर करने एवं कला,संस्कृति,ज्ञान-विज्ञान के धरोहर को विकसित करने तथा स्त्रियों को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से महर्षि ज्ञानानन्द जी की कर्मठ एवं सुयोग्य शिष्या श्रीमती विद्या देवी के योगदान से सन् 1956 में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी। महाविद्यालय की प्रथम प्राचार्या सुश्री सुन्दरी बाई पाई के नेतृत्व में तथा आयुर्वेद रत्न पं. बृजमोहन दीक्षित के अभिभावकत्व में सन् 1958 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. तथा 1974 में शिक्षा शास्त्र ने स्थायी सम्बद्धता प्राप्त किया। आज इस महाविद्यालय में सुचारू रूप से स्नातक तथा स्नातकोत्कार कक्षाओं का अध्ययन - अध्यापन तथा शोध कार्य हो रहा है। काशी का यह प्रतिष्ठित प्राचीन संस्थान महर्षि ज्ञानानन्द जी द्वारा संस्थापित तथा श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् द्वारा संचालित है।

वर्तमान सत्र में परीक्षाफल का प्रतिशत

बी.ए. तृतीय वर्ष(कला वर्ग) 90.13%,बी.ए. तृतीय वर्ष (सामाजिकविज्ञान वर्ग) 83.54%, बी.काम. तृतीय वर्ष 100 %, बी.एड. 100 %, स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर 100 %, स्नातकोत्तर संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर 75%, स्नातकोत्तर अंग्रजी चतुर्थ सेमेस्टर 93.33 %, स्नातकोत्तर प्रा.भा.इ.सं.एवं पुरातत्व चतुर्थ सेमेस्टर 88.46 %, स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर 100 %, स्नातकोत्तर राजनीतिक विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर 96.87 %, स्नातकोत्तर समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर 86.66 %, स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर 84.84 %, स्नातकोत्तर इतिहास चतुर्थ सेमेस्टर 96.29 %, स्नातकोत्तर मनोविज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर 85.18 % ।

स्थापना दिवस समारोह

श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् द्वारा स्थापना दिवस समारोह 14 दिसम्बर को मनाया जाता है। जिसमें महापरिषद् द्वारा संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं की सहभागिता होती है।

शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियाँ

महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, शिक्षक दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजनोत्सव का आयोजन किया गया।

संस्कृत विभाग

- विभाग द्वारा "वैश्विक आपदा कोविड-19 के निवारण की दिशा में भारतीय शास्त्रों की अवधारणा" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण कार्यशाला (अन्तर्जलीय)" में व्याख्यान दिया गया।
- महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में डॉ. चन्द्रकान्ता राय, एसोसिएट प्रोफेसर, आ.म. पी.जी. कॉलेज ने "वर्तमान संकट के समाधान में भारतीय जीवन दर्शन" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. चन्द्रकान्ता राय ने गुरूकुल प्राकल्प (काशी प्रान्त) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "गुरूकुलशिक्षा : परम्परा एवं प्रगति" विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. चन्द्रकान्ता राय ने नंदी सेवा समिति, वाराणसी द्वारा आयोजित वेबिनार "डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय जी का रचनाकर्म और साहित्यिक अवदान" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. चन्द्रकान्ता राय ने स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के एन.सा.सा. यूनिट द्वारा आयोजित वेबिनार "नयी शिक्षा नीति : मुद्दे एवं चुनौतियाँ" विषय पर व्याख्यान दिया।
- राज्य हिन्दी संस्थान उ.प्र., वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत शिक्षण" विषय पर डॉ. चन्द्रकान्ता राय द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- विश्व संस्कृत कुटुम्बकम द्वारा आयोजित मार्गदर्शन कार्यक्रम (यू.जी.सी., नेट) के निमित्त्त "शुक्ल अथर्ववेदीय विशिष्ट सूक्तानां" विषय पर डॉ. चन्द्रकान्ता राय द्वारा व्याख्यान दिया गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

- विभाग द्वारा Cultural Heritage And Tourism In Post Covid विषय पर आर्य महिला पी.जी. कॉलेज प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा Archeology of Sacred Cities विषय पर प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग

- विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार "पैन्डेमिक एण्ड लार्ड बुद्धा" का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा "महात्मा गाँधी की दृष्टि में आधुनिक सभ्यता" विषय पर आनलॉइन व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दर्शन शास्त्र विभाग,आर्य महिला पी.जी. कॉलेज एवं बसन्ता कॉलेज फॉर वुमेन राजघाट,वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में "न्याय एवं योग के सन्दर्भ में ज्ञानमीमांसा" विषय पर छात्रा वार्तालाप का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा "राष्ट्रीय उत्थान में दर्षनशास्त्र की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- कॉलेज के ग्रीन सेल द्वारा `उल्लास' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय काव्य-गोष्ठीका आयोजन किया गया।
- भारतीय साहित्य एवं समाज विकास शिक्षा समिति,अम्बेडकर नगर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में "मेरा तिंरगा मेरा अभिमान"विषय पर व्याख्यान दिया गया।

अंग्रेजी विभाग

- विभाग द्वारा Teaching and Learning: Shifting Paradigms in Pedagogy Post COVID-19 विषय पर दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा Indian Scenario and COVID-19: The Marginalized and the Question of Survival विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा **How to write Research Paper and Synopsis** विषय पर छात्राओं के निमित्त्त का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए ऑनलाईन Induction Program का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा छात्राओं के निमित्त्त Physical Emotional and Mental Wellness of Youth विषय पर ऑनलाइन काउंसेलिंग का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा आ.म.पी.जी. कॉलेज,चेतगंज,वाराणसी एवं वसंता कॉलेज फॉर वुमेन के संयुक्त तत्वावधान में New Perspectives and Innovative Approaches to Research विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

किया गया।

हिन्दी विभाग

- महाविद्यालय की संस्थापिक पूजनीया विद्या देवी जी के आविर्भाव दिवस के उपलक्ष्य में "नई शिक्षा नीति और आधुनिक परिवेश" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. बृजबाला सिंह द्वारा वसंता कॉलेज फॉर वुमेन,राजघाट में "श्री अरविन्द का दर्शन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- विभाग द्वारा "शोध प्रविधि : समस्यायें एवं समाधान" विषय पर दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा "कोविड-१९ का संकट: शिक्षा की चुनौतियाँ" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा छात्राओं के निमित्त्ता "पर्यावरण संरक्षण एवं समाधान" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा बी.एच.यू. के पेज से "१८५७ की क्रांति हमारा इतिहास" विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा जनवादी लेखक संघ पश्चिम बंगाल के पेज से "पं. विद्या निवास मिश्र" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा अखिल भारतीय साहित्य परिषद् (काशी प्रांत) के पेज से "राम की शक्तिपूजा और निराला" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा शब्द साधक के पेज से "सुभद्रा कुमारी चौहान : झंकार भी मुकुल भी"विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा ज्ञानोदय महिला महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुचिता त्रिपाठी द्वारा पूर्णोदय महिला महाविद्यालय बच्छाँव, वाराणसी में "महिला सशक्तिकरण : भारतीय अवधारणा" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

गृहविज्ञान विभाग

- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, भारत विकास परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में "एनीमिया मुक्त भारत"विषय पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं यूनिसेफ की स्कीम अन्तर्गत हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया।
- "वर्ल्ड कंसुमर दिवस" के उपलक्ष्य में विभाग की छात्राओं द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किये गये।

संगीत विभाग (वादन)

- विभाग द्वारा भारत रत्न पं. रवि शंकर के शतवार्षिकी जयंती के अवसर पर "स्वरांजली" वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा निर्मित चित्रों और लेखों की ऑनलाईन प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी।
- विभाग द्वारा विश्व संगीत दिवस के अवसर पर "राग यमन के विविध रंग : संगीत शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में" वेब व्याख्यान आयोजित किया गया। आयोजन की मुख्य वक्ता डॉ. गीता सुधा भट्ट पारीक वरिष्ठ प्रवक्ता, राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर ने अपना प्रायोगिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संगीत विभाग (गायन)

- विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ममता सान्याल के द्वारा महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में **Challenges of New Role and Planning For Tomorrow Indias Fight Agains Covid-19** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. ममता सान्याल के द्वारा बसंता कॉलेज फॉर वुमेन में **Different Aspects of Music** विषय पर

आयोजित अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

- विभाग द्वारा Music Perspective, Trend and Impact on Society विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

- विभाग द्वारा आर्य महिला पी. जी. कॉलेज,वाराणसी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में **Agricultural Crises and Farm Bill 2020** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

समाजशास्त्र विभाग

- समाजशास्त्र विभाग द्वारा **Covid-19 and Lockdown : Challenges of Aspirants for Competitive Examination** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा Issues and Challenges To The Indian Society In Scenario of Covidविषय पर अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या को Global Trading Excellence Award से सम्मानित किया गया।

राजनीतिशास्त्र विभाग

- विभाग द्वारा Emerging Challenges in Indian Society and Politics With Reference to Covid-19 विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं के लिए ओरिएण्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- विभाग द्वारा बी.ए. सेमेस्टर प्रथम की छात्राओं के लिए ओरिएण्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- विभाग द्वारा **Sampling And Data Analysis Technique** विषयक व्याख्यान आयोजित किया गया। आयोजन की मुख्य वक्ता डॉ. रिचा सिंह, वसन्ता कॉलेज, राजघाट उपस्थित रहीं।
- विभाग द्वारा **Neurocognitive Rehabititation**विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इतिहास विभाग

- विभाग द्वारा **Pandemics in History: A Throwback** विषय पर अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग

- विभाग द्वारा **Finance Literacy With Reference to Stock Exchange and Mutual Funds in India** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

बी.एड विभाग

- विभाग द्वारा **Effective Teaching Learning With Digital Initiative at Secondary Level** विषय पर आर्य महिला पी.जी. कॉलेज,वसंता कॉलेज फॉर वुमेन, राजघाट के संयुक्त तत्तवावधान में पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- बी.एड विभाग और आर्य महिला पी.जी. कॉलेज तथा बी.एच.यू. के संयुक्त तत्तवावधान में Online Interdisciplinary Faculty Development Programme on NEP-2020 Teaching Learning and Research का आयोजन किया गया।

छात्र परिषद

महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष छात्र-परिषद् का गठन किया जाता है।

प्रकाशन

महाविद्यालय में प्रकाशित होने वाली पत्र-पत्रिकाओं का विवरण निम्नवत् है-

- न्यूज लेटर - प्रशिक्षण विभाग (बी.एड्.) समाचारपत्र
- दर्पण - महाविद्यालयीय समाचारपत्र
- सर्जना - महाविद्यालयीय वार्षिक पत्रिका (आई.एस.बी.एन. के साथ)
- क्रियेशन - महाविद्यालयीय वार्षिक शोध पत्रिका (आई.एस.एस.एन. के साथ)
- विमर्ष - दार्शनिक पत्रिका (दर्शन विभाग)

इग्नू

इग्नू सेन्टर महाविद्यालय में दिनांक 11.08.2011 को प्रारम्भ हुआ। इसके अन्तर्गत 10 पी.जी. प्रोग्राम.2 डिप्लोमा, 4 सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किये जाते है। विभिन्न कोर्सों के अन्तर्गत इस वर्ष 250 छात्राओं का पंजीकरण किया गया है।

जागृति सेन्टर

महाविद्यालय में छात्राओं के सुविधा को ध्यान में रखते हुए जागृति सेण्टर कार्यरत है, जिसमें समय समय पर कार्यशाला का आयोजन कर छात्राओं को लाभान्वित किया जाता है।

अन्त:संरचना सुविधा

महाविद्यालय में चार प्रयोगशालाएँ है जिनमें 1 मनोविज्ञान विभाग में, 3 गृह विज्ञान विभाग में (फूड एवं न्यूट्रीशियन, टेक्सटाइल एण्ड क्लाथिंग, होम मैनेजमेंट एक्टेंशन एजुकेशन) तथा 1 प्रशिक्षण विभाग में है।

महाविद्यालय में एक आडिटोरियम, स्टेज, खेल का मैदान, पुस्तक एवं पठन-पाठन सामग्री केन्द्र, छायाप्रति-सुविधा एवं जलपान गृह की सुविधा है। कम्प्यूटर प्रयोगशाला में 40 कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा से युक्त है। प्रोजेक्टर के माध्यम से प्राध्यापिकाओं को व्याख्यान आयोजित कराने के लिएपावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण तथा अन्य दृश्य-श्रव्य उपकरणों की सुविधाएँ भी इस महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की अन्य सुविधाओं के अन्तर्गत छात्राओं के लिए चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है जिसमें सप्ताह में 2 दिन छात्राओं के सामान्य चिकित्सीय परीक्षण के लिए योग्य चिकित्सक नियुक्त किये गये है। जिसमें नि:शुल्क दवा का वितरण होता है।

2.3.2. वसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट

वाराणसी के प्राचीनतम् शिक्षण संस्थानों में एक वसंत महिला महाविद्यालय, (स्थापित सन् 1913) विश्वविख्यात संस्था ''कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया'' जो शिक्षा के लिए समर्पित है, के संरक्षण में संचालित है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह संस्थान यूजीसी के अधिनियम 1956की धारा 2(एफ) एवं 12(बी) के तहत मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। महाविद्यालय ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की है। वर्तमान में यहाँ लगभग 2500 छात्र अध्ययनरत है। यह संस्था छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देती है ताकि उन्हें वर्तमान चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिल सके। महाविद्यालय में देश के विभिन्न राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश आदि से छात्राएं अध्ययनरत है।

नए पाठ्यक्रमों का संचालन/अनुमोदन

महाविद्यालय ने वर्तमान सत्र से (अ) ऑफिस मैनेजमेंट एंड बिजनेस कम्युनिकेशन (पार्ट टाइम) (ब) सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट (पाई टाइम) (स) माइक्रोफाइनेंस एंड एंटरप्रेन्योरशिप (पार्ट टाइम) (द) पीजी डिप्लोमा इन जेंडर एवं वीमेन स्टडीज (फुल टाइम) स्ववित्तपोषित डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू किया है।

शैक्षणिक सहभागिता

इस सत्र में, महाविद्यालय ने वसंत कन्या महाविद्यालय, डीएवी पीजी कालेज और आर्य महिला पीजी कालेज, वाराणसी के साथ शैक्षणिक संसाधनों के आदान-प्रदान, सम्मेलनों/कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में छात्राओं की भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापनों को फिर से नवीनीकृत किया। महाविद्यालय ने एक गैर सरकारी संगठन ''मासूम मुस्कान सोसाइटी'', वाराणसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा महाविद्यालय ने 24-25फरवरी 2022को वर्चुअल प्लेटफार्म पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **फ्यूचर ऑफ वीमेन 2022** के सहभागी आयोजक के रूप में इण्टरनेशनल इंस्टीट्शूट आफ नॉलेज मैनेजमेण्ट (प्रा.) लिमिटेड, श्रीलंका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

आई.एस.ओ. प्रमाणपत्र

महाविद्यालय को इस माह गुणवत्ता प्रबन्धन (आई.एस.ओ9001:2015),पर्यावरण प्रबन्धन (आई.एस.ओ14001:2015), एवं उर्जा प्रबन्धन (आई.एस.ओ50001:2018) प्रणाली के मानको पर खरा उतरने हेतु अंतराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आई.एस.ओ) द्वारा तीन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए है जो महाविद्यालय की एक विशिष्ट उपलब्धि है। आई.एस.ओ.प्रमाणपत्र किसी भी संस्थान / संगठन की कार्यप्रणाली की विश्वसनीयता, दक्षता एवं अंतराष्ट्रीय गुणवत्ता के मानदंडो हेतु प्रदान किया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी /कार्यशाला

- आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा वर्चुअल प्लेटफार्म पर ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संभावनाएं और चुनौतियां'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन
- आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा वर्चुअल प्लेटफार्म पर बौद्धिक संपदा अधिकार विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।
- आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षकों के लिए ''उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों को सलाह'' विषयक एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन।

- महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में 'महिलाओं के लिए कानूनी प्रावधान और सुरक्षात्मक उपाय' विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन कानूनी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन।
- प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा 'विरासत संरक्षण' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन।
- प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा 'ब्राह्मी लिपि का विकास' पर एक दिवसीय वर्चुअल वेबिनार का आयोजन।
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'डॉ. अम्बेकर की आर्थिक दृष्टि और वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता, विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।
- वाणिज्य विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से 'प्राथमिक बाजार और द्वितीयक बाजार का परिचय' विषयक एक दिवसीय अ नलाइन वेबिनार का आयोजन।
- हिन्दी विभाग द्वारा महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020भाषा एवं साहित्य शिक्षण के आयाम विषयक द्वि-साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।
- वाणिज्य विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से "वित्तीय प्रबंधन और निवेशक शिक्षा" पर एक दिवसीय निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा आर्य महिला पीजी कालेज, चेतगंज, वाराणसी के सहयोग से "अनुसंधान के नए परिप्रेक्ष्य और अभिनव दृष्टिकोण" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय अंतर्वैषयिक वेबिनार का आयोजन।
- शिक्षा विभाग द्वारा "तनाव प्रबंधन" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।
- राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'राजनीति में समकालीन बहस' विषयक सात दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन।
- महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा "जेंडर और मानव सुरक्षा पर पुनर्विचार: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय वेब टॉक का आयोजन।
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "लिंग समानता: वर्तमान परिदृश्य में कुछ सामाजिक प्रतिबिंब" विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुवल सम्मेलन का आयोजन।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा वर्चुअल प्लेटफार्म पर "अंतर की दुविधा: लिंग, शारीरिक राजनीति और नैतिकता में अनुसंधान परिप्रेक्ष्य" विषयक पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा संस्कृत विभाग के सहयोग से "आध्यात्मिकता और धर्म के सिद्धांत को समझने में कर्म की भूमि" विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।
- संगीत विभाग द्वारा "एस्पेक्ट्स, ट्रेट्स एंड ट्रेंड्स इन परफार्मिंग आर्ट्स: एक अवलोकन" विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन।
- अंग्रेजी विभाग एवं अन्तर्राष्ट्रीय एसोसियेशन फॉर सोशल साइंस एण्ड ह्यूमेनिटीस, श्री लंका के संयुक्त तत्वाधान में "महामारी/महामारी के हमले में संघर्ष और अस्तित्व के मानवतावादी प्रतिनिधित्व: साहित्यिक शैलियों से परे" विषयक पाँच दिवसीय आनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

शिक्षकों की गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ

- प्रो. अलका सिंह, अंग्रेजी विभाग को "वर्ल्ड कांग्रेस ऑन वोमेन" एवं गैर सरकारी संगठन "मासूम मुस्कान सोसायटी", वाराणसी द्वारा सलाहकार समिति का सदस्य और Research Today: An International Peer Reviewed Referred Research Jounral of Humanities and Social Sciences (आईएसएसएन संख्या: 2319-6947) में संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। आपको उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद द्वारा "पूर्वांचल रत्न अलंकरण पुरस्कार 2020" से सम्मानित किया गया।

- डॉ. बंदना झा, हिंदी विभाग को भारत के राष्ट्रपति द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य के रूप में अगस्त 2021से तीन साल के लिए नामित किया गया।
- डॉ. सुनीता आर्या, अंग्रेजी विभाग को एनसीसी अधिनियम 1949 18 (5) के अनुसार लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त किया गया।
- डॉ. रचना पांडे, अंग्रेजी विभाग ने 'आर्टिस्ट्स ऑन वर्क, आर्ट एंड सोसाइटा' विषयक अपने पेपर के लिए 25-26 फरवरी 2021 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "महिलाओं के भविष्य: वैश्विक आयाम, नई रणनीतियाँ और विजन", में सर्वश्रेष्ठ लेख का पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. आकांक्षी श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ पी.एच.डी. के लिए प्रो. काली प्रसाद स्मृति अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छात्राओं की उपलब्धियां

- हर्षिता जायसवाल, बीए (तृतीय वर्ष), ने 6वीं एशियाई योग स्पोर्ट्स चौंपियनशिप 2021 में पहली रैंक हासिल की और 26 जून 2021 को सिंगापुर में ऑनलाइन आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स कप 2021 में दूसरी रैंक हासिल की।
- जीनत कुरैशी, एमए (प्रथम वर्ष), प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व को द ब्लैक ट्रॉवेल कलेक्टिव माइक्रोग्रैंट्स (200 डॉलर), माइक्रोग्रांट्स 2020 से सम्मानित किया गया है।
- अंजलि वर्मा, मनोविज्ञान विभाग, को इंपैक्ट एनालिटिक्स में एचआर एसोसिएट के रूप में नियुक्त किया गया।
- रितिका रॉय, बीए, तृतीय वर्ष (अंग्रेजी ऑनर्स) को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएसएल) में प्रशिक्षु बीपीएस के रूप में 12 महीने के लिए रु. 10,250 के वजीफे पर चुना गया।
- सुनिधि शर्मा, बी.ए. (प्रथम वर्ष) ने उन्नत भारत अभियान में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और सुश्री अपूर्वा श्रीवास्तव, बीए (प्रथम वर्ष) ने वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- सुप्रिया त्रिपाठी, बीए (प्रथम वर्ष) ने उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग, वाराणसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- वैष्णवी सिन्हा, बी.कॉम, ने 'वर्तमान परिदृश्य में सुरक्षा और जागरूकता' पर प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्टता पुरस्कार जीता।
- श्रुति श्रीवास्तव, बी.कॉम, ने एलकॉम क्लब, इलेक्ट्रानिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, एम.जे.पी. रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।
- अन्वेषा, हर्षा रॉय, प्रिया एवं रितु दास, अंग्रेजी विभाग ने इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) 2021उत्तीर्ण की।

फेलोशिप/छात्रवृत्ति

शांति तथा विद्या फाउंडेशन, वाराणसी द्वारा महाविद्यालय के नौ छात्राओं को कुल रू.77,741 की फेलोशिप प्रदान की गयी एवं राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नईदिल्ली द्वारा संस्कृत विभाग के 12 छात्राओं को कुल रू. 48000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। निम्नलिखित शोध विद्वानों को विभिन्न राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों ने राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

क्रम सं०	शोधकर्ता का नाम	विषय	फैलोशिप विवरण	वित्तीय संस्था का नाम
१	अंजली वर्मा	मनोविज्ञान	डॉक्टोरल फैलोशिप	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
२	अनिता गुप्ता	हिन्दी	जूनियर रिसर्च फैलोशिप	यूजीसी, नई दिल्ली
४	लतेश कुंमारी	हिन्दी	जूनियर रिसर्च फैलोशिप	यूजीसी, नई दिल्ली

महाविद्यालय अपने संसाधनों/दान से प्राप्त धनराशि से जरूरतमंद मेधावी छात्राओं (स्नातक एवं परास्नातक) को छात्रवृत्ति प्रदान किया जिसका विवरण निम्न हैं -

क्र. सं.	छात्रवृत्ति का नाम	धनराशी	छात्रवृत्ति संख्या
1	अच्युत पटवर्धन छात्रवृत्ति	500/-प्रत्येक	89
2	वसंत महिला महाविद्यालय छात्रवृत्ति	5000/- प्रत्येक	23
3	मीनाक्षी कृष्णा छात्रवृत्ति	5000/- प्रत्येक	20
4	प्रेमा श्रीनिवासन छात्रवृत्ति	5000/- प्रत्येक	07
5	प्रकाश नारायण शुक्ला एवं माधुरी शुक्ला छात्रवृत्ति (अंग्रेजी की छात्राओ के लिए)	5000/- प्रत्येक	03
6	बी.एड. मेधावी छात्रा छात्रवृत्ति	2600/- प्रत्येक	02
7	डॉ. आशा रानी/डॉ. सरोज बागेश्वर छात्रवृत्ति (बी.एड.एवं एम.एड. के मेधावी छात्राओं हेतु)	5000/- प्रत्येक	02
8	दर साहब छात्रवृत्ति	500/- प्रत्येक	02
9	रॉय चौधरी छात्रवृत्ति	500/- प्रत्येक	01
10	गिरी छात्रवृत्ति	500/- प्रत्येक	01
11	जान्हवी वसुदेव छात्रवृत्ति	5000/- प्रत्येक	01

शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए सुविधा

यूजीसी और एमएचआरडी के निर्देशानुसार, कालेज में शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए व्हील चेयर, रैंप और लिफ्ट एवं शौचालय का निर्माण किया गया है साथ ही भूतल पर उनकी कक्षाओं का प्रबंधन करने का प्रयास किया गया है।

सौर संयंत्र

महाविद्यालय में 10 केवीए सोलर प्लांट लगाया गया है जो प्रशासनिक भवन को बिजली प्रदान करता है।

2.3.3. वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा

10 जुलाई1954 को डॉ. सी.पी. रामास्वामी अय्यर,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति के कर कमलो से स्थापित वसंत कन्या महाविद्यालय, एक स्नातकोत्तर संस्थान, ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ने के लिए समय की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। डॉ. एनी बेसेंट, महामना मदन मोहन मालवीय, डॉ. रोहित मेहता जैसे विभूतियो, जिन्होंने शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने और स्वतंत्रता को जिम्मेदारी से संतुलित करने का काम किया, के आदर्शो का अनुसरण करते हुए इस महाविद्यालय ने सफलता के नए आयामों को छुआ है। एक समग्र दृष्टिकोण के साथ इस कॉलेज ने "सेवा के रूप में शिक्षा" के आदर्श वाक्य को अपनाया है, ताकि यहाँ से निकले विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बनें और समुदाय की सेवा करने में सक्षम हों। इस महाविद्यालय की शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर कार्यक्रम युवा लड़कियों को हमेशा बदलते समाज की चुनौतियों का सामना करने, उन्हें समझने और उनका समाधान निकालने के लिए तैयार करते हैं।

खुले विचारों वाले प्रधानाध्यापकों के सक्षम प्रशासन के तहत अत्यंत कुशल, प्रतिबद्ध और योग्य शिक्षकों के एक समूह ने उन लक्ष्यों को प्राप्त करने का सफलतापूर्वक प्रयास किया है जिनके लिए कॉलेज की स्थापना की गई। वर्तमान में महाविद्यालय स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर कला और सामाजिक विज्ञान संवर्ग के 15 विषयों यथा अंग्रेजी, संस्कृत, हिंदी, दर्शन, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, संगीत (गायन), संगीत (वाद्य), चित्रकला, गृह विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र और भूगोल, के पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है

पी.एच.डी. स्तर पर पांच विषयों में नामांकन होता है जिसमे हिंदी,अंग्रेजी,गृह विज्ञान,मनोविज्ञान और समाजशास्त्र शामिल है। इस सत्र के दौरान स्नातकोत्तर स्तर पर प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, संस्कृत तथा स्नातक स्तर पर भूगोल के पाठ्यक्रमो की शुरुआत की गई। कॉलेज स्व-वित्तपोषण योजना-स्पोकन इंग्लिश और फैशन डिजाइनिंग के तहत दो सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाता है।

महाविद्यालय में 47 योग्य और सक्षम संकाय सदस्य हैं जिन्हें यू.जी.सी. के नियमावली एवं मानदंड के अनुसार नियुक्त किया गया है। जैसा कि उत्कृष्टता की खोज एक सतत प्रक्रिया है, महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर कार्यशालाएं, सेमिनार, व्याख्यान श्रृंखला, संकाय विकास कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं जो शिक्षकों के सूचना और दक्षता को उन्नत करते हैं। ऐसे सकारात्मक प्रयासों के परिणाम शिक्षण की गुणवत्ता में परिलिक्षित होते हैं।

दाखिला

महाविद्यालय भाग्यशाली है कि भारत के कई राज्यों से विद्यार्थी इसमें दाखिला लेते है क्योंकि इसमें प्रवेश काशी हिन्दू द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2020-2021 में, 1507 छात्रों को स्नातक पाठ्यक्रमों में और 484 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नामांकित किया गया। वर्तमान में महाविद्यालय में नामांकित शोधार्थियों की कुल संख्या 39 है। इस सत्र में मनोविज्ञान विभाग में 1 और गृह विज्ञान विभाग में 3 नए शोधार्थियों का नामांकन किया गया। समाजशास्त्र विभाग के दो शोधार्थियों को इस सत्र में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई।

शैक्षणिक गतिविधियां

शैक्षिक गतिविधियों और जीवन-कौशल कार्यक्रमों को नियमित रूप से चलाने के लिए कोविड 19 महामारी के दौरान, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के संचालन के लिए नवीन और आभासी प्लेटफार्मों का उपयोग किया गया।

विभिन्न समितियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम

आई.क्यू.ए.सी. और एन.ए.ए.सी.

- आई.क्यू.ए.सी.और एन.ए.ए.सी. द्वारा "एन.ए.ए.सी.की नई मूल्यांकन और प्रत्यायन नीति" पर 11 और 12 जून 2020 को एक ऑनलाइन "दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला" का आयोजन किया गया था।
- 16 और 17 मई 2020 को "कोविड-19 के बाद उच्च शिक्षा में चुनौतियां" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार" का आयोजन किया गया।
- गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 18 मई 2020 को "कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन का प्रबंधन" पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ई-एलुमनी मीट

6 जून 2020 कोएक अंतर्राष्ट्रीय ई-एलुमनी मीट का आयोजन किया गयाजिसमें विभिन्न विषयों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले कॉलेज के पूर्व छात्रों को आयोजन समिति द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

महिला अध्ययन प्रकोष्ठ "उड़ान"

21 से 25 जुलाई 2020 तक "घर में रहें,सुरक्षित रहें: नए सामान्य में लैंगिक समानता की खोज" विषयक सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

छात्रा सलाहकार और अनुशासन समिति

06.06.2020 को छात्र सलाहकार और अनुशासन समिति ने एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जहां छात्राओ को पोषण,मानसिक स्वास्थ्य और नौकरी के अवसरों के बारे में बताया गया।

उन्नत भारत अभियान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2014 में उन्नत भारत अभियान शुरू किया और 2018 में महाविद्यालय इससे जुड़ गया। कॉलेज द्वारा सामाजिक मुद्दों और गांवों के विकास पर जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज द्वारा गोद लिए गए पांच गांव बड़गांव, खुशीपुर, कुकरहा, बडियासनपुर और पहाड़ीगांव हैं।

छात्र केंद्रित गतिविधियां: सीखना और पढ़ना

सर्जना

सर्जना 2020-21 का आयोजन 21 से 25 फरवरी 2021 तक वर्चुअल मोड में किया गया। छात्रों ने निबंध लेखन, व्यवसाय योजना, कविता पाठ, भाषण, टर्नकोट, कार्टूनिंग, कोलाज, मेहंदी, पोस्टर-मेकिंग, फोटोग्राफी वृत्तचित्र, मुखर संगीत (शास्त्रीय और लोक), वाद्य संगीत, रंगमंच, रचनात्मक नृत्य, नृत्यकला, शास्त्रीय और लोक नृत्य सहित 15 विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। सरजना के विभिन्न कार्यक्रमों में कुल मिलाकर 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें भाग लेने को लेकर छात्राओं का उत्साह काबिले तारीफ था। इन सभी को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खेल

20 दिसंबर 2020 को इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें वसंत कन्या महाविद्यालय के कई छात्रों ने भाग लिया। निम्नलिखित छात्रों को विजेता घोषित किया गया।

- बीए पार्ट ।।। की गोल्ड-साक्षी गुप्ता
- सिल्वर-मनीषा मौर्य बीए पार्ट ।। और रितु जायसवाल बीए पार्ट ।।।

- कांस्य- अवंतिका मौर्य, कादम्बिनी कुमारी, खुशबू कुमारी, दीक्षा जायसवाल
- कोविड-19 महामारी के चलते प्रतिबंधों के कारण वार्षिक खेल कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था

कॉलेज के प्रख्यात आगंतुक

समय-समय पर प्रतिष्ठित अतिथियों ने कॉलेज का दौरा किया और छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ अपने बहुमूल्य विचार और अनुभव साझा किए, उनमें से कुछ प्रो. स्वर्ण सिंह, प्रो. ए. वैशम्पायन, प्रो. रवींद्र राणा, प्रो. कल्पना पांडे, प्रो. एससी शर्मा, प्रो. कृष्णकांत शर्मा, प्रो. सी.बी.शर्मा, प्रो. हर्ष वी. पंत आदि है।

नई अवसंरचना / परिसर विकास

थियोसोफिकल सोसायटी, भारतीय अनुभाग के परिसर में नई कक्षाओं को समायोजित करने के लिए कॉलेज का एक नया भवन बनाया गया है। इसमें 11 क्लासरूम, 3 लैब, 1 स्टाफ रूम, 4 स्टोर रूम हैं और यह एलिवेटर और स्टिल्ट पार्किंग की सुविधा से लैस है।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कक्षाएं संचालित की गईं और छात्रों के साथ समय-समय पर पी.डी.एफ., पी.पी.टी., यूट्यूब व्याख्यान आदि के रूप में ई-सामग्री साझा की गई।

शैक्षणिक सहयोग / एम.ओ.यू.

आपसी समझ को बढ़ावा देला, परामर्श,प्रशिक्षण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सहयोग के लिए वसंत कन्या महाविद्यालय, सोशल एक्शन एंड रिसर्च सेंटर (एस.ए.आर.सी.) और वसंत महिला कॉलेज, राजघाट, वाराणसी के बीच अगले तीन वर्षों के लिए दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

2.3.4. दयानंद पी.जी. महाविद्यालय, औसानगंज

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज की स्थापना सन् 1938में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मान्यता के साथ इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में हुई। इसके संस्थापक पं. रामनारायण मिश्र और गौरीशंकरने मदनमोहन मालवीय के महान शिक्षा संकल्प के उद्देश्य में भागीदारी करके बनारस शहर के हृदय स्थल में शिक्षण संस्थान की बुनियाद रखी ताकि शहर के भीतर शिक्षा संस्कृति को विस्तार मिले। यह संस्थान सन् 1947 में स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम को लागू किया, जिसे सन् 1954 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्थायी मान्यता मिली। प्रारम्भ में कला, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य पाठ्यक्रम में कक्षाएं संचालित होती रही। विश्वविद्यालय ने सन् 2008 में कॉलेज में सहशिक्षा और कुछ विषयों में एम.ए. की कक्षाओं सहित शोध की स्वी.ति प्रदान की। वर्तमान में नौ विषयों में एम.ए. पाठ्यक्रम एवं शोध की सुविधा उपलब्ध है। यह कॉलेज रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम के अन्तर्गत यू.जी.डी.सी.ए., ट्रेवल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, रिस्क एण्ड इंश्योरेन्स मैनेजमेण्ट, कम्यूनिकेटिव इंगलिश, प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता एवं साइकोथेरेपी काउंसिलिंग डिप्लोमा की कक्षाओं के द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारोपयोगी अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और सुदूर अरूणाचल प्रदेश, कश्मीर (लद्दाख) तक के विद्यार्थियों में ज्ञान चेतना के साथ सतत् सांस्.तिक चेतना का प्रवाह कर रहा है; राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की यह विविधता हमारी ताकत है।

प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यू.ई.टी., पी.ई.टी एवं सी.आर.इ.ए.टी.) के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों का मेरिट द्वारा चयन कर विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों का प्रवेशहोता है। महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्रों की परीक्षा एवं आकलन सम्बन्धित सभी नियमों का अनुपालन करता है।

उपलब्धियाँ एवं कार्यक्रम

(अ) छात्र एवं छात्राओं में विषय के ज्ञान को अद्यतन बनाने हेतु कालेज विषय के आधार पर क्वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष करता है। यह क्वेस्ट 03 श्रेणियों (बहुविकल्पि प्रश्न, विस्तृतउत्तरी प्रश्न औरक्विज सम्बन्धित प्रश्न एवं प्रेजेनटेशन) के आधार पर होता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर प्रोत्साहित करना एवं विशेष रूचि जागृत करने की कोशिश की जाती है, जिनका विवरण निम्नवत है

- ‘‘ऑनलाईन हिस्टक्वेस्ट’’ का आयोजन इतिहास विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, वाराणसी के द्वारा 27 मई, 2020 को किया गया।
- ‘‘ऑनलाईन कॉमक्वेस्ट’’ का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, वाराणसी के द्वारा 15-16जून, 2020 तक किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ

- ‘‘अल्पसंख्यक छात्रों का शैक्षिक सशक्तिकरण: चुनौतियाँ और सम्भावनाएं’’विषयकवर्चुअल व्याख्यानका आयोजन दिव्यांग कमेटी व आई.क्यू.ए.सी., डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।
- दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार ‘‘कोरोना आपदा: भारत में इसके सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम’’का आयोजन वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग., डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार ‘‘कोरोना-19 में मानसिक स्वास्थ्य और मुकाबले की रणनीतियाँ’’का आयोजन मनोविज्ञान विभाग., डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार ‘‘आपद धर्म : नैतिक अनिवार्यता और कोरोना-19’’का आयोजन दर्शनशास्त्र विभाग., डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।

- ऑनलाईन व्यापार योजना प्रतियोगिता (पोस्ट कोविड-19 के लिए बिजनेस-स्टार्ट-अप)का आयोजन वाणिज्य विभाग., डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।
- विभागीय संगोष्ठी ''नई शिक्षा नीति और वाणिज्य शिक्षा पर इसका प्रभाव''का आयोजन वाणिज्य विभाग., डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।
- कार्यशाला ''पोस्ट कोविड-19 के सन्दर्भ में उच्च शिक्षा में विकलांग व्यक्तियों के लिए चुनौतियाँ और अवसर''का आयोजन दिव्यांग कमेटी व आई.क्यू.ए.सी., डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा किया गया।

शोध सुविधाएं

- विद्यार्थियों की सुविधा के लिए वाणिज्य, मनोविज्ञान एवं प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग में एक उत्तम प्रयोगशाला उपलब्ध है।
- वाणिज्य, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, अंग्रेजी प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व एवं हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों हेतु स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा।
- वर्चुअल क्लास रूम की सुविधा।
- सभी पी.जी. विभागों एवं पुस्तकालय में कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की सुविधा।
- इनफ्लीबनेट (ई-मैंगजिन एवं जर्नल्स) की सुविधा।
- पुस्तकालय में लगभग 46,385 पुस्तकें तथा अनेक शोध एवं विषय से सम्बन्धित पत्रिकायें मंगवायी जाती है।
- सभी विभागों में अच्छी विभागीय पुस्तकालय की सुविधा है।
- अध्यापकों, शोध छात्रों एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अलग से बैठने की सुविधा पुस्तकालय में है।
- विद्यार्थियों के लिए फोटोकॉपी की सुविधा।
- एल.सी.डी. प्रोजेक्टर की सुविधा।
- स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों हेतु ई-लाइब्रेरी की सुविधा।
- महाविद्यालय शोधार्थियों के लिए अध्ययन अवकाश प्रदान करता है।

छात्र मंच

सभी विभागों द्वारा छात्रों के लिए 'क्वेस्ट' का आयोजन एवं विभागिय फोरम द्वारा विवाद इत्यादि का कार्यक्रम।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सभी विभागो के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस (05 सितम्बर, 2020) को आयोजन किया।

3. अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम

विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शिक्षण हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं :

अ. पोस्ट डॉक्टोरल उपाधि

1. डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी.)
2. डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट्.)
3. डॉक्टर ऑफ लॉ (एलएल.डी.)
4. विद्या वाचस्पति

ब. शोध उपाधियाँ न्यूनतम अवधि ३-वर्ष

1. डॉक्टर ऑफ फिलॉसॉफी (पीएच.डी.)
2. विद्यावारिधि/चक्रवर्ती (सं.वि.ध.वि.संकाय हेतु)

स. डॉक्टर ऑफ दर्शनशास्त्र

1. सबअल्टर्न स्टडीज़ में एम. फिल्.
2. संगीतशास्त्र में एमफिल्.
3. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास में एम.फिल्.

1. कला संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
शारीरिक शिक्षण स्नातक (बी.पी.एड्.)	2-वर्ष
कला स्नातकोत्तर (एम.ए.) :	2-वर्ष

1. अंग्रेजी
2. हिन्दी
3. संस्कृत
4. तेलुगू
5. जर्मन
6. फ्रेंच
7. नेपाली
8. बंगाली
9. उर्दू
10. फारसी
11. अरबी
12. पालि एवं बौद्ध अध्ययन
13. मराठी
14. भूगोल
15. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
16. भारतीय दर्शनशास्त्र एवं धर्म
17. गणित
18. सांख्यिकी
19. कला इतिहास
20. भाषा विज्ञान

21. दर्शनशास्त्र
22. गृह विज्ञान
23. चीनी
24. कन्नड़
25. रूसी

व्यावसायिक पाठ्यक्रम : **2-वर्ष**

1. जन-संचार में स्नातकोत्तर
2. शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी.एड्.)
3. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम्.लिब्.एण्ड आई.एससी.)
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी (पत्रकारिता)
5. एम.ए. इन म्यूज़ियोलॉजी
6. एम.ए. इन मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी एण्ड पैलियोग्राफी

एडवांस पी.जी. डिप्लोमा **1-वर्ष**

1. पुरातत्व विज्ञान
2. कला इतिहास
3. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति
4. अरबी
5. तेलुगू
6. हिन्दी
7. फ्रांसीसी अध्ययन
8. जर्मन
9. भारतीय दर्शनशास्त्र एवं धर्म
10. नेपाली
11. मराठी
12. फारसी
13. उर्दू
14. भारतीय भाषा (नेपाली में ब्रिज पाठ्यक्रम)
15. तेलुगू (ब्रिज पाठ्यक्रम)

स्नातक डिप्लोमा : 2-वर्ष

1. हिन्दी
2. तमिल
3. तेलुगू
4. रूसी
5. चीनी
6. मराठी
7. फ्रांसीसी
8. अरबी
9. फारसी
10. जर्मन अध्ययन
11. अंग्रेजी
12. कन्नड़

13. उर्दू
14. नेपाली
15. पाली
16. संस्कृत
17. इटालियन
18. स्पेनिश
19. प्राकृत
20. जापानी

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : 1-वर्ष

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. पर्शियन
4. उर्दू
5. अरबी
6. इटालियन
7. पाली
8. फ्रांसीसी (ब्रिज कोर्स)

विशेष पाठ्यक्रम: 2-वर्ष

1. पर्यटन एवं यात्राप्रबन्धनमें स्नातकोत्तर
2. कार्पोरेट कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर
3. कार्यालय प्रबन्धन एवं व्यवसाय संचार में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
4. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
5. भोजपुरी और जनपद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्वास्थ्य संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा2-वर्ष
6. हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1 वर्ष
7. भारतीय दर्शन और धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1 वर्ष
8. ट्रान्सलेशन स्किल फार वैरीड कम्पटेन्सीस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1 वर्ष
9. भोजपुरी भाषा में प्रवीणता प्रमाण पत्र 4 माह

2. सामाजिक विज्ञान संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा) 3-वर्ष

कला स्नातकोत्तर 2-वर्ष

1. अर्थशास्त्र
2. इतिहास
3. राजनीति विज्ञान
4. समाजशास्त्र
5. मनोविज्ञान

विशेष पाठ्यक्रम : 2-वर्ष

1. कार्मिक प्रबन्धन व औद्योगिक संपर्क में स्नातकोत्तर (एम पी एम आई आर)
2. समाज कार्य में स्नातकोत्तर
3. जन प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम. पी. ए.)
4. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर (एम. सी. एम. डी.)

5. एकीकृत ग्रामीण विकास और प्रबंधन में स्नातकोत्तर
6. एन्थ्रोपोलॉजी में कला स्नातकोत्तर
7. सामाजिक अनुकरण और समावेशी नीति में स्नातकोत्तर
8. उर्जा अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर
9. हेरिटेज मनैजमेंट में स्नातकोत्तर
10. अल्टरनेट डिस्प्यूट रिजोलूशन में डिप्लोमा
11. कार्पोरेट सोशल रिस्पान्सीविल्टी में एडवान्स डिप्लोमा
12. व्यावसायिक अर्थशास्त्र और प्रबंधन में स्नातकोत्तर
13. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
14. परामर्श एवं मनश्चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) 1-वर्ष
15. लिंग एवं महिला अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
16. काउन्सलिंग गाइडेन्स एवं साइकोलॉजीकल इन्टरवेंशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

3. विधि संकाय

विधि स्नातक (एलएल. बी.) 3-वर्ष

विधि स्नातकोत्तर (एलएल. एम.) 2-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम:

1. बी.ए.एल.एल.बी. 5-वर्ष
2. मानवाधिकारमेंविधि स्नातकोत्तर (एचआर.डीई.) 2-वर्ष
3. एल.एल.एम. पाठ्यक्रम 1-वर्ष
4. फोरेंसिक विज्ञान और चिकित्सा न्यायशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
5. टैक्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
6. जनसंचार और मीडिया कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोम 1-वर्ष
7. मानव संसाधन प्रबंधन, सेवा और औद्योगिक कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
8. कारपोरेट प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष

4. शिक्षा संकाय 2-वर्ष

1. शिक्षा स्नातक (बी.एड.)
2. शिक्षा स्नातक (बी.एड. विशेष)
3. शिक्षा स्नात्तकोत्तर (एम.एड.)
4. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.विशेष)

5.वाणिज्य संकाय

1. वाणिज्य स्नातक (बी. काम्. प्रतिष्ठा) 3-वर्ष
2. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम्. काम्.) 2-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम 2-वर्ष

1. एम.बी.ए. (फॉरेन ट्रेड)
2. एम.बी.ए. (रिस्क एण्ड इन्श्योरेंस)
3. एम.बी.ए. (फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट)

6. प्रबंध शास्त्र संकाय 2-वर्ष

1. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम. बी. ए.)
2. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन(इंटरनेशनल बिज़नेस) (एम. बी. ए.-आई.बी.)

विशेष पाठ्यक्रम 1-
वर्ष(अंशकालिक)

1. बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.बी.ए.)
2. माइक्रोफाइनेन्स एण्ड इन्टरप्रेन्योरशिप में डिप्लोमा
3. लेज़र एण्ड हॉस्पिटलिटी मैनेजमेन्ट में डिप्लोमा
4. हेल्थ केयर मैनेजमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
5. हेल्थ केयर मैनेजमेन्ट में प्रमाणपत्र 6 माह

7. विज्ञान संकाय

विज्ञान स्नातक (बी. एस.सी. प्रतिष्ठा)(गणित और जीव विज्ञान ग्रुप) 3-वर्ष

विज्ञान स्नातकोत्तर (एम. एससी.) 2-वर्ष

1. रसायन विज्ञान
2. वनस्पति विज्ञान
3. भूगर्भ विज्ञान
4. गणित
5. सांख्यिकी
6. भौतिकी विज्ञान
7. प्राणि विज्ञान
8. भूगोल
9. जैवरसायन
10. गृह विज्ञान
11. जैव प्रौद्योगिकी
12. संगणक विज्ञान
13. मनोविज्ञान
14. आणविक एवं मानव आनुवांशिकी
15. बायोइन्फार्मेटिक्स (केवल महिलाओं के लिए, म.म.वि.)
16. भू-भौतिकी विज्ञान में स्नातकोत्तर (टेक्.)(एम. एससी. टेक्.) 3-वर्ष
17. विज्ञान मे स्नातकोत्तर (टेक)(एम. एससी. टेक्.) 3-वर्ष
18. मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) 3-वर्ष

डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1-वर्ष

1. स्पेक्ट्रोस्कोपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. प्राकृतिक आपदा प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

सांख्यिकी विधि 1-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम 2-वर्ष

1. पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी.
2. अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एससी
3. सांख्यिकी और कम्प्यूटिंग में एम.एससी.
4. कम्प्यूटेशनल साइंस और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.एससी.
5. फोरेंसिक साइंस में एम.एससी.
6. रिमोट सेन्सिंग एण्ड जी.आई.एस. में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
7. जनसंख्या अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1-वर्ष
8. क्रोमोसोमल जेनेटिक एण्ड मोलेकुलर डायग्नोस्टिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) 1-वर्ष
9. साख्यिकी और कम्प्यूटिंग में डिप्लोमा 1-वर्ष

8. दृश्य कला संकाय

स्नातक ललित कला (बी.एफ.ए.) : 4-वर्ष

स्नातकोत्तर ललित कला (एम.एफ.ए.): 2-वर्ष

1. चित्र कला
2. अनुप्रयुक्त कला
3. प्लास्टिक कला
4. मृद्‌भाण्ड एवं मृतिका शिल्प
5. वस्त्र रूपांकन

विशेष पाठ्यक्रम : 1-वर्ष

1. चित्रकला में प्रमाण-पत्र
2. विज्ञापन एवं रूपांकन में प्रमाण-पत्र
3. मृद्‌भाण्ड एवं मृतिका शिल्प में प्रमाण-पत्र
4. मूर्तिकला में प्रमाण-पत्र

9. मंच कला संकाय

संगीत स्नातक (बी.म्यूज.) : 3-वर्ष

1. गायन
2. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातक (नृत्य में बी.पी.ए.) 3-वर्ष

1. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्‌यम्)

संगीत स्नातकोत्तर (एम.म्यूज.): 2-वर्ष

1. गायन
2. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातकोत्तर (एम.पी.ए.) 2-वर्ष

1. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्‌यम्)

मास्टर ऑफ म्युजिकोलॉजी: 2-वर्ष

1. म्युजिकोलॉजी

संगीत एवं नृत्य में *जूनियर डिप्लोमा:* ३-वर्ष

1. कंठ संगीत: हिन्दुस्तानी, कर्नाटक
2. वाद्य संगीत : (सितार/ वायलिन/ बांसुरी/ तबला/ कर्नाटक वीणा)
   अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -1
   आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -2
   इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -3

3. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)
   अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -1
   आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -2
   इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -3

   इस त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर अभ्यर्थियों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है :

   प्रथम वर्ष - कनिष्ठ प्रमाण-पत्र
   द्वितीय वर्ष - वरिष्ठ प्रमाण-पत्र
   तृतीय वर्ष - डिप्लोमा

   संगीतशास्त्र में सर्टिफीकेट कोर्स 1-वर्ष

10.संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा) : 3-वर्ष

आचार्य : 2-वर्ष

1. वेद-ऋग्वेद/यजुर्वेद (शुक्ल/कृष्ण)/सामवेद
2. धर्मागम
4. पुराणेतिहास और साहित्य (अलंकार प्रधान एवं काव्य प्रधान व नाट्य प्रधान)
5. ज्योतिष (गणित एवं फलित)
6. व्याकरण
7. मीमांसा
8. न्याय वैशेषिक
9. वेदान्त
10. जैन दर्शन
11. बौद्ध दर्शन
12. प्राचीन न्याय
13. सांख्य योग
14. धर्मशास्त्र

स्नातकोत्तर डिप्लोमा: आगमतंत्र 2-वर्ष

प्रमाण-पत्र: संस्कृत 1-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : 2-वर्ष

(अंशकालिक)

1. योग शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष में स्नातक डिप्लोमा
3. कर्म काण्ड में स्नातक डिप्लोमा — 1 वर्ष
4. ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र मे स्नातकोत्तर डिप्लोमा — 1 वर्ष
5. पाणिनी व्याकरण एवं संगणक भाषा विज्ञान में डिप्लोमा — 1 वर्ष
6. वैदिक विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स — 1 वर्ष
7. अनुप्रयूक्त व्याकरण में सर्टिफिकेट कोर्स — 1 वर्ष

11.चिकित्सा विज्ञान संकाय

स्नातक मेडिसिन औरस्नातक सर्जरी (एम.बी.बी.एस.) — $5^1/_2$-वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एम.डी.) — 3-वर्ष

1. नि:संज्ञा विज्ञान
2. जैव रसायन
3. जैव भौतिकी
4. त्वचा विज्ञान
5. रतिरोग विज्ञान एवं कुष्ठ
6. विधि चिकित्सा शास्त्र
8. चिकित्सा
9. बाल चिकित्सा
10. सूक्ष्म जीव विज्ञान
11. व्याधि विज्ञान
12. औषधि विज्ञान
13. कार्यिकी
14. निवारक एवं सामाजिक औषधि
15. मनोरोग विज्ञान
16. विकिरण निदान (विकिरण-निर्धारण)
17. विकिरण चिकित्सा और विकिरण औषधि
18. यक्ष्मा एवं श्‍वसन रोग विज्ञान

बैचरल ऑफ साइंस इन नर्सिंग — 4-वर्ष

इंटर्नशिप के साथ

मास्टर ऑफ सर्जरी (एम.एस.): — 3-वर्ष

1. शरीर रचना विज्ञान
2. नेत्र चिकित्सा
3. अस्थि रोग विज्ञान
4. कर्ण, नासा, कंठ विज्ञान
5. शल्य चिकित्सा
6. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

डाक्टोरेटस् मेडिसिनस् (डी.एम.): 3-वर्ष

1. तंत्रिकीय चिकित्सा
2. अंत:स्त्राव विज्ञान
3. जठरांत्र शोथ विज्ञान
4. हृदय रोग विज्ञान
5. वृक्क रोग विज्ञान

मैजिस्टर चिरूरगॉय (एम.सीएच.) : 3-वर्ष

1. तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा
2. प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
3. मूत्र रोग विज्ञान
4. बाल शल्य चिकित्सा
5. हृदय-लसिका एवं वक्षीय शल्य चिकित्सा

स्वास्थ्य सांख्यिकी में स्नातकोत्तर 2 वर्ष

प्रमाण पत्र

पेन एण्ड पैलिएटिव केअर में पोस्ट डॉक्टोरल
सर्टिफिकेट कोर्स 1 वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : 2-वर्ष

1. विगलन चिकित्सा (डायलिसिस) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. चिकित्सकीय तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (रेडियोथिरेपी)
3. प्रयोगशाला तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा $2^{1}/_{2}$ वर्ष

12. आयुर्वेद संकाय

स्नातक आयुर्वेदिक मेडिसिन औरसर्जरी (बी.ए.एम.एस.) $5^{1}/_{2}$-वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन-आयुर्वेद (एम.डी.आयु.): 3-वर्ष

1. मौलिक सिद्धान्त
2. द्रव्य गुण
3. रस शास्त्र
4. काय चिकित्सा
5. प्रसूति तंत्र (स्त्री रोग)
6. प्रसूति (कौमारभृत्य/बालरोग)

मास्टर ऑफ सर्जरी - आयुर्वेद *(एम.एस.आयुर्वेद):* 3 वर्ष

1. शल्य
2. शालक्य

आयुर्वेदिक फार्मास्युटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा(पी. जी. डी. आयु. पी.)*:* *2 वर्ष*

विशेष पाठ्यक्रम: 2 *वर्ष*

1. पंचकर्म चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

2. मातृक स्वास्थ्य देखभाल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.सी.(आर्युवेद)
3. क्षार कर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
4. विकिरण एवं छाया मेें स्नातकोत्तर डिप्लोमा
5. संज्ञाहरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डी.ए-ए.वाई)-निश्चेतन में डिप्लोमा-ए.वाई
6. अग्नि कर्मा और जालुका वाचरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
7. आयुर्वेद पेन मैेनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
8. मैटर्नल हेल्थ केयर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएमएचसी)
9. उपास्मि चिकित्सा में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
10. अपण़ प्रबंघन में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
11. आयुर्वेद पेन मैेनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
12. टेक्निकल असिस्टेट बाल पंचकर्म में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
13. प्रसव विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
14. आयुर्वेद में सर्टिफिकेट कोर्स 1-वर्ष
15. सी.सी.पी.आर और फस्ट एड ट्रनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स 6-माह
16. रसायन विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स 6- माह
17. वाजिकरण विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स 6- माह
18. भूत-विद्या विज्ञान (साइकोसोमेटिक डिसोर्डर्स) 6- माह
19. इंटिग्रेडेट मेंडिसिन सर्टिफिकेट कोर्स 6- माह
20. आयुर्वेद में इंट्रोडक्टरी कोर्स 2- माह

13. दंत संकाय

बेचलर आफ डेन्टल सर्जरी (बी.डी. एस.) 3-वर्ष

मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी (एमडीएस) 3-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : 2-वर्ष

1. डेन्टल मेकैनिक में स्नातक डिप्लोमा
2. डेन्टल हाइजेनिस्ट में स्नातक डिप्लोमा

14. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान 2-वर्ष

पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर

1. पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान
2. पारिस्थितिक विज्ञान
3. पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी

15. कृषि संकाय

स्नातक कृषि विज्ञान (बी.एससी.एजी.) 4-वर्ष

स्नातकोत्तर कृषि विज्ञान (एम.एससी.एजी.) : 2-वर्ष

1. शस्य विज्ञान
2. कृषि अर्थशास्त्र
3. पादप कार्यिकी
4. कीट विज्ञान एवं कृषि जन्तु विज्ञान
5. प्रसार शिक्षा
6. आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन

7. पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान
8. कवक एवं पादप रोग विज्ञान
9. उद्यान विज्ञान
10. मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र

विशेष पाठ्यक्रम : 2 वर्ष

1. कृषि व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर
2. एम.टेक्. इन् एग्रीकल्चरल इंजिनियरिंग (सॉइल एण्ड वाटर कन्जरवेशन इंज.)
3. एम.एससी. इन् फूड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी
4. बीज तकनीकी में डिप्लोमा 1-वर्ष

16.पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान संकाय

पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन में स्नातक $4^1/_2$-वर्ष

17. महिला महाविद्यालय

1. कला स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
2. विज्ञान स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
3. विज्ञान स्नातकोत्तर (गृह विज्ञान)	2-वर्ष
4. विज्ञान स्नातकोत्तर (बायोइन्फारमेटिक्स) (महिलाओं के लिए)	2-वर्ष
5. शिक्षा में स्नातकोत्तर	2-वर्ष
6. नृत्य में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (कथक, भरतनाट्यम्)	3-वर्ष

18. सम्बद्ध महाविद्यालय

1. आर्य महिला पी. जी. महाविद्यालय

1. कला स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
2. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
3. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.)	2-वर्ष
4. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.)	2-वर्ष

(क) संस्कृत
(ख)दर्शनशास्त्र
(ग) हिन्दी
(घ) प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व
(च) अंग्रेजी
(छ) बंगाली

5. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में 2-वर्ष

(क) मनोविज्ञान
(ख) इतिहास
(ग) राजनितिशास्त्र
(घ) समाजशास्त्र
(च) अर्थशास्त्र

2.वसन्त कन्या महाविद्यालय

1. कला स्नातक (प्रतिष्ठा)	3-वर्ष
2. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.)	2-वर्ष

(क) हिन्दी
(ख) अंग्रेजी
(ग) गृह विज्ञान

3. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में 2-वर्ष

(क) मनोविज्ञान
(ख) अर्थशास्त्र

4. स्पिकिंग इंग्लिश में 6 माह का प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

3.वसन्त महिला महाविद्यालय (राजघाट)

1. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) 3-वर्ष
2. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) 3-वर्ष
3. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.) 2-वर्ष
4. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.) 2-वर्ष
5. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) 2-वर्ष

(क) अंग्रेजी
(ख) भूगोल
(ग) हिन्दी

6. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में 2-वर्ष

(क) मनोविज्ञान
(ख) अर्थशास्त्र
(ग) इतिहास
(घ) समाजशास्त्र

7. पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में 1 वर्षीय पूर्णकालिक प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

4. दयानन्द पी. जी. महाविद्यालय *(डी. ए. वी. डिग्री कालेज)*

1. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) 3-वर्ष
2. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) 3-वर्ष
3. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम. काम.) 2-वर्ष
4. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) 2-वर्ष
   (क) अंग्रेजी
   (ख) हिन्दी
5. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में 2-वर्ष
   (क) अर्थशास्त्र
   (क) राजनीति शास्त्र
   (ख) मनोविज्ञान
   (ग) समाजशास्त्र
   (घ) अर्थशास्त्र
   (च) इतिहास
6. पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम - 1 वर्षीय पूर्णकालिक

19. दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर

अध्ययन हेतु नियमित पाठ्यक्रम

1. शिक्षा संकाय

शिक्षा स्नातक (बी.एड्.)(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत-स्नातक प्रवेश परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों द्वारा)	2-वर्ष
2. आयुर्वेद संकाय	
बी.फार्मा. (आयुर्वेद)	4-वर्ष
एम. फार्मा. (आयुर्वेद)	2-वर्ष
3. विज्ञान संकाय	
मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत)	3-वर्ष
4. वाणिज्य संकाय	
स्नातक वाणिज्य (प्रतिष्ठा) (पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत)	3-वर्ष

अध्ययन के विशेष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत

1. कला संकाय	2-वर्ष
1. पर्यटन और यात्रा प्रबन्धन में एम.ए.	
2. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
3. भ्रमण प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक)	1-वर्ष
4. पीजी डिप्लोमा इन जर्नलिस्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन	1-वर्ष
2. प्रबन्ध शास्त्र संकाय	
कृषि व्यवसाय में एम.बी.ए. (पूर्ण कालिक)	2-वर्ष
3. वाणिज्य संकाय	
वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) (फाइनेंशियल मार्केट मैनेजमेंट)	3-वर्ष
4. कृषि संकाय	2-वर्ष
1. बी.एस.सी. (कृषि)	
2. एम.एससी. (कृषि) एग्रोफोरेस्ट्री	
3. एम.एससी. (कृषि) मृदा और जल संरक्षण	
4. एम.एससी. इन प्लान्ट बायोटेक्नोलॉजी	
5. सामाजिक विज्ञान संकाय	1-वर्ष
परामर्श और मनश्चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक)	
6. दृश्य कला संकाय	
1. टेक्सटाइल डिजाइन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1-वर्ष
2. टेक्सटाइल डिजाइन में प्रमाण पत्र ६-माह	
7.पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	
पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी(पर्यावरण प्रोद्यौगिकी)	2-वर्ष

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

कला संकाय	3-वर्ष
1. खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक	
2. अतिथि एवं पर्यटन प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक	

3. फैशन डिजाइनिंग एण्ड इवेंट मैनेजमेंट में व्यावसायिक स्नातक
4. आधुनिक कार्यालय प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक
5. खाद्य प्रंसस्करण और प्रबधन में व्यावसायिक स्नातक
6. मेडिकल लैब तकनीक में व्यावसायिक स्नातक
7. खुदरा प्रंबधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर २-वर्ष
8. अतिथि एवं पर्यटन प्रंबधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर 2-वर्ष
9. खाद्य प्रंसस्करण और प्रबधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर 2-वर्ष
10. चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी) 2-वर्ष

4. प्रदत्त उपाधियाँ / सनद / प्रमाण पत्र

1. कृषि विज्ञान संकाय

बी.एससी.(एजी.)	165
एम.एससी.(एजी.)/एम.एससी.	233
पीएच.डी.	49
बी.एससी.पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन	14

2. चिकित्सा विज्ञान संकाय

एम.बी.बी.एस.	79
एम.डी.	104
एम.एस.	50
डी. एम.	11
एम. सीएच.	9
बी.एससी. नर्सिंग	1
एम.एससी. (स्वास्थ्य सांख्यिकी)	12
योग में डिप्लोमा	160
पीएच.डी.	22

3. आयुर्वेद संकाय

बी.एन.वाई.एस.	9
बी.ए.एम.एस.	58
एम.डी. (आयुर्वेद)	25
एम.एस. (आयुर्वेद)	11
बी. फार्म.(आयुर्वेद)	16
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15
पीएच.डी.	55

4. दन्त चिकित्सा संकाय

बी.डी.एस.	44
एम.डी.एस.	12
पीएच.डी.	01

5. पर्यावरण एवं धारणीय विकास संकाय

एम.एससी. (टेक.)	45
पीएच.डी.	09

6. कला संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	1734
व्यावसायिक स्नातक	152
एम.ए.	1298
एम.पी.एड.	50
बी.पी.एड.	60
एम.लिब. और सूचना विज्ञान	30
व्यावसायिक स्नातकोत्तर	126
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	160
स्नातक डिप्लोमा	311

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	400
पीएच.डी.	190
डी.लिट्.	01

7. सामाजिक विज्ञान संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	1551
एम.ए.	1007
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	200
पीएच.डी.	113
एम.फिल.	06

8. विज्ञान संकाय

बी.एससी. (प्रतिष्ठा)	823
एम.एससी./एम.एससी. (टेक्.)	752
प्रमाण-पत्र डिप्लोमा	40
पीएच.डी.	116

9. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

एम.बी.ए.	54
एम.आई.बी.ए.	50
एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय)	45
डिप्लोमा	78
पीएच.डी.	13

10. वाणिज्य संकाय

बी.काम्. (प्रतिष्ठा)	734
बी.काम्. (एफ.एम.एम.)	94
एम.काम्.	214
एम.बी.ए. (एफ.एम.)	50
एम.बी.ए. (एफ.टी.)	28
एम.बी.ए.(आर .आई.)	33
डिप्लोमा	50
पीएच.डी.	18

11. शिक्षा संकाय

बी.एड्.	172
बी.एड्. (विशेष)	27
एम.एड्.	63
एम.एड्.(विशेष)	10
पीएच.डी.	23

12. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा)	195
आचार्य	96
स्नातक डिप्लोमा	30
चक्रवर्ती	50
डी.लिट्.	01

13. **दृश्य कला संकाय**

बी.एफ.ए.	72
एम.एफ.ए.	71
प्रमाण पत्र डिप्लोमा	27
पीएच.डी.	08

14. **मंच कला संकाय**

बी.म्यूज./बी.पी.ए.	73
एम.पी.ए.	63
पीएच.डी.	20

15. **विधि संकाय**

एलएल.बी. (प्रतिष्ठा)	197
एलएल.एम.(सामान्य)	42
एलएल.एम (एचआरडीई)	13
एलएल.एम.(एक वर्ष)	19
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	130
पीएच.डी.	12
बीए.एलएल.बी.(प्रतिष्ठा)	67

4.1. छात्र-छात्राओं की संख्या

विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों/संकायों/महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	संकाय/महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1.	कृषि विज्ञान संकाय	371	259	630
2.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	68	5	73
3.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	33	55	88
4.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	225	201	426
5.	आयुर्वेद संकाय	103	99	202
6.	दन्त विज्ञान संकाय	33	54	87
7.	कला संकाय	2344	1108	3452
8.	वाणिज्य संकाय	638	412	1050
9.	शिक्षा संकाय	194	119	313
10.	विधि संकाय	512	233	745
11.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	158	93	251
12.	मंच कला संकाय	293	314	607
13.	विज्ञान संकाय	1683	857	2540
14.	सामाजिक विज्ञान संकाय	1156	508	1664
15.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	171	49	220
16.	दृश्य कला संकाय	112	134	246
17.	महिला महाविद्यालय	0	982	982
	सम्पूर्ण योग	**8094**	**5482**	**13576**

सम्बद्ध महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	सम्बद्ध महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1.	वसंत कन्या महाविद्यालय	7	870	877
2.	आर्य महिला पी.जी. कॉलेज	2	1159	1161
3.	वसन्त महिला महाविद्यालय	14	1310	1324
4.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	1965	245	2210
	सम्पूर्ण योग	**1988**	**3584**	**5572**

विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	योग
1.	सेन्ट्रल हिन्दू ब्वॉएज् स्कूल	556
2.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	501
3.	श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय	153
4.	सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल (बरकच्छा)	40
	सम्पूर्ण योग	**1250**

नवपंजीकृत विदेशी छात्र एवं छात्राएँ

क्र. सं.	देश का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1.	अफ्गानिस्तान	3	0	3
2.	अमेरिका	1	1	2
3.	बांग्लादेश	8	3	11
4.	केप वर्ड	1	0	1
5.	कम्बोडीया	5	1	6
6.	डेनमार्क	1	0	1
7.	ईरान	1	0	1
8.	इटली	1	0	1
9.	मालदीव	1	0	1
10.	मॉरिशस	0	1	1
11.	म्यानमार	3	0	3
12.	नेपाल	41	18	59
13.	ओमान	0	1	1
14.	पोलैंड	1	0	1
15.	रूस	1	1	2
16.	दक्षिण कोरिया	0	1	1
17.	श्रीलंका	6	0	6
18.	थाईलैंड	1	0	1
19.	तिब्बत	9	4	13
20.	जॉर्डन	0	2	2
	योग	**84**	**33**	**117**

वर्गानुसार और संकायानुसार सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	संकायों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1.	कृषि विज्ञान संकाय	582	329	911	156	67	223	55	44	99	456	190	646	82	24	106	1331	654	1985
2.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	33	6	39	22	3	25	8	2	10	81	10	91	0	0	0	144	21	165
3.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	37	65	102	21	9	30	2	4	6	29	19	48	0	0	0	89	97	186
4.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	481	383	864	96	98	194	44	33	77	219	144	363	7	12	19	847	670	1517
5.	आयुर्वेद संकाय	181	207	388	50	44	94	16	17	33	128	89	217	0	0	0	375	357	732
6.	दन्त विज्ञान संकाय	57	75	132	23	25	48	8	5	13	39	58	97	0	0	0	127	163	290
7.	कला संकाय	2521	1202	3723	686	314	1000	289	145	434	1900	843	2743	50	29	79	5446	2533	7979
8.	वाणिज्य संकाय	622	493	1115	258	84	342	119	54	173	496	288	784	28	25	53	1523	944	2467
9.	शिक्षा संकाय	159	102	261	62	23	85	14	16	30	128	101	229	3	2	5	366	244	610
10.	विधि संकाय	680	258	938	142	40	182	47	30	77	362	147	509	7	3	10	1238	478	1716
11.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	203	91	294	28	28	56	13	7	20	110	40	150	1	3	4	355	169	524
12.	मंच कला संकाय	401	476	877	111	75	186	22	35	57	239	217	456	5	6	11	778	809	1587
13.	विज्ञान संकाय	1913	1012	2925	505	205	710	208	98	306	1215	460	1675	40	12	52	3881	1787	5668
14.	सामाजिक विज्ञान संकाय	1428	573	2001	385	148	533	166	72	238	868	323	1191	25	14	39	2872	1130	4002
15.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	1004	81	1085	8	4	12	7	3	10	57	40	97	2	0	2	1078	128	1206
16.	दृश्य कला संकाय	101	137	238	80	38	118	23	19	42	181	136	317	11	5	16	396	335	731
17.	महिला महाविद्यालय	0	1374	1374	0	342	342	0	156	156	0	729	729	0	5	5	0	2606	2606
	सम्पूर्ण योग	**10403**	**6864**	**17267**	**2633**	**1547**	**4180**	**1041**	**740**	**1781**	**6508**	**3834**	**10342**	**261**	**140**	**401**	**20846**	**13125**	**33971**

वर्गानुसार और सम्बद्ध महाविद्यालयों के सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	महाविद्यालयों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1.	वसंत कन्या महाविद्यालय	2	858	860	2	259	261	1	65	66	2	774	776	0	0	0	7	1956	1963
2.	आर्य महिला पी.जी कॉलेज	1	1383	1384	0	421	421	0	129	129	0	950	950	0	0	0	1	2883	2884
3.	वसन्त महिला महाविद्यालय	4	1238	1242	4	314	318	0	81	81	5	942	947	0	0	0	13	2575	2588
4.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	2712	354	3066	360	40	400	159	18	177	714	133	847	0	0	0	3945	545	4490
	सम्पूर्ण योग	**2719**	**3833**	**6552**	**366**	**1034**	**1400**	**160**	**293**	**453**	**721**	**2799**	**3520**	**0**	**0**	**0**	**3966**	**7959**	**11925**

5. मानव संसाधन की रूपरेखा

अध्यापकों की संख्या

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय सहित संस्थानों व संकायों में विभिन्न पदों के शिक्षक सदस्यों की संख्या इस प्रकार रही :

आचार्य और उनके समकक्ष (स्तर- *V*)

संकाय/ संस्थान	पुरुष							महिला							कुल योग						
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.
चि.वि.सं.	124	15	3	3	3	0	0	30	4	0	1	0	0	0	154	19	3	4	3	0	0
कृ.वि.सं.	61	4	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	63	4	0	1	0	0	0
कला	76	2	0	0	4	0	0	19	1	0	0	0	0	0	95	3	0	0	4	0	0
विज्ञान	121	12	2	2	2	0	0	14	1	1	0	0	0	0	135	13	3	2	2	0	0
सामाजिक वि.	26	5	0	0	0	0	1	14	0	0	0	0	0	0	40	5	0	0	0	0	1
सं.वि.ध.वि.	25	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	25	0	0	0	0	0	0
संगीत एवं मंच कला	5	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	8	1	0	0	0	0	0
दृश्य कला	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0
वाणिज्य	17	2	1	0	1	0	0	2	0	0	0	0	0	0	19	2	1	0	1	0	0
विधि	15	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	16	1	0	0	1	0	0
प्रबन्ध शास्त्र	12	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12	1	0	0	0	0	0
शिक्षा	4	3	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0	9	3	0	0	0	0	0
म.महा.वि.	5	1	0	0	0	0	0	26	0	0	0	1	0	0	31	1	0	0	1	0	0
प.एवं स. वि.सं.	4	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	**498**	**46**	**6**	**6**	**11**	**0**	**1**	**117**	**7**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**615**	**53**	**7**	**7**	**12**	**0**	**1**

एसोसिएट प्रोफेसर (स्तर-IV)

संकाय/ संस्थान	पुरुष							महिला							कुल योग						
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.
चि.वि.सं.	36	3	2	13	0	1	0	19	6	3	4	0	0	0	55	9	5	17	0	1	0
कृ.वि.सं.	7	4	2	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	8	4	2	0	0	1	0
कला	7	2	1	1	1	0	0	8	2	1	1	0	0	0	15	4	2	2	1	0	0
विज्ञान	16	5	2	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0	21	5	2	0	0	0	0
सामाजिक वि.	3	1	0	1	0	0	0	2	1	0	1	0	0	0	5	2	0	2	0	0	0
सं.वि.ध.वि.	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	7	0	0	0	0	0	0
संगीत एवं मंच कला	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0
दृश्य कला	4	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0	0	0
वाणिज्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विधि	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0
प्रबन्ध शास्त्र	3	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	0
शिक्षा	2	1	1	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	5	1	1	0	0	0	0
म.महा.वि.	2	1	1	0	0	0	0	8	3	0	0	0	0	0	10	4	1	0	0	0	0
प.एवं स. वि.सं.	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	90	18	9	15	1	2	0	52	12	4	6	0	0	0	142	30	13	21	1	2	0

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-III)

संकाय/ संस्थान	पुरुष							महिला							कुल योग						
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.
चि.वि.सं.	3	0	0	2	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	3	1	0	3	0	0	0
कृ.वि.सं.	3	4	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	4	3	0	0	0	0
कला	6	1	0	1	1	0	0	2	0	0	0	0	0	0	8	1	0	1	1	0	0
विज्ञान	2	1	1	0	1	0	0	4	0	0	0	0	0	0	6	1	1	0	1	0	0

सामाजिक वि.	3	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4	1	0	1	0	0	0
सं.वि.ध.वि.	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
संगीत एवं मंच कला	2	1	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	4	1	0	1	0	0	0
दृश्य कला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वाणिज्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विधि	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0
प्रबन्ध शास्त्र	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
शिक्षा	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
म.महा.वि.	0	1	0	0	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	2	3	0	0	0	0	0
प.एवं स. वि.सं.	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	**24**	**9**	**5**	**5**	**2**	**0**	**0**	**12**	**4**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**36**	**13**	**5**	**6**	**2**	**0**	**0**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-II)

संकाय/ संस्थान	**पुरुष**							**महिला**							**कुल योग**						
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.
चि.वि.सं.	5	1	1	4	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	5	2	2	4	0	0	0
कृ.वि.सं.	6	4	0	2	0	0	0	1	1	1	1	0	0	0	7	5	1	3	0	0	0
कला	5	5	1	3	0	0	0	3	2	0	2	0	0	0	8	7	1	5	0	0	0
विज्ञान	11	8	2	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	8	2	14	0	0	0
सामाजिक वि.	2	2	2	3	0	0	0	2	2	0	1	0	0	0	4	4	2	4	0	0	0
सं.वि.ध.वि.	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
संगीत एवं मंच कला	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
दृश्य कला	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	1	0	0	0	0	0
वाणिज्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विधि	3	0	0	4	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	3	1	0	4	0	0	0
प्रबन्ध शास्त्र	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
शिक्षा	2	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	2	1	1	0	0	0	1
म.महा.वि.	0	1	1	0	0	0	0	0	2	1	2	0	0	0	0	3	2	2	0	0	0
प.एवं स. वि.सं.	3	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	1	0	0	0
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	**42**	**26**	**7**	**31**	**0**	**0**	**1**	**7**	**9**	**4**	**6**	**0**	**0**	**0**	**49**	**35**	**11**	**37**	**0**	**0**	**1**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-I)

संकाय/ संस्थान	**पुरुष**							**महिला**							**कुल योग**						
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	आ.क. वर्ग	शा. वि.
चि.वि.सं.	**47**	**14**	**2**	**18**	**0**	**2**	**2**	**25**	**3**	**0**	**15**	**0**	**0**	**0**	**72**	**17**	**2**	**33**	**0**	**2**	**2**
कृ.वि.सं.	**29**	**6**	**3**	**16**	**0**	**2**	**0**	**7**	**3**	**2**	**5**	**0**	**0**	**0**	**36**	**9**	**5**	**21**	**0**	**2**	**0**
कला	**20**	**13**	**5**	**23**	**0**	**1**	**2**	**11**	**3**	**5**	**8**	**0**	**1**	**0**	**31**	**16**	**10**	**31**	**0**	**2**	**2**
विज्ञान	**23**	**14**	**4**	**34**	**0**	**4**	**2**	**14**	**2**	**6**	**6**	**0**	**0**	**2**	**37**	**16**	**10**	**40**	**0**	**4**	**4**
सामाजिक वि.	**6**	**2**	**1**	**9**	**0**	**2**	**1**	**5**	**1**	**2**	**3**	**0**	**1**	**0**	**11**	**3**	**3**	**12**	**0**	**3**	**1**
सं.वि.ध.वि.	**2**	**1**	**1**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**1**	**1**	**4**	**0**	**0**	**0**
संगीत एवं मंच कला	**1**	**1**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**2**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**	**1**	**1**	**3**	**0**	**0**	**0**
दृश्य कला	**1**	**2**	**2**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**2**	**2**	**5**	**0**	**0**	**0**
वाणिज्य	**1**	**2**	**0**	**3**	**0**	**0**	**0**	**5**	**1**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**6**	**3**	**0**	**5**	**0**	**0**	**0**
विधि	**3**	**1**	**1**	**3**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**	**1**	**1**	**4**	**0**	**2**	**0**
प्रबन्ध शास्त्र	**1**	**1**	**2**	**4**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**1**	**2**	**4**	**0**	**0**	**0**
शिक्षा	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**0**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**
म.महा.वि.	**11**	**6**	**3**	**9**	**0**	**2**	**2**	**11**	**3**	**2**	**10**	**0**	**3**	**0**	**22**	**9**	**5**	**19**	**0**	**5**	**2**
प.एवं स. वि.सं.	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
योग	**146**	**63**	**24**	**129**	**0**	**15**	**9**	**84**	**16**	**18**	**54**	**0**	**5**	**2**	**230**	**79**	**42**	**183**	**0**	**20**	**11**

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की संख्या

'अ' वर्गीय कर्मचारी

1.	कुलपति	1
2.	रेक्टर	1
3.	कुलसचिव	1
4.	वित्ताधिकारी	1
5.	परीक्षा नियंता	1
6.	पशु चिकित्सा अधिकारी	1
7.	प्रशिक्षण एवं संस्थापन अधिकारी	1
8.	सिस्टम प्रोग्रामर	2
9.	सिस्टम प्रबंधक	1
10.	सिस्टम अभियंता	1
11.	छात्र परामर्शदाता	1
12.	वाणी उपचारक	1
13.	वरिष्ठ वैज्ञानिक	1
14.	सीनीयर रेफ्रेक्सनिष्ट	1
15.	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	2
16.	वैज्ञानिक (फोटो वोल्टिक)	1
17.	रेडियोलॉजिकल सुरक्षा अधिकारी	1
18.	परियोजना अधिकारी	1
19.	प्रोग्रामर	4
20.	प्रोफेसर निदेशक	1
21.	सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी	1
22.	नेटवर्किंग अभियंता	1
23.	सूक्ष्म विश्लेषक	1
24.	चिकित्सा अधिकारी	18
25.	प्रबंधक	1
26.	अनुरक्षण अभियंता	2
27.	पुस्तकालयाध्यक्ष	1
28.	विधि अधिकारी	1
29.	कनिष्ठ अनुरक्षण अभियंता	1

30. संयुक्त कुलसचिव 8

31. सूचना वैज्ञानिक 1

32. सूचना अधिकारी 1

33. हिन्दी अधिकारी 1

34. कार्यकारी अभियंता 4

35. उप कुलसचिव 8

36. उप-नर्सिंग अधीक्षक 4

37. उप-पुस्तकालयाध्यक्ष 12

38. उप-निदेशक 1

39. कम्प्यूटर प्रोग्रामर 1

40. मुख्य चिकित्सा अधिकारी 22

41. आडियोलॉजिस्ट 1

42. सहायक कुलसचिव 16

43. सहायक जन सूचना अधिकारी 1

44. सहायक नर्सिंग अधीक्षक 9

45. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष 8

46. सहायक अभियंता 3

47. सहायक निदेशक 11

कुल योग (ग्रुप 'A'कर्मचारी) 163

'ब' एवं'स' वर्गीय कर्मचारी

वर्ग	सामान्य	अनु.जाति	अनु.ज.जाति	अ.पिछ्ड़ा वर्ग	योग	शा.वि.
'ब' वर्गीय कर्मचारी	1155	241	142	448	74	2060
'स' वर्गीय कर्मचारी	1917	464	187	692	22	3282
योग	3072	705	329	1140	96	5342

6. वित्तीय संसाधन

काशी हिंदू विश्वविद्यालयएक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण नियमित बजट के माध्यम से केंद्र सरकार से अनुदान के रूप में पर्याप्त वार्षिक बजटीय सहायता प्राप्त करता है। वर्तमान में रखरखाव व्यय के साथ-साथ विकास व्यय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से "ओ.एच.-31 (आवर्ती सामान्य)", "ओ.एच.-36 (आवर्ती सामान्य)" और ओ.एच.-35 (गैर-आवर्ती)-पूंजीगत / बुनियादी ढांचा" के तहत प्राप्त अनुदान से पूरा किया जाता है। विश्वविद्यालय के आंतरिक संसाधन छात्र शुल्क, संपत्तियों से आय, डेयरी और कृषि फार्म, अस्पताल, दुकानों से लाइसेंस शुल्क, आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री से आय आदि के माध्यम से उत्पन्न होते हैं। वर्ष 2020-21 के लिए विश्वविद्यालय के वार्षिक खाते को पहले ही अंतिम रूप दे दिया गया है और 22.05.2021 को हुई अपनी बैठक में वित्त समिति द्वारा इसे अनुमोदित कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय का दक्षिण परिसरजो मिर्जापुर जिले में है, वाराणसी में मुख्य परिसर से लगभग 80 किमी दूर है। इस नए परिसर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विंध्य क्षेत्र के लोगों को मुख्य रूप से आदिवासी लोगों द्वारा रोजगारोन्मुख उच्च शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने का अवसर प्रदान करना है और इसके सर्वांगीण विकास के लिए प्रशिक्षण और उद्यमिता कौशल का अवसर प्रदान करना है। इस नए परिसर के विकास के लिए आयोग द्वारा पहले की योजना अवधि के दौरान अलग से अनुदान प्रदान किया जा रहा था जिसके माध्यम से परिसर में पहले से ही कई ढांचागत और अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जा चुका है।

दक्षिणी परिसर में ढांचागत सुविधाओं को बढ़ाने और आगे की विकास गतिविधियों को शुरू करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है ही इसके लिए धनराशी की आवश्यकता है। दक्षिणी परिसर के लिए विश्वविद्यालय के बारहवीं योजना प्रस्ताव के तहत 8,570.00 लाख रुपये का अनुमान लगाया गया था।

निधियों की प्रकृति के अनुसार,विश्वविद्यालय यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदानों से निम्नलिखित शीर्षों के तहत अपने खातों का रखरखाव कर रहा है:

(ए) ओ.एच. -31 (आवर्ती सामान्य)

इसके अंतर्गत निम्न मद आते है: -

- फैलोशिप / छात्रवृत्ति / वजीफा आदि।
- गैर-वेतन घटक
- पेंशन और पेंशन संबंधी लाभ
  - पेंशन
  - पेंशन फंड में योगदान
  - नई पेंशन योजना में योगदान
  - जमा लिंक बीमा योजना

(बी) ओ.एच. -36 (आवर्ती सामान्य)

इसके अंतर्गत निम्न मद आते है: -

- शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियो के लिए वेतन
- वेतन के अन्य घटक
  - छुट्टी का नकदीकरण
  - एल.टी.सी.
  - बाल शिक्षा भत्ता
  - चिकित्सा शुल्क की प्रतिपूर्ति
  - सेवानिवृत्ति लाभ

(सी) ओ.एच. -35 (गैर-आवर्ती) - बुनियादी ढांचा / पूंजी अनुदान

यह कोष विश्वविद्यालय का बुनियादी ढांचा / पूंजीगत अनुदान पूंजीगत संपत्तियां बनाने के लिए है।

विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए विश्व स्तरीय सहायता और रखरखाव निधि होनी चाहिए। विश्वविद्यालय को वैश्विक मानकों के अनुसार विकसित करने के लिए सहायता और रखरखाव निधि की उपलब्धता एक प्रमुख पूर्व-आवश्यकता है। पुस्तकालय में पुस्तकें और पत्रिकाएं, अन्य पूंजी (भवन और मशीनरी), कार्यालय उपकरण, शिक्षण सहायक सामग्री आदि पर व्यय की निगरानी की जा रही है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान के अलावाविश्वविद्यालय आंतरिक प्राप्तियों का उपयोग निधि के स्रोत के रूप में करता है। इस फंड का उपयोग ओ.एच.-31 के तहत आवर्ती व्यय को पूरा करने के लिए किया जाता है। विश्वविद्यालय का बजट निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर करने वाले वार्षिक व्यय का प्रतिनिधित्व करता है:

वर्ष 2020-21 के लिए "ओएच-31(आरजी)", "ओएच-36(आरजी)", "विकास निधि", "विशेष निधि" और परियोजना निधि के अंतर्गत व्यय का विवरण निम्नानुसार रखा गया है:-

Head of Account	Receipt	Expenditure
OH-31(RG) BHU	34428.24 (UGC Receipt)	37386.87
Internal Receipt	3985.32 (Internal Receipt)	3985.32
OH-31(RG) IMS, BHU	10600.00 (UGC Receipt)	10491.03
OH-36(RG) BHU	73856.56 (UGC Receipt)	76416.23
OH-36(RG) IMS, BHU	5200.00 (UGC Receipt)	5200.00
Development Fund	2491.92 (Non-Recurring)	2440.05
	2675.64 (Recurring)	2021.61
Special Fund	33680.32	19106.40
Project Fund	6011.08	5039.88

विशेष कोष:

इस कोष में निम्न मदों से प्राप्त धनराशियो का संग्रह किया जाता है

- विशिष्ट उद्देश्यों के लिए दान जिसमें पीठो के लिए बंदोबस्ती, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और ब्याज सहित पदक शामिल हैं।
- जमा राशि जैसे जी.आई.एस., शिक्षक कल्याण कोष, कॉशन मनी, सुरक्षा जमा आदि।
- विशेष शुल्क जैसे खेल शुल्क, कॉमन रूम, शैक्षिक यात्रा शुल्क आदि।
- विभागीय विशेष निधि जिसमें कम्प्यूटर सेंटर, भारत कला भवन, एस.एस.अस्पताल की परिक्रामी निधि, परामर्श शुल्क आदि शामिल हैं।

इन खातों के तहत संग्रह का उपयोग केवल विशिष्ट उद्देश्यों के लिए किया जाता है और इसके व्यय को आय के भीतर विनियमित किया जाना है।

परियोजना निधि:

इस मद में निम्न उद्देश्यों के लिए यू.जी.सी. और अन्य एजेंसियां जैसे जैव-रसायन विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, आई.सी.ए.आर., सी.एस.आई.आर. आदि से प्राप्त वित्तीय सहायता आती है।

- अनुसंधान परियोजना
- यात्रा अनुदान
- संगोष्ठी और सम्मेलन
- छात्रवृत्तियां

सामान्य विकास कोष:

- यू.जी.सी. एच.ई.एफ.ए. के तहत भवन,उपकरण,फर्नीचर आदि के संबंध में योजना अवधि के तहत विकास के लिए विभाग को अनुदान।

- यू.जी.सी. कायाकल्प योजना के तहत चयनित विभागों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सहायता।
- यू.जी.सी. कुछ निर्दिष्ट पाठ्यक्रमों की शुरूआत के लिए अनुदान।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ई.डब्ल्यू.एस., महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुदान।

विश्वविद्यालय वित्त पोषण एजेंसियों को प्रस्ताव प्रस्तुत करता है, जो इन प्रस्तावों की सीधे या विशेषज्ञ समितियों के माध्यम से जांच करते हैं।

प्रमुख उपलब्धियां

विश्वविद्यालय में विभिन्न मदों जैसे फर्नीचर, कंप्यूटर, परिष्कृत और महंगे वैज्ञानिक उपकरण, भारी मशीनरी और बिजली के उपकरण आदि के तहत पर्याप्त मात्रा में क्रय होती है। क्रय प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाने के लिएविश्वविद्यालय ने एक कदम आगे बढ़ते हुए ई-खरीद प्रणाली को अपनाया है।

अनुसंधान गतिविधियों/सुविधाओं में तेजी लाने और विश्व स्तरीय अनुसंधान केंद्र प्रदान करने के लिए एक केंद्रीय खोज केंद्र (सीडीसी) बनाया गया है। राष्ट्रीय सुविधा के रूप में अत्यधिक परिष्कृत उपकरणों को रखने के लिए कई पहल की गई हैं। साथ ही यह उद्यमियों को स्टार्ट अप सुविधा के रूप में एक मंच प्रदान करने की दिशा में एक कदम आगे होगा।

विश्वविद्यालय वित्त की प्रक्रिया और कार्य को उन्नत करने के लिए कई कदम और नवोन्मेषी उपाय जैसे चालू खातों में फ्लेक्सी/सावधि जमा,परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन आदि को अपनाया गया है।

7. पुरस्कार एवं सम्मान

पुरस्कार

पुरस्कार और पुरस्कार देने वाली संस्था	प्राप्तकर्ता और विभाग
मांवरुण महोत्सव स्मृति पुरस्कार, राष्ट्रीय मानव अधिकार रक्षा बोर्ड और विश्वगुरु भारत परिषद, वाराणसी	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी काया चिकित्सा विभाग
आयुर्वेद शिरोमणि पुरस्कार, अखिल भारतीय आयुर्वेदिक विशेषज्ञ (पीजी) एसोसिएशन, नईदिल्ली	प्रो. राजेंद्र प्रसाद काया चिकित्सा विभाग
सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार: इंजीनियरिंग विज्ञान और चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार	डॉ जितेंद्रसिंह चिकित्सा विज्ञान संस्थान
ऑनलाइन कार्यशाला 'ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी इन लाइफ साइंसेज: प्रक्रिया और अनुप्रयोग, पैथोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में आयोजित प्रश्नोत्तरी के लिए तीसरा पुरस्कार	डॉ. पारोमिता पाउली चिकित्सा विज्ञान संस्थान
अकादमिक नैदानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, मार्च 2021, इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल रिसर्च (आईएससीआर)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के सदस्य
समीक्षक का उत्कृष्टता पुरस्कार, डीआरडीओ का रक्षा जीवन विज्ञान	डॉ कुमार सर्वोत्तम फिजियोलॉजी विभाग
देवराज बजाज अनुसंधान पुरस्कार, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया	डॉ हंजाबम बरुन शर्मा फिजियोलॉजी विभाग
बेस्ट फिजिकल पेपर अवार्ड – ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में।2020, इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस)	डॉ दीपक मिश्रा नेत्र विज्ञान विभाग
रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2020, इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स 2020	डॉ ज्योति श्रीवास्तव नर्सिंग कॉलेज
अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (एएएन) इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2020 अवार्ड, अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी	डॉ आनंद कुमार न्यूरोलॉजी विभाग
कोविद अस्पताल, एम्स-एएसएम (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी) में आई पी सी प्रथाओं की स्थापना के लिए प्रशंसा पुरस्कार	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य
मोस्ट प्रोडक्टिव रिसर्च अवार्ड 2020, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय	प्रो. ए.एम. कायस्थ: जैव प्रौद्योगिकी स्कूल
डॉ. एस आर बोस मेमोरियल अवार्ड (2020) केप्राप्तकर्ता, भारतीय माइकोलॉजिकल सोसायटी	प्रो. एन.के. दुबे वनस्पति विज्ञान विभाग
प्रो. पी.सी. जैन मेमोरियल अवार्ड (2021), माइकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, चेन्नई	प्रो. आर.एन. खरवार वनस्पति विज्ञान विभाग
कोरोना वारियर अवार्ड (2020), अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, वाराणसी एवं सक्षम महिला निर्भय महिला संगठन डीबीटी, भारत सरकार	डॉ. जे. पी. मौर्य वनस्पति विज्ञान विभाग
मालवीय पोस्टडॉक्टरल फैलोशिप अवार्ड	डॉ. गरिमा जैनी आनुवंशिक विकार केंद्र

डॉ. जे जी नेगी यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2020, भारतीय भूभौतिकीय संघ (आईजीयू) का 57 वां वार्षिक सम्मेलन, 2-4 फरवरी 2021 को सीएसआईआर-एनआईओ, गोवा में आयोजित किया गया।	डॉ. शुभ्रा शर्मा भूगोलविभाग
मोस्ट प्रोडक्टिव रिसर्चर अवार्ड, बीएचयू	प्रो. आर.के. श्रीवास्तव भूविज्ञान विभाग
आई एन एस ए शिक्षक पुरस्कार-2020, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी नईदिल्ली	प्रो. एस.के. मिश्रा गणित विभाग
मोस्ट प्रोडक्टिव रिसर्चर अवार्ड, बीएचयू	प्रो. आंचल श्रीवास्तव भौतिकी विभाग
'छठे वीनस इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवार्ड्स (विस्टा-2020), वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन के भौतिकी में उत्कृष्ट संकाय'	प्रो. विवेकसिंह भौतिकी विभाग
1 अगस्त, 2019 से तीन वर्षों के लिए आईयूसीएए, पुणे के विजिटिंग एसोसिएट से सम्मानित किया गया।	डॉ. आर. चौबे डीएसटी-सीआईएमएस
यू पी गौरव अलंकरण पुरस्कार 06.02.2021, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद, लखनऊ	प्रो. के. शशिकुमार गायन संगीत विभाग
रुद्र ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज द्वारा शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2020 के अवसर पर विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार	प्रो. संगीता पंडित गायन संगीत विभाग
अनुपम नादब्रह्म पुरस्कार (05/06/2020), संगीतांजलि मुंबई द्वारा	डॉ. रामशंकर गायन संगीत विभाग
ई-रेडियो – मीडिया वेलफेयर सोसाइटी मेरठ द्वारा मेडिकल इमरजेंसी फाइटर अवार्ड (31/05/2020)	डॉ. रामशंकर गायन संगीत विभाग
श्री सेवा सरस्वती पुरस्कार, जून 2021, जोधपुर राजस्थान	डॉ. जी.सी. पांडे गायन संगीत विभाग
यूपी गौरव अलंकरण पुरस्कार 06.02.2021, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद, वाराणसी	डॉ प्रेम किशोर मिश्रा वाद्य संगीत विभाग
आउटस्टैंडिंग म्यूजिक पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर अवार्ड अप्रैल 2020, जे.एस.के. फाउंडेशन, वाराणसी	डॉ. सुप्रिया शाह वाद्य संगीत विभाग
गौरवशाली पुरस्कार 06.02.2021, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद, वाराणसी	डॉ बी सत्यवर प्रसाद वाद्य संगीत विभाग
विशिष्ट पुरस्कार 2020, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, सरकार।	प्रो. विनय कुमार पाण्डेय ज्योतिषविभाग
प्रयागराज गौरव पुरस्कार, ज्योतिष कर्मकांड एवं अध्यात्म शोध संस्थान, प्रयाग, उत्तरप्रदेश	प्रो. विनय कुमार पाण्डेय ज्योतिष विभाग
प्रयागराज गौरव पुरस्कार, ज्योतिष कर्मकांड एवं अध्यात्म शोध संस्थान, प्रयाग, उत्तरप्रदेश	प्रो. चंद्रमौली उपाध्याय ज्योतिष विभाग
राष्ट्रीय निर्माता पुरस्कार, रोटरी क्लब वाराणसी	डॉ मीनू पाठक वसंत कन्या महाविद्यालय
हिंदी रत्न पुरस्कार, साईं ग्रामीण विकास संस्थान, वाराणसी	डॉ अंशु शुक्ला वसंत कन्या महाविद्यालय
शक्ति सेवा पुरस्कार, मिशन शक्ति, उत्तर प्रदेश सरकार	डॉ अंशु शुक्ला वसंत कन्या महाविद्यालय

ललित कला अकादमी पुरस्कार, फरवरी2021	सुश्री दीक्षा जायसवाल वसंत कन्या महाविद्यालय
संस्कृत सेवा सम्मान, चतुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थान	डॉ पुष्पा त्रिपाठी, आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय
बेस्ट टीचिंग अवार्ड, ग्लोबल ट्रेडिंग एक्सीलेंस अवार्ड	डॉ मधुमिता भट्टाचार्य आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय
शिक्षक दिवस समारोह वर्ष 2020 पर राष्ट्रनिर्माता पुरस्कार, रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल	डॉ. प्रदीप कमल डी ए वी पी जी महाविद्यालय
राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2020,श्रवण भाषा ट्रस्ट, नईदिल्ली	डॉ. अनूप कुमार मिश्रा डी.ए.वी.पी जीमहाविद्यालय
नोवेल कोरोना के खिलाफ राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट समर्पण और सेवा की सराहना में कोरोना योद्धा सम्मान पुरस्कार	डॉ कमालुद्दीन शेख डी.ए.वी.पी जीमहाविद्यालय

निर्वाचित फेलो

फैलोशिप निर्वाचित फेलो	प्राप्त कर्ता और विभाग
निर्वाचित फेलो (2021), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (प्रयागराज)	प्रो. एस.बी. अग्रवाल वनस्पति विज्ञान विभाग
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, बैंगलोर, के निर्वाचित फेलो	डॉ. एम.एस. सिंह रसायनिकी विभाग

फेलोशिप / एसोसिएटशिप / प्रायोजन

अध्येतावृत्ति का नाम	प्राप्तकर्ताऔरविभाग
बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी (एफएसआईओपी) की अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी की फैलोशिप, बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी	डॉ. एम डी अबू बशारी सामुदायिक चिकित्सा विभाग
सोसाइटी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एफएससीएआई), द सोसाइटी फॉर कार्डियोवस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन की फैलोशिप	डॉ. धर्मेंद्र जैन कार्डियोलॉजी विभाग
फेलो, इंडियन माइकोलॉजिकल सोसाइटी (2020), इंडियन माइकोलॉजिकल सोसाइटी	प्रो. एन.के. दुबे वनस्पति विज्ञान विभाग
एसोसिएट-शिप (2020), राष्ट्रीय कृषि अकादमी विज्ञान लिनियन सोसाइटी (एफएलएस), लंदन	डॉ. भानु प्रकाश वनस्पति विज्ञान विभाग
रामलिंगास्वामी पुन: प्रवेश फेलोशिप अनुदान (2021), भारतसरकार	डॉ. जे पी मौर्य वनस्पति विज्ञान विभाग
फेलो (2020), द लिनियन सोसाइटी (एफएलएस), लंदन	डॉ. प्रशांत सिंह-I, वनस्पति विज्ञान विभाग
फेलो (2020), द लिनियन सोसाइटी (एफएलएस), लंदन	डॉ. प्रशांत सिंह-II वनस्पति विज्ञान विभाग
एसईआरबी-पावर (अन्वेषी अनुसंधान में महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देना) फेलो-2021, डीएसटी	डॉ. मौसमी मुत्सुद्दी आणविक और मानव आनुवंशिकी विभाग
फेलो सदस्य (एफटीआईसीए), इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्बिनेटोरिक्स फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी	प्रो. ए.के. उपाध्याय गणित विभाग

डी ए ए डी फेलोशिप, डीएएडी, जर्मनी	प्रो. बी.पी. मंडल भौतिकी विभाग
विद्वान अकादमिक और वैज्ञानिक समाज के प्रख्यात फेलो	प्रो. पी.वी. राजीव प्रबंधन अध्ययन संस्थान
अकादमिक और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन के गणमान्य साथी	प्रो. पी.वी. राजीव प्रबंधन अध्ययन संस्थान
ग्लोबल फेलो, पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ओस्लो (पीआरआईओ)	प्रो. प्रियांकर उपाध्याय मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र
लिनिअस-पामे एक्सचेंज प्रोग्राम, स्वीडन से एमसीपीआर के संकाय के लिए एक फैलोशिप	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य

सदस्य, मृदा स्वास्थ्य पर स्कोप आयोग, स्कोप, विज्ञान के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिषद, पेरिस, फ्रांस	प्रो. पी.सी. अभिलाष पर्यावरण और सतत विकास संस्थान
कार्यकारी सदस्य, यूपी-यूके एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया	डॉ. कुमार सर्वोत्तम फिजियोलॉजी विभाग
सलाहकार समिति के सदस्य, जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड हेल्थ केयर मेडिसिन	डॉ. रत्ना पाण्डेय फिजियोलॉजी विभाग
सदस्य शासी निकाय, इलाहाबाद में व्यावसायिक अध्ययन संस्थान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	डॉ. सी.पी. मिश्रा सामुदायिक चिकित्सा विभाग
उपेक्षित उष्ण कटिबंधीय रोगों, डब्ल्यू एच ओ और एन एल आर के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा (पीएफए) के विकास पर टास्क फोर्स सदस्य	डॉ. सी.पी. मिश्रा सामुदायिक चिकित्सा विभाग
जुलाई 2021 से शुरू होने वाले तीन साल की अवधि के लिए यूजीसी डी ए ई सी एस आर, इंदौर की परिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत	प्रो. श्री सिंह भौतिकीविभाग
सामाजिक विज्ञान में अध्ययन केंद्र के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कलकत्ता (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त निकाय)	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र
26 मई, *2020* को 'कोरोना चरण के दौरान तनाव के मुद्दों से निपटने के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक रणनीतियाँ' पर राष्ट्रीय वेबिनार में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता, एस ओ आई ओ पी, भारत के सहयोग से अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, आईजीएनटीयू, अमरकंटक.	डॉ. अखिलेंद्रके. सिंह मनोविज्ञान विभाग
यूनेस्को संचालन समिति के सदस्य, यूनेस्को, पेरिस	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र

पत्रिकाओं के संपादक / समीक्षक

• एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोलॉजी (विली), आईएफ: 6.58, ब्रिटिश इकोलॉजिकल सोसाइटी • प्रधान संपादक, एन्थ्रोपोसीन साइंस (स्प्रिंगरनेचर), स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड • सब्जेक्ट मैटर एडिटर, इकोस्फीयर (विली), आई.एफ.; 3.171, अमेरिका की पारिस्थितिक सोसायटी • एसोसिएट एडिटर, इकोलॉजिकल प्रोसेसेस (स्प्रिंगर नेचर), IF:	डॉ. पी.सी. अभिलाषी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान

2.847, इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड इकोलॉजी, चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंस	
सह संपादक, जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड हेल्थ केयर मेडिसिन	डॉ. कुमार सर्वोत्तम फिजियोलॉजी विभाग
सहसंपादक, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया	डॉ. पारुल शर्मा फिजियोलॉजी विभाग
अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता अकादमिक संपादक / सदस्य संपादक मण्डल, वैज्ञानिक पत्रिकाएं, विज्ञान समूहका वेब, क्लैरिवेट एनालिटिक्स पी एल ओ एस ओ एन ई, वैज्ञानिक रिपोर्ट, ऑन्कोजेनेसिस में महत्वपूर्ण समीक्षा	विज्ञान संस्थान, के संकाय सदस्य

अन्य विशिष्टता

पैथोलॉजी विभाग, चेतना द एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) द्वारा आयोजित जेरियाट्रिक एनीमिया पर अतिथि व्याख्यान दिया गया।	प्रो. विजय तिलक पैथोलॉजी विभाग
एसजीपीजीआई, लखनऊ, पैथोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊमें 22.1.2021 और 23.1.2021 को "अपडेट ऑन हीमोफिलिया और थैलेसीमिया " शीर्षक से एक संगोष्ठी की अध्यक्षता	प्रो. विजय तिलक पैथोलॉजी विभाग
20-22 नवंबर, 2020 तक आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लडट्रांसफ्यूजन (हेमेटोकॉन वर्चुअल 2020) के 61वें वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र के लिए अध्यक्ष	प्रो. विजय तिलक पैथोलॉजी विभाग
सभापति चुनाव - एपीआई, अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति, एपीआईसीओएन 2022, जयपुर	प्रो. श्याम सुंदर संस्थान चिकित्सा विज्ञान
माइक्रोकॉन में स्वास्थ्य संबंधी संक्रमणों पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पेपर, नवंबर 2020, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएएमएम.)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य
बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स में टॉपर, आई सी एम आर	डॉ. हंजाबम बरुन शर्मा फिजियोलॉजी विभाग
अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी, 2020, भारत नेत्र रोग सोसायटी (एआईओएस) के वार्षिक सम्मेलन में सामुदायिक / सामाजिक नेत्र विज्ञान और व्यापक नेत्र विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पोडियम प्रस्तुति	डॉ. दीपक मिश्रा नेत्र विज्ञान विभाग
एस.जे.आर.आई., बैंगलोर और मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से 'एचआरएम और ईबीएम में 12 वें अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम', नवंबर 2020 में शोध प्रस्तुति में प्रथम स्थान	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य
इंडिया बायोसाइंस द्वारा आयोजित वाई.आई.एम. 2021 चयनित और भागलिया	डॉ. चंदना बसु आनुवंशिक विकार केंद्र
40-55 वर्ष आयु वर्ग में विज्ञान संस्थान के सबसे अधिक उत्पादक शोधकर्ताओं में से एक, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी	डॉ. विनोद कुमार तिवारी रसायनिकी विभाग
हमारे तीन संकाय सदस्य यथा प्रो. डी.एस.पाण्डेय, प्रो. एम.एस.	प्रो. डी.एस. पाण्डेय प्रो. एम.एस. सिंह

सिंह और प्रो. के.एन. सिंह को संस्थान दिवसस मारोह, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी में सम्मानित किया गया	प्रो. के.एन. सिंह रसायनिकीविभाग
रावरोटेटिंगप्रोफेसरशिप, बीएचयू	प्रो. एम.एस. सिंह रसायनिकीविभाग
संत संगनेरिया रोटेटिंग प्रोफेसरशिप, बीएचयू	प्रो. आंचल श्रीवास्तव भौतिकी विभाग
समाज के यूथ आइकॉन 2020, सुबह-ए-बनारस द्वारा सम्मानित	प्रो. संगीता पंडित गायन संगीत विभाग
प्रशस्तिपत्र (19 जनवरी 2021), संस्कारभारती, काशी	प्रो. रेवती सकलकर गायन संगीत विभाग
राष्ट्रगौरव रत्न, वाराणसी की आवाज़ द्वारा सम्मानित	डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य उपाध्याय गायन संगीत विभाग
राष्ट्रीय कलाकार संघ द्वारा सम्मान प्रमाण पत्र 19.12.2020	डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य उपाध्याय गायन संगीत विभाग
राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट समर्थन और मानवता सेवा लिए और लॉकडाउन अवधि में कोरोना योद्धा के रूप में कोरोना (कोविड-19) के खिलाफ लड़ाई मे भागीदारी हेतु प्रशस्ति पत्र, मदर टेरेसा फाउंडेशन लखनऊ, उत्तरप्रदेश	डॉ. कमालुद्दीन शेख मनोविज्ञान विभाग
वागयोगनारी प्रतिभा, वागयोग चेतना पीठ	डॉ. चंद्रकांता राय आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय
18 अगस्त 2020 को डी.लिट के लिए थीसिस जमा की, काशी हिंदू विश्वविद्यालय	डॉ. अनूप कुमार मिश्रा डी ए वी पी जी महाविद्यालय
साक्षात्कार बोर्ड में तकनीकी सलाहकार और मनोवैज्ञानिक के रूप में "यूपी पब्लिक सर्विस कमिशन", इलाहाबाद, में 24 मार्च, 2021, को योगदान दिया, यूपी पब्लिक सर्विस कमिशन, इलाहाबाद	डॉ. ऋचा रानी यादव डी ए वी पी जी महाविद्यालय
तनाव प्रबंधन पर एन पी टी ई एल ऑनलाइन प्रमाणन कार्यक्रम में 87 % से अधिक अंक हासिल करने के लिए एलिट रजत पदक प्राप्त किया (सितंबर से अक्टूबर 2020 केदौरान),	डॉ. अखिलेंद्र के. सिंह डी ए वी पी जी महाविद्यालय
सदस्य संपादकीय बोर्ड के रूप में शामिल- माइंड एंड सोसाइटी मानव नवनिर्माण संस्थान, कंचनबाग, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़, भारत	डॉ. अखिलेंद्र के. सिंह डी ए वी पी जी महाविद्यालय

पेटेन्ट

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पेटेंट का विषय	आवेदन पत्र का वर्ष	वर्तमान स्थिति
1.	डॉ. एस.के. चौधरी, डॉ. एस.एन. ओझा एवं डॉ. वी. रामास्वामी	"डवलेपमेंट ऑफ वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स फॉर स्पाइरली वेल्डेड लाइन पाइप स्टील्स"	आरडीसी आईएस, सेल द्वारा प्रस्तुत	१९९२ में प्रदत्त
2.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे;डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फॉर द प्रेपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन युज़्ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रियूमेटायड आर्थराइटिस"	1998	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १९०४३९ (ए१)

3.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे;डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपेयरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ सीज़र डिसआर्डर्स"	1998	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७३४ (ए१)
4.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फार द ट्रीटमेंट आफ नान-अल्सर डिसपेप्सिया"	1998	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९९६६ (ए१)
5.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन ऑफ ए न्यू फार्मुलेशन एडवोकेटेड फार द मैनेजमेंट आफ एलर्जिक रिनाइटिस "	1998	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७२५ (ए१)
6.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय,का.हि.वि.वि.	"एन इम्प्रूभ्ड आयन-सेलेक्टिव इलेक्ट्रोल्ड यूजफुल फॉर सेंसिंग पोटैशियम आयन फ्लूड्स"	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५५१२
7.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड बॉयोसेंसर फॉर यूरिया"	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३८३
8.	प्रो. अनिल कुमार राय, आर्थोपेडिक्स विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"बाइसेंट्रिक हिप रिप्लेसमेंट डिवाइस" कामन्ली नो एज़ बीएचयू हिप डिवाइस	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१६८०००
9.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"ए डिवाइस यूजफूल फॉर सेंसिंग कॉपर (I) आयन इन फ्लूड्स"	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२१६०१
10.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड मेटल बेस्ड पी.एच. इलेक्ट्रोल्ड"	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१८३४०
11.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	"ए प्रासेस फार प्रोड्यूसिंग हर्बल कम्पोजिशन फार यूज़ इन इरिटेबल बावेल सिन्ड्रोम"	1999	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०९७३ (ए१)
12.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे एवं अन्य	"ए प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन ऑफ हर्बल कम्पोजिशन फार इम्प्रूवींग मेंटल कैपाविलिटिंज़"	1999	ग्रान्टेड इण्डिया पेटेंट नं. १९१४८४ (ए१)
13.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे,प्रो. प्रेमवती तिवारी,डॉ. अरुना अग्रवाल	"प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन ऑफ हर्बल ऑफ फार्मास्यूटिकल् कम्पोजिशन फार द मैनेजमेंट मिनोपॉज़ल सिन्ड्रोम "	2000	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०८५० (ए१)
14.	डॉ. एन.सी. करमाकरएवं अन्य, धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान, का.हि.वि.वि.	"एप्पलीकेशन ऑफ ग्राफ्टेड एमिलोपेक्टीन फॉर वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट"	2001	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २००१२५
15.	श्री राजेश्वर प्रसाद, डॉ. केशरप्रसाद यादव, श्री अनिल कुमार राय,श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह* एवं श्री गौतम बनर्जी	"डिवाइस फॉर सीलिंग इन्साइड एन अपवार्ड ड्रील्ड बोरहोल फॉर हाई प्रेसर वॉटर इंजेक्शन इन अंडरग्राउण्ड माइन्स"	2001	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६६०
16.	डॉ. बिपीन कुमार गुप्ता, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए प्रॉसेस फॉर द प्रीपरेशन ऑफ ग्राफिटिक नैनो फाइबर्स एण्ड एपैरेट्स देयरफॉर"	2001	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२२८२६७
17.	श्री अनिल कुमार राय, श्री राजेश्वर प्रसाद, श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह*, डॉ. केशर प्रसाद यादव, श्री गौतम बनर्जी	"एन इम्प्रूव्ड केविंग लॉंगवॉल मेथड फॉर विनिंग ऑफ कोल फ्रॉम थिक सीम इन सिंगल लिफ्ट अंडर मैसिव एण्ड हार्ड रूफ कंडिशनस इन अंडरग्राउण्ड माइन्स"	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१९३०५

18.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, डॉ. गोविन्द सिंह और अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''ए डिवाइस फॉर क्वांटिटेटिव इस्टीमेशन ऑफ क्रिटनिन''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२३६२१
19.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ लोस ऑफ कागनिटिव डेकलीन एमंग द एजड पापुलेशन एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपेयरेशन देयरआफ''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३२५०७
20.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल प्रिपेयरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया एण्ड हाइपरट्राईग्लाइसरडाइमिया''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२६२४२
21.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल प्रिपेयरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन आफ लीवर साइरोसिस आफ वेरिंग इटियोलॉजी''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२०८०६
22.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल फार्मुलेशन फार प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ कोरिज़ा एण्ड ए प्रासेस देयरआफ''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२०७८६
23.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ पोटेनंशियल डियावेट्स एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपेयरेशन देयरआफ''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२०७४९
24.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन हैविंग एन्टी-स्ट्रेस एण्ड एडाप्टोजेनिक प्रापर्टीज़ एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन देयरआफ''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२०६८८
25.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल फार्मुलेशन फार द मैनेजमेन्ट आफ आस्टियो-आर्थराइटिस एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपेयरेशन देयरआफ''	2002	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२०६८३
26.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे,	''हर्बल प्रिपेयरेशन फॉर मैनेजमेंट आर्फ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड न्यूरोलॉजिक डिसआडर्स''	2002	ग्रान्टेड यू.एस.: ७,२७३,६२६ बी२; यूरोपियन यूनियन : १५६९६६६ ब्रिटेन : ०८८५७१३८००१ फ्रांस : ०२८०८२४७.७ इटली : ८५०६२ बीई/२००६, आस्ट्रेलिया : डब्ल्यू.ओ. २००४/०५४५९२ए१
27.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	''ए प्रॉसेस ऑफ प्रीपरेशन ऑफ एंटीजेमा एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस (नटमेग)''	2003	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२३५९९०
28.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर फॉर डिटरमाइनिंग डोपामाइन लेवेल्स''	2003	ग्रान्टेड पेटेंट नं.१९६७६३
29.	प्रो. ओमकार नाथ श्रीवास्तव, डॉ. बिनोद कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए नावेल एबी५टाइप हाइड्रोजन स्टोरेज मैटेरियल एण्ड प्रोसेस ऑफ प्रीपरेशन देयरऑफ	2004	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२४३९३८

30.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रॉसेस ऑफ प्रीपरेशन ऑफ एंटीकैंडीडायसिस एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस''	2004	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२७३६४
31.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रॉसेस ऑफ फारमुलेशन ऑफ नीम (एजाडिरक्टा इंडिका) रूट बेस्ड नेचुरल फंगीसिडाल प्रोड्क्ट''	2004	ग्रान्टेड पेटेंट नं.२२६२१३
32.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	'प्रीपरेशन ऑफ ए ड्रग फ्रॉम ड्राई मेच्यूर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस फॉर द ट्रीटमेंट एण्ड कंट्रोल ऑफ सोराइसिस इन ह्यूमन बीइंग्स बाई एक्सटर्नल एप्पलीकेशन्स''	2004	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१७८३१
33.	डॉ. भीमबली प्रसाद,डॉ. धनलक्ष्मी, डॉ. पियूष सिंधू शर्मा, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए नॉवेल मॉलेक्यूलरली इम्प्रींटेड पॉलीमर (एम.पी.)-इमोबिलाइज्ड सिलिका जेल सॉर्बेट प्रीपरेशन एण्ड ए प्रासेस फॉर डिटरमिनेशन ऑफ बारबाईट्यूरिक एसिड यूजिंग द सेम मिप-बेस्ड सॉर्बेट''	2005	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३५५
34.	प्रो. रमेश चन्द्र, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रासेस फॉर प्रोड्यूसिंग रियूजेबुल फॉर द प्रिवेंशन ऑफ अथौरोस्लेरोसिस एण्ड हाइपरलिपिडेमिया''	2005	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३६३८२
35.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''हर्बल फॅामुर्लेशन फॅार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज़ मेलिटस् एण्ड डायबिटिक माइक्रो-वेसकुलर काम्प्लीकेशन्स''	2005	आवेदन नं. भारत १३९७/डीईएल/२००५ यूएस २००९/०२१४६७८ (ए१) यूरोपियन यूनियन डब्ल्यूओ २००६१२९३२५ (ए१) ई.पी.१९०१६९७ (ए१)
36.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल एवं अन्य	''ए हर्बल प्रिपेयरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ रियूमेट्ायड आर्थराइटिस एण्ड असोसिएटेड कम्पलेन्टस्''	2007	आवेदन सं. १९३/सीएचई/२००७
37.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''ए हर्बल प्रिपेयरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ल्यूकोडर्मा''	2007	आवेदन सं. १९४/सीएचई/२००७
38.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''रोल आफ सालसिया ओबलोन्जा इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ इन्डोथेलॉल डिसफंक्शन इन टाईप-दो डाइबिटीज़ मेलिटस्''	2007	आवेदन सं. ३१४/सी.एच.ई./२००७
39.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	'आग्रेनिक एक्सट्रैक्टस् आफ हिप्पोफाए रेएनोएड्स फॉर द प्रिवेशन एण्ड मैनेमेंट ऑफ हायपरहोमोबनटेनेमिया, डायसलिपिडेमियां एसोसिएटेड विथ सीएचडी''	2007	आवेदन सं. ३१५/सी.एच.ई./२००७
40.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''ए नोवेल हर्बल फार्मुलेशन एडवोकेटेड एण्ड टू ए प्रासेस देयरआफ फार द प्रेवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ न्यूरोसायक्लॉजिकल चेंजस एसोसिएटेड विथ मेनोपाउज़ल वुमेन''	2007	आवेदन सं. ८५१/डी.ई.एल./२००७

41.	प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"ए नॉवल पोली-हर्बल प्रीप्रेशन फार द प्रीवेन्शन ऑफ एथेरोस्क्लेरोसीस एण्ड हाइपरइपिडेमिया	2007	एनओसी निर्गत भारतीय पेटेंट फिल्ड नं०२३८२५८ दिनांक २७.०१.२०१० यू.एस. पेटेंट संख्या ७४१६७४३ (१०/५४२,१२७) चाइनिज पेटेंट संख्या २००३८०१०९७७०.×
42.	प्रो. डी. दास, बायोकेमिस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"नॉवेल एण्टी – प्लेटलेट एण्ड एन्टी-थ्रोम्बोटिक प्रोप्रर्टीज़ ऑफ नैनो सिल्वर विद पोटेन्शियल थेराप्यूटिक एप्पलीकेशन्स"	2008	एनओसी निर्गत पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २४१६/डेल/२००८ दिनांक २३.१०.२००८ पेटेंट अनुमानित नं. २७३७५२
43.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	"ए हर्बल फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ फ्रिक्वेंट कॉमन कोल्ड एण्ड कफ़ एण्ड असोसिएटेड प्राब्लम्स"	2008	आवेदन सं. ६४/के.ओ.एल./२००८
44.	डॉ. नीलम श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	"फेनोमेनन ऑफ ह्यूमिडिटी कन्ट्रोल्ड रिगेनिंग ऑफ मोबाइल आयोनिक चार्ज कैरियर्स इन स्टार्च बेस्ड इलेक्ट्रोलाइट"	2009	एन.ओ.सी. निर्गत/ पेटेंट आवेदन संख्या दर्ज किया १६६४/डी.ई.एल./२०१२
45.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुणा अग्रवाल और अन्य	"आयुर्वेदिक फॉमुर्लेशन एडवोकेटेड फॅार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोरोनेरी हार्ट डिज़ीज"	2009	ग्रान्टेड पेटेंट नं. यू.एस. ८३१८२१६ (बी२) ईपी २३९३५०३ (ए१)
46.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	"ए नोवल हर्बल फार्मुलेशन एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपेयरेशन देयरआफ फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम-एक्स"	2009	आवेदन सं. १९९६/डी.ई.एल./२००९
47.	डॉ. श्याम सुन्दर, मेडिसिन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	"(क)डायग्नोसिस ऑफ इण्डियन विसेरल लिशमेनिएशिस (वीएल) बाइ न्यूक्लिक एसिड डिटेक्शन यूजिंग पीसीआर (ख)आइडेन्टीफिकेशन एण्ड करेक्टराइज़ेशन ऑफ एल. डोनोवानी स्पेसीफिक एण्टीजेन"	2010	एन.ओ.सी. निर्गत पत्रांक. आईपीआर सेल/०३ दिनांक ०४/०५.०८.२०१०
48.	प्रो. एन.के. दूबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"ए केमिकली स्टैण्ड्राइज्ड कम्पोजिशन कंटेनिंग प्लांट इसेंसिएल ऑयल इफिकेशियस ऐज एंटीफंगल, एफ्लाटॉक्सीन सप्रेसर, इनसेक्टीसाइडल एण्ड एन्टी-ऑक्सीडेंट" मॉडीफाइड टाइटिल – "ए नॉवल प्लांट इसेंसिएल ऑयल साइनरजेस्टिक कम्पोजिशन एण्ड इट्स प्रीपरेशन।"	2010	आवेदन संख्या २३३/डेल/२०११ दिनांक ०१.०२.२०११ टी.आई.एफ.ए.सी., डी.एस.टी., नई दिल्ली के माध्यम से प्रस्तुत।
49.	डॉ. (श्रीमती) आशा लता सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	"रिमूवल ऑफ आरसेनिक फ्रॉम वेस्ट वाटर यूज़िंग लेक्टोबेसिलस एसिडोफाइलस"	2010	प्रक्रिया अन्तर्गत (रिक्वेस्टेड टू आब्टेन परमिशन फ्रॉम सीएसआईआर ऑन पेटेंटबीलीटि ऑफ अनवेन्शन इन हर वन नेम-नो रिसपोन्स)

50.	डॉ. ए.सी. पाण्डेय, डॉ. राजीव प्रकाश एवं अन्य	''अल्ट्रा फास्ट फेसिल मेथड फॉर द फॉरमेशन ऑफ कार्बन नैनो शीट्स एण्ड इट्स पॉलीमर कम्पोसाइट्स''	2010	पेटेंट आवेदन संख्या २९१५/डेल/२०१०
51.	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रॉसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पॉलीइंडोल कंडक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मॉरफोलॉजी''	2010	पेटेंट आवेदन संख्या २९१४/ डेल/२०१०
52.	डॉ. राजीव प्रकाश एवं अन्य	''अस्टेरासेई एण्ड पेपवेरेएइ प्लांट्स एक्स्ट्रैक्ट्स ऐज इफिसिएंट कोरोसिऑन इनहिबिटर्स ''	2010	पेंट आवेदन संख्या २९१३/ डेल/२०१०
53.	प्रो. पी.सी. पाण्डेय, डॉ. राजीव प्रकाश एवं अन्य	''कैल्सियम आयन-सेंसर कम्प्राइज़िग आइनोफोर/ कैरियर-फ्री पॉलीइंडोल-केंफर सल्फोनिक एसिड कम्पोजिट''	2010	नेशनल पेटेंट फील्ड सी.बी. आर. संख्या ८३७८ दिनांक ०४.१०.२०१० पेटेंट आवेदन संख्या २३८३८/डेल/२०१० दिनांक ०४.१०.२०१०
54.	डॉ. राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रोसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पोलीकारबोजोल कन्डक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मारफोलॉजी''	2010	पेटेंट आवेदन संख्या १२८९/डेल/२०१०
55.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''रोल ऑफ एन हर्बल फॉमुर्लेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज़ रिलेटेड न्यूरोजेनेरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया''	2010	यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३ (ए८)
56.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''रोल आफ एन हर्बल फार्मुलेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज़ रिलेटेड न्यूरोडिजेनरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया''	2010	आवदेन सं. २२७१/सी.एच.ई./२०१ ० यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३ (ए१)
57.	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरींग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर प्रेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर भेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	2010	नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या -०९/डेल /२०११ दिनांक १२.०१.२०११नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या-६७/डेल/२०११ दिनांक ०४.०१.२०११ नाव वान्टस टू फाइल टू इन्टरनेशनल पेटेंट ऑन द सेम टोपीक्स एस एबव
58.	प्रो. वकील सिंह, डॉ. राजेश बंसल एवं अन्य, धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	''इफेक्ट ऑफ सरफेश नैनोक्रिस्टलाइज़ेशन ऑन ओसिओइंटेग्रेशन ऑफ सीपी-टाइटेनियम''	2010	फिल्ड ऑन २५.०५.२०११ एण्ड पब्लिस्ड इन जर्नल संख्या ३३/२०११ ऑन दिनांक १९.०८.२०११ अप्लिकेशन अवेटिंग इक्जामिनेशन आवेदन

				संख्या १४८६/डेल/२०११
59.	प्रो. देवेन्द्र कुमार, डिपार्टमेन्ट ऑफ सेरामिक इंजीनियरींग आई,आई.टी, का.हि.वि.वि.	आयरन एलूमीनी बेस मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट मटेरियल	2021	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
60.	प्रो. धनंजय पाण्डेय,स्कूल ऑफ मेटेरियल सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) रियेक्टीव कॉम्पैटीबिलाइज़ेशन ऑफ पालिकार्बोनेट एण्ड पोलि ($SnCl_2.2H_2O$, [CH_3 $(CH_2)_3CH(C_2H_5)$ $COO]_3$ $Sn(CH_2)_3$ CH_3 } एण्ड {CH_3 $(CH_2)_3$ CH) C_2H_5) $COO]_2Sn$}:) (ख) मिसिबल पोलिकार्बोनेट – पोलिक्राइलेटस ब्लेंड्स थ्रू रियेक्टीव एक्सटूज़न (ग) काम्पेटिबल ब्लेंड ऑफ पोलीकार्बोनेट विद ए क्राइलेट पॉलिमर	2010	एन.ओ.सी.निर्गत/वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या – आई.पी.आर.सेल/५२दिनांक१०.१०.२०१२/प्रतिक्रिया नहीं पेटेंट आवेदन संख्या- १४१/डेल/२०११ दिनांक २०.०१.२०११
61.	प्रो. डी. पाण्डेय, डॉ. राजीव प्रकाश एवं अन्य, स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	''ए प्रोसेस फॉर प्रीप्रेशन ऑफ ए होमोजिनियस पॉलीमर ब्लेंड्स पार्टीकुलर्ली ब्लेंड्स ऑफ पॉलीकार्बोनेट (पीसी) एण्ड पॉली (मेथाइलमेथाक्राइलेट) (पीएमएमए)''	2011	पेटेंट आवेदन संख्या १४१/डेल/२०११
62.	प्रो. वकील सिंह, डॉ. राजेश बंसल एवं अन्य, दंत चिकित्सा संकाय,	''हर्बल फॉमुर्लेशन एडवोकेटेड फॅार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोरोनेरी हार्ट डिज़ीज''	2011	आवेदन संख्या १४८६/डेल/२०११ (परीक्षण प्रतिक्षारत)
63.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए नोवेल हर्बल फॉमुर्लेशन फॅार द माड्यूलेशन ऑफ इम्यून सिस्टम ऑफ एच.आई.वी. इन्फेक्टेड पेशेन्ट्स एण्ड ए प्रासेस ऑफ प्रिपेयरेशन देयरआफ''	2011	प्रदत्त पेटेन्ट संख्या यू.एस. : २०१२००३४३२६ ए१ दिनांक १७ दिसम्बर २०१३ भारत में प्रकाशन आवेदन सं. २२७०/ सीएचई/२०१०
64.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''नॉवेल स्यूडोमोनास एरुजिनोसा बेक्टेरियोफेज़ेश एण्ड देयर यूसेज़ेज इन सेप्टीसिमिया''	2011	यू.एस.२०१३०७१४३५ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१३०४२१ ३२ (ए१) ई.पी.२७५८०६४ (ए१)
65.	प्रो. गोपालनाथ, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	मोडीफाइड टाइटिल-कम्पोजिशन फॉर थेराप्यूटीक या प्रोफिलेकटीक ट्रीटमेन्ट ऑफ बैक्टेरियल इनफेक्शन	2011	पेटेंट आवेदन संख्या ३५०४/डेल/ २०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ ड्राफ्ट पेटेंट इज इन प्रोपेश टू सेन्ड टू इक्जामिनर
66.	प्रो. संजय सिंह,डिपार्टमेंट ऑफ फार्मासीटिक्स, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि.	पेटेटिंग ऑफ एन इनोवेटिव आइडिया इन द फील्ड ऑफ फार्मासिटिकल इंजीनियर	2010	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं

67.	डॉ. एन.एस. राजपूत, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इंजिनियरिंग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) अ न्यूरल नेट इम्प्लिमेंशन ऑफ एस.पी.सी.एस. प्री. प्रोसेशर फॉर गैस/औडॅर क्लासीफिकेशन यूजिंग द रिसपोन्स ऑफ थीक फिल्म गैस सेंशर ऐरे (ख) अ फुली न्यूरल इम्लिमेंशन ऑफ यूनिटरी रिसपान्स मॉडल फॉर क्लासीफीकेशन ऑफ गैस/ओडोर्स यूजिंग फिल्म गैस सेंशर	2011	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रया नहीं
68.	डॉ. के. आर .सी. रेड्डी, ऐसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''फार्मास्यूटिक्ल स्टडी एण्ड फार्माकोलॉजीकल इवैल्यूयेशन ऑफ ब्राह्मी घृता : ए प्रीक्लीनीकल स्टडी''	2011	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
69.	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रीनिक्स इंजीनियरिंग आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर पेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर वेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	2011	आवेदन फिल्ड फॉर नेशनल फिल्ड (क) संख्या ०९/डेल/२०११ (ख) संख्या ६७/डेल/२०११
70.	श्री सुदीप पौल,सिनियर रिसर्च फेलो, स्कूल ऑफ बॉयोमेडिकल, इंजीनियरिंग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	हियरिंग एण्ड एलांग वीथ वायरलेश डोर बेल वाइबरेटर सिंस्टम एण्ड इलेक्ट्रानिक्स ट्रार्च लाईट फैसिलिटी	2011	आवेदन संख्या १८३६/डेल/२०११ अ फिल्ड ऑन २८.०६.२०१२ प्रकाशन १३.०७.२०१२प्रजेन्ट स्टेटस ऑफ आप्लिकेशन इज सोइंग ''अवेटिंग फार इग्जामिनेशन''
71.	डॉ. आर. एन. राय, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''सिन्थेसिस ऑफ प्रोमिसिंग नॉवल बाइनरी आरगेनिक व्हाइट लाइट एमिटिंग मेटेरियल''	2011	एन.ओ.सी. निर्गत/ वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या – आई.पी.आर.सेल/५२ दिनांक १०.१०.२०१२/प्रक्रिया अर्न्तगत
72.	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर रिडक्शन इन ओबेसिटी एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ...''	2012	आवेदित
73.	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ट्रीटमेंट ऑफ मेनोपाउस सिड्रोम एण्ड प्रॉसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ...''	2012	आवेदित
74.	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन ऐज एंटी फैटिग एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ...''	2012	आवेदित
75.	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ग्रोइंग एडोलसेंट गर्ल एण्ड प्रॉसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ...''	2012	आवेदित
76.	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.कि.वि.सं.,का.हि.वि.वि.	स्टडी ऑफ एंटी-एस्थमेटिक इफेक्ट ऑफ स्टेंर्डडाइज़ एक्सट्रेक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउंडस विआ नासल स्प्रे एक्टुऐशन इन एरोसल फारल इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी	2012	संख्या.७१९२/डेल/२०१३ दिनांक १६.०७.१३ प्रकाशित दिनांक १७.०८.२०१३

77.	डॉ. निलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर-भौतिकी, महिला महाविद्यालय और अन्य	इलेक्ट्रालायसीस ऑफ स्ट्रेच वेस्ड इलेक्ट्रालायट	2012	आवेदन सं. १६६४/डीईएल/२०१२ दिनांक ३१.०५.२०१२ को जारी
78.	डॉ. विकास कुमार एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ फारमासिटिक्स आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	थेरोप्यूटीक यूज ऑफ पाइपर लागम रूट पाउडर फार प्रिवेन्शन एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ माइल्ड इण्टरमीट्रेन्ट स्ट्रेश इनड्यसेस साइकोपैथोलॉजी एण्ड एसोसिएटेड क्रोनिक डिजीज	2012	एन.ओ.सी. निर्गमित वायड पत्र. संख्या आई.पी.आर.सेल/४६ दिनांक २२.०९.२०१२ पेटेंट आवेदन को सूचित किया गया।
79.	डॉ. (श्रीमती) आशा लता सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान इन्वायरमेंन्टल साइंस, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय,	''डीसल्फराइज़ेशन ऑफ कोल विद रेल्सटोनिया एसपी. एण्ड स्यूडोजेन्थेमोनास एसपी''	2012	पेटेंट आवेदन जारी हुआ दिनांक २०.०६.२०१३
80.	डॉ. स्वर्ण लता, एसोसिएट प्रोफसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	''हेपोटोप्रोटेक्टीव इफेक्ट ऑफ फाइलेन्ट्स फ्रेटर्नस अगेनस्ट साइक्लोफॉसफामिडिया पोटेन्ट एण्टी कैंसर ड्रग''	2012	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
81.	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	''प्रॉसेस फॉर आइसोलेशन एण्ड प्यूरिफिकेशन ऑफ पेरौक्सीडेज़ एन्जाइम फ्राम राइस प्लांट्स एण्ड एप्लीकेशन''	2012	प्रक्रिया के अंतर्गत
82.	डॉ. करूणा सिंह, एसिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	''एक्वेअस एक्स्ट्रेक्ट ऑफ होल फ्रूट्स ऑफ अजाडिरक्ता इंडिया एल. ऐज एंटी फंगल एजेंट फॉर द् ट्रीटमेंट ऑफ सप्रोलेग्निएसिस विद रिफरेंस टू फ्रेस वाटर फिशेस''	2012	आवेदन संख्या १९७२/डेल/२०१३ दिनांक ०३/०७/२०१३
83.	श्री गोविन्द कपसेठी, सीनियर रिसर्च फेलो, बायोमेडिकल विभाग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	पीजोलेक्ट्रक बोन सीमेंट फॉर बायोमेडिकल आवेदन	2012	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
84.	प्रो. डी. दास, हेड, जैव-रसायन विभाग, चि.वि.सं.	''डेवलपमेंट ऑफ नैनो गोल्ड- बेस्ड डायग्नोस्टीक मार्कर फॉर कार्डिओवैस्कूलर डिसोआडर्स''	2012	एन.ओ.सी. निर्गत/ आईपीआर सेल/८३ दिनांक २९.१२.२०१२
85.	डॉ. पी. के. सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भू-विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''रिमूवल ऑफ टॉक्सिक ट्रेस मेटल्स फ्राम कोल विद मिक्सड बेक्टेरियल कोर्न्सोटीया''	2012	पेटेंट आवेदन जारी किया दिनांक २०.०६.२०१३
86.	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	''ए मोडिफाइड कार्बन पेस्ट इलेक्ट्रोड विथ पैरोक्साइडेसेस''	2012	आवेदन संख्या ४७८/डेल/२०१३
87.	डॉ. निरज शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग आई.आई.टी.	नॉन इनवेसिन्स ब्लड ग्लूकोज मेटर बेस ऑन मोडूॅलेटेड अल्ट्रासाउंड एण्ड आप्टिकल टेन्केनिक	2012	आवेदन संख्या ३८७७/डेल/२०१२ दिनांक १४.१२.२०१२ प्रकाशित १८.०१.२०१३ एन.ओ.सी.निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/७२-७४ दिनांक १२.१०.२०१२
88.	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायाचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	''स्टडी ऑफ एंटी अस्थमेंटिक इफेक्ट ऑफ स्टैण्डर्डाइज एक्स्ट्रैक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कंपाउण्ड वाया नसल स्प्रे एक्युएशन इन	2012	आवेदन संख्या ७१९२/डेल/ २०१३ दिनांक १६.०७.२०१३

		ऐरोसोल फार्म इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्परेटिव क्लिनिकल स्टडी''		प्रकाशन – १७.०८.२०१३
89.	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय का.हि.वि.वि.	''ए पेटर्न रिकगनाइजेशन रेसेप्टर पर्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर विच हेज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज. इन सिस्टम लूपस''	2014	आवेदन संख्या १२८/डेल/२०१३ जारी १८.०१.२०१३
90.	डॉ. के.एन. तिवारी,एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	''एटीफंगल एक्टीविटी ऑफ फयलान्ट्स फ्रेटेरेन्स अगेन्स्ट क्रिप्टोकाकस स्पेसिस फॉर पोटेंट एंटिफंगल ड्रग''	2013	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर.सेल/३८ दिनांक १६.१०.२०१४ फाइनल पेटेंट आवेदन संख्या ४११/डेल/२०१६ दिनांक ११.०२.२०१६
91.	श्री ओ.पी. सिंह, ओक्यूपेन्सनल थीरेपिस्ट, आर्थोपेडिक्स विभाग, सर सुन्दर लाल हास्पिटल, का.हि.वि.वि	''टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज्ड''	2013	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
92.	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	''टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज़्ड''	2013	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
93.	प्रो. देबब्रत दास, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि.	डेवलपमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रोमिकल सेन्सर फॉर स्क्रनिक एण्ड डाइग्लोसिस ऑफ इंडिवीजूएजल एट हाई रिस्क टू डेवलप आर्टीएलीयर थ्रोम्बोसिस	2013	एन.ओ.सी. निर्गत/ आई.पी. आर. सेल/०७ दिनांक ०३.०५.२०१३ और ०४.१२.२०१३
94.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट इरिटेबल बॉवेल सिन्ड्रोम (आई.बी.एस.)''	2013 2014	आवेदन पत्र प्रस्तुत ३७९७/डी.ई.एल./२०१३ १४/४६८,२७६ यू.एस.
95.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ मेटॉबोलिक सिन्ड्रोम बाई इटस् एडिपोनेटिन इनहान्सिंग प्रापर्टी''	2013 2014	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८१ यू.एस.
96.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''मेटॉबालिक सिन्ड्रोम एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिज़ीज मार्टेलिटी रिस्क - इटस् प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट बाई ए प्लान्ट बेस्ड ड्रग''	2013 2014	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८१ यू.एस.
97.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स''	2013 2014	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.
98.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''रेगूलेशन ऑफ ब्रेन बायोजेनिक एमिन्स एसोसिएटेड विथ डिप्रेशन वाई ए फार्मूलेशन फ्राम बोटानिकल सौर	2014	आवेदन पत्र प्रस्तुत, भारत, यू.एस. और यूरोपियन संघ
99.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	एसोसिएशन बिटबिन नियोप्टेरिन कॉन्स्ट्रेशन एण्ड न्यूरोवास्कूलर चेन्जेस इन टाइप-२ डाइबिटिज पेसेंट इफेक्ट ऑफ एन आयुर्वेदिक फॉर्मुलेशन मेन्ली कन्टेनिंग बर्बेरिस एरिस्टाटा	2014	एनओसी निर्गत पत्रांक १९ दिनांक १३.०५.२०१४ कोई प्रितिक्रिया नहीं
100.	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए पेटर्न रिकागनाजेशन रेसेप्टर पार्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर विच हेज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज़ इन सिस्टम लूपस''	2014	एन.ओ.सी. निर्गत

101.	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''एंटी केन्सरस इनहेंसमेंट बाई सीजीए टू कूर''	2014	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०५ दिनांक १०.०४.२०१४/ प्रतिक्रिया नहीं
102.	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलाजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	क्लोरोजेनिक एसिड बाइन्ड टू एचएमजीबी-१ टू इनहेन्स एन्टी कैन्सरस कैप्सीटी ऑफ हरबल एक्ट्रक्ट अगेंस्ट लीबर कैंसर	2014	पेटेंट आवेदन संख्या १२२०/डेल/२०१४ फिल्ड दिल्ली जारी दिनांक २९.०४.२०१४
103.	प्रो. जी.पी. दूबे, डिस्टिंगविस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर एण्ड कोरर्डिनेटर, एनएफटीएचएम, चि.वि.सं.	''इनवेशन ऑफ ए न्यू टेक्नोलॉजी पी००७ टू मेज़र डेंसीटी इन न्यूरोडेजेनरेटिंव एण्ड न्यूरोसायट्रीक''	2014	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. आईपीआर सेल/१९
104.	प्रो. जी.पी. दूबे,डिस्टिंग्विस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर एण्ड को- आर्डिनेटर एनएफटीएचएम, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	(क) एसोसिएशन बिटवीन नीपोटेरिन कन्सटरेशन एण्ड न्यूरोवेसकूलर चेन्ज इन टाइप-२ डाइबीटीज पेटेंट कफेक्ट ऑफ एन आयुर्वेदिक फॉरमूलेशन मेनली कन्टेनिंग बर्बर इज रीस्टाटा (ख) इन्वेशन ऑफ अ न्यू टेक्नालॉजी पी ७०० टू मेजर डेंसिटी इन न्यूरोडिग्नेरेटिव एण्ड न्यूरोसाइकेट्रिक इलनेस	2014	(क) एन.ओ.सी. निर्गत/ आई.पी.आर.सेल/१९ दिनांक १३.०५.२०१४ (ख) एन.ओ.सी. निर्गत/ आई.पी.आर. सेल/ १६ दिनांक १३.०५.२०१४
105.	प्रो. डी. दास, बायो-केमेस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	फोटोथरमल अबलेशन ऑफ थ्रोम्बस एण्ड रीलीफ फ्राम वैसकूलर ब्लाकेज यूजिंग नीर-एक्टिव नैनोमैटेरियल मोडिफाइड टाइटिल-अ फेब्रीन-टारगेटिंग डिवाइज वीथ नीर-एक्टिव नैनोमैटेरियल्स फॉर इम्प्रूब थ्रोम्बोलीसीस एम्प्लाइंग फोटोथरमल मेथड	2014	पेटेंट आवेदन संख्या ०३१६८/डेल/२०१४ फिल्ड एट दिल्ली ०३.११.२०१४ को जारी। प्रार्थना टू फर्निस्ड द कॉमेन्ट ऑफ द फन्डिग एजेन्सी फॉर चेन्ज इन टॉपिक
106.	डॉ. किरन सिंह, सहायक प्रोफेसर, माल्क्यिूलर एण्ड ह्यूमन जेनेटिक्सख विज्ञान संकाय	यूज ऑफ माईलोएड ड्राइब सूप्रशर सेल बायोमार्कर फॉर द डाइग्लोसिस ऑफ अर्ली प्रेग्नेंसी लॉस	2014	एन.ओ.सी. निर्गत/ आई.पी.आर. सेल/५५ दिनांक ११.०३.२०१४/नो रिसपोन्स
107.	डॉ. चन्दन रथ, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मेटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉली, आई,आई.टी	डिग्रेशन ऑफ आर्गनिक पोलूटेन्ट अन्डर सनलाइट यूजिंग नैनोपार्टिकल सिन्थेसिड हाइड्रोथरमेलि	2014	एन.ओ.सी. निर्गत/ आई.पी.आर. सेल/०६ दिनांक ०१.०५.२०१५
108.	डॉ. करूणा सिंह, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय	एन्टीफंगल इफेक्ट ऑफ सीन्नामोन एक्सट्रेक्स ऑन (सी.बी.एस. ५७७.९३सी.बी.एस. १०१११९) एण्ड एक्सोफिलॉल डर्मटाइडिस (एम.टी.सी.सी.९३४६)	2014	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर.सेल/३१ दिनांक ०८.१०.२०१५ पेटेंट फिल्ड प्रोविजनल आवेदन संख्या २०१६११००४८४५ दिनांक ११.०२.२०१६
109.	डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	अ नॉवेल प्रोसेस फॉर द डेवलपमेंट ऑफ पी-टोलूनीसलफोनेट डॉप्ड पॉलीफेरॉल / कार्बन कम्पोसाइड इलक्ट्रोड एण्ड अ प्रीपरेशन ऑफ द सेम इलक्ट्रोड फॉर सुपरकैपीसिटर	2014	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर.सेल/३५ दिनांक ३०.०९.२०१४ यू.स. पेटेंट आवेदन संख्या

				१४/४६४८४५ दिनांक २१.०८.२०१४
110.	डॉ. प्रीति एस. सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज्ड	2014	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
111.	डॉ. सूर्य प्रताप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	''मेकुना प्रुरिंस शीड एक्सट्रेक्ट देयरऑफ फॉर द ट्रिटमेंट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसआर्डर''	2014	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०३ दिनांक १०.०४.२०१४/ प्रतिक्रिया नहीं आवदेन संख्या ९१८/डेल/२०१४ दिनांक ३१.०३.२०१४
112.	डॉ. रश्मि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	''फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी-एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एबसोरप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स''	2015	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/३९ दिनांक १६.११.२०१५
113.	डॉ. राजेश बंसल, रीडर, प्रोस्थोडोंटिक्स, यूनिट फैकल्टी ऑफ डेन्टल साइंस, आई.एम.एस, का.हि.वि.वि.	शरफेस मोडिफिकेशन ऑफ टाइटेनियम बाई इनकार्पोरेशन ऑफ कार्बन	2014	एन.ओ.सी.निर्गत/आई.पी. आर.सेल/२२/ दिनांक ०६.०६.२०१६
114.	डॉ. रश्मि सिंह,एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	''फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी-एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एबसोरप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स''		पेटेंट आवेदन पत्र १,२ और ३ निर्गत एन. ओ.सी. निर्गत दिनांक ०६.११.२०१५ पत्र नं. टी.पी.आर.सेल/३९
115.	प्रो. अरूणा अग्रवाल, प्रो. और समन्वयक, एसीटीजीएम, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.	(क) इवेल्यूशन ऑफ मेन्टल हेल्थ स्टेट्स ऑफ ट्रिबल चिल्ड्रेन करेन्ट स्टेट्स एण्ड स्ट्रैटीजिस फॉर डेवलेपमेन्ट एण्ड साइन्टिफीक वैलीडेशन ऑफ मेडिसिनल प्लान्ट फाउन्ड इन ट्रिबल एरिया (ख) मार्करस ऑफ न्यूरो-इन्फलामेशन एसोसिएटेड विथ न्यूरोडेजेनेरेटिंव डिसआर्डर इन टाइप-२ डिवेटस मेलिट्स पेटेंट्स – रोल ऑफ मोरिंगा ओलेइफेरा एक्स्ट्रेक्ट	2015	कोई प्रक्रिया नहीं
116.	डॉ. निलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर – भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय और अन्य	लॉ कॉस्ट इलेक्ट्रोलायट मेमब्रेस फॉर माइक्रोबायल फूयेल सेल एप्लीकेशन सिंथेजाइड बाई कम्प्लेक्शींग स्ट्रेच (वीट, कार्न एण्ड राइस) विथ साल्ट	2015	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर.सेल/५३ दिनांक १७.१२.२०१५ पेटेंट आवेदन संख्या २०१६११००६७३२ दिनांक २६.०२.२०१६
117.	डॉ. एस. भट्टाचार्या, असोशिएट केमेस्ट्री, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	न्यू फोटोक्रोमिक मटेरियल	2015	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं

118.	श्री प्रसन्न कुमार, पीएच.डी. तृतीय वर्ष छात्र. कवक शरीर क्रिया विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	प्लांट बेस्ड हैवी मेटल सेंसस	2015	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
119.	प्रो. ओंकार नाथ श्रीवास्तव, हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र, भौतिकी विभाग, का.हि.वि.वि.	सिंथेसिस ऑफ प्योर MgH_2 विथ रिवर्सिबल हाइड्रोजन स्टोरेज कैपेसिटी	2015	पत्रांक- आईपीआर सेल/२८ दिनांक २४.०९.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत
120.	श्री अविनाश उपाध्याय, बी.एससी. तृतीय वर्ष छात्र, कृषि संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	ओल्डेस्ट रेन गेज ०.२५ ड्रोन	2015	पत्रांक-आईपीआर सेल/२४ दिनांक १२.०९.२०१५ के माध्यम से अनओसी निर्गत
121.	डॉ. शशि पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	मैपिंग द आर्सेनिक स्ट्रेस-इंड्यूस्ड प्रोटिओम ऑफ आर्टेमीसिया एन्यूआ यजिंग २-डी इलेक्ट्रोफोरेसिस एण्ड एमएएलडीआई-टीओएफ-एमएस	2015	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
122.	डॉ. गीता राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि	ए नोवेल फार्म्यूलेशन ऑफ विटामिन इंक्रीज द इम्यून इफिसिएंशी इन लो बर्थ वेट न्यूबोर्न	2015	पत्रांक-आईपीआर सेल/४१दिनांक ०६.११.२०१५ के माध्यम से अनओसी निर्गत प्रपत्र २६ (पावर ऑफ एटोर्नी) प्रक्रियाधीन
123.	प्रो. एच.बी. सिंह, विभागाध्यक्ष, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	बोर्ड स्पेक्ट्रम एंटिफंगल इफीसिएंसी ऑफ सिलवर नेनोफारमूलेशन	2015	पत्रांक- आईपीआर सेल/५७ दिनांक २६.१२.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत कोई अग्रिम सूचना नहीं।
124.	डॉ. मीनाक्षी सिंह, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, माइक्रोलॉजी एण्ड प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	प्रिपरेशन ऑफ मॉलीक्यूलरली इंप्रिंटेड पॉलीमर-क्वार्ट्ज क्रिस्टल माइक्रोबैलेंस (एमआईपी-क्यूसीएम) डिवाइस फॉर डिटेक्शन ऑफ निशेरिया मेनिंगिटाइड्स बैक्टीरिया	2016	पत्रांक- आईपीआर सेल/०१ दिनांक ११.०४.२०१६ सीएसआईआर के साथ प्रक्रियाधीन है
125.	प्रो. आर.एम. सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	प्रॉसेस फॉर प्रिपरेशन ऑफ टर्मिनल अल्काइन्स	2016	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्रांक संख्या आईपीआर सेलदिनांक ११.०.२०१६
126.	डॉ. एम. मुत्सुद्दी, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवांशिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	केएच डोमेन कंटेनिंग प्रोटीन्स डेप्लेट्स पैथेजेनिक स्पाइनोसेरेबेलर अटैक्सिया ८ ट्रांस्क्रिप्ट्स एण्ड सप्रेसेस न्यूरोजेनेरेशन इन ड्रोसोफिला डिजीज मॉडल ऑफ द डिजीज	2016	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
127.	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि.	मल्टी – लेवेल थेरेप्यूटिक ऑफ प्लेटलेट मेटाबोलिज्म ऐज ए नोवेल एंटी- थ्रोंबेटिक स्ट्रैटेजी	2016	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
128.	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	प्रोफिलैक्टिक एफिकैसी ऑफ ट्रिब्यूलस टेरेस्ट्रिस ए पोटेंट एफ्रोडिमिक हर्ब ऑन पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस)	2016	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
129.	डॉ. विवेक सिंह, भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	ब्राग फाइबर वावगाइड बायों- सेंसर बेस्ड ऑन डिफेक्ट मोड	2016	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं

130.	प्रो. एन. के. दूबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिंग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	2017/2006	ऑथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार इसूड द्वारा लेटर न. आई.पी.आर सेल/७३ दिनांक २७.०३.२०१७
131.	डॉ. प्रीति एस सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	टाइटिल अन नाट डिस्क्लोज्ड	2014	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
132.	प्रो. एन. के. दूबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	2017/2006	ऑथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार द्वारा इसूडलेटर न. आई.पी.आर सेल/०१ दिनांक ०३.०४.२०१७
133.	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान का.हि.वि.वि.	टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज्ड	2016	प्रपत्र १,२ व ३निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
134.	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि.	नोवेल थर्मोजेनिक स्टेंट डिवाइस फॉर ऐब्लेशन ऑफ थ्रोंबस एण्ड प्रिवेंशन ऑफ रेस्टेनोसिस इन ऑब्स्ट्रक्टेडस्टेंट	2016	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
135.	डॉ. विवेक सिंह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ब्रग्ग फाइबर वेवगाइड बायो-सेंसर बेस्ड आन डीफेक्ट मोड अप्लिकेशनः डॉ. विवेक सिंह एण्ड बी.एच.यू.	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ ०३ दिनांक ११.०४.२०१७ पेटेंट संख्या २०१७११०१५१३० ए निर्गत
136.	प्रो. एन.के. दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	नोवेल कम्पोजिशन फार कन्ट्रोलिग स्टोरेज पेट्स एण्ड माइकोटिन प्रोडक्सन। (एम.ल्यूकेडेंड्रन एण्ड केरम कारवी) अप्लिकेशनः बी.एच.यू.	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या २५८६/डेल /२००६ दिनांक ०४.१२.२००६ पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २९८२२० दिनांक २८.०६.२०१८
137.	डॉ. प्रीति एस. सक्सेना, जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	लीपोपोलाइसाचारिड (एलपीएस) एण्ड एन-डोपड कार्बन क्वांटम डाट (एनसीक्विडीएस) अप्लिकेशनः आल इनवेन्टर एण्ड बी.एच.यू.	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २५ दिनांक ०९.०८.२०१७
138.	डॉ. प्रीति एस. सक्सेना, जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	लीपोपोलाइसाचारिड (एलपीएस) एण्ड एन-डोपड कार्बन क्वांटम डाट (एनसीक्विडीएस) अप्लिकेशनः आल इनवेन्टर एण्ड बीएचयू	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २५ दिनांक ०९.०८.२०१७
139.	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ए नोवेल मिल्क डेरिड फारमूलेशन वीथ पोटेन्सियन फार मनेजमेन्ट आफ डेंगू अप्लिकेशनः बी.एच.यू.	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६२ दिनांक ३०.०१.२०१७ पेटेंट आवेदन संख्या २०१६११०४४७१

				दिनांक २७.१२.२०१६
140.	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ए नोवेल सिल्वर नैनोपार्टिकल कन्जगेट प्रीपेयर्ड पीटोकेमिकल एक्ट्रक्ट केसिग प्रीफर्ड इन कैंसर सेल लाइन एण्ड द प्रीपरेशन प्रोसेस थीरीन अप्लिकेशनः बी.एच.यू.	2017	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६२ दिनांक ३०.०१.२०१८ पेटेंट आवेदन संख्या २०१७११०१८८३४ दिनांक २९.०५.२०१७
141.	डॉ. के.एम. पेलंडूकर सहायक प्रोफेसर, बायोकेमिट्री, आई.एम.एस., बी.एच.यू.	डीवाइस एण्ड मैथड फार बीलीरूबीन इन्टरफरेन्स रिमूवल फ्राम बाइलॉजिकल सैम्पलअप्लिकेशन :डॉ. के.एम. पेलंडूकर, बी.एच.यू.एण्ड डिजाइन इन्वोसन सेंटर, बी.एच.यू.	2018	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल /७२ दिनांक १४.०२.२०१८
142.	प्रो.ओ.एन. श्रीवास्तव, नैनो साइंस, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	कार्बन हालो सिलेंडर मेड उप फ्राम रेडियली एलाइंड कार्बन नैनोटूड ऐरेज एज एफिसिएंट एलेक्ट्रोमग्नेटिक मटेरियल। आवेदक सभी आविष्कारक और बीएचयू	2018	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २१ दिनांक ०४.०६.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
143.	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	बिवेसिजुमेब (Bevacizumab) मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के संवर्धित अभिव्यक्ति के लिए एक उपन्यास नवीन संचालन प्रणाली का विकास	2018	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत
144.	डॉ. मनीष अरोरा, सहायक प्रोफेसर, समन्वयक, अभिकल्प नवप्रवर्त केन्द्र, काहिविवि	रिक्शा चालकों के लिए स्लीपर रिक्शा-मेक/डिजाइन रिक्शा घर। आवेदक सभी आविष्कारक, डीआईसी बीएचयू और बीएचयू	2018	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २४ दिनांक १८.०६.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
145.	डॉ. भाग्यलक्ष्मी महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	डायग्नोस्टिक्स में इस्तेमाल किया जाने वाला बायोमार्कर	2018	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
146.	प्रो. अनिल कुमार चौहान, समन्वयक, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	पकाने के लिए तैयार मल्टी ग्रेन खिचड़ी के उत्पादन के लिए प्रक्रिया अनुकूलन (process optimization)। आवेदक: बीएचयू	2018	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ ६० दिनांक ०४.८.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
147.	प्रो. अनील कुमार चौहान, समन्वयक, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	मेथी के बीज पाउडर और प्राकृतिक मीठे (स्टीविया) के माध्यम से चीनी मुक्त बिस्किट का विकास और प्रक्रिया अनुकूलन (process optimization)	2018	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
148.	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	माइक्रोबियल कंसोर्टियम युक्त एन्कैप्सुलेटेड बायोप्रैमड बीजों का विकास और उनका उपयोग । आवेदक: सभी आविष्कारक और बीएचयू	2018	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६६ दिनांक ०४.०९.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र

				जारी
149.	डॉ. करूणा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय का.हि.वि.वि.	क्रिप्टोकोकस हेओफॉर्मन्स (एमटीसीसी१४३१ प्लस ७ अन्य आइसोलेट्स), ऑरोबेरिडियम पुलुलेंट्स (सीबीएस ५७७.९३,सीबीएस१० १११९), एक्सोफियाला डर्मेटाइड्स (एमटीसीसी९३४६), कैंडिडा एल्बिकंस (एमटीसीसी ३०१७) और फ्यूशियस पर दालचीनी का एंटीफंगल प्रभाव	2018	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
150.	प्रो. एच.बी.सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	एंडोफाइटिक बैक्टीरिया के बायोफिल्म गठन के लिए प्रक्रिया और उसका उपयोग	2018	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
151.	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	संभावित शीर्षक: रैपिड मेथड अर्थवर्म (आइसेनिया फेटिडा)	2018	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
152.	श्री आशीष कुमार सिंह, शोध छात्र, सूक्ष्म जैविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: क्लिक इंस्पायरड ऑफ वॉटर सोल्यूबल एंड बायोकंपैटिबल करक्यूमिन एंड इट्स एंटीबैक्टेरियल, एंटीबायोफिल्म एंड अदर पोटेन्सियल थ्योरेपेटिक यूसेज	2019	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल १०२ दिनांक २३.०१.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
153.	प्रो. एच.बी.सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	शीर्षक: मृदा जनित रोग से सुरक्षा के लिए बायोडिग्रेडेबल गमले का विकास और उसी विधि।	2019	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ९३ दिनांक १४.०१.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
154.	प्रो. एच.बी.सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: गोल कृमि की आबादी को रोकने और पादप विकास संवर्धन के लिए एक नवीन नैनोफॉर्मुलेशन और उसकी प्रक्रिया	2019	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
155.	प्रो. अंचल श्रीवास्तव, भौतिक विभाग विज्ञान संस्थान, काहिविवि	संभावित शीर्षक: प्रतिष्ठित गेट डाइलेक्ट्रिक का उपयोग करके उच्च प्रदर्शन ग्राफीन ट्रांजिस्टर	2019	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
156.	डॉ. अभिजीत मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: बैक्टीरियोफेज एंटीजन और एंटीब डी के शुद्धिकरण के लिए एक विधि	2019	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
157.	श्री. स्मिता यादव, शोध छात्र, जैवरसायन विज्ञान संकाय, काहिविवि	शीर्षक: ग्रीन नैनोपार्टिकल यौगिक जो बहुत कम खुराक में फाइलेरिया परजीवी को मारने के लिए अधिक कुशल पाया गया	2019	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत

158.	प्रो. देवब्रत दास विभागाध्यक्ष,जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान काहिविवि	शीर्षक: इन-स्टेंट थ्रोम्बोसिस की रोकथाम के लिए एक नवीन मल्टीमॉडल ड्रग इल्यूटिंग थर्मोजेनिक स्टेंट डिवाइस	2019	निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल १३५ दिनांक ०९.०३.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
159.	प्रो. अरविन्द.एम.कायश्थ, जैव-प्रौद्योगिकी विद्यालय विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: बी-एमिलेज एंजाइम प्यूरिफाएड फार्म प्लांट सोर्स पर भारतीय पेटेंट	2019	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
160.	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	**शीर्षक:** मृदा जनित रोग से सुरक्षा के लिए बायोडिग्रेडेबल गमले का विकास और उसी विधि।	2019	पत्र संख्या. आईपीआर सेल/०२ दिनांक ०८.०४.२०१९ द्वारा अनात्ति प्रमाण पत्र जारी।
161.	प्रो. अंचल श्रीवास्तव, भौतिक विभाग विज्ञान संस्थान, काहिविवि	**शीर्षक:** सिगरेट के धुएं से टॉक्सिन निकालने के लिए कार्बन नैनोट्यूब फिल्टर **आवेदक**: डॉ अंचल श्रीवास्तव और बीएचयू	2019	प्रपत्र I, II और **III**जारी
162.	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	**शीर्षक:** एक नया नैनो-बायोपेस्टीसाइड्स फॉर्मूलेशन और उसे तैयार करने की विधि **आवेदक:** समस्त अन्वेषक और बीएचयू	2019	पत्र संख्या.आईपीआर सेल/०८ दिनांक ०७.०५.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी।
163.	डॉ. जे.पी. दुबे प्रतिष्ठा अध्ययन के प्रोफेसर निदेशक और समन्वयक सहयोगी कार्यक्रम, आईएमएस, बीएचयू	**शीर्षक:** स्तन कैंसर की रोकथाम और प्रबंधन के लिए आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन की भूमिका **आवेदक:** श्री सुरेश गर्ग, मैसर्स जीओन लाइफ-साइंसेज और बीएचयू	2019	अनापत्ति प्रमाण पत्र
164.	डॉ. जश्मीत सिंह, द्रव्य गुण विभाग,आयुर्वेदिक संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान,	शीर्षक: बवासीर के अर्श डब्लू.एस.आर. में अपामार्ग अचिरन्थेस एस्पेरा लिन प्रतिसारणीय क्षार का फार्माको-क्लिनिकल अध्ययन। आवेदक: बीएचयू और डॉ. जसमीत सिंह	2019	पत्र संख्या. आईपीआर सेल/१८ दिनांक २९.०६.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी।
165.	प्रो. अरविन्द आचार्या पी.आई., प्रयोगशाला इम्यूनोलॉजी, कैसर बायोइन्जिनियरिंग संक्रामक रोग, विभाग और जूलॉजी,इस्टीट्यूट ऑफ साइंस	**शीर्षक:**	2020	प्रपत्र I,IIऔर III जमा है लेकिन अपापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है-कुछ प्रश्न/आपत्ति है
166.	डॉ. गीता राय, भूभौतिकी विभाग विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: कोविड १९....के लिए एक नैदानिक विधि। आवेदक: डॉ. गीता राय	2020	प्रपत्र I,IIऔर III जमा है लेकिन उनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं दिया गया है-संशोधन की आवश्यकता है
167.	प्रो. रवि कुमार अस्थाना, वनस्पति विज्ञान विभाग विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: सियानोबैक्टीरियम से प्रबल अंश का रासायनिक फिंगरप्रिंटिंग........। आवेदक: वनस्पति विज्ञान विभाग, बीएचयू और आईआई टी बीएचयू	2020	पहले से ही फरवरी २०२० में दायर किया गया था लेकिन अभी भी अनापत्ति प्रमाणपत्र के लिए लंबित है।

8. छात्रवृत्तियाँ / अध्येतावृत्तियाँ (विद्यार्थियों के लिए)

छात्रवृत्तियाँ/अध्येतावृत्ति (छात्रों के लिए) 2020-21

क्र.सं.	छात्रवृत्ति का नाम	संख्या
1.	आर एकाउन्ट-आबजेक्ट हेड -'31' (ए), (बी) और (सी) के अन्तर्गत यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति	1008
2.	यू.जी.सी. – नेट- जे.आर.एफ.	1050
3.	सी.एस.आई.आर. नेट-जे.आर.एफ./एस.आर.एफ.	281
4.	प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभागों में सी.ए.एस./एस.ए.पी. में विलय की जा चुकी कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	13
5.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में मानविकी स्नातकोत्तरों को आयुर्वेद कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	13
6.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में प्रायोगिक चिकित्सा केन्द्र एवं शल्य शोध प्रयोगशाला में विज्ञान स्नातकोत्तरों के लिए कनिष्ठ व वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	15
7.	राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति अनूसूचित जाति के लिए	74
8.	दिव्यांग शोध छात्रों के लिए राजीव गाँधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	12
9.	अनुसूचित जनजाति के शोधछात्रो को उच्च शिक्षा राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	21
10.	प्रतिभावान छात्रों के लिए विज्ञान में यू.जी.सी. शोध अध्येतावृत्ति .	03
11.	नेपाल अध्ययन केन्द्र में शोध अध्येतावृत्ति	02
12.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग,विभाग द्वारा प्रदत्त डी.बी.टी.-जे.आर.एफ.	22
13.	एक मात्र संतान लड़की के लिए विवेकानन्द स्नाकोत्तर छात्रवृत्ति	05
14.	राज्य कृषि मंडी परिषद छात्रवृत्ति	72
15.	यू.जी.सी.-डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	22
16.	डा० एस. राधा कृष्णनन पी.डी.एफ अध्येतावृत्ति	15
17.	यू.जी.सी.-महिला पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	14
18.	मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप	21
19.	पिछड़ी जाति के राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	78
20.	यू.जी.सी.-पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति एस.सी./एस.टी.	05
21.	सी.एस.आई.आर. - आर.ए. को अध्येतावृत्ति	08
22.	आई.सी.ए.आर. – एस.आर.एफ./ जे.आर.एफ. (पी.जी.)	94
23.	आई.सी.एम.आर. अध्येतावृत्ति	61
24.	आई.सी.पी.आर. अध्येतावृत्ति	20
25.	नेट रहित के लिए आई.सी.एच.आर. अध्येतावृत्ति	06
26.	आई.सी.एस.एस.आर. अध्येतावृत्ति	78
27.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय छात्रवृत्ति शास्त्री तथा आचार्य	99
28.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्कीम नं.827 के अन्तर्गत एमएससी प्रथम एवं अंतिम वर्ष के छात्रों के लिये वृत्तिक	30
29.	इंसपायर फेलोशिप	59
30.	एमएचए-बीपीआर एण्ड डी/ इसरो/नाको/एनएसीओ/ एमएनआरई/एन. पी.डी.एफ./डीएआईसी	37
31.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	941
32.	अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/सामान्य श्रेणी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति (उ. प्र.)	6147
33.	डी.बी.टी.-आर.ए.	02
34.	शी.एस.आई.आर.-एस.पी.एम.फेलोशिप	03
	कुल	**10331**

9. सुविधाएं

9.1. आवास

- **9.1.1.** छात्रावास (बालक)
- **9.1.2.** छात्रावास (बालिका)
- **9.1.3.** छात्रावास (विदेशी)
- **9.1.4.** विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतुआवास सुविधाएँ

9.2. अतिथि गृह संकुल

9.3. इन्टरनेट एवं संगणक

9.4. सम्मेलन कक्ष

9.5. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ

9.6. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

9.7. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

9.8. अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय केन्द्र

9.9. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

9.10. विद्युत, जल

9.11. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

9.12. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र)

9.13. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद

9.14. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम

9.15. जलपान गृह

9.16. राष्ट्रीय सेवा योजना

9.17. नेशनल कैडेट कोर

9.18. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड

9.19. विपणन संकुल

9.20. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

9.21. छात्र कल्याण

- **9.21.1.** संस्थापन सेवा
- **9.21.2.** विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
- **9.21.3.** छात्र परिषद्
- **9.21.4.** नगर छात्र निकाय
- **9.21.5.** समान अवसर एवं समावेशी पद्धति
- **9.21.6.** पाठ्येतर क्रियाकलाप

9.22. हिन्दी प्रकाशन प्रकोष्ठ

9.1. आवास

9.1.1. छात्रों के लिए छात्रावास

लॉकडाऊन के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 में छात्रों को छात्रावास में रहनें की सुविधा नहीं दी गई। इसलिए छात्रावास काविवरण शैक्षणिक सत्र 2019-20 का है।

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
1.	बाल गंगाधर तिलक छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	196	392	392	01	08
2.	एस. राधाकृष्णन् छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	120	245	245	04	04
3.	बिरला 'अ' छात्रावास	कला संकाय	124	248	248	03	05
4.	बिरला 'ब' छात्रावास	कला संकाय	124	138	138	01	04
5.	बिरला 'स' छात्रावास	कला संकाय	132	262	262	03	02
6.	लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास	कला संकाय	306	559	559	01	07
7.	आई. एन. गुर्टू छात्रावास	वाणिज्य संकाय	119	255	255	01	01
8.	ए. बी. हास्टल (कमच्छा)	शिक्षा संकाय	85	122	122	01	12
9.	आर.पी.हास्टल (कमच्छा)	शिक्षा संकाय	48	86	50	01	04
10.	धनवन्तरी छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	210	210	209	01	03
11.	पुनर्वसु आत्रेय छात्रावास (आयु.)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	76	150	150	01	05
12.	रूइया छात्रावास एनेक्सी	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	107	210	208	01	05
13.	रूइया छात्रावास (मेडिकल ब्लाक)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	84	237	199	02	05
14.	सुश्रुत छात्रावास (ट्रामा सेंटर)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	410	406	403	02	07
15.	बी. आर. अम्बेडकर छात्रावास	विधि संकाय	70	70	70	01	01
16.	भगवान दास छात्रावास	विधि संकाय	119	246	246	01	02
17.	चाणक्य छात्रावास	विधि संकाय	94	188	175	00	05
18.	मैनेजमेंट छात्रावास	प्रबन्धशास्त्र संकाय	60	120	114	01	01
19.	सरदार बल्लभ भाई पटेल छात्रावास	बहु संकाय	77	109	108	02	03
20.	रीवा कोठी छात्रावास	मंच कला संकाय	42	49	49	03	00
21.	अरावली ब्वायज़ छात्रावास	रा.गां.द.प.	205	385	385	02	06
22.	हिमगिरी ब्वायज़ छात्रावास	रा.गां.द.प.	29	84	84	00	02
23.	न्यू ब्वायज़ छात्रावास	रा.गां.द.प.	50	112	112	01	03
24.	शिवालिक ब्वायज़ छात्रावास,	रा.गां.द.प.	150	350	350	01	05
25.	विन्ध्याचल ब्वायज़ छात्रावास,	रा.गां.द.प.	150	363	357	01	05
26.	भाभा छात्रावास	विज्ञान संकाय	193	371	371	01	05
27.	ब्रोचा छात्रावास	विज्ञान संकाय	322	650	630	06	07
28.	सी. पी. आर. अय्यर छात्रावास	विज्ञान संकाय	127	245	215	01	04
29.	डालमिया छात्रावास	विज्ञान संकाय	227	454	440	01	07
30.	रामकृष्ण छात्रावास	विज्ञान संकाय	127	267	257	01	02
31.	आचार्य नरेन्द्र देव छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	101	202	195	01	05
32.	मुना देवी छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	112	224	224	02	05
33.	पं. ब्रजनाथ हास्टल	सामाजिक विज्ञान संकाय	115	191	186	01	01

34.	राजा राममोहन राय छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	228	456	440	04	08
35.	रूईया छात्रावास (संस्कृत ब्लाक)	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	62	412	208	01	04
36.	रामकिंकर छात्रावास	दृश्य कला संकाय	16	37	37	01	02

9.1.2.छात्राओं के लिये छात्रावास

लॉकडाऊन के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 में छात्रों को छात्रावास में रहनें की सुविधा नहीं दी गई। इसलिए छात्रावास का विवरण शैक्षणिक सत्र 2019-20 काहै।

क्र. सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
1.	रानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	103	206	206	02	00
2.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र छात्रावास	कला संकाय	45	90	72	01	02
3.	फ्लोरेंस नाइटेंगल छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	53	106	106	02	13
4.	कस्तूरबा गर्ल्स छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	110	218	218	01	04
5.	महिला डॉक्टर्स छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	62	98	72	01	01
6.	मदर टेरेसा छात्रावास (१-२)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	38	78	78	01	00
7.	नागार्जुन गर्ल्स छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	92	109	109	01	06
8.	न्यू डॉक्टर्स गर्ल्स छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	95	210	210	02	04
9.	सुकन्या गर्ल्स छात्रावास (आयु.)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	35	70	70	02	01
10.	ज्योति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	137	274	274	1	13
11.	कीर्ति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	65	224	224	01	01
12.	कुन्दन देवी गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	74	148	148	01	02
13.	पाउगी हाउस गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	06	17	17	01	03
14.	प्रज्ञा कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	86	172	172	01	02
15.	स्वस्ति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	48	192	128	02	01
16.	नवीन गर्ल्स छात्रावास	बहु संकाय	19	108	104	01	01
17.	कामकाजी महिला छात्रावास	बहु संकाय	75	159	157	02	04
18.	न्यू गर्ल्स छात्रावास	रा.गां.द.प.	50	142	128	1	4
19.	नीलगिरी गर्ल्स छात्रावास	रा.गां.द.प.	115	307	307	02	05
20.	विन्ध्यवासिनी गर्ल्स छात्रावास, रा.गां.द.प.	रा.गां.द.प.	116	249	249	01	04
21.	गार्गी गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	54	108	108	02	07
22.	जे.सी.बोस गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	92	196	196	01	07
23.	कुन्दन देवी शताब्दी छात्रावास	विज्ञान संकाय	144	288	288	01	15
24.	मैत्रेयी गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	70	140	139	01	02

25.	सरोजनी नायडू गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	71	128	126	02	03
26.	क्वार्टर न.बी-१ गर्ल्स छात्रावास	समाजिक विज्ञान	09	25	25	01	02
27.	गंगा गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	88	184	184	01	01
28.	गोदावरी गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	77	155	155	01	01
29.	गोमती गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	235	467	467	01	05
30.	कावेरी गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	78	156	156	01	01
31.	सरस्वती गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	96	192	192	02	02
32.	यमुना गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	70	142	142	01	01

9.1.3. छात्रों के लिये छात्रावास (विवाहित/विदेशी)

लॉकडाऊन के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 में छात्रों को छात्रावास में रहनें की सुविधा नहीं दी गई। इसलिए छात्रावास का विवरण शैक्षणिक सत्र 2019-20 का है।

क्र. सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
1.	इन्टरनेशनल हाउस काम्पलेक्स	विदेशी	90	160	160	01	08
2.	सिद्धार्थ विहार	विदेशी	19	19	10	01	02
3.	इन्टरनेशनल गर्ल्स छात्रावास (एनेक्सी)	विदेशी	13	24	24	01	03
4.	न्यू.इन्टरनेशनल गर्ल्स छात्रावास	विदेशी	32	74	74	01	06

9.1.4. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएं

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में इस उद्देश्य के साथ हुई थी कि यहाँ शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी शैक्षणिक वातावरण में परस्पर सहयोंग से व्यक्तित्व का विकास कर रहे है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतू छात्र / छात्राओं के लिए छात्रावासों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारीयों हेतु क्रमश: 862 एवं 725 आवासों का निर्माण किया गया है। जिसमें से 200 शिक्षक फ्लैटों के आवंटन की प्रक्रिया हाल ही में पूरी की गई है। शिक्षकों हेतु मल्टी फ्लैट (संख्या 240) का निर्माण जोधपुर कॉलोनी में प्रगति पर है।

9.2. अतिथि गृह संकुल

अतिथि गृह संकुल परिसर में पांच अतिथि गृह: लक्ष्मण दास अतिथि गृह-हेरिटेज, लक्ष्मण दास अतिथि गृह-एक्सटेंशन, यूनिवर्सिटी अतिथि गृह, फैकल्टी अतिथि गृह और शांति स्वरूप भटनागर अतिथि गृह, शामिल हैं। अतिथि गृहसंकुल की अंतर्गत सभी अतिथि गृहविश्वविद्यालय के प्रमुख स्थानों पर स्थित हैं। विश्वविद्यालय का अतिथि गृहसंकुल अपने मेहमानों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और आतिथ्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अतिथि गृहों के कमरे यात्रियों के लिए आवश्यक सभी बुनियादी और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। अतिथि गृहसंकुल के अंतर्गत सभी अतिथि गृहों के डाइनिंग रूम आधुनिक किचन सुविधाओं से लैस हैं जो कम कीमत पर घर के बने भोजन जैसा भोजन उपलब्ध कराते हैं।

अतिथि गृहसंकुल पूरे विशवविद्यालय परिवार की आतिथ्य सम्बन्धी आधिकारिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओ की पूर्ती हेतु प्रतिबद्ध है। यह पूरे वर्ष विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बाहर से आये मेहमानों का आतिथ्य करता है। अतिथि गृहसंकुल को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को आतिथ्य सेवाएं प्रदान

करने का गौरव प्राप्त है,उनमें से कुछ इस प्रकार है : भारत के माननीय राष्ट्रपति,भारत के माननीय उपराष्ट्रपति,भारत के माननीय प्रधान मंत्री,विभिन्न राज्यों के राज्यपाल,विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री आदि। अतिथि गृहसंकुल की अंतर्गत विभिन्न अतिथि गृहो को कई प्रसिद्ध बॉलीवुड हस्तियों को अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करके का भी गौरव प्राप्त है।

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह संकुल का प्रबंधन पेशेवर ब्रिगेड द्वारा किया जा रहा है,जिसमें मुख्य वार्डन,वार्डन,प्रबंधक और फ्रंट ऑफिस, हाउस कीपिंग, खाद्य और पेय सेवा कर्मियों जैसे सभी चार क्षेत्रों से अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवर शामिल हैं। अतिथि गृहसंकुल के अंतर्गत सभी अतिथि गृहों के कमरे और सार्वजनिक क्षेत्र हाई स्पीड वाई-फाई नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

मार्च 2020 से अतिथि गृहसंकुल कोरोना वॉरियर्स (कोडिड 19 के दौरान सेवाएं दे रहे सर सुंदर लाल अस्पताल के डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ) के लिए एक आधिकारिक मेजबान रहा और उनके लिए गर्मजोशी से आतिथ्य सुनिश्चित किया।

गुणवत्तापूर्ण सुरक्षा सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए लक्ष्मण दास अतिथि गृह- हेरिटेज और लक्ष्मण दास अतिथि गृह- एक्सटेंशन में विभिन्न स्थानों पर 32 क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरे लगाए गए हैं। इस वर्ष रूफ टॉप वाटर प्रूफिंग भी की गयी है और आवश्यकता के अनुसार कुछ नए वातानुकूलित भी लगाए गए हैं।

9.3. इन्टरनेट एवं संगणक (संगणक केंद्र)

वर्तमान वर्ष कोविड-19 वैश्विक महामारी का शुरूवाती वर्ष था। अधिकांश राष्ट्रोंमें लॉकडाउन के कारण सब कुछ बन्द कर दिया गया था और जिसमें लगभग हर क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। शिक्षा व्यवस्था भी उनमें से प्रमुख रही है। किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत एक-दुसरे से मेल-जोल होता है जो इस बीमारी के लिए सबसे बड़ा खतरा है। लोगों से अपेक्षा की गई कि वे आपस में सुरक्षित दुरी बनाए रखें और कोविड नियमों का समुचित पालन करें। इन परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षण की शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की गयी जोकि एक चुनौती के रूप में आयी। उच्च शिक्षा की प्रेरक शक्ति के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगणक केन्द्र ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में स्वीकारा और वर्तमान वर्षमें एक आदर्श बदलाव किया है। इस शैक्षणिक वर्ष में, केंद्र ने उभरती प्रौद्योगिकियों की नवीनत्तम प्रवृत्ति के साथ तालमेल बिठाते हुए कई गुना प्रगति की है।

निम्नलिखित मुख्य आकर्षण-बिन्दु सफलता को दर्शाते हैं।

संगणक केन्द्र को केन्द्रीय अनुसंधान भवन में स्थानान्तरण करना

केंद्र नए अनुसंधान भवन में संगणक केन्द केआधारभूत की स्थापना एक बडा काम था। संगणक केन्द्र ने तीन दिनों से भी कम अवधि में सेवाओं में न्यूनतम व्यवधान के साथ व्यवस्थित रूप से संगणक केंद्र के पुराने भवन से नये भवन (सीडीसी) में स्थानान्तरण किया है। सभी उपकरण नए स्थान पर सुचारू रूप से कार्य कर रहें है।

ई.आर.पी. एवं डिजिटाइजेशन इंफ्रास्ट्रक्चर का स्थानांतरण

स्थानांतरित किया जाने वाला अगला महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा ईआरपी और डिजिटाइजेशन था जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन की महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक माना जाता है। इन सर्वरों को संगणक केन्द्र के सर्वर एरिया में सफलता पूर्वक स्थानांतरित किया गया है।

स्मार्ट क्लॉस प्रशिक्षण कक्षऔर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग हॉल की स्थापना

विश्वविद्यालय के विभिन्न हितधारकों को विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए केन्द्रिय अनुसंधान केन्द्र की पहली मंजिल पर एक पूरी तरह सुसज्जित स्मार्ट क्लॉस प्रशिक्षण भवन स्थापित किया गया है। इसके अलावा एक अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग हॉल की स्थापित किया गया है।

नई-डायनमिक बी.एच.यू. वेबसाइट

यह लंबे समय से प्रतिक्षित था कि व्यक्तिगत विभाग अपने संबंधित विभाग के वेब-पेजों पर अपनी नवीनत्तम जानकारी अपडेट कर सकें। इसके लिए नइे वेब-साईट का कार्य प्रगति पर है और शीघ्र ही इसका कार्य पूर्ण हो जाएगा और पुरानी वेब-साईट के स्थान पर नई वेब-साईट शुरू हो जायेगी।

कैंपस वाइड लैन नेटवर्क

केन्द्र ऑनलाइन कक्षाओं और अन्य शोध एवं शैक्षिणिक गतिविधियों के लिए तीव्र गति इंटरनेट संपर्क सुविधा प्रदान करने के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों और कार्यालयों के कक्षों में लैन पोर्ट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है।

लीज़ लाइन बैंडविथ में वृद्धि

केन्द्र ने बी.एस.एन.एल. और रेलटेल के 2.5 जी.बी.पी.एस के अलावा एन.के.एन. लीज लाइन बैंडविथ को १ जी.बी.पी.एस. से बढ़ाकर 4 जी.बी.पी.एस. कर दिया है। आवश्यकतानुसार संगणक केन्द्र अतिरिक्त बैंडविथ को भी बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

ऑनलाइन कक्षाओं के लिये प्रौद्योगिकियों को बेहतर समझ की आवश्यकता होती है। जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में उपयोग की जाती है। केंन्द्र ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और सहायक कर्मचारियों के लिए लगातार ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया है।

9.4. सम्मलेन कक्ष

प्रेक्षागृहों/सभागारों का विवरण

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों/संस्थान तथा महाविद्यालय के कई प्रेक्षागृह हैं तथा सभाओं के लिये कई सभागार हैं, जिनकी मरम्मत एवं रख-रखाव भी विश्वविद्यालय निर्माण विभाग सम्पादित करता है जिनका विवरण निम्नलिखित है:-

1. स्वतन्त्रता भवन (विश्वविद्यालय का मुख्य प्रेक्षागृह)	2. के. एन. उडुप्पा प्रेक्षागृह (चिकित्सा विज्ञान संस्थान)
3. कला संकाय का प्रेक्षागृह	4. पं. ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह (संगीत एवं मंच कला संकाय)
5. राधा कृष्णन सभागार (कला संकाय)	6. प्रदर्शनी कक्ष (दृश्य कला संकाय)
7. सभागार संख्या-1 (केन्द्रीय कार्यालय)	8. सभागार संख्या-2 (केन्द्रीय कार्यालय)
9. महिला महाविद्यालय प्रेक्षागृह	10. चाणक्य सभागार, शिक्षा संकाय
11. कृषि विज्ञान संस्थान प्रेक्षागृह	

शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई गणमान्य अतिथि और आगन्तुक इस विश्वविद्यालय में आये। इन अवसरों पर विश्वविद्यालय निर्माण विभाग ने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

9.5. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों का डेटाबेस तैयार करने के लिए तत्कालीन कुलपति के आदेश से फरवरी 2006 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य महामना मालवीय जी से संबंधित रचनाओं को प्रकाशित करना भी है। पूर्व छात्र प्रकोष्ठ का उद्देश अनिवार्य रूप से विभिन्न स्तरों अर्थात स्थानीय,राज्य,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित करना है तथा इन सम्बन्ध में नियमित समाचार बुलेटिन प्रकाशित करने के लिए निर्देशित करना है। अपनी स्थापना के समय से ही यह प्रकोष्ठ विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार की बैठकों और कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। प्रकोष्ठ द्वारा वर्तमान सत्र 2020-21 के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय-पूर्व छात्र समागम का आयोजन किया गया और निकट भविष्य में पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित करने के लिए हर संभव तैयारी कर रहा है।

पुरातन छात्र प्रकोष्ठ का एक विशेष अंगजिसे “एलुमनी कनेक्ट” कहा जाता है, का गठन 2020 में पूर्व छात्रों के संबंधों को प्रभावी ढंग से और सकारात्मक रूप से कायम करने के लिए किया गया था। यह मुख्य रूप से एक सहयोग प्रणाली स्थापित करने का उद्देश्य रखता है जहां विश्वविद्यालय पूर्व छात्र अपना कौशल एवं अनुभव सांझा कर सके जिससे विश्वविद्यालय एवं इसके पुराछात्रों को परस्पर लाभ हो। एलुमनी कनेक्ट महत्वपूर्ण जनसांख्यिकी को उजागर करने के लिए पुराछात्रों के सर्वेक्षणों का उपयोग करने, पुराछात्रो के व्यवसाय सम्बंधित रणनीतियों की निगरानी करने, एक प्रभावी और जानाकारपूरक डेटाबेस बनाने और विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों का मसौदा तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें विश्वविद्यालय पर आधारित विषयों पर केंद्रित कॉफी टेबल बुक्स,विशेष संस्करण ग्राफिक उपन्यास आदि शामिल हैं।

एलुमनी कनेक्ट सीरीज़ के सत्रजिसका शीर्षक "हम बीएचयू के लोग” को पुराछात्र प्रकोष्ठ के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से साझा किया जा रहा है। एलुमनी कनेक्ट के लिए कई विशिष्ट पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया हैऔर इसके लिए कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों से संपर्क किया गया है।

9.6.भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद (विदेश मंत्रालय,भारत सरकार) क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा वृत्तीय वर्तमान वर्ष के दौरान निम्नलिखित गैर - छात्रवृत्ति तथा छात्रवृत्ति गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गैर-छात्रवृत्ति गतिविधियाँ

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजन: भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद कार्यालय वाराणसी द्वारा दिनांक 09 अप्रैल 2021 को ‘भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद- स्थापना दिवस के अवसर पर निम्नलिखित कलाकारों के कार्यक्रम का आयोजन फेसबुक ऑनलाइन भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद के माध्यम से किया गया; श्री ललित कुमार का एकल तबला वादन, श्री सुभंकर दे का शास्त्रीय गायन एवं श्री सिद्धार्थ बनर्जी का सिद्ध वीणा वादन।

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद क्षितिज श्रृंखला कार्यक्रम

- भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा लिटल हाउस, वाराणसी के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 जनवरी 2021 को पं. रवीन्द्र नारायण गोस्वामी (सितार, बनारस से) एवं श्री हरी पौड़ीयाल (बांसुरी बनारस से) का सितार एवं बासुरी जुगलबंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा संगीत परिषद काशी के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 14 फरवरी 2021 को श्रीमति सुचरिता गुप्ता (बनारस से) द्वारा शास्त्रीय कार्यक्रम का आयोजन किय गया।

- भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा श्री काशी संगीत समाज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 07 मार्च 2021 को सुश्री मीनाक्षी मजूमदान (कोलकता से) द्वारा शास्त्रीय गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- भारतीय सांस्कृतिक संम्बध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन लखनऊ के सहयोग से 03 अक्टूबर 2021 को महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगाठ के अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''बनाई संबंध: कपडा परंपरा'' पर वेबिनार की सह-मेजबानी किया गया।

9.7. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

पूर्वी उत्तर प्रदेश में समाज के बड़े वर्ग को उच्च शिक्षा की समान पहुंच प्रदान करने के लिए01.05.2006 को वाराणसी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयका एक उप क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया गया जिसे बाद में वर्ष 2008 में क्षेत्रीय केंद्र के रूप में उन्नत किया गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयका क्षेत्रीय केंद्र,वाराणसी, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में संचालित होता है, इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 19 जिले आते है, लोगों को उच्च शिक्षा सेवाएं प्रदान करता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयके इस क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत इलाहाबाद, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, बलिया, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, संत कबीर नगर, संत रविदास नगर, सोनभद्र, सुल्तानपुर और वाराणसी आदि के उप क्षेत्रीय केंद्र आते है।

उद्देश्य

- शिक्षा के लिए इच्छुक लोगों को उच्च शिक्षा की सुविधाएँ प्रदान करना ताकि कोई भी शिक्षा से वंचित न हो और देश में शिक्षा का व्यापक प्रसार हो।
- उम्र, क्षेत्र, धर्म और लिंग की सीमाओं से ऊपर उठकर इच्छुक सभी लोगों को गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा प्रदान करना।
- पाठ्यक्रमों को पेशेवर और व्यावसायिक अभिविन्यास देते हुए भारत में दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने और विकसित करके आवश्यकता-आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन करना।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयकी प्रमुख गतिविधियां

- पुनः पंजीकरण सहित प्रवेश
- शिक्षार्थी सहायता केंद्रों की स्थापना
- शिक्षार्थी सहायता केंद्रों में अंशकालिक शैक्षणिक परामर्शदाताओं का पैनल बनाना
- परामर्श सत्र का आयोजन
- एसाइनमेंट का मूल्यांकन
- सिद्धांत और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों के लिए सत्रांत परीक्षाओं का आयोजन
- मौखिक परीक्षा का संचालन और परियोजना रिपोर्ट का मूल्यांकन
- अभिविन्यास कार्यक्रमों का संचालन
- क्षेत्र की शिक्षार्थी सहायता सेवाओं की गुणवत्ता की समग्र निगरानी
- क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी भी एफ.एम. 105.6 मेगाहर्ट्ज पर ज्ञानवाणी स्टेशन का संचालन कर रहा है

9.8. अन्तर्राष्ट्रीय केंद्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (2004 में स्थापित) मालवीय भवन संकुल के टैगोर भवन, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक प्राचीनतम् भवन है, में स्थित है। यह केन्द्र विदेशी नागरिकों के लिए एकल

पटल प्रणाली के अन्तर्गत प्रवेश सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारियाँ एवं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की जानकारियाँ प्रदान करता है। इसके साथ ही यहाँ बीएचयू पोर्टल पर आवेदन पत्र डाउनलोड/प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है।

वर्तमान में 34 देशों के अन्तर्राष्ट्रीय छात्र जो यू.एस.ए., मॉरीशस, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, अफगानिस्तान, ईरान, यमन, यूक्रेन, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान, कम्बोडिया, म्यामार, फिजी और एस्टोनिया आदि देशों से हैं, इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

इस अवधि के दौरान कुल 405 छात्र (255 पुरूष तथा 150 महिला) विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हुए हैं जिनमें 101 नवीन छात्र विभिन्न संकायों में अध्ययन कर रहे हैं। इनमें 59 पुरुष एवं 42 छात्रायें हैं।

वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय / संस्थाओं द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिणक एवं अनुसंधान सहयोग/ समझौते हेतु प्राप्त हुए प्रस्तावों पर नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया प्रारम्भ की गई।

इसके अतिरिक्त कई विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालय एवं देशों के उच्च पदस्थ पदाधिकारीगण ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। इनमें ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त माननीय बैरी ओ फरैल द्वारा विश्वविद्यालय का भ्रमण तथा विभिन्न मुद्दों पर हुई वार्ताएं महत्वपूर्ण रहीं।

9.9. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

काशी हिंदू विश्वविद्यालय की ब्रांड छवि को और बढ़ानेकी दिशा, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय की दृश्यता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है। सूचना प्रसार के बदलते दौर और प्रचलनों के साथ, सोशल मीडिया परिदृश्य में भी पूरी तरह से बदलाव आया है। इसको दृष्टिगत रखते हुए, अब ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विश्वविद्यालय के अकाउंट/पेज हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया को हजारों फॉलोअर्स द्वारा फालो किया जाता है और पोस्ट को व्यापक रूप से लाइक और शेयर किया जाता है।

- जनसंपर्क कार्यालय के प्रयासों के परिणामस्वरूप, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को जुलाई 2020 में सत्यापित (ब्लू टिक) किया गया। इसके अकाउंट (अगस्त 2021 तक) के 43000 से अधिक फॉलोवर और 7000 से अधिक ट्वीट हैं। इस अकाउंट के ट्वीट और पोस्ट राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फॉलोअर्स द्वारा व्यापक रूप से लाइक और शेयर किए जाते हैं।
- विश्वविद्यालय का सोशल मीडिया अकाउंट काशी हिंदू विश्वविद्यालय की गतिविधियों, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रवेश और परीक्षाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, समारोहों और अन्य के बारे में जानकारी के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- बीएचयू और उसके सदस्यों द्वारा नए शोधों, नवाचारों और पहलों को विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्विक प्रचार प्रदान करके प्रोत्साहित किया जाता है। इससे पूरे भारत और दुनिया भर के लोगों के लिए यह देखना संभव हो जाता है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न मोर्चों पर क्या हो रहा है।
- सोशल मीडिया अकाउंटस का उपयोग विभिन्न मुद्दों के संबंध में निरंतर संवाद करने के लिए विभिन्न हितधारकों और विश्वविद्यालय के बीच एक सेतु के रूप में भी किया जाता है। सोशल मीडिया पर उठाए गए विषयों/प्रतिक्रियाओं/प्रश्नों को विश्वविद्यालय प्रशासन के ध्यान में लाया जाता है। चूंकि बीएचयू सोशल मीडिया पर अत्यंत सक्रिय रहता है, अतएव विभिन्न हितधारक जब भी जरूरत हो विश्वविद्यालय से जुड़ और बातचीत कर सकते हैं।
- वर्ष 2020 में कोविड 19 महामारी ने एक लंबी अवधि के लिए भौतिक गतिविधियों को थाम दिया था। लेकिन इससे छवि निर्माण और प्रचार गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आई क्योंकि इसके लिए सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

- कोविड19 महामारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भारत सरकार और उसके मंत्रालयों, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य निकायों और एजेंसियों द्वारा जारी सूचनाओं को साझा करने में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का बहुत उपयोग किया गया। महामारी के खिलाफ लड़ाई में विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न पहलों और गतिविधियों को ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से उजागर किया गया।
- जनसंपर्क कार्यालय ने महामारी के दौरान सर सुंदरलाल अस्पताल में हितकारी कार्यों और उल्लेखनीय पहलों के बारे में एक वीडियो श्रृंखला चलाई। इस श्रृंखला का उद्देश्य वायरस से लड़ने में अस्पताल के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के अथक और निरंतर प्रयासों को दर्शाना था।

पत्रकार सम्मेलन और बैठकें

- जनसंपर्क कार्यालय व्यापक प्रचार प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रमुख अवसरों पर पत्रकार सम्मेलनऔरमीडियाब्रीफिंग/विवरण का आयोजन करता है। इन सम्सम्मेलन और मीडियाब्रीफिंग/विवरण का आयोजन करता है। इन सम्मेलनो में विभिनन समाचारपत्रों, इलेक्ट्रानिक मिडिया और वेब प्लेटफॉर्म के मिडिया कर्मियों को आमंत्रित किया जाता है। जिन्हें मेजबान विभाग/ संकाय/ केंद के विशेष आयोजन या गतिविधियों से संबंधित अधिकारियों/ विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया जाता है। ये पत्रकार सम्मेलन जन सम्पर्क कार्यालय के मीडिया सम्मेलन कक्ष मे आयोजित किए जाते है। इस सभा कक्ष की क्षमता 35-40 लोगों की है। इस वर्ष कोविड19 महामारी के कारण कोई भी पत्रकार सम्मेलन अयोजित नहीं किया जा सका। तथापि, जनसंपर्क कार्यालय ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों और महत्वपूर्ण निर्णयों को प्रचारित करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग किया।

मीडिया कवरेज

- विभिन्न अंग्रेजी और हिंदी समाचार पत्रों में बीएचयू के छात्रों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय के अन्य सदस्यों की शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बड़ी संख्या में रिपोर्टे प्रकाशित की गईं। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को पुरस्कार और सम्मान और प्रतिष्ठित कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में उनकी सहभागिता की रिपोर्ट भी समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित की गई। बीएचयू के संकाय सदस्यों और अधिकारियों के विभिन्न साक्षात्कार भी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित किए गए।

- विश्वविद्यालय की विभिन्न विकास गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा कई रिपोर्टें प्रसारित की गईं।

- जनसंपर्क कार्यालय विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के लिए मीडिया कर्मियों को आमंत्रित करता है। इसके अलावा यह आधिकारिक तौर पर विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे दीक्षांत समारोह, वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, पूराछात्र सम्मेलन आदि की तस्वीरों और जानकारी भी जारी करता है।

प्रेस विज्ञप्ति

- स्थानीय और राष्ट्रीय मीडिया को ई-मेल और अन्य माध्यमों से लगभग 858 प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी की गईं, जिनमें विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रसारित की गई।

मीडिया रिपोर्ट

- विश्वविद्यालय में विकास गतिविधियों के बारे में 1800 से अधिक समाचार रिपोर्ट प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किए गए।

विज्ञापन

- संदर्भवर्षमें, जन संपर्क कार्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों और रोजगार के अवसरों से संबंधित ३८ विज्ञापन स्थानीय और राष्ट्रीय मीडिया में जारी किए।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रेस

बी.एच.यू. प्रेस अपने स्थापना वर्ष 1936 से ही विश्वविद्यालय के विभिन्न पुस्तकों, पत्रिकाओं, विश्व पंचाग, पंजिकाओं, फार्मो एवं सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, ट्रामा सेण्टर, आई.आई.टी. एवं परीक्षा नियन्ता कार्यालयके अति आवश्यक मुद्रण एवं उत्तर पुस्तिकाओं की तैयारियों के कार्यो में अपना योगदान करता आ रहा है। बी.एच.यू. प्रेस के चहारदीवारी का क्षेत्रफल 80,000 वर्ग फीट तथा भवन का क्षेत्रफल 25,000 वर्ग फिट में फैला है। स्थापना वर्ष में ही ७ लेटर प्रेस की मशीने लगायी थी। वर्तमान में चार सिंगल कलर आफसेट मशीन, एक डबल कलर ऑफसेट मशीन, एक डबल कलर ऑफसेट मशीन, सी.टी.पी. मशीन, एक कॉपी सिलाई मशीन,1 बाइन्डिंग मशीन, 3 कटिंग मशीन एवं 4 पंचिग मशीन पर कार्य हो रहा है। बी.एच.यू. प्रेस में 4 स्थायी, 1 पुनर्नियुक्ति वं 11 अस्थायी तथा छ: दैनिक कर्मचारियों के माध्यम से विश्वविद्यालय की सेवा कर रहा है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में सम्पादित मुख्य प्रिटिंग कार्य

1.	अटेन्डेन्स कम फीस रजिस्टर सी.एच.एस	49 प्रतियाँ	पृष्ठ 8
2.	डेली वितरण दूध कूपन चार्ट	10000 प्रतियाँ	पृष्ठ 8
3.	प्रज्ञा जर्नल	1000 प्रतियाँ	पृष्ठ 180
4.	आन्वीक्षीकी भाग 14	200 प्रतियाँ	पृष्ठ 240+ कवर
5.	टीचर्स डे बुकलेट	250 प्रतियाँ	पृष्ठ 94
6.	का.हि.वि.वि. का इतिहास भाग-1	1000 प्रतियाँ	पृष्ठ 480
7.	जर्मन किताब व कहानिया	1000 प्रतियाँ	पृष्ठ 116
8.	विश्व पंचांग 2078- सं.वि.ध.वि. संकाय	28000 प्रतियाँ	पृष्ठ 48
9.	आन्वीक्षीकी 2019 भाग 15	200 प्रतियाँ	
10.	एकेडमीक कौंसिल एजेण्डा	275 प्रतियाँ	पृष्ठ 1185
11.	वार्षिक लेखा एवं लेखा प्रतिवेदन-बी.एच.यू.	150 प्रतियाँ	पृष्ठ 216
12.	एल.डी. गेस्ट हाउस बिल बुक	200 प्रतियाँ	पृष्ठ 3
13.	माइक्रो न्युट्रिशियन एवं क्लिनिकल न्युट्रिशियन कम्यूनिटी मेडिसीन बुक	100	206
14.	स्टूडेन्ट पासबुक – छात्र अधिष्ठाता	1,5000 प्रतियाँ	पृष्ठ 24
15.	ओ.पी.डी. प्रेसक्रिप्शन स्लिप रू. 20/- एस. एस. हास्पीटल	10 लाख	पृष्ठ 4
16.	लॉ स्कूल न्यूज लेटर	200	पृष्ठ 8
17.	योग साधना केन्द्र सर्टिफिकेट	4000	पृष्ठ 1
18.	लाइब्रेरी पासबुक	1000	4पृष्ठ
19.	ऑब्जेक्शन रजिस्टर	30 रजि.	8पृष्ठ
20.	स्टूडेन्ट डायरी- से.हि. बॉयज स्कूल	2000प्रतियाँ	पृष्ठ 88
21.	न्यूरोलॉजी फाइल कवर	5000 प्रतियाँ	4पृष्ठ
22.	कम्पटिबिलिटी रिपोर्ट - ब्लड बैंक, एस.एस.एच.	505 किताब	पृष्ठ 100+100
23.	स्टूडेन्ट सर्जिकल रिकार्ड, सर्जरी	100 प्रतियाँ	पृष्ठ 100
24.	गाय और भैंस के दूध का कूपन, फॉर्म डेरी	10.000प्रतियाँ	पृष्ठ 10
25.	डिप्लोमा फार्मेट – परीक्षा विभाग	3,000 प्रतियाँ	पृष्ठ 1
26.	मेन डिग्री फार्मेट- परीक्षा विभाग	15,700 प्रतियाँ	पृष्ठ 1
27.	छात्र स्वास्थ्य डायरी- स्टूडेन्ट हेल्थ सेन्टर	50,000प्रतियाँ	पृष्ठ 24+कवर

28.	कैश बुक – आई.आई.टी.	75 रजिस्टर	पृष्ठ 100
29.	इनरोलमेंट फॉर्म	101पैड	पृष्ठ 1
30.	रिपोर्टिंग रजिस्टर ऑफ यू.ए.आई. टी.आर. सी. आई. एम. एस.	60 रजिस्टर	पृष्ठ 500
31.	एक्सरे मेन रजिस्टर- रेडियोलॉजी	203	पृष्ठ 100
32.	दैनिक वितरण सूची, यू.डब्लू.डी.	500 किताब	पृष्ठ 3
33.	सहमति पत्र	10000	
34.	ह्यूमैटोलॉजी प्रोफार्मा, आई.एम.एस.	500 प्रतियाँ	पृष्ठ 6+कवर
35.	फीस एवं उपस्थिति पंजिका, से हि. ब्याज स्कूल	150 रजिस्टर	
36.	यूरिन एवं रिपोर्टिंग रजिस्टर, सी.सी.आई.	24	पृष्ठ 300
37.	आडियोग्राम प्रोफार्मा, ई.एन.टी.	110पैड	पृष्ठ 100
38.	ट्रेड बिल रजिस्टर, आई.आई.टी.	30	पृष्ठ 200
39.	पर्यावरण दिग्दर्शिका पुस्तक	1000	240+कवर
40.	ट्रेनिंग डायरी, टी.पी.ओ., आई.आई.टी.	500 पैड	पृष्ठ 20
41.	जॉब शीट इ. डब्लू. एस.एस.	15000	पृष्ठ 1
42.	फोलोअप चार्ट नुरोलॉजी	10000	पृष्ठ 1
43.	स्टूडेंट डायरी (राजीव गाँधी साउथ कैंपस)	500 प्रतियाँ	पृष्ठ 44
44.	इ.सी.जी. रिपोर्ट (न्यूरोलोजी)	10000	1 पृष्ठ
45.	पेपर टैंग	30000	
46.	बनारस लॉ जर्नल भाग 47-48	300	198
47.	पेंशन एवं ग्रेच्युटी रजिस्टर	40रजि.	पृष्ठ4
48.	डोजर फॉर्म, साइंस	6000	पृष्ठ2
49.	हिस्ट्री शीट, आर.टी.आर.एम.	2500	पृष्ठ६
50.	फीस रसीद गर्ल्स स्कूल डुप्लीकेट	114	2पृष्ठ
51.	लिफाफा	50000	
52.	ओ.पी.डी. फोलोअप बुकलेट, नेफ्रोलोजी	50000प्रतिया	16 पृष्ठ
53.	शर्टिफिकेट, रा. सेवा योजना	1,010	1
54.	रोगी फाइल, आर.टी.आर.एम.	2,000	2पृष्ठ
55.	स्टेटमेंट ऑफ फॅमिली मेंम्बेर्स. एल.टी.सी.	5000	6पृष्ठ
56.	ओ.पी.डी. प्रेस्क्रिप्सन स्लिप, वि.वि.स्वास्थ्य केन्द्र	2 लाख	
57.	ओ.टी. रजिस्टर, एस.एस.एच.	100	200पृष्ठ
58.	वार्ड डायरी, एस.एस.एच.	100	400
59.	ओ.पी.डी. रजिस्टर, एस.एस.एच.	100	400
60.	जाँच फॉर्म, एस.एस.एच.	15 लाख	
61.	फोलोअप बुकलेट, एस.एस.एच.	5,000	12पृष्ठ
62.	एच. आई.वी. टेस्ट रिपोर्ट पैथोलोजी	40,000	2
63.	बस कार्ड सी.एच.एस. (गर्ल्स)	1000	4
64.	एस.एस.एच. एवं ट्रामा सेन्टर के विविध प्रकार के फॉर्म	50 लाख	
65.	टेस्ट रिपोर्ट फॉर्म	60,000	2
66.	कलर डॉप्लेर	5000	2
67.	अल्ट्रा सोनोग्राम रिपोर्ट फॉर्म	5000	2
68.	एम.आर.आई.एपोइन्टमेन्ट फॉर्म	10,000	2
69.	2 डी कलर डॉप्लेर	20,000	2
70.	हिस्टोपथोलॉजी रिपोर्ट रजिस्टर	50	
71.	एच.आई.वी.रिपोर्ट फॉर्म	20,000	1
72.	आई.सी.टी.सी. रेक्वेजिसन फॉर्म	10,000	1

73.	रिपोर्टिंग रजिस्टर फॉर इन्वेस्टीगेशन	10,000	
74.	पी.आई.डी. रजिस्टर आई.सी.टी.सी.	20 रजि.	
75.	पी.सी.आर. रिपोर्ट फॉर्म	5000	1
76.	टी.वी. फोर्मेट	5000	1
77.	प्रास्थेटिक वाल्व क्लिनिक	400	8
78.	प्रश्नोत्तरी ब्लड बैक	25,000	4
79.	योग डिप्लोमा फॉर्म	10,000	2
80.	एग्रीमेंट फॉर्म	2000	
81.	ई.डब्लू.एल. सर्टिफिकेट	500	
82.	एम.डी.ए.वाई./एम.एस.ए.वाई. परीक्षा फॉर्म	1000	8
83.	सहमति पत्र	101 पैड	1

स्टोर

1.	ए. आर. १	7000 बुक	डुप्लीकेट
2.	ए. आर. २	500 बुक	ट्रिपलीकेट
3.	ए. आर. ३ए	500	2 पेज
4.	ए. आर. ४	300	
5.	इम्प्रेस्ट रजिस्टर	500	
6.	सेलरी बिल फॉर्म	10,000	
7.	सेलरी बिल रजिस्टर	40	
8.	स्टॉक बुक १०० पेज, २०० पेज, ४०० पेज	1,500	
9.	परचेज रजिस्टर	500	
10.	स्टूडेंट अटेन्डेंस शीट	20,000	
11.	स्टूडेंट अटेनडेंस कवर	8000	
12.	उपस्थिति पंजिका	2000	
13.	प्यून बुक	1,000	
14.	डिस्पैच रजिस्टर	500	
15.	इनर्वड रजिस्टर	500	
16.	हास्टल एलाटमेंट रजिस्टर	100	
17.	ड्राइवर कार डायरी	100	
18.	ए.पी.ए.आर.फॉर्म	2000	8 पृष्ठ
19.	ए.सी.आर.फॉर्म १-७	7000	12 पृष्ठ
20.	ए.आर.३७	10,000	1पेज
21.	मास्टर रोल	5000	
22.	इशू स्लिप	500	
23.	लीव इप्लीकेशन फॉर्म	25,000	

ट्रामा सेन्टर

1	ओ.पी.डी.स्लिप	1,000	4 पृष्ठ
2	जाँच फार्म	200,000	
3	ड्रग स्लिप	200,000	
4	डॉक्टर्स ऑडर	140,000	
5	नर्सेज डेली रिकॉर्ड	1,50,000	
6	केस समरी एण्ड डिस्चार्ज स्लिप	1,50,000	
7	एडमिशन रजिस्टर	50रजिस्टर	400पैड

8	इमरजेंसी रजिस्टर	50रजिस्टर	400पैड
9	ओ.पी.डी. रजिस्टर	50रजिस्टर	400पैड
10	ट्रामा सेन्टर ब्लड बैंक रजिस्टर	50रजिस्टर	200पैड
11	ओ.टी. रजिस्टर	30रजिस्टर	200पैड
12	रीक्यूजेशन फार्म फॉर ब्लड बैक	100पैड	100पैड
13	एम.आर.आई.रीक्यूजेशन फार्म	20पैड	50पैड
14	एम.आर.आई.अपोइन्टमेंट स्लिप	20पैड	50पैड
15	कोम्पेक्टब्लीटी रिपोर्ट फार्म	100पैड	200पैड

9.10. विद्युत एवं जल आपूर्ति सेवाएं

मुख्य परिसर	
1.	01 No. 33/11KV 12MVA पावर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया।
2.	एम.सी.एच. भवन को ऊर्जीकृत किया गया।
3.	200 फ्लैट में विद्युत आपूर्ति हेतु संयोजन किया गया।
4.	80 फ्लैट में विद्युत आपूर्ति हेतु संयोजन किया गया।
5.	02 नये ट्यूबवेल का निर्माण कराया गया।
6.	आरआईओचिकित्सा भवन में विद्युत आपूर्ति हेतु संयोजन किया गया।
7.	कमच्छा संकुल में 169 KWp roof top सोलर पावर के तहत उर्जीकृत किया गया।
राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर	
1.	1.6 एमवीए ट्रान्सफार्मर की जगह 5 एमवीए ट्रान्सफार्मर को लगाकर उर्जीकृत किया गया।
2.	1.2 एमडब्लूपी सोलन पावर प्रोजेक्ट के तहत उर्जीकृत किया गया।

9.11. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

‘‘विश्वविद्यालय निर्माण विभाग’’ का गठन विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही किया गया है। यह विश्वविद्यालय स्थित समस्त भवनों की वार्षिक मरम्मत के साथ-साथ, सड़क, मल एवं जल निकासी की लाइनों का अनुरक्षण, बरसाती पानी की निकासी नालों का निर्माण एवं पुराने नालों की मरम्मत, सफाई इत्यादि के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, विश्वविद्यालय की बाहरी चहारदीवारी एवं आंतरिक चहारदीवारी का निर्माण एवं अनुरक्षण का भी कार्य करता है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के चिरईगाँव, नरायनपुर एवं टिकरी स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का अनुरक्षण कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय के राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर के भवनों की मरम्मत तथा नवीन भवनों, सड़क, सीवर, चहारदीवारी इत्यादि का निर्माण कार्य भी सम्पादित करता है। विभाग मुख्य परिसर एवं राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर में स्वीकृत नवीन भवनों का निर्माण कार्य भी अपने स्तर पर तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार के उपक्रमों द्वारा सम्पादित कराता है। विभाग विभिन्न मदों में स्वीकृत अतिरिक्त निर्माण कार्य, भवनों के नवीनीकरण के कार्य के साथ-साथ विशेष मरम्मत का कार्य भी करता है। विभाग आंतरिक साज-सज्जा, योजना निर्माण के साथ-साथ विभिन्न छात्रावासों, विभागों, संकायों, अस्पतालों के लिये फर्नीचर के खरीद, निर्माण एवं मरम्मत का भी कार्य करता है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, विश्वविद्यालय के सभी मुख्य राष्ट्रीय पर्व- जैसे गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस एवं गाँधी जयन्ती के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों जैसे विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह, सरस्वती पूजन समारोह, कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालय, विद्यालयों एवं छात्रावासों के वार्षिक समारोहों तथा स्थापना समारोहों में भी व्यापक भूमिका निभाता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के दीक्षान्त की समारोह, विभिन्न सेमिनारों एवं संगोष्ठियों में भी आयोजकों के आवश्यकतानुसार कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियामक संस्थाओं के निरीक्षण के समय विभाग उनकी मान्यता प्राप्त

करने के लिए एवं जारी रखने के लिए अपने संसाधनों द्वारा सहायता प्रदान करता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के मुख्य भवनों जैसे- मालवीय भवन, टैगोर भवन, सुन्दरम लाज, भारत कला भवन, स्वतन्त्रता भवन, उडुप्पा प्रेक्षागृह, पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, कला संकाय प्रेक्षागृह, श्री विश्वनाथ मन्दिर का अनुरक्षण एवं वातानुकूलन का कार्य भी सम्पादित करता है।

विभाग द्वारा सभी छात्रावासों, शैक्षिक भवनों व आवासीय भवनों की मरम्मत के साथ-साथ छतों पर जल अवरोधी उपचार, रसोईघरों व शौचालयों का नवीनीकरण व बाहरी दीवारों की रंगाई-पुताई इत्यादि का कार्य भी व्यापक तौर पर कराया गया। विश्वविद्यालय के अधिकतम भवन सौ वर्ष पुराने हैं, तथा कुछ तो सौ साल से भी अधिक पुराने हैं।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न मदों में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग को प्राप्त मदों का विवरण निम्नलिखित है

1.	विशेष मद	रू.15.09 करोड़
2.	विश्वविद्यालय के भवनों के मरम्मत के लिए मद- आवर्ती मद	रू.1.30 करोड़
3.	विकास मद वार्षिक अनुदान (२०२०-२१)	रू.1.47 करोड़
4.	हेफा मद	रू.356.00 करोड़
5.	इंस्टीट्यूट ऑफ इमिनेंस मद	रू. 113.90 करोड़

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा सन् २०१९ एवं २०२० में शुरू किये गये कार्यो और पूर्ण किये गये कार्यों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्रशासनिक अनुमोदन एवं व्यय स्वीकृति धनराशि	वर्तमान स्थिति
1.	80 नं. आवासीय फ्लैट्स का निर्माण कार्य क्वार्टर नं. ई-6, जोधपुर कालोनी के पास, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (पैकेज-1)।	रू 238.8930 करोड़	कार्य पूर्ण
2.	80 नं. आवासीय फ्लैट्स का निर्माण कार्य क्वार्टर नं. ई-10, जोधपुर कालोनी के पास, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (पैकेज-2)।		कार्य प्रगति पर है
3.	80 नं. आवासीय फ्लैट्स (जी+2) का निर्माण कार्य, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (पैकेज-3)।		कार्य प्रगति पर है
4.	शिक्षक आवासीय फ्लैट्स (80 नं.) का निर्माण कार्य, दो ब्लाक (40 नं. प्रत्येक), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (पैकेज-4)।		कार्य पूर्ण
5.	महिला छात्रावास (228 रूम डबल सीटेड) सामाजिक विज्ञान संकाय द्वितीय तल से पाँचवें तल का निर्माण कार्य, दृश्य कला एवं मंच कला संकाय के छात्रावास के ऊपर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू2985.00 लाख	कार्य प्रगति पर है
6.	200 रूम डबल सीटेड महिला छात्रावास (जी$८) शोध छात्रों के लिए, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू 2877.71 लाख	कार्य प्रगति पर है
7.	200 नं. शिक्षक आवासीय फ्लैट (जी$10), दो ब्लाक (100नं. प्रति ब्लाक) का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू 5725.39 लाख	कार्य पूर्ण
इंस्टीट्यूट आफ इमिनेंस मद के अन्तर्गत			
8.	छटवें तल से दसवें तल (वर्टिकल विस्तार),अन्तराष्ट्रीय	रू 2199.00 लाख	कार्य प्रगति पर

	छात्रावास (पुरूष), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय		है
9.	पं. ओंमकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह का नवीनीकरण एवं विस्तार का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू 1506.46 लाख	कार्य प्रगति पर है
10.	होलकर भवन का नवीनीकरण एवं विस्तार का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू 97.75 लाख	कार्य प्रगति पर है
11.	भारत कला भवन की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू 517.31 लाख	कार्य प्रगति पर है
12.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास (जी$10), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.5000.00 लाख	कार्य प्रगति पर है
कायाकल्प मद के अन्तर्गत			
13.	विभिन्न भवनों का नवीनीकरण (पैकेज-IV) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.4200.00 लाख	कार्य प्रगति पर है
14.	नये एवं पुराने मेडिकल इंक्लेव संकाय आवासों का नवीनीकरण कार्य (पैकेज-VI) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.1000.00 लाख	कार्य प्रगति पर है
15.	06 नं. विद्यार्थी छात्रावास/आवासों का नवीनीकरण (पैकेज-V-a) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.2800.00 लाख	कार्य प्रगति पर है
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी मद के अन्तर्गत			
16.	वैदिक विज्ञान केन्द्र (फेस-II) (जी$2) का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.934.46 लाख	कार्य प्रगति पर है
	विकास मद के अन्तर्गत		
17.	100 बेड वाले (जी$5) एम.सी.एच. विंग के लिये भवन का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.4550.00	कार्य पूर्ण
18.	शिक्षक एवं शिक्षण के उदेद्श्य से पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय योजना भवन का निर्माण कार्य जो लेक्चर थियेटर परिसर के द्वितीय तल पर बनेगा, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.125.00 लाख	कार्य पूर्ण
19.	रसायन प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान विभाग के लिये फर्नीचर क्रय कार्य, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.32.18 लाख	कार्य पूर्ण
20.	केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.सी.) भवन का फर्नीचर क्रय कार्य, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.18.13 लाख	कार्य पूर्ण
21.	100 बेड वाले (जी$५) एम.सी.एच. भवन के लिये शेष फर्नीचरों का क्रय कार्य, निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.80.32 लाख	कार्य पूर्ण
	विशेष मद के अन्तर्गत		
22.	33/11 के.वी. मुख्य बिजली घर (सबस्टेशन) पी.एस.एस. की क्षमता बढ़ाने का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू. 1673.00 लाख	कार्य पूर्ण
23.	यू.पी.एस. भवन (जी $ 2) का निर्माण कार्य, ट्रामा सेन्टर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.524.91 लाख	कार्य पूर्ण
	आवर्ती मद एवं विशेष मद के अन्तर्गत		
24.	केन्द्रीयकृत प्रयोगशाला परिसर (जी$2) का निर्माण कार्य,	रू.1200.00 लाख	कार्य पूर्ण

	राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय		

विशेष मद द्वारा वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग द्वारा कराये गये कार्यों का विवरण निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	राशि रू.	वर्तमान स्थिति
1.	नये लेक्चर थियेटर संकुल (जी$2) के चारो तरफ स्पाइक फेंसिंग का निर्माण कार्य, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	रू.45,81,540.00(स्वीकृत धनराशी) रू.13,36,28,000.00	कार्य पूर्ण
2.	तरण ताल परिसर में एलुमिनियम दरवाजें, प्रोफाइल सीट रूफिंग, चेन लिंक फेंसिंग का बदलाव एवं एलुमिनियम केबिन बनाने का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.4,65,614.00	कार्य पूर्ण
3.	कृषि विज्ञान गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य, पार्ट-ए लिंटल लेवल तक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.50,00,000.00	कार्य पूर्ण
4.	आर्युवेदिक फार्मेसी के मशीन घर के छत की सीटों को बदलने एवं फर्श का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.9,45,500.00	कार्य पूर्ण
5.	सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल (कमच्छा) के प्रयोगशाला की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.8,64,400.00	कार्य पूर्ण
6.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल (कमच्छा) में पेवर ब्लाक लगाने एवं सम्बन्धित कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू.30,13,000.00	कार्य पूर्ण
7.	श्री विश्वनाथ मंदिर परिसर में विभिन्न कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू. 15,59,000.00	कार्य पूर्ण
8.	स्वतंत्रता भवन में विद्युतीकरण कार्य, विद्युत पैनल का कार्य, यू.पी.एस. की सप्लाई, लगाने, चेक करने एवं स्थापित करने का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू. 20,19,748.00	कार्य पूर्ण
9.	जनरल सर्जरी के विभागीय पुस्तकालय एवं कार्यालय का नवीनीकरण कार्य, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू. 1,00,000.00	कार्य पूर्ण
10.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल (कमच्छा) में पेंटिंग का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	रू. 1,00,000.00	कार्य पूर्ण

कमच्छा काम्पलेक्स, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

कमच्छा काम्पलेक्स में शिक्षा संकाय, सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल, सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल, रणवीर संस्कृत पाठशाला, कोल्हुआ प्राईमरी स्कूल, बैजनत्था कालोनी, डॉ. ए. बी. छात्रावास व डॉ. आर. पी. छात्रावास इत्यादि स्थित है।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में विकास कार्य बहुत द्रुत गति से चल रहा है। भवन निर्माण, सड़क निर्माण, जल-आपूर्ति और विद्युतीकरण का कार्य, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय के लिये ''केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग'' द्वारा कराये जा रहे भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय- डाइवर्सिटी पार्क तथा

बीज भण्डार का निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया। सिंचाई के उदेद्श्य से राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में १० नं. चेक डैम का निर्माण किया गया है।

9.12. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्र)

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं प्रशिक्षण हेतु संबंद्ध चिकित्सालय है जो अपने स्थापना वर्ष 1926 से ही निरन्तर इस क्षेत्र के रोगियों की सेवा करता हुआ उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर गतिमान है। वर्तमान सत्र के दौरान चिकित्सालय द्वारा निम्नवत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गयीं-

उपलब्धियाँ

- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित 430 बिस्तरों वाला शताब्दी सुपरस्पेशलिटी संकुल, 75 बिस्तरों वाला मनोचिकित्सा केन्द्र और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण और स्टेम सेल अनुसंधान केन्द्र, दिनांक 16.02.2020.
- 100 बिस्तरों वाली मातृ एवं बाल स्वास्थय विंग
- क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान
- हीमोफिलिया और हिमोग्लाबिनोपैथी बहिरंग का नवीनीकरण
- आपात चिकित्सा बहिरंग में सेंट्रलाइज्ड ए.सी.का वातानुकूलन
- 550 बिस्तरों वाले बाल चिकित्सा, रेडियोथेरेपी और अन्य भवन पर सोलर पैनल प्रणाली की स्थापन
- स्पेशल वार्ड पार्क के निकट नया पप्प हाउस

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य संकुल द्वारा उपलब्ध की जाने वाली सेवाएं/सुविधायें

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल छात्रावास मार्ग पर स्थित है तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ विभिन्न चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराता है। स्वास्थ्य सेवा संकुल में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा प्रशिक्षित व समर्पित पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा मरीजों की देखभाल की जाती है। मुख्यचिकित्सा अधिकारी प्रभारी की देख-रेख में संचालित होने वाला विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रात: ८ बजे प्रारम्भ होकर सांय काल ८ बजे तक अपनी आकस्मिक चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वास्थ्य पुस्तिका निर्गत कर बहिरंग विभाग के साथ-साथ आवश्यकता होने पर भर्ती मरीज के रूप में भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य सेवा संकुल में सामान्य सर्जरी के साथ-साथ अस्थि रोग के भी चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। संकुल में रक्त तथा अन्य से संबंधित सभी जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ विद्यार्थियों को राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकच्छा में भी स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। विद्यार्थियों से स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रूपये 350.00 वार्षिक उनके फीस के माध्यम से लिये जाते हैं।

स्वास्थ्य संकुल में उपलब्ध सुविधाएँ

अ. नैदानिक सुविधाएँ

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा
- आपातकालीन सुविधा रात्रि ८ बजे तक
- लघु शल्य सेवाएं
- अस्थि रोग संबंधित प्लास्टर तथा अन्य सुविधायें
- श्वसन संबंधित चिकित्सकीय सुविधा
- विशिष्ट चिकित्सा परामर्श (जनरल मेडिसिन, सर्जरी, आर्थोपेडिक, टी.बी. एवं चेस्ट तथा महिला रोग एवं अन्य)

- फार्मेसी एवं दवा वितरण सेवाएं
- दुर्घटना एवं सामान्य परिस्थिति में ड्रेसिंग सेवाएं
- हेपेटाइट्सि-बी, टिटेनस, टाइफाइड, रैबीज इत्यादि टीकाकरण सेवाएं
- इंजेक्शन और टीकाकरण सेवाएं
- दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा आधुनकि उपकरणों के साथ दंत क्लीनिक का संचालन
- होमियोपैथी क्लीनिक
- योग क्लिनिक
- फिज़ियोथेरेपी क्लीनिक सुविधा
- डिज़िटल एक्सरे क्लीनिक सुविधा
- नेत्र विकार सम्बन्धी परामर्श सेवाएं

ब. प्रयोगशाला सम्बन्धित सेवाएँ

स्वास्थ्य सेवा संकुल में संचालित नैदानिक जाँच केन्द्र में टाइफाइड, डेंगू, लीवर, लिपिड प्रोफाइल, यूरिन आदि की जांच आधुनिक उपकरण के माध्यम से प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा की जाति है।

स. अन्य सुविधाएं

- मेडिकल फिट्नेस प्रमाण पत्र
- चिकित्सा प्रतिपूर्ति
- आकस्मिक चिकित्सा हेतु दवा क्रय
- विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न खेल कूद एवं अन्य आयोजनों के अवसर पर आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य निगरानी संकुल उपलब्ध सेवायें

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में विश्वविद्यालय के नियमित व सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके आश्रितों, रेजिडेन्ट डॉक्टर व केन्द्रीय विद्यालय (बी.एच.यू.) के कर्मचारियों को चिकित्सकीय सुविधा प्रदान की जाती हैं।

वर्तमान में लगभग 90,000 लाख लाभार्थी कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में नामांकित हैं तथा स्वास्थ्य केन्द्र में 06 चिकित्सकों के माध्यम से वर्तमान सत्र में 90576 रोगी यहाँ प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में मार्डन मेडिसिन एवं आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण योग्य फार्मासिस्टों द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैं:

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श
- शल्य परामर्श
- आर्थोपेडिक सेवायें
- विशेष चिकित्सा परामर्श
- स्त्री-रोग परामर्श
- फार्मेसी सेवायें
- ड्रेसिंग सुविधा
- इंजेक्शन व टीकाकरण की सुविधा
- चिकित्सा प्रमाण पत्र
- चिकित्सकीय दावा प्रतिपूर्ति
- ई.सी.जी. जाँच की सुविधा, नेबुलाईजेशन व ऑक्सीजन की सुविधा

- क्लिनिकल आब्जर्वेशन रूम की सुविधा
- एक्सरे सुविधा
- डेन्टल क्लिनिक
- फिजियोथेरेपी
- रक्त जाँच संकलन

9.13. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद् का गठन 1975 में कुलपति डॉ के एल श्रीमाली की अध्यक्षता में किया गया था। इसके पूर्व यह विश्वविद्यालय एथलेटिक संघ था। क्रीडा परिषद् का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को सहायक / उप निदेशकों और उच्च प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के माध्यम से उच्च स्तर का क्रीडा प्रशिक्षण प्रदान करना है,ताकि विश्वविद्यालय की टीम इंटर यूनिवर्सिटी / राज्य / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिताओं में उच्च मानक प्रदर्शन कर सके।

सत्र 2020-2021 के दौरान आयोजित गतिविधियाँ

इस सत्र की शुरुआत में कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के कारण विश्वविद्यालय में कुछ ही खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा सका। इस अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय के खेल के उत्थान के लिए कई सुविधाओं के नवीनीकरण एवं पुनर्निर्माण के अतिरिक्त नई सुविधाओं के निर्माण जैसी योजनाओं को बनाया और निष्पादित किया गया।

- निर्माण की प्रक्रिया में पुराने बास्केटबॉल कोर्ट से सटे एक नए बास्केटबॉल कोर्ट बनाया गया, जो विद्यार्थियों को ख़ास कर छात्राओं को बास्केटबॉल में कुशल प्रशिक्षण देने में सहायक होगा।
- एम्फीथिएटर मैदान के सभी गेट को छात्रों के अभ्यास के समय के लिए प्रदर्शित जानकारी के साथ अपग्रेड किया गया। मैदान की सुरक्षा के लिए एम्फीथिएटर मैदान में लोहे से बने नए गेट लगाए गए।
- छत्रपति शिवाजी हॉल का जीर्णोद्धार किया गया और पुरानी विरासत को प्रदर्शित करने वाले कुश्ती अखाड़े में नई मिट्टी भरी गयी है जिसे पहलवानों के अभ्यास के लिए फिर से खोल दिया गया है।
- पुराने तरण ताल में नई फ्लड लाइटें लगाई गईं और एक फिल्टर फीड पंप का भी जीर्णोद्धार किया गया तथा पुराने ताल के फिल्टर प्लांट की ओवरहालिंग की गयी।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् के खेल परिसर

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् के पास 15000 दर्शकों की क्षमता वाला एस्ट्रो-टर्फ सिंथेटिक हॉकी मैदान है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् में तीन प्रमुख खेलों यथा हॉकी,एथलेटिक और बॉक्सिंग, के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों के लिए एक छात्रावास भी है। छात्रावास को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा इसे क्रीड़ा कौशल केंद्र के तहत शामिल किया गया है।

I. एम्फीथिएटर ग्राउंड	संख्या
I. ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स (पुरुष और महिला) की 400 माउंट 8 लेन मिट्टी	1
II. सीमेंटेड और फ्लडलाइटेड बास्केटबॉल कोर्ट	1
III. टर्फ पिच क्रिकेट ग्राउंड	1
IV. सीमेंटेड नेट प्रैक्टिस क्रिकेट पिच	1

V.	ओपन फुटबॉल स्टेडियम	1
VI.	हैंडबॉल ग्राउंड	1
VII.	नेट बॉल ग्राउंड	1
VIII.	कबड्डी ग्राउंड	1+1
IX.	खो-खो ग्राउंड	1
X.	फ्लडलाइट के साथ क्ले और सिंथेटिक टेनिस कोर्ट	2+1
XI.	फ्लड लाइटेड वॉलीबॉल कोर्ट	2

II. महाराजा डॉ. विभूति नारायण सिंह इंडोर स्टेडियम		संख्या
i.	सीमेंटेड बैडमिंटन कोर्ट	4
ii.	बॉक्सिग रिंग	2
iii.	टेबल टेनिस	1+1
iv.	पोर्टेबल बास्केटबॉल (हाइड्रोलिक) पोस्ट	1 जोड़ी
v.	50 लक्ष्यों की शूटिंग रेंज	
vi.	उचित मैटिंग युक्त इंडोर कबड्डी सुविधा	

III. छत्रपति शिवाजी जिमनैजियम

i. कुश्ती और जूडो मतो
ii. रोमन रिंग
iii. क्षैतिज गेंद
iv. असमान बार
v. समानांतर बार
vi. भारोत्तोलन (लड़कियों के लिए)
vii. भारोत्तोलन (लड़कों के लिए)
viii. वुशु मैट/कोर्ट

छत्रपति शिवाजी जिमनैजियम में विश्वविद्यालय की टीम/खिलाड़ियों के अलावा विश्वविद्यालय कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को जिम्नास्टिक, मलखम, कुश्ती, भारोत्तोलन, पावर लिफ्टिंग, बेस्ट फिजिक, वुशु और योग जैसी सुविधाएं प्रदान करता हैं।

IV. जे.के. बैडमिंटन हॉल

i. वुडन बैडमिंटन कोर्ट (पुरुष और महिला)
   जे.के.बैडमिंटन हॉल कर्मचारियों / छात्रों / विश्वविद्यालय टीम के सदस्यों और संस्थानों / संकायों / कॉलेजों को उनके अनुरोध पर उनके इंटर यूनिट / विभाग बैडमिंटन टूर्नामेंट और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए हर संभव सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

V. स्विमिंग पूल - 02 (पेशेवर तैराकों के लिए 50 मीटर और प्रशिक्षुओं के लिए 25 मीटर)

i. पेशेवर तैराकों के लिए 50 मीटरकी 8 लेन का तरण ताल
ii. प्रशिक्षुओं के लिए 25 मीटरका तरण ताल

विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए प्रशिक्षण और तैराकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

VI. स्क्वाश का मैदान

i. लकड़ी का स्क्वैश कोर्ट

VII. फुटबाल का मैदान

VIII. सिंथेटिक हॉकी टर्फ-स्टेडियम

9.14. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अनेक विधाओं से उत्सव, समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उचित प्रोत्साहन मिले तथा वे एक चरित्रनिष्ठ युवा के रूप में देश की सेवा कर सकें। कोविड- 19 के कारण सत्र 2020-21 में कम से कम कार्यक्रम/ क्रियाकलाप किये गयें इन क्रियाकलापों का विवरण निम्नवत् है।

उत्सव एवं समारोह प्रकोष्ठ के अधीन आयोजित कार्यक्रम

- वर्तमान शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की परम्परा के अनुरूप माननीय कुलपति महोदय ने दिनांक 02.07.2020 को प्रात: परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक एवं पूजन किया; 12.08.2020 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी; 15.08.2020 को स्वतंत्रता दिवस; 05.09.202 को शिक्षक दिवस; 02.10.2020 को गांधी जयन्ती; 04.12.2020 को महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथि; 31.12.2020 से 06.01.2021 तक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय मालवीय जयंती; 26.01.2021 को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।
- सुश्री अपूर्वा, एम.एस.सी.वनस्पति विज्ञान, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को उनके उत्कृष्ठ शैक्षणिक ज्ञान, उत्तम साधारण बोध एवं सर्वोत्तम आचरण के लिये पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक तथा प्रमाण –पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- श्री शिशु मिश्रा, आचार्य, प्रथम वर्ष, ज्योतिष विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को संस्कृत में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर महामना संस्कृत प्रदान करते हुये पदक तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- श्री योगेश पाल, बी.ए. कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सर्वोत्तम एथलीट के रूप में मेजर एस.एल. दर स्वर्ण पदक तथा प्रमाण –पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- कैडेट वीरेन्द्र, 3यू.पी. आर्म्ड स्का., एन.सी.सी. सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सर्वोत्तम एन.सी.सी कैडेट के रूप में मेजर एस.एल. दर रजत पदक पुरस्कार प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार

निम्नलिखित गैर शिक्षण कर्मचारियों को उनके सराहनीय सेवाओं के लिए ''सर्वोत्तम कर्मचारी''पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्रीमति अजिता शिवा सुब्रमण्यन, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक, कुलसचिव कार्यालय (विकास) एवं श्री एम.शंकर वैयक्तिक सहायक, चयन आंकलन प्रकोष्ठ; श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय एवं श्री शहजाद खान, वरिष्ठ सहायक, दृश्य कला संकाय; श्री सूर्यकेश मिश्रा, तकनीकी सहायक, कम्प्युनिटी मेडिसिन, चिकित्सा विज्ञान संस्थानय।

चतुर्थ श्रेणी (लिपिकीय वर्ग)
श्री राजदेव राम, अनुसेवक, कुलपति कार्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को उनके कर्तव्यों दायित्व के प्रति अत्यन्त निष्ठा एवं प्रक्रियता के लिए गैर- शिक्षण सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्थापना दिवस समारोह
परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दिनांक 16.02.2021 को स्थापना स्थल पर किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम हवन-पूजन करने के उपरान्त कुलपति महोदय द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार के कुलगुरू, अध्यापक, अधिकारी, कमर्चारी तथा विद्यार्थी भी पूजन समारोह में उपस्थित रहे।

इसके अलावा शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्रों को सम्मेलन संगोष्ठी कार्यशाला आदि में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई इसके अलावा विभागों को छात्रों के लिए संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित करने के लिए 5000/- रूपये आर्थिक सहयोग प्रदान किए गए। केन्द्रीय पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं की शैक्षिक सामग्री की ऑडियों रिकार्डिंग में लगे छात्रों को अर्न व्हाइल लर्न-योजना के तहत परिश्रमिक दिया गया।

छात्र-अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा सह-आयोजित कार्यक्रम

लाला लाजपत राय पाठशाला में नि:शुल्क गर्म वस्त्रों का वितरण: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सुन्दर बगिया स्थित लाला लाजपत राय पाठशाला में अध्ययन करने वाले निर्धन विद्यार्थियों को पाठशाला में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। दिनांक 11 दिसम्बर 2020 को कुलपति महोदय द्वारा विद्यालय के 64 विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्वेटर वितरित किया गया।

छात्र कल्याण योजना के अधीन विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

2020 में गांधी जयंती के अवसर पर, हर साल की तरह, माननीय कुलपति ने 138 दृष्टिबाधित छात्रों को शैक्षिक सहायता के रूप में 5000/-रूपये दिए 50 अतिविकलांग विद्यार्थियो कोतिपहिया साईकिल क्रय किये जाने हेतु 4000/-रूपये प्रति विद्यार्थी,25 मूकबधिर विद्यार्थियों को भी 3000/-प्रति विद्यार्थी नगद उपकरण हेतु सहायता प्रदान किया गया।

9.15. जलपान गृह

विश्वविद्यालय का मैत्री जलपान गृह समूह, कृषि विज्ञान संस्थान में कृषि कैंटीन के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान,सर सुंदर लाल अस्पताल, अस्पताल ऑपरेशन थियेटर,मधुबन,केंद्रीय कार्यालय और केंद्रीय विद्यालय में गैर-लाभकारी आधार पर कैंटीन संचालित करता है। इन कैंटीनों में खाने-पीने में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। मैत्री जलपान गृह नाश्ता,दोपहर का भोजन और अन्य खाद्य पदार्थ परोसता है और छात्रों,शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के बीच बहुत लोकप्रिय है।

विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओ के उम्मीदवार भी इन सुविधाओं से लाभान्वित होते हैं। आयोजकों के विशेष अनुरोध पर संगोष्ठी,सम्मेलनों और अन्य शैक्षणिक अवसरों में खानपान की व्यवस्था भी की जाती है। इस सुविधा का लाभ वर्तमान सत्र में प्रतिदिन लगभग 25000 से 30000 रुपये की बिक्री के रूप में 2000 से 2500 लोगों द्वारा लिया जाता है।

9.16. राष्ट्रीय सेवा योजना

कोविड के बढ़ते संक्रमण के कारण पूर्णत: लॉकडाउन के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों को व्यक्तिगत रूप से आयोजन लगभग असंभव सा हो गया था। परंतु समय को देखते हुए कोविड संक्रमण की रोकथाम, उसके नियंत्रण

उससे बचाव और जागरूकता आदि को लेकर ऑनलाइन माध्यम से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के साथ मिलकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारीयों और स्वयंसेवकों ने लगातार 100 दिनों तक कोविड संक्रमण नियंत्रण हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित बैठक में भाग लिया जिसमें नियमित रूप से कार्यक्रम समन्वयक और अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

वर्तमान वर्ष के अंतर्गत कोविड संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के बावजूद भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान, वृक्षारोपण, मास्क वितरण, मास्क बैंक बुजुर्गो की सहायता, रक्तदान एवं जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रम प्रमुख है।

मई में कोरोना संक्रमण से बचाव अभियान; 10 मई से 05 जुलाई तक मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा वेबीनार; 21 मई को मानसिक स्वास्थ्य हेतु परामर्शदाताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण; राष्ट्रीय कोविड-19 प्रश्नोत्तरी का ऑनलाइन आयोजन; ‘‘कोविड-19 के दौर में राष्ट्रीय निर्माण: राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की भूमिका’’ विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार; राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको की भूमिका विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन 23 मई; 17 जुलाई को कोविड संकट के समय में पिछलें 100 दिनों में किये गयें कार्यो की समीक्षा वेबीनार गोष्ठी; 08 अक्टूबर को शपथ लेकर कोविड के खिलाफ लड़ाई जीतने का संकल्प; राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 4,500 स्वयंसेवकों ने भारत सरकार के स्वास्थय मंत्रालय द्वारा संचालित आईजीओटी प्रशिक्षण को ऑनलाइन पूरा किया। मास्क बैंक में लगभग 13,000 मास्क राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा दान दिए गए जिसका वितरण जरूरतमंदो के बीच किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न इकाइयों द्वारा गोद लिए गए गावं और मलिन बस्तियों में स्वयंसेवकों के साथ मिलकर कार्यक्रम अधिकारीयों ने कोविड संक्रमण से बचाव और मास्क वितरण के कार्य को संपादित किया।

20 जुलाई को ‘‘टोकेंगे- कोरोना को रोकेंगे’’; 18 दिसम्बर को कोविड- संक्रमण से उत्पन्न स्थिति हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला; एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन; 12 मार्च को अमृत महात्सव रैली; 16 मार्च को शास्त्रीय गायन और नृत्य के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश; २१ मार्च को अमृत महोत्सव साइकिल यात्रा; 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन; विश्व पर्यावरण पखवाडा के आयोजन के अन्तर्गत ‘‘जैव विविधता हमारे पर्यावरण के लिए आवश्यक है’’ विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रियांशु राय और निश्चित निकुंज को प्रथम, कृति कुमारी और अनूप सिंह को द्वितीय, वंशिका शर्मा और अपर्णा सेठ को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। सुश्री प्रियांशी कुमारी और आर्यमन को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

22 अगस्त को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मैडम भीखाजी कामा के अतुलनीय योगदान की स्मृति में वृक्षारोपण कार्यक्रम; 20 सितम्बर को समाज सेविका एनी बेसेंट जी की पुण्य तिथि के अवसर पर एक वृक्षारोपण कार्यक्रम; 24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के 51वॉं स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम; 30अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एक वृक्षारोपण कार्यक्रम; 12 नवम्बर को भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम; 07 जनवरी को एक दिवसीय स्वच्छता अभियान; 22 मार्च को जल संरक्षण जागरूकता पदयात्रा; वन महोत्सव माह का शुभारंभ; 12 जून 2020 को ऑनलाइनएकदिवसीय रक्तदान जागरूकता राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन; 14 जनू को रक्तदान शिविर का आयोजन; 30 जून को ऑनलाइन एक दिवसीय रक्तदान जागरूकता राष्ट्रीय कार्यशाला; 28 अगस्त को राज्य स्तरीय एड्स जागरूकता कार्यशाला; 5 सितम्बर को रक्तदान शिविर; 14 अक्टूबर को राज्य स्तरीय एड्स जागरूकता प्रश्नोत्तरी; 24-25 नवम्बर को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला; 01 दिसम्बर ‘‘एड्स जन जागरूकता अभियान’’ एवं विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा आयोजित एड्स जागरूकता लघु फिल्म प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा

योजना के स्वयंसेवकों को मिला 80,000 रूपये को पुरस्कार लखनऊ में प्रदान किया गया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के श्री परितोष कुमार को उनकी लघु फिल्म ''हेलो 1097'' के लिए 50,000 रूपये का प्रथम पुरस्कार श्री ओम प्रकाश को उनकी लघु फिल्म ''आई एम विद यू'' के लिए 20,000 रूपये का तृतीय पुरस्कार, श्री राहुल आनंद की लघु फिल्म ''है जरूरी'' के लिए और श्री सोनू कुमार को उनकी लघु फिल्म ''इंडिया अगेंस्ट एचआइवी डिस्क्रिमिनेशन'' के लिए 10,000 रूपये का चतुर्थ पुरस्कार प्रदान किया गया।

23 जनवरी को राष्ट्र नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 125वीं जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। 08 फरवरी 2021 को रक्तदान शिविर; 19 मार्च को दो दिवसीय रक्तदान एवं एड्स जागरूकता कार्यशाला एवं 8 मार्च को एक दिवसीय ट्रेनिंग कार्यशाला ''एच आईवी /एड्स बचाव के रूप में'' आयोजन किया गया; 12 जनवरी से 19 जनवरी तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह का आयोजन किया गया। 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। 14 एवं 15 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके द्वारा किए गए कार्यो पर केंद्रित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रितेश कुमार को प्रथम, अक्षय सिंह को द्वितीय, हिमांशु कुमार को तृतीय और आशुतोष सिंह, अंकुश कुमार, राज त्रिपाठी और सौम्या सिंह को चतुर्थ स्थान से पुरस्कृत किया गया। 19 जनवरी को आयोजित समारोह में युवा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सक्षम काशी दिव्यांग सेवा उत्कृष्ट दिव्यांग सम्मान समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन; 30 दिसम्बर को ब्रेल दिवस के उपलक्ष्य पर ''ब्रेल जानो अभियान'' और दिव्यांग साहित्य समारोह के सात दिवसीय कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन; 31 दिसम्बर को व्याख्यानमाला शृखला का आयोजन किया गया। 01 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने ब्रेल लिपि के माध्यम से शिक्षा के विविध आयामें में व्यापक चर्चा की; 02 जनवरी को एक भव्य राष्ट्रीय युवा कवि गोष्ठी; 04 जनवरी को लुई ब्रेल की जयंती समारोह; 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस; 21 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और युवा विषयक क्विज प्रतियोगिता; 22 जनवरी को ''जागरूकता मतदाता राष्ट्र समृद्धि के लिए वरदान'' विषयक राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता; 23 जनवरी को ''जागरूकता मतदाता और समृद्ध राष्ट्र'' विषय पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता; 24 जनवरी को मतदान जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया; इस अवसर पर उन्होंने ''हेल्प द ब्लाइंड फाऊंडेशन'' चेन्नई द्वारा प्रदत्त लैपटॉप का निशुल्क वितरण काशी हिंदू विश्वविद्यालय के नौ दृष्टिबाधित दिव्यांग छात्रओं के बीच की; 25 जनवरी को निष्पक्ष रूप से मतदान करने का संकल्प; 12 अगस्त को ''आधुनिक भारत और युवा'' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी; 29 अगस्त को फिट इंडिया फ्रीडम रन; 18 सितम्बर को ''आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी; 23 सितम्बर को ''सेवा और विश्व शांति के लिए गांधी जीवन दर्शन'' विषयक पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी; तीन दिवसीय ''गांधी पर्व'' का आयोजन 30 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक; ''गांधी र्दशन में व्यक्तिगत मूल्य और नेतृत्व'' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी; 02 अक्टूबर को श्रमदान और प्रर्थना सभा का आयोजन; 10अक्टूबर को ''मानसिक स्वास्थ्य और युवा'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; 30 अक्टूबर को 'विश्व हाथ धूलाई दिवस' पर जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम; 31 अक्टूबर को ''भारत की राष्ट्रीय एकता अखंडता में लौह पुरूष सरदार बल्लभभाई पटेल का योगदान ''विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी; 04 नवम्बर भारत सरकार के यूवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संसद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका की सुश्री निहारिका शुक्ला का चयन किया गया जिला स्तर पर आयोजित युवा संसद में निहारिका शुक्ला को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

06 नवम्बर को टी बी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ; 10 दिसम्बर को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ''कोविड महामारी और मानवाधिकार'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी; 16 दिसम्बर को छात्रों द्वारा संपादित ई पत्रिका मृगतृष्णा के छठे अंक का लोकार्पण ऑनलाइन माध्यस से; 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 73 वीं पुण्यतिथि पर प्रर्थना सभा का आयोजन; 19 फरवरी को ''सडक सुरक्षा और युवा दायित्व विषयक'' भाषण प्रतियोगिता एवं युवा संवाद कार्यक्रम; 06 मार्च को एक दिवसीय बालिका क्रिकेट मैच; 07 मार्च को ''मिशन शक्ति'' कार्यक्रम के अंतर्गत बालिका

सशक्तिकरण और नेतृत्व विकास विषयक ऑनलाइन एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला; 24 मार्च को विश्व टी बी दिवस के अवसर पर टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

9.17. नेशनल कैडेट कोर

एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वार्टर 'ए' की स्थापना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में 14 फरवरी 1963 को हुआ। ग्रुप हेडक्वार्टर ए की नौ यूनिटें हैं जिनमें से पाँच यूनिट काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रांगण में, दो यूनीटें बलिया, एक गाजीपुर तथा एक मुगलसराय में स्थित है। उपरोक्त सभी यूनिटों का उदय वर्ष1963 से पहले हुआ। उल्लेखनीय है कि 2 उ.प्र. ई.म.ई कम्पनी की स्थापना 05 अगस्त 1921 को बनारस इंजिनियरिंग कालेज के रूप में हुई थी। इस ग्रुप हेडक्वार्टर के प्रथम ग्रुप कमान्डर लेफ्टिनेन्ट कर्नल बृजपाल सिंह (राजपूत रेजीमेन्ट) थे। तब से अब तक 26 ग्रुप कमांडर अपनी सेवा ग्रुप हेडक्वॉटर को दे चुके हैं। 07 अगस्त 2020 से ब्रिगेडियर नरेन्द्र सिंह ग्रुप कमांडर हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का विस्तार

ग्रुप हेडक्वाटर 'ए' का मुख्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित है। इसमें वाराणसी, चन्दौली, गाजीपुर, बलिया तथा मऊ जनपद के कुल 6093 लड़के तथा 2641 लड़कियाँ कैडेट के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। इस मुख्यालय का विस्तार 4 विश्वविद्यालय, 18 विद्यालय, 62 इण्टर तथा डिग्री कालेजों में है। इस मुख्यालय तथा उसके अधीनस्थ एनसीसी इकाईयों में 18 सैन्य कमीशंड अधिकारी, 38 कनिष्ठ कमीशंड अधिकारी, 81 नान कमीशंड अधिकारी, 47 वरिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी, 22 कनिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी तथा 127 असैन्य कर्मचारी हैं।

उपलब्धियाँ

वर्तामान वर्ष में इस मुख्यालय द्वारा निम्नलिखित उपलब्धियां अर्जित की गई हैं -

- 19 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए जिसमें 3322 कैडेटों ने भाग लिया।
- आनलाइन एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर में 132 कैडेटों ने भाग लिया, जिनका आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर हुआ था।
- 28 भूतपूर्व एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी के 'ए', 'बी' तथा 'सी' प्रमाणपत्र के आधार पर सेना में तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की नौकरियां प्राप्त की।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 4351 कैडेटों तथा अन्य लोगों ने भाग लिया।

सम्मान एवं पुरस्कार :कैडेट वीरेन्द्र,3 उप्र आर्मड एनसीसी, वाराणसी को मेजर एस. एल. द्वारा रजत पदक से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।; कैडेट दीक्षा दूबे, 93 उप्र एनसीसी वाहिनी को मुख्यमंत्री स्वर्ण प्राप्त हुआ।

सामुदायिक विकास और सामाजिक सेवा योजना

इस मुख्यालय ने निम्नलिखित सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रियता से भाग ग्रहण किया –

- एक्स एनसीसी योगदान - 86
- विश्व पर्यावरण दिवस - 97
- रक्तदान - 79
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 4351
- कारगिल विजय दिवस - 103
- वृक्षारोपण कार्यक्रम - 1027

- आत्मनिर्भर भारत - 2078
- फिट इंडिया - 6804
- फिट इंडिया जागरूकता कार्यक्रम - 8392
- नई शिक्षा नीति पर वेबिनार - 64
- संविधान दिवस यूथ क्लब गतिविधि - 615
- आनलाईन स्वच्छता जागरूकता - 2753
- मूर्ति देखभाल - 1230
- अतुल्य गंगा मिशन - 148
- हेल्प - 50
- यूथ संसद - 116
- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा - 893
- ट्विटर एकाउन्ट पर रजिस्ट्रेशन - 3899
- मूर्ति स्वच्छता - 175
- जल जीवन संवाद - 45

अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन

क्र	**अधिकारी का नाम**	**स्थान**	**दिनांक**
क.	मेजर जनरल राकेश राणा, अपर महानिदेशक, एन.सी.सी. निदेशालय, लखनऊ	एनसीसी ग्रुप मुख्यालय अ, वाराणसी	04 सितम्बर 20
ख.	ब्रिग्रेडियर राजा चक्रवर्ती, उपमहानिदेशक एन.सी.सी. निदेशालय, लखनऊ	एनसीसी ग्रुप मुख्यालय अ, वाराणसी	21 नवम्बर 20

विविध: स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैडेटों द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को गार्ड आफ आनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर कैडेटों ने इस वर्ष एन.सी.सी. के ए,बी. तथा सी. प्रमाण पत्र परीक्षाओं में भाग लिया तथा उत्तीर्ण हुए।

9.18. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड

विश्वविद्यालय के छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से 7 यू.पी. एयर दल के सहयोग से परिसर में एक हवाई पट्टी/हेलीपैड की भी व्यवस्था है, जहाँ भारी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र/कैडेट (कनिष्ठ व वरिष्ठ) को राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी प्रशिक्षण के विस्तार की सुविधा है।

9.19. विपणन संकुल

मरीजों एवं उनके सहयोगियों, आगन्तुकों, छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों को उच्च गुणवत्तायुक्त अल्पाहार, शीतल पेय, कॉफी, चाय इत्यादि प्रदान करने के लिए 168 दुकानें/ कियास्क/ आउटलेट / बैंक इत्यादि (राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकच्छा) विश्वविद्यालय के विभिन्न भागों पर संचालित है।

9.20. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

महामना ने एक समग्र एवं अनूठे शैक्षणिक संस्थान के रूप में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जहाँ पूर्वी धर्म तथा पाश्चात्य विचार आपस में घुलमिल सके और उनके बीच वीवंत संवाद हो सके।यह मेल जोल और संवाद ण

केवल पृथक- पृथक माध्यम से हो बल्कि एक महत्वपूर्ण सामूहिक भवन के हरिये अनौपचारिक तरीके से हो, जिसे वह विश्वविद्यालय क्लब कहा करते थे। उन्होंने सन 1936 में इसकी स्थापना इस उद्देश्य से की थी कि यह क्लब योग्यता व उत्कृष्ठता की संस्थागत विचारधारा की पूर्ती अपने बहु-विषयी श्रेष्ठ ज्ञान के आदान-प्रदान के जरिये करेगा।तब से लेकर पिछली शताब्दी के अंत तक, यह क्लब अनिवार्य रूप से एक संवाद केंद्र रहा, जहाँ काली चाय का स्वाद लेते हुए, विविढ प्रदेशों के सदस्य इनडोर खेलों का आनंद लेते थे और विभिन्न मतावलंबी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण शैक्षणिक तथा प्रशासनिक समुदाय के प्रति अपनेपन के भाव के साथ एक विशेष माहौल पैदा कारते थे।यह एक अनौपचारिक मिलन केंद्र था जहाँ एक समय किसी को भी लघु भारत प्रतीत होता था तथा वहाँ समवेत रूप से सुन्दरम सांकृतिक अभिवयक्ति थी। विश्वविद्यालय क्लब अपने संकाय तथा प्रशासकों के सुन्दरतम सांस्कृतिक शिष्टता को प्रतिबिंबित करता था।

नई शताब्दी के आरम्भ के साथ ही, विश्वविद्यालय क्लब की भूमिका भी परिवर्तित हो गयी है।विश्वविद्यालय क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए विभिन्न सांकृतिक एवं मांगलिक कार्यों तथा अनुष्ठानो के आयोजन हेतु स्थान प्रदान करता है।प्रतिवर्ष इसमे विभिन्न विवाह तथा अन्य कार्यक्रमों के आयोजन से एक अच्छी खासी आय की प्राप्ति भी होती है।

9.21. छात्र कल्याण

9.21.1. संस्थापन सेवाएँ

पर्यावरण और धारणीय विकास संस्थान

शिक्षण और अनुसंधान के अलावा,अन्य विद्यालयों के एमएससी/एमफिल शोध प्रबंध के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में आई.ई.एस.डी. के प्रशिक्षित छात्र वैज्ञानिक कार्यो के लिए प्रशिक्षित छात्र है। 3 एम.एस.सी. टेक एनवायरनमेंटल साइंस और टेक्नोलालिकल अंतिम वर्ष के छात्रों को वर्तमान सत्र में हैदराबाद में रैमकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड, में रखा गया है।

प्रबंधशास्त्र संस्थान

प्रबंधशास्त्र संस्थान (एफएमएस), काशी हिंदू विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव ने संस्थान के अपने पिछले कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुये रु.18 लाख प्रतिवर्ष तक का उच्चतम पैकेज का प्रस्ताव आईबीएम लिमिटेड द्वारा प्राप्त किया है। संस्थान ने देश के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया है क्योंकि इसे उद्योग जगत से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। रुपये का उच्चतम पैकेज। पिछले वर्ष की तुलना में 18 लाख प्रतिवर्ष के साथ 50% की वृद्धि दर्ज की गई और औसत पैकेज भी रु. 7.2 लाख प्रतिवर्ष रुपये से बढ़कर 8.4 लाख प्रतिवर्ष हो गया। इस वर्ष प्लेसमेंट ड्राइव में दो दर्जन से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें विविध विभागों के साथ आने वाली कंपनियों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि देखी गई। छात्रों को चयन आईटी सेक्टर, कंसल्टेंसी सेक्टर, एमसीजी, ईकॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र सहित विभिन्न उद्योगों में हुआ। छात्रों को आईबीएम लिमिटेड, इंफोसिस, विप्रो और जेनपैक्ट जैसे शीर्ष कंपनियों द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया, जबकि अन्य कंपनियाँ डीएचएल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एलएंडटी फाइनेंशियल सर्विसेज, मेकमायट्रिप, कैफैकोफॉर्बे, फेडरल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, उज्जीवन एसएफबी,बर्जर पेंट्स, राइटर कॉर्पोरेशन, सूयीदय एसएफबी, प्रिज्म सीमेंट, इफको किसान, बनारस डेयरी, वीएनआर सीड्स लिमिटेड, एडीएम एग्रो और कई अन्य थीं, इस प्रकार बैच की लगभग 90% नियुक्ति सुनिश्चित हुई।

कंसल्टेंट्स, एनालिटिक्स, सेल्स ट्रेनी, बिजनेस डेवलपमेंट, ब्रांच बैंकिंग, रिटेल बैंकिंग, क्रेडिट रिस्क, प्लानिंग एंड एनालिटिक्स, ऑपरेशंस, विजिलेंस आदि जैसे कई प्रतिष्ठित और आकर्षक प्रस्ताव मिले। आने वाली कंपनियों की संख्या और पैकेज की पेशकश में भारी वृद्धि के साथ इस वर्ष प्लेसमेंट उत्कृष्ट रहा।

विज्ञान संस्थान

भूविज्ञान विभाग

वर्तमान सत्र में जीएसआई, ओएनजीसी, एमइसीएल, सीजीडब्लूबी, एएमडी,सीआईएल, मोनेट इस्पात, टाटा स्टील, डीजीएम, एनजीआरआई, पीआरएल, सीआईएमएफ़इआर, डब्लूआईएचजी इत्यादि के प्रतिष्ठित भारतीय और बहुराष्ट्रीय व्यावसायिक घरानों में छात्र को प्लेसमेंट मिला।

भूभौतिकी विभाग

एमएससी (टेक) के अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ-साथ पिछले वर्ष उत्तीर्ण छात्रों को यूपीएससी के माध्यम से जीएसआई में, अन्य सरकारी, अर्ध-सरकारी और निजी संगठनों में चयन हुआ है। वर्तमान सत्र के दौरान कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से भूभौतिकी के सात छात्रों का चयन ओ.एन.जी.सी.में हुआ।

रसायन विज्ञान विभाग

वर्तमान वर्ष में रामकी इनवारों प्रो. लिमिटेड. ने हमारे विभाग का दौरा किया और आठ छात्रों को नौकरी की पेशकश की। इसके अलावा, दो अच्छी तरह से प्रतिष्ठित पीएमटी,आईआईटी कोचिंग संस्थान जैसे- आकाश और टैगोर ने भी हमारे विभाग का दौरा किया और और हमारे कुछ छात्रों को नौकरी की पेशकश की।

भौतिकी विभाग

हमारे अधिकांश छात्र आई.आई.टी., आई.आई.एस.सी., टी.आई.एफ.आर., आई.आई.एस.ई.आर., एन.आई.एस.ई.आर., डी.आर.डी.ओ., सी.एस.आई.आर. अनुसंधान प्रयोगशालाओं, डी.ए.ई. संस्थानों जैसे विभिन्न संगठनों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं।

संगणक विज्ञान विभाग

7छात्रों को टीसीएस में रखा गया, 1 छात्र अबेती बैंगलोर में, 5 छात्र सीसेन नेटर्वक में डार्क हॉर्स डिजिटल प्राइवेट में 10 छात्र। लिमिटेड, पेंटेयर नोएडा में कुछ छात्रों को उत्कृष्टता टेक्नोलॉजी नोएडा में रखा गया है।

सामाजिक विज्ञान संकाय

इतिहास विभाग

पं० मदन मोहन मालवीय जी द्वारा स्थापित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राचीनतम् विभागों में इतिहास विभाग एक है, जिसकी स्थापना सन् 1918 में की गयी थी। विभाग की ओर से स्नातक और परास्नातक के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। स्नातक स्तर पर इतिहास (प्रतिष्ठा) के पाठ्यक्रम पढ़ाये जाते हैं और परास्नातक स्तर पर अनेक नये प्रश्न पत्र सम्मिलित किये गये हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुरूप सत्र 2011-12 से ही संशोधित पाठ्क्रम की पढ़ाई हो रही है तथा 2019-2020 में ही यथावत चल रही है।

मनोविज्ञान विभाग

विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विभाग के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों मास्टर ऑफ परसोनेल मैनेजमेंट एण्ड इण्डस्ट्रियल रिलेशन, पी०जी० डिप्लोमा इन काउन्सलिंग गाईडेन्स एण्ड साइकोलाजिकल इन्टरवेंशन, तथा पी०जी० डिप्लोमा इन काउन्सलिंग एण्ड साइकोथेरेपी में वृत्ति नियोजन इस वर्ष भी जारी रहा।

शिक्षा संकाय

शिक्षा संकाय में चयन प्रकोष्ठ नियमित रूप से कैम्पस चयन का आयोजन विद्यार्थियों के लिये करके उनकी रोजगार सम्बन्धी जरूरतों की पूर्ति करता है। साथ ही संस्था एवं उद्योग जगत के साथ भी उचित सम्बन्ध स्थापित करता है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड अन्य राज्यों एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थाओं में तथा बिहार एवं उत्तर प्रदेश के डायट एवं प्राथमिक विद्यालयों में 80से अधिक विद्यार्थी में चयनित हुए हैं।

आनुवांशिक विकार केंद्र

वर्षीय पी.जी. क्रोमोसोमल, जेनेटिक एण्ड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक पर डिप्लामा, कोर्स, इस कोर्स को यूजीसी ने अपने इनोवेटिव प्रोग्राम के तहत फंडिग के लिए चुना है। केंन्द्र ने प्लेसमेंट आदि के लिए फार्मास्यूटिक उद्योग्य और अन्य और आर एंण्ड डी प्रयोगशालाओं से संर्पक किया हैं हमारे पिछले छात्र बैच को एसजीपीजीआई-लखनऊ, आईएमएस बीएचयू, सरकारी स्कूल में शिक्षक, डीबीटी और आईसीएमआर संस्थान, विज्ञान बीएचयू, सर गंगा जैसे संस्थानों में प्लेसमेंट मिला है। राम अस्पताल, नई दिल्ली आदि।

समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र

संगठन	छात्र का नाम	पद	वार्षिक आय
दृष्टि फाउंडेशन मुरादाबाद, यूपी।	आदित्य कुमार	विदुषी फेलो	4.2
	अभिरंजन कुमार सिंह	विदुषी फेलो	4.2
दृष्टि फाउंडेशन मधुबनी, बिहार	खुशबू	विदुषी फेलो	4.2
गांधी फैलोशिप	राहूल कुमार	गांधी फेलो	1.68

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

- एम.बी.ए. (ए.बी.) के छात्र एवं छात्राओं की नियुक्ति औसत वार्षिक पैकेज 4.5 लाख रूपये के साथ इण्डोगल्फफर्टिलाइजर, अंसल ए पी आइ, ड्यू प्वाइंट, सावन सीड, महिंद्रा टेक, पैन सीड, धनुका, बंधन माइक्रोफाइनेस सिनोकेमए चम्बल फर्टिलाइजर, एवं पर्ल अकादमी द्वारा की गई।
- एम.एस.सी. (स्वायल साइंस- स्वायल एण्ड वाटर कंजरवेशन) एवं एम.एस.सी. (एग्रो फारेस्टी) के छात्र-छात्राएं वी.एन.आर. सीड्स प्रा.लि., झारखण्ड स्टेट लाविइली हुड प्रोमोशन सोसाइटी, उत्तर प्रदेश स्टेट रुरल लाविइली हुड मिशन, एग्री बिजनेस सिस्टम तथा विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत है। इनके छात्र-छात्राएं ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत आई.सी.ए.आर.-इंण्डियन इंस्टीयूट ऑफ स्वायल एवं वाटर कंनजरवेशन (देहरादून) में कार्यरत है।
- बी.फार्म. आयुर्वेद के छात्र एवं छात्राओं की नियुक्ति श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेडए इमामी प्राइवेट लिमिटेड, चरक फार्मा जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुई।
- बी.एस.सी. (कृषि) पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं का वर्तमान सत्र में बैकिंग संगठनों, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों में सफल चयन हुआ।
- एम.एस.सी. (टेक) पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों का चयन विभिन्न संगठनों जैसे रामकी इन्वायरों लिमिटेड आदि में हुआ। कुछ विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा भी पास की।
- इस सत्र में डी.डी.यू. कौशल केन्द्र में संचालित मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, रिटेल एवं लॉजिस्टिक मैनेजमेन्ट तथा हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट के छात्रों का चयन विभिन्न कम्पनियों में किया गया है। जिसमें प्रमुखत: पैथकाइंड लैब्स, पैथ केयर लैब, रामकृष्ण मिशन हास्पिटल, एम हास्पिटल आदि कम्पनियों ने छात्रों को अच्छे पैकेज में चयन किया।
- मास्टर आफ टूरिज्म एवं ट्रेवल्स मैनेजमेंट के छात्र-छात्राओं की नियुक्ति विभन्न नामचीन कम्पनियों में हुई है। जिसमें कॉक्स एण्ड किंग, ग्रीट होलिडेज, यात्रा डाट काम, मौजी डाट काम आदि प्रमुख हैं।

- पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिसमएण्ड मॉस कम्युनिकेशन के छात्र-छात्राएं विभिन्न मीडिया संगठनो में कार्यरत है। जिसमें विशेष रुप से इ. टी.वी. भारत, टाइम्स आफ इण्डिया, दैनिक जागरण एवं हिन्दुस्तान टाइम्स मुख्य है।

महिला महाविद्यालय

- एम.ए. शिक्षाा शास्त्र के विधार्थियों के नियोजन के निमित प्रेमजी अजीज फाउण्डेशन को यूनिवर्सिटी प्लेसमेण्ट सेल का.हि.वि.वि. के सौजन्य से आमंत्रित किया गया।
- बी.ए. हिन्दी तृतीय वर्ष के ग्यारह छात्राओं ने यूको बैक वारणसी में आयोजित त्रैमासिक हिन्दी यूनिकोड कार्यशाला में सहभागिता की इस प्रकार बैक की कार्यप्रणाली में हिन्दी के प्रयोग तथा विभिन्न कार्यालयों और व्यावसायिक सम्प्रेषण में हिन्दी के प्रयोग का साक्षात निर्देशन प्राप्त किया।

वसंत कन्या महाविद्यालय

सेल ने बी.ए. और एम.ए. के अंतिम वर्ष को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न नौकरी के अवसरों के बारे में जागरूक किया। उनमें एम.ए. गृह विज्ञान की 4 छात्राओं को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम एंड ज्वैलरी डिजाइन, वाराणसी में 8 सप्ताह की इंटर्नशिप में सम्मिलित होने के लिए चयनित किया गया।

9.21.2.रोजगारपरक निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

व्यावसायिक निदेशन एवं परार्मश प्रकोष्ठ की स्थापना दिसम्बर 2011 में और उद्घाटन 10 फरवरी 2012 को हुई। कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को प्रकोष्ठ प्रदान की जाने वाली सेवाओं को तीन मुख्य भागों में बाँटा जा सकता है।

- शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन
- मनोवैज्ञानिक परामर्श
- रोजगार परामर्श
- जागरूकता बढ़ाना और प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रकोष्ठ में परामर्श का विवरण

वर्तमान सत्र में विभिन्न संकायों के 400 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा कैरियर गाइडेन्स काउसिलिंग सेल की सेवाओं का लाभ उठाया गया। वास्तव में वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में आमनें-सामनें की शिक्षा बंद हो गयी और पूर्णाकालिक दूरस्थ शिक्षा जारी रही हैं। इस संदर्भ में नियोजित परामर्श गतिविधियों और सभी प्रकार के मार्गदर्शन और जागरूकता कार्यक्रमों और गतिविधियों को स्थगित या रद्द कर दिया गया था।

सामाजिक/ शरीरिक दूरी और अन्य सीमाएँ चिंता और भय जैसी नकारात्मक मनोवैज्ञानिक स्थितियों का कारण बन सकती हैं और ये छात्रों की भलाई को प्रभावित कर सकती है। छात्रों को इस अवधि के दौरान सबसे मनोवैज्ञानिक कठिनाइयों वाले समूह में दिखाया गया हैं क्योंकि उन्हें किसी भी अभिविन्यास प्रक्रिया में भाग लेने और बिना किसी समर्थन के इस प्रक्रिया के अनुकूल होन के बिना दूरस्थ शिक्षा में भाग लेना पड़ा। इससें छात्रों में सामान्य निराशा पैदा हो गयी है। कोविड-19 के बाद अनुभव जनित कठिनाईयों के कारण छात्रों को स्थिति के अनुकूल होने में कठिनाईयों और सीखनें में कठिनाईयों का अनुभव किया था। और इससें उनकी चिंता बढ़ गई। इन परिस्थितियों में प्रकोष्ठ ने अप्रैल 2020 से विभिन्न मंच के माध्यम से टेलीफोन के साथ-साथ विडियों काउसिलिंग शुरू कर दी है।

आयोजित कार्यक्रम

व्यावसायिक एवं शैक्षणिक सलाहः रोजगार सलाह 138विद्यार्थी संतुष्ट; शैक्षिक मार्गदर्शन ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन मोड के माध्यम से 64 विद्यार्थी संतुष्ट।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं सलाहः शैक्षणिक, व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक एवं अन्य 205 विद्यार्थी, संतुष्ट।

9.21.3. छात्र परिषद् कार्यालय

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में छात्र परिषद कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अर्न वाईल लर्न कार्यक्रम

न केवल जीवन यापन के लिए बल्कि पुस्तकालय,अस्पताल,साइबर कैफे आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त संख्या में जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को काम प्रदान किया गया।

"दृष्टि" जर्नल के 9वें संस्करण का प्रकाशन

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में,"दृष्टि जर्नल" का 9वां संस्करण छात्र परिषद द्वारा प्रकाशित किया गया है जिसमें तीन भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में शोध पत्र और लेख शामिल हैं। सभी पत्रों की समीक्षा की गई और सुधार के लिए भेजा गया। अधिकांश पत्र प्राप्त हुए और प्रकाशन के लिए प्रेस को भेजे गए।

9.21.4. नगर छात्र निकाय

छात्रावास के बाहर रहने वाले बीएचयू के छात्र (डे स्कॉलर) सिटी डेलिगेसीज के तहत पंजीकृत हैं। प्रतिनिधिमंडल इन विद्यार्थियों के शारीरिक, नैतिक और सांस्कृतिक आवश्यकताओ को पूरा करता है। विश्वविद्यालय के नगर छात्र निकाय के अंतर्गत पाँच इकाइयाँ हैं:

- पूर्वी निकाय
- पश्चिम निकाय और डी.एल.डब्ल्यू. निकाय
- उत्तर निकाय
- दक्षिण और रामनगर निकाय
- महिला महा विद्यालय इकाई (केवल छात्राओं के लिए)

नगर छात्र निकाय टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और क्रिकेट इत्यादि जैसी कई खेल सुविधाएं प्रदान करती है। खेल गतिविधियों के अलावा, प्रतियोगी परीक्षा के लिए उपयोगी पत्रिकाएं, राष्ट्रीय महत्व के समाचार पत्र (हिंदी और अंग्रेजी में) उपलब्ध होती हैं।

नगर छात्र निकायके छात्रों को एक अवसर देने और पाठ्येतर गतिविधियों में उनकी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए गायन और कविता पाठ के अतिरिक्त हर साल निकाय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे खेल गतिविधियों और साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों (निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, भाषण, कार्टूनिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग, मेहदी, रंगोली वाद्य यंत्र (सितार, तबला, वासुरी, वायलेन)) आदि का आयोजन करती है।

वर्तमान सत्र में,सिटी डेलिगेसीज़ द्वारा प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार किया जा रहा था, परन्तु कोविड 19 की दूसरी लहर के कारण सभी प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया गया था।

इस संबंध में मुख्य वार्डन प्रो. संजय कुमार सिंह ने निकाय के अंतर्गत आने वाले विद्यार्थियों को सलाह दी कि कैसे खुद को कोविड 19 से बचाएं। अन्य निकायों के वार्डन प्रो. आर.एन. खरवार, डॉ. राजीव व्यास, डॉ. उर्वशी गहलौत, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता और डॉ. विकास जायसवाल आदि ने भी अपने निकाय इकाइयों के विद्यार्थियों को कोविड-19 से निपटने की सलाह दी।

9.21.5.समान अवसर एवं समावेशी पद्धति

छात्र कल्याणः अनु.जाति/अनु.जनजाति

(क)अनु.जाति/अनु.जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत, अनु.जाति/अनु.जनजाति समुदाय के कर्मचारियों, छात्रों एवं शिक्षकों के हितों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जिसका कार्य भारत सरकार की आरक्षण सम्बन्धित नीतियों के क्रियान्वयन की देखरेख और सम्बन्धित सरकारी मंत्रालयों/ कार्यालयों को समय-समय पर सूचनाएँ उपलब्ध कराना है। कुलपति जी के आदेशानुसार निम्नलिखित प्रकोष्ठों का गठन किया गया है:

(1) विश्वविद्यालय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत प्रकोष्ठ
(2) संकाय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत समिति
(3) विभागीय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत समिति

(ख)अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य प्राविधानों को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए क्रमश: 15 प्रतिशत एवं 7.5 प्रतिशत की दर से निम्नलिखित हेतु आरक्षण लागू किया गया है:

१. विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु
२. छात्रावासों में कमरों के आवंटन हेतु
३. शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आवासों के आवंटन हेतु
४. शिक्षकों के चयन (असिस्टेंट प्रोफेसर से प्रोफेसर स्तर तक) हेतु
५. गैर-शिक्षण कर्मचारियों के चयन हेतु

(ग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु स्थायी समिति

माननीय कुलपति के आदेशानुसार एक स्थायी समिति का पुनर्गठन और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थायी समिति की एक उप समिति भी गठित की गयी है जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन का कार्य करती है। उप-समिति के निर्देशानुसार संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के लिए मुख्य आरक्षाधिकारी, काशी हिन्दूविश्वविद्यालय के माध्यम से सक्षम अधिकारियों के पास भेजा जाता है।

(घ)अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति पर्यवेक्षक

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रवेश समितियों/चयन समितियों/छात्रावास आवंटन समिति/नियुक्ति सहित पदोन्नति हेतु गठित समितियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के अध्यापकों में से एक व्यक्ति को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया जाता है। इसमें इस वर्ग से सम्बन्धित अध्यापकों की सूची इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक वर्ष जुलाई माह में जारी की जाती है।

(ङ)आंकड़ों (डाटा) का संकलन

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ नियमित रूप से छात्रों के प्रवेश, छात्रावास सुविधा, अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति एवं शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आवासों से सम्बन्धित सांख्यिकीय आंकड़ों उपलब्ध कराता रहता है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुवीक्षण समिति द्वारा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आरक्षण नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन के लिए उपयोग किया जाता है।

(च)शिकायत पंजिका

इस प्रकोष्ठ द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के छात्रों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों से प्राप्त शिकायतों को प्रकोष्ठ में उपलब्ध शिकायत पुस्तिका में पंजीकृत कर, सम्बन्धित इकाइयों को आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया जाता है तथा प्रकरण पर की गई प्रत्येक कार्रवाई का विवरण भी दर्ज होता है तथा समय-समय पर प्रकोष्ठ इन उपलब्ध आकड़ों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को प्रेषित करता है।

(छ)आनलाईन शिकायत पंजिका

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के अधीन आनलाईन शिकायत पंजिका विकसित की गयी है जिसे bhu.ac.inपर देखा जा सकता है। आनलाईन शिकायत दर्ज करने के लिये http://internet.bhu.ac.in/scstobc/complaint.phpपर लॉगिन किया जा सकता है।

(ज)शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/ जनजाति के सदस्यों की माँग पर शिक्षकों, कर्मचारियोंएवं छात्रों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तीन स्तरों (विश्वविद्यालय स्तर, संकाय स्तर एवं विभाग स्तर) पर अनुसूचित जाति/जनजाति शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय स्तर पर गठित अनुसूचित जाति/जनजाति निवारण प्रकोष्ठ ने प्राप्त कुल 5 शिकायतों का निवारण किया।

अन्य पिछड़ा वर्ग

(क) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित आरक्षण नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। यह प्रकोष्ठ पहले अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ का ही अंग था परन्तु वर्तमान् में कुलपति जी के आदेशानुसार **पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ** का गठन किया गया है साथ ही वर्तमान में इस प्रकोष्ठ को **अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ** का भी कार्य दिया गया है।

(ख) अन्य पिछड़ी जाति से सम्बन्धित आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं के क्रियान्वयन फलस्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा चयन एवं प्रवेश प्रक्रियाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के अनिवार्य प्रावधान को विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित हेतु क्रियान्वित किया गया है:-

१.विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश
२. शिक्षक सदस्यों का चयन (असिसटेंट प्रोफेसर स्तर तक)
३. गैर-शिक्षण कर्मचारी पदों पर चयन

(ग) आंकड़ा (डाटा)संकलन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार यह प्रकोष्ठ छात्रों के प्रवेश, अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के चयन, जैसे-विभिन्न मामलों पर नियमित रूप से सांख्यकीय आंकड़े उपलब्ध करता है।

(घ) शिकायत पंजिका

अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में एक शिकायत पंजिका उपलब्ध है जिसमें अन्य पिछड़ी जाति के अभ्यर्थियों से प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर इन शिकायतों को संबंधित इकाइयों में आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजता है। इन शिकायतों के नियमानुसार निस्तारण एवं तद्नुसार जबाब प्रेषित करता है।

(च) संदिग्ध अन्य पिछड़ा वर्गप्रमाण पत्रों के सत्यापन हेतु समिति का गठन

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के संदिग्ध प्रमाण पत्रों की जाँच के लिये **''कमेटी फार वेरीफिकेशन ऑफ डाउटफुल ओबीसी सर्टिफिकेट''** का गठन किया गया है, जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन करवाने का कार्य करती है।

रेमेडियल कोचिंग सेन्टर
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नि:शुल्क कोचिंग योजना के अन्तर्गत निर्धारित निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नान क्रीमी लेयर), अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नेट (NET) परीक्षा की तैयारी के लिए माननीय कुलपति महोदय ने एक सात सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नान क्रीमी लेयर) तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए सामाजिक विज्ञान संकाय के मनोविज्ञान विभाग में एक रेमेडियल कोचिंग सेन्टर का संचालन हो रहा है।

रिमेडियल कोचिंग के तहत वर्तमान सत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विश्वविद्यालय से अनुदान प्राप्त न होने की दिशा में आयोजन नही हो पाया है।

विकलांगता प्रकोष्ठ
उप सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के अनुपालन में विकलांगजनों को संवैधानिक सुविधाओं को लागू करने हेतु विश्वविद्यालय में "विकलांगता ईकाई" का गठन किया गया। उपकुलसचिव (शिक्षण) को उक्त ईकाई का प्रभार सौंपा गया था। वर्तमान समय में इस प्रकोष्ठके सम्पर्क अधिकारी संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं। भारत सरकार के नियमानुसार विकलांगजनों को शिक्षण तथा गैर शिक्षण नियुक्तियो में 3% प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है तथा कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36035/02/2017-इएसटीटी (आरइएस) दिनांक 15.01.2018 के अनुसार नियुक्तियों में 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था प्रक्रियाधीन है। छात्रों के प्रवेश में 5% प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण दिया जाता है। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अन्य सुविधायें/छूट भी प्रदान की जाती है।

समान अवसर प्रकोष्ठ
कुलपति महोदय के निर्देशानुसार उपकुलसचिव, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को समान अवसर प्रकोष्ठ का प्रभारी भी बनाया गया है। वर्तमान समय में उक्त प्रकोष्ठ के सम्पर्क अधिकारी विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ का उद्देश्य/कार्य: इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विकलांग एवं अन्य पिछड़े वर्ग (नान क्रीमी लेयर) के छात्रों को सफल एवं रोजगारपरक बनाने हेतु विशिष्ट योजना के तहत कोचिंग चला कर उन्हें मुख्य धारा में लाना है।

भेद-भाव उन्मूलक अधिकारी
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश पर माननीय कुलपति महोदय ने समान अवसर प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ. एम.के. सिंह, प्रोफेसर, नेत्र चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का भेद-भाव उन्मूलक अधिकारी (Anti Discrimination Officer), नियुक्त किया है।

अन्नदान योजना
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर की स्थापना चैत्र कृष्ण अष्टमी तद् दिनांक 11मार्च1931 को कृष्णाश्रम जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। श्री कृष्णाश्रम जी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय के निवेदन पर आये थे। श्री कृष्णाश्रमजी गंगोत्री से और आगे तपस्यारत थे। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर को बिरला मंदिर के नाम से भी जाना जाता हैं क्योंकि इस मंदिर के निर्माण में बिरला परिवार का योगदान सर्वाधिक है। इस मंदिर की ऊँचाई252 फीट है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में देश-विदेश से दर्शनार्थी आते हैं। श्रावण मास, श्री महाशिवरात्रि, कार्तिक मास में दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों की संख्या अधिक रहती है। श्री विश्वनाथ मंदिर द्वारा अन्नदान नामक एक योजना संचालित की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के निर्धन एवं मेधावी छात्र को नि:शुल्क दोपहर एवं रात्रि का भोजन दिया जाता है। वर्तमान वर्ष में इस योजना का लाभ 60 छात्रों को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त वर्तमान वर्ष में मंदिर में

रुद्राभिषेक, श्रावण महोत्सव, नवरात्र, दीपावली एवं अन्नकूट, मालवीय जयन्ती, श्री महाशिवरात्रि, श्री विश्वनाथ मंदिर का स्थापना दिवस, हनुमान जयन्ती आदि महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

9.21.6. पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

प्रबंध शास्त्र संस्थान

संस्थान ने पिछले सत्र के दौरान विभिन्न सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन किया, इनमें राष्ट्रीय त्योहारों के दौरान छात्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, पूर्व छात्रों की बैठक, अन्य शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, सेमिनार आदि शामिल हैं। संस्थान के वार्षिक दिवस- “उन्नयन” में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न अन्य कार्यक्रमों जैसे स्पंदन 2019, स्पर्धा 2019, जन्माष्टमी, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस-वसंत पंचमी कार्यक्रम आदि में पुरस्कार जीते। छात्रों ने अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित वाद-विवाद और प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार जीते।

विज्ञान संस्थान

वनस्पति विज्ञान विभाग

"सूक्ष्मजीवों और पौधों की गतिशीलता" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन।

रसायन विज्ञान विभाग

कई संकाय सदस्य विभिन्न सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में, कई पीएच.डी. के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में सेवा कर रहे हैं। विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों की थीसिस, विभिन्न विश्वविद्यालयों और आई.आई.टी.के रसायन विज्ञान विभाग के डी.आर.सी. के लिए वी.सी. नामित के रूप में अपना योगदान दिया।

विभाग के संकाय सदस्य, विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों में रिसर्च स्कॉलर के चयन के लिए डीन / निदेशक नामित के रूप में अपना योगदान दिया। इसके अलावा अलावा विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न विभागों में चयन समिति के सदस्य के रूप में, जे.एन.ओ.एस.टी. जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के संयोजक के रूप में, भटनागर पुरस्कार समिति के सदस्य के रूप में, डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. समिति (रासायनिक विज्ञान) के सदस्य के रूप में, एस.ई.आर.बी. फास्ट ट्रैक युवा वैज्ञानिक समिति के कोर सदस्य के रूप में, पी.ए.सी., एस.ई.आर.बी. के सदस्य और साथ साथ यू.जी.सी. द्वारा गठित समितियों में सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया। कुछ संकाय सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में वार्डन के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) में कार्यक्रम अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

भौतिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, विभाग नियमित आधार पर आई.ए.पी.टी. के माध्यम से छात्र गतिविधियों का आयोजन करता है।

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

- स्थापना दिवस झाँकी में प्रतिभागिता
- स्वच्छ भारत मिशन में भागीदारी
- नव प्रवेशित छात्रों के लिए अतिरिक्त अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन
- अंतर या अंतर-विभागीय खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी
- स्कूल की परिधि में वृक्षारोपण

जैव रसायन विभाग

- छात्र केंद्रित गतिविधियां: विभाग सभी छात्रों को परामर्श सुविधा प्रदान करता है। नेट योग्यता के लिए सफलता की दर प्रत्येक वर्ष लगभग 30% है। इसके अलावा, विभाग नियमित रूप से पी.जी. और

पी.एच.डी. दोनों कार्यक्रमों के छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद गतिविधियों का भी आयोजन करता है।

सामाजिक विज्ञान संकाय

संकाय के संकाय सदस्य, संकाय के साथ-साथ विश्वविद्यालय और अकादमिक जगत की पाठ्येतर गतिविधियों में सार्थक योगदान दे रहे हैं। वे छात्रावास वार्डनशिप, विश्वविद्यालय खेल बोर्ड, एन.एस.एस. कार्यक्रम, परीक्षा और प्रवेश संबंधी कार्यों और विश्वविद्यालय और छात्रों की भलाई के लिए आवश्यक गतिविधियों में लगातार योगदान दे रहे हैं। संकाय के कुछ संकाय सदस्यों को वाराणसी, राजस्थान और नई दिल्ली में विभिन्न संगठनों से कोविड 19 संकट में निस्वार्थ सेवा के लिए पुरस्कार मिले है।

महिला महाविद्यालय

- राष्ट्रीय त्योहारों का उत्सव का आयोजन
- मालवीय जयंती और सांस्कृतिक सप्ताह उत्सव का आयोजन
- अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन
- विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन
- एन.एस.एस.-इस सत्र के दौरान ऑनलाइन मोड में सात एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा एन.एस.एस. इकाइयों द्वारा वर्ष भर ऑनलाइन मोड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय युवा दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन।
- सड़क सुरक्षा जागरूकता पर एक वेबिनार का आयोजन।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन।
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एचआईवी/एड्स की रोकथाम पर एक प्रशिक्षण में भाग लिया गया जिसका विषय था: एक नेता के रूप में महिला। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा किया गया था।
- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एक दिवसीय शिविर को मनाया गया। दिन का विषय था: एड्स जागरूकता। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुपर्णा बसु के साथ संयुक्त रूप से किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। विषय था: पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- स्वयंसेवकों ने तंबाकू न लेने और कोविड के टीके लगाने का संकल्प लिया
- आई-गॉट प्रशिक्षण का समापन।
- एन.सी.सी.- एमएमवी के छात्र नियमित रूप से एनसीसी कैडेट के रूप में नामांकन करते हैं और समय-समय पर विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण और शिविरों में भाग लेते हैं।
- नवनियुक्त छात्रों के लिए अभिविन्यास सत्र: अनुभाग स्तर पर अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए और छात्रों को शिक्षण शिक्षण के नए तरीके से परिचित कराया गया। उन्हें परिसर, राजस्थान में उपलब्ध सुविधाओं और अवसरों से भी परिचित कराया गया

आर्य महिला महाविद्यालय

- अभिभावक - शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया
  महाविद्यालय के सभी विभागों द्वारा अभिभावक-शिक्षक बैठक का आह्वान किया जाता है ताकि आपसी प्रवचन से छात्र की शैक्षिक गतिविधियों और प्रगति पर चर्चा हो सके। छात्रों द्वारा भरे गए फीडबैक फॉर्म के आधार पर शिक्षक के गुणवत्ता प्रदर्शन को सुधारने और सुधारने का निरंतर प्रयास किया जाता है।
- वार्षिक खेल 2020-21

कॉलेज में हर साल विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं जैसे बास्केट बॉल, क्रिकेट और कबड्डी आदि का आयोजन किया जाता है।

- स्पिक मैके के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन
  कॉलेज में आर्य महिला पीजी कॉलेज के स्पिक मैके चैप्टर के तहत हर साल अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- तेजस्विनी (महिला प्रकोष्ठ)
  महिला दिवस के अवसर पर गृह विज्ञान विभाग ने महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से "कानूनी जागरूकता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।
- उन्नत भारत अभियान
  उन्नत भारत अभियान के तहत वाराणसी जिले के 5 गांवों का चयन किया गया- भुल्लनपुर, लखनपुर, जलालीपट्टी, नाथूपुर और हरिहरपुर जहाँ पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रम- पौधरोपण, पोषण पर प्रशिक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आदि का आयोजन किया गया।
- युवा उत्सव
  महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष मेधासंस्कृति संकुल (युवा महोत्सव) का आयोजन किया जाता है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)
  कॉलेज में एन.एस.एस. की पांच इकाइयां हैं जिनमें 500 छात्र पंजीकृत हैं। प्रत्येक इकाई जागरूकता पैदा करने के लिए एक दिवसीय और सात दिवसीय शिविर, रक्तदान, अनाथों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने वाला वृक्षारोपण, स्लम क्षेत्रों का सर्वेक्षण और भाषण, व्याख्यान, निबंध लेखन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करके समाज में योगदान देता है।.

वसंत महिला महाविद्यालय

- हर्षिता जायसवाल, बी.ए. (तृतीय वर्ष), ने 6वीं एशियाई योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप **2021** में पहली रैंक हासिल की और सिंगापुर में ऑनलाइन आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स कप **2021** में दूसरी रैंक हासिल की।
- ज़ीनत कुरैशी, एम.ए. (प्रथम वर्ष). ए.आई.एच.सी. और पुरातत्व को द ब्लैक ट्रॉवेल कलेक्टिव माइक्रोग्रैंट्स - **$200** से माइक्रोग्रांट्स **2020** से सम्मानित किया गया है।
- सुश्री अंजलि वर्मा, मनोविज्ञान विभाग, को इंपैक्ट एनालिटिक्स में एच.आर. एसोसिएट के रूप में रखा गया
- रितिका रॉय, बी.ए., तृतीय वर्ष (अंग्रेजी ऑनर्स) को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड में प्रशिक्षु बी.पी.एस. के रूप में चुना गया।
- सुनिधि शर्मा, बी.ए. उन्नत भारत अभियान में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में (प्रथम वर्ष) ने पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अपूर्वा श्रीवास्तव, बी.ए. (प्रथम वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री सुप्रिया त्रिपाठी, बीए (प्रथम वर्ष) ने यू.पी. राज्य पुरातत्व विभाग. वाराणसी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- वैष्णवी सिन्हा, बी.कॉम., ने “वर्तमान परिदृश्य में सुरक्षा और जागरूकता” विषय पर प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्टता पुरस्कार जीता।
- श्रुति श्रीवास्तव, बी.कॉम, ने एलकॉम क्लब ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एम.जे.पी द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।

- ख़ुशी गुप्ता, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने महिला दिवस पर एक अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्र "द माउंट केन्या टाइम्स" के लिए साक्षात्कार दिया, जो 08 मार्च 2021 को भारत की शीर्ष -50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल था।

वसंत कन्या महाविद्यालय

निम्नलिखित विषयों पर वसंत कन्या महाविद्यालय व्याख्यान आयोजित किए गए:

- "डिकंस्ट्रक्शन: एन अप्रोच टू अंडरस्टैंडिंग सोशल रियलिटी"। संसाधन व्यक्ति डॉ. सुप्रिया सिंह, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, वी.के.एम., कमच्छा थे।
- "भारतीय समाज में वैश्वीकरण और सामाजिक बहिष्करण"। संसाधन व्यक्ति डॉ आशीष अंशु, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, डिग्री कॉलेज, पिथौरागढ़।
- "समकालीन भारत में सामाजिक विज्ञान और सामाजिक वैज्ञानिकों की भूमिका"। रिसोर्स पर्सन प्रो. डी. आर. साहू, प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय थे।

एन.एस.एस.

- आजादी का अमृतमहोत्सव की धुरी पर केंद्रित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में कॉलेज के छात्रों ने छात्र से योद्धा बनने का संकल्प लिया। यह आयोजन **18** मार्च को शुरू हुआ और **23** मार्च, **2021** को समाप्त हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. बाला लखेंद्र द्वारा निर्देशित बिंदुओं और मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, कई उभरते विषयों को इस शिविर में शामिल किया गया था।
- शिविर के उद्देश्यों के दायरे में स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया गया। वसंत कन्या महाविद्यालय में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना की पांच इकाइयों ने वाराणसी के पांच वार्डों का चयन किया। बिरदोपुर, भेलूपुर, नगवा, भदैनी और नवाबगंज और क्षेत्र में विभिन्न अभियान और गतिविधियों को अंजाम दिया।
- विशेषज्ञ वक्ता डॉ इंदु उपाध्याय ने पहले दिन "पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन" विषय पर स्वयंसेवकों को संबोधित किया।

छात्र केंद्रित गतिविधियां

सर्जना

- सर्जना **2020-21** का आयोजन 21 से 25 फरवरी 2021 तक वर्चुअल मोड में किया गया। छात्रों ने निबंध लेखन, व्यवसाय योजना, कविता पाठ, भाषण, टर्नकोट, कार्टूनिंग, कोलाज, मेहंदी, पोस्टर-मेकिंग, फोटोग्राफी, वृत्तचित्र, मुखर संगीत (शास्त्रीय और लोक), वाद्य संगीत, रंगमंच, रचनात्मक नृत्य, नृत्यकला, शास्त्रीय और लोक नृत्य सहित 15 विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।
- सर्जना के विभिन्न कार्यक्रमों में कुल मिलाकर 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें भाग लेने को लेकर छात्राओं का उत्साह काबिले तारीफ था। इन सभी को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खेल

- 20 दिसंबर 2020 को इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें वसंत कन्या महाविद्यालय के कई छात्रों ने भाग लिया। निम्नलिखित छात्रों को विजेता घोषित किया गया।
  - गोल्ड- साक्षी गुप्ता बीए पार्ट III
  - सिल्वर-मनीषा मौर्य बीए पार्ट II और रितु जायसवाल बीए पार्ट III
  - कांस्य- अवंतिका मौर्य, कादम्बिनी कुमारी, खुशबू कुमारी, दीक्षा जायसवाल
  - कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण वार्षिक खेलों का आयोजन नहीं किया गया

संस्कृत मातृमंडलम

- विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में विद्वानों ने संस्कृत भाषा के उच्चारण की पेचीदगियों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को भाषा में ध्वनि के महत्व से परिचित कराया और उन्हें अंग्रेजी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।
- संस्कृत मातृमंडलम और आचार्य वासुदेव द्विवेदी स्मृति समिति ने "काव्यशास्त्र" पर विद्वानों के ऐतिहासिक विचारों को प्रकाश में लाया और आचार्य वायुनंदन पांडे के व्यक्तित्व और योगदान पर चर्चा की।
- छात्रों के संस्कृत एक्सटेम्पोर कौशल को बढ़ाने के लिए **18/02/2021** से **25/02/2021** तक एक "ई-संभाषण शिविर" श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें वाक्य निर्माण में संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग की मूल बातों से परिचित कराया गया।

पाठ्यचर्या, सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों को आयोजित करने के अलावा कॉलेज विभिन्न दिनों और जयंती मनाकर अपने छात्रों के बीच परंपरा, प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों और मूल्यों के लिए अनुशासन और सम्मान की भावना को भी बढ़ावा देता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस **21.06.2020** को इस तथ्य को प्रसारित करते हुए मनाया गया कि योग मन और शरीर के बीच संतुलन प्राप्त करने के लिए समग्र रूप से योगदान कर सकता है। एक ई-व्याख्यान सह प्रदर्शन का आयोजन किया गया और कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों ने पूरी रुचि और उत्साह के साथ भाग लिया।

तुलसी जयंती

- तुलसी जयंती **7.08.2020** को मनाई गई। वर्तमान परिदृश्य में मानस की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई। ई-कार्यक्रम में यू.जी. और पी.जी. के लगभग **100** छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

लाइब्रेरियन दिवस

- **10** अगस्त **2020** को पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन (पुस्तकालय विज्ञान के जनक) की **128**वीं जयंती के अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय विज्ञान और भारतीय विकास के क्षेत्र में डॉ. एस.आर. रंगनाथन के योगदान का स्मरण किया गया। पुस्तकालयाध्यक्ष पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

युवा दिवस

- स्वामी विवेकानंद की **158**वीं जयंती **11** जनवरी **2021** को युवा दिवस के रूप में मनाई गई।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

- विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक **19.08.2020** को "फैशन फोटोग्राफी" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एमए और फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एनी बेसेंट स्पिरिट की प्रगति

- डॉ एनी बेसेंट की **173**वीं जयंती **1** अक्टूबर **2020** को कॉलेज के प्रतिष्ठित सेमिनार हॉल में भारतीय अनुभाग, थियोसोफिकल सोसाइटी, काशी तत्व सभा और वी.के.एम., कमच्छा द्वारा संयुक्त रूप से मनाई गई। यह समारोह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित किया गया था और देश भर से टी.एस. और के.टी.एस. के जुड़े सदस्य थे।

अंतर-राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार **21.02.2020** को अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस "काशी काव्यंजलि" मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया था।

दयानंद पी.जी. कॉलेज

- कॉलेज में एक आउटडोर और एक इनडोर स्टेडियम है जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केट-बॉल, बैडमिंटन और टेबल-टेनिस आदि जैसे खेल खेलने के लिए पूरी खेल सुविधाएं हैं।
- एन.एस.एस. कार्यक्रम: डॉ मीनू लकड़ा, डॉ अखिलेंद्र कुमार सिंह, डॉ शिव नारायण, डॉ नजमुल हसन, डॉ प्रतिमा गुप्ता, डॉ शशिकांत यादव, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ राकेश कुमार मीणा ने ऑफलाइन और ऑनलाइन कई कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया।
- एन.सी.सी. कार्यक्रम: डॉ सत्य गोपाल की देखरेख में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित: एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा बेहतर मानसिक स्वास्थ्य का निर्माण. एक भारत श्रेष्ठ भारत, वृक्षारोपण, ऑनलाइन संस्थागत प्रशिक्षण, आत्म निर्भर भारत जागरूकता अभियान, फिट इंडिया क्लब, लॉन्च डी.जी. एन.सी.सी. प्रशिक्षण, नई शिक्षा नीति, सपथ कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस परेड, प्लास्टिक मुक्त भारत जागरूकता, डे एन.सी.सी.कैंप, एन.सी.सी. सी सर्टिफिकेट परीक्षा, एन.सी.सी. बी सर्टिफिकेट परीक्षा, योग आदि।

9.22. हिन्दी प्रकाशन प्रकोष्ठ

हिन्दी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ), विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना हमारे विश्वविद्यालय के महान संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् 1930में की गयी थी। इसकी स्थापना के पीछे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि एवं चिकित्सा विज्ञान की मानक पुस्तकों को छात्र/छात्राओं के लिए हिन्दी में सुलभ कराना उद्देश्य रहा है। यह प्रकोष्ठ हिन्दी में विज्ञान लेखन, पुस्तक लेखन एवं अंग्रेजी में लिखी पुस्तकों के अनुवाद में संलग्न है। प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी में विज्ञान लेखन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अब तक 'विज्ञान-गंगा' (आईएसएसएन 2231-2455) पत्रिका के ग्यारह अंकों का प्रकाशन किया जा चुका है जिसमें विज्ञान के जनोपयोगी शोधपरक लेख हिन्दी में होते हैं। यह विज्ञान पत्रिका वर्ष में दो बार प्रकाशित की जाती है। यह गर्व का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विज्ञान-गंगा को विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों में क्रय हेतु संस्तुत किया गया है। इसके साथ ही भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री माननीय डॉ. हर्षवर्द्धन जी ने यहाँ से हिन्दी में प्रकाशित पुस्तकों की कुछ प्रतियाँ देश के विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में क्रय हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए समय-समय पर संगोष्ठियों, परिसंवादों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों तथा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है। समिति द्वारा अब तक 67 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है जिनमें विज्ञान, चिकित्सा, कृषि एवं प्रौद्योगिकी की विविध विधाओं की पुस्तकें सम्मिलित है। शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग), भारत सरकार के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा पुस्तक प्रकाशन हेतु आवश्यक अनुदान प्रदान किया जाता है। प्रश्नगत सत्र के अन्तर्गत कोरोना महामारी का प्रभाव समिति की गतिविधियों पर पड़ा। हालांकि, इस दौरान वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के आंशिक वित्तीय सहयोग से प्रकाशित पुस्तक ''पर्यावरण दिग्दर्शिका'' का प्रकाशन किया गया जिसका लोकार्पण माननीय कुलपति प्रो. राकेश भटनागर, कुलगुरु प्रो. विजय कुमार शुक्ल, कुलसचिव डॉ. नीरज त्रिपाठी एवं समिति के डीडीओ व संयुक्त कुलसचिव (जीएडी) डॉ. संजय कुमार द्वारा 05 जून 2020 पर्यावरण दिवस के अवसर पर केन्द्रीय कार्यालय के समिति कक्ष संख्या 01 में किया गया। लॉकडाउन के दौरान इस प्रकाशन के लोकार्पण पर अनुदान प्रदान करने वाली वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की, कि ''इस विषम परिस्थिति में भले ही सभी महत्वपूर्ण अकादमिक कार्यकलाप प्रभावित अवश्य हुए हैं, परन्तु गतिशिल रहना मनुष्य की प्रवृत्ति है। पूर्ण बंदी (लाकडाउन) के मध्य आयोग के अनुदान से इस विश्व पर्यावरण दिवस पर 'पर्यावरण दिग्दर्शिका' नामक पुस्तक का विमोचन बीएचयू के कुलपति के हाथो हुआ है। आशा है आयोग से जुड़े सभी अकादमी, संस्थान, प्रकोष्ठ इसी तरह अकादमिक जगत को लाभांवित करते रहेंगे।''

इसी क्रम में 19 जून 2020 को समिति द्वारा प्रकाशित विज्ञान-गंगा अंक-11 का लोकार्पण माननीय कुलपति प्रो. राकेश भटनागर एवं कुलगुरु प्रो. विजय कुमार शुक्ल द्वारा कुलपति आवास पर सम्पन्न हुआ। वर्तमान में विज्ञान-गंगा अंक-12 और कुछ पुस्तकों का प्रकाशन प्रगति पर है।

परिशिष्ट – 1

I - कोर्ट के सदस्य

1. प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति (28.03.2021 तक)
2. प्रो. अरविन्द कुमार
3. डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह
4. डॉ. आदित्य त्रिपाठी
5. प्रो. भारतेन्दु कुमार सिंह
6. डॉ. संजय श्रीवास्तव
7. डॉ. वन्दना झॉ
8. डॉ. ओम प्रकाश
9. श्री नीरज शेखर (08.04.2020 तक)
10. श्री कृष्ण प्रताप सिंह (05.06.2020 तक)
11. श्री आन्नद्रो अदशुल (05.06.2020 तक)

II - कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य

1. **प्रो. राकेश भटनागर**
   कुलपति काशी हिन्दू विश्वविद्यालय(28.03.2021 तक)
2. **डॉ. ए.के. सिंह**
   आई.सी.ए.आर. अनुसंधान परिसर पूर्वी क्षेत्र,अनुसंधान केंद्र, झारखंड
3. **डॉ. ए.के. त्रिपाठी**
   वैज्ञानिक-एफ एण्ड रजिस्ट्रार, वन अनुसंधान संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय, देहरादुन
4. **प्रो. आद्या प्रसाद पांडेय**
   कुलपति,मणिपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय
5. **प्रो.अशिम कुमार मुखर्जी**
   प्रोफेसर, प्रमुख वाणिज्य और निदेशक मोनिरबा,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सीनेट हाउस इलाहाबाद
6. **प्रो. हरीश चंद्र नैनवाल**
   एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
7. **डॉ. राम नरेश मिश्रा**
   प्रोफेसर, और प्रमुख, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
8. **प्रो. आनंद मोहन**
   इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
9. **डॉ.बच्चा सिंह**
   पूर्व प्रोफेसर, विज्ञान संस्थान,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

III - विद्वत् परिषद् के सदस्य

कुलपति (परिनियम **17(1)** (i) के अन्तर्गत)

प्रो. राकेश भटनागर

संस्थानों के निदेशक (परिनियम **17 (1)** (iii) के अन्तर्गत)

1. **कृषि विज्ञान**
   प्रो. रमेश चन्द
2. **चिकित्सा विज्ञान**
   प्रो. आर. के जैन (30.9.2020 तक)
   प्रो० बी. के. दास (14.12.2020तक)
   प्रो. बी. आर. मित्तल (15.12.2020 से)
3. **पर्यावरण एवं संपोष्य विकास**
   प्रो. ए.एस.रघुवंशी
4. **प्रबंध अध्ययन संकाय**
   प्रो. एस.के. दुबे
5. **विज्ञान संकाय**
   प्रो. अनील कुमार त्रिपाठी

संकायों के प्रमुख
(परिनियम 17 (1) **(iv) के अन्तर्गत)**

आयुर्वेद संकाय
प्रो. वाई.बी.त्रिपाठी (30.06.2020तक)
प्रो. वी.पी. सिंह (01.07.2020 से)

चिकित्सा संकाय
प्रो. आर.के. जैन (30.09.2020तक)
प्रो. बी.के. दास (14.12.2020तक)
प्रो० बी. आर. मित्तल(15.12.2020 से)

कला संकाय
प्रो. अशोक सिंह (30.06.2020तक)
प्रो. वी.बी. सिंह (01.07.2020से)

कृषि संकाय
प्रो. ए.पी.सिंह

वाणिज्य संकाय
प्रो. ओ.पी. राय (06.01.2021तक)
प्रो. गुलाब चन्द्र राम जयसवाल (07.01.2021 से)

दन्त विज्ञान संकाय
प्रो. (सुश्री.) नीलम मित्तल (09.09.2020 तक)
प्रो. वी. के. श्रीवास्तव (10.09.2020 से)

शिक्षा संकाय
प्रो. आर.पी. शुक्ला (31.05.2020 तक)
प्रो. एस. के. स्वेन (01.06.2020 से)

विधि संकाय
प्रो. आर.पी. राय (31.01.2021 तक)
प्रो. अलि मेहदी (01.02.2021 से)

प्रबन्ध शास्त्र संकाय
प्रो. पी.एस.त्रिपाठी

मंच कला संकाय
प्रो. राजेश शाह

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
प्रो. विन्धेश्वरी प्रसाद मिश्रा

विज्ञान संकाय
प्रो. एम. जोशी

समाजिक विज्ञान संकाय
प्रो. के.के. मिश्रा

दृश्य कला संकाय
प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती (31.05.2020 तक)
प्रो. हीरा लाल प्रजापति (01.06.2020 से)

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय
प्रो. जी.एस.सिंह (13.08.2020 तक)
प्रो. राजेश कुमार माल (14.08.2020 से)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष
(परिनियम 17(1) **(v) के अन्तर्गत)**

कला संकाय

1. **प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व**
   प्रो. ओंकार नाथ सिंह
2. **अरबी**
   प्रो. वजीर हसन अब्बास
3. **बंगाली**
   प्रो. प्रकाश कुमार मैती
4. **अंग्रेजी**
   प्रो. (सुश्री) आनंद प्रभा बराट(30.04.2020 तक)
   प्रो. के. एम. पाडेय (01.05.2020 से)
5. **विदेशी भाषाएँ**
   प्रो. विनोदानन्द तीवारी

6. **फ्रांसीसी**
   प्रो. डी.के. सिंह
7. **जर्मन अध्ययन**
   प्रो. एम.के. नटराजन
8. **हिन्दी**
   प्रो. (सुश्री) आर.के. सर्राफ (30.06.2020 तक)
   प्रो. वी.बी. सिंह (01.07.2020 से)
9. **कला इतिहास**
   प्रो. प्रदोश कुमार मिश्रा
10. **भारतीय भाषाएँ**
   प्रों. दिवाकर प्रधान
11. **पत्रकारिता एवं जनसम्प्रेषण**
   प्रो. अनुराग दवे (03.05.2020 तक)
   प्रो. वी.पी. सिंह (04.05.2020 से)
12. **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान**
   प्रो. भाष्कर मुखर्जी
13. **भाषा विज्ञान**
   प्रो. राजनाथ भट्ट
14. **मराठी**
   डॉ. प्रमोद भगवान पडवाल
15. **पालि एवं बौद्ध अध्ययन**
   प्रो. विमलेन्द्र कुमार
16. **फारसी**
   संकाय प्रमुख, कला संकाय (20.8.2020 तक)
   प्रो. शैयद हसन अब्बास (21.08.2020 से)
17. **दर्शन एवं धर्म**
   प्रो. मुकुल राज मेहता
18. **शारीरिक शिक्षा**
   प्रो. अभिमन्यु सिंह
19. **संस्कृत**
   प्रो. आनन्द कुमार श्रीवास्तव (30.06.2019 तक)
   प्रो. उमेश प्रसाद सिंह (01.07.2019 से)
20. **तेलगू**
   प्रो. (सुश्री.) शारदा सुन्दरी भरतुला
21. **उर्दू**
   डॉ. आफताब अहमद

आयुर्वेद संकाय

1. **द्रव्य गुण**
   प्रो. के.एन.द्विवेदी
2. **कौमारभृत्य/बाल रोग**
   प्रो.बी.एम.सिंह
3. **काय चिकित्सा**
   प्रो. ओ.पी. सिंह
4. **क्रिया शरीर**
   प्रों. (सुश्री) संगीता गेहलत (25.09.2020 तक)

प्रो. किशोर पट्वर्धन (26.09.2020 से)

5. **रसायन**

प्रो. (सुश्री.) अल्का अग्रवाल

6. **प्रसूति तंत्र**

डॉ. (सुश्री) सुनीता सुमन

7. **रचना शरीर**

डॉ. कामेश्वर नाथ सिंह

8. **रस शास्त्र**

प्रो. अनंद कुमार चौधरी

9. **संहिता एवं संस्कृत**

डॉ. मुरलीधर पालीवाल (23.02.2021 तक)
डॉ. शशिरेखा एच.के. (24.02.2021 से)

10. **शालक्य तंत्र**

प्रो. बी.एन.मुखोपाध्याय

11. **शल्य तंत्र**

प्रों. सुरेन्द्र शेखर मिश्रा (31.07.2020 तक)
प्रो. शिव जी गुप्ता (01.08.2020 से)

12. **सिद्धांत दर्शन**

प्रों. उमा गुप्ता (13.12.2020 तक)
प्रो. सी.एस.पाण्डेय (14.12.2020 से)

13. **स्वास्थ्यवृत एवं योग**

डॉ. नीरू नथानी

14. **विकृत विज्ञान**

डॉ. पी.एस. ब्यादगी

15. **संज्ञाहरण**

प्रो. डी.एन. पाण्डेय (16.01.2020 तक)
प्रो. के.के. पाण्डेय (17.07.2021 से)

कृषि विज्ञान संकाय

1. **कृषि अर्थशास्त्र**

प्रो. राकेश कुमार सिंह

2. **शस्य विज्ञान**

प्रो. जे.एस. बोहरा (31.03.2020 तक)
प्रो. यशवन्त सिंह (01.04.2020 से)

3. **पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान**

प्रो. डी.सी. राय

4. **कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान**

प्रो. आर.एन. सिंह

5. **प्रसार शिक्षा**

प्रो. बी.र्जीली

6. **कृषि अभियांत्रिकी**

प्रो. ए.के. नेमा

7. **आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन**

प्रो. आर. के. सिंह (28.02.2021 तक)
प्रो. बृजेश सिंह (01.03.2021 से)

8. **उद्यान विभाग**
प्रो. अनंद कुमार सिंह

9. **कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान**
प्रो. रमेश चन्द (30.09.2020 तक)
प्रो. एस.एस.वैश्य (01.10.2020 से)

10. **पादप कार्यिकी विज्ञान**
प्रो. प्रवीन प्रकाश

11. **मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन**
पो. निर्मल डे

वाणिज्य संकाय

वाणिज्य
प्रो. प्रशान्त कुमार (06.01.2021 तक)
प्रो. गुलाब चन्द्र राम जयसवाल (07.01.2021 से)

दन्त विज्ञान संकाय

दन्त विज्ञान
प्रो. नीलम मित्तल (09.09.2020 तक)
प्रो. वी. के. श्रीवास्तव (10.09.2020 से)

शिक्षा संकाय

शिक्षा
प्रो. आर.पी.शुक्ला (31.05.2020 तक)
प्रो. एस. के. स्वैन (01.06.2020 से)

विधि संकाय

विधि
प्रो. आर.पी. राय (31.01.2021 तक)
प्रो. अली मेहदी (01.02.2021 से)

प्रबन्ध शास्त्र संकाय

प्रबन्ध शास्त्र
प्रो. पी.एस. त्रिपाठी

चिकित्सा संकाय

1. **नि:संज्ञा विज्ञान**
प्रो. शारदा कुमार माथुर

2. **शरीर रचना विज्ञान**
प्रो. (सुश्री.) सी. मोहन्ती (09.09.2020 तक)
प्रो. रोयना सिंह (10.09.2020 से)

3. **जीव रसायन शास्त्र**
डॉ. (सुश्री.) रागीनी श्रीवास्तव

4. **जैव भौतिकी**
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

5. हृदय रोग

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन

6. हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा

डॉ. सिद्धार्थ लखोटिया (31.07.2020 तक)

डॉ. संजय कुमार (01.08.2020 से)

7. त्वचा एवं रति रोग विज्ञान

प्रो. संजय सिंह

8. अत:स्त्राव विज्ञान

प्रो. एस.के. सिंह

9. फॉरेंसिक मेडिसिन

डॉ. मनोज कुमार (05.05.2020 तक)

प्रो. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय (06.05.2020 से)

10. जठरांत्र शोथ विज्ञान

डॉ. सुनीत कुमार शुक्ला (21.08.2020 तक)

प्रो. वी. के. दीक्षित (01.09.2020 से)

11. सामान्य चिकित्सा

प्रो. (सुश्री.) जया चक्रवर्ती

12. सूक्ष्मजीव विज्ञान

प्रो. (सुश्री.) शम्पा अनुपूर्बा (31.01.2020 तक)

प्रो. प्रद्योत प्रकाश (01.02.2021 से)

13. वृक्क रोग विज्ञान

डॉ. शिवेन्द्र सिंह

14. तंत्रिकीय चिकित्सा

प्रो. आर.एन. चौरसिया

15. तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा

डॉ. रवि शंकर प्रसाद

16. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

प्रो. (सुश्री) एन.आर. अग्रवाल (30.11.2020 तक)

प्रो. (सुश्री) उमा पाण्डेय (01.12.2020 से)

17. नेत्र विज्ञान

प्रो. ओ.पी.एस. मौर्या

18. विकलांग विज्ञान

प्रो. अनील कुमार राय (22.12.2020 तक)

संकाय (प्रमुख) 23.12.2020 से

19. कर्ण नासा कण्ठ विज्ञान

प्रो. राजेश कुमार

20. बाल चिकित्सा

प्रो. राजनिति प्रसाद

21. बाल शल्य-चिकित्सा

डॉ. (सुश्री.)सरिता चौधरी

22. पैथालाजी

प्रो. विजय तिलक

23. भैषजकी विज्ञान

प्रो. अमित सिंह

24. शरीर विज्ञान

प्रो. बी.एम. मंडल (30.04.2020 तक)

प्रो. (सुश्री) रतना पाण्डेय (01.05.2020 से)

25. प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

प्रो. नीरज कांत अग्रवाल

26. सामुदायिक चिकित्सा (पी एस एम)

प्रो. (सुश्री.) संगीता कंशल (11.07.2020 तक)
प्रो. चन्द्रपति मिश्रा (12.07.2020 से)

27. मनोरोग चिकित्सा

प्रो. (सुश्री.) मोना श्रीवास्तव

28. विकिरण-निर्धारण छायांकरण (विकरण विज्ञान)

प्रो. आर.सी.शुक्ला (17.07.2020 तक)
प्रो. आशिष वर्मा (18.07.2020 से)

29. विकिरण उपचार व विकिरण औषधि

प्रो. यू.पी.साही (29.12.2019 तक)
प्रो. सुनील चौधरी (30.12.2019 से)

30. सामान्य शल्य चिकित्सा

प्रो. पुनित

31. यक्ष्मा एवं वक्ष रोग

प्रो. जे.एन. श्रीवास्तव

32. मूत्ररोग विज्ञान

डॉ. समीर त्रीवेदी

33. सर्जिकल ऑंकोलाजी

प्रो. मनोज पाण्डेय (13.06.2020 तक)
प्रो. तरून कुमार (14.06.2020 से)

मंच कला संकाय

1. नृत्य

डॉ. (सुश्री.) दीपवन्ती सिंह राय

2. वाद्य संगीत

प्रो. (सुश्री.) संगीता सिंह (22.10.2020 तक)
प्रो. प्रवींग उद्यव (23.10.2020 से)

3. संगीत शास्त्र

संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

4. कण्ठ संगीत

प्रो. (सुश्री.) संगीता पंडित

विज्ञान संकाय

1. जैवरसायन

प्रो. एस.पी. सिंह

2. वनस्पति विज्ञान

प्रो. आर.एस. उपाध्याय (30.11.2020 तक)
प्रो. एन. के.दुबे (01.12.2020 से)

3. रसायन विज्ञान

प्रो.डी.एस. पांडेय

4. संगणक विज्ञान

प्रो. एस.कार्तिकेयन (07.08.2020 तक)
प्रो. विवेक कुमार सिंह (08.08.2020 से)

5. भूगोल
प्रो. राम शकल यादव

6. भूविज्ञान
प्रो. आर.के.श्रीवास्तव (27.04.2020 तक)
प्रो. वी. पी. सिंह (28.04.2020 से)

7. भू-भौतिकी
प्रो. एन.पी. सिंह (27.04.2020 तक)
प्रो. राजीव भाट्टला (28.04.2020 से)

8. गृह विज्ञान
डॉ.इंदिरा विशनोल (30.06.2020 तक)
प्रो. कल्पना गुप्ता (01.07.2020 से)

9. गणित
प्रो. अशोक कुमार सिंह (02.07.2020 तक)
प्रो. श्याम लाल (03.07.2020 से)

10. भौतिक विज्ञान
प्रो. आर.डी.एस.यादव

11. सांख्यिकी
प्रो. बी.बी. खरे (31.01.2021 तक)
प्रो. संजय कुमार सिंह (01.02.2021 से)

12. प्राणि विज्ञान
प्रो. जे.के.राय

13. आण्विक एवं मानव आनुवांशिकी विज्ञान
प्रो. गोपेश्वर नारायण

सामाजिक विज्ञान संकाय

1. अर्थशास्त्र
प्रो. अचल कुमार गौण (31.08.2020 तक)
प्रो. भूपेन्द्र बिक्रम सिंह (01.09.2020 से)

2. इतिहास
प्रो. अजय प्रताप (14.05.2020 तक)
प्रो. केशव मिश्रा (15.05.2020 से)

3. राजनीति विज्ञान
प्रो. अशोक कुमार उपाध्याय

4. मनोविज्ञान
प्रो. तारा सिंह (21.01.2020 तक)
प्रो. एच.एस.अस्थाना (22.01.2020 से)

5. समाजशास्त्र
प्रो. ए.पी. सिंह

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

1. बौद्ध एवं जैन दर्शन
प्रो. प्रद्युम्न शाह सिंह

2. धर्मागम
प्रो. शितला प्रसाद पाण्डेय (26.09.2020 तक)
प्रो. कमलेश झॉ (27.09.2020 से)

3. धर्मशास्त्र एवं मीमांसा
डॉ. एम.जी. रटाटे (24.05.2020तक)
प्रो. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा (25.05.2020 से)

4. ज्योतिष
प्रो. विनय कुमार पांडेय

5. साहित्य
प्रो. उमा कान्त चर्तुवेदी

6. वेद
डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी (25.09.2020 तक)
संकाय (प्रमुख) (26.09.2020 से)

7. वैदिक दर्शन
प्रो. जी.एस.शास्त्री (31.08.2020तक)
प्रो. वी.पी. मिश्रा (01.09.2020 से)

8. व्याकरण
प्रो. भागवत शरण शुक्ला

दृश्य कला संकाय

1. प्रयुक्त कला
प्रो. हीरा लाल प्रजापति (01.02.2021 से)
डॉ. वीधू भुषण सिंह (31.01.2021 तक)

2. चित्रकारी
श्री एस. प्रणाम कुमार सिंह

3. प्लास्टिक कला
श्री. विनोद कुमार सिंह

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय
प्रो. जी.एस.सिंह

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

1. पशुचिकित्सा शरीर रचना
संकाय प्रमुख

2. पशुचिकित्सा मनोविज्ञान और जैव रसायन
संकाय प्रमुख

3. पशुचिकित्सा फार्माकोलॉजी और विषाक्त विज्ञान
डॉ. शाहिद परवेज

4. पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

5. पशुचिकित्सा रोग विज्ञान
संकाय प्रमुख

6. पशुचिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य महामारी विज्ञान
संकाय प्रमुख

7. पशुचिकित्सा पोषण
संकाय प्रमुख

8. पशुचिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति
संकाय प्रमुख

9. पशुचिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी
डॉ. नरेश कुमार सिंह

10. पशुचिकित्सा दवा
संकाय प्रमुख

11. पशुचिकित्सा पैरासिटोलॉजी
संकाय प्रमुख

12. पशुधन उत्पादन और प्रबंधन
संकाय प्रमुख

13. पशुधन उत्पादन और प्रबन्धन
संकाय प्रमुख

14. पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी
संकाय प्रमुख

15. पशु आनुवंशिकी और प्रजनन
संकाय प्रमुख (17.02.2021 तक)
डॉ. अमित कुमार (18.02.2021 से)

अन्तर्विषयी स्कूल के समन्वयक

1. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल
प्रो. अरविन्द कुमार

प्राचार्या, महिला महाविद्यालय
(परिनियम **17 (1)** (vi) के अन्तर्गत)
प्रो. इनू मेहता (**01.07.2019** से)

विश्वविद्यालय की सुविधाओं के लिए स्वीकृत महाविद्यालयों के प्राचार्य
(परिनियम **17 (1)** (vii) के अन्तर्गत)

1. प्राचार्या, वसन्त कन्या महाविद्यालय
डॉ. रचना श्रीवास्तव

2. प्राचार्या, वसन्त महिला महाविद्यालय
डॉ.(सुश्री) अल्का सिंह

3. प्राचार्या, आर्य महिला पीज़ी. महाविद्यालय
डॉ. (श्रीमती) रचना दूबे

4. **प्राचार्य, दयानन्द पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय**
   डॉ. एस.डी. सिंह

समस्त प्रोफेसर (आचार्य) जो शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष नहीं हैं (परिनियम 17 (1) (viii) के अन्तर्गत):

1. कृषि विज्ञान संकाय

1. डॉ. आर.पी. सिंह
   प्रोफेसर
2. डॉ. याद वीर सिंह
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. जय प्रकाश राय
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

2. कला संकाय

1. डॉ. अशोक सिंह
   प्रोफेसर
2. डॉ.अभय कुमार मिश्रा
   असोसिएट प्रोफेसर
3. श्री. शयजू पी.जे.
   असोसिएट प्रोफेसर

3. आयुर्वेद संकाय

1. डॉ. उमा गुप्ता
   प्रोफेसर
2. डॉ. रशी शर्मा
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. प्रियादर्शनी तिवारी
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

4. वाणिज्य संकाय

1. डॉ. ए.आर. त्रिपाठी
   प्रोफेसर
2. डॉ.लाल बाबू जायसवाल
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

5. दन्त चिकित्सा संकाय

1. डॉ. (सुश्री) नीलम मित्तल
   प्रोफेसर
2. डॉ. (सुश्री) प्रिती तिवारी
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. महेश रविन्द्र खैरनार
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

6. शिक्षा संकाय

1. डॉ. एच.सी.एस. राठौर
   प्रोफेसर
2. डॉ.अल्का रानी
   असोसिएट प्रोफेसर
3. श्री. अजीत कुमार राय

असिस्टेन्ट प्रोफेसर

7. विधि संकाय

1. डॉ. रूद्र प्रकाश राय
   प्रोफेसर
2. डॉ. राजनीश कुमार पटेल
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. राजू माझी
   असोसिएट प्रोफेसर

8. प्रबन्धशास्त्र संकाय

1. डॉ. सुरेन्द्र कुमार सिंह
   प्रोफेसर
2. डॉ. आशुतोष मोहन
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. (सुश्री) अनन्दीता चक्रवर्ती
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

9. चिकित्सा संकाय

1. डॉ. आर.के. जैन
   प्रोफेसर
2. डॉ. नीरज कान्त अग्रवाल
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. समर सिंह
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

10. मंच कला संकाय

1. डॉ.(सुश्री) शारदी वेलंकर
   प्रोफेसर
2. श्री विधी नागर
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. राम शंकर
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

11. विज्ञान संकाय

1. डॉ. मल्लीकाअर्जुन जोशी
   प्रोफेसर
2. डॉ. अनील मनी त्रिपाठी
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. (सुश्री) आशा लता सिंह
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

12. सामाजिक विज्ञान संकाय

1. डॉ. (सुश्री) अंजू एस. उपाध्याय
   प्रोफेसर
2. डॉ. राकेश पाण्डेय
   असोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. दिनेश कुमार सिंह
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर

13. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

1. डॉ. जी.ए. शास्त्री
प्रोफेसर

2. डॉ. रमाकान्त पाण्डेय
असोसिएट प्रोफेसर

3. डॉ. सुभाष पाण्डेय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

14. दृश्य कला संकाय

1. डॉ. अजंना चक्रवर्ती
प्रोफेसर

2. श्री. एस. प्रणाम सिंह
असोसिएट प्रोफेसर

3. डॉ. शान्ति स्वरूप सिंहा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

15. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

1. डॉ. ए.एस. रघुवंशी
प्रोफेसर

2. डॉ. (सुश्री) सुनीता वर्मा
असोसिएट प्रोफेसर

3. डॉ. जय प्रकाश वर्मा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

16. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

डॉ. रमादेवी निम्मनपल्ली
प्रोफेसर

17. महिला महाविद्यालय

1. डॉ. (सुश्री) ईनू मेहता ने जैन
प्रोफेसर

2. डॉ. (सुश्री) पद्यमीनी रवीन्द्र जैन
असोसिएट प्रोफेसर

3. डॉ. (सुश्री) स्वीटी बंदोपाध्याय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

विद्वत परिषद के बाह्य सदस्य (परिनियम १७ (१) (ix) के अन्तर्गत)

1. प्रो. राजेन हर्षे
अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय

2. प्रो. हिरामन तिवारी
ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जे.एन.यू, नई दिल्ली

3. प्रो. सुधीर के. सोपोरी
इमेरिटस वरिष्ठ वैज्ञानिक, अनुवांशिकी इंजीनियरिंग औरजैव प्रौद्योगिकी अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र,नई दिल्ली

4. प्रो. अप्पा राव पोडिले
स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेस, दक्षिणी परिसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय

5. प्रो. तुषार के. चक्रवर्ती
कार्बनिक रसायन शास्त्र विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर

6. प्रो. दिनेश सिंह
पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय

7. प्रो. दिलीप कुमार मोहन्ता
पूर्व कुलपति, कल्याणी विश्वविद्यालय

8. प्रो. जगदाव कुमार शर्मा
लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

9. डॉ. शोमा घोष
नरिया, वाराणसी

10. प्रो. वाई.के.चावला
पूर्व निदेशक, पी.जी.आई. चंडीगढ़

इमेरिटस प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)
(अध्यादेश 12 के प्रावधनों के अन्तर्गत)

1. **प्रो. एम.एस. श्रीनिवाशन**
   भूविज्ञान विभाग विज्ञान संकाय
2. **प्रो. जे.एस.सिंह**
   वनस्पति विभाग, विज्ञान संकाय
3. **प्रो. ओ.एन. श्रीवास्तव**
   भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
4. **प्रो. टी.वी. रामाकृष्णन्**
   भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
5. **प्रो. वी.बी.सिंह**
   रसायनशास्त्र, विज्ञान संकाय
6. **प्रो. के.डी. त्रिपाठी**
   धर्मागम विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
7. **प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी**
   संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
8. **डॉ. वनश्री,**
   अंग्रेजी विभाग, कला संकाय
9. **प्रो. सी.एम.चतुर्वेदी**
   जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय
10. **प्रो. आर.सी. मिश्रा**
    मनोविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय
11. **अरुण सिन्हा**
    इतिहास विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय
12. **प्रो. श्रीनिवास पांडेय**
    हिन्दी विभाग, कला संकाय
13. **प्रो. अशोक कुमार कौल**
    समाजशात्र विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

14. **प्रो. वी.के. जोशी**
द्रव्यगुण विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
15. **प्रो.इन्द्रमनी लाल सिंह**
मनोविज्ञान विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय
16. **प्रो. वैष्मपायन**
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान

डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)

1. **प्रो. टी.के.लाहिरी**
हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
2. **प्रो. एच.एस. शुक्ला**
सर्जिकल ऑनकोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
3. **प्रो. (श्रीमती) एस. चूड़ामणी गोपाल**
बाल शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
4. **प्रो. टी.एम. महापात्रा**
सूक्ष्म जीविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
5. **प्रो. आर.जी. सिंह**
वृक्क रोग विज्ञान
6. **प्रो. आर.एच. सिंह**
कायचिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.
7. **प्रो. जी.पी. दूबे**
क्रिया शरीर, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.
8. **प्रो. यशवंत सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
9. **प्रो.एस.सी.लखोटिया**
जीवविज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान
10. **प्रो.एल.सी.राय**
वनस्पति विज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान
11. **प्रो. पी.सी.मिश्रा**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
12. **प्रो. श्री सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
13. **प्रो. बी.एन.सिंह**
जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय
14. **प्रो. एच.आर. शर्मा**
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
15. **प्रो. आर.के. पांडेय**
प्रबंध अध्ययन संस्थान
16. **प्रो. डी.पी. सिंह**
भूतपूर्व प्रोफेसर खनन अभियांत्रिकी
17. **प्रो. ए.एन. त्रिपाठी**
भूतपूर्व प्रोफेसर इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी
18. **प्रो. एस. लेले**
भूतपूर्व प्रोफेसर धातुकीय अभियांत्रिकी
19. **प्रो. पृथ्वी कुमार अग्रवाल**
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व

20. प्रो. श्याम सुन्दर
सामान्य चिकित्सा, विज्ञान संस्थान

21. प्रो. राजीव रमन
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

22. प्रो. अश्विनी कुमार राय
वनस्पति विभाग, विज्ञान संस्थान

23. प्रो. मनोरंजन शाहू
शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय

24. प्रो. ए.के. श्रीवास्तव
मनोविज्ञान विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

25. प्रो. लल्लन मिश्रा
रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान

26. प्रो. जे.पी. लाल
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान

27. प्रो. गणेश पाण्डेय
सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, एसजीपीजीआई कैम्पस, लखनऊ

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विजिटर
भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति
डॉ. गिरधर मालवीय

कुलपति
प्रो. राकेश भटनागर 28.3.2021 तक
प्रो. विजय कुमार शुक्ल 28.3.2021 से

रेक्टर
प्रो. विजय कुमार शुक्ल

कुलसचिव
डॉ. नीरज त्रिपाठी

वित्त अधिकारी
डॉ. अभय कुमार ठाकुर

परीक्षा नियन्ता
श्री मनोज पाण्डेय

पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. डी.के. सिंह

छात्र अधिष्ठाता
प्रो. ओ.पी. राय (31.12.2020तक)
प्रो. आनन्द चौधरी (1.1.2021 से)

चिकित्सा अधीक्षक
प्रो. एस.के. माथुर

संस्थानों के निदेशक

1. कृषि विज्ञान

प्रो. रमेश चन्द

2. चिकित्सा विज्ञान

प्रो. आर. के जैन (30.9.2020 तक)

प्रो० बी. के. दास (14.12.2020तक)

प्रो. बी. आर. मित्तल (15.12.2020 से)

3. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास

प्रो. ए.एस.रघुवंशी

4. प्रबंध अध्ययन संकाय

प्रो. एस.के. दुवे

5. विज्ञान संकाय

प्रो. अनील कुमार त्रिपाठी

संकायों के प्रमुख

1. आयुर्वेद संकाय

प्रो. वाई.बी. त्रिपाठी (30.06.2020 तक)

प्रो. वी.पी. सिंह (01.07.2020 से)

2. चिकित्सा संकाय

प्रो. आर.के. जैन (30.09.2020 तक)

प्रो. बी. के. दास (01.10.2020 से)

3. कला संकाय

प्रो. अशोक सिंह (30.06.2020 तक)

प्रो. वी.बी. सिंह (01.07.2020 से)

4. कृषि संकाय

प्रो. ए.पी. सिंह

5. वाणिज्य संकाय

प्रो. ओ.पी. राय (06.01.2021तक)

प्रो. गुलाब चन्द्र राम जयसवाल (07.01.2021से)

6. दन्त विज्ञान संकाय

प्रो. (सुश्री.) नीलम मित्तल (09.09.2020 तक)

प्रो. वी. के. श्रीवास्तव (10.09.2020 से)

7. शिक्षा संकाय

प्रो. आर.पी. शुक्ला (31.05.2020 तक)

प्रो. एस. के. स्वेन (01.06.2020 से)

8. विधि संकाय

प्रो. आर.पी. राय (31.01.2021 तक)

प्रो. अलि मेहदी (01.02.2021 से)

9. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

प्रो. पी.एस. त्रिपाठी

10. मंच कला संकाय

प्रो. राजेश शाह

11. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

प्रो. विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रा

12. विज्ञान संकाय

प्रो. एम.जोशी

13. समाजिक विज्ञान संकाय

प्रो. के. के. मिश्रा

14. दृश्य कला संकाय

प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती (31.05.2020 तक)

प्रो. हीरा लाल प्रजापति (01.06.2020 से)

15. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

प्रो. जी.एस.सिंह (13.08.2020 तक)

प्रो. राजेश कुमार माल (14.08.2020 से)

16. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

परिशिष्ट – 2

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण(सत्र 2019-2020)

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
कृषि विज्ञान संस्थान									
कृषि अर्थशास्त्र	17	11	-	-	4	1	-	-	23
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान	37	3	5	-	6	-	-	-	6
कृषि अभियांत्रिकी	18	5	-	-	2	-	-	-	7
शस्य विज्ञान	10	26	-	-	1	3	-	-	-
दुग्ध उत्पादन विभाग	23	28	2	-	1	4	-	-	9
प्रसार शिक्षा विभाग	14	2	-	-	3	-	-	-	3
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	10	13	1	-	-	-	1	2	-
उद्यान विभाग	33	2	2	-	1	-	-	-	2
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	13	18	1	-	-	1	-	-	-
पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	4	13	2	2	1	-	-	-	-
चिकित्सा विज्ञान संस्थान									
चिकित्सा संस्थान									
प्रो. शम्पाअनूपूर्वा	1	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. गोपाल नाथ	0	11	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. प्रद्योत प्रकाश	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. टी वनर्जी	4	7	-	-	2 अध्याय	1 अध्याय	-	डीबीटी और डब्ल्यूएच ओं (द्वारा सूची में भारतीय प्रिब्रिटी पैथोग	-
डॉ. अनुज दिनकर	-	-	1	1	-	-	-	-	-
डॉ. चारू सिंह	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रामेश्वरनाथ चौरसिया	3	6	1	2	-	-	-	-	4
प्रो. दीपिका जोशी	5	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय नाथ मिश्रा	10	4	1	2	1	-	-	-	-
डॉ. अभिषेक पाठक	3	9							2
डॉ. वरून कुमार सिंह	3	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आनन्द कुमार	-	-	4	6	-	-	-	-	-
डॉ. संजय सिंह	-	1	-	-	-	-	-	-	
डॉ. एस.के. सिंह	-	-	-	7	-	-	-	-	-
डॉ. तुलिका राय	-	-	4	-	-	-	-	-	-
डॉ. रतन पाण्डेय	1	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. एम.बी. मंडल	2	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव कुमार सिंह	2	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कुमार सर्वोत्तम	3	-	-	-	-	-	-	-	1किताब में अध्याय
डॉ. समीर कुमार सिंह	1	-	-	-	-	-	-	-	1किताब में अध्याय
डॉ. प्रियंका भगत	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पारूल शर्मा	1	-	4	-	-	-	-	-	-
डॉ. एच.बी. शर्मा	4	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशीष कुमार गुप्ता	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. तनू रॉय	-	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मोना श्रीवास्तव	16	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. गुप्ता	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.एस. श्रीवास्वत	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. जे.एस. यादव	5	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. पाण्डेय	5	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पंकज सुरेका	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पंकज गुप्ता	1	-	-	-			-	-	-
डॉ. शांतनु नाथ	7	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. सिंह	2	1	2	1	-	-	-	-	
डॉ. ओ.पी.एस. मौर्या	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.पी. सिंह	2	3	1	4	-		-	-	-
डॉ. प्रशान्त भुषण	2	1	2	1	-	1	-	-	-
डॉ. दिपक मिश्रा	5	1	2	1	-	-	-	-	एआईओएस के तत्वावधान में तैयार कोविड सावधानियों की गाइडलाइन
डॉ. आलोक कुमार	-	1	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. सी.पी. मिश्रा	1	5	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. संगीता कंशल	6	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. रवि शंकर	1	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम. श्रीवास्वत	4	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरून कुमार दुबे	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मोहम्मद अबू बसर	6	30	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. दिक्षीत	3	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. शुक्ला	1	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. डी.पी. यादव	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.पी. मौर्या	3	3	1	5	-		-	-	१किताब में अध्याय
प्रो. राजनीति प्रसाद	6	3	6	3	-	-	-	-	-
प्रो. ओ.पी. मिश्रा	8	4	8	4	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. दास	1	1	1	1	-	-	-	-	-
प्रो. अशोक कुमार	7	5	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. विनीता गुप्ता	6	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुनील कुमार रॉव	9	0	6	3	-	-	-	-	-
प्रो. अंकुर सिंह	2	2	2	2	-	.	.	-	-
डॉ. रिमझीम शोनोवाल	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभिषेक अभिनय	-	1	3	2	-	-	-	-	-
डॉ. प्रियंका अग्रवाल	4	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मनोज पाण्डेय	-	8	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मल्लिका तिवारी	2	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. तरून कुमार	1	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आशीष वर्मा	8	7	2	1	-	-	-	-	-
प्रो. आर.सी.शुक्ला	3	9	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इशान कुमार	8	7	2	1	-	-	-	-	-
डॉ. रितु ओझा	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. शिवेन्द्र सिंह	9	-	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. धर्मेन्द्र जैन	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ज्योति श्रीवास्तव	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पुनम पाण्डेय	1	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अमीत सिंह	13	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. किरन आर गीरी	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. उपेन्द्र कौर	4	-	8	1	1	-	-	-	-
प्रो. रागीनी श्रीवास्तव	1	7	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ज्योत्सना कैलाशिया	2	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. श्याम सुन्दर	1	23	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मधुकर रॉय	1	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. जया चक्रवर्ती	1	11	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. धीरज किशोर	2	1	-	1	-	1	-	-	-
प्रो. ललीत पी. मिना	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मानश्वी चौबे	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जीतेन्द्र सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. विजय तिलक	5	-	1	-	1	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
प्रो. संदीप कुमार	6	-	-	-	१अध्याय		-	-	-
डॉ. अनुज भारतीय	1	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. महिमा यादव	2	1	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. ओजस गुप्ता	1	-	-	2		-	-	-	-
डॉ. बीटानी नायक	-	-	-	3	१किताब में अध्याय	-	-	-	-
डॉ. नीरज कान्त अग्रवाल	-	-	4	-	-	-	-	-	-
डॉ. उमेश कुमार	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुदिप्तबेरा	-	-	1	3	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. सिंह	1	2	-	-	-		-	-	-
प्रो. एन.के. अग्रवाल	2	2	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. रितेश कुमार	1	-	-	-	-		-	-	-
प्रो. कुलवंत सिंह	5	5	2	2	-	-	-	-	-
डॉ. रवी शंकर प्रसाद	5	7	-	1	-	-	-	-	-
डॉ. अनुराग शाहू	5	4	2	2	-	-	-	-	-
डॉ. नित्यानन्द पाण्डेय	4	4	1	2	-	-	-	-	-
डॉ. आयुष सत्यपथी	2	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार मिश्रा	1	3	1	3	-	-	-	-	-
प्रो. यू.पी. साही	2	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ललीत एम अग्रवाल	3	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुनिल चौधरी	4	10	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम. मंडल	4	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रितूष मिश्रा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हिमांशू मिश्रा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. चन्द्र प्रकाश	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इशा जयशवाल	2	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. अंकूर मौर्या	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राहूल अग्रवाल	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. अदित	-	-	3	1	-	-	-	-	-
डॉ. फरहान दूर्रानी	-	-	2		-	-	-	-	
डॉ. मोनीका वंशल	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. सरीता परिहार	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनूज गौतम	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. टी.पी. चर्तुवेदी	-	-	3	3	-	-	-	-	-
डॉ. अजीत परिहार	-	-	4	2	-	-	-	-	-
डॉ. आशीष अग्रवाल	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. विपूल शर्मा	-	-	1	2	-	-	-	-	-
डॉ. नरेश शर्मा	-	-	1	1	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ.निराई कुमार धिमन	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रिती तिवारी	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. रिचीका त्रिपाठी	-	-	-	2	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	-	-	3	2	-	-	-	-	-
डॉ. महेश आर. खैरनार	-	-	-	2		-	-	-	-
डॉ. अखिलेश चन्द्र	-	-	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. जय प्रकाश सिंह	2	1	1	2	1	-	-	-	-
डॉ. राजकल पी. पाटील	-	1	-	-	-	-	-		-
डॉ. विजय कुमार श्रीवास्तव	1	3	-	-	-	-	1	-	-
डॉ. अभिनव	1	5	-	3	-	-	-	-	-
डॉ. मृदूल रंजन	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शशीरेखा. एच.के	2	5	-	4	3	-	-	-	-
डॉ. एम. पालीवाल	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.एस. यादव	-	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राज किशोर आर्या	-	1	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. डी.एन. पाण्डेय	-	6	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. के.के. पाण्डेय	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार जयशवाल	-	3	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. भोला नाथ मौर्या	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. उमा गुप्ता	-	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.के. द्विवेदी	3	-	-	-	-	-	-	--	-
प्रो. सी.एस. पाण्डेय	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी.एस.वैदगी Byadgi	10	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.सी. कर	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. शिशिर कुमार मंडल	5	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.एन. तिवारी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. तेवारी Tewari	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुराग पाण्डेय	8	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुनिता सुमन	-	7	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. विश्वेश बी.एन.	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुराधा रॉय	-	5	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. प्रिती चौहान	-	-	-	1	-	-	-	-	-
डॉ. सिखा सिंह	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. निरू नथानी	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कंचन चौधरी	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ममता तिवारी	-	7	-	-	२किताब में अध्याय	१किताब में अध्याय	-	-	-
प्रो. शिव जी गुप्ता	-	2	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. रश्मि गुप्ता	-	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. द्विवेदी गुप्ता	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. पाण्डेय	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो.के.एन. सिंह	2	-	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. एच.एच. अवस्थी	3	-	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. वी.एल. गौतम	2	-	-		-	-	-	-	-
डॉ. बी.एम.एन. कुमार	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. पाठक	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ओ.पी. सिंह	2	1	2	1	-	-	-	-	-
प्रो. के.एन. मुर्ती	-	-	3	-	-	-	-	-	-
प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	4	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुन्नधा पेडेकर	-	-	3	-	२किताब में अध्याय	-	किताब-१	-	-
डॉ. ए.के. पाण्डेय	3	7	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शालीनी	-	-	-	5	-	-	-	-	-
डॉ. मीरा अन्तीवाल	2	3	2	-	-	-	-	-	-
प्रो. वाई.वी. त्रिपाठी	-	10	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.पी.सिंह	-	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-	-
प्रो. टि.पी. सिंह	1	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अल्का अग्रवाल	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नेहा गर्ग	4	12	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मिनाक्षी सिंह	-	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-	-
डॉ. सोभा भट्ट के	3	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रिंगजीन लेमो	-	1	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. किशोर पटवर्धन	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. संगीता गहलोत	-	7	2	1	-	-	-	-	-
डॉ. एन.एस. त्रिपाठी	2	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रशी शर्मा	-	1	-	1	-	-	-	-	-
डॉ. वन्दना वर्मा	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुशील कुमार दुवे	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अर्पना सिंह	-	-	-	1	-	-	-	-	-
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान									
प्रो.ए.एस. रघुबंशी	-	18	-	-	-	-	-	-	८किताब में अध्याय
प्रो. आर.के.मल्ल	2	18	-	-	-	-	-	-	६ (अध्याय)

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
प्रो. कविता शाह	-	9	1	-	-	-	-	-	३(किताब में अध्याय)
प्रो. जी.एस. सिंह	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. मिश्रा	1	4	-	13	-	2	-	-	-
डॉ. सुनिता वर्मा	1	5	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. जे.पी. वर्मा	-	6	-	3	-	-	-	-	४किताब में अध्याय
डॉ. राजीव प्रताप सिंह	-	2	-	2	-	-	-	-	-
डॉ. पी.सी. अभिलाष	-	8	5	-	1	3	-	-	1 (policy report) ३किताब में अध्याय
डॉ. टी. बनर्जी	-	7	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. विशाल प्रसाद	-	2	-	-	-	1	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. के. राम	-	12	-	-	-	-	-	-	२किताब में अध्याय
डॉ. सुधाकर श्रीवास्वत	2	10	-	-	-	1	-	-	-
विज्ञान संकाय **जैवरसायन विभाग**									
प्रो. एस.पी. सिंह	-	5	-	3	-	-	-	-	-
प्रो. एस. श्रीकृष्णा	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ओम प्रकाश सिंह	-	16	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार सिंह	-	8	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. अंचल सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंकुश गुप्ता	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी. गुप्ता	-	10	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. चंदन सिंह		1	-	-	-	-	-	-	-
जैव प्रौद्योगिकी स्कूल									
प्रो. अशोक कुमार	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. त्रिपाठी	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.एम. सिंह	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.एम. कायस्थ	-	9	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरविन्द कुमार	-	-	-	-	-	-	-	-	1
डॉ. प्रत्युश शुक्ला	-	21	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम. वर्मा	-	3	-	-	-	-	-	1	-
डॉ. देवाशीष डे	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के चर्तुवेदी	-	1	-	1	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. ए.के.कुशवाहा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
वनस्पति विज्ञान विभाग									
प्रो. एम. अग्रवाल	-	9	-	4	-		-	-	-
प्रो. एन.के. दूबे	2	19	3	6	-	2	-	-	-
प्रो. एस.बी. अग्रवाल	-	15	1	3	-	1	-	-	-
प्रो. आर.पी. सिन्हा	4	7	-	-	-	1	-	-	-
प्रो. एन.घोष	1	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. मिश्रा	-	9	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. जे. पाण्डेय	2	6	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. आर.एन.खरवार	-	9	-	4	-	1	-	-	-
प्रो. एस.के. दूवे	-	7	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. शशी पाण्डेय	2	7	3	6	-	-	-	-	-
प्रो. हेमा सिंह	1	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सत्यशिल सिंह	-	3	-	-	-	1	-	-	-
प्रो. सतीश कुमार	-	2	-	-	-	2	-	-	-
डॉ. राघवेन्द्र कुमार	-	8	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. सिंह	-	2	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. भानु प्रकाश	-	6	-	1	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. शर्मा	2	3	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. एल.एस. सोंगाचन	-	1	6	-	1	-	-	-	-
डॉ. अनिता सिंह	-	1	-	1	-	1	-	-	-
डॉ. जे.पी. मौर्या	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रशान्त सिंह -२	-	1	-	1	-	-	-	-	-
डॉ. दिपक कुमार	-	1	-	1	-	3	-	-	-
रसायनशास्त्र विभाग									
प्रो. बी. सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एल. मिश्रा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. गनेश पाण्डेय	-	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी.एस. पाण्डेय	-	9	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.एस. सिंह	-	6	-	-	-	2	-	-	-
प्रो. के.एन. सिंह	-	7	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. विश्वजीत रे	-	9	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. रामानन्द राय	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के.के. उपाध्याय	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. भट्टाचार्या	-	3	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. (श्रीमती) इदा तीवारी	-	3	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. अरविन्द मिश्रा	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश कुमार	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. गनेशन	-	15	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. तिवारी	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पंकज श्रीवास्तव	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विनोद कुमार तिवारी	1	11	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. एस. कृष्णामूर्ति	-	10	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस शाहा	-	6	-	1	-	1	-	-	2
डॉ. प्रेम प्रकाश शोलंकी	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. पाण्डेय	-	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. मिश्रा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.डी. पाण्डेय	-	3	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. के.वी.एस.रंगनाथ	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.के.कुईला	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. प्रसाद	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विश्वजीत मैती	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. भारती	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एल.बी.प्रसाद	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. गोयल	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जय सिंह	-	2	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. अशोक बसक	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी.गिनी	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. तुलिका गुप्ता	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.लनेंईहपुई	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रूप सिखा सिंह	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभिषेक कुमार	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजीत कुमार खरवार	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मोनालीसा पाल	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डा. सग्नमूगम मणिभनाव	-	2	-	-	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान विभाग	-		-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. कार्तिकेयन	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी.के. मिश्रा	-	5	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. सिंह	-	15	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वन्दना कुशवाहा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गौरव र्वनवाल	-	5	-	3	-	-	-	-	-
डॉ. अंकिता वैश	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सुरेश	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंशुल वर्मा	-	-	1	1	1	1	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
भूगोल विभाग									
प्रो. आर.एस. यादव	2	-	2	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.एन. शर्मा	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. राय	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.पी. मिश्रा	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. त्रिपाठी	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी. गोवनामनी	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.एस. आलम	2	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जी. राय	4	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. शान्याल	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.पी. गोस्वामी	2	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.एल. मिणा	3	-	-	1	३किताब में अध्याय	-	-	-	-
डॉ. एन. वर्मा	3	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. सुब्रा	3	5	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. आदित्य सिंह	1	1	1	-	१किताब में अध्याय	-	-	-	-
प्रो. सीमा रानी	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विक्रम शर्मा	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कपील कुमार गवास्कर	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हरप्रित सिंह	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.पी. मिश्रा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.आर.के.सिन्हा	1	5	-	-	-	-	-	-	-
भूविज्ञान विभाग									
प्रो. आर.के. श्रीवास्तव	-	11	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.पी. सिंह	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.डी. सिंह	1	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. यू.के. शुक्ला	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी. के.सिंह	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.वी.सी. रॉव	-	10	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. पाण्डेय	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी श्रीवास्तव	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिव्य प्रकाश	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमीया शंकर नायक	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कुलदीप प्रकाश	1	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.सी.पटेल	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. घोष	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. राय	-	6	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. दिनेश कुमार पंडित	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. शामल	1	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कोमल वर्मा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार नायक	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शयनदीप बनर्जी	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशुतोष कनथोला	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. विश्वास	3	7	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. शाहु	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. बिक्रमादित्य सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आलोक कुमार	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ओयनम किंगसोन सिंह	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गुलाब चंद गौतम	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शमीम अहमद दार	-	1	-	-	-	-	-	-	-
गणित विभाग									
डॉ. अशोक कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)	-	8	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. श्याम लाल	-	7	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.एम.त्रिपाठी	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. हरिश चन्द्र	-	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के.मिश्रा	-	10	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी.आर. साहू	-	12	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. मिश्रा	-	15	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. उपाध्याय	-	10	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरविन्द कुमार सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश यादव	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. क्रिसनेन्दू भट्टाचार्या	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशीष पाठक	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	-	4	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. बुद्धदेव पाल	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के. एल. महतो	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरून कुमार	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रवि प्रताप गुप्ता	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शिबशंकर दास	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जितेन्द्र सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विवेक लाहा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार मीना	-	6	-	-	-	-	-	-	-
आणविक एवम् मानव अनुवंशिक विभाग									

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
प्रो. गोपेश्वर नारायण	-	9	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. असीम मुखर्जी	-	8	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. किरन सिंह	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मौसुमी मुत्सुद्दी	-	7	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गीता राय	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय कुमार सोनकर	-	1	-	-	-	-	-	-	-
भौतिकी विभाग									
प्रो. श्री सिंह	-	5	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.पी. मल्लीक	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. संजय कुमार	-	5	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
प्रो. राजेन्द्र कुमार सिंह	-	12	-	-	-	-	-	-	४किताब में अध्याय
प्रो. देबानन्द सा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. मण्डल	-	8	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. रंजन कुमार सिंह	-	5	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अभय कुमार सिंह	2	18	-	-	-	-	-	-	४किताब में अध्याय
प्रो. ए के घोष	-	6	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एच पी शर्मा	-	7	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अंचल श्रीवास्तव	-	7	-	-	-	2	-	-	-
प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव	-	5	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. विवके सिंह	-	8	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. होरेश कुमार	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अमित पाठक	-	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. नीरज मेहता	-	12	-	-	-	-	-	-	३किताब में अध्याय
डॉ. संजय सीवाच	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रो	-	3	-	-	-	-	-	-	२ सम्मेलन में पेपर
डॉ. रजनीश कुमार	-	1	-	-	-	-	-	-	--
डॉ. अजय कुमार त्यागी	-	15	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. अमरेश बहादुर	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए एल सरोज	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रेबेका लालनूनत्लुंगा	1	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्ट्रलीन लियो हडसन	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जितेश बर्मन	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विकास कुमार	-	1	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. अविनास चन्द यादव	-	1 Comm-unicated	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. क्रिस्टा रोल्हपूया खीन्गटे	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नम्रता शुक्ला	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जयिता लहरी	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रंजन मोदक	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. देबराज रक्षित	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विमल किशोर	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. चन्द्र शेखर पति त्रिपाठी	-	2	-	-	-	-	-	-	01+01= 02 (Book chapter + Chem Rxiv)
डॉ. ठाकुर प्रसाद यदव	-	11	-	-	-	-	-	-	-
सांख्यिकी विभाग									
डॉ. के के सिंह	1	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस के उपाध्याय	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी बी खरे	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस के सिंह	-	7	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश सिंह	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव कुमार	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अलोक कुमार	4	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ब्रिजेश प्रताप सिंह	10	18	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पियुष कान्त राय	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभय के तिवारी	-	6	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम के चौधरी	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. निर्पेक्ष कुमार	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम एस पनवार	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. (मिस) पूनम सिंह	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी के शर्मा	-	8	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए एस यादव	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरूण कौशिक	-	2	-	-	-	-	-	-	-
जन्तु विज्ञान विभाग									
प्रो. एस.सी. लखोटिया	2	2	4	1	1	-	-	14	6
प्रो. बी.एन सिंह	2	1	Reviews-2 General Article -1 Research Commentary-2 Correspondence-2	-	-	-	-	-	-
प्रो. जे के राय	-	3	-	-	-	-	-	-	6
प्रो. एन. रस्तोगी	1	3	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
प्रो. एस के त्रिगुण	1	4	-	२ किताब में अध्याय	-	-	-	-	-
प्रो. एस प्रसाद	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. स्वाती मित्तल	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे	-	25	-	-	-	-	-	-	1
डॉ. राधा चौबे	-	7	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. कोच	-	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजय कुमार	-	4	-	1	-	1	-	-	-
डॉ. भूपेन्द्र कुमार	2	3	1	-	-	-	-	-	1
डॉ. एस टी थमिलमनी	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रिचा आर्या	-	-	-	-	-	-	-	1*	रिव्यू एडिटर एंड कंट्रीब्यूटेड चैप्टर्स इन ए बुक: एक्सपेरिमेंट्स विद ड्रोसोफिला फॉर बायोलॉजी कोर्सेज, जिसे इंडियन ऑफ साइंसेज द्वारा प्रकाशित किया गया है।
डॉ. बी सी मंडल	-	1	-	-	-	-	-	-	-
भूभौतिकी									
प्रो. आर भटला	4	9	-	3	-	-	-	-	-
प्रो. जी पी सिंह	-	3	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम के श्रीवास्तव	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. उमा शंकर	2	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संदीप	-	3	-	2	-	-	-	-	-
डॉ. बिरेन्द्र प्रताप	2	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दीप कुमार सिंहा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सत्य प्रकाश मौर्य	1	2	-	3	-	-	-	-	-
डॉ. सुभदीप हल्दर	-	2	-	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान विभाग	6	3	6	1	1	-	-	-	-
अनुवाशिंकी विकार									
प्रो. परिमल दास	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अख्तर अली	1	4	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पवन के दूबे	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. चंदना वशु	-	2	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान									
प्रो. बी. तिवारी	1	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजरी गुप्ता	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. चौबे	-	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश रंजन	1	1	-	-	-	-	-	-	-
कला संकाय									
वाणिज्य संकाय									
प्रो. के.के. मिश्रा	-	-	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. मिश्रा		-	-	-	-	1	1	-	-
डॉ. एस.एन. झा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी. दास	1	-	-	-	1	1	1	-	
डॉ. आर.एस. मिना	2	4	2	2	-	-	-	-	-
डॉ. वन्दना श्रीवास्तव	-	1	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. चौधरी	-	-	-	1	-	-	-	-	-
विधि संकाय									
प्रो. अली मेंदी	-	-	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी.के. सिंह	-	-	5	1	1	-	-	-	-
प्रो. डी.के. मिश्रा	-	-	1	-	-	-	-		-
प्रो. ए.के. पाण्डेय	-	-	-	1	-	-	-	-	-
प्रो. अजेन्द्र श्रीवास्तव	-	-	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. विभा त्रिपाठी	--	-	1	-	2	-	-	-	-
प्रो. रजनीश कुमार पटेल	-	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. राजू माझी	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-	-	-
डॉ. आदेश कुमार	-	-	3	1	-	-	-	-	-
डॉ. मयंक प्रताप	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रभात कुमार शाह	-	-	2	1	-	-	-	-	-
डॉ. प्रदीप कुमार	-	-	-	3	-	-	-	-	-
शिक्षा संकाय									
प्रो. एस.के.स्वैन	2	-	2	-	-	-	-	-	14
प्रो. अजंली वाजपेई	3	-	-	-	-	-	-	-	1
प्रो. सुनिल कुमार सिंह	-	-	3	-	-	-	1	-	2
प्रो. रश्मि चौधरी	-	-	-	-	-	-	-	-	1
प्रो. मधु कुशवाहा	2	-	-	-	-	-	-	-	5
प्रो. नागेन्द्र कुमार	1	1	3	-	1	-	-	-	-
डॉ. अल्का रानी	1	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. दीपा मेहता	1	1	1	-	1	-	-	-	5

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. आलोक गार्डिया	1	1	2	-	1	-	-	-	5
डॉ. राघवेन्द्र नरायन शर्मा	-	3	-	-	-	-	-	-	1
डॉ. अजीत कुमार राय	1	-	1	-	1	-	-	-	2
डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव	-	-	1	-	-	-	-	-	10
संगीत एवं मंच कला संकाय									
गायन विभाग									
प्रो. के. शशि कुमार	4	1	7	-	-	-	-	-	1
प्रो. शारदा वेलंकर	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. संगीता पंडित	-	-	-	-	-	-	-	-	12
प्रो. रेवती साकलकर	3	-	-	-	१पुस्तक में अनुच्छेद	-	-	-	10
डॉ. रामशंकर	3	-	-	-	-	-	-	-	18 Performance Resource person-16 Participate(national / International webinar -17
डॉ. जी.सी. पाण्डेय	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या	-	-	-	-	-	-	-	1	ऑनलाइन २७ संगीत कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय
सुश्री. श्याम कुमारी	3	-	-	-	-	-	-	-	१ऑनलाइन राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम
सुश्री. मेघना कुमार	4	-	-	-	-	-	-	-	-
वाद्य विभाग									
प्रो. वी.बालाजी	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रेम किशोर मिश्रा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. सत्यवर प्रसाद	1	-	-	-	-	-	-	-	-
नृत्य विभाग									
डॉ. विधि नागर	1	-	1	-	-	२ ई-किताब	-	-	२राष्ट्रीय स्तर संगीत कार्यक्रम
डॉ. रंजना उपाध्याय	-	-	1	-	-	-	-	-	२राष्ट्रीय स्तर संगीत कार्यक्रम
डॉ. खिलेश्वरी पटेल	-	-	-	-	-	-	-	-	२राष्ट्रीय स्तर

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
									संगीत कार्यक्रम
सामाजिक विज्ञान संकाय									
अर्थशास्त्र विभाग									
डॉ. आर. के. भट्ट	2	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जे. बी. कुमारैया	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. निधि शर्मा	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गजेन्द्र कुमार साहू	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रियब्रत शाहु	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिवाकर शाहु	-	1	-	-	-	-	-	-	-
इतिहास विभाग									
डॉ. अनुराधा सिंह	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अशोक सोनकर	1	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. आशुतोष कुमार	1	1	-	-	-	2	-	-	
डॉ. ध्रुब के सिंह	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गगन प्रित पटेल	-	2	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मालवीका पाण्डेय	1	-	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. प्रवेश भारद्वाज	-	-	-	-	2	-	-	-	-
श्री. राकेश पाण्डेय	-	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. शीमा मिश्रा	2	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. तबीर कलाम	1	-	-	-	-	-	-	-	-
समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र									
डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय	-	2	-	-	-	-	-	-	-
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र									
प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	-	2	-	2	-	1	-	-	-
महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र									
प्रो. निधि शर्मा	3	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. मीनाक्षी झा	-	-	-	-	-	-	1	-	-
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय									
वेद विभाग									
डॉ. यू. के. त्रिपाठी	1	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. यू.पी. भारती	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. यू.पी. भारती	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ.एन.पी.भट्ट राय	1	-	2	-	2	-	-	-	1
व्याकरण विभाग									
डॉ. आर. एन. द्विवेदी	1	-	-	-	3	-	-	-	-
वैदिक दर्शन विभाग									
प्रो. जी.ए. शास्त्री	1	-	-	-	1	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. मिश्रा	2	-	-	-	1	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. एस.के. त्रिपाठी	1	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. द्विवेदी	3	-	2	1	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. पाढ़ी	4	-	2	1	-	-	-	-	-
जैन बौद्ध दर्शन विभाग									
प्रो. ए.के. जैन	5	1	4	-	1	-	5	-	-
प्रो. पी.एस. सिंह	5	2	4	2	-	1	5	-	-
प्रों. आनन्द कुमार जैन	2	-	2	-	-	-	2	-	-
धर्मागम विभाग									
प्रो. के. झॉ	-	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. पाण्डेय	3	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. रोहतम	4	2	3	3	-	-	-	-	-
ज्योतिष विभाग									
प्रो. सी. उपाध्याय	2	-	2	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. मिश्रा	2	-	2	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. पाण्डेय	1	-	2	-	-	3 (jour) Chief edi.	-	-	5
प्रो. जी. शंकर	4	-	-	-	-	-	-	-	4
डॉ. एस. त्रिपाठी	2	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. एस.पाण्डेय	-	-	-	-	1	-	-	-	1
डॉ. एस.के. गुप्ता	1	-	-	-	-	-	-	-	-
साहित्य विभाग									
प्रो. यू. के. चतुर्वेदी	-	-	1	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. शर्मा	-	-	1	-	-	-	-	-	-
धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग									
डॉ. एम. जे. रटाटे	2	-	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. एस. के. मिश्रा	2	-	1	-	1	-	-	-	-
डॉ. श्रीराम ए.एस	3	-	1	-	1	-	-	-	-
महिला महाविद्यालय									
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग	7	1	-	-	-	-	-	-	-
जैव सूचना विज्ञान		-		1		1		0	-
वनस्पति विज्ञान विभाग	2	2	-	15	-	2	-	-	6
रसायनशास्त्र विभाग	-	27	-	2	-	1	-	-	-
संगणक विज्ञान	-	10	1	1	-	-	-	-	-
नृत्य विभाग	-	3	-	-	-	-	-	-	-
गृह-विज्ञान	6	-	6	1	1	-	-	-	-
अर्थशास्त्र	-	3	-	-	-	1	-	-	7
शिक्षा संकाय	-	2	-	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी	1	-	3	-	-	-	-	-	1
हिन्दी	6	2	1	-	-	-	2	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
भूगोल	11	-	-	-	-	-	-	-	23
भू विज्ञान	-	1	-	1	-	-	-	-	-
कला इतिहास	3	1	-	-	-	-	-	-	-
संगीत (प्रथम)	-	2	2	-	-	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र विभाग	2	-	-	-	1	-	-	-	-
भौतिकी	3	42	-	-	-	1	-	-	-
राजनीति शास्त्र	2	-	-	-	-	-	-	-	-
मनोविज्ञान	-	1	-	-	-	-	-	-	-
समाजशास्त्र	1	-	-	2	3	-	-	-	-
जीव विज्ञान विभाग	4	13	2	4	-	-	-	-	3
राजीव गांधी दक्षिणी परिसर -									
डॉ. आशिष सिंह	3	-	-	-	3	-	-	-	-
डॉ. सुभाष प्रताप सिंह	2	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. अचिन्त्य सिंघल	-	5	-	-	-	-	-	-	३किताब में अध्याय
डॉ. बी.एन.एम. कुमार	1	8	2	-	1	-	-	-	४किताब में अध्याय
डॉ. एम.के. नन्दी	-	1	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. मनोज कुमार सिंह	-	-	-	-	2	1	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. अश्वनी कुमार कुशवाहा	-	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. मनोज कुमार मिश्रा	-	-	-	-	-	-	-	-	वितरित ६ वार्ता
डॉ. लटारे आशिष मार्टराव	1	1	-	-	-	-	-	-	- -
डॉ. राजीव कुमार	1	-	-	-	-	-	-	-	२किताब में अध्याय
डॉ. दिपीका कौर	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. त्रिभूवन नाथ	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. शिल्पा गोविन्द्र पाटील	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कचंन गंगाराम पडवाल	2	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. विनीता सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. राजया कुमार सिंह	2	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
श्री कौस्तव चटर्जी	-	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. गौरव कुमार राय	-	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. अशोक कुमार यादव	2	-	1	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
श्री. विवेक मिश्रा	2	-	-	-	-	-	-	-	--
डॉ. राघवेन्द्र रमन मिश्रा	1	3	-	-		1	-	-	७किताब में अध्याय
डॉ. नेहा जयसवाल	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पल्लवी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इरफान अहमद अंसारी	2	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्नेहल चक्रवर्ती	1	1	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभिनव सिंह	-	-	-	-	-	-	-	-	वितरित २ वार्ता
डॉ. राकेश शील शर्मा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. पवन कुमार आनन्द	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. विशाल श्रीवास्तव	3	2	-	2	-	-	-	-	-
डॉ. अशोक कुमार	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शना फातमा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मोहम्मद ईफान	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनील कुमार पाण्डेय	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रजनी श्रीवास्तव	-	5	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय कृष्णा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. श्रवन कुमार	-	2	3	-	-	-	-	-	५किताब में अध्याय
डॉ. सिराजूद्दिन कुरैशी	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रज्ञा मिश्रा	-	3	-	-	-	1	-	-	६किताब में अध्याय
डॉ. प्रिया सिंह	1	1	-	-	-	-	-	-	-
श्री. अनील कुमार राम	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. किशोर कुमार	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सिद्धार्थ सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
श्री. गौतम प्रताप प्रधान	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आलोक कुमार	1	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. विजय अमृत राज	-	3	-	-	-	-	-	-	-
श्री. राजेश्वर तिवारी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. वेद प्रकाश जयसवाल	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शृति पाण्डेय	1	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. अम्ब्रीश कुमार सिंह	2	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
श्री. अजय कुमार	1	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. शिल्पी राज	-	2	-	-	-	-	-	-	-
श्री. रश्मि चौरसीया	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शृति सिंह	2	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश्वर तिवारी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ज्योति सैनी	-	1	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत									
आर्य महिला महाविद्यालय									
बंगला	7	-	-	-	-	-	-	-	7
हिन्दी	8	-	-	-	1	-	-	-	8
संस्कृत	10	-	-	-	-	-	-	-	10
अंग्रेजी	7	-	-	-	-	-	-	-	7
इतिहास	5	-	-	-	-	-	-	-	5
राजनीतिविज्ञान	5	-	-	-	1	-	-	-	5
वाणिज्य संकाय	6	-	-	-	-	-	-	-	6
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व	6	-	-	-	-	-	-	-	6
दर्शनशास्त्र	5	-	-	-	-	-	-	-	5
कंठ संगीत	4	-	-	-	-	-	-	-	4
मनोविज्ञान	6	-	-	-	-	-	-	-	6
गृह विज्ञान	5	-	-	-	-	-	-	-	5
बी.एड.	10	-	-	-	-	-	-	-	10
समाजशास्त्र	7	-	-	-	-	-	-	-	7
अर्थशास्त्र	5	-	-	-	-	-	-	-	5
वसन्त महिला महाविद्यालय									
डॉ. अलका सिंह	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शशीकला त्रिपाठी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बन्दना झा	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मिना अवश्थी	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजरी शुक्ला	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रचना पाण्डेय	1	-	-	-	-	-	-	-	-
वसन्त कन्या महाविद्यालय									
डॉ.रचना श्रीवास्तव	2	4	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. कल्पलता डिमरी	-	-	1	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. संगीता देओदिया	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वरवंदना शर्मा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. निहारिका लाल	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इन्दू उपाध्याय	3	1	2	-	2	-	-	-	-
डॉ. गरिमा उपाध्याय	-	1	1	-	1	-	-	-	-
डॉ. अंशु शुक्ला	2	-	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. कल्पना आंनन्द	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. शशीकला	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुब्रा सिंह	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश वर्मा	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सपना भूषण	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंजूलता सिंह	1	2	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. सुनिता दिक्षित	-	1	3	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुराधा बीपुली	-	1	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुप्रिया सिंह	-	-	-	-	-	1	-	-	-
डॉ. प्रियंका	-	-	2	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय कुमार	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशीष कुमार	-	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. नैरंजन श्रीवास्तव	-	-	-	-	2	-	-	-	-
डॉ. पुर्णिमा	-	1	-	1	-	-	-	-	२ कविता
डॉ. शशीकेश कुमार गौड	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजू कुमारी	-	1	-	1	-	1	-	-	-
डॉ. आरती कुमारी	-	-	1	-	1	-	-	-	-
डॉ. खुश्बू मिश्रा अशोक कुमार	-	-	1	-	-	-	-	-	-
दयानन्द पी.जी. कॉलेज									
डॉ. आनंद सिंह	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. तारू सिंह	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सत्य गोपाल जी	1	3	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ऋचा रानी यादव		-	3	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	1	-	१ (संपादकीय)	-	-	-	-	-	-
डॉ. विनोद कुमार चौधरी	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रतिभा मिश्रा	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विक्रमादित्य रॉय	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जीयायूद्दिन	1	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुषमा मिश्रा	-	2	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नेहा चर्तुवेदी	2	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वाती सुचरिता नन्दा	1	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैनुअल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय			
डॉ. प्रतिमा गुप्ता	2	-	-	-	-	-	-	-	१किताब में अध्याय
डॉ. राकेश कुमार मिना	-	-	-	-	1	-	-	-	१ ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय आलेख
डॉ. विमल शंकर सिंह	1	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनूप कुमार मिश्रा	7	1	2	-	3	-	-	-	-
डॉ. मयंक कुमार सिंह	-	-	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. पारूल जैन	-	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. सिद्धार्थ सिंह	-	1	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार राम	2	-	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. समीर कुमार पाठक	3	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संगीता जैन	-	1	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-
डॉ. इन्द्रजीत मिश्रा	-	1	-	-	1	-	-	-	-
डॉ. बन्दना बाल चन्दनी	-	1	-	-	-	१किताब में अध्याय	-	-	-
डॉ. महिमा सिंह	-	1	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. तमन्ना शाहिन	2	-	3	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रशांत कश्यप	1	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मुकेश कुमार सिंह	3	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. ओम प्रकाश कुमार	1	-	-	-	-	-	-	-	-

परिशिष्ट – 3

विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची
सत्र 2020-21 में स्वीकृत नई शोध परियोजनायें

संस्थान/संकाय/विभाग का नाम	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत धनराशि
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग		
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	1	1169600
जीवरसायन (विज्ञान)	1	1402800
रसायनशास्त्र	1	1359600
सामुदायिक चिकित्सा	1	700000
धर्मागम	1	625800
हिन्दी	1	790400
प्रबंध शास्त्र	1	700000
आणाविक एवं मानव जननविज्ञान	1	1650000
संगीत	1	576200
संस्कृत	1	652600
मृदा और कृषि विज्ञान विभाग	1	945300
व्याकरण	1	451200
जीव विज्ञान	1	700000
जैव-प्रौद्योगिकी विभाग		
वनस्पति विज्ञान	1	6025480
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	3	19218120
पशु चिकित्सा विज्ञान	1	5795610
जीवविज्ञान	2	15387609
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
प्रयुक्त भौतिकी विभाग	1	1350000
जीव रसायन, चि.वि.सं.	2	5625000
वनस्पति विज्ञान	6	22695460
वनस्पति विज्ञान महिला महाविद्यालय	1	3274540
प्रयोग चिकित्सा और सर्जरी केन्द्र	1	8859800
रसायनशास्त्र	6	31449344
संगणक विज्ञान	1	660000
दंत विज्ञान चि.वि.स.	2	11154465
विस्तार शिक्षा	1	6321964
भूगौल	1	5225240
पत्रकारिता तथा जन संचार	1	370000
सूक्ष्म जीविकी	1	954000
भौतिकी	6	43369322
भौतिकी महिला महाविद्यालय	1	4322560
मनोविज्ञान	1	3008400
पशुचिकित्सा विज्ञान	1	1954227
जीव विज्ञान	1	6750000

वैज्ञानिकतथाऔद्योगिकअनुसंधानपरिषद्		
रसायनशास्त्र	1	1700000
भौतिकी	1	866500
निश्चेतन विज्ञान	1	403000
भारतीयचिकित्साअनुसंधानपरिषद्		
जीव-रसायन, विज्ञान संस्थान	1	1191216
ह्रदय रोग विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	10046368
अतःस्त्राव विज्ञान	1	3893260
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन, राजीव गाँधी	1	60000
तंत्रिकीय चिकित्सा	1	90000
आणाविक जीवविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	411600
विज्ञान और प्रौद्यौगिकी परिषद्	1	225120
कृषि अर्थशास्त्र	1	1248500
शरीर रचना विज्ञान चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	1194000
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन	2	3137200
स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान	1	1820500
उद्यान विज्ञान	2	3089000
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	1	1666500
मृदा और कृषि विज्ञान	1	2488420
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली		
अनुर्वशिकी और पादप प्रजनन विभाग	1	283320
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्		
कृषि विज्ञान केन्द्र, मिर्जापुर	1	9150000
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग	1	4049954
भारतीय समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्		
कृषि अर्थशास्त्र	1	1000000
वाणिज्य संकाय	2	880000
अर्थशास्त्र	1	1000000
समाजशास्त्र	1	1000000
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी वरिष्ठ वैज्ञानिक		
वनस्पति विज्ञान विभाग	2	200000
तेल और प्राकृतिक गैस निगम		
भूभौतिकी विभाग	1	500000
अन्तर विश्वविद्यालय त्वरत केन्द्र		
भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय	1	75000
उत्साही नैदानिक अनुसंधान, सेवाएं, पूणे		
सामान्य चिकित्सा	1	46250
बायर क्राप विज्ञान लिमिटेड		
मृदा और कृषि विज्ञान	1	876000
सी.एम.सी		
प्रबंध शास्त्र	1	500000
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वैलोर		
बाल चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	2226930
डी.ए.ई		
जीव विज्ञान	1	3075625
धनुका एग्रीटेक लीमिटेड		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग	1	803004

विदेशी संस्थान		
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	2	1102261
मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र	1	99328
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग	1	1973983
बाल चिकित्सा	1	1002480
वैज्ञानिक स्वास्थ्य वकालत इनक्यूबेटर		
सामुदायिक चिकित्सा	1	1081205
आई.सी.एच.आर		
इतिहास	1	375000
आई.एफ.एम.आर		
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	1	798000
आई.एच.ए.टी		
प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान	1	2331315
मलेरिहा एवं बी.बी.डी लखनऊ		
सामुदायिक चिकित्सा	1	35000
मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
वनस्पति विज्ञान	1	4994000
आयुर्वेद मंत्रालय		
सामान्य चिकित्सा	2	860092
रस शास्त्र	1	810697
रक्षा मंत्रालय		
रसायन शास्त्र	2	10944971
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय		
खादी विज्ञान और प्रौद्यागिकी केंद्र	1	3251000
अटांर्कटिक और महासगरीय अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र		
भूविज्ञान	1	817420
राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड		
औषधीय रसायन शास्त्र	1	1890000
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन		
सुदूर	1	277000
ओएससीएआईएल		
तंत्रिकीय चिकित्सा	1	360290
उत्तर प्रदेश सरकार निधि		
शरीर रचना विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	2	4450766
चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	3055905
सूक्ष्म जीविकी	1	13220539

जारी शोध परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग		
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृत तथा पुरातत्व	1	1169600
जीवविज्ञान	1	1402800
रसायन शास्त्र	1	1359600
सामूदायिक चिकित्सा	1	700000
संगणक विज्ञान, राजीव गॉधी दक्षिण परिषर	1	800000
धर्मागम	1	625800
हिन्दी	1	790400

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	1	4200000
भाषा विज्ञान	1	1074400
प्रबंध अध्ययन	1	700000
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	1	1650000
संगीत	1	576200
भौतिक विज्ञान	2	1223000
संस्कृत	1	652600
मृदा और कृषि विज्ञान विभाग	1	945300
व्याकरण	1	451200
जीव विज्ञान	2	14751200
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
पशुपालन और डेरी उद्योग	1	6754600
जीव रसायन	1	11238900
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	10090000
वनस्पति विज्ञान	4	17193316
आनुवांशिकी विकार केन्द्र	1	6574600
आनुवांशिकी और पादप प्रजनन	5	27615920
गृह-विज्ञान	1	1869100
सूक्ष्म जीविकी	2	5007600
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	2	14028950
आणविक जीवविज्ञान इकाई चिकित्सा विज्ञान संस्थान	3	22850300
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	2	6053200
मनोविज्ञान	1	12569300
पशु चिकित्सा विज्ञान	1	5795610
जीव विज्ञान	5	33656129
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
शस्य विज्ञान	1	2936000
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	1	2544000
निश्चेतन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	2277000
प्रयुक्त भौतिकी विभाग	1	1350000
जीव रसायन	3	26814320
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	4	24869200
वनस्पति विज्ञान	15	55482164
वनस्पति विज्ञान, महिला महाविद्यालय	2	5620540
प्रायोगिक चिकित्सा और सर्जरी केन्द्र	2	13556035
आनुवांशिकी विकार केन्द्र	1	4709600
प्रयोग चिकित्सा और सर्जरी केन्द्र	1	3212000
रसायन शास्त्र	23	108329492
रसायन शास्त्र, महिला महाविद्यालय	2	8599270
संगणक विज्ञान	1	3716000
दंत चिकित्सा विज्ञान चिकत्सा विज्ञान संस्थान	3	4330003
डी.एस.टी.- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन	3	19571188
विस्तार शिक्षा	1	500000
भूगोल	1	6321964
भूविज्ञान	1	5225240
भू-भौतिकी	9	168557080
पत्रकारिता तथा जनसंचार	1	1953200
पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान	9	51741304

गणित	1	370000
आयुर्विज्ञान चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	1980000
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	4	6769501
तंत्रिकीय चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	11274600
भौतिक	3	5373200
भौतिक, महिला महा विद्यालय	1	3095520
मनोविज्ञान	26	121252558
मृदा और कृषि विज्ञान	1	4322560
सांख्यिकी	2	7373484
पशुचिकित्सा विज्ञान	2	4368000
जीवविज्ञान	2	4226827
जीवविज्ञान महिला महा विद्यालय	1	6750000
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्		
कृषि अर्थशास्त्र	1	1248500
शरीर रचना विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	1194000
आनुवांशिक और पादप प्रजनन	2	3137200
उद्यान विज्ञान	2	3089000
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	1	1666500
मृदा और कृषि विज्ञान	2	4863921
पशु चिकित्सा स्त्री रोग विज्ञान, प्रसूति विज्ञान	1	1820500
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्		
निश्चेतन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	403000
प्रयुक्त विज्ञान	1	575001
रसायनशास्त्र	7	6747333
भूविज्ञान	1	1232000
भौतिकी	1	866500
जीवविज्ञान	1	1112333
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्		
जीव रसायन, विज्ञान संस्थान	2	2171216
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	3	13324768
हृदय रोग विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	2	3895110
अंत:स्त्राव विज्ञान	1	60000
सामान्य चिकित्सा	1	1508596
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन, राजीव गॉधी दक्षिण परिसर	1	90000
सूक्ष्म जीविकी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	551000
आणविक जीव विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	1503096
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	1	2742075
तंत्रिकीय चिकित्सा	4	7202497
जीव विज्ञान	6	16609326
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय		
वनस्पति विज्ञान	1	2500000
भूविज्ञान	2	11834590
भूभौतिकी	2	8980560
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्		
कृषि अर्थशास्त्र	2	6341992
शस्य विज्ञान	1	12620000

जीव रसायन, विज्ञान संस्थान	1	6530800
वनस्पति विज्ञान	2	5069000
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	1	709400
कृषि विज्ञान केन्द्र बरकछा का.हि.वि.वि.	2	18300000
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	5	11151814
जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल	1	2530000
मृदा और कृषि विज्ञान	3	2525000
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान		
शस्य विज्ञान	3	1984125
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	2	2283924
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी		
वनस्पति विज्ञान	2	960000
भौतिकी	2	1500000
जीव विज्ञान	2	1880000
परमाणु उर्जा विभाग		
वनस्पति विज्ञान	2	3773450
भूविज्ञान	1	2968650
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	1	2690900
भौतिकी	2	4573150
जीव विज्ञान	1	3075625
विदेशी संस्थान		
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	2	1102261
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	1	523174
मालवीय शांति अनुसंधान केद्र	1	99328
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	1	1973983
बाल चिकित्सा	1	1002480
कोलाबोरेट प्रोजेक्ट, एस.टी.आर.ए.एस.ए		
शस्य विज्ञान	1	194979
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	1	289543
वनस्पति विज्ञान	1	1440826
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	1	146235
ड्रग्स ट्रेल		
सर्जिकल ओन्कोलॉजी	1	45000
त्वचा रोग	1	53156
रक्षा मंत्रालय		
रसायनशास्त्र	2	10944971
भौतिकी	1	4003045
संस्कृति मंत्रालय		
इतिहास (मालवीय मूल्य अनुशिलन केन्द्र)	1	10700000
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन		
भूभौतिकी	1	600000
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	3	5568000
भौतिकी	1	3548000

विश्व स्वास्थ्य संगठन		
सामुदायिक चिकित्सा	1	166162
आर्युविज्ञान	1	28009300
आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी (एग्री-टेक स्टार्ट अप के लिए सहायक कार्यक्रम)		
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	1	2408000
बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउडेंशन, यू.एस.ए.		
आर्युविज्ञान	1	31912595
जी.बी.पी.एन.आई.एच.ई.एण्ड एस.डी.		
मृदा और कृषि विज्ञान, रसायानशास्त्र	1	1415920
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उत्तर प्रदेश)		
पर्यावरण विज्ञान केन्द्र	1	2403500
राष्ट्रीय आकादमी विज्ञान भारत		
वनस्पति विज्ञान	4	1880000
अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केन्द्र (सीआईएमएमवाईटी कोलाबोरेट प्रोजेक्ट हैदराबाद)		
शस्य विज्ञान	1	400000
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	1	442156
मानव और परिवार स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली		
आर्युविज्ञान	1	2300000
नेत्र विज्ञान	1	14000000
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्		
कृषि अर्थशास्त्र		
प्रयुक्त कला	1	1000000
वाणिज्य संकाय	1	600000
अर्थशास्त्र	3	1780000
भूगोल विभाग	2	2000000
गृह विज्ञान	1	1200000
प्रबंध शास्त्र	1	300000
समाजशास्त्र	1	400000
केन्द्रीय आर्युवेदिय विज्ञान अनुसंधान परिषद		
वनस्पति	**1**	3958000
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ब्लूमबर्ग		
आर्युविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	1014281
संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, लखनऊ		
बाल चिकित्सा	1	625000
क्रिश्चियन मेडिकल, वेल्लोर		
बाल चिकित्सा	1	2226930
प्रबंध शास्त्र	1	500000
मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
वनस्पति विज्ञान	1	4994000
अटार्कटिक और महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र		
भूविज्ञान	1	817420
राष्ट्रीय मिशन स्वच्छ गंगा		
एम.आर.सी गंगा केन्द्र	1	6307175

उत्साही नैदानिक अनुसंधान, सेवाएं, पूणे		
सामान्य चिकित्सा	1	46250
बायर क्राप विज्ञान लिमिटेड		
भूभौतिकी	1	876000
कैंकिड्स प्राइवेट लिमिटेड		
आर्युविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	1	111000
क्लिऐंथ रिसर्च लिमिटेड		
त्वचा रोग विज्ञान	1	71050
धनुका एग्रीटेक लीमिटेड		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग	1	803004
वैश्विक स्वास्थ्य वकालत इनक्यूबेटर		
सामुदायिक चिकित्सा	1	1081205
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद		
इतिहास	1	375000
आई.एफ.एम.आर ट्रस्ट		
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	1	798000
भारत स्वास्थ्य कार्य ट्रस्ट, आई.एच.ए.टी		
प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान	1	2331315
इंडोफिल उद्योग लिमिटेड		
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान	1	390000
अतंर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र, आई.यू.ए.सी		
भौतिक विज्ञान	1	75000
भौतिक विज्ञान महिला महा विद्यालय	1	579000
कृषि विज्ञान केन्द्र,के.वी.के		
कृषि विज्ञान केन्द्र रा.गा.द.प.	1	850000
मलेरिहा एवं बी.बी.डी लखनऊ		
सामुदायिक चिकित्सा	1	35000
आयुर्वेद मंत्रालय		
रस शास्त्र	1	810697
सामान्य चिकित्सा	2	860092
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय		
खादा विज्ञान और प्रौद्यागिकी केद्र	1	3251000
खान मंत्रालय		
भूविज्ञान	1	829800
राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड		
औषधीय रसायन शास्त्र	1	1890000
ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र		
भूभौतिकी	1	1720000
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन		
सूक्ष्म जीविकीय	1	954000
सुदूर	1	277000
ऑयल इडिया लिमिटेड		
भूभौतिकीय	1	500000
ओ.एन.जी.सी		
भूभौतिकीय	1	1568000

ओसकिलिट इंटरग्रटेड हेल्थ सेंटर, ओएससीएआईएल		
तंत्रिकीय चिकित्सा	1	360290
राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजना		
पशु चिकित्सा विज्ञान	1	200000000
शनोफी सिंथोलैब लिमिटेड		
अंतस्त्राव विज्ञान	1	49680
उत्तर प्रदेश सरकार निधि		
शरीर रचना विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	2	4450766
चिकित्सा विज्ञान संस्थान, सरसुन्दरलाल हास्पिटल	1	3055905
सूक्ष्म जीविका	1	13220539
स्ट्रारसा, राइस		
शस्य विज्ञान	1	500000

परिशिष्ट – 4

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन

(अप्रैल 2020से मार्च2021 तक)

जून-2020		
01-06-2020से02-06-2020	''योग, खेल,चिकित्सा और शारीरिक शिक्षा'' पर यूजीसी राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. एन.बी. शुक्ला, आयोजन सचिव, सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
11-06-2020	अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	प्रो. डी.एन. पाण्डेय, संयोजक, विभागाध्यक्ष, संज्ञासहन विभाग, आयुर्वेद संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
15-06-2020 से 16-06-2020	''प्रस्तुतीकरण के विविध आयाम: वाद्य संगीत के परिप्रेक्ष्य में''परराष्ट्रीय वेबिनार	प्रो. संगीता सिंह, विभागाध्यक्ष, वाद्य संगीत विभाग,मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
21-06-2020	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२० ''योग और खेल पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी''	प्रो. एन.बी. शुक्ला संयोजक सचिव, सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन
जुलाई2020		
10-07-2020 से 11-07-2020	''कोविड -१९ के संदर्भ में शारीरिक शिक्षा खेल और व्यायाम विज्ञान'' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	डॉ. प्रदीप सिंह चहर, संयोजक सचिव, शारीरिक शिक्षा विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
13-07-2020 से 14-07-2020	''बाल्यावस्था की सामान्य श्वसन सम्बन्धी वायरल संक्रमण और इसके सामयिक प्रबंधन'' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	डॉ. पी.एस. उपाध्याय, आयोजन सचिव, कौमारभृत्य बालरोग विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्या विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
14-07-2020 से 16-07-2020	''५जी प्रौद्योगिकी: डिजिटल एक्सेस के लिए समय दृष्टिकोण के प्रोत्साहन'' पर राष्ट्रीय वेबिनार	प्रो. आदित्य त्रिपाठी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
अगस्त-2020		
01-08-2020 से 07-08-2020	''स्तनपान: एक सुझाव कार्य'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला और राष्ट्रीय वेबिनार	प्रो. बी.एम.सिंह, प्रमुख, कौमरभृत्य बालरोग विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
सितंबर-2020		
07-09-2020	''बालाचित संस्कार और उनकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता'' पर राष्ट्रीय वेबिनार	डॉ. कल्पना पाटनी, आयोजन सचिव, कौमारभृत्या बालरोग विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
08-09-2020	''बच्चों में शिरोमर्मभिघात (सेरेब्रल पाल्सी) का युक्तिसंगत प्रबंधन'' परराष्ट्रीय वेबिनार	डॉ. रविशंकर खत्री, आयोजन सचिव, कौमरभृत्या बालरोग विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
28-09-2020	''स्वर्णप्राशन के पीछे विज्ञान'' पर राष्ट्रीय वेबिनार	डॉ. वैभव जयसवाल, आयोजन सचिव,कौमरभृत्या बालरोग विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
29-09-2020 से 30-09-2020	''शारीरिक शिक्षा और संबद्ध खेलों में उभरती तकनीकी प्रगति'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन ''ईटीएपीईएएस-२०२०''	डॉ. विक्रम सिंह, आयोजन सचिव एवं डॉ. दीपक कुमार डोगरा एवं अभिषेक वर्मा, संयुक्त आयोजन सचिव, शारीरिक शिक्षा विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
04-09-2020	''एसीएच २०२० का उत्तर क्षेत्र सम्मेलन: मुख, जबड़ें और चेहरे के घावों पर एक अद्यतनीकरण''	डॉ. राहुल अग्रवाल, आयोजन सचिव, दंत विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

अक्टूबर-2020		
02-10-2020 से 04-10-2020	आईएसएसीओएन उ.प्र.राज्य सम्मेलन २०२०	प्रो. एस.के. माथुर, आयोजन सचिव, और डॉ. विक्रम कुमार गुप्ता, आयोजन सचिव, अनेस्थिसियोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
15-10-2020	स्वर्गीय डॉ. एस.बी. पांडे और स्वर्गीय डॉ. के पांडे मेमोरियल राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन मोड)	डॉ. डी.एन. पाण्डेय, संयोजक और डॉ. प्रमुख, संग्याहरण विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
11-10-2020 से 16-10-2020	"R का उपयोग कर सांख्यिकीय कम्पूटिगं'' पर ऑनलाइन कार्यशाला	डॉ. राकेश रंजन, संयोजक, डीएसटी- सीआईएमएस, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
नवम्बर-2020		
05-11-2020 से 07-11-2020	''भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी का ४७वॉ वार्षिक सम्मेलन''(आईएमएमयूएनओसीओएन २०२०)	डॉ. गीता राय, संयोजक, आयोजन सचिव, आणविक एवं मानव जनन विभाग
08-11-2020 से 12-11-2020	''तर्क और धर्म तृतीय विश्व कांग्रेस'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. अरून कुमार एवं डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संकाय
18-11-2020	प्राकृतिक चिकित्सा दिवस	प्रो. एन.बी. शुक्ला संयोजक सचिव, सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
23-11-2020 से 27-11-2020	ऑनलाइन के माध्यम से सामाजिक उद्यम प्रबंधन पर एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम	डॉ. अनूराग सिंह प्रबंध अध्ययन संकाय
25-11-2020 से 26-11-2020	''स्वास्थ्य देखभाल, योग और खेल प्रदर्शन के लिए शारीरिक शिक्षा'' पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. एन.बी. शुक्ला संयोजक सचिव, सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन
दिसम्बर-2020		
20-12-2020	''डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इटेलिजेंस औरएप्लिकेशन'' पर वेबिनार	प्रो.मंजरी गुप्ता, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान , काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
26-12-2020 से 31-12-2020	'R'प्रोग्राम और LaTeX टाइपसेटिंग पर ऑनलाइन प्रशिक्षण''	डॉ. विकाश कुमार शर्मा, सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
27-12-2020 से 30-12-2020	विस्तार शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन छ्ँ २०२० (ऑनलाइन मोड)	डॉ. कल्याण घदेई, आयोजन सचिव, विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
जनवरी-2021		
09-01-2021 से 10-01-2021	''खाद्य और पोषण सुरखा के लिए जलवायु अनुकूल कृषि'' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	प्रो.पी.के. सिंह, संयोजक, आनुवंशिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
10-01-2021	ङ पं दीन दयाल उपाध्याय पीठ के अंतर्गत ग्रामीण और दलित महिलाओं को कोविड १९स्वास्थ्य संबंधी मामलों से बाहर निकालना	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
11-01-2021 से 12-01-2021	'स्वदेशी से स्वावलंबी भारत:पं. दीनदयाल उपाध्याय और दत्तोपंत ठेंगड़ी	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
15-01-2021 से 17-01-2021	ए.ए. आई.एम. का २१वां राष्ट्रीय और छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. डी.एन.पाण्डेय, आयोजन महासचिव, प्रमुख, संग्याहरण विभाग, आंयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
20-01-2021	पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ के अंतर्गत बालिकाओं के शिक्षण और कौशल कार्य को सशक्त बनाना	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
20-01-2021 से 21-01-2021	'आत्मनिर्भर भारत और सशक्त महिलाएं (पं. दीनदयाल उपाध्याय के संदर्भ में)	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
29-01-2021 से 30-01-2021	पं. दीनदयाल उपाध्याय: प्रतिनिधिक प्रजातंत्र से सहभागी प्रजातंत्र	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

फरवरी-2021		
01-02-2021	पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ के अंतर्गत शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली और बुजुर्ग महिलाओं का कल्याण।	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
06-02-2021 से**07-02-2021**	''गणितीय विज्ञान में उभरती नई चुनौतिया'' पर गणितीय सोसायटी-काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का ३६वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. कृष्णेदुं भट्टाचार्य, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
07-02-2021 से **13-02-2021**	''कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शरीरिक शिक्षा, योग खेल विज्ञान के संगठन और प्रशासन में भविष्य विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम'' पर यूजीसी कार्यक्रम	प्रो. एन.बी. शुक्ला सीएचसी. एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
11-02-2021 से **12-02-2021**	आत्मनिर्भर भारत और तीसरा विकल्प (पं.दीनदयाल उपाध्याय और दत्तोपंत ठेगड़ी)	संकाय प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
21-02-2021	चतुर्थ राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान सम्मेलन	डॉ. अंजू भारतीय, आयोजन सचिव, पैथोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
22-02-2021 से **23-02-2021**	''पादप विज्ञान के सामान्य मुद्दों'' पर वेबिनार	विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
26-02-2021 से **28-02-2021**	शमकालीन शोध के शताब्दी वर्ष का आयोजन	डॉ. जे.के. रॉय, प्राणी विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
26-02-2021 से **27-02-2021**	''अवकल समीकरण: एमएटीएलएबी 'प्रोग्रामिंग के साथ सिद्धांत, विश्लेषण और अनुप्रयोग'' पर कार्यशाला (डीईटीएएएमपी-**2021**	डॉ. रवि प्रताप गुप्ता और डी.ए. प्रियदर्शी, गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
मार्च-2021		
10-03-2021से **25-03-2021**	महिला अध्ययन में १९वां ओरिएंटेशन कोर्स (ऑनलाइन/ऑफलाइन)	प्रो. निधि शर्मा, समन्वयक, महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
15-03-2021 से **16-03-2021**	"Rका उपयोग कर प्रजाति वितरण मॉडलिंग'' पर ऑनलाइन कार्यशाला	डॉ. पी.के. श्रीवास्तव. आयोजन सचिव. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
17-03-2021 से **18-03-2021**	''प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन'' पर छठी स्नातक संगोष्ठी	डॉ. आर.पी. सिंह, संयुक्त आयोजन सचिव, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान
17-03-2021 से **18-03-2021**	''बहुभाषावाद और बहुसंस्कृतिवाद: भाषाई और सांस्कृतिक संवाद में संभावनाओं'' पर वेबिनार	प्रो. विनोदानंद तिवारी, प्रमुख, विदेशी भाषा विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
20-03-2021से **26-03-2021**	''एसपीएसएस और आर का उपयोग करके सांख्यिकी की खोज'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. प्रदीप सिंह चाहर, शारिरीक शिक्षा विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

परिशिष्ट – 5

वर्ष 2020-21 के अन्तर्गत शैक्षणिक विचार गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों का विवरण

क्र. सं.	विभाग/संकाय	शिक्षक का नाम	कार्यक्रम का विवरण एवं अवधि
अ. भारत में			
1.	दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. हरख चंद बरनवाल	27-28 फरवरी 2021 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित "35वां IACDE राष्ट्रीय सम्मेलन"
2.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. संदीप कुमार	• 22-23 फरवरी, 2021 के दौरान भागलपुर में आयोजित "मानव पर्यावरण की चुनौतियों और अवसरों पर यूजीसी प्रायोजित बहु अनुशासनात्मक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" • समस्तीपुर में 18-19 मार्च 2021 के दौरान आयोजित "सकारात्मक मनोविज्ञान: खुशी और पूर्ति पर दो दिवसीय अंत:विषय राष्ट्रीय संगोष्ठी"

परिशिष्ट – 6

सीधी नियुक्ति और पदोन्नति

(१ अप्रैल, २०२० से ३१ मार्च, २०२१)

नियुक्ति
गैर-शिक्षण कर्मचारी

समूह	सामान्य	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	योग
समूह-ए	05	-	-	-	01	-	06
समूह-बी	276	77	83	43	180	13	672
समूह-सी	-	-	-	-	01	-	01
योग	**281**	**77**	**83**	**43**	**182**	**13**	**679**

शैक्षणिक पद

पद का नाम	**सामान्य**	**आर्थिकरूप से कमजोर वर्ग**	**अनु.जाति**	**अनु.जनजाति**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**	**दिव्यांग**	**योग**
प्रोफेसर	**4**	**-**	**07**	**01**	**06**	**-**	**18**
एशोसिएट प्रोफेसर	**03**	**02**	**05**	**01**	**05**	**-**	**16**
असिस्टेंट प्रोफेसर	**67**	**07**	**23**	**13**	**52**	**06**	**168**
योग	**74**	**09**	**35**	**15**	**63**	**06**	**202**

पदोन्नतियाँ

सीएएस के तहत	**संख्या**
प्रोफेसर (स्टेज-५) के रूप में पदोन्नति	**100**
एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज-४) के रूप में पदोन्नति	**57**
सहायक प्रोफेसर (स्टेज-३) के तहत पदोन्नति	**44**
सहायक प्रोफेसर (स्टेज-२) के तहत पदोन्नति	**103**
योग	**304**

पुस्तकालय क्षेत्र

सीएएस के तहत	**संख्या**
उप पुस्तकालयाध्यक्ष (स्टेज-५) के रूप में पदोन्नति	**5**
उप पुस्तकालयाध्यक्ष (स्टेज-४) के रूप में पदोन्नति	**6**
उप पुस्तकालयाध्यक्ष (स्टेज-३) के रूप में पदोन्नति	**3**
योग	**14**

डीएसीपीएस के तहत	संख्या
प्रोफेसर	9
एसोसिएट प्रोफेसर	47
योग	56

डीएसीपीएस के तहत	संख्या
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	2
मुख्य चिकित्सा अधिकारी	3
योग	5

शारीरिक शिक्षा

सीएएस के तहत	संख्या
उप निदेशक शारीरिक शिक्षा (स्टेज-५)	01
सहायक उप निदेशक शारीरिक शिक्षा (स्टेज-३)	05
सहायक उप निदेशक शारीरिक शिक्षा (स्टेज-२)	03
योग	09

सीएएस के तहत (प्रशासनिक क्षेत्र)

उप कुलसचिव (२५% कोटा के अन्तर्गत पदोन्नति)	01
योग	01

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

ANNUAL REPORT

2020-21

EDITORIAL COMMITTEE

1. **Prof. Raj Kumar**
   Department of Hindi, Faculty of Arts

2. **Prof. Arun Kumar Mishra**
   Department of Botany, Institute of Science

3. **Prof. Rakesh Singh**
   Department of Agricultural Economics, Institute of Agricultural Sciences

4. **Prof. Yogesh Arya**
   Department of Psychology, Faculty of Social Sciences

5. **Prof. Satyapal Sharma**
   Department of Hindi, Faculty of Arts

6. **Dr. P. Dalai**
   Department of English, Faculty of Arts

7. **Dr. Jasminder Kaur**
   Faculty of Visual Arts

8. **Dr. Arti Nirmal**
   Department of English, Faculty of Arts

9. **Dr. Rahul Chaturvedi**
   Department of English, Faculty of Arts

10. **Dr. Sanjiv Saraf**
    Deputy Librarian, Central Library

11. **Dr. Vichitrasen Gupta**
    Hindi Adhikari

12. **Dr. Sanjay Kumar**
    Joint Registrar (Academic)

13. **Dr. Pushyamitra Trivedi**
    Deputy Registrar (Academic)

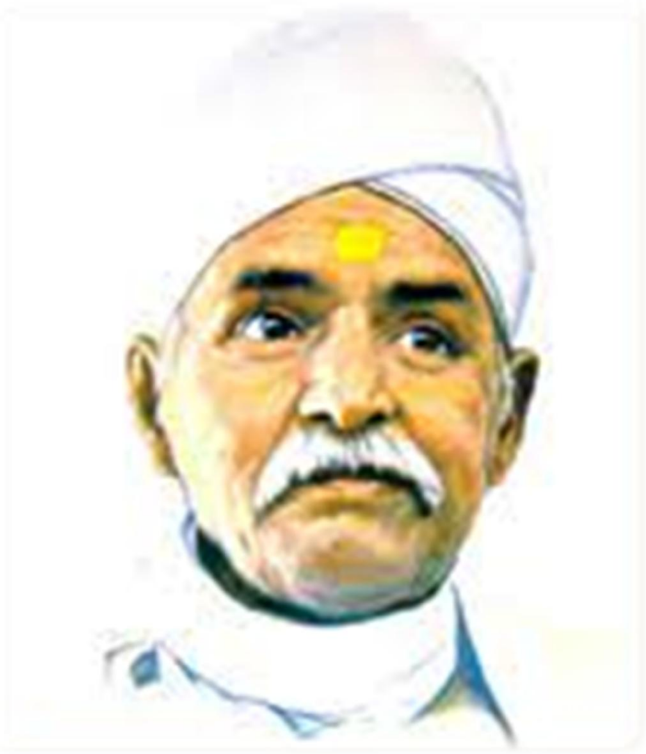

संस्थापक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय

२५.१२.१८६१ - १२.११.१९४६

(पौष कृष्ण अष्टमी, वि. सं. १९१८ – मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी, वि. सं. २००३)

The Founder

of the

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya

25.12.1861 – 12.11.1946

(Paush Krishna Ashtami, V.S. 1918 – Margshirsha Krishna Panchami, V.S. 2003)

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नापुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

"I do not covet kingdom, neither heaven, nor Nirvana
The only desire I have is to serve Disconsolate"
- Mahamana Malaviya

कुलगीत

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

यह तीनो लोकों से न्यारी काशी।
सुज्ञान धर्म और सत्यराशी॥
बसी है गंगा के रम्य तट पर,
यह सर्वविद्या की राजधानी। मधुर मनोहर -॥

नये नहीं हैं यह ईंट पत्थर।
है विश्वकर्मा का कार्य सुन्दर॥
रचे है विद्या के भव्य मंदिर,
यह सर्व सृष्टि की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

यहाँ की है यह पवित्र शिक्षा।
कि सत्य पहले फिर आत्म-रक्षा॥
बीके हरिश्चंद्र थे यहीं पर,
यह सत्यशिक्षा की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

यह वेद ईश्वर की सत्यवाणी।
बने जिन्हें पढ़ के ब्रह्मज्ञानी॥
थे व्यास जी ने रचे यहीं पर,
यह ब्रह्मविद्या की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

यह मुक्तिपद को दिलाने वाले।
सुधर्म पथ पर चलाने वाले॥
यहीं फले फूले बुद्ध शंकर,
यह राजऋषियों की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

सुरम्य धारायें वरूणा अस्सी।
नहाए जिनमे कबीर तुलसी॥
भला हो कविता का क्यों न आकर,
यह बागविद्या की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

विविध कला अर्थशास्त्र गायन।
गणित खनिज औषधि रसायन॥
प्रतीचि-प्राची का मेल सुन्दर,
यह विश्वविद्या की राजधानी। मधुर मनोहर - ॥

यह मालवीय जी की देश भक्ति।
यह उनका साहस यह उनकी शक्ति॥
प्रकट हुई है नवीन होकर,
यह कर्मवीरों की राजधानी।

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी॥

Dr. SHANTI SWARUP BHATNAGAR
Eminent Scientist
who composed the BHU Kulgeet

Kulgeet (English Translation)

So sweet serene, infinitely beautiful
This is the presiding center of all learning.

Radiant Kashi, wonder of the three worlds
Treasure-Chest of Jnana , Dharma and Satya
Nesting on Ganga`s bank, center of all disciplines.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

No Recent work of brick and stone
Primordial design of divinity alone
Mansions of Vidya, center of all creation.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Clear here is the doctrine pure
Truth first, then only one' self
Home of Harishchandra, Truth's testing ground.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

The voice of God in Vedic record
Constant Inspiration for soul-accord
Work-shop of Veda Vyasa, center freedom for Bhrahma Vidya
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Find here the steps of freedom
Tread here the path of Dharma
Flaming trail Budha`s and Shankara`s center for philosopher-kings.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Life-Giving waters of Varuna and Assi
Sustenance of Kabir and Tulsi
Fountainhead of eloquent speech and poetry.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Music, Economics, other arts so many
Maths, Mining, Medicine and Chemistry
Fraternal forum of East and West, university in trust sense.
(So sweet, serene, infinitely beautiful)

Patriotism of Malviyaji
His intrepidity and energy
All in youthful manifestation,
centre for men of action

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding center of all learning.

Á®å fot; dekj 'kqDYk
कुलगुरू एवं
कार्यवाहक कुलपति
Prof. Vijay Kumar Shukla
Rector &
Officiating Vice-Chancellor

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
BANARAS HINDU UNIVERSITY

Telephone : 0542-2368938
Fax : 0542-2369100
Email : vc@bhu.ac.in
rector@bhu.ac.in
Website: www.bhu.ac.in

Preface

It gives me immense pleasure and happiness to present the annual report of Banaras Hindu University for the year 2020-21. This report comprises various academic activities of the institutes, faculties, departments and centers of the University. Besides the academic programmes, the present report also highlights the significant achievements made by the University in the domains of co-curricular and developmental activities during the aforementioned period.

As an institution of academic excellence, Banaras Hindu University is striving hard to nurture and up-grade the youth by adding new dimensions to the holistic and value-oriented method of education, at par with the visions of its enlightened founder and a great educationist, Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya ji,. The University is committed towards innovation, imparting knowledge, both theoretically and practically, in its endeavor to achieve excellence in all fields of education.

During the reporting year, emphasis has been made on the establishment of new infrastructure and facilities with the aim to promote academic and research activities in the University. Apart from this, during the academic session 2020-21, along with introducing many new academic programs at par with the needs of the society, the syllabus of the existing academic programs have also been revised. The operational plan has been accorded high priority for practical implementation of the research and academic plans of the University.

Several important steps have been taken by the University to enhance the skills of the students which are having practical benefit for them. For the purpose of educational, moral and spiritual upliftment of students and researchers, various seminars and lectures of eminent scholars were organized by the university. Along with the expansion in hostel facilities, proper arrangements were made for sports and yoga education by the University.

I congratulate all the people associated with the compilation, editing and publication of this annual report 2020-21 and appreciate their tireless hard work and efforts.

(Vijay Kumar Shukla)

CONTENTS

Part-I

1. **INTRODUCTION**
   - **1.1.** The University at a Glance
   - **1.2.** Highlights of the Academic Session 2020-21
2. **ACADEMIC ORGANS OF THE UNIVERSITY**
   - **2.1. Main Campus**
     - 2.1.1. **Institutes**
       - 2.1.1.1. Agricultural Sciences (Agriculture and Veterinary & Animal Sciences)
       - 2.1.1.2. Medical Sciences (Modern, Ayurveda and Dental)
       - 2.1.1.3. Environment & Sustainable Development
       - 2.1.1.4. Management Studies
       - 2.1.1.5. Science
     - 2.1.2. **Faculties**
       - 2.1.2.1. Arts
       - 2.1.2.2. Commerce
       - 2.1.2.3. Education
       - 2.1.2.4. Law
       - 2.1.2.5. Performing Arts
       - 2.1.2.6. Social Sciences
       - 2.1.2.7. Sanskrit Vidya Dharma Vijanan
       - 2.1.2.8. Visual Arts
     - 2.1.3. **Mahila Mahavidyalaya**
     - 2.1.4. **Centres**
       - 2.1.4.1. Study for Genetic Disorders
       - 2.1.4.2. DST – Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
       - 2.1.4.3. Study for Nepal
       - 2.1.4.4. Women Studies & Development
       - 2.1.4.5. Malaviya Centre for Peace Research
       - 2.1.4.6. Integrated Rural Development
       - 2.1.4.7. Social Exclusion and Inclusive Policy
     - 2.1.5. **Schools**
       - 2.1.5.1. Central Hindu Boys School
       - 2.1.5.2. Central Hindu Girls School
       - 2.1.5.3. Ranveer Sanskrit Vidyalaya

2.1.6. **BHU Library System**

2.1.7. **UGC Human Resource Development Centre**

2.1.8. **Malviya Bhavan**

2.1.9. **Bharat Kala Bhavan**

2.2. South Campus

2.3. Colleges Admitted to the Privileges of the University

2.3.1. Arya Mahila P.G. College, Chetganj
2.3.2. Vasanta College for Women, Rajghat
2.3.3. Vasant Kanya Mahavidyalaya, Kamachha
2.3.4. DAV P.G. College, Ausanganj

3. COURSES OF STUDY

4. AWARD OF DEGREE / DIPLOMA / CERTIFICTE

4.1. Students strength

5. HUMAN RESOURCE PROFILE

6. FINANCIAL RESOURCES

7. AWARDS & HONOURS

8. SCHOLARSHIP / FELLOWSHIP (for students)

9. FACILITIES

9.1. Accommodation

9.1.1. Hostels for Students (Male)
9.1.2. Hostels for Students (Female)
9.1.3. Hostels for Students (Foreign)
9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees

9.2. Guest House
9.3. Internet & Computers
9.4. Conference Halls
9.5. Alumni Cell
9.6. Indian Council of Cultural Relation (ICCR)
9.7. Indira Gandhi National Open University
9.8. International Centre
9.9. Press Publication & Publicity Cell
9.10. Electricity, Water & Telephone

9.11. **Maintenance (Building & Instruments)**
9.12. **Health Care (Hospital & Health Centers)**
9.13. **University Sports Board**
9.14. **Programmes Organized by Dean of Student Welfare**
9.15. **Canteens**
9.16. **National Social Service (NSS)**
9.17. **National Cadet Core (NCC)**
9.18. **Air Strip & Helipad**
9.19. **Shopping Complex**
9.20. **BHU Club**
9.21. **Students Welfare**
- 9.21.1. Placement Service
- 9.21.2. University Employment & Guidance Bureau
- 9.21.3. Student Council
- 9.21.4. City Delegacy
- 9.21.5. Equal Opportunity and Inclusive System
- 9.21.6. Extra-Curricular Activities

9.22. **Hindi Publication Cell**

Part-II

Annexure - I Members of the Court, Executive Council, Academic Council and Officers of the University

Annexure - II Statement showing Academic Contribution of University Teachers during the year 2020-21

Annexure - III Newly sanctioned and Ongoing Research Projects during the year 2020-21

Annexure - IV Important Seminars, Conferences and Workshops held during the Year 2020-21

Annexure – V Statement showing Number of Teachers Deputed to Participate in Academic Meets during the year 2020-21

Annexure - VI Appointment of Teaching Staff during the year 2020-21

ENGLISH VERSION

Annual Report 2020 - 21

1. INTRODUCTION

MAHAMANA'S CAMPUS PAN

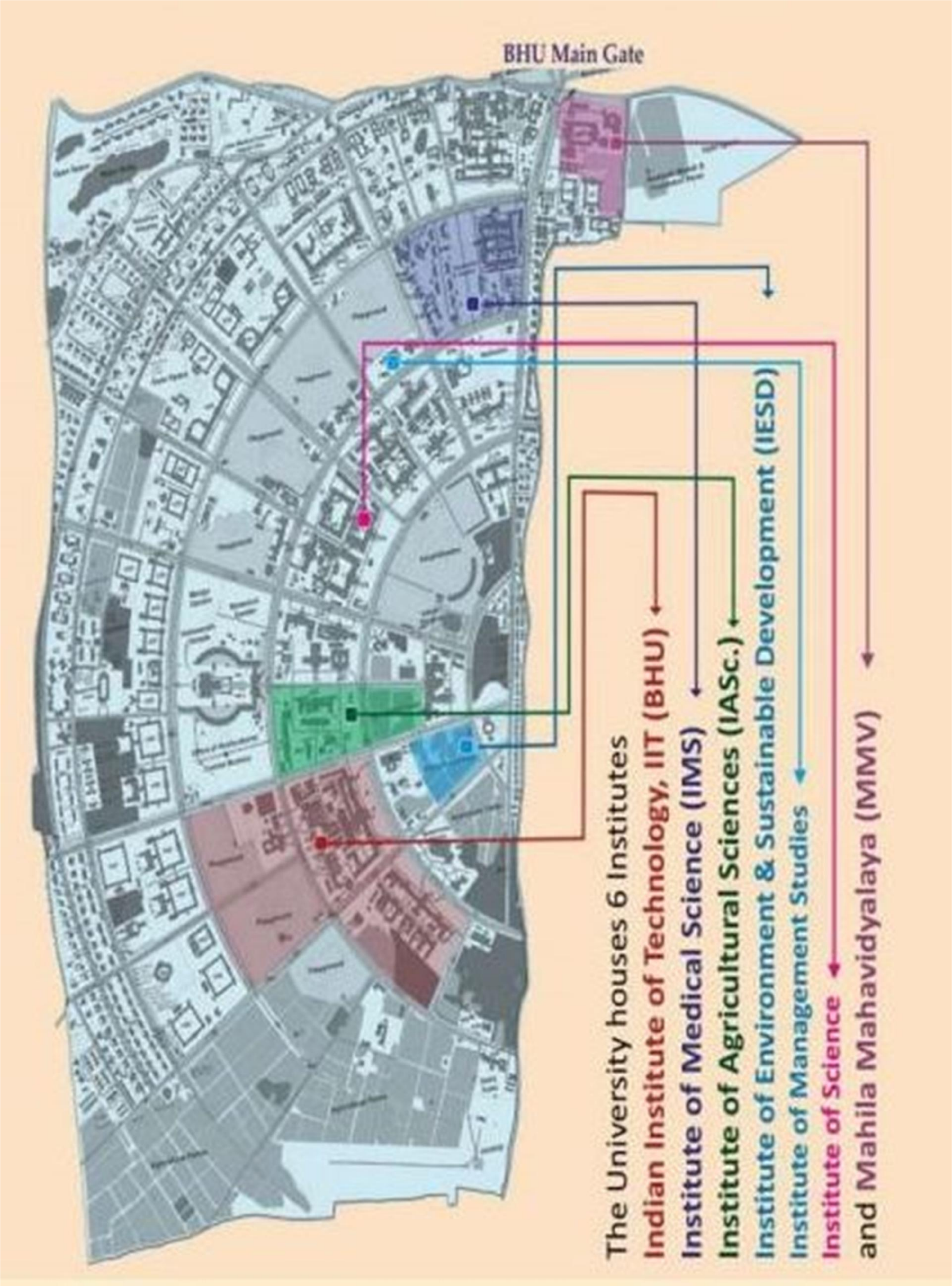

1.1 The University at a Glance

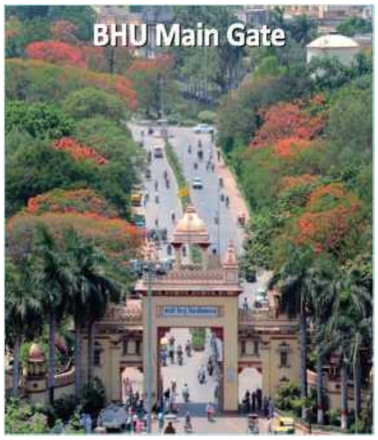

The Banaras Hindu University (BHU), founded by Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviyaji in 1916, is one of the most prestigious Central Universities in the country. An autonomous institution of distinction and having the Hon'ble President of India as its Visitor, BHU is the largest residential University in Asia. Being a living embodiment of such visionaries as Mahamana Malaviyaji, Dr. Annie Besant and Dr. S. Radhakrishnan, this seat of learning epitomizes a synthesis of ancient wisdom and modern scientific temper. Its holistic model of education, conceived and enriched by its illustrious founder, offers refreshingly new perspectives to young minds and nurtures and facilitates their creative talents.

The Founder's Vision

- "It is my earnest hope and prayer, that this centre of life and light, which is coming into existence, will produce students who will not only be intellectually equal to the best of their fellow students in other parts of the world, but will also live a noble life, love their country and be loyal to the Supreme Ruler."

- "A teaching university would but half perform its function, if it does not seek to develop the heart power of its scholars with the same solicitude with which it develops their brain power. Hence, this university has placed formation of character in youth as one of its principal objects. It will seek not merely to turn out men as Engineers, Scientists, Doctors, Theologists, Merchants, but also as men of high character, probity and honour, whose conduct through life would show that they bear the hallmark of a great university."

The University

This university was conceived as a residential university, keeping in view its objective of complete character development and thorough mentoring of students. Perhaps this is the only university in the world where courses ranging from nursery and primary school upto Doctoral/ Post-doctoral degrees are taught and pursued within a walled campus spread over 550 Hectares (1360 acres) and having majestic buildings of great architectural delight. It enshrines within its precincts, a phenomenal range of teaching disciplines incorporating almost all conceivable subjects of Science, Engineering & Technology, Medical Sciences, Humanities, Social Sciences, Commerce, Law, Education, Visual Arts. Performing Arts, Sanskrit Vidya Dharm Vigyan, Agriculture, Veterinary Sciences, Library Science, Journalism and a large number of Indian and Foreign Languages.

There are at present 5 departments receiving support under Special Assistance Programme, 7-UGC-Innovative/TRIEA/ Other Programme and 3-DST-FIST (Fund for Improvement of Science & Technology) 4 departments/schools are supported under FIST prgramme of DST. It also has four colleges admitted to the privileges of the university which are located in the city. The university also rims three schools apart from having a Kendriya Vidyalaya housed in the Campus. In addition, the Rajiv Gandhi South Campus has been established in the year 2006 in a sprawling campus of 1092.6 Hectares (2700 acres) located about 75 kms away from the main campus, at Barkachha in Mirzapur district, Uttar Pradesh.

Hallmark of Excellence

In NIRF Rankings, Banaras Hindu University has been ranked 3rd among the universities and 10th among higher education institutions in the country for consecutive 5 years. According to the 'India Today-Nielsen Survey' published in *India Today* (May 31, 2010), BHU was ranked as the First amongst all Indian Universities. These coveted recognitionswere based on rigorous analysis of various parameters like Reputation, Quality of Academic Input, Quality of Faculty, Research Publications/ Report/Projects, Infrastructure and Placement opportunities etc. During the session (2009-10), a 10 year survey published in prestigious journal Current Science placed BHU as first among top 25 Indian Universities for publishing maximum number of research papers in indexed journals. Continuous endeavors have been made to improve the range and quality of teaching and research at BHU. According to the 'India Today'-Nielsen Survey published in *India Today* (June, 2013), BHU was ranked amongst top-five Indian Universities. Other agencies have also given the University and its various Faculties/Departments similar ratings.

Institute of Agricultural Sciences

Committed to the objectives of holistic, sustainable and equitable development of agriculture and allied sciences, aimed at liberty, security and prosperity through competent human resource development by virtue of integrated approach of teaching, research and extension,determined for creation of knowledge base for the benefit of the farming community, improvement of crops/ vegetables/ fruits/ livestock/ poultry/ fish for enhanced input use efficiency & production, and commited for

IIT (BHU)

Institute of Agricultural Sciences

Institute of Medical Sciences

Sir Sunderlal Hospital

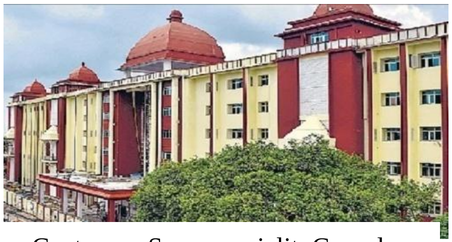

Centenary SuperspecialityComplex

Broacha Hostel

quality seed production and dissemination of proven technologies towards improving livelihood security and realizing the dream of Hunger Free Society, our achievements in Education (including Sports and Cultural activities) and Research (including Extension activities) justify the funds sanctioned, created and generated from time to time.

Air Strip

Institute of Medical Sciences & Hospital

The Institute of Medical Sciences comprises three faculties, namely, Faculty of Modern Medicine, Faculty of Ayurveda, and Faculty of Dental Sciences. It offers medical and paramedical courses at undergraduate and postgraduate levels. Through its hospitals, it caters to the clinical needs of more than 20 crores population hailing from 7 states (UP, Bihar, West Bengal, Jharkhand, Odisha, Chhattisgarh and Madhya Pradesh) and neighbouring countries like Nepal and Bhutan. More than 40% of the patients visiting the hospital are from low economic strata. At present, the hospitals have 2614 beds which includes 1385-Bed Sir Sunderlal Hospital; 180-Bed Ayurveda Wing; 334-Bed Trauma Centre; 13-Bed Dental Science; 430-Bed Centenary Super Speciality Block; 100-Bed Mother & Child Health Wing; 60-Bed Centre of Excellence for Mental Health; 12-Bed Bone Marrow Transplant & Stem Cell Research Centre and 100 Bed Regional Institute of Ophthalmology

Cyber Library

Central Library

Institute of Environment & Sustainable Development

A national-level Institute of Environment & Sustainable Development was established in the year 2010. Recruitment of faculty was done in the year 2011. Using education as a tool to achieve sustainability, the institute aims to cover education for sustainable development. Mission of the Institute is to carry out teaching, research and extension relevant to India's sustainable development leading to the future that ends poverty and delivers and sustains efficient and equitable management of the country's natural resources.

Mahila Mahavidyalaya

Institute of Management Studies

The University started Post Graduate and doctoral program in Management in the year 1968 as a Department in the Faculty of Commerce. Envisaging the increasing need for imparting quality management education and research, the University transformed the Department of Management Studies to an independent Faculty of Management Studies in the year 1984. Dedicated efforts were made to run innovative and need based programs for the corporate world under the dynamic leadership of professors of national and international repute. The Faculty has been upgraded to Institute of Management Studies in December 2015.

Central Discovery Centre

Atal Incubation Centre

Institute of Science

Established in 1916, the Faculty of Science which later on upgraded to Institute of Science as a constituent institute of the University, offers under graduate and post graduate courses besides offering Ph.D. program and several diploma and certificate courses. The Institute comprises of 13 departments, 6 Centres and 2 Interdisciplinary Schools. Equipped with advanced and sophisticated laboratories and research facilities the institute is marching ahead towards excellence in teaching, learning and research in almost all domains of basic and applied science.

Largest Residential University in Asia

Over 30,000 students from all over India and abroad are enrolled in various faculties of the university. The university has 72 hostels, having nearly 11000 inmates, with all modem amenities including internet for the students. It also has 1590 staff quarters and 7 guest houses on the campus.

Flying Training to NCC Cadets

The Banaras Hindu University is the only university which has its own airstrip and three helipads, which are used for the training of the NCC Cadets.

Library

BHU has a Central Library system having more than 15 lacs volumes apart from subscription to more than 15000 online journals, 50000 e-books , databases and a huge collection of digitalized rare manuscripts. It functions in conjunction with a chain of Departmental, Faculty and Institute libraries. In addition, BHU has a fully air-conditioned Cyber Library with a seating capacity of over 200. Newly created air-conditioned Periodical Hall provides 60 cabins for the use of faculty members and research scholars.

Shri Vishwanath Temple

ICT Infrastructure and Automation

The University has WiFi enabled campus. All the academic and administrative offices are WiFi connected. In addition, the University has 100 kilometers long fiber optic backbone of campus wide LAN, connecting all academic and administrative buildings as well as hostels with a well-equipped Computer Centre, providing high end computing and training facilities. The university has been provided three 1 Gbps nodes of National Knowledge Network (NKN) under NME-ICT. Besides these, more than 100 smart classrooms have been augmented for smoothening the online teaching and learning especiallyduring the COVID times.

The university has switched over to computer based entrance test and implemented ERP for executing all administrative and financial work, thereby moving towards paperless office.

Bharat Kala Bhawan

South Campus

The Temple

The Banaras Hindu University has a temple of Lord Shiva called Shri Vishwanath Temple. It is situated at the centre of the campus. The temple is built with white marble. Its detailed planning was done by Malaviyaji himself. The lush campus of Shri Vishwanath Temple and the beautiful gardens surrounding it are a delight to the eyes of the visitors. The interior of the temple has a Shiva Lingam, and verses from Hindu scriptures are inscribed on the walls of the temple with pictorial depiction.

Bharat Kala Bhawan

BHU has a museum of international importance - Bharat Kala Bhawan, which is a treasure trove of rare art and artifacts. The Bharat Kala Bhavan has 13 galleries having a collection of more than 1 lakh antique and rare sculptures, miniature paintings, Rajasthani, Mughal and Pahari paintings, coins, jewellery, precious stones, etc. of immense historic value and a very special literary gallery containing manuscripts of famous authors. It also has a rich library containing rare books.

Rajiv Gandhi South Campus

The Banaras Hindu University has extended its outreach by establishing its South Campus at Barkachha in Mirzapur district. The RGSC is being developed as a potential hub of education, training and entrepreneurship for youth and women, especially those belonging to tribes and weaker sections of the society. The campus is being developed by the University with a mission to enrich the lives of the population of the region by extending to them opportunities to engage in life-long learning and to benefit from the result of research.

Brand BHU

BHU is the first Central University in India which has implemented a 'Graphic Identity Programme'. Through this programme, BHU has standardized its seal, logo, bilingual logotypes, tagline, colour identity etc. This programme also includes standardization of office stationery and signage system of the campus through its Design Studio, Souvenir shop, Electronic, Web & Social media.

Major Achievements in Innovation, Research, Education and Infrastructure

- Upgradation of IMS into an AIIMS like institution
- BHU bestowed with the tag of IoE under which BHU will be funded upto Rs.1000 Cr. in coming 5years
- Establishment of 430-BedSuperspeciality Block equipped with 13 modular OTs, 50 ICUs and 19 CCUs with total outlay of Rs.200 Cr.
- Establishment of 100-Bed Mother and Child Care Wing
- Establishment of Regional Institute of Ophthalmology is at an outlay of Rs.38 Cr.
- Establishment of Bone Marrow Transplant & Stem Cell Research Centre
- Establishment of Mahamana Cancer Hospital and Research Centre with financial support of Tata Trust
- Establishment of Central Discovery Centre (100 Crore) – centralized facility housing state-of-the-art equipment and facilities for research in basic and applied sciences
- Establishment of SATHI Centre (125 Crore) - A major node of a unique interdependent ecosystem for providing centralized facilities, guidance and hand-holding for promoting innovation
- Establishment of an Incubator-Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship under the aegis of Atal Incubation Centre of NITIAayog (10Crore)
- Establishment of Vaidik Vigyan Kendra – A centre for conducting research to establish linkage between our ancient wisdom and modern knowledge
- Setting-up Roof Top Solar Power Panels in several buildings in main campus as well as in South Campus
- Construction for two new hostels and three residential quarters complex at South Campus
- Construction of AstroTurf hockey field
- Establishment of Unified Sports Complex having world class sports facilities
- Establishment of Sports Psychology Lab and Resource Room
- Construction of 300 flats for faculty members
- Establishment of Faculty of Veterinary & Animal Sciences at South Campus
- Construction of check dams for water conservation in hilly area at South Campus
- Construction of 110 Room Hostel for international students
- Strengthening of Space Science teaching and research in BHU by ISRO.
- Assistance for creation / seed infrastructure facilities at the Institute of Agricultural Sciences, BHU by ICAR.

International Chairs in BHU

- UNESCO Chair for Peace & Intercultural Understanding
- Nepal Chair
- Proposed UNICEF Chair for Child Rights

Future Vision

- Institute of Tribal and Genomic Medicine at R.G.S.C.
- Biosafety Level IV (BSL-4) facility for research on highly infectious diseases.
- Centre for Translational Research.
- Centre for Advanced Functional Materials.
- Promotion of Research on Genomics and Proteomics.
- Promotion of Studies on Indian Cultural Heritage.
- Convention Centre of 10000 seating capacity.
- International Hostel with 500 rooms capacity.

Trauma Centre

BHU Alumni

Contribution of BHU in extending the frontiers of knowledge in critical areas and in the regeneration and efflorescence of community values is well manifested through its alumni who form a great chain of distinguished personalities throughout the world occupying key positions in varied professional domains.

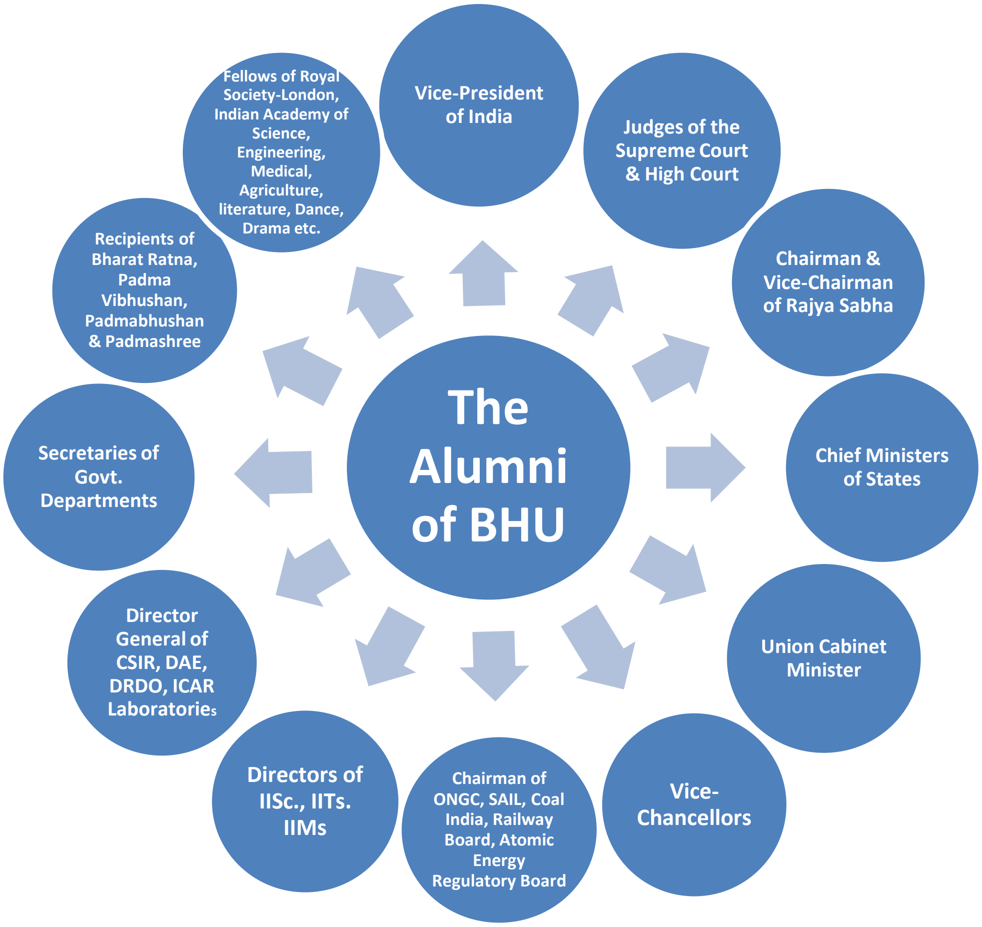

OUR VICE-CHANCELLOR

Amongst the Vice-Chancellors who steered this great University are luminaries like Mahamana Malaviyaji, Sir Sunder Lal, Dr. S. Radhakrishnan and Acharya Narendra Dev.

Sir Sunder Lal	(1.4.1916-13.4.1918)
Dr. P. S. Sivaswami Iyer	(13.4.1918-8.5.1919)
Pt. Madan Mohan Malaviya	(29.11.1919-6.9.1938)
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan	(17.9.1939-16.1.1948)
Dr. Amar Nath Jha	(27.2.1948-5.12.1948)
Pt. Govind Malaviya	(6.12.1948-21.11.1951)
Acharya Narendra Dev	(6.12.1951-31.5.1954)
Dr. C.P. Ramaswami Iyer	(1.7.1954-2.7.1956)
Dr. V.S. Jha	(3.7.1956-16.4.1960)
Justice N. H. Bhagwati	(16.4.1960-15.4.1966)
Dr. Triguna Sen	(9.10.1966-15.3.1967)
Dr. A. C. Joshi	(1.9.1967-31.7.1969)
Dr. K. L. Shrimali	(1.11.1969-31.1.1977)
Dr. Moti Lai Dhar	(2.2.1977-15.12.1977)
Dr. Hari Narain	(15.5.1978-14.5.1981)
Dr. Iqbal Narain	(19.10.1981-29.4.1985)
Dr. R. P. Rastogi	(30.4.1985-29.4.1991)
Dr. C. S. Jha	(1.5.1991-14.6.1993)
Prof. D. N. Mishra	(8.2.1994-27.6.1995)
Prof. Hari Gautam	(2.8.1995-25.8.1998)
Prof. Y. C. Simhadri	(31.8.1998-20.2.2002)
Prof. P Ramachandra Rao	(20.2.2002-19.2.2005)
Prof. Panjab Singh	(03.5.2005-7.5.2008)
Prof. D. P. Singh	(08.5.2008-21.8.2011)
Dr. Lalji Singh	(22.8.2011-22.8.2014)
Prof. G. C. Tripathi	(27.11.2014-27.10.2017)
Prof. Rakesh Bhatnagar	(28.3.2018-28.3.2021)

RECENT CONVOCATIONS ADDRESSESD BY

88th Convocation – 2006
Hon'ble President of India
Dr. APJ Abdul Kalam

89th Convocation – 2007
Hon'ble Vice-President of India
Shri Bhairon Singh Shekhawat

90th Convocation – 2008
Hon'ble Prime Minister of India
Dr. Manmohan Singh

91st Convocation – 2009
Hon'ble President of India
Smt. Pratibha Devi Singh Patil

92nd Convocation – 2010
Hon'ble Vice-President of India
Shri Hamid Ansari

93rd Convocation – 2011
Hon'ble Minister of HRD
Shri Kapil Sibal

94th Convocation – 2012
Hon'ble Speaker of Lok Sabha
Smt. Meira Kumar

Special Convocation – 2012
Hon'ble President of India
Shri Pranab Mukherjee

95th Convocation – 2013
Hon'ble Chancellor of BHU
Dr. Karan Singh

96th Convocation – 2014
Padma Vibhushan
Prof. Jayant Vishnu Narlikar

97th Convocation – 2015
Padma Vibhushan
Dr. G. Madhavan Nair

98th Convocation – 2016
Hon'ble Prime Minister of India
Shri Narendra Damodar Das Modi

99th Convocation – 2017
Bharat Ratna
Prof. C.N.R. Rao, FRS

100th Convocation – 2018
Padma Vibhushan
Dr. Raghunath Anant Mashelkar, FRS

101st Convocation – 2019
Padma Vibhushan
Dr. Vijay Kelkar

Administration

The administrative work of the University is mainly carried out by the Executive Council and Academic Council. Names of the members of these august bodies during 2020-21 are given in Annexure – I. During the period under review (2020-21) the following persons discharged their duties as statutory officers of the University.

Vice-Chancellor
Prof. Rakesh Bhatnagar (Upto 28.3.2021, F.N.)
Prof. V K Shukla (Officiating) (from 28.3.2021, A.N.)

Rector
Prof. V K Shukla

Registrar
Dr. Neeraj Tripathi

Finance Officer
Dr. Abhay Kumar Thakur

Controller of Examinations
Shri. Manoj Kumar Pandey

Dean of Student's Welfare
Prof. M K Singh

Chief Proctor
Prof. O P Rai (Upto 31.12.2020)
Prof. Anand Chaurdhary (From 1.1.2021)

University Librarian
Dr. D K Singh

1.2. Achievements during the Academic Session 2020-21

During this current session, several academic and developmental programmes were completed and new initiatives were implemented. Major achievements and initiatives during the year 2020-21 are given below.

Admissions

The new academic session started on 4th July, 2021 and 13576 new students (male 8094 female 5482) were enrolled in various UG and PG courses. The faculty-wise break up of male and female students enrolled in various UG / PG / Ph.D. courses is given in **Chapter 4.1**. 117 new foreign students (male 84, female 33) were admitted to various courses. The country-wise break up of these students is given in **Chapter 4.1.**

During this current session, 6336 Under-graduates, 4631 Post-graduates and 6 M.Phil. candidates were awarded with their respective degrees and 681candidates were awarded Ph.D. degrees. The faculty and course-wise breakup of the recipients are given in **Chapter-4.**

Academic Contributions of Faculty Members during 2020-21	
Research Paper	
National	1056
International	1902
Total	
Articles	
National	317
International	228
Total	
Books	
National	144
International	63
Total	
Monographs	**19**
Manuals	**23**
Leaflets/Others	**400**

Academic Contributions

During the period 2020-21, more than **4152**publications emanated from BHU; these include 2958 research papers (International Journals 1902; National Journals 1056) (details given in **Annexure-II**).

Honours/Awards/Recognitions

Academic contributions of BHU teachers have been variously recognized (listed in **Chapter 7**). Several teachers have been elected as Fellows of reputed Academies (i.e. Indian Academy of Sciences, National Academy of Sciences, and National Academy of Medical Sciences). Fellowship and Associateship were awarded to several teachers to undertake advanced research abroad (e.g. Alexander von Humboldt Fellowship, Germany; INSA-DFG Fellowship, Germany; Fulbright-Nehru Visiting Lecturer Fellowship). Other recognitions include office-bearers of professional organizations, Chairmanship / Presidentship of

Learned Bodies and Conferences, membership of National / International Committees, Editorship of Journals etc.

Research Projects

During the academic session 2020-21, 117 new research projects with total grants exceeding Rs.3335.09 lakhs were sanctioned. Simultaneously, 370 ongoing projects (total grants more than Rs.15900.23 lakhs) were continued. Most of the major funding agencies of the country have provided research support to BHU. Details of research project are given in **Annexure III.**

Research Projects during 2020-21				
Funding Agency	**New Projects**		**Ongoing Projects**	
	Number	**Grant Sanctioned (In Lakhs)**	**Number**	**Grant Sanctioned (In Lakhs)**
University Grants Commission	13	11723500	19	33072100
Department of Biotechnology	7	46426819	30	181297525
Department of Science & Technology	35	161144562	148	784240973
Council of Scientific & Industrial Research	3	2969500	12	10936167
Indian Council of Medical Research	7	17195540	23	49657684
CST (Council of Science & Technology)	9	14644120	10	17019621
Indian Rice Research Institute New Delhi (IRRI)	1	283320	5	4268049
Indian Council of Agriculture Research (ICAR)	2	13199954	18	65778006
Indian Council of Social Science Research	5	3888000	11	8280000
National Academy of Science (NASI) Sr. Scientist	2	200000	4	1880000
Oil and Natural Gas Corporation (ONGC)	1	500000	1	1568000
Inter University Accelerator Center (IUAC)	1	75000	2	654000
Ardent Clinical Reseaerch Services, Pune	1	46250		
Bayer Crop Science ltd.	1	876000		
CMC	1	500000		
Cristian Medical College, Vellore	1	2226930		
DAE	1	3075625	7	17081775
Dhanuka Agritech Ltd.	1	803004		
Foreign Agency	5	4178052	6	4701226
Global Health Adocacy Incubator	1	1081205		
ICHR (Indian Council For Historical Research)	1	375000	1	375000
IFMR Trust	1	798000	1	798000
IHAT (Indian Health Action Trust)	1	2331315	1	2331315
Maleriha & BBD Lucknow	1	35000		
Ministry of Education	1	4994000	1	4994000
Ministry of AYUSH	3	1670789	3	1670789
Ministry Of Defence	2	10944971	3	14948016
Ministry of Food Processing Industry	1	3251000	1	3251000

National Centre for Antarctic & Ocean Research	1	817420	1	817420
National Medicinal Plants Board	1	1890000	1	1890000
National Health Mission	1	277000	2	1231000
OSCAIL (Oscail Integrated Health Centre)	1	360290	1	360290
UP GOVT. FUND	4	20727210	4	20727210
Ministry of Earth Science	-	-	5	23315150
Indian National Science Academy	-	-	6	4340000
Collaborate Project, STRASA	-	-	4	2071583
Drug Trials	-	-	2	98156
Ministry of Culture	-	-	1	10700000
Indian Space Research Organization	-	-	5	9716000
World Health Organization	-	-	2	28175462
ICRISAT (Acclerator Programme for Agri-Tech Start-Ups)	-	-	1	2408000
Bill & Melinda Gates Foundation USA	-	-	1	31912595
G.B. Plant National Instt. of Himaylyan Environment & Sustainable Development	-	-	1	1415920
U.P. Pollution Control Board	-	-	1	2403500
International Maize and Wheat Improvement Centre (CIMMYT Collaborative Project, HYDARABAD)	-	-	2	842156
Ministry of Human and Family Health Welfare Society, NEW DELHI	-	-	2	16300000
Central Council For Research Ayurvedic Sciences	-	-	1	3958000
National Institute of Health, Bloomberg	-	-	1	1014281
UNICEF Lucknow	-	-	1	625000
Christian Medical, Vellore	-	-	2	2726930
National Mission Clean Ganga	-	-	1	6307175
Ardent Clinical Research Services, Pune	-	-	1	46250
Bayer Crop Science Ltd.	-	-	1	876000
Cankids Pvt. Ltd.	-	-	1	111000
Cliantha Research Ltd	-	-	1	71050
Dhanuka Agritech Ltd.	-	-	1	803004
Global Health Adocacy Incubator	-	-	1	1081205
Indiofil Industry Ltd.	-	-	1	390000
Krishi Vigyan Kendra (KVK)	-	-	1	850000
Maleriha & BBD Lucknow	-	-	1	35000
Ministry of Mines	-	-	1	829800
National Centre For Polar And Ocean Research (NCAOR)	-	-	1	1720000
OIL INDIA LTD.	-	-	1	500000
Rashtriya Krishi Vigyan Yojana (RKVY)	-	-	1	200000000
Synofi-Synthelab LTD.	-	-	1	49680
STRASA Rice	-	-	1	500000

Conferences

In order to assess developments in various subject areas and to provide opportunities for academic interaction, many Departments/ Faculties organized academic meets which were well attended by the outstation participants. In total 33 Conferences were organized at BHU during the session 2020-21 (details are given in **Annexure IV**).

The teachers of BHU have actively participated in Symposia/ Seminars/ Workshops, etc held in India and abroad. During 2020-21, deputations of teachers to attend various conferences in India were3 (details are given in **Annexure V**). Deputations abroad included several countries, viz. the U.S.A, Canada, South Africa, China, the U.K., Japan, Bhutan, Australia and Germany etc.

Ranking of the University:

During the session 2020-2021, the National Institutional Ranking Framework (NIRF), Government of India, Ministry of Education ranked the Banaras Hindu University 3rd among Universities and 10th in overall ranking of Institutions.

Student Centric Initiatives

- **Career Counselling Scheme:**The University has been running a career counselling scheme for the students which guides them in selecting their right career. Two consultants have been engaged full time who visit the hostels, meet the students, talk to them to discover their potentials and counsel them regularly. Talks and lectures of the persons from the reputed institutions in the field are also organized under this initiative. Training them in spoken English and interviews skills to enhance their competitive competency is also being undertaken.

- **Career Development Centre:**The Centre has been running in the university for advancing all-round career prospects and personality development of the students of the university. It is located in the Hobby Centre of the University. The Career Development Centre's major accomplishments are aligned to the Student's Affairs, Career Guidance and Counselling, Personality Development Sessions, Pre- Placement Talks, Career Drop-in Advising, Lectures on Career related activities, Workshop on identification on Suicidal Tendency among Students, Lecture in Faculty Induction Programme for Newly Inducted Faculty, Career Guidance and Interaction Session to students of Mahila Mahavidyalaya, Career Counselling Plan Preparation and Module Preparation. Besides the above, the Centre organized Personality Development Sessions, Basic Computer Sessions, C-Programming Sessions, Website Making Sessions, Cleaning Drive, Aptitude Sessions, weekly session on the Gita, Daily session on Yoga, Sessions on Entrepreneurship, Spoken English Sessions, Workshop on Group Discussion for IRDM MA students, Mock Interviews for Public Administration MA students, Sessions on UPSC preparation. In addition, the CDC has also been actively involved in Samarth Gram Abhiyan since Nov 7, 2016. Highlights of the same are field trips in villages, Krishi Sammelan, Dental Health Camp, Women Health Camp, Veterinary Health Camp and Plantation

- **Tableau Procession on the Foundation Day:** On the Basant Panchami Day, 24th January 2015, to commemorate the Foundation Day of the University, the healthy tradition of taking out tableau procession by different faculties and units of the University was resumed after a gap of about three decades. Since then, respective faculties take out their tableau procession with tremendous enthusiasm. On 30th January, 2020 our foundation day has been celebrated with full enthusiasm, representing the glorious history of classical and modern India and showcasing several episodes from the history of Indian Freedom Struggle.

- **Gender Sensitization:**Many initiatives on the social issues like Gender Sensitization, Anti-Ragging etc. have also been taken with the formation of Guidance and Counselling Cell, especially for the girl students with the active involvement of the mentors and the other members of the Anti-Ragging Squad.

- **Swimming Pool:** A common minimum sports facilities in each hostel and a New Swimming Pool has been created for engaging the students in sports in free time for their all-round development.

- **Documentary on BHU:** A documentary depicting the glorious history and achievements of BHU, avaialbale on the university website, is screened for the new entrants at the time of admission in different faculties.
- ***Gita*-Discourses:**Organization of the Gita-discourses, a unique feature of the Banaras Hindu University for the teachers and the students of the University, has been running under the aegis of the Gita Samiti. This has invigorated a culture of vibrant philosophical and spiritual deliberations on our scriptures.
- **Cyber Library Study Centre:**For the optimum utilisation of the electronic resources and to encourage self-study amongst the students, a high capacity Cyber Library Study Centre has been established. It provides access to Online Electronic Resources (Journals and Books) to students and researchers. It is equipped with 220 computer terminals, high speed internet access and can accommodate more than 200 students at a time. The BHU Cyber Library is an Online Electronic Library providing access to following online full text journals and databases, namely, Web of Science, Annual Reviews, Mathscinet, Scifinder Scholar and Cab Abstracts. It also provides access to Digital Library of India, World Digital Library, Universal Digital Library and Project Gutenberg. E-BOOKS available in the Cyber Library are Sage E-Books, Springer E-Books, Taylor & Francis, Cambridge University Press, Encyclopedia Britannica, Medical Science Resources (ERMED) and Pubmed, Engineering Science Resources, Institutional Repositories. Resources in Hindi and Sanskrit namely, Hindi Samay, Hindi Sahitya Darpan, Hindi Kavitayen, Kavita Kosh, Sahitya Shilpi, Sanskrit Thesis and Sanskrit E-Books are also accessible in the Cyber Library. The library has also launched "Library on Mobile", where the e-resources of Library have been made available in mobile format, and which can be accessed on smart-phones with internet access.
- **Counselling and Guidance Centre**: The Cell was established with the main aim to cater to the needs of the students, staff, and the families of the staff of BHU, primarily for career guidance as well as for helping them to seek solutions for their psychological, personal, and social problems. The Centre organizes workshops and popular lectures by experts for the students to enhance their personality and social skills. The Centre also conducts career counselling sessions to help the students to know the pros and cons of different streams, courses and educational options and the career paths; thus, students can make an informed choice, and get a career assessment that helps avoid the risk in making career decisions. It can boost the morale and confidence and give new directions to students. Further, the Cell provides wide variety of services for the students of BHU such as Educational & Vocational Guidance, Psychological Counselling Services and Awareness & Educative Progammes.
- Digital Resource Centre in Sayaji Rao Gaekwad Library (Central Library) BHU for Visually Impaired Students. TheCentre has been developed with most modern high-tech computerized services for Visually Impaired Students of BHU. The Centre has developed digital edition of 525 books in audio format. In addition to that, Visually Impaired Students can read and hear the books in audio format directly with the help of scanner on computer screen without audio recording.

Development of New Facilities

- The Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University is being upgraded to an AIIMS like institution This upgradation of IMS and Sir Sunderlal Hospital to an AIIMS like institution certainly enabled it to extend more upgraded and latest healthcare services to the people of the region of eastern Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, Chhatisgarh, Madhya Pradesh, West Bengal and Nepal.
- BHU has been bestowed with the tag of Institute of Eminence by MHRD under which it will be funded up to 1000 Crore for development of infrastructure and facilities.
- A 430-Bed Centenary Super Speciality Hospital at an outlay of Rs. 200 Crores under PMSSY scheme has been established. The Super speciality Complex is equipped with modern medical equipment and facilities with 13 modular OTs, 50 ICUs and 19 CCUs. It is having 11 major super speciality disciplines of medical sciences.

Presently this Hospital is being used as Level 3 Hospital for extending health care services to the COVID 19 patients.

- A Central Discovery Centre (CDC) at an outlay of 100 Crore has been established. The Centre is being equipped with the state-of-the-art equipment and facilities for research in basic and applied sciences to give a fillip to the cutting age research in the University. This initiative brings an opportunity to team together to develop and deploy new technologies, and provide high quality analytical services for which Indian industry depends on institutions abroad.
- A SATHI Centre at an outlay of Rs. 125 Crore is being established in the Central Discovery Centre to create a major node of a unique interdependent ecosystem to nurture innovation, entrepreneurship and start-ups under one roof. The centre will provide centralized facilities, guidance and handholding for promoting innovation in BHU and to the motivated researchers of other institutions of the region.
- A BIONEST sanctioned by BIRAC at a cost of Rs. 6 Crore is being established in the University which will incubate Biotechnology companies.
- A prestigious Atal Incubation Centre has been established under the aegis of NITI Aayog. This incubator has been set up to encourage youth, women and other entrepreneurs to find solutions to the real problems, promote startup businesses, create job opportunities and assist Government of India’s vision of Start Up India. The incubator is working for execution of Start-up India mission especially in the area of technology, smart cities, clean water, green technology, waste management, citizen services, defence and other areas for social inclusiveness, innovation and job creation. At present, 20 people are being incubated in the centre.
- A VaidikVigyan Kendra has been established with mandates to conduct research on establishing linkage between our ancient wisdom and modern knowledge besides re-establishing the wide vicinity of Veda and its impact on creating our understanding of modern science and technology.
- A Regional Institute of Ophthalmology is being established at a cost of Rs. 38.58 Crore, has been established. This institute will prove to be a boon for the people in terms of eye care services.
- A new 100-Bed Mother and Child Care Wing is being established in our Sir Sunderlal Hospital. It will certainly cater the need of the best maternity health care facility.
- A Bone Marrow Transplant and Stem Cell Research Centre has been established. Recently a transplantation has been performed successfully on a Cancer Patient.
- Faculty of Veterinary and Animal Sciences has been established in the South Campus. The faculty is consisting of two academic complexes, one lecture theatre and a Teaching and Veterinary Clinical Complex. The faculty now fully functional and committed towards conducting teaching and research besides providing medical facilities to the animals especially to the rural areas.
- In Rajiv Gandhi South Campus, Barkacha, three residential quarters complex which includes warden quarters and faculty member’s quarters and two hostels namely Himadri Girls Hostel and Kailash Boys Hostel has been inaugurated.
- University has started running Vocational Courses under DDU Kaushal Kendra in our South Campus which includes B.Voc and M.Voc. courses in Fashion Technology, Tourism Management, Travel and Logistic Management, Medical Lab Technology etc.
- Roof-top PV Panels have been installed in several buildings which are generating surplus electricity. University has signed an MoU with Solar Energy Corporation of India Ltd. for the installation of Solar Power Plant and establishment of Green Energy Centre for research in this area.
- 300 flats have been constructed for the faculty member and construction of 300 more flats is underway. This will cater the need of housing to the faculty members and will help us in attracting quality faculty.
- Two Girl's Hostels of 428 rooms are also being constructed.
- An AstroTurf Hockey field at an outlay of 8.33. Crore has been constructed for encouraging students towards sports.
- Established a Sport Psychology Lab and Resource Lab in Department of Physical Education.

- A 110 room hostel for international students is under construction and will be completed soon. This will help us to attract international students which will apparently help us to make our international ranking better.
- Augmentation of 125 Smart Classrooms under Institution of Eminence Scheme. More than 75 Smart Class Rooms have been augmented
- ERP has been implemented for automating its administrative and financial Process and Office Works, through the software generously provided by the Tata Consultancy Services, Tata Trust at free of cost.
- From the academic year 2019 University has switched over into Computer Based Test for conducting entrance test of under-graduate and postgraduate courses. This year entrance examinations have been conducted in more than 200 cities of the country.
- We have done Selection Committees for 526 Faculty Positions. Besides these we have been able to recruit 10 Group A Officers and 1270 nonteaching employees (Group B and Group C).
- University has signed MoUs with several foreign institutes and universities for academic collaboration, faculty and student exchange, exchange of study materials and research outcomes
- Prof. C N R Rao Rotating Professorship for Excellence in Research and Sangria Rotating Chair for Industry Oriented Research has been instituted in our Institute of Science. For instating the Professorship and Chair, Prof. C N R Rao and Sangria Group respectively have given donation of Rs. 30 Lacs each

Extension and Outreach:

- **Establishment of Community Development Cell:** The University has created a Community Development Cell which has adopted five nearby villages to develop them as model villages on identified parameters. The cell is also committed to national programmes such as, Swachh Bharat, Swasth Bharat and skill development.

- **Launch of Samarth Gram Abhiyan:** The University has launched Samarth Gram Abhiyan under the Government of India's flagship scheme – Unnat Bharat Abhiyan. As part of the Abhiyan, 100 villages of Vidyapeeth Block have been selected. The main objective of the Abhiyan is to educate the villagers about importance of education, cleanliness, health, organic farming, plantation, health of domestic animal, kitchen garden, water management, environmental awareness and legal issues to make them self-sustainable and self-reliant. Activities under the Samarth Gram Abhiyan are undertaken by the students and faculty members of the University. During the period under report, several activities were conducted in the identified villages by the Samarth Gram Abhiyan team. Some of the salient activities are –Base line Survey, Workshop, Training in Weaving, Sewing and Embroidery for village girls, Jaivik Krishi Sammelan, Programme conducted by NSS, Veterinary camps, Dental health camps, ENT medical camps, Health check-up camps for women, Seed distribution for kitchen garden, Plantation of Mango, Lemon, and Amla Plants, Yoga Classes for the villagers, Street play on importance of education and health.

International Cooperation

During the period under report, many delegates of the foreign countries visited Banaras Hindu University. The university has signed Memorandum of Understandings with many Universities and Institutions abroad including the USA, Japan, Spain, Nepal, Mauritius, etc.

University-Industry Partnership Cell:

In order to make higher education and research more relevant to the society and economy, a Business Cell has been established in the university. The concept of the Business Cell revolves around the fact that while, on one hand, the industry should provide inputs for the direction which the research in the university should take, on the other hand, the technologies/products/processes developed by the university through research are to be adequately marketed, so that, industries absorb them and innovations are put to public use. The Business Cell is mandated to provide guidelines for development of relevant technology, transfer of technology, business development and promotion of industry-academia interactions. The university has entered into MoUs with Arvind Remedies Pvt. Ltd, for teaching courses,

undertaking research and for commercial exploitation of the research products developed by the faculty members of the university. The university is also working on entering into an MoU with SEBI, NSE and Axis Bank and other industrial organisations.

Strengthening Grievance Redressal Mechanism

A Centralized Grievance Cell has been created in the Central Office headed by a Deputy Registrar to function as a Liaison Officer of all the Grievance Committees. The Cell is aimed to address all grievances. The cell has been equipped with sufficient staff to provide adequate managerial and secretarial support to all the Grievance Committees as well as maintain the records of the Grievance Committees. An Anti Discrimination Officer has been appointed.

Important Meetings

Executive Council Meetings

May 7, 2020 (By circulation)
July 15, 2020
July 31, 2020 (By circulation)
August 16, 2020 (By circulation)
August 30, 2020
September 23, 2020 (By circulation)
November 1-2, 2020
November 17, 2020
January 1, 2021

Academic Council Meetings

November 4, 2020
April 4, 2020 (By circulation)
August 8, 2020 (By circulation)
September 9, 2020 (By circulation)
November 11, 2020 (By circulation)
December 11, 2020 (By circulation)

Finance Committee Meeting

May 5, 2020
June 20, 2020
October 29, 2020
December 11, 2020

Faculty Meetings

Faculty of Arts	09.01.2021; 15.03.2021
Faculty of Medicine	08.10.2020; 23.01.2021
Faculty of Social Sciences	03.03.2021
Faculty of Agriculture	15.01.2021
Faculty of SVDV	16.01.2021; 26.03.2021
Faculty of Dental Science	12.10.2020

Academic Composition of the University

A. Institutes

Institute of Medical Sciences
Institute of Agricultural Sciences
Institute of Environment & Sustainable Development
Institute of Management Studies
Institute of Science

B. Faculties

Agriculture
Arts
Ayurveda
Commerce
Dental Science
Education
Environment and Sustainable Development
Law

Management
Medicine
Performing Arts
Sanskrit Vidya Dharma Vijnan
Science
Social Sciences
Visual Arts
Veterinary & Animal Sciences

C. University College

Constituent College: Mahila Mahavidyalaya (Women's college) located inside the campus.

D. Inter-Disciplinary Schools

School of Biotechnology
School of Life Sciences

E. Centres

Genetic Disorders
DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
Nepal Centre
Women Studies & Development
Malaviya Centre for Peace Research
Integrated Rural Development
Social Exclusion and Inclusive Policy
Malaviya Mulya Anusheelan Kendra
Bharat Adhyayan Kendra

F. Schools Maintained by the University

Central Hindu School
Central Hindu Girls School
Ranveer Sanskrit Vidyalaya

G. Colleges Admitted to the Privileges of the University

Arya Mahila P.G. College
D.A.V. P.G. College
Vasanta College for Women (Rajghat)
Vasant Kanya Mahavidyalaya

UGC-SAP: DRS, DSA & CAS Programmes

A.Special Assistance Programme (Level)

- Chemistry (CAS-II)
- Geology (CAS-II)
- Psychology (DRS-II)
- Zoology (CAS-VI)
- Botany (CAS-VI)

B.Other UGC recognized Centres/Programmes

- National Facility for Tribal and Herbal Medicine (NFTHM)
- Centre for Women's Studies and Development, Faculty of Social Sciences
- Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy, Faculty of Social Sciences
- Centre for Study of Nepal, Faculty of Social Sciences
- Faculty of Science – Strengthening Space Science activities in Universities (ISPO), Department of Physics.
- DST- Mahamana Centre of Excellence in climate Change Research- Institute of Environment and Sustainable Development.
- Vedic Vigyan Kendra

C. DST-FIST Programme

(Fund for Improvement of Science & Technology Infrastructure Programme (FIST) in University and Higher Educational Institutions)

- Anatomy, IMS
- Chemistry
- Zoology
- Geology

ACADEMIC OGRANS OF THE UNIVERSITY

2.1. MAIN CAMPUS

2.1.1. INSTITUTES

2.1.2. FACULTIES

2.1.3. MAHILA MAHAVIDYALAYA

2.1.4. CENTRES OF STUDIES

2.1.5. SCHOOLS

2.1.6. BHU LIBRARY SYSTEM

2.1.7. UGC ACADEMIC STAFF COLLEGE

2.1.8. MALAVIYA BHAWAN

2.1.9. BHARAT KALA BHAWAN

2.2. SOUTH CAMPUS

2.3. COLLEGES ADMITTED TO THE PRIVILLEGES OF THE UNIVERSITY

2.1.1.1. INSTITUTE OF AGRICULUTURAL SCIENCES

The Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University, has completed its glorious journey of 90 years with significant contributions in making hunger free India. The Institute assumed different names and finally in 1981 got elevated to the status of Institute of Agricultural Sciences aiming at integration of teaching, research, extension and development in the field of agriculture. In fact, this Institute was the first to have been established as an Institute of Agricultural Research offering M.Sc. and Ph.D. degrees. The undergraduate teaching started in the year 1945 and it was renamed as College of Agriculture under the Faculty of Engineering. In 1968, the College of Agriculture became an independent Faculty of Agriculture. Subsequently, six departments *viz.* Plant Physiology, Agronomy, Genetics & Plant Breeding, Soil Science & Agricultural Chemistry, Plant Pathology and Agricultural Economics were created in the year 1969. The departments of Horticulture, Entomology and Agricultural Zoology were added in 1971, while Extension Education, Animal Husbandry and Dairying and Farm Engineering were added in the year 1981. Centre of Food Sceince and Technology (CFST) was established in 2008 and became integral and permanent part of the Institute in 2016.

In 2019, Centre of Food Sceince and Technology was merged with Department of Animal Husbandry and Dairying and renamed as a single Department of Dairy Science and Food Technology. Keeping in view the requirement of human resources and specialized demand of 21st century, during post 2006, the Institute started 11 new specialized cources *viz*. Master of Agri Business Management (MABM), M.Sc. (Agro forestry), M.Sc. in Plant Biotechnology, M.Sc. in Soil & Water Conservation, M.Tech. in Soil & water Conservation, M.Sc. & Ph.D. in Food Science, Ph.D. in Agril. Statistics, Soil & Water Conservation and Post Harvest Management and one Diploma Course in Seed Production and Marketing.

Presently, the Institute has two faculties *viz*. Faculty of Agriculture and Faculty of Veterinary and Animal Sciences. Faculty of Veterinarinary and Animal Sciences got its accreditation from the Vereniary council of India.

In the academic session 2020-21, for admission to B.Sc. (Hons.) Ag. more than 80000 candidates were appeard in the national level entrance test conducted by the Banaras Hindu University. For admission to M.Sc. (Ag.), 10000 candidates appeared in the entrance test. On an average, more than 600 applicants appeared against one seat in B.Sc. (Hons.) Ag. Five newly appointed faculty members in Faculty of Agriculture and 11 new faculty in Faculty of Vetrinary and Anima Sciences have joined during2020-21.A total of 695 students (including total present strength of 11600 are getting one or the other Research fellowships/ Scholarships etc. sanctioned by the different national agencies.

During the acadmic session 2020-21, the faculty members of the Institute has published 211 and 149 research papers in national and international peer revied journals respectively, along with 28 books and 50 book chapters. There are 123 research projects running in the institute funded by different national and international agencies.

2.1.1.2. INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

The Institute of Medical Sciences (IMS), comprising Faculties of Medicine, Dental Sciences, and Ayurveda and College of Nursing, has come along way since its inception. Starting as Department of Ayurveda in 1922 in the Faculty of Oriental Learning and Theology, then as a separate Ayurvedic College in 1927, it was finally converted into the College of Medical Sciences in 1960. It was subsequently upgraded as the Institute of Medical Sciences in 1971 by the UGC. Bifurcation into Faculty of Medicine and Ayurveda took place in 1978. Thereafter, the Institute has grown remarkably toreach the present status. Presently, this Institute is theunique medical institution in the country having four full-fledged constituents, namely, Faculty of Medicine, Faculty of Ayurveda, Faculty of Dental Sciences, and College of Nursing besides having associated hospitals comprising of total 2614 beds which includes 1385-Bed Sir Sunderlal Hospital; 180-Bed Ayurveda Wing; 334-Bed Trauma Centre; 13-Bed Dental Science; 430-Bed Centenary Super Speciality Block; 100-Bed Mother & Child Health Wing; 60-Bed Centre of Excellence for Mental Health; 12-Bed Bone Marrow Transplant & Stem Cell Research Centre and 100 bedded Regional Institute of Ophthalmology.

The Faculty of Medicine came into existence withthe starting of MBBS course in 1960. Postgraduate courses in Modern Medicine were started in 1963 and at present MD/MS courses with 168 seats are runningin the Institute. Super-specialty courses like DM/MCh were started in 1976 and at present these courses are running in 11 super-specialties with 21 seats.Fellowships courses, comprising of 49 seats, are running in the Departments of Anesthesiology, Pediatrics, Surgical Oncology, General Surgery, Radiodiagnosis and Imaging, Geriatric Medicine and Cardiothoracic and Vascular Surgery. Postgraduate Diploma courses for training of paramedical personnel are running in the Departments of Pathology, Nephrology and Radiotherapy & Radiation Medicine.

The Faculty of Ayurveda is one of the oldestfaculties of the university. Presently, BAMS, MD/MS, PG Diploma and Certificate courses arerunning under the Faculty of Ayurveda. It is worth mentioning that this is the only Faculty of Ayurveda in the Country providing Postgraduate Degree in 15 specialties. A medicinal plant garden is being maintained in 10 acres having more than 200 medicinal plant species, under the

Department of Dravyaguna. The Department of Rasa Shastra maintains a herbarium and crude drug museum containing 450 herbarium specimens. The Panchakarma in Ayurveda provides holistic care for various diseases. The Ksharasutra unitunder the Department of Shalya Tantra provides yeoman service to patients suffering from ano-rectal diseases.

Dentistry was started in 1962 as a unit of the Department of Surgery for teaching of MBBS students.The Department of Dentistry came into existence in October 1971 and the MDS (Operative Dentistry) course was started in 1979, with intake of two students. MDS (Prosthodontics) course was started in 1988 with intake of one student per year. In Sept. 2005, the Department of Dentistry was upgraded to Faculty of Dental Sciences and is now functioning ina new building at Sthapana Sthal of the University. The BDS course was started in 2008 with an intake of 25 students. Now, the number of intake has increased to 50 students. Presently, every year, 12 students are enrolled in different MDS courses.Two diploma courses - DDM & DDZH are also running in the Faculty.

Super Speciality Block

Through its 1585-Bed Sir Sunderlal Hospital (S S Hospital) and 334-Bed Trauma Centre the Institute of Medical Sciences is extending world class health care facility to the poorest of the poor mass of the region which include the populations of Eastern U.P. & seven neighboring states and adjoining country Nepal. There is separate Staff Health Centre and Student Health Care Complex to provide medical facilities to staff and students, respectively.The Institute of Medical Science is being upgraded into an AIIMS like institution. Under this endeavor, a 430 bedded Centenary Super-Specialty Block has been established for advanced specialized treatment. The Super-Specialty Block is equipped with modern medical equipment and facilities with 13 modular OTs, 50 ICUs and 19 CCUs. It is having 11 major super specialty disciplines of medical sciences. It has a modernblood bank with component separation facilities. It has been rated as 'A' grade by NACO, New Delhi. Amobile blood bank van is being utilized for patient service.

Mother & Child Health Wing

The other newly established health care facilities are 100 Bed Mother and Child Health Wing, 100-Bed Regional Institute of Ophthalmology, 12-Bed Bone Marrow Transplant & Stem Cell Research Centre and 60-Bed Centre of Excellence for Mental Health, which were recently inaugurated by the Honorable Prime Minister of India, Shri. Narendra Modi Ji. All these units have started functioning.

Regional Institute of Ophthalmology

The Institute provides advanced teaching, training and research facilities to the students admitted to various courses. Fully equipped Labfacilities in various departments are available for teaching and research programmes. Inmates of the Hostels have also been provided computer and Internet facilities.

A full-fledged Department of Geriatric Medicinehas been created in the Institute for the proper medicalcare of elderly population. The Regional Resource Centre – Telemedicine is functioning in the Institute with the

purpose of promoting tele-education, tele-consultation with facility of an ultra modern high-tech classrooms.

During this period, various eminent visitors fromIndia and abroad visited different departments of theInstitute. Some of them are – Dr. Christin Petersen, Dr. Jenefer Blackwell, Dr. Mary E. Wilson, Dr. Ariana Sniders, Dr. Cajsa Classon, Dr. Oliva Gaetano, Dr. Edgar Rowton, Prof. Seema Kapoor, Dr. Joan Keutzer, Prof. Neeraj Kumar, Prof. Manjari Tripathi, Prof. Sharad Chandra, Prof. Sanjay Gupta, Dr. Praveer Sen, Vd.Balendu Prakash etc.

Major Achievementsof the Institute

Faculty of Medicine

- Faculty members of Faculty of Medicine have been able to attract more than 35 Research Projects funded by various funding agencies like DBT, DST, ICMR, GHAI etc.
- Prof Sameer Trivedi, Department of Urology, has been awarded with Economic Times Inspiring Urologist in India Award
- Prof. D. Dash, Department of Biochemistry has been awarded with OPPI Scientist of the Year Award (2020) by the Organization of Pharmaceutical Producers of India and Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India, for outstanding research contributions having commercial potential. He has also been awarded with 'Dr Yellapragada Subba Row Memorial Lecture Award' by Indian National Science Academy (INSA) for outstanding contribution in medical sciences. Prof. Dash has become an elected fellow of theNational Academy of Sciences, India, Prayagraj (FNASc).
- Dr Kumar Sarvottam, Associate Professor, Department of Physiology, has been awarded with Reviewer's excellence award by DRDO.
- Dr. Hanjabam Barun Sharma, Assistant Professor, Department of Physiology has been awarded with Dev Raj Bajaj research Award by Association of Physiologists and Pharmacologists of India.
- Dr. Anand Kumar, Assistant Professor, Department of Neurology, has been awarded with the American Academy of Neurology (AAN) International Scholarship 2020 by American Academy of Neurology
- Dr. Prachi, JR-3, Department of General Medicine has been bestowed with TORRENT Young Scholar Award.
- Dr. Ankita Pandey, Dr Shreya Singh, Dr Neha Lall Junior Residents of the Department of Radiotherapy and Radiation Medicine have been awarded with 2nd prize, 1st prize and 1st prize in poster presentation respectively at OFCON 2020.
- Dr Ankita Singh, Junior Resident of the Department of Radiotherapy and Radiation Medicine has been awarded 1st prize in ICRO Quiz at 37th ICRO PG teaching programme.
- Prof. C P Mishra, Department of Community Medicine has been elected as Member Task Force on Development of Psychological First Aid (PFA) for neglected Tropical Diseases, by WHO.
- Dr. Dharmendra Jain has been awarded with Fellowship of The Society of Cardiovascular Angiography and Interventions(FSCAI)
- Dr. Rajon Jaishy, JR – III, Department of Psychiatry, has been awarded 1st prize in PG free paper presentation in the 1st annual digital conference of IPS UP state branch.
- Dr. Deepak Mishra, Department of Ophthalmology has been awarded Best Physical Paper Award in the Annual Conference of All India Ophthalmological Society and Best Physical Podium Presentation in Community / Social Ophthalmology & Comprehensive Ophthalmology in the Annual Conference of AIOS.
- Prof. Manoj Pandey, Department of Surgical Oncology, received IMA President Award for his services during COVID.
- Dr. Ashish Verma, Department of Radiodiagnosis, has become the Fellow of Indian College of Radiology.
- A team of faculty members of Department of Anesthesiology has won 1st and 2nd Prize in ISA UP State Conference 2020.

Outreach Programmes

- Department of Geriatric Medicine - Health camp organized on International Day of Older Persons at old age homes in Varanasi. Distribution of masks and sanitizers was done in collaboration with Varanasi district administration
- Department of Psychiatry Faculty of Medicine - Mass awareness programme, Psychiatric counseling group for patient of Covid associated mucormycosis, Counselling of students under UGC and Adolescent clinic once in a week.
- Department of Ophthalmology Faculty of Medicine - AIOS ARC Pan Indian Diabetic Retinopathy project (Course Coordinator: Prof M.K Singh and Dr. Deepak Mishra central coordinator)
- Department of Community Medicine - Organized several outreach programmes following Covid-19 guidelines in the field.
- Department of Surgical Oncology Faculty of Medicine - Zoom classes

Faculty of Ayurveda

- The Faculty members of Faculty of Ayurveda have been able to attract more than 10 Research Projects funded by various funding agencies like AYUSH, DST, CSIR UGC etc.
- Prof. J.S.Tripathi, Dept. of Kayachikitsa, has been awarded with Ma Varuna Mahotsava Smriti Samman by Rastriya Manavadhikar Raksha Board & Vishva Guru Bharat Parishad, Varanasi
- Prof. Rajendra Prasad, Dept. of Kayachikitsa, has been awarded with Ayurveda Shiromani Award by All India Ayurvedic Specialist (PG) Association, New Delhi

Outreach Programmes

- **Department of Sangyaharan Faculty of Ayurveda**–Organized Free Health Camp on 21.03.2021 at Bachaubeer Mandir Seergobardhanpur Varanasi.
- **Department of Kayachikitsa Faculty of Ayurveda**–Faculty members have served as member of VisitingCommittee to assess the Basic information of SNSK Ayurvedic Medical College for the Sanctioning of BAMS Course. The Committee was setup by Ministry of AYUSH, New Delhi.

Faculty of Dental Sciences

- The faculty members of Faculty of Ayurveda has been able to attract more than 10 Research Projects funded by various funding agencies like AYUSH, DST, CSIR UGC etc.

Outreach Programmes

- Faculty of Dental Sciences - Conducted two oral health education and cancer screening camps.

College Of Nursing

The School of Nursing was upgraded to the College of Nursing for starting 4-year B.Sc. Nursing course started from the session 2009-2010, with an annual intake of 60 students. The students have participated in different academic and social activities including sports and received various prizes.

Projects running in the College of Nursing

The objective of this project is to strengthen the College of Nursing, BHU for enabling it to act and assume responsibilities of the state Nodal Centre for improving pre-service education for nursing midwifery cadre in the state of Uttar Pradesh.

There is one state Nodal Centres of Excellence in the UP state. The College of Nursing, IMS, BHU is selected as a state Nodal Centre. The College is receiving funding from National Health Mission and Technical support from Jhpiego for strengthening the Nursing College and establish it as state Nodal Centre.

The Faculty Members of College of Nursing delivered Guest Lectures and participated in various Conferences.

Trauma Centre

The Trauma Centre of the Banaras Hindu University is the biggest Trauma Centre of the country. It has 334 beds with 27 bedded modern ICU, centrally air-conditioned with centralized distribution of gases & vacuum with 10,000 litre liquid oxygen plant, 13 modular operation theatres, Outdoor facility (Orthopedics, Plastic Surgery) and indoor facility (Neurosurgery, Orthopedics , Plastic Surgery), 24 hr emergency services, ATLS & ACLS trained personnel, Advanced resuscitation equipments, Round –the- clock imaging facility (128 slice CT scan, 1.5 T MRI, USG, X-ray), blood bank facilities, 225 seats modern auditorium for academic activities and 24 hr ambulance services.

Health Care Facilities extended by IMS, BHU during COVID-19

The Super Specialty Hospital of the Institute of Medical Sciences has been serving as Level 3 COVID Hospital wherein upto 469 beds (133 ICU and 336 HDU) have been extended for COVID Patients with separate clinical investigation facility along with other facilities like dialysis, gynecological and cardiac intervention etc. Till July 2021, 4094 COVID patients have been admitted in BHU out of which 2630 got discharged. It has also been extending health care services to the patients of Mucormycosis (Black Fungus). Till July 2021, 256 patients of Mucormycosis have been admitted out of which 44 got recovered and discharged and operations of 152 patients have been performed.

The Institute of Medical Sciences have been extending 24 X 7 COVID Sampling and Testing Facility through its VRDL Lab and MRU Lab. Samples of 10 districts are being tested these two labs. Till July 2021, 19,45,345 samples have been tested out of which 1,19,189 (6.13%) samples have been found positive. In order to study variants of COVID, Gene Sequencing of COVID positive samples are also being performed in MRU Lab. More than 215 samples have already been processed and tested

Under COVID Vaccination Programme, Vaccination Booths have been instituted at Doctors Lounge, S S Hospital and Dental Science Building. Till date, more than 1.05 Lacs doses of Vaccine has been administered.

2.1.1.3. INSTITUTE OF ENVIRONMENT & SUSTAINABLE DEVELOPMENT

The UN General Assembly in its 57th Session in December 2002, proclaimed the period 2005–2014 as Decade of Education for Sustainable Development (DESD). DESD visualized that education for sustainable development will develop and strengthen the capacity of individuals, groups, communities, organizations and countries to make judgments and choices in favour of sustainable development. In accordance with the UN visualization that higher education should contribute significantly to the development of appropriate knowledge and competences in the area of sustainable development, Banaras Hindu University established a nation-level Institute of Environment & Sustainable Development in the year 2010. Recruitment of faculty members was done in the year 2011. Currently the Institute has Five (05) Professors, One (1) Associate Professor and eight (08) Assistant Professors.

The Institute aims to cover education about and for sustainable development. Mission of the Institute is to carry out teaching, research and extension relevant to India's sustainable development leading to a future that ends poverty and delivers and sustains efficient and equitable management of the country's natural resources.

The objectives of the Institute

1. Increase, improve, and deliver environmental and sustainable development education
2. Work in interdisciplinary approach mode to increase the level of environmental management and sustainable development education
3. Conduct research on sustainable social and economic development issues at community level and contribute in the enhancement of public awareness of issues and challenges of sustainable development
4. Create a discussion forum to provide a better understanding of environmental and social problems in the context of sustainable development, stimulate scientific discussion and develop policy relevant approaches and analysis for decision makers
5. Work with government agencies and departments to develop a national policy and implement sustainable development initiatives.

Teaching Programmes

Institute contributes to interdisciplinary education in the areas of environment and sustainable development. Faculty of Environment and Sustainable Development has introduced Integrated M.Phil.-Ph.D. programme from the academic session 2012-13. Besides in main campus, the Institute has been running various courses like M.Sc. Environmental Science & Technology at its South Campus. Recently, the Institute has started three new M.Sc. Environmental Sciences program with specialization in Environmental Biotechnology, Ecological Sciences and Earth and Atmospheric Sciences since July 2018 that was approved by ECR No. 46 dated 26.11.2018. Apart from teaching, the faculty members of IESD participate in the Dissertation guidance in M.Sc. Geophysics, M.Sc. Environmental Science, M.Sc. Environmental Science & Technology and M.Sc. Applied Microbiology courses of various faculties at Banaras Hindu University and other national/International Universities.

Research Programmes

The Institute conducts interdisciplinary and collaborative research to design, asses and manage systems that meet societal needs in a more sustainable manner. The priority research areas where the faculty members of IESD are focusing, include Earth and Atmospheric Sciences, Ecological Sciences and Environmental Microbiology, Sustainable Agriculture. In addition of the continuation of research projects, IESD faculty members have been able to attract 5 new research projects during the academic session 2020-21. Major funding for these projects have been received from Government of India sponsoring agencies such as DST, SERB, MOEF and CC, MoWR, DST and Ministry of External affair, UGC-Israel Science Foundation, BRNA (DAE) and other National / International agencies.

The faculty members of the Institute have published 173 research papers during 2020-21, which include 111 research and review papers (6 National and 105 International), 6 National article, 18 International article, 28 book chapters, 1 policy report-IUCN, and 9 books (1 national & 8 International) in peer reviewed reputed high impact journals and books.

Outreach and Extension

Through its outreach activities, the Institute engages a variety of stakeholders in promoting sustainability, including community level demonstration projects, training programmes, conferences, workshops and seminars, etc. The Institute also strives hard to develop factsheets, status reports and educational resources and contribute towards policy making.

Seminar / Conference / Workshop Organized by the IESD

- The Grand Finale of Smart India Hackathon 2020, a software edition of Ministry of Human Resource Development, has been organized during 01-05 August, 2020 in BHU.
- A conference entitled "Mahamana's Indian vision in Global Context" has been organized during 09-11 May, 2020
- A National Webinar on Jagkrupta Abhiyan for COVID-19 Pandemic has been organised on 12 January 2021with finical support of NASI, Allahabad.

Details of research facilities available for students

The IESD has a central instrumentation lab which is equipped with major instruments like Gas Chromatography, HPLC, Solar Photovoltaic Training Kit, UV-Visible Spectrophotometer, thermal cycler, Electrophoresis System, aerosol Sampler, Fume Hood, Ion Chromatography, AAS, Photosynthesis meter, Gel-Doc, Kjeldahl for Nitrogen, Automatic digestion, Micro-pipette, P^H meter, EC meter, conductivity meter, Flame Photometer, Microscope attached with Camera, Micro-weighing balance, High Power Computing System (HPC) High end server, Solid phase extraction, Cooling Centrifuge, Deep Freezer (-80^0C), Nano drap, BOD Shaking Incubator, High power rotary Shaker, Haemocytometer, Ion Chromatography, TOC Analyser, GC-MS, Auto-Titrate, Bio aerosol Sampler (viable impactor), Continuous Ambient Air Quality Monitoring (CAAQM) System, Automatic Weather Station (AWS), Plant Growth Chamber, for the students and faculty members of IESD and other faculties of BHU.

2.1.1.4. INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

The University achieved another milestone towards materializing the dreams of its great founder, when it started Post Graduate and doctoral program in Management in the late 1960s, precisely in the year 1968 as a Department in the Faculty of Commerce. Envisaging the increasing need for imparting quality management education and research, the University transformed the Department of Management Studies to an independent Faculty of Management Studies in the year 1984. Dedicated efforts were made to run innovative and need based programs for the corporate world under the dynamic leadership of professors of national and international repute. The Faculty has been upgraded to Institute of Management Studies in December 2015.

Teaching and Research Program

Considering the changing requirement of the corporate world, the Institute conducted a variety of innovative management programs. Besides doctoral program in management, the Institute offers a two year full time Master of Business Administration. In order to facilitate the aspirants who are already in job, the Institute offers part time (three year) degree program in management studies (Master of Business Management). In addition, the Institute also offers one year part time Post Graduate Diploma in three different disciplines of management viz., Personnel Management, Marketing Management and Financial Management for working executives.

With continuous revision of curriculum and innovation, the Institute has always been grooming managers capable of handling complex business operations of the day and future. After being upgraded to Institute of Management Studies in December 2015, the Institute is working on a variety of proposals to launch collaborative and innovative academic programs including MBA in Hospital Management, MBA in Hospitality Management, integrated programs such as B.Tech.– MBA, B.Sc. MBA, Executive MBA etc.

The faculty members of the Institute of Management Studies have also been granted 9 new research projects funded by various funding agencies.

Collaborations with Corporate World

Institute is having strong linkages with corporate world. Institute has made constant efforts to invite top business executives to our Faculty for delivering guest lectures on topical issues and for interactions with our students and

faculty members. Further, senior executives from industry have always been part of our key resource persons in various academic events being organized by the Faculty viz., year-long lecture series, Seminars, Conferences, Workshops, Brain Storming Sessions, FDPs, MDPs and in other training programs. These academic interactions and lectures always contributed strengthening the teaching learning process in the Faculty. Institute has been receiving enriching suggestions and support from the industry in the process of curriculum revision.

Practical Training, Dissertation & Placement

As part of the course curriculum, the students of Institute are being engaged in 8-week practical training during summer every year. In their dissertation project, our students receive great support and guidance from the industry in completing their projects successfully. Campus Placements are another important area of corporate linkages. Several reputed public and private sector organizations which includes Reserve Bank of India, ICICI Bank, Coal India Ltd, DHL Express, Pantaloons, Infosys, FINO, Bank of India, Dena Bank, Indogulf, ICRM, IDBI Bank, Canara Bank, Bank of Baroda, Ansal API, NCMSL, Axis Bank, Visa Steel, UCO Bank, Stag International, regularly participate in campus placement programs of the Institute.

Collaborative Endeavors

- Setting up of AIC – Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship – IM-BHU – A flagship project of Atal Innovation Mission, NITI Aayog, Government of India.
- Assistance under DRS Special Assistance Programme of Level II of UGC.
- Establishment of Allahabad Bank Chair
- Running Consultancy Project with Central Power Research Institute (CPRI) for Third Party Evaluation of R & D Projects of Ministry of Power, implemented through CPRI .
- Execution Consultancy Project with Bhadohi Industrial Development Authority.
- Organization of MDP for Executives of Power Grid Corporation Ltd.
- Organization of Disha - Training programs for Indian Oil Corporation Ltd.
- Collaborations with Airport Authority of India
- Academic Collaborations with BSE Institute Ltd. (a fully owned subsidiary of Bombay Stock Exchange Ltd.).
- Conduction of Faculty Development Program under NIMAT Project of Department of Science & Technology, Ministry of Human Resource Development for capacity building for fostering entrepreneurship among students of technical institutions (for faculty members of technical institutions)
- Conduction of in house training programs/ MDPs for several organizations including, NTPC, UPRVUNL (Anpara Thermal Power Projects), Vindhyachal Super Thermal Power Station, Kendtiya Vidyalay Sanghatan, Indian Postal Dept., etc.
- Empanelment of Institute as Training Institute for conducting National Training Programs for Franchisee and C&Demployees of PVVNL (collaboration with Rural Electrification Corporation, Ministry of Power)
- Collaborations with ICICI Prulife to conduct One year PG Diploma in Management and Insurance
- Conduction of consultancy projects for UNDP and Fellowship programs for WHO Health executives.
- Signed Study Report Agreement with XV Finance Commission, GoI
- Identified as one of the Quality Improvement Program Centres. Taking cognizance of its expertise and deep commitment to learning, the Institute has been identified as one of the Quality Improvement Program Centres by the All India Council for Technical Education for developing and updating the teachers of management institutions of the country in the year 2001. Since then the Faculty conducted around 30 short term (6-day) Programs on various topics under this scheme.
- Identified as the host Institution for National Doctoral Fellowship in Management
- Establishment of Entrepreneurship Development Cell (AICTE)
- Establishment of Industry Institute Partnership Cell (AICTE)

Collaborations with International Educational Institutions

The Institute is strongly pursuing for international academic linkages with world renowned institutions of higher education. Recently top academicians from world class institutions across the world have visited the Institute. On this initiation, the Institute pursues MoUs signed with the following institutions:

- Ethiopian Civil Service College, Ethiopia
- Wilkes University, Pennsylvania, USA
- School of Business, Claflin University, USA (to be signed)
- University of Lausitz, Germany (to be signed)

Besides the above institutions, the Institute also collaborated with the several other international institutions for intellectual and academic partnership on various occasion. Some of the institutions are:

- School of Business, The University of Kansas, USA.
- School of Agriculture & Computer Sc., Tennessee State University, USA
- Global Strategic Management Inc., USA
- Institute of Customer Relationship Management, USA

Business Clinic

The Institute is having a Business Clinic. The objectives of this initiative are to bridge the gap between the theoretical and the practical concepts of business extending learning beyond classrooms and to provide expert services to the entrepreneurs and to business units.

Community Services

SEVAARTH *For serving Humanity* is a Social Club of Management Students of the Institute formed as part of the initiatives of DRS 1 Special Assistance Program of University Grants Commission. This initiative helps to attract the young generation towards social cause and inculcate a sense of social responsibility among the youngsters.

Under this endeavor, various societal events have been organized by the Institute which include Blood Donation Camps, Distribution of Blankets to poor patients admitted in SS Hospital, interaction with social entrepreneurs, visits to various social enterprises, Celebrated Joy of Giving Week, etc.

Alumni Linkage

The Institute has been able to build a huge Alumni linkage. More than 5000 Alumni spread all over the world are connected with the Institute and extend their co-operation towards their Alma mater. The association of alumni called BHU Management Alumni Association (BHUMAA), having regional chapters in India and abroad has not only helped the Institute towards spreading its wings to achieve excellence but has also worked very actively to contribute towards strengthening its linkages with corporate world and arranging training and placement for the students of the Institute.

The Association regularly organizes its annual meet in the University campus. There annual meets are being marked with honoring eminent alumni with Distinguished Alumnus Awards for their outstanding achievements, distributing scholarships and awards to the budding managers sponsored by alumni, get together of specific batches etc.

Seminars / Conferences / Brainstorming Sessions / Webinars / Meets

- Induction Programme for MBA and MBA IB students Batch 2020-2022
- Interactive Session on Retail Marketing by Shri B. S. Nagesh
- Online FDP on Social Enterprise Management organized by Institute of Management Studies, Banaras Hindu University

- Interactive session with corporate gurus
- ATAL Academic – FDP on Social Enterprise Management
- Guest Lecture by Mr. Pradeep Dutta, Head – Alternate Channel (Panasonic)
- Institute Day Celebrations
- National Webinar on "Disruptive Technologies In Business"
- National Webinar on 'MARKETING 4.0 (A New Normal for Emerging Consumers Era)
- National Webinar on '"Managing Risk in Uncertain Times'
- National Webinar on "HR Challenges: During and Post COVID Times"

AIC-MFIE-IM

Atal Incubation Centre in the name of AIC Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship (AIC-MFIE-IM-BHU) is now in operation at Institute of Management Studies, Banaras Hindu University. Atal Innovation Mission is an initiative started by the NITI Aayog, Government of India, expressing its pledge to the vision of Atal Bihari Vajpayee, Former Prime Minister of India, of a modern innovative India, committed to the economic progress and social well-being of every citizen across the length and breadth of the country and across all walks of life. AIM intends to form centers called Atal Incubation Centres (AICs) that would nurture innovative start-up businesses in their pursuit to become scalable and sustainable enterprise. The purpose of AIC-MFIE-IM-BHU is to stimulate the growth of innovation based ideas into reality through their support and proper channelized entry in a competitive environment and by multidisciplinary exposure, which help indirectly in job creation within the region to start with and can scale-up in near future.

Facilities for Students

- Hostel
- Library
- Book Bank
- Free-ship & Scholarship
- Computer Learning Facility.

Research Facilities

The Institute is offering professional post graduate management programs. The students are required to do minor projects, dissertation and 8-week practical training reports as integral part of their course curriculum.

Intellectual Sharing

The most important facilitation is the availability and accessibility of intellectuals across almost all known disciplines for any interdisciplinary research and consultation under one roof. Students, research scholars and faculty members are free to consult with any other teachers, scholars and students of different academic units of the University. This is one of the rarest situations to be seen across the world.

Summer Training, Dissertation, Minor Projects, Induction Program & Internship

Eight Week summer training, Minor Project and Dissertation Project are integral part of the Course Curriculum of MBA, MBA IB and MBA AB programs of the Faculty. Students are doing these project assignments in different organizations under mentorship of the Faculty and an executive guide from the industrial organization. Faculty organizes one week induction program for fresher of MBA, MBA IB, MBA AB program students. The purpose of the program is to acquaint the newcomers about faculty, faculty members, requisite skill-set for becoming a professional and broad business environmental factor. Experts from industry and academia serve as resource person for the induction program. Some of the indicative topics covered under the program are as: Communication Skills; Personality Development; GD/Interview Techniques; Soft Skill Development; Accounting for Non-Accounting People; Cross Cultural Training; and Organizational Skills & Team Building.

2.1.1.5. INSTITUTE OF SCIENCE

Established in 1916, the Faculty of Science which later on upgraded to Institute of Science as a constituent institute of Banaras Hindu University, offers under graduate and post graduate courses besides offering Ph.D. program and several diploma and certificate courses. The Institute comprises of 13 departments, 6 Centres and 2 Interdisciplinary Schools. Equipped with advanced and sophisticated laboratories and research facilities the institute is marching ahead towards excellence in teaching, learning and research in almost all domains of basic and applied science.

The faculty members of the Institute have several collaborations with teaching and research institutions of repute in India and abroad. A large number of the teachers of the Institute have received distinctions and honors like Shanti Swarup Bhatnagar Prize, Humboldt Fellowship, Jawaharlal Nehru Fellowship, FICCI Award, TIFR Fellowship etc. and several are fellows of the various academies.

Faculty members of the Institute of Science have been making major contribution towards enhancing the national and international academic ranking of the University by way of their academic work. In the year 2020-21, the faculty members of the Institute published approx 1184 papers in reputed scientific journals and approximately supervised 150 Ph.D. theses. A large number of sponsored research grant from almost all important funding agencies were received by the faculty members.

During the session 2020-21, 15 Professors, 5 Associate Professors and 55 Assistant Professors joined the Institute of Science. With the joining of the bright and talented young faculty members our faculty strength has now risen from 248 to 323. In order to facilitate the researchers, the Institute has strived hard to create new facilities for promoting the cutting edge of research, few of them are as follows:

- Establishment of Central Discovery Centre. The Centre is being equipped with the state-of-the-art equipment and facilities for research in basic and applied sciences to give a fillip to the cutting edge research in the University. This initiative brings an opportunity to team together to develop and deploy new technologies and provide high quality analytical services for which Indian industry depends on institutions abroad.
- Establishment of SATHI Centre in the Central Discovery Centre to create a major node of a unique interdependent ecosystem to nurture innovation, entrepreneurship and start-ups under one roof. The centre will be providing centralized facilities, guidance and handholding for promoting innovation in BHU and to the motivated researchers of other institutions of the region. A state of art High Resolution Accurate Mass

Spectrometer has already been installed in CDC. In addition, a High Resolution Confocal Microscope and Isotope Ration Mass Spectrometer have also arrived.

- Setup of BIONEST sanctioned by BIRAC is being established in the University to incubate Biotechnology companies and promote start-up in regard to the bio-industries. Two incubatees have already started working at BioNEST-BHU.
- A Seismic Imaging Centre has also started working at the Department of Geophysics for the interpretation of seismic data to assist ONGC and Oil India to help in oil exploration.
- Extended Seed Grant to the newly appointed faculty members under the Institution of Eminence Scheme of the University to accelerate their scientific productivity. A total of Rs 8.25 crores has been disbursed as seed grant to 79 newly appointed Assistant Professors in the Institute of Science and MMV.
- Institution of Faculty Incentive Scheme in order to appreciate their contribution towards academic excellence of the University and support their research. A total of Rs 8.5 crores was also provided to 103 faculty members as incentive grant to appreciate.

Recognition of Outstanding Research

The scientific contributions of the faculty members were recognized by premiere science academies of the country. Prof K N Singh (Dept. of Chemistry) has been elected as Fellow of Indian National Science Academy (INSA) for 2020 and Prof. S B Agrawal (Deptt. of Botany) has been elected as Fellow of National Academy of Sciences (NASI), Allahabad. Prof N V Chalapathi Rao (Dept Geology) has been awarded National Award of Excellence in Geoscience & Technology Award 2020' by Ministry of Earth Sciences. Prof Shashi Kant Mishra (Dept Mathematics) has been bestowed with INSA Teachers Award 2020.

This year also the Most Productive Researcher Awards has been bestowed to Prof Maya Shankar Singh (Chemistry), Prof Arvind Mohan Kayastha (Biotechnology) and Prof Rajesh K. Srivastava (Geology) in the age group of 55-65; Prof V Ganesan (Chemistry), Prof Gyaneshwar Chaubey (Zoology) and Prof Anchal Srivastava (Physics) in the age group of 40-55 and Dr Om Prakash Singh (Biochemistry), Dr Manasi Ghosh (Physics, MMV) and Dr Bhanu Prakash (Botany) in the age group of below 40 years.

The Institute Day was celebrated on December 16, 2020 by organizing a lecture by Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi. On this occasion, the newly created Prof C N R Rao Rotating Professorship for Excellence in Research and Shri Sant Sanganeria Rotating Professorship for Excellence in Industrially Oriented Research were awarded to Prof Maya Shankar Singh (Department of Chemistry) and Prof Anchal Srivastava (Department of Physics) in the august presence of Bharat Ratna Prof C N R Rao and Shri Sant Sanganeria.

Major Events

The National Science Day was celebrated on February 28, 2021 by organizing a talk “Remembering Raman” by Prof S N Thakur, Former Dean, Faculty of Science BHU and by organizing a Brain Storming Session on “Breaking boundaries of traditional disciplines to solve problems” with a lead talk by Dr Girish Sahni, Former Director General of CSIR, New Delhi.

The birth anniversary of the Nobel Laureate Sir C V Raman was celebrated on November 7, 2019 by organizing lectures by three eminent scientists of the country on the Nobel Prize winning works of the Nobel laureates of 2020 in the field of Physics, Chemistry and Physiology & Medicine. The lectures were delivered by Prof Kulinder Pal Singh (IISER, Mohali), Dr Debojyoti Chakraborty (CSIR-IGIB New Delhi) and Prof Saumitra Das (NIBMG, Kalyani). Prof Tapas Kundu, Director, CSIR-CDRI visited the Institute on January 28, 2019, and interacted with the faculty members of the Institute of Science to discuss the possibility of cooperation between BHU and CSIR-CDRI.

The Department of Zoology celebrated its centenary year which was marked by a lecture by Prof Bruce Beutler (Nobel Prize winner of 2011 in Physiology and Medicine) on March 06, 2021.

Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established as an independent department of the BHU's 'Faulty of Science' in January 1984. The department has basic infrastructure for teaching and research in various areas of Biochemistry. The current research activities in the department, Neurobiology, Immunology, Infectious Diseases, Clinical Biochemistry, Plant Biochemistry, alternate animal models etc. The department offers M.Sc. (Biochemistry) and Ph.D. degree.

Students Centric Activities:

The Department provides mentoring facility to all students. The rate of success for NET qualification is about 30% each year. In addition, the department also organize quiz and debate activities for both PG and PhD students on a regular basis. The students graduated from our Department are occupying positions in multiple organizations both in India and abroad like Rutergs University, NJ, Johns Hopkins Medical Institute, MD etc.

Academic Collaborations / MoUs

Faculties of Biochemistry department has collaborated with researchers from other Institutes in order to bring multidisciplinary research projects and conduct translational studies.

Innovative Teaching and Research Programmes

The department has inducted Swayam course in IInd and IIIrd semester of PG programme. The major theory papers like Cell Biology & Physiology Bio-Analytical Techniques, Bioenergetics & Metabolism, Bio-Molecules & Microbial Biochemistry, Methods in Molecular Biology, Immunology, Enzymology, Plant Biochemistry, Molecular Biology, Clinical Biochemistry, and outlines of Biotechnology are based on current research outputs. The department has rigorous training schedule for PG and PhD students in various areas of research in the field of Neurodegenerative Disorder, Cancer Biology, Clinical Biochemistry, Infectious Disease Biology, Parasitic Immune-Biology and Plant Biochemistry.

School of Biotechnology

The School of Biotechnology, Institute of Science, B.H.U. was established in 1986 with financial support from the Department of Biotechnology, Govt. of India, New Delhi. The School has excellent facilities for teaching both theory and practical classes. Practicals in different core courses are conducted by using recent techniques such as PCR, DNA sequencing and Flow cytometry etc. The School is a recipient of DST-FIST & UGC-SAP (Phases-I, II & III).

At present there are 11 core faculty members (6 Professors, 4 Assistant Professor & 1 UGC BSR Fellow) are working in the School. Participation of teachers from a few departments of Institute of Science and Indian Institute of Technology-BHU (IIT-BHU) is still continuing in multidisciplinary teaching program of the School.

Teaching Learning and Research

Teaching Programmes: The School runs two years (4 semesters) M.Sc. (Biotechnology) teaching program, in which 30 students are admitted annually through a National Entrance Test conducted by the Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

Ph.D programme: All the faculty members are actively involved in basic and applied research. The facility for wet lab and/or *in silico* research is available in the School. At present 21 students are registered for Ph. D.

Quality of teaching and research activity in the School has improved tremendously with the assistance received from UGC-SAP. Faculty members are using LCD projection system for regular teaching and M.Sc./Ph.D. student's seminar presentation. Equipments placed in Central Instrument Laboratory such as Gel Documentation System,

Fluorescence Microscope, Spectrofluorimeter, Thermal cycler, ELISA Plate Reader, DNA sequencer, Refrigerated centrifuges etc are heavily used by the Ph.D. and PG students. Cold room is also regularly used by researchers.

Practical classes based on the use of PCR, DNA sequencer and spectrofluorimeter have been introduced. Teaching of Bioinformatics with extensive hand on training introduced. Project works based on Research methodology/seminar in 3rd and 4th semesters have been introduced in M.Sc. Minor elective papers were introduced for initiating interdisciplinary teaching. Implementation of mid-term tests and assignments through internal evaluation has been introduced.

Bioinformatics Centre: The School houses a Bioinformatics Centre (Sub-DIC) which is funded by the Dept. of Biotechnology, Govt. of India, since 1989 to support the teaching and research program of the School. The centre has internet facilities, databases, Bioinformatics tools, telephones, Fax machine etc. The Centre is equipped with several software namely Accelrys Gene 2.5 (Analyze, annotate, and report on gene expression experiments), Discovery Studio 3.0 (Simulating small molecule and macromolecule systems), Geneious Pro (Data sharing, collaboration and advanced next-generation sequencing functionality), Sigmaplot, YASARA (Molecular-graphics, -modeling and -simulation program)

Major Research Areas

The School is actively engaged in domains of research, few of them are Functional genomics, Systems biology and synthetic biology in bacteria**,** Cellular and Molecular Immunology and Oncology **,** Immunotherapy of cancer and inflammatory diseases, Role of herbal constituents in prevention & cure at genomic and proteomic level in mice model liver cancer, Study of Immunotoxic and Immunomoduletory role of cynobacterial secondary metabolites, Molecular typing of diabetic foot ulcer causing bacteria, Enzyme-based diagnostics and protein structure-function relationship, Molecular microbiology with emphasis on plant growth promoting bacteria, Functional genomics of N_2-fixing bacteria, Molecular basis of UV-B radiation tolerance in bacteria and cyanobacteria

Students Centric Activities

Teaching initiated in the new lecture halls of new building constructed under OBC Grant (G+3) in School of Biotechnology with inbuilt facilities for power point presentation, Provision of water coolers on each floor of the newly constructed building of School of Biotechnology, construction of ramp, revision of Syllabus for introduction of SWAYAM Courses are being explored.

Eminent Visitors to the School of Biotechnology:

Dr. Utpala Chattopadhyaya, Ex. Director CNCRI Kolkata, Emeritus Medical Scientist of ICMR, Dr. B.C. Guha Centre of Genetic Engineering & Biotechnology, University of Calcutta, Dr P. K. Ambasht, Department of Biochemistry, North Eastern Hill University (NEHU), SHILLONG 793 022, Dr. Alok Chandra Bharti, Professor, Department of Zoology,University of Delhi, Dr. Kalpana Pai, Professor, Department of Zoology, University of Pune, Dr. Srinivasan, Professor, NRC (Plant Biotechnology), IARI, New Delhi 110 012, Dr. Achuit Kumar Singh, Senior Scientist (Biotechnology), Plant Breeding, IIVR, Varanasi, Dr. Rakesh Kumar Shukla, Senior Scientist, Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants, Lucknow.

Campus Development/ New Infrastructure created

A G+3 new building of School of Biotechnology has been constructed and has been fully furnished for research and teaching labs.

Academic collaborative/MOUs

Collaborative programme is going on with –IIVR (Varanasi), NBRI, IITR, CBMR & CIMAP (Lucknow), JNU, IARI, NBAIM (Mau) and with University of Delhi.

Department of Botany

The Department of Botany is one of the oldest and premier Post-graduate and research centers in the country. The Centre of Advanced Study in Botany has distinguished itself as one of the best departments of Botany in the country in the thrust areas of Ecology, Algology, Mycology & Plant pathology besides significant contributions in non-thrust area of plant molecular biology. The Ecology School has pioneered researches in the areas of weed ecology, habitat conservation, primary productivity, carbon sequestration, river ecology, global change effects, CHGs emissions, analysis of ecosystems and plants against pollution. Concepts and methodologies developed by the Ecology School

have transcended national boundaries and have been assimilated worldwide. The Phycology School continues researches in the area of biochemistry, physiology, ecology, genetics, molecular biology, nitrogen fixation, hydrogen production, heavy metal pollution and applied phycology. The Mycology and Plant Pathology group has active interests in microbiology of root region, endosymbionts, leaf surface microflora, biological and other strategies of plant disease control, fungal endophytes, natural pesticides and plant-microbe interactions

Teaching Learning and Research

The Department runs teaching programmes for under-graduate and postgraduate students in Botany as well as Industrial Microbiology- Vocational course at UG level and Environmental Science and Applied Microbiology at P.G. level. The teachers of the department are also involved in teaching of Environmental Studies course to BHU students of various faculties. The teachers of the department also participate in teaching of ancillary courses of Biology at the undergraduate level. The students of B.Sc. and M.Sc. studied on plants in their natural habitats found in their local areas for their project work during VI and IV semester respectively.

The department also offered research training in the following major disciplines: Ecology, Algology and Mycology & Plant Pathology.

Research Facilities Available for Students

Besides individual laboratories under faculty members equipped with advanced research facilities for students, a number of sophisticated instruments are made available in the Central Instrument Lab of the Department, wherein scholars from other Departments of the University also take advantage of various instruments which include Biolog system, Ultracentrifuge, Portable Photosynthesis system, Green House Gas Analyser, GC MS/MS, Fluorosense Spectrophotometer, HPLC, CHNS Analyser, etc. *Wi-Fi* internet access is also available for the students.

Major Research Areas

The faculty and research scholars are actively engaged in researches on following areas: Identification of indicator cultivars of Indian clover for bioindication of ambient ozone using Ethylenediurea (EDU); Phytoremediation of metals using lemongrass (*Cymbopogon citratus* (D.C.) Stapf.) and vetiver (*Chrysopogon zizanioides* (L.) Roberty); Identification of indicator species at abandoned red mud dumps; Monitoring of air pollutants in Varanasi, India; Use of GLM approach to assess the responses of tropical trees to urban air pollution in relation to leaf functional traits and tree characteristics; Assessment of ozone toxicity among 14 Indian wheat cultivars; Assessment of rhizospheric enzymatic activities under elevated O_3 in sensitive and tolerant wheat cultivars; Interactive effects of supplemental UV-B radiation and Indole-3-acetic acid on *Coleus forskohlii* Briq; Impact of land-use change on soil microbial community composition; An ecological explanation to self-purification capacity of Ganga river; Alternative alert system for Ganga river eutrophication using alkaline phosphatase as a level determinant;Microbial enzyme activities in the Ganga riverbed sediment; Land-water interface of Ganga river affecting release of CO_2 to the atmosphere downstream of point sources; Isolation and utilization of bacteria with potential for isoprene degradation; Assessment of soil nitrogen pool and fluxes along the gradient of N-input in tropical grassland; Effect of rainfall variability and *Hyptis suaveolens* invasion on grasslands; Effect of rainfall variability and N- input on tropical grasslands; Ozone mitigation strategies. Environmental factors influencing antioxidant potential of *Withania somnifera* L. (Dunal); Application of immobilization techniques; Role of Ca^{2+} in maintaining photosynthesis of *Anabaena PCC 7120* under heat stress; *D. salina* as a biofuel resource; The chemistry of thiol-chromophore linkage in the nature; Early detection of free thiols and relative interaction with chromophore after UV-B radiation;Circadian rhythm as an important endogenous biological signal for sustainable growth and development of cyanobacteria in natural ecosystems; The anticancer potential of EMTAHDCA isolated from fresh water cyanobacterium *Nostoc* sp. MGL001; The tolerance strategy of cyanobacterium *Fischerella* sp. under methyl parathion stress; The role of calcium in the alleviation of NaCl stress-induced toxicity in *Synechococcus*sp. PCC 7942; Identification of plant growth promoting rhizobacteria (PGPR) from the rhizosphere of Bitter guard; Isolation of cyanopahge N-1 from river Ganga infecting multiple

heterocystous cyanobacterial hosts; Understanding of mitigation strategies developing cyanobacteria to cope with different environmental conditions and their biotechnological application; Functional Genomics,Proteomics and signal transduction during abiotic stresses in Cyanobacteria and plants; Systematics and taxonomy of cyanobacteria using the polyphasic approach. Synergistic effects of plant defense elicitors and *Trichoderma harzianum* on enhanced induction of defense system in tomato against *Fusarium* wilt disease; Antagonistic assessment of *Trichoderma* spp. against different fungal pathogens; Effects on nutrients in tomato fruits infected by *Alternaria alternate* and its toxins; Taxonomic note on a rare fish infecting freshwater mould *Achlya ambisexualis*; *Cistus ladanifer* L. essential oil as a plant based preservative against molds infesting oil seeds, aflatoxin B_1 secretion, oxidative deterioration and methylglyoxal biosynthesis; Identification of some functionalized antimicrobial compounds (milbemycin, succinic acid and oxalic acid) from endophytic microbes using standard spectroscopic methods for isolation of cryptic metabolites and enhancement of the known metabolites in plants; Characterization of endophytic fungal isolates, *Chaetomium globosum* and *Pestalotia* sp. for biosynthesis of antibacterial and antioxidant silver and gold nanoparticles; Bioprospecting of seed endophytes; Association of arbuscular mycorrhizal fungi from various plant species; The preservative potential of *Cistus ladenifer*; Micropropagation and abiotic elicitation for enhanced yield and secondary metabolite production; Karyomorphology and chromosomal disturbances during mitotic activity in *Allium*sp. Recombinant expression of *Leptospira* genes and their role in pathogenesis.

Academic Collaborations/MoUs

- Interaction of Climate Extremes, Air Pollution and Agro-ecosystems (CiXPAG*)*" in collaboration with the Center for International Climate and Environmental Research (CICERO), Oslo, Norway—Prof. M. Agrawal
- Collaboration from BARC-Mumbai, with regard to metabolic engineering of *Dunaliella* sp. for biofuel production -- Prof. R.K. Asthana
- Collaboration from IITR-Lucknow on drug discovery (Anti-cancerous) -- Prof. R.K. Asthana
- Collaborative project on Methanotrophic community structure and their potential for methane oxidation in tropical dry deciduous forest soils -- Prof. S.K. Dubey (PI) and Prof. J. Pandey (Co-PI))

Department of Computer Science

The Department was establishment on 14 September 1987. Initially, three years Under-Graduate degree course was taught. From the year 1990, Post-Graduate Program in Computer Science was started. The Department started functioning in its own building from September 2002, before which the teaching programs of the department were conducted in Department of Physics. From Academic session 2006, the department was given the responsibility of running the MCA Course.

Teaching Learning and Research

The Department offers three years B.Sc. (Hons.) programme in Computer Science and two years M.Sc. programme in Computer Science, as well as two years MCA programme. MCA Course on self financed mode under Paid Seat at South Campus was started from Academic Session 2007. Besides this the department also runs PhD courses and at present 47 Ph.D. scholars enrolled in the department.

Academic achievements

A few students placed in Unthinkable Solutions, 3 students in Hexaview Technology, 5 in Locobuzz, 3 in Amdocs Development Centre Pvt. Ltd. and 4 got selected in SECEON NETWORKS.

Department of Chemistry

The Department of Chemistry is one of the premier departments of the Institute, which was established soon after the inception of the Banaras Hindu University in year 1916. Over the period, the Department has been shaped and nurtured under the able guidance of the eminent chemists of national and international fame namely Prof. S. S.

Bhatnagar, Prof. S. S. Joshi, Prof. G. B. Singh, Prof. H. J. Arnikar and Prof C. N R Rao. At present this department is a UGC-CAS Level-II and DST-FIST Level-II supported department.This department has been maintaining the state of the art facilities and ambience for excellent research in the fields related to chemistry. At present, the department had 28 Professors, 03 Associate Professors, 22 Assistant Professors, 03 DistinguishedProfessor, 01 Emeritus Professors, 02 BSR Fellows.

Teaching Learning and Research

The department offers UG, PG and PhD courses. At the post graduate level, department offers specializations in Analytical, Inorganic, Organic and Physical Chemistry. During the year 2020-2021, besides 170 Ph.D. scholars, about 1150 at UG level and 182 at PG level students are enrolled in the department.

The research ability of the department is reflected in terms of large number of projects, sponsored by major funding agencies such as Department of Science and Technology, Science and Engineering Research Board (SERB), Board of Research in Nuclear Sciences, Department of Biotechnology, Council of Scientific and Industrial Research and University Grants Commission etc, which are in operation in the department. The same is translated in terms of quite a big number of quality research publications every year. In the last one year department has published more than 200 quality research papers mostly in the international journals of very high repute.The national, international and interdepartmental collaborations of the faculty members of the department are reflected in terms of the high quality research work produced by them.

Major Research Areas

The research programs of the department covers various frontier areas of current interest with a goal to develop potential applications. These areas include Solar Cells, Bio-inorganic Chemistry, Bio-organic Chemistry, Supramolecular Chemistry, Chemo / Biosensors, Conducting Materials, Mesogenic Materials, Liquid Crystals, Ionic Liquids, NIR emitting materials etc. Beside these the research interest of the faculty members of the department also covers the fundamental fields like Catalysis, Chemical Kinetics, Chemical Spectroscopy, Coordination Chemistry, Electrochemistry, Main Group Metal Chemistry, Organometallics, Natural Products, Drug Designing, Polymer Chemistry, Quantum Chemistry and Statistical Mechanics.

Research Facilities

The department is well equipped with a number of modern sophisticated instruments and facilities like 300 & 500MHz NMRs, Single crystal XRD, FTIR, UV-VIS, GC-MS, Elemental Analyzer, Electrochemical System, Fluorescence spectrophotometer, Electrometer, TGA/DTA, AFM, HPLC, DSC and a high speed computing system. Recently, the department has got installed two new instrumentation facilities viz. VSM and BET surface Analyzer. In current session, a wide number of instrumental facilities have been added in the department viz., High Resolution Mass Spectrometer (HRMS), Gel Permeation Chromatography (GPC), Source measurement unit (conductivity and capacitance), micro Raman Spectrophotometer, Fluorescence Spectrophotometer, Dyanamic Light scattering (DLS) and one more unit of UV-Vis. Spectrophotometer.

Contribution towards the development of Department

A new department of Forensic Science has been established as sister concern of the department of Chemistry, with intake of thirty students every year. High quality training to these students in theory as well practical over the duration of four semesters is being extended by the department. Moreover, a collaboration of this sister department with Institute of Medical Sciences, BHU as well as with 31 other departments of our own University has also been developed.

Department of Geology

The Department of Geology is the largest Geology Department in the country which is also the most diversified with regards to teaching and research in almost all branches of Geology. New courses to meet the challenges faced by the

Indian mineral and energy sectors are also devised from time to time. Some of the doyens of Indian geology like Prof. K.K. Mathur, Prof. Rajnath, Prof. R.K. Lal, Prof. M.S. Srinivasan, Prof. R.S. Sharma, comes from this Department. Many students have been the top positions holders in the geological organizations like GSI, ONGC, CIL, AMD etc. The faculty includes Humboldt (Germany), Commonwealth (UK), Marie Curie (France), Leuverholme (U.K.), JSPS (Japan) and several other prestigious US, Canadian, Italian, Spanish, Hungarian, German, Portugese, Mexican, Chinese and Brazilian fellowship holders, fellows of coveted Indian and foreign academies including FNA, FASc, FNASc, FTWAS etc. There is one ONGC Malviya chair of Petroleum Geology and one re-employed Professor.

Teaching Learning and Research

The department offers three years (6 semester) B.Sc. (Hons.) in Geology; two years (4 semester) M.Sc in Geology and Ph.D. course. At present, 420 B.Sc., 69 M.Sc. and 142 Ph.D. students are enrolled in the department. A good number of students have been sent to the various public sector and private companies and also reputed research laboratories (Wadia Institute of Himalayan Geology, National Geophysical Research Institute (NGRI), Physical Research Laboratory (PRL), CIMFER, GSI, ISRO and BARC etc.) for summer training. The Department also assists the students for their placements. There has been continuous increase in number of foreign students coming to study in the department, Campus placement of sizable number of students is a hall mark of this department. A good number ofstudents of M.Sc. have been offered placement in the companies like ONGC, Coal India Ltd., Atomic Minerals division (AMD), Mineral Exploration Corporation Ltd.(MECL) Monet Ispat, Wipro, Tata Steel , BARC, HZL, Vedanta, State Groundwater Department etc.

Major Research Areas

High quality researches are being carried out in the subdisciplines of stratigraphy, paleontology, micro-paleontology and oceanography, sedimentology, economic geology, coal geology, igneous and metamorphic petrology, structural geology and tectonics, geochemistry, geophysics, hydrogeology, GIS and Remote Sensing, Engineering Geology etc. The Department also has a well maintained museum (Prof. Rajnath Memorial Museum) that has a large variety display of rocks, minerals, fossils collected from the faculty members and research scholars.

Research Facilities

The students of the department are exposed to the modern scientific and technological development with hands on experiences in their fields of specialization. In this endeavor, various facilities have been made available to them which include (1) Scanning Electron Microscope (ii) Mortor grinder (iii) Thermal gas desorption for CBM (iv) particle size analyser (v) thin section preparation unit, (vii) Fluid inclusion microscope and freezing stage, (viii) LEICA DMRX polarizing and Stereoscopic discussion microscopes and Orthoplan (ix) Rock Eval Pyrolizer (x) Franz Isodynamic separator (xi) Arc-View GIS and Remote Sensing equipments (xii) XRD (xiii) GPS, Survey Equipments, Mirror stereoscope and Total Station (xiv) Electronic Balance (xv) Reflectance measurements photometry system (xvi) Petroleum system modeling advanced software and (xvii) Electron Probe Micro Analyzer (EPMA), xviii) Compression testing machine for rocks, (xix) soil directs hear and (xx) AMS. In addition, the department has Cordless WiFi facilitated Computer and GIS – Remote Sensing Labs., as Central Facility equipped with 25 Computer Systems, for UG, PG and 10 computers with GIS software for research students. Central Microscopic Facility is also being developed for PG, research personnel and teachers.

Outreach Programmes

The Department has made available expertise of its faculty members to other universities and colleges. Many instruments installed in the Department such as EPMA, SEM, AMS etc. were made available for research to scholars of other organizations. Field work training were also provided to students of other universities such as Kumaun University, Garhwal University, Nagaland University etc, besides imparting training to many young and middle aged scientists of professional organizations in their locations.

Academic Collaborations / MoUs

New MoUs have been signed for collaboration in academic and research activities with BSIP and GSI besides many other ongoing collaborative works. Presently several active collaborative research programmes with reputed institutions of United Kingdom, Germany, U.S., French, Canada, Japan, Portugal and Spain are in progress. Many faculty members are also actively involved in global research programmes as member of International Union of Geological Sciences (IGCP), International Sub-Commission of Stratigraphy and Integrated Ocean Drilling Programme (IODP).

Department of Geography

The teaching of Geography at the Banaras Hindu University was started in an independent and full- fledged Department of Geography on 18 August 1946 by (late) Prof H.L. Chhibber as founder Head. The Department has made significant growth afterwards and now it is among the well recognized geography departments internationally. Based on its notable contributions, the UGC has elevated the Department to the DRS SAP-II level.

Teaching Learning and Research

The department imparts teaching from undergraduate and postgraduate level besides to Ph.D. level. At present 1150 UG, 170 PG students and a large number of Ph.D. scholars are enrolled in the department. There are 12 Professors, 2 Associate Professor and 7 Assistant Professors are working in the department.

Research Facilities

At the PG level, there are three special groups viz, (i) Population and Settlement Geography (ii) Applied Geography and Planning, and (iii) Cartography and Remote Sensing. The laboratories in the Department are (1) The Surveying Lab, consists of instruments like Theodolite, Dumpy level, Prismatic compass, etc. (2) The Environmental Lab, having soil and water testing portable kits, Muffle furnace, BOD Incubator, noise sampler, High Temp Oven Flame Photometer, and Spectrophotometer, etc. (3) The Cartography Lab, consists of mirror stereoscope with binoculars, etc. (4) The GIS Lab, having facilities of Arc Info (ULK kit), ENVI Image processing software, 40" Scanner, A0 Size Printer, server with High Resolution display monitor, Multimedia projector, and Networked set of 15 Computers. (5) The Computer Lab consisting of hardware with Internet facility and Xeroxing. (6) PG Computer Lab consists of Computers, Printers, Scanners, Internet facility for PG Students and Research Scholars. All these lab facilities are available to the students.

Department of Geophysics

The seeds of Department of Geophysics BHU were sown in by the then Vice-chancellor, Pt. Govind Malviya with only one faculty member, Prof. Jagdeo Singh under the headship of Prof. Rajnath of Geology Department. Established in 1949, the Department of Geophysics is one of the oldest and pioneer centers of geophysical education in the country. The independent Geophysics Department started functioning in 1964 with Prof. H.S. Rathore as Head of the Department. Initially the Department offered M.Sc. in Geophysics, however, since 1976 the Department has been offering 3 year M.Sc. Tech in Geophysics degree course to the students. The teaching is specialized into two main branches namely Exploration Geophysics and Meteorology. Since 2003 the Department is being supported by DST-FIST.

Teaching Learning and Research

Besides PhD program in various domains of Geophysics, the department offers three-year post-graduate degree (6 Semester) course leading to M.Sc. (Tech.) Geophysics Degree in two specializations: viz., Exploration Geophysics and Meteorology. At present 48 M.Sc. (Tech) and 22 PhD scholars are enrolled in the department. The faculty members are actively engaged in pursuing researches (theoretical and observational) in various disciplines of

Geophysics and in carrying out field investigations. The collaborative work was carried out with different government/ quasi-government organizations and offering consultancy services to interested agencies.

Major Research Area

The faculty members of the department pursues research in various domains of Geophysics which include Ground Water Geophysics; Water resources and modeling; Geo-electromagnetic and Magnetotellurics; Non-linear Dynamics, Fractal Dynamics and Modeling; Site response and seismic microzonation, and ground rupturing; Seismic Hazard Assessments; Tectonics of Crustal Features; Numerical Weather Prediction; Energetics of Monsoon & Monsoon Variability; Climate Change and its impact on social sectors; Agricultural Meteorology and Advisory Services with crop yield forecast; Environmental Meteorology/Air pollution.

Collaborations

The Department has collaborations with India Meteorological Department, Govt. of India in maintaining a Weather Observatory, a Seismological Observatory, an Ozone Unit. In association with Central Ground Water Board, the department has set up a piezometer tap for collection of primary database. Department also collaborated with IITM-Pune, Delhi Center for study rainwater chemistry under MoES project CAIPEEX. and with NPL, New Delhi for particulate matter characteristics.

Department of Mathematics

The Department of Mathematic was established in 1898 at Central Hindu School Kamachha Varanasi. It was transferred to the Banaras Hindu University in 1916. It has a glorious past. This Department has been nurtured by several nationally and internationally acclaimed mathematicians like Prof. Ganesh Prasad, Prof. V V Narlikar, Prof. Brij Mohan, Prof. R S Mishra, Prof. K P Singh, Prof. V L N Sarma, Prof. L.M.Tripathi, Prof. S.N.Lal, Prof A.K.Tiwari, Prof. R.S.Pathak to name a few. Presently 23 faculty members are working in the department. During the academic session 2020-21, the department has produced 103 research papers in national and international journals of repute.

Teaching Learning and Research

The department imparts rigorous teaching in B.A. / B.Sc (Hons.), M.A. / M.Sc. and Ph.D. courses in Mathematics. There are about 2500 students enrolled in UG and PG programs and 79 Ph.D. program of the department. Some students of this department are receiving scholarship, fellowship and selections in public examinations.

Research facilities available to students

Departmental Library**,** UG Computer Laboratory with 31-user MATEMATICA facilities**,** PG Computer Laboratory**,** Computer Laboratory with internet facility for research scholars**,** photocopier and networked printers for providing teaching material to students.

Department of Physics

The Department of Physics has a glorious history of more than ten decades and was established as one of the earliest Departments of the Institute of Science. The Department is recognized for many significant contributions to experimental as well as theoretical Physics. The Department of Physics has completed fifth phase of Centre of Advance Study (CAS) program which aimed at fostering high level interactive, interdisciplinary research in diverse areas of Physics in the Department. ISRO had provided a long term financial support to continue ongoing research and teaching programme in the field of Space Physics and related instrumentation. Department has been a part of two International projects namely PHENIX at BNL, USA and CBM at GSI, Germany for the detection of Quark Gluon Plasma (QGP) and part of an Indian Collaboration INO for the detection of neutrinos.

Nineteen new faculty members have joined which helped the department to initiate research in many other frontier areas of Physics like Micro/Nano electromechanical structures and devices, Chemical sensors, Biosensors, Sensor array and electronic nose.

Major Area of Research

The main focus of research activities of experimental and theoretical groups include: Nanoscience and nanotechnology, 2D nanomaterials, Nanostructures and devices, Hydrogen storage materials, energy storage materials & devices, Multiferroics, Multifunctional materials, Superconductivity, Soft matter, Liquid crystals, Biophysics: DNA denaturation, Polymers and protein folding; Amorphous oxide materials and glasses, Physics of Quark Gluon Plasma, Quantum field theory, BRST formalism, Non-hermition quantum mechanics, QCD and holography, DNA denaturation, Polymers and Protein folding, Laser spectroscopy, Atomic & Molecular Physics, Sensors, Microelectronic chemical sensors and electronic nose, Nonlinear dynamics and chaos, Quantum Computing, Nonlinear optics, Photonic structures and sensors; IR and Raman Spectroscopy, Fluorescence, Structure and spectra of biomolecules; Space Physics, Atmospheric Physics, Amorphous materials, Structure and spectra of biomolecules, Optical Fibers, Photonic band gap structure and materials, Acoustoelectric devices and sensors, etc.

Department of Statistics

Department of Statistics strongly believes in ensuring that teachers acquire a higher order of teaching-learning, critical thinking, problem solving and creative skills by harnessing the power of integrated technologies and methodologies. It is one among the teaching departments which caters the needs of different faculty, specially, Faculty of Science, Faculty of Arts and Faculty of Social Sciences of B.H.U.

Teaching Learning and Research

The department runs two types of courses Statistics and Applied Statistics at under graduate level and Pure Statistics at post graduate level. In the course curricula offered by faculty of Science and Arts to the students, emphasis is given on the concept and theoretical development of Statistical procedures. The Applied Statistics course is designed mainly for the students of Social Science where emphasis is given on the appropriate selection and application of various statistical tools useful for practical problems. Theory courses at UG and PG level are supplemented by practicals for understanding the subject in a better and applied way. The four semester Post graduate programme, running in the department was completely revised in the year 2015 in the light of University Grants Commissions guidelines and to meet the demand of theoreticians and statistical practitioners. The undergraduate and postgraduate courses also incorporate comprehensive practical training in the form of Project Work.

In addition to the regular courses mentioned above, department runs a certificate course in Statistics for the benefit of students and researchers of other faculties who are willing to learn statistical methodologies for the use in their research and development work. The Department has also introduced a self financed One year Diploma Course in Statistics and Computing for Research level students of other departments.

High quality research papers are published by the faculty members and research scholars of the department. A few projects were completed recently in the department. Department regularly holds conferences, seminars and work shops.

Major Research Areas

The department focuses on various domains of the subject for research which include Statistical Inference, Life Testing and Reliability, Bayesian Inference, Sampling Theory, Stochastic Modelling and Population Studies.

Department of Zoology

The Department of Zoology is one of the leading departments in the country for teaching and research on animal sciences. Incorporation of Animal behaviour, and more recently, Molecular & Human Genetics, Molecular

Endocrinology, Neurobiology, Economic Zoology, etc., in teaching has kept the department in up-front. The growth and diversity in teaching (audio-visual aids facilities for students with physical disabilities) has been made possible by the induction of progressive and competitive faculty members.

UGC support in the form of Special Assistance Programme, COSIST, Centre for Advanced Study, and DST's FIST support to the department for equipments have substantially contributed to the achievements of the Department in research and teaching. The scientific merit of the faculty has been recognized from time to time through honours and awards, such as Padma Shri, SS Bhatnagar Award, FICCI Prize, Hari Om Trust Award, UGC Carrier Award, Vigyan Ratna, and fellowships of prestigious national, International (Alexander von Humboldt, JSPS, DAAD, IBRO-UNESCO, Fullbright, etc.) and science academies.

Three Distinguished Professors and one Emeritus Professor are strengthening the expertise of the Department. In addition, the department has three prestigious BSR Fellows. The Department has well equipped research laboratories, central sophisticated instrument labs and computer lab with internet facility and networking to all research labs and classrooms. The Department has successfully completed the CAS Phase V and got the sanction of the CAS Phase VI support for Rs. 176 lakh for five years (2017-2022). The Department has successfully organized CAS Phase VI Advisory committed in meeting 28th December 2020. Our Department also received the DST-FIST (level –II) support for Rs. 304 lakh for 5 years and is in the process of procurement of sophisticated equipments for state-of –art research has been completed and most of the equipment are installed and working fine.

Teaching Learning and Research

The department offers B.Sc., M.Sc. and Ph.D. program in Zoology. At present there are more than 1000 B.Sc. and 135 M.Sc. students are enrolled in the department. 26 new Ph.D. students have been enrolled in current academic session.
As evident from the research publications, teachers of the department are actively engaged in research in four thrust areas, namely, Biochemistry, Cytogenetics, Ecophysiology and Reproduction Biology and Endocrinology which includes Immunology, Neurobiology and Chronobiology also.

Students Centric Activities

A central computer laboratory with internet and networking facility is accessible to all research scholars, PG and UG (B.Sc. Semester V & VI- Zoology) students.

Eminent Visitors to the Department

It include Prof Atanu Kumar Pati, Former Vice-Chancellor of Gangadhar Meher University Sambalpur, Odisha and Prof Madan Mohan Chaturvedi, Ex Dean, Life Science and Professor Department of Zoology, Delhi University, Delhi.

Department of Molecular and Human Genetics

Department of Molecular and Human Genetics (Established in August 2004) has been successfully running a unique teaching programme with its six core faculty members and cooperation and collaboration of the other departments of the Institute of Science as well as other faculties of the University including Institute of Medical Sciences. The department is financially supported by Department of Biotechnology, Government of India, New Delhi. The department run M.Sc. and Ph.D. courses in Molecular and Human Genetics. Selection of students for M.Sc. admission is done through Graduate Aptitude Test in Biotechnology (GAT-B) for the academic session 2020-2021

Major Research Areas

The major research area of the department include Basic Genetics, Biochemistry, Cell Biology, Bioinformatics, Instrumentation, Developmental Genetics, Immuno-genetics, Genetic Engineering, Human Molecular Genetics, Neurogenetics, Clinical Genetics, Population & Evolutionary Genetics, Genetic Counseling, Cytogenetics and Cancer Genetics.

Being an unique interfacing between Biology, Medicine and Information Technology, the department provides opportunity of regular visits to the hospital, case-presentation and hands-on training in molecular diagnosis and genetic counseling. The teaching program of the department includes summer projects in well-established molecular biology research labs in different parts of the country besides making an experimental project, preparation of a “dream project”, and seminar presentation by each student.

Department of Home Science

Home Science teaching started in the year 1927 in Mahila Mahavidyalaya for under graduate students. In 1975it got the statutory status of the Department and known as Departmentof Home Science.It is one of the Departments of Faculty of Science and also a part of Mahila Maha Vidyalaya where it exists. The Ph.D Program in the department started in 1976. It imparts teaching and research in all five areas of Home Science namely Foods and Nutrition, Clothing and Textile, Extension and Education / Communication, Home Management and Child Development.

2.1.2. FACULTIES

2.1.2.1. FACULTY OF ARTS

The Banaras Hindu University was established in 1916 as the physical manifestation of the dreams of the great visionary and extraordinary nationalist leader Pandit Madan Mohan Malviya. The Faculty of Arts developed here as a centre of Humanity, which on its part, was previously known as Central Hindu College and was established by Dr. Annie Besant in 1898. This happens to be the foundation upon which is raised the great edifice of BHU and also its promising future.

The Faculty of Arts envisages evolving a unique communion between traditional and modern knowledge system and is ever involved in facilitating the development of such ideas and nations which may be conducive for the holistic concept of humanity. While conserving its internal energy, this faculty encourages new vistas of interdisciplinary researches so that the principles of 'Human Liberty' are enlivened and given concrete shape. Alongwith 21 departments and 4 important centres- Bhojpuri Study Centre, Malviya Moolya Anusheelan Kendra, Inter Cultural Study Centre and Centre for Translation Studies, the Faculty encourages the dialogues to assess various traditional and indigenous sources of knowledge and their importance. In order to make the students and teachers more aware, lively and interactive, the Faculty organizes, from time to time,national and international seminars/ conferences and workshops. As an important programme the faculty organizes an oriental course on 'Comparative Literature' which envisages to enhance the awareness of faculty members in the field of inter disciplinary approaches to literature. The publication of the Faculty's annual journal 'Apurva' is an important achievement, as it provides a platform for the publication of research articles of the teachers.

The Faculty's focus is basically three dimensional- it educates and updates students in acquiring knowledge about both Indian as well as Foreign Languages such as Hindi, Sanskrit, Pali, Urdu, Telugu, Tamil, Marathi, Bengali, Linguistics, on the one hand, and English, French, German, Spanish, Arabic, Persian, Russian and Chinese on the other. It also makes students acquainted with the latest development in the field of History, Culture, Archaeology, History of Art, Philosophy & Religion. Its third dimension is related to the introduction of Professional & Vocational Courses like Journalism & Mass Communication, Library & Information Science, Tourism & Travel Management, Museology and Functional Hindi. There would be no exaggeration if we say that the Faculty of Arts has been playing a very significant role in the process of human growth and building of a healthy nation. There is a long list of internationally renowned scholars who have been associated with the faculty and have enhanced the image of the Banaras Hindu University. Some of them are Dr. S. Radhakrishnan, B.L. Athreya, T.R.V. Murthy, J.L. Mehta, Dr.

Devraj (Philosophy); Babu Shyam Sundar Das, Acharya Ram Chandra Shukla, Keshav Prasad Mishra, Hazari Prasad Dwivedi, Nand Dulare Bajpayee, Vishwanath Prasad Mishra, Shiva Prasad Singh, Namvar Singh, KedarNath Singh (Hindi); C.N. Menon, Ram Awadh Dwivedi, Dr. Sahani, Vikramaditya Rai, Harish Trivedi (English), Ramavatar Sharma, A.B. Dhruva, P.L. Vaidya, Baldeo Upadhyaya, Reva Prasad Dwivedi, Satyavrata Shastri (Sanskrit); Rai Krishna das, Rai Anand Krishna, Kapila Vatsyayan (History of Art); A.S. Altekar, Raj Bali Pandey, Vasudeo Sharan Agrawal, R.C. Majumdar and A.K. Narain (AIHC & Archaeology). Needless to say that they have been great source of strength and inspiration to the future generation.

The Faculty of Arts has the privilege of being not only the oldest faculty but one of the largest also with about 300 faculty members, 5500 students and 58 office staff. It has the rare distinction of having the largest twenty one teaching departments namely Ancient Indian History Culture & Archaeology with Museology as separate section, Arabic, Bengali, English, Foreign Languages (Russian, Chinese, Japanese, Spanish and Polish), French Studies, German Studies, Hindi, History of Art, Indian Languages (Nepali, Tamil), Journalism & Mass Communication, Library & Information Science, Linguistics, Marathi, Pali & Buddhist Studies, Persian, Philosophy & Religion, Physical Education, Sanskrit, Telugu & Urdu. Apart from these departments the faculty also has a Vocational Stream in Office Management & Secretarial Techniques, Advertising & Salesmanship, Insurance Management, Account & Audit, Archaeology & Museology and Travel & Tourism Management. Through these departments, the faculty offers a variety of academic programmes ranging from certificate and diploma courses to the level of research programmes like Ph.D. and D.Litt. The Faculty also has the privilege of offering a U.G.C. innovative programme called "One Year (Full Time) P.G. Diploma in Translation Skill for Varied Competence".

Department of AIHC & Archaeology

The department having the distinction of being the Centre for Advanced Study is a premier department of Indological studies. The core area of teaching and research includes Art & Architecture, Religious and Philosophical studies, Epigraphy & Palaeography, Numismatics and Archaeology and Museology. Alongwith the library of the faculty, the department has its own laboratory to cope up with the scientific research in Archaeometallurgy, ceramic technology and data pertaining to inorganic materials. To have a comprehensive and scientific knowledge of past, the department has collaborative research programmes with institutes like Department of Archaeology, University of Cambridge, IIT Kanpur, Birbal Sahane Institute of Palaeobotany, Lucknow Regular activities or teaching and researches were performed by the department during the current year.

Department of Foreign Language

Established in 1948, the department has the distinction of conducting teaching programmes in seven major languages of Asia and Europe, namely, Chinese, Japanese, Sinhalese, Russian, Italian, Spanish and Polish. Present Focus area of department is Chinese Language and Literature, Culture, History, Politics, Sino-India interactions, Russian Language and Literature. Regular activities of teaching and researches were conducted by the department during 2020-21.

Department of Indian Languages

Regular activities of teaching and researches were performed by the departments during the current year.

Department of Pali & Buddhist Studies

The department is one the pioneering institutes in the field of Buddhist Studies in India. The department though established in 1982, but teaching of Pali in Banaras Hindu University started in 1940 with the effort of Bhikkujagdish Kashyap, a pioneer of the revival of Buddhism in India.

Vocational & Special Courses of Studies

To enhance skill in students, the Faculty of Arts offers vocational and special subjects. Vocational courses are running in Faculty since 1985. Two-years part-time diploma courses in Tourism & Office Management is a very popular

course in the Faculty. These programs include classroom teaching as well practical sessions in industry visit and educational tour for field level experience. Regular activities of teaching and researches were performed during the current year.

Likewise, Department of Philosophy & Religion, Urdu, Arabic, Bengali, English, French Studies, German Studies, Hindi, Journalism and Mass Communication, Linguistics, Marathi, Persian, Physical Education, Sanskrit, Telugu, History of Arts, Library & Information Science and Malaviya Moolya Anusheelan Kendra, Bhojpuri Adhyayan Kendra, Bharat Adhyayan Kendra,engaged in regular activities of teaching and researches.

Bharat Adhyayan Kendra

The Bharat Adhyayan Kendra (BAK) has been founded in 2015. With this background Bharat Adhyayan Kendra is located and functional from Feb. 2020 at the Malaviya heritage Complex, BHU. It has organized 1 Seminar, 2 Workshops and 19 Online Special Lectures.

Innovative Teaching and Research Programmes

- Applied Sanskrit UG Diploma Course (Two-Years)
- Computational linguistics PG Diploma Course (Two-Years)
- Bharat Adhyayan Certificate Course (One-Year)
- Special Course on the Intent and Nature of Adhyayan (Indian Spirituality) Short term (3 Months)
- M.A. in Hindu Studies (Two-Years), 4 Semester Regular Programme (16 Papers)

The above courses are introduced by the Kendra for students and staff of the university and even citizens outside the campus.

Academic Collaboration/MoUs

The Faculty has academic collaborations with several universities of the country which includeUttarakhand Open university, Haldwani; Indoscandic Institute, Sweden; University Department of AIHC & Archaeology, Tilka Manjhi Bhagalpur University, Bhagalpur; Heritage Society, Patna; Indology Foundation, New Delhi; Ritwik, New Delhi; Indian Council of Philosophical Research (ICPR) New Delhi

NET/ JRF/CSIR/GATE etc.- 04 JRF(UGC) & 06- NET (UGC)

2.1.2.2. FACULTY OF COMMERCE

The Faculty of Commerce, BHU, is one of the biggest commerce Faculty of the country, which came into existence in 1940 as an adjunct department to the Department of Economics, BHU during the silver jubilee celebrations of the University. In 1950, it became an independent department and, in 1965, it was elevated to the status of a Faculty. During the current year, the Faculty of Commerce, BHU, continued to run B.Com. (Hons.), M.Com. and Ph.D. courses. Besides these, special courses like M.B.A.-F.M., M.B.A.-R&I and M.B.A.-F.T. are also run on self-financing basis. Further, at the Rajiv Gandhi South Campus (RGSC), Barkachha, Mirzapur, B.Com. (Hons.) on paid seat category basis and B.Com. (Hons.) F.M.M. also run under the academic control of the Faculty of Commerce. During the session,the total number of enrolled students in the Faculty was 2573 (including students enrolled at R.G.S.C., Barkachha, Mirzapur)

Students have taken interest for admission in the Faculty from many foreign countries like Nepal, Zimbabwe, Yemen, Iran, Kenya & Srilanka. Number of female students admitted in the Faculty in all the courses during the period has been remarkable. About four hundred female students were admitted in the Faculty during the current session.

The faculty members of the Faculty of Commerce continued to make significant contributions by producing PhDs., publishing research papers/articles and books, participating in various seminars and conferences held at different places in India and abroad and also acting as examiners and guest speakers in different universities/institutions and at other departments of B.H.U.

Facilities to Students

With a view to improve the quality and performance of the students, the Faculty provides various facilities to them, which includeaccess to Departmental Library, Text Book Bank Facility, Merit & Endowment Scholarship, UGC Fellowships, BHU Ph.D. Research Scholarship, Scholarship to SC/ST Students, NCC, NSS, Guest Faculty Lectures, Project Training, Interaction with Business Executives, Internet facility, Wi-Fi- facility.

The departmental library is enriched with large number of books.

Other Facilities to Students: Computers 80, Laptop 34, Photocopier 03, Laser Printer 65, In addition to the above, Wi-Fi Internet facility is also available for the students. A laboratory, well equipped with computers, internet and Wi-Fi network facilitate the students of the Faculty for practical purposes.

2.1.2.3. FACULTY OF EDUCATION

The Faculty of Education was established on 15 August, 1918 as Teachers' Training College (TTC). Since its inception, the Faculty has been playing a significant role in reforming education system in general and teachers' education in particular as per the contemporary needs.

During this year more than 20 Ph.D. Degreeshave been awarded to the students,besides more than20 NET/JRF fellowships.

Apart from successful conduction of academic programme, the Faculty of Education remained as resource centre for academic leadership, personality development, skill development, computer operation skills, training in MOOCs and assistive devices, sign languages and research culture for both general and special education.

The Faculty has organized many co-curricular activities with NGOs and other institutions / organizations.

The Faculty also collaborated with various organizations, especially on issues related to:

- School Education.
- Special Orientation to Special Teachers (V.I., H.I. and Others).
- Training for Principals and Administrator.
- Emerging technologies for Visually Impaired & Hearing Impaired students.
- Induction Programme for officials of university.
- Implementation of revised U.G, P.G. and Ph.D. Course Work Programs.
- Initiating Master of Arts in Education Program

Students of the Faculty have visited many special schools, slum areas etc. and organized awareness programmes. To save the environment, many trees have been planted in the premises of the Faculty. The Eco-Club of the Faculty in association with Ankur-NGO, Women's Inner Wheel Club and other NGOs,have organized awareness programmes and plantation progammes.

The Faculty established linkage with school education by organizing variety of training programmes for teachers and administrators. Accountability, punctuality and regularities among students, teachers and staff are instrumental in qualitative approach towards achieving the objectives.

Student Support Service and Facilities

Online classroom interaction facilities were also provided to students during the current session.

The faculty attracts students from several Indian states besides a good number of foreign students. During 2020-21 academic session, the students composition consisted of students from Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, West Bengal, Uttarakhand etc. Some students and research scholars from Thailand, Iran, Nepal and Combodia were also pursuing their research and academic activities in the Faculty.

Laboratories/Resource facilities: The Faculty has Science Laboratory, Language Laboratory, Computer Laboratory, Social Science Laboratory, Laboratory for Visual Impartment (V.I.), Laboratory for Hearing Impairment (H.I.), Environmental Education Laboratory and Eco-Club, Psychology Lab, Guidance & Counseling Cell, Placement Cell, Internal Quality Assurance Cell (IQAC), Alumni Cell, Sports Room, School of Education (SOE)

Work Completed / in Progress

- Solar Panels for power backup in the Faculty of Education have been installed.
- The construction work of second floor of the new building of the Faculty has also ben completed.
- New toilets for male and female have been constructed in the new building.
- Lift has been installed and ramp for special need children has also been constructed in the new building.
- Two rooms set for Sanitary Support Services and Horticultural Unit of BHU have been constructed in the premises of the Faculty.

2.1.2.4. FACULTY OF LAW

The Faculty of Law, Banaras Hindu University, since its establishment, has been playing significant role in reforming legal education and making it socially relevant. The Faculty has been pioneer in introducing full time studies in 3 year's LL.B. course and two-year full time programme of LL.M. course since1998. It has also introduced 2 Year full time LL.M. Course in "Human Rights and Duties Education" and, in 2001-2002, a new paper on "Animal Law" was introduced. As per the directions of the Bar Council of India, the Faculty of Law has restructured its curriculum by introducing LL.B. (Hons.) from session 2009-2010. Further, the faculty has adopted choice based credit system w.e.f. the session 2010-2011 in LL.B.(Hons.), LL.M. and LL.M.(HRDE) courses in line with appropriate University ordinances for the session 2010-2011. Besides, the Faculty of Law introduced course work for Ph.D. programme w.e.f. January 2011.

At the LL.B. level, the major thrust of the Faculty of Law has been to provide to the student, a career oriented training in law in order to equip them to face the challenges of legal education and increasing demands of Law graduates in the field of Business, Industry, Commerce and other developing and emerging sectors. The Faculty of Law has also started some community-oriented courses in Law which include law in relation to society, environment, consumer, women, children, and many more. The Faculty also provides legal education on the rural problems which includes agricultural land laws and reforms. It has also been rendering legal aid and services to the poor and downtrodden persons of the society since 1978.

The Faculty of Law has been continuously publishing a standard annual journal entitled "Banaras Law Journal". The journal publishes research articles/book reviews from teachers, eminent professional and academicians inside and outside India. The journal has been a source of exchange of many valuable journals from India and abroad. It is cited by research scholars and judges of the High Court and the Supreme Court. Furthermore, the Faculty has started national level Moot Court competition – Mahamana Malviya National Moot Court, and, in April 2019, its 7th edition was organized successfully.

Academic Activities

- Admission and teaching of various courses/semesters were completed in time. The examinations were peacefully held as per academic calendar.
- Several teachers of the Faculty of Law delivered lectures as resource persons in Orientation Course, Refresher Course and in various National Workshops organized either in BHU or other universities.
- The students of the Faculty participated in cultural events like short play, quiz, dance, song, elocution etc. and debate competitions organized by Banaras Hindu University under the banner of 'Spandan' and the Inter Faculty Youth Festival, 2019. They got prizes and appreciation as well.
- Work is in progress to upgrade the Faculty of Law into Institute of Law.
- Online National Moot Court competition, Legal Awareness and Legal Aid programme

Campus Development/New Infrastructure created

Two fully equipped smart classrooms and Web Ex for online classes for every class have been augmented in the faculty.

Academic Collaborations / MoUs : Proposed with IIUM, YAMANASHI University

Programme of Studies

In addition to traditional subjects being taught in other Law Schools of the country, the Law Faculty of BHU has also provisions for the courses on Criminology and Penology, International Economic Law, Law of Cooperation and Public Control, Law relating to Rural Development, Law Relating to Rent Control, Military Law, Hindu Jurisprudence and Muslim Jurisprudence. Similarly, it has also provisions for a number of seminal Courses like Law and Society, Law and Poverty, Law and Education, Law and Religion, Law and Women, Law and Child, Law and Planning, Law and Consumer, Law and Science & Technology and Law and Medicine. Most of them are taught in the Faculty for the last several years.

In addition to LL.M. (General), the Law School of BHU has also the provision for LL.M. in Human Right and Duties Education, where subjects like Human Rights Jurisprudence, Human Rights and India, International Law of Human Rights, Human Rights and Criminal Justice, International Refugee Law, International Humanitarian Law, Human Right and Environment, Human Rights and Women, and Human rights and Children, Law, Science and Technology and Human Rights are offered. Students are also required to write Dissertation in partial fulfillment of the Degree of LL.M.

2.1.2.5. FACULTY OF PERFORMING ARTS

The Faculty of Performing Arts, BHU, ardently works for the promotion and preservation of the traditional arts of music & dance. Due to the relentless efforts of Pt. Govind Malviya and the founder Principal Sangit Martand Pt. Omkar Nath Thakur, a College of Music & Fine Arts was established in the year 1950. The Faculty, since its inception, has never looked back and is currently successfully training students in the field of Indian Classical Arts of Music (Vocal and Instrumental), Dance and Musicology, both in North Indian and South Indian genres. The Faculty also has the unique distinction to institute the first department of Musicology in the country. BHU is also the pioneering Central University for starting the courses in music.

The Faculty of Performing Arts consists of four departments: Vocal, Instrumental, Musicology and Dance. The Dance Department was set up in the Session 2007-2008. Masters Degree for Bharatnatyam and Kathak started in 2007-2008 Session. The Faculty conducts the following courses: Ph.D., Post Graduate, and Under Graduate & Junior Diploma in Vocal (Hindustani/ Karnatic); Instrumental (Sitar/ Violin/ Flute/ Tabla/ Mridangam), Dance (Kathak/ Bharatnatyam).

The Faculty of Performing Arts is a premier institution in the country that inculcates the students both ‘Kala’ and ‘Vidya’ through performing arts. To showcase the ability of ‘Kala’ as performance in the faculty, the idea of ‘Thursday concert’ was introduced by Prof. Lal Mani Mishra in 1971, who was then Dean. In ‘Thursday concert’, two programs were organized in the faculty every Thursday evening. This idea worked very well as every student got an opportunity to perform in front of a large number of audiences, which is also a part of learning. Also the teachers of the faculty used to perform, which was very inspiring for the students. Following the success of ‘Thursday concerts’ Prof. Lal Mani Mishra proposed the idea of organizing “Purvacharya Smriti Sangeet Saptah” in the faculty, once in a year; a musical week for the performances of the teachers and students of the faculty to commemorate the great maestros of music. It happened to be a really great idea and since then it has become the annual celebration of the faculty, where all the students and teachers perform together, listen and appreciate each other. Now the musical extravaganza is known as “Purvacharya Smriti Sangeet Samaroh”, a three to five-day program, where each day is dedicated to a great maestro of music. For each member of Faculty of Performing Arts this musical program is much

more than a concert; a performance in the Purvachrya Smriti Sangeet Samaroh is their offering to Goddess Saraswati, Malviya ji and Pt. Onkar Nath Thakur ji.

Students' Achievements

Department of Vocal Music

Achievements/Prizes

- First Prize at online national level intercollegiate classical Music competition organized by Mahila Mahavidyalaya, Amravati awarded to Ishan Ghosh.
- Consolation Prize at “Passion 2020”. A Global Music competition on digital platform organized by Suranjan Trust, Maharashtra awarded to Ishan Ghosh.
- First Prize at Uttar Pradesh Sangeet Natak Akademi Music competition, Vidhyacha awarded to Ishan Ghosh.

Performances by Ishan Ghosh

- Khayal Presentation at Online Music Festival organized by Gunras Piya Sangeet Foundation by Ishan Ghosh
- Performance on Online Music Festival organized by Gurukul Music Academy by Ishan Ghosh
- Performance on “Horizons October 2020”’ a monthly Hindustani Classical concert of the young musicians on digital platform, organized by Suranjan Trust, Maharashtra by Ishan Ghosh
- Performance in Subah-E-Banaras by Ishan Ghosh

Performances: Km. Bandana Rai performed in online worldwide competition (I am the next superstar 2020) and qualified in the final round in folk genre top 02, organized by Suresh Wadekar, Ajeevan Academy, Saumya Verma performed in online folk music competition, Mr. Aditya Vijay Bhandari performed in online concerts, Ms. Alankrita Roy Bhandari performed in online concerts, Ms. Pooja Basak performed in online concerts, Ms. Rajashree Nath performed in online concerts, Mr. Pankaj Srinathan Performed at Subah-E-Banaras.

Apart from these, the teachers also performed in more than 20 online concerts.

- Students Centric Activities- Due to the Pandemic no extra Curricular activities could take place. However students participated few online talent hunt competition and won prizes.

Department of Instrumental Music

- The Faculty of Performing Arts conducted a Webinar from 28th June, 2020 to 4th July, 2020 the title of the Webinar were Bharatiya Sangeet me Sashtra chintan ke vividh aayam.
- Department of Instrumental Music, Faculty of Performing Arts, conducted a webinar from 28th June, 2020 to 8th July, 2020. The title of the webinar was "Laya-Taal PragyaPravah".
- The department also conducted a Webinar from 8th August 2020 to 14th August 2020.
- The two-day national webinar, organized by the Department of Instrumental Music, on June 15 and 16, 2020, with the theme “Various Dimensions of Presentation in the Context of Instrumental Music.

Students' achievements –Department of Instrumental Music

- Mr. Prashant Mishra, 01 UGC NET qualified

Department of Dance

- Aditi Bashak, MPA Kathak has been awarded with UGC NET 2020
- Rudra Shankar Mishra, MPA Kathak has been awarded with UGC NET (with JRF)
- Rupam Raghuvanshi, has been awarded with MPA Bharatnatyam awarded with UGC NET 2020

2.1.2.6. FACULTY OF SOCIAL SCIENCES

The Faculty of Social Sciences, being one of the oldest and distinguished centers of learning, has a long lineage of strengthening the academic fabric of the Banaras Hindu University. The Faculty of Social Sciences (bifurcated from the Faculty of Arts, formerly known as Central Hindu College) was established in 1971 and comprised five departments - Economics, History, Political Science, Psychology and Sociology. It has hosted scores of scholars and researchers whose contribution has been recognized and acclaimed world over. In addition to the catering of teaching at the undergraduate and postgraduate levels in five disciplines of Economics, History, Political Science, Psychology and Sociology, the Faculty has branched out its new direction by setting up following new centres

- Centre for Integrated Rural Development
- Centre for the Study of Nepal
- Centre for the Study of Social Exclusion and Inclusive Policy
- Centre for Women's Studies and Development
- Malviya Centre for Peace and Research

In addition to the above, following 02 Chairs have also been established in the Faculty-

- Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair in October, 2017
- B. R. Ambedkar Chair, October, 2017

Department of Economics

The Department of Economics was established in 1918 and is one of the oldest departments of the university.

The courses offered by the Department are B. A. (Hons.), M. A. (in Economics), Master in Energy Economics, MBA in Economics, Ph. D., D. Litt. The recent changes introduced in the courses lay emphasis on the content of Mathematics, Statistics, Environmental Issues, Social Sector Issues, Banking and Financial Market, International Trade and Finance, Infrastructure in the teaching of economics. The department offers courses in a large number of optional papers. The general approach in framing the courses has been to combine theory with empirical studies.

A research unit as a part of the department, designed to undertake research project in land relations, rural employment, growth centres, changing pattern of income distribution and poverty, has been functioning in the department since 1988. There are two posts of statistical assistants in the research unit. The major areas of research are: Public Finance, International Economics, Agricultural Economics, Industrial Economics, and Growth and planning, etc.

The faculty members of the department have been able to attract 2 new research projects, besides continuing the ongoing projects.

Publications

During the academic session 2020-21, more than 15 research papers have been published by the faculty members of the department in top notch journals of repute. They have been contributing extensively (more than 800 papers) to international and national journals and national dailies. The papers contributed by the teachers of the department have been translated in different languages; some of the papers have been used as background papers in seminars and are reprinted. Some of the papers have been flashed by India News and Feature Alliance (INFA). Abstract of some of the papers appear in weekly bulletins prepared by the Documentation and Research Branch, Directorate of Economics and Statistics, Ministry of Agriculture, Government of India. Some papers have been referred to by authors in their writings published in different journals of India.

Other Achievement by the Students

- More than 20 students submitted their Ph.D. thesis during 2020-21.
- More than 15 students qualified for UGC-NET/JRF
- More than 10 Research scholars selected for the various academic post in various state/central/ research universities/institutes.
- More than 10 students from M.A.Economics, Master in Energy Economics and Business Economics got placement in various companies.

Department of History

The Department of History is one of the oldest departments of the university. Besides the core conventional and foundational courses on cultural, socio-economic, political and religious aspects of various epochs of Indian History, the department also offers diverse array of courses on European and Asian History and thematic courses on Tribal History, Gender, Diaspora Studies, and Maritime History and Trade. Important emerging areas such as History of Science, Technology and Medicine, History of Environment and Ecology have received overwhelming response from students. In addition, courses on principles of history and research methodologies are taught at Postgraduate level with the view to encouraging students in the area of research. The diversity of postgraduate syllabus of the department can be gauged by the fact that altogether forty-nine papers are offered in four semesters to ninety postgraduate students admitted annually. Syllabus revision exercises are regularly carried out to keep courses up-to-date and relevant. In 2019-20, initial exercises for the revision of courses for B.A. History (Honours) and MA took place with an idea to retain their rigour as well as meet the demands of the Semester System. Further work on that is expected in the coming sessions.

The university's thrust to diversify teaching and research and to develop new areas of excellence evoked enthusiastic response from the Department. Through the new and prestigious channel of BHU-IoE programme, a proposal made by a faculty member to start a course on Archival Studies has borne fruit. After intense preparation and approval of various academic bodies, the Special Two-Year M.A.in Archival Studies and Management is now ready to be offered to students. Comprising of twelve papers and an Internship at a professional organisation such as National Archives and the NMML, the 64 credit course will combine history, theory and praxis of Archival studies. This course has the distinction of getting approval under BHU's Institute of Eminence Programme.

The faculty members of the department have been able to attract 2 new research projects besides continuing the ongoing projects. Significant publications have been there in the past year. 5 books (International publication 2, and national 3) and 3 articles in reputed international and 11 in national journals were published. In addition, there are 4 Book Chapters in International and 2 in national publications. Academic videos were also prepared providing important resource for students and other interested persons. One faculty member is General Series Editor: Global South Asians Series of the Cambridge University Press.

Department of Political Science

The Department of Political Science is one of the oldest departments of Banaras Hindu University. Established as a combined department along with Economics, it got an independent existence in 1929. The department has established itself academically and is attested by a galaxy of eminent political scientists who adorned the department in the past and also present. Presently the department has 16 faculty members and more than 500 students belonging to various courses. The department runs B.A.(Hons.) in Political Science, M.A. in Political Science, M.A. in Public Administration and Full time research program in Political Science and Public Administration.

Awards / Fellowships and Recognitions

Students from the department have received UGC (NET/JRF) and Rajiv Gandhi National Fellowships. Students from the department have been appointed as Assistant Professors in Various Universities and Colleges.

Department of Psychology

The Department of Psychology, Faculty of Social Sciences, made significant progress during the period from April 2019 to March 2021 in various areas including teaching, training and research. In view of the high quality academic output of the department in thrust area of Cognition and Health, the UGC has upgraded SAP-DRS-I status of the Department to SAP-DRS-II.

The department offers B.A. (Hons) in Psychology, M.A. in Psychology and Ph.D. in various domains of Psychology. A substantial number of research papers and books have been published by the faculty members of the department in prestigious journals besides contributing book chapters in reputed publications.

Various academic activities of the Department continued at an ever ascending pace and various conference / webinars / workshops have been organized during the period of assessment, in addition to special lectures by National and International resource persons. A number of academic and capacity building programs were organized for the students as well as teachers of the department. Experts from various parts of the country were invited to deliver guest lecturers for the research scholars and Post-graduate students to acquaint them with the emerging areas of research in psychology and to widen their horizons beyond the theoretical aspects of the subject to its practical applications for the society at large.

Department of Sociology

The idea of introducing sociology as a separate subject of study in BHU dates back to the year 1965. On November 21, 1961 the Academic Council passed the resolution to establish the department which was recommended by the visiting committee of the University Grant Commission in 1962. As a result, teaching of sociology started in the Department of Political Science in 1963. The Department of Sociology becomes an independent and separate department of BHU in April 1966.

The department presently offers courses in Bachelor of Arts, Master of Arts, Master of Arts in Social Work and Doctor of Philosophy. The department was one of the only three departments in the university to pioneer M.Phil course of study in 1984-85. The teaching of M.A. in Social Work began in 1999 under the Department of Sociology as a Special Course of Study. The Department of Sociology is privileged with the biggest contingent of research scholars on roll in the University. Presently, more than 100 research scholars are enrolled in PhD program of the

department. They have been actively pursuing research in diverse areas like Sociology of Crime, Ageing, Rural-Urban Systems, Social Change and Development, Gender, Health and Sociology of Profession etc.

The faculty members of the department have published a substantial number of research papers and books in reputed journals, besides contributing books chapters. A dozen major research projects funded by various Indian and foreign agencies are going on in the department.

The department has made many strides and scaled new heights since its inception. An impressive numbers of alumni have made their mark in various capacities in institutions of higher learning, both in India and across the sea, as faculty members in various institutions of repute like Punjab Univeristy, Mizoram University, Lucknow University, Dr. BR Ambedkar University Agra, Rohilkhand University, Jawaharlal Nehru University, Awadh Univesity, University of Rajasthan, Dr. HSG University, Sagar, IIT Kharagpur amd Universities of Thailand. Many of them are also in IAS-Allied & State PCS and International Development Organizations etc.

2.1.2.7. FACULTY OF SANSKRIT VIDYA DHARM VIJANAN

Sanskrit language is one amongst the ancient languages of the world. Its vanmaya reveals and explains each and every aspect of Indian culture. Having felt the importance of this language and literature, Sanskrit College (Mahavidyalaya) was established in 1918 in the Banaras Hindu University. Subsequently, it was named as Prachya Vidya Dharma Vijnan Sankaya. Presently, it is known as Sanskrit Vidya Dharma Vijnana Sankaya. Faculty ofSanskrit Learning and Theology.

Presently, there are eight departments running in the Faculty, namely,Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotish, Vaidic Darshan, Jain Bauddha Darshan, Dharmashastra Mimansa and Dharmagam. There are about 23 subjects taught in these departments. In the faculty, there is the provision of teaching Shastri (Hons) (six semester) degree course and Acharya (4-semester), the Post Graduate course in the medium of Sanskrit. Besides excellent research facilities are available in all subjects for the degree of Vidyavaridhi.

The Faculty also publishes an annual research journal 'Sanskritavidya' which is popular among the scholars of Indology. Publication of some ancient Indian texts is undertaken the publication section of the faculty. The panchnaga section of the faculty has been publishing of Vishwa Panchang regularly since 1926 every year.

Vedic Vigyan Kendra

The proposal of this center was received by the Government of Uttar Pradesh in the year 2017, for which the foundation stone of the building (September 18, 2018) and the inauguration of the building (February 16, 2020) both have been done by the Hon’ble Prime Minister.One-Year certificate course has been started by the Centre for Vedic Science from the session 2019-20.

The construction of the phase of the center is ready at Rs.11.21 crore next to the Vishwanath temple located in the Banaras Hindu University and all the activities of the centre has been started form the new building. The Building has a large library, seven lecture halls (one comprising 05 Modern and traditional), a seminar room (200seating capacity), a conference room (60 persons seating capacity), a centralized lab, A vedic chemistry lab, computer lab, about 30 rooms for teachers, office rooms, publication rooms, coordinator/Director room etc.

Achievements of Activities and Programmes

National Vedic Gyan –Vigyan Karyshala 23.to 27.Sept, 2020; A Seven Day National Webinar on “Vedic Mathematics” on 17 to 23 Nov, 2020; A International Webinar on “Vedas for world Peace” on 11 Dec,2020; A “Smarika” (book collecting all the program carried out by the Centre) was inaugurated on 31 Jan,2021; “Vedamrita Aawaleh” on 09 Feb, 2021; Newly constructed building of Vedic Vigyan Kendra was inaugurated. On were organized 10 Mar, 2021.

Prof. Upendra Kumar Tripathi, Coordinator- Centre for Vedic Science, Banaras Hindu University was awarded by Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lucknow by Dr. Bhagwan Das Award for his book- Vedic Culture discussion in the year-2019.

Ms. Neha Singh, student of Centre for Centre for Vedic Science made Guinness World Record on 18-11-2020 for the Largest Spice Painting (675.36 ft^2).

Eminent Visitors in the Current year

Prof. JPN Mishra, Head of Department, School of Life Science, Gujarat Central University, Gujarat.; Dr. Piyush Parimu, Assistant Professor, Department of Philosophy, Chandigarh University, Punjab and Prof. Kailash Vishwakarma, Vedic Mathematics Education Culture, Utthan Nyas, New Delhi; Dr. Krishna Murari Tripathi former Deputy Director, Yoga Sadhana Kendra, Malviya Bhawan.

Academic contribution: Four books and one research magazine were published by the Centre for Vedic Science in the Current year.

2.1.2.8. FACULTY OF VISUAL ARTS

The Faculty of Visual Arts was established in1950 at the Banaras Hindu University. It is one of the premier art institutions of India and offers degree programmes leading to professional Bachelor of Fine Arts (B.F.A.) and Master of Fine Arts (M.F.A.) in the specializations of Applied Art, Painting, Textile Design, Plastic Art (Sculpture) and Pottery Ceramics. In addition, Diploma and Certificate Courses are also being offered for the duration of One Year, Six Months, and Two Months. Compulsory theory subjects in History of Visual Arts and Design judiciously supplements the practical oriented BFA and MFA programs. The Faculty also offers excellent doctoral research facilities in all the five disciplines.

The Faculty is among the few Arts Institutes offering Post-graduation in all the above courses, and attracts students from all over India, SAARC countries, North America, and Europe. The Faculty of Visual Arts is an institution endeavoring to develop students into professionals who have a critical role to play in society where creative thinking needs to be inculcated.

Teaching Learning and Research

In the academic year 2020-21, a total number of 115 students were admitted to the 1st Year BFA and 98 students to the MFA Previous. 52 Research Scholars are presently engaged in Doctoral Research at our faculty in various specializations.

All the academic programmes of the Faculty were restructured and up-graded into semester pattern curriculum in 2010, enabling optimum interaction with the contemporary art activities all over the country. The B.F.A., M.F.A., and Doctoral level degree holders mould their career in various related professions or excel as freelancer professionals in India and abroad. The students of the Faculty have regularly won prestigious awards, fellowships and artist residencies at national and international platforms.

Recently, the Faculty received some major projects under SPARC (Scheme for Promotion of Academic and Research Collaboration), IMPRESS (Impactful Policy Research in Social Science) and PMMMNMTT - Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission for Teachers Training, Institute of Eminence Scheme IOE- BHU (Seed and Faculty Incentive), and two Seed Grant projects were sanctioned under Institute of Eminence, BHU.

Design Innovation Centre

The Design Innovation Center at the Department of Applied Arts, Faculty of Visual Arts, is one of its kind, considering the only center being run specific to Visual Arts across India under Hub & Spoke Model, in association with Indian Institute of Technology (BHU), Motilal Nehru National Institute of Technology, Indian Institute of Information Technology, and University of Allahabad. The centre has received more than 435 innovative ideas leading to 157 completed and 87 in process projects including patents and design registration. The center has developed Graphic and Digital Media Lab, Digital Innovation Gallery, Design Cafe (Prototype Lab and Workshop Place) and has organized 971 activities for the awareness and promotion of Design Innovation Culture amongst students. The centre also works as a nodal centre for recently established MHRD Innovation Cell under nomenclature of Institution's Innovation Council at BHU. Innovation Cell organizes various activities such as workshops, E-Talks, and Awareness Programmes on regular basis. Recently Institution's Innovation Council was ranked as 5 Star performer. In 2020-21, BHU was graded at A-Level as a National Institute, within 11th and 25th rank under ARIIA - Atal Ranking for Institutions Innovation Achievements by MHRD.

Art Fair

Art Fair is an important feature of the Faculty of Visual Arts. It is organized annually with an aim of social outreach and propagation of various visual arts and its education. The faculty members and students regularly contribute and participate in diverse co-curricular activities such as Annual Art Exhibition, and took Championship in Fine Art events in Inter University East Zone Youth Festival and also performed admirably in National Youth Festival. For consecutive three years, i.e. 2015, 2016 and 2017, the Faculty of Visual Arts, B.H.U. was ranked as the top-most art institutes of India in the India Today-Nielson Survey.

Honours and Recognitions

The faculty members are actively engaged in research and are regularly invited to various art events across India and globally. The faculty members and technical associates have won numerous accolades under the auspices of National Lalit Kala Akademi, State Lalit Kala Akademi, All India Fine Arts & Craft Society - New Delhi, Bharat Bhawan Biennale, Kichi Biennale, Bodg Gaya Biennale, National Lalit Kala Akademi, International Triennale, U.G.C., Raman Post-Doctoral Fellowship and Visiting Scholar and Teaching Fellowships at Tama University (Japan), New York State University at University at Buffalo, Maryland Institute College of Art and Michigan State University (USA).

2.1.3. MAHILA MAHAVIDYALAYA

Mahila Mahavidyalaya was established in 1929 as "Women's College", with the vision of developing leadership skills in girls and making them self-reliant in society. It is the only constituent college of the Banaras Hindu University.

Academic Activities

The college offers teaching in 31 courses in 6 subjects. Apart from this, it also offers postgraduate degrees in the fields of education, home science and bioinformatics.

The teachers here are associated with their parent departments and they also undertake postgraduate teaching, research, and many research projects.There are 820 and 60 students enrolled in the undergraduate and postgraduate programs respectively. This year too many students have made it to the merit list in the university examinations.

Academic Contribution, Achievements and Awards

The faculty members of the Mahila Mahavidyalaya have published substantial number of research papers and books in top notch journals of national and international repute besides contributing book chapters published by reputed publication houses.

A number of conference, seminars, workshops, webinars focusing on women empowerment, science & technology, COVID awareness, gender sensitization etc. have been organised by the college.

Eminent scholars and renowned academicians delivered lectures and enlightened the students with their vision. Many faculty members were invited for various presentations in distinguished institutions and were also part of the jury in several prestigious events.

Campus Development/New Infrastructure

The Women's college is among the few campuses of the country that have taken a long leap of self-sufficiency in the field of power system. A large solar power plant has been set up in the campus, which is yielding positive results. The office of Home Science Department has also been renovated for the convenience of teachers and students.

2.1.4. CENTRES FOR STUDIES

2.1.4.1. Genetic Disorders
2.1.4.2. DST – Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences
2.1.4.3. Study of Nepal
2.1.4.4. Women Studies & Development
2.1.4.5. Malaviya Centre for Peace Research
2.1.4.6. Integrated Rural Development
2.1.4.7. Social Exclusion and Inclusive Policy

2.1.4.1. CENTRE FOR GENETIC DISORDER

The Centre for Genetic Disorders, initially funded by DBT (2006-2011) is an established centre under the aegis of Institute of Science. The primary vision of the centre is to make a healthy and health-conscious society with reduced genetic burden and better management of disease. The centre's focus is to estimate the burden of genetic diseases on the community, unravel their underlying molecular mechanisms and develop strategies to diagnose, treat and manage them. To achieve this, the centre has research programmes on genetic and complex disorders, a diagnostic unit for chromosomal and genetic disorders and a teaching programme to produce technically skilled resource personnel for research, diagnostics and management.

Major Research Areas

The Centre conducts research on various field related to genetics, which include genetic diagnostics of various chromosomal and genetic disorders, whole genome sequencing - decoding the cause of human toothagenesis, molecular analysis of renal cellcarcinoma, assessment of anti-cancerous activity of Traditional, Ayurvedic and Medicinal plant products or formulations, genomics of Polycystic KidneyDisorders, genetics of neurodegenerative disorders with special reference to Parkinson'sdisease, development of biocompatible dental implant made up of metalalloys, genetics of Alzheimer'sdisease, molecular cytogenetics mapping of X chromosome in Turner syndrome and Study on identification of mutations responsible for myeloproliferativedisorders, development of stem cell based research for uterine fibroid, gestational diabetes etc.

The Centre has collaborations with Department of Pathology, Paediatrics and Obstetrics & Gynecology, Institute of Medical Sciences,BHU for conducting research in various filed of genetic disorders.

Achievements of activities andprogrammes

- **GeneticDiagnostics**: More than 500 referred cases were diagnosed for various disorders including Down syndrome, Turner syndrome, DMD/BMD, Thalassemia, recurrent abortions, NTD, CML etc.
- **Presentations and workshops/hands ontraining:** The centre organized workshops, hands on training and other academic activities besides online oral and poster presentations.

Research facilities available forstudents

- Basic Molecular Biology Laboratory including facilities for various analyses of DNA, RNA, Proteins, PCR, genotyping, DNA sequencing,etc.,
- Cell culture laboratory including whole blood culture, stem cell and celllines.,
- Standard Cytogenetic laboratory including chromosome preparation, banding, karyotypingetc.,
- Equipments including centrifuges, gel electrophoretic apparatuses, UV-transilluminator, gel- documentation system, pH-meter, water baths incubators, ovens, weighing balances, refrigerators, - 20^0 C deep refrigerators, - 80^0 C deep refrigerator, cold chambers, thermal cyclers, laminar flow chambers, automated karyotype system with fluorescence microscope, light microscopes, inverted microscope, computer system with internet, automated DNA sequencer, Nanodrop Spectrophotometer, Haematoanalyzeretc., are available.

2.1.4.2. DST-CENTRE FOR INTERDISCIPLINARY MATHEMATICAL SCIENCES

DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences, Faculty of Science, Banaras Hindu University, was established in 2007 to promote training and research in Mathematical Sciences. CIMS continues to develop and add excellent infrastructure and facilities for the faculties, students, and visiting guests to undertake their academic activities in a conducive and vibrant environment.The Centre runs various academic program which include Ph.D. in Mathematical Sciences, M.Sc. Statistics and Computing, M.Sc. Computational Science and Applications, M.Sc. in Mathematics and Computing

The Centre has a separate building with classrooms, research laboratories equipped with modern equipments and computing facilities, separate chambers for faculty members and various amenities for students.

The faculty members of the Centre have been publishing research papers in national and international journals of repute. Besides publishing books, the faculty members and research scholars of the centre have been contributing substantial number of book chapters and articles in various reputed publications. The faculty members and research scholars of the centre present papers in various conferences and seminars in India and abroad.

Though during the COVID pandemic, the Centre could not organize seminars / conferences / workshops in physical mode, however, a substantial number of webinars have been organized by the Centre through online mode.

During this academic session 2020-21, two students have been awarded Ph.D. from the Centre.

2.1.4.3. CENTRE FOR STUDY OF NEPAL

The Centre for the Study of Nepal, Faculty of Social Sciences, Banaras Hindu University was established by University Grants Commission under its Area Study Programme in 1976. Initially it was devoted to the study of only Nepal. In course of time, the area of study was extended to include Trans-Himalayan region vis-à-vis study of Nepal, to understand the Indian subcontinent in its totality. It further wishes to extend to agenda to cover the whole South Asian region for understanding Nepal and Trans-Himalayan region in a larger perspective.

The Centre has a separate building having a well equipped computer lab and library which has a good number of books, journals and magazines. Besides theoretical studies, the students and researchers are also being engaged in field work.

Academic Activities and Achievements

- The Centre has been able to attract a grant of Rs. 6 Lakhs for research and organize an International seminar entitled "Configuration of Human Trafficking in Nepal and India: Human Security Vs State Security"
- Two Ph.D. seats have been allocated to the Centre for the session 2020-21.
  The Centre strives hard to organize various national and international seminars and conferences on the themes based on the mandates of the Centre.

2.1.4.4. CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES AND DEVELOPMENT

The Centre for Women's Studies & Development, Banaras Hindu University, established in 1988, is one of the pioneering centre of the country in the area of Women's Studies and since then it has been contributing significantly to evolve a gender sensitive society. The Centre has been recognized both nationally and internationally, due to its sustained efforts in bringing about gender sensitization in the region. It was formally established in the year 1988 under the 7th five year plan by the UGC. Due to its excellent performance, the UGC Visiting Committee declared the Centre as one of the resource or Nodal Centres in 1997, which is the highest recognition of excellence accorded to any Women's Studies Centre.

The Centre has completed 32 projects. One of the major projects has been "Indo-Dutch Project on Rural Sanitation and Health Education in U.P." covering 27 villages and nine thousand families. During the academic session 2020-21, the Centre has organized more than 20 national Seminars / Workshops / Colloquiums / Special Lectures / Group-Discussions. The Centre has collaborations with the Film and Television Institute of India and National Film Archive of India, Pune. Apart from discussing women's images in films, this programme created great interest among students who have interest in films and film making process as an alternative career.

Besides working as a networking centre on women's issues, the Centre has emerged as one of the leading centres for imparting teaching and training in Women's Studies. The Centre has successfully started One-Year P.G. Diploma Course in Gender and Women's Studies in September 2010. Till date, about 20 UGC Refresher Courses in Women's Studies, each of three weeks duration, have been organized by the Centre and thus has educated more than 700teachers in women's-studies. In addition to this, the centre has organized 18 Orientation Courses in Women's Studies for research scholars, NGOs, administrators and social workers. It is a matter of great pride that it has by now trained more than 550 research students in women's-studies. The most innovative aspect of these orientation courses is that a number of eminent experts from different disciplines belonging to different universities all over India are invited to deliver lectures. The research students who participate belong to different disciplines ranging from Social Sciences to Humanities, Science, Agriculture, Law, Medical, Commerce, Management etc.

The Centre has established a rich networking with other Women's Studies Centres, NGOs and Institutes of higher learning in order to bring more and more women in higher administration of the university.

The Centre also has a rich history of outreach activities. The Centre convenes meetings with elected Gram-Panchayat leaders of Varanasi district and organizes gender sensitization workshops with rural women of Varanasi district. It organizes a number of health awareness programmes, legal literacy awareness programmes, awareness generation camps about safe drinking water, environment, and sanitation, at different levels in Varanasi district.

As part of its outreach activities, the Centre runs a 'Sewing Training Centre' at Amra Village, for the economic and educational empowerment of rural women. To create health awareness among rural population, the Centre regularly organizes Health Education and Health Check-up Camps in rural areas. The presence of the centre has also been felt through events as Mahila Adalat, painting competitions and academic meets with faculty members, NGOs and students.

The Centre has successfully brought 1st Issue of its Journal "Journal of Gender and Justice" in 2012. It has by now prepared a Prashna Pustika in *Hindi*, 32 Project Reports and about 49 proceedings of different Orientation courses, Refresher courses and national seminars, The Centre's efforts for clustering at different levels have created an example for other departments. It has by now clustered at three levels: (1) with other sister departments of BHU (2) with different NGOs of Varanasi such as Social Action and Research Committee, World Literacy of Canada, U.P. Volunteer Health Association, Shri. Shambhu Nath Research Foundation and Mahila Samakhya. (3) with its branch *'Tejaswini'* in Arya Mahila Degree College, Varanasi.

The centre is rich in its infrastructural facilities. It has a well-equipped Library cum Seminar Hall with internet facility.

During 2020-2021 session, 29 students were admitted in one year P.G. Diploma course in Gender and Women's Studies. 6 Ph.D. scholars are also enrolled in the Centre. The Centre for Women's Studies & Development has been very active centre, undertaking variety of activities in the area of Women's Studies. A few of them are as follows:

- Organized one-day Webinar on "COVID-19: The Opportunity to Develop/Design an Inclusive Society" on 18 June 2020
- Organized three Webinar titled "COVID-19: The Opportunity to Develop/Design an Inclusive Society"; "COVID-19: Relevance of Yoga and Music in Women's Health" and "COVID-19: Violence Against Women: Recognition, Prevention and Response" on 18th June, 22nd June and 27th June 2020 respectively in association with UGC under the Directives of Dept. of Higher Education, MoE, Govt. of India
- Organized one-day national webinar on "COVID-19: The Opportunity to Develop / Design an Inclusive Society" in association with University Grants Commission, New Delhi under the Directive of Dept. of Higher Education, MoE, Govt. of India.
- Organized one-day National Webinar entitled "COVID-19: Relevance of Yoga and Music in Women's Health" on 22 June 2020
- Organized one-day Webinar entitled "COVID-19: Violence Against Women: Recognition, Prevention and Response" ON 27 June 2020
- Organized International Workshop on "Gender Sensitive Responses to Covid-19" during 16-23 July 2020
- Organized two-day Web Lecture Series on "Beyond the Realm of Violence: Towards a Gender Friendly Society" during 12-13 January 2021
- Held a one-day Awareness Field visit on the theme "Girls and Women Endowment in Rural Village Lessons from Amra (Uttar Pradesh)" on 22 February 2021
- Celebrated International Women's Day and organized a webinar entitled "Women's Health, Education and Self-Reliance" on 08th March 2021

Facilities for Students

The Centre provides several facilities for students which include Documentation on Women's Studies; Training through Orientation Course and workshops; Involvement of students in extension activities; Facilities of counselling on different topics related to women; Internet facility in library.

2.1.4.5. MALAVIYA CENTRE FOR PEACE RESEARCH

The Malaviya Centre for Peace Research (MCPR) was established in 1998 as an interdisciplinary centre of the Faculty of Social Sciences at the Banaras Hindu University. Sanctioned initially by the UGC during the VIII Five Year Plan, the Centre has recorded an impressive progress and has acquired an international reputation. Deriving expertise from diverse disciplines of Social Sciences, particularly Political Science and International Relations, the MCPR offers research and policy inputs, helpful to public policy makers and others concerned with the management and resolution of conflict. In addition, the MCPR aims to elicit and analyze data on various types of conflict both intra-state and inter-state, which could feed on researches in allied disciplines of social sciences. Thus the mission of the MCPR is to wedge the gulf between theory and practice in policy making through synthesis of the academic findings and experiential inputs from practitioners, leaders, and professionals. The objective of the Centre is to establish a wide spread constituency of resource persons and scholars stretching within & beyond South Asia through mutual & web-based interaction in seminars, workshops and dialogues. These interactive activities have been enriching and expanding the data and information base of the Centre. The presentations done, lessons learnt and inputs made by the experts are effectively used in the Centre's academic teaching and training programmers.

The Centre has emerged as a hub of intellectual activities in north India and is serving as a valuable resource centre for researchers and students of different universities in India and abroad. The presence in the faculty members of Faculty of Social Sciences and a number of researchers who are keenly interested in Peace Studies has been one of the formative influences in the creation of the MCPR and, together with their doctoral students, are building up a critical mass of sound research on issues of peace and conflict.

The Centre runs two-year M.A. and One-Year PG Diploma in "Conflict Management & Development" besides Ph.D. program in Peace Research and allied disciplines specially for catering to the administrators, politicians, NGOs and others engaged in the management of national and international conflict. This Special Course of Study offers a state of the art opportunity for students and practitioners from diverse fields concerned with conflicts and community development.

Collaborations / MoUs

- The prestigious UNESCO Peace and Inter-Cultural Consensus Chair was established in 2010 by UNESCO, Paris.
- Malaviya Center for Peace Research has signed MoU with Gandhi Smriti and Darshan Samiti, Ministry of Culture, Government of India for cooperation in academic and research work.
- Malaviya Center for Peace Research has partnered with Tony Blair Faith Foundation, UK. MoU has been signed for cooperation in academics and exchange of research work.
- Center has signed MoU with International Peace Research Institute, Norway for cooperation in academics and sharing of research work.
- Malaviya Center for Peace Research has signed a Memorandum of Understanding with the University for Peace, Costa Rica, established under the mandates the United Nations, for the development of new courses in the field of peace studies and new technology of co-teaching in the Masters course .
- Malviya Center for Peace Research, Karlstadt University, Sweden; Velazli College, USA and Tribhuvan University, Nepal has signed an MoU for institutional cooperation.
- Since 2006, Fulbright Professors and Scholars from the United States of America-India Educational Foundation, New Delhi have been coming to the Center for teaching and research work.

Massive Open Online Courses

The Malaviya Centre for Peace Research intends to float a four credit foundational course on "**Religion, Conflict and Globalization**" under MOOCs program designed to meet the needs of religious leaders, development community and peace activists. This innovative program will provide a cross-cultural understanding about the possibilities of using religious and cultural understanding as a tool of conflict resolution.

2.1.4.6. CENTRE FOR INTEGRATED RURAL DEVELOPMENT

The Centre for Integrated Rural Development of Banaras Hindu University was established in 1980 in response to the National Programme of Integrated Rural Development, initiated in 1979 by the Government of India**.** IRDP is committed to inter organizational collaboration and works to establish links between organizations concerned with rural development both in India and abroad.The Centre is a recognized unit of Banaras Hindu University and runs under the administrative control of Dean, Faculty of Social Sciences in conjunction with other related departments of the University.

Development of a Model village

On the request of the then C.M. of U.P. Mr. V.P.Singh, the IRDP Centre took the challenge for the development of a model village of Bhisampur (Chakia block). During the period of two years i.e. 1982-84 several developmental activities were implemented.

The Centre conducts training program of learning tailoring, cutting & knitting skills for the women living in the rural areas of Kashi Vidyapeeth Block and nearby areas of BHU campus. More than 40 women from the village & the BHU campus are coming regularly in two shifts 10. a.m. to 1.00 p.m. & 2.00 p.m. to 5.00 p.m. to know the technical know-how of tailoring.

Teaching and Learning

The Centre runs Two-Year M.A. program in IRDM, a self financed program of the Centre under the Faculty of Social Science. The teacher of various disciplines like I.I.T. (B.H.U.), I.M.S., I.Ag.S., I.Sc. &Social Sciences regularly teach different papers which include Society & Polity, Rural Economy, Agriculture, Rural Health, Rural Technology, Environment & Management. Forty students have been enrolled for the academic session 2020-2021.

2.1.4.7. CENTRE FOR STUDY OF SOCIAL EXCLUSION AND INCLUSIVE POLICY

The Centre was established in the year 2008 under the XI plan. This was one of the 35 Centres opened by UGC with the objective to study social exclusion in Indian society and acquaint about the policy-making for building a more inclusive society. This Centre has been one of the few centres in the country that defended itself in UGC, New Delhi and was approved for the continuation of its grant. Since inception, the Centre has been conducting M.Phil. and Ph.D. programs besides consistently engaging in academic activities like organizing conferences / seminars / symposia / special lectures etc. The Centre has provided an interdisciplinary space for advanced research and dialogue, and provided platform for cross-fertilization of ideas.

Approach

The Centrefocuses on the multidimensionality of deprivation; the processes through which individuals or groups are excluded; identifying the social actors and agents, who include and exclude and may belong to the state, local authorities, religious bodies, local elites, the market etc.; relational roots of deprivation; Intersectionality of multiple disadvantages, and the dynamics that emerge out of it; and the framework that particularly tailored for action.

Thus, the approach is directed towards acquainting the process of policy making, providing the policy makers with a lens through which the multidimensionality of deprivation and intersectionality of disadvantages become visible. It thus provides us with a dynamic framework for deconstructing disadvantage and social injustice.

Teaching Learning and Research

- The Centre runs **M.A. programme in Social Exclusion and Inclusive Policy** with the aim to focus on the nature and dynamics of myriad forms of discrimination and exclusion related to caste, tribes, gender, disability, religion, art, literature and media as well as on its various dimensions, i.e. constitutional, legal, socio-political, and economic in regard to the inclusive policy.
- The Centre runs **M. Phil programme in Subaltern Studiesand Ph.D. (Subaltern Studies)** with the aim to orient the aspirants towards the theoretical and methodological perspectives in the area of social exclusion and inclusive policy;
- The Centre runs Ph.D. programme with the focus to pursue the empirical researches in the aforesaid area, apart from theoretical and ontological understanding.

2.1.5. SCHOOLS

2.1.5.1. Central Hindu Boys School

2.1.5.2. Central Hindu Girls School

2.1.4.3. Sri Ranveer Sanskrit Vidyalaya

2.1.5.1. CENTRAL HINDU BOYS SCHOOL

Central Hindu Boys School was founded by Dr. Annie Basant in the year 1898 with a view to impart both traditional and modern education. On 30th March 1914, the entire land and the infrastructure was passed on to Mahamana Pt. Madanmohan Malaviya Ji with the promise that the proposed University (Banaras Hindu University) will look after the functioning and development of the School like any other department or faculty of the University considering the School to be an inseparable part of it. Presently, this School is an integral part of the University from the administrative point of view. It is affiliated to CBSE. The School has thus completed 123 years of its establishment.

Admission to classes VI, XI and XI are given through School Entrance Test (SET) conducted every year by the University like UET, PET and RET. Students are admitted on the basis of their merit index in the SET. It is noteworthy here that thousands of students apply for admission in Central Hindu Boys School only. This is an indication of the standard of the academic quality of the School. A Primary Section of the School is also running at Rajeev Gandhi South Campus, BHU, Barkachha, Mirzapur where classes from Nursery to Class-V are running. A total of 1996 students were registered in the current session, in the Senior and Senior Secondary classes at kamachha. The number of registered students at Barakachha was 186 in the current session.

The School provides education of the subjects related to Science stream, Arts stream and Commerce stream such as Mathematics, physics, Chemistry, Biology, Agriculture, Music, Computer, Physical Education, Psychology, Political Science, Geography, Economy, History, Accountancy, Business Studies, Hindi, Sanskrit and English. There arewell-furnished laboratories of Physics, Chemistry, Biology Psychology, Agriculture, Computer, Geography and Mathematics at Secondary and Senior Secondary level.

For the all-round development, dividing all the students into four Houses – Shivaji, Tagore, Ashok, Raman, various activities and inter house competitions related to debate, speech, general knowledge, sports, etc. are organized

throughout the session, The position holders are awarded in the prayer assembly. Competitions related to cricket, basketball, football, volleyball, athletics etc are organized in Annual Sports.

Facilities Available in the School

Established in 1921, the school has a grand library named as Telang Library having around 40,000 books along with regular subscription of various newspapers and magazines for the students. There is a hostel in the school campus itself in which a total of 100 students from far distant places are provided the hostel facility on the basis of their merit index.

There is a health centre also run by the University in the campus where medical facility is available for both the students and employees. The school has also the facilities of canteen and vehicle stand. For assistance to the poor and meritorious students of the School, vidyarthi Sahayak Sabha and Student Welfare Fund have been established. The needy students are provided with financial help books uniforms.

Co-Curricular Activities

In order to foster integrity, service to the nation and society among the students, four branches of NCC are functioning in the School. There are two divisions of Army NCC (Junior), one platoon of Army NCC (Senior) and one Junior Wing of Air NCC.

For fostering the creativity among the students. The annual school magazine 'Srijan' is published.

Remarkable Academic Achievements

- The result of CBSE Board Examination- 2020 of Class-X was 100 %. A total of 277 students appeared in the Board Examination. Mayank Kushwaha stood first in the School with 99% marks. Jayesh Bhardwaj got Second place in the school by scoring 98.40 % marks. Ravi Ranjan Kumar secured Third position by getting 98.40 % marks.
- A total of 19 students of the School secured 100% marks in different subjects and were awarded Certificate of Merit by CBSE under 0.1 Merit Category of CBSE Exam-2020.The names of students are: Mathematics - Anup Singh, Prateek Mishra, Satyam Patel, Vatsalya Singh and Girish Kumar; English - Vivek Kumar, Ayush Raj, Jayesh Bhardwaj, Mayank Kushwaha, Vivek Dubey, Aryan Raj Parmar, Abhinav Anand and Saurabh Nandan; Sanskrit- Ramakant Sharma, Raman Sharma and Sanjeev Kumar; Science – Ashutosh Chaturvedi and Ravi Ranjan Kumar; Social Science - Ankesh Kumar.
- In the Board Examination of Class X, a total of 108 students in English, 84 students in Hindi, 116 students in Mathematics, 76 students in Science and 175 students in Social Science scored above 90% marks.
- The result of CBSE Examination- 2020 of Class- XII was 98.04%. A total of 418 students appeared in the Board Examination. Sandeep Kushwaha (Arts Stream) stood first in the school with 97.40% marks. Shashank Kumar (Science Group) got Second place by securing 96.60 % and Nawal preet Singh (Commerce stream) secured Third position by scoring 95.20% marks.
- The number of students appeared in School Home Examination of Class VI, VII, VIII, IX and XI was 1285. became the School Topper VI – Shivam Yadav (VI-B) -92.92%; VII – Kumar Divyansh (VII- B) - 93.14%; VIII – Hari Om (VIII-C) – 98.42%; IX- (i) Adarsh Singh (IX-F) - 96.16%; (ii) Aryan Maurya (IX-B) – 96.16%; XI (Math)- Raman Sharma – 93.80%; XI (Bio Group)-Abhishek Singh (XI B2) – 90.00%; XI (Commerce)-Vishwas Giri (XI-E) – 92.83%; XI (Arts)-Rakshit Sinha (XI-F) – 94.50%.
- Six students of the School (Dilip Kumar, Vaibhav Vishwakarma, Aditya Singh, Amit Kumar, Harsh Jaiswal and Abhishek Kumar) got selected with good merit in the prestigious exam of **JEE-2020**. Sachin Prasad Gaund and Shivam Kumar qualified in Medical Entrance Examination- **NEET.**

- Students of the school from class VI to X participated in Online **Mental Ability Recognition Test** organized by Unified **Council, Hyderabad**. Ashutosh Kumar Patel (class VI) got First position in the school and got 352nd rank at all India level. Abhishek Tripathi (Class VIII) and Prabhat Kumar (IX) secured first place in their respective classes. Four students of the school secured places in the Merit List in **Unified International Math Olympiad-2021.**
- A total of 47 students secured places in the Merit List of **National Talent Search Examination organized by Society for Social Action and Research (SAAR)** conducted in online mode. Raghvendra Rai (class XII), Aditya Bhardwaj (class IX) and Anand Kumar (class VII) got First position at district level.
- Anurag Varshney (class XI-Arts) secured 11th place at all India level in online GK competition, **Mind War Olympiad -2020: Champions of Tomorrow**. He was awarded with a Cash Prize of Rs.11000/-.
- Alumni of the school, Siddharth Pathak obtained 9th rank in **UPPCS Exam-2019** and Ankit Mishra was also selected for the post of Deputy S.P. in the same exam.
- Another alumnus, Sumit Pandey, got 607th rank in **UPSC Civil Services Exam.**

Other Achievements and Co-curricular Activities

Apart from conducting academic and cultural activities, the school also celebrates the birth anniversaries of great and noble persons on the occasion of Shankaracharya Jayanti on 29.04.2020; On the occasion of Premchand Jayanti (31st July), various competitions drawing, story writing and quiz were organized in online mode; A Blood donation Camp was organized on the occasion of Mata Annie Besant Jayanti; Hawan Pujan programme and a grand Deepotsav on the occasion of Mahamana Jayanti; Various online activities- speech, poetry recitation, singing on the occasion of Teachers Day (Birth Anniversary of great philosopher Dr. S. Radhakrishnan on 5th September; On the occasion of Constitution Day, a Poster Making Competition for Junior Category and an Essay Competition for Senior Category. An online Speech Competition on the subject “Atmainirbhar Bharat- Challenges and Solutions.Online Hindi Saptah was organized from 14th September, 2020 to 20th September, 2020 various Competitions Winners Students were given a cash Prize and Certificates.

Art and Drawing

- Harsh Kumar Singh (X-B) won the First Prize in 5th International Online Drawing Competition (Group B) organized by Shobha Singh Memorial Artist Society, Bhatinda, Punjab, in the month of November. The subject was “My City- Clean and Green’’. He was awarded with a Cash Prize of Rs.1000/- along with Certificate.
- Mohit Verma (IX-A) got the First Place and was awarded with Certificate of Excellence in Art and Craft E-Competition organised for creating awareness among students regarding Waste Managementby Naturally Appropriate Mitigation Action (NAMA) Development and Management Project, Municipal Corporation,Varanasi in the month of July, 2020.
- Mohit Verma (IX- A) got First prize in Junior Group, Harsh Kumar Singh(X-B) got Second in Senior Group and Vivek Yadav (X-D) got third in Senior Group in Drawing Competition orgnised by Deva Foundation.
- Students of the school actively participated in the Art and Craft Competition organised on 11.07.2020on the occasion of World Population Day.
- **Student Centered Activities:** Under the Career Awareness Programme for students of Commerce stream, a webinar was organised on 08.12.2020; On 12.12.2020, under the a webinar Career Awareness Programme; Awareness about Career Opportunity in Law and Policy on 05.12.2020.

NCC and other Activities

- 13 students of Air NCC received a scholarship of Rs. 6000/- each by Cadet Welfare Society. Swapnil Yadav (Air NCC) of class XII got First Prize in Talent Hunt Competition.
- A fund of Rs. 7840/- collected by the students of the school for helping the families of martyred soldiers of the country was donated through cheque to District Army Welfare and Rehabilitation Officer, Varanasi.

- A Corona Awareness and Safety programme in the school for NCC cadets was organized.

Campus Development and Construction

Renovation and modernization of Biology Lab of the school was completed, Exam Room adjacent to Principal Chamber of the school was reconstructed, two new lavatories were constructed and old lavatories were renovated in the school campus.

2.1.5.2. CENTRAL HINDU GIRLS SCHOOL

Central Hindu Girls School (CHGS) is one of the eastern UP's premier educational institutions imparting ancient, medieval as well as modern values to the young minds and hearts. This institution was founded on 29th December 1904 as Central Hindu College. In 1916 the school was handed over to Pandit Madan Mohan Malviyaji and became an integral part of BHU. It is well equipped with qualified faculty and laboratory of knowledge, wisdom, invention and novelty. It is affiliated to Central Board of Secondary Education (CBSE) and is governed by Banaras Hindu University.

The school provides education from nursery to class 12. Admission to classes 6, 9 and 11 excluding nursery and preparatory classes is conducted through the School Entrance test (SET). However, due to COVID 19 the admissions in academic session 2020-21 have been done on basis of previous year's marks.

Number of Students: LKG to 5 approximate is 757.

Co-Curricular Activities

The school organizes various competitions like painting, drafting, card making, solo singing, solo dance, Hindi poetry recitation etc. On the occasion of Malaviya Jayanti, the children of the school participated in various competitions organized at Malaviya Bhawan, BHU. However, this year due to COVID 19 pandemic and physical closure of school due to lockdown, several programs could not be organized.

Health Care Facilities

Health Diary of all the students are being maintained, so that they can get free treatment in BHU Health Center and Hospital. The School also has the facility of first aid which is given to the children when needed.

Sports Activities:

It is said, "A healthy mind resides in healthy body". Keeping in mind the best health of children, various types of sports and yoga are conducted in the school throughout the year. It also recurred in current session. Besides this, several sports facilities like playground, volleyball court, indoor games etc., are available in the school.

Developmental Work

During the current session, a large stage, some classrooms and toilets were constructed behind the main building in the school, so the children can get better facilities in future. In addition, an open auditorium has been constructed at primary wing of the school.

Educational and other activities of Main Campus

This school provides education to girl students from LKG to class 12.Classes from LKG to Class V run in the primary wing at Koluha and classes from 6 to 12 run in the main campus of the school at kamachha. In addition to all the compulsory subjects, computer science, health and physical education classes, general studies, music, painting, red cross, dance and health education are also imparted to the girl students. Students of primary and senior section also participate in the NCC A and B certificated camps and drills. A total of 10 buses operates regularly for female students throughout the city. The school also has the well –equipped laboratories with all facilities for the practical work of subjects like Physics, Biology, Science, Chemistry, Mathematics, Home Science, Computer etc.

In the academic session 2020-21, the School has organized five important workshops for students and teachers.

Even under the conditions of COVID 19 pandemic and enforced lockdown, the school continued to impart teaching though online mode. Exams and assessments have also been done in online mode.

Board Exam related details

The Rankholders

Class 10: Palak -98.8%, Bhoomi Raghuvanshi -98.6%, Rupali Rai-98.6%.

Class 12 : Science Stream: Jasmine Srivastava – 98.2%, Jayanti Shiva – 97.4%, Priyanka Dixit -97.2%;
Arts Stream: Akanksha Sharma – 97.2%, Deepa Pandey- 96.8%, Shaloo Rani – 96%;
Commerce Stream: Saumya Singh -97.2%, Jailam Phalak-96.4%, Chetna Jaju – 88.6%.

2.1.5.3. SRI RANVIR SANSKRIT VIDYALAYA

Sri Ranvir Sanskrit Vidyalaya has a glorious history. Pt. Amba Das Shastri and Pt. Anant Ram Shastri who were the teachers of revered Madan Mohan Malviya, have given their graceful services as the Chairman of this Vidyalaya. The classes from Praveshika (class 8th) to Acharya (MA) standard would run in this school and even the certificates were issued with the signature of the above two gentlemen.

Founded in 1883 by *sardar–e– riyasat* of Jammu for the preservation and propagation of ancient Indian knowledge and originally known as Jammu Sanskrit Pathsala, this Vidyalaya is located in the palatial building Jammu Kashmir House at Terhi Neem Dashashwamedh Road, Varanasi. Later on, it was handed over to Central Hindu Collegiate Society with Dr. Annie Besant as its President. The premises of the Vidyalaya became thereafter a historical palace of Kashi Naresh of Benaras at Kamachha and the Vidyalaya was renamed Ranvir Sanskrit Vidyalaya after the name of the father of erstwhile *sardar–e–riyasat* of Jammu Maharaja Pratap Singh. Further, after merger of the Central Hindu Collegiate Society with the Banaras Hindu University Society, Ranvir Sanskrit Vidyalaya became a part and parcel of Banaras Hindu University.

After the establishment of the faculty of Oriental Learning & Technology (presently Sanskrit Vidya Dharm Vigyan Sankay of BHU), Madhyama and onward classes were started therein and only Praveshika classes (up to class VIII) remained in the vidyalaya up to 1968. Since July 1978, all the four parts of Madhyama classes of all subjects (Sahitya, Ved, Vyakaran, Jyotish and Darshan) have been running in Ranvir Sanskrit Vidyalaya. Now the classes/ Courses offered in Vidyalaya are named as under:

Primary	Class I - V	CBSE
Prathama	Class VI – VIII	Syllabus prepared by the faculty of SVDV
Praveshika	Class IX & X	Syllabus prepared by the faculty of SVDV
Madhyama	Class XI & XII	Syllabus prepared by the faculty of SVDV

In this school, students are taught **traditional subjects (Veda, Jyotish, Vyakaran, Darshan, Sahitya)** as well as **modern subjects (Hindi, English, Maths, Science and Social Science)**. In this way, it is working as a bridge between ancient knowledge and modern knowledge. Even now there are opportunities for developing science and Jyotish Laboratories. In this way our school is a developing institution but still there is a vast scope for development.

- Prof. Vinay Kumar Pandey (HEAD, JYOTISH DEPARTMENT, SVDV, BHU) is the Principal of our school.
- At present, there are 10 permanent teachers and 13 contractual teachers in our school.
- There are 185 students in Primary Section and 301 students in Secondary and Higher Secondary Sections of our school.

Interschool Competitions: Performance of the students of school in various competitions organized at Interschool/school level.

The students enthusiastically participated and won prizes in various interschool/School level competitions organized by the school.

2.1.6. BHU LIBRARY SYSTEM

The Banaras Hindu University Library has one of the largest university libraries in the country, and started with a small but precious collection donated in the memory of Late Justice Kashinath Trimbak Telang by his son Prof. P.K. Telang and housed in the Telang Hall of the Central Hindu College, Kamachha. Nurtured in the age of its infancy by renowned historian Sir Jadunath Sarkar, it has been its fortune to have eminent personalities like Dr. S.R. Ranganathan, the father of library movement in India, Dr. J.S. Sharma and Prof. P.N. Kaula as its Librarian.

Collections

The Banaras Hindu University has a library system with the Central Library at the apex, five Institute Libraries, namely, Institute of Agricultural Sciences, Institute of Medical Sciences, Institute of Management Studies, Institute of Sciences, and Institute of Environment & Sustainable Development, 6 Faculty Libraries, 42 Departmental Libraries, mainly in the Institute of Science and Faculty of Arts, and one Library at Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha, Mirzapur. The total collection in all the libraries exceeds 16 lakh volumes. It is one of the largest University Library systems in the country. During the financial year 2020-2021, the Central Library added 4363 volumes to its collection and it has 61,142 online books. The library subscribed 114 current foreign journals and 184 current Indian journals of print version. Besides, the library received a good number of journals as gratis. The library has a unique collection of about 7227 manuscripts, rare books, doctoral dissertations, University Founder Collections, staff publications Collections, local history collections, etc.

The publications emanating from the Union and State Governments and their agencies, are very rich sources of information, especially in the fields of Social Sciences, Law, Commerce and Agriculture. The Central Library procures these publications through purchase as well as by gratis.

The Central Library has been a Depository Library for publications of the United Nations and its agencies. After the scheme of depositing (free of cost) ceased in 1973, the library continued to obtain U.N. publications by way of

depository library subscription scheme and select purchases. This is a unique feature of this library which no other university library in the country has.

Library Hours (Central Library)

The Central Library remains open 359 days in a year except six days; i.e. 26th January, 15th August, Dushahra, Deepawali, Vasant Panchami (BHU Foundation day) and Holi. The library normally remains open from 9.00 a.m. to 9.00 p.m. on weekdays and 10.00 a.m. to 9.00 p.m. on Sundays and Holidays. The Cyber Library Study Centre remains open from 8 a.m. to9 p.m.

Photocopying Facility

There has been a consistent demand for photocopying services in the Central Library. The library has three photocopying machines to fulfill the demand from teachers and students from this university and outside, besides the demand from other libraries. The library provided 6735 exposures in the year 2020-2021.

Section for Visually Impaired

Central Library has a section for Visually Impaired and it is also providing facilities to the Visually Impaired students through audio / soft copy of course materials. The Library served 166 visually impaired students of Banaras Hindu University during the year 2020-2021. Banaras Hindu University subscribed membership of Sugamya Pustakalaya to support the Visually Challenged students.

Online Journals, Online Books & Databases

Sayaji Rao Gaekwad Library (Central Library), Banaras Hindu University is a member of E-ShodhSindhu: Consortium for Higher Education Electronic Resources. E-ShodhSindhu, executed by INFLIBNET Centre, provides access to e-resources. BHU is having access to approximately 2845 full-text online journals and bibliographic databases through it. BHU is getting access of eSS collection for American Chemical Society, American Institute of Physics Collection, Annual Reviews, Economic & Political Weekly, Oxford University Press (262 titles), Springer Link (1700 Collection), Taylor and Francis eSS Collection (1076 titles) full text journals; Institute for Studies in Industrial Development (ISID) Database, JSTOR full text database, MathSciNet database, Project Muse full text database and Web of Science database.

BHU is subscribing Nature Publishing Group (10 journals), Emerald Subject Collection (312 journals), Indian Journals.com (305 journals), Science (from Volume 1) and Science Direct (1100 Journals). BHU is subscribing EPWRF India Time Series Database, eLibrary Link-up of NotNul Database, Proquest LISA Database, Springer Protocols (1980-2013), CMIE (Economic Outlook and States of India) Database, Manupatra and Westlaw India Databases, SCC online.

BHU has purchased e-books from Sage, Cambridge, Springer, Taylor & Francis, World Scientific, Pearson, Elsevier, Oxford University Press, Encyclopedia Britannica E-Books and providing access to more than **61,142** e-books. The access is available to all bonafide users through campus wide network for all e-resources along with off-campus access of most of the e-resources. For details one can visit Central Library at http://www.bhu.ac.in

Document Delivery Service

Under the INFLIBNET Programme, Banaras Hindu University Library has been recognized as Document Delivery Centre along with the five libraries of the country, to provide electronic delivery of documents to ensure speedy and quick delivery of documents to the outside users and to encourage and facilitate the resource sharing which will in turn raise the level of information need satisfaction with economy in expenditure on information resources.

Digitization of Rare Documents/Theses

Library has initiated the task of digitization of individual pages of rare materials. In the year 2020-2021, around 4466 rare documents/theses covering 3,24,709 folios have been digitized.

Uploading Work of e-Version of Theses on Shodhganga

ShodhGanga in a reservoir of Indian Doctoral Dissertations (Ph.D. Theses). It provides access to fulltext of theses submetted in Indian Universities. Shodhganga is maintained by the INFLIBNET Center. It facilitates electronic versions of the Indian community and open access to theses for the academic community. The Central Library has uploaded approximately 3247 electronic version of theeses on the Shodhganaga platform in the year 2020-21. These uploaded electronic versions of theses can be accessed from all over the world. One can access these theses via www.shodhganga.inflibnet.ac.in

Census Data Centre

All type of demographic data collected through the Census Surveys conducted by Government of India is available for the purpose of reserch. Further for data tabulation, analysis and interpretation, SPSS (Satistical Package for the Social Sciences) is available on each of the computer terminal at Census Data Centre. Research scholars and faculty members can use micro level census data for their research and other academic activities.

Research Information Section

A new section has been created in the Central Library since 2017 to provide research related information to faculty members and research scholars of the University. The research information is given to the persons through e-mail. It is a type of SDI service started by the library.

Institutional Repository of BHU (BHUIR)

Central Library is maintainning the Banaras Hindu University Institutional repository (BHUIR) with the aim to create an archive of intelletual output of the University. This repository is accessible online at http://dl.bhu.ac.in/xmlui/

Cyber Library Study Centre

Cyber Library Study Centre was inaugurated by Dr. Karan Singh, Hon'ble Chancellor, BHU on 3rd March 2013. It has been running very successfully in a fully air-conditioned environment with 402 computer systems in separate cubicles.

Cyber library Study Centre is changing the behavior of users towards access to information. The hall of this study centre is always full of students and is functional over 359 days from 8:00 a.m. to 9:00 p.m. As per statistical data of Cyber Library Study Centre; 40712 users have availed the facility in a year.

Remote Access Service for e-Resources

The Central Library subscribes the electronic services thorough e-Shodh Sindhu as well as from various publishers. A major portion of the subscribed e-resources are made available off-campus through online authentication mechanism under INFED service of INFLIBNET. This service is presently open only to the teachers and research scholars of BHU to seamlessly access the subscribed scholarly electronic resources of Central Library from anywhere in the world. For off campus access to e-resources, please visit on idp.bhu.edu.in

Plagiarism Checking Service

The Banaras Hindu University Library is working as nodal centre for plagiarism checking of the new Ph.D. theses, dissertations and research papers through Anti-Plagiarism software i.e. URKUND. Through this service university theses have been checked. After checking the originality certificates have been provided to research scholars and faculty members.

Library Service for Retired Faculty Members

Library is serving and suppporting for 'Life Long Learning' to all faculty membes. In view of this library consultation facility is provided for retired faculty members on payment of Rs.2000/- as caution money. They can borrow five documents for outside reading.

STATISTICAL STATEMENT

1. BOOKS AND PERIODICALS

A.	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals at the beginning of the year 2020-21	11,38,944
B.	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals accessioned during the year 2020-21	4,363
C.	Total number of Printed books/Theses/Bound Periodicals at the end of the year 2020-21 (up to 31st March, 2021)	11,43,307
D.	Total number of periodicals (Bound volumes) at the end of year 2020-21	1,38,762
E.	Number of volumes bound	3585
F.	Number of accessioned bound periodicals	1033
G.	Status of current periodicals (1st January to 31st December 2021)	
	(a) Subscribed (Hard Copy)	298(114 Foreign+184 Indian)
	(b) Subscribed Online Journals	2845
	(c) Free (Irregular)	225

2. TECHNICAL (English)

A.	Number of books processed	1699
B.	Number of bound volumes of periodicals processed	952
C.	Number of theses processed	675
D.	No. of re-bound books processed	1448

3. TECHNICAL (Hindi)

A.	Number of books processed	890
B.	Number of bound volumes of periodicals processed	NIL
C.	Number of theses processed	NIL
D.	No. of re-bound books processed	142

4. SERVICES

A. Working hours

A.	Weekdays	9.00 a.m. to 9.00 p.m.
B.	Sundays and holidays	10.00 a.m. to 9.00 p.m.
C.	Number of day's library opened	267

B. Circulation Section

(1) Membership

A.	Students (as on 31-03-2021)	15258
B.	Teaching faculty/ Staff	195
C.	Retired faculty members	30

(2) Circulation of books (Issue)

A.	Students(up to 31-03-2021)	11237
B.	Teaching faculty/ Staff	1176
C.	Departmental Libraries	NIL

C. REFERENCE SECTION

(1) Readers Consultation Service:

A.	Reference books consultation service:	820
B.	OPAC Service	10,500

(2) Registration of Outside Scholars for Consultation

A.	Number of outside users	NIL
B.	Registration fees received	NIL

D. TEXT BOOKS SECTION

Number of volumes consulted Number of textbooks added	1195 NIL

E. U.N. & GOVERNMENT PUBLICATIONS SECTION

A.	Number of readers served	22
B.	Number of documents consulted	133
C.	Number of documents added (including mimeographed)	381

F. Manuscripts Section

A.	Number of visitors	NIL
B.	Number of readers served	50
C.	Number of documents consulted	42
D.	Number of folios digitized	324709
E.	Number of Rare Documents digitized/scanned	4466

G. Theses Section

A.	Number of readers served	1069
B.	Number of thesis consulted	1092

H. Reprographic Unit

A.	Number of pages photocopied (For users)	2156
B.	Official photocopy	4579

I. Computer Section

A.	Number of Users Served regarding Wi-Fi/ Internet Connectic Resource Access Instruction, etc.	1500
B.	Electronic Document Delivery Service + Anti Plagiarism Check	3000
C.	Questionnaire Fill Up	NIL

J. SECTION FOR VISUALLY IMPAIRED

A.	Number of Users Served	166
B.	Number of books recorded (Audio)	06
C.	Database provided to Visually Impaired students	399.93GB

D.	Size of audio database	4.4 GB
E.	Printout service	NIL

K. CENSUS DATA CENTRE

Number of Users Served 07

L. Book Stack Section

A. Number of Users Served 3,31,200

B. Replacement of Books 3,85,200

C. Binding list prepared NIL

5. FINANCE: (1st April, 2020 to 31st March, 2021)

A. Expenditure

A.	Books and Periodicals	Rs 2,61,73,220.00
	(Maintenance Grant, and	
	Merged Grant)	
B.	Binding	Rs. 343019.00
C.	Expenditure other than books and journals	Rs. 22,09,090.00

B. Receipt

A.	Overdue	Rs. 48175.00
B.	Replacement cost of lost books	Rs. 77107.00
C.	Loss of Token	NIL
D.	Reprography	Rs. 1410.00
E.	Internet services (Print outs)	NIL
F.	Library Consultation Fees	NIL
G.	Others Deposits	Rs. 114.00

6. CYBER LIBRARY STUDY CENTRE: (1st April 2020 to 31st March 2021)

A.	Number of Users Served		40712
B.	Timing	December 2020	10:00 AM to 05:00 PM
		January 2021	09:00 AM to 07:00 PM
		February 2021 to March 2021	08:00 AM to 09:00 PM

INSTITUTE OF AGRICULTURAL SCIENCES

Foreign Publications - 21
Indian publications - 19
Total library collection - 30,352

INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

The **Institute Library** is well enriched with books and journals related to all the three faculties of the Institute.

The Institute Library is open on Sundays and other Holidays. It has Internet and Photocopying facilities.
Total Books in Library: 107230 (Including 404 bound journals added in Current year)
Journals: Indian Journals -75 and International Journals – 18.
E-Journals Through ERMED – 243, Through INFLIBNET – 401

INSTITUTE OF ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Apart from the central Library facility of BHU, IESD has its own library for students and faculties of IESD. At present, the IESD library has a total of 206 books and 3 journals covering the vast teaching and research activities of IESD.

FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

Total no. of books 20575
Newly added books 762
No. of Journals / Periodicals Subscribed 45
Newly added Journals / Periodicals Subscribed 18 (renew)
Electronic editions 98
Books issued and consulted 15800
Opening hrs. of Library 9:00 AM to 7:00 PM

FACULTY OF ARTS

The Department of Bengali has a departmental library. It has approximately **3500** classic collection of books and Journals.

FACULTY OF EDUCATION

The faculty having stock of 19819 Books, 132 Dictionaries, 347 Research Thesis, 1087 Dissertations, 750 Journals and online journal facility is also available for the students, research scholars and faculty members. Faculty has well equipped Library with 40 computer terminals and working for the students & faculty members too.

FACULTY OF LAW

The Faculty of Law Library caters to the reading and research requirements of more than 1600 users including the teachers, research scholars as well as the students of LL.B. and LL.M. Courses. Its carpet area is 18700 square feet. Its spacious reading rooms can accommodate 250 students at a time. The library has an open access system.

At present, the library has Circulation, Reading, Room Reference service, Internet Service, Database Search Service and Social Welfare Collection, No. Of Books 86943, Bound volume of Periodicals 30048.

FACULTY OF VISUAL ART

Total number of Books	- 10042
Total number of Periodicals	- 462 (Bound)
No. of Books added to the Faculty Library during the year under report	- 865
Coloured Slides	- 323
Original Graphic Prints	- 363
Subscribed Journals	- 25

FACULTY OF COMMERCE

The departmental library has become rich with a remarkable number of books. There are 25393 books for students consultation. The books belonging to the Commerce Association Library have not been included in this list.

FACULTY OF PERFORMING ARTS

The faculty consists of a rich library with around 7500 rare books, Journal manuscripts and periodicals.

FACULTY OF SANSKRIT VIDYA DHARMA VIJNAN

The faculty has its own independent library with a collection of nearly 25000 general books, rare books and manuscripts.

MAHILA MAHAVIDYALAYA

In Women's College the number of books increased in the current session to 1106 books and 03 journals were also added to the library. The total library collection as it stands is as follows:

Books: 56476
Journals: 03
CDs/DVDs: 100
Maps: 100
Bound Volumes of Journals: 790

SOUTH CAMPUS

Library of Rajiv Gandhi South Campus with latest available literature, magazines, news papers and periodicals are available for students and staff members of the Campus. Computing facility with wireless internet connection is also available in the premises. Facility of separate rooms for students and teachers for reading and discussion are available.

- Total number of volumes as on 31.03.2021 - 13,299 volumes
- Total Number of Books added during the year - 397 volumes
- Online Access of Journals from BHU - Available
- Books issued/ consulted
    - Issued - 5000
    - Consulted (as per Gate Register) - 485

DEPARTMENTAL AND SECTIONAL LIBRARIES

Several Departments have their own libraries for the students and faculty.

1. **Department of Chemistry**
   Books 7000

2. **Department of Geology**
   Books 4868
   Periodicals 301

3. **Department of Geography**
   Books 7930
   Journals 30

4. **Department of Geophysics**
   Books 2495

5. **Department of Molecular and Human Genetics**
   Books 630

6. **Department of Zoology**
   Books 8860
   Journals 382

7. Department of Statistics

Books (Approx.)	400

8. Department of Biochemistry

Books (Approx.)	1621

9. Department of Physics

Books (Approx.)	20000

10. Department of Mathematics

Books (Approx.)	5504	Periodicals	12
Journals (Approx.)	2535		

11. Department of Botany

Books	5788

12. School of Biotechnology

Books	2670
New Books Added	21

13. Department of Home Science

Books (Approx)	3000

14. Department of History

Books (approx)	3500

15. DST-Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences

Books	746
Journals	606

16. Department of Computer Science

Books	3662

17. Centre for Genetic Disorders

Books	76

18. Centre of Food Science & Technology

Books	200

19. Centre for the Study of Nepal

Books	3500
Journals	1400

20. Centre for Study of Social Exclusion and Inclusive Policy

Books (Approx.)	12

21. Malaviya Centre for Peace Research

Articles (Approx).	2000
Newsletters	10
Journals	30

22. Bharat kala Bhavan

Books	22,899
Periodicals	6,393
Journals	53

23. UGC- Human Resource Development Centre

Book	2000
Journals	07

24. Centre for Women's Studies & Development

Books	3000
New added book	568
Journals	01
Magazines	09
Daily News papers	08

25. Centre of Forensic Science

Books	54

26. Centre for Integrated Rural Development

Books	3528

27. College of Nursing

(Including 404 Bound Journals)

Books	107230

28. Centre for Vedic Science

Books	11521

AFFILIATED COLLEGES

1. Arya Mahila Degree College

Books	36,053
Journals subscribed	08
Newspapers	17
Magazines	23
Books (Book Bank)	2010

2. Vasanta College for Women

Books (Approx)	44,362
Journals	42
Magazines	11
Newspapers	11

3. Vasant Kanya Mahavidyalaya

Books	501
Journals	09
Magazines	20
Daily News papers	10

4. DAV Degree College

Books	46385
Periodicals	63

LIBRARIES IN SCHOOLS

1. Ranveer Sanskrit Vidyalaya

Books (aprrox)	10000

2. Central Hindu Boys School

Books	40000

2.1.7. UGC-HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT CENTRE

According to the NPE 1986, University Grants Commission has sanctioned the creation of Academic Staff College at Banaras Hindu University. Consequently, the College was established in 1987. The UGC-Academic Staff College has been re-named as UGC-Human Resource Development Centre (UGC-HRDC), BHU with effect from May, 2015.

The function of the UGC-Human Resource Development Centre is to plan and organize orientation courses for newly appointed teachers and administrative staff of colleges/universities. The UGC - HRDC also organizes subject specific as well as multidisciplinary refresher courses for teachers of colleges/universities. In addition to these courses, the UGC-Human Resource Development Centre, BHU organizes workshop and short term courses for Academic Administrators. Seminars/symposia, conferences are also organized at HRDC, BHU.

So far, the UGC-Human Resource Development Centre, BHU has conducted **85 Orientation Courses, 04 Faculty Induction Programmes, and 224 Refresher Courses including 07 Special Summer Schools, 06 Special Winter Schools [upto 31st March, 2021]** in various disciplines such as Hindi, English, Sanskrit, History, Library & Information Science, Economics, Performing Arts, Liberal Arts, Political Science, Women's Studies, Journalism, Tibetan Studies, Philosophy and Religion, Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Geology, Geography, Sociology, Mathematics, Law, Commerce, Earth Sciences, Education, ICTA, Comparative Literature, Engineering, Information and Communication Technology, Business Studies, Environmental Science, Agricultural, Ayurveda and Medical Sciences **benefiting 10734 participants**. In addition to these courses, 01 Workshop on Healthy Aging, 09 Short Term Courses for Academic Administrators of BHU, 10 Professional Development Programme for Non-Teaching Staff of BHU, 03 Interaction Programme for Research Scholars, 01 seminar for Research Scholars of BHU, 01 Special Orientation Course for Undergraduate Students from Nepal under Bharat-Nepal Maitri Shiksha Karyakramwere also organized benefiting 1042 participants**.**

SCHEDULE OF COURSES ORGANIZED THROUGH ONLINE MODE

Sl. NO.	NAME OF THE COURSE	DATE	No. of Participant
Faculty Induction Programme – one month			
1st Faculty Induction Programme		Dec. 01-28, 2020	39
2nd Faculty Induction Programme		Dec. 01-28, 2020	39
3rd Faculty Induction Programme		Feb. 26 - March 25, 2021	40
4th Faculty Induction Programme		Feb. 26 - March 25, 2021	36
Refresher Courses: Multi/ Inter Disciplinary			
7th Summer School (Multi-disciplinary)		Jan. 16-29, 2021	49
6th Winter School (Multi-disciplinary)		Jan. 16-29, 2021	41
10th R.C. in Environmental Studies (Multi-disciplinary)		Feb. 10-23, 2021	42
Total			**286**

Eminent resource persons from various fields delivered lectures to the participants of these courses during the period. A few prominent among them are Prof. P.K. Mishra, Vice-Chancellor, Jharkhand Technical University, Jharkhand;

Prof. H.K. Pandey, MNNIT, Allahabad; Prof. D.K. Gupta, Central University of Haryana, Haryana; Prof. Manish Kumar Verma, Dr. B.R. Ambedkar University, Lucknow; Prof. Rajeev Choudhary, Pt. Ravi Shanker Shukla University, Raipur; Prof. Ramesh C. Gaur, IGNCA, New Delhi; Dr. Sanjay Kataria; Bennett University, Greater Noida, UP and Dr. J.S. Pandey, Chief Scientist, NEERI, Nagpur.

A Peer Team appointed by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bangalore visited the College during February 18-19, 2012 in connection with review the progress made by the College. The Peer Team submitted its report and appreciated the work done the College. The NAAC, Bangalore declared the result of review of all 66 ASCs of India. The ASCs are divided into three categories i.e. Performer, Under Performer and Non-Performer according to their performance. Only 13 Academic Staff Colleges are put under performer category and Academic Staff College, BHU is one of them. The result is very inspiring for the College.

2.1.8. MALAVIYA BHAWAN

Malaviya Bhavan, being the former residence of Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviyaji, the revered founder of Banaras Hindu University and one of the most respected freedom fighters of India, is the main monument of the University campus and it was opened to public in December 1961 during the Malaviya centenary year. In addition to being a memorial building, the Malaviya Bhavan has undertaken studies and researches on the life and teachings of Mahamanaji and on the subjects close to his heart.

- Yoga Sadhana Kendra
- Geeta Samiti
- Geeta -Yoga Library
- Mahamana Sabha Griha
- Malaviya Moolya Anusheelan Kendra

Yoga Sadhana Kendra

In 1961 on the occasion of Mahamana Centenary Birth festival, Malaviya Bhawan came into vision for general people. Owing to his true effort in 1975 on the day of Basant Panchmi, Yoga Sadhana Kendra was established. In Banaras Hindu university for yoga training, guidance and research work it is an interdisciplinary institution and is the centre point of all the activities conducted in Yoga field at the BHU Campus.

Two Course are run by this Yoga Sadhana Kendra: **(i)** Certificate Course in Yoga **(ii)** Diploma Course in Yoga.

Total number of participating students in the above courses during the current session are as follows: **Certificate-615Male,** 553 **Female,** 1168 **Total; Diploma -**108 **Male,** 101 **Female,** 209 **Total.**

During The Current Session under Yoga Sadhana Kendra, two new inaugurations took place.

- *Swadhyaya Tapascharya* started on 16th February 2021 Basant Panchami the foundation day of University. On this occasion all India Vidwata Board's General Secretary, Acharya Kameshwar

Upadhyay was the Chief speaker and the chief gust was Ex. Head of the Department of Sanskrit Acharya Jai Sankar Lal Tripathi and the Chairperson of the programme was co-ordinator & Hony. Director of Malaviya Bhawan Prof. Upendra Pandey.

- *Ghar-Ghar Yoga Yagyaayojana Yogaya* at home to home commenced form Yoga Day 21 June, 2021(i.e Nirjala Ekadshi B.C. 2078) under the Chief Guest officiating V.C. Prof, Vijay Kumar Shukla and Gen Secretary Dr. Neeraj Tripathi assembled and a short Yoga Practice was conducted by Yoga trainer Dr. Yogesh Kumar Bhatt.
  Lecture over 'Ghar-Ghar Yoga Yogayajyaayojan were delivered at morning 9:00am. In which Acharya Kameshwar Upadhyay the main lecture at 10:00am. Acting Vice-Chancellor' General Secretary and Co-ordinator, Hony. Director Prof. Upendra Pandey and all trainers of Yoga Sadhana Kendra and Secretary Prof. Mukut Main Tripathi, assembled at the Yagya Aahuti by taking the Mantra Purushukta. Shresukta and Rudra Sukta's Vedic Mantra.

Geeta- Samiti

On 25 December, 2020 on the auspicious occasion of Geeta Jayanti and the birth anniversary of Bharat Ratna Pt. Madan Mohan Malaviya and Atal Bhari Bajpai, a one-day live lecture and Sarva Bhasa- Gosthi took place in which Prof. Gajendra Panda, Head, Department of Sanskrit, L. D. Arts Collage, Gujarat University, Ahamedabad, Prof. Om Prakash Pandey, Editor, Rastra Dharma, Lucknow, U.P. and Dr. Usha Tripathi, Acharya, Malaviya Moolya Anushilan Kendra, BHU, delivered lectures. On the auspicious oceassion of Malaviya Brith anniversary, Shri Bhagwat-Katha was inaugurated in which Dean, Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vigyan, Prof. Vindheswari Prasad Mishra narrated the story in a very simple and authentic manner.

Mahamana Sabhgrih (Meeting Hall)

Here all the main cultural and religious programmes take place. In August 2020, Shree Krishna Janmastmi was celebrated with great pomp and show. This hall is mainly used for yoga training programme, Geeta Lectures related to yoga and Value education.

Malaviya Moolya Anushilan Kendra

Since last many years this center is organizing programmes over ethics and Human values in higher education. There is an independent building for conducting courses and programmes.

2.1.9. BHARAT KALA BHAVAN

The Bharat Kala Bhavan is a university museum of art and archaeology renowned for its rich collection of Indian miniature paintings, archeological findings, sculptures, textiles and coins as well as hand written manuscripts of Indian literature. This museum hold about 1.05 Lac antique items, out of this huge collection, only masterpieces in each category are displayed in 13 galleries located on the ground floor and first floor. Apart from large number of domestic and international tourist and visitors, museum also caters academic requirements of students, researchers from country and abroad. Bharat Kala Bhavan has its own rich Library which is considered one of the best reference libraries in India for art and archaeology.

During the session of assessment, the Museum was closed due to COVID 19 pandemic. However, through the sale of images it earned approximately Rs.3500/-.

Activities in the Museum during 2020-21

The Museum was closed due to COVID-19 pandemic and lockdown regulations enforced by the government, however, the other activities of Bharat Kala Bhawan during the period such as :

- About 100 digital prints and related information have been provided to the students, scholars etc.
- Documentation, photography and the physical verification of Textile and Decorative Art Objects have been done.
- The Nidhi Gallery has been modernized and renovated. New showcases with more exhibits are displayed in the Nidhi Gallery to felicitate the visitors.
- Decorative Art Gallery has been renovated and modernized.

Achievements

- Presented a research paper on an Ivory Comb found from Rajghat which is accessioned under Decorative Art Collection during the 53 Joint Annual Conference of Indian Archaeological Society, ISPQS and Indian Historical Society
- Written an Article " Bharat Kala Bhavan : sau varsh ka safar" which has been published on "Samakaleen Kala (Lalit Kala publication, New Delhi) on the occasion of Bharat Kala Bhavan centenary year.

2.2. SOUTH CAMPUS

The South Campus, Barkachha, an offshoot of the Banaras Hindu University located 8 km South West of Mirzapur, is an extension of vision of the Malaviya Ji for a stronger and prosperous India. The land area of 1104 ha acquired by Banaras Hindu University, on lease in perpetuity from Bharat Mandal Trust in April 1979 is being developed as the lead Institution that is striving an all round effort towards the development of greater parts of Vindhya region. The campus focuses on comprehensive growth of the students, working on their hearts and minds by addressing to their academic, cultural, physical and social needs in an environment of continuous interaction and growth, conducive for the enrichment of mind and body. The faculty members are fully committed to impart quality education by investing all its skills and knowledge. The campus endeavors not only to produce excellent academic results but also to produce excellent and successful professionals besides general upliftment of the surrounding rural tract. The campus is equipped wireless internet connectivity, smart classes as well as functional laboratories for research and development. Faculty of Veterinary and Animal Sciences is a new addition to this campus which is emerging as a new centre of Veterinary education in India with all modern infrastructure facilities related to education and research.

Activities

The working fraternity of South Campus adapted the new mode of Teaching Technology and worked through ONLINE medium for the betterment of students prospective. The campus organized various programmes, workshops, lectures and webinars through ONLINE Mode. During this academic session the faculty members of RGSC had shown their commitment to complete their Teaching module. The campus also celebrated National festivals like 15th August 2020, 2nd October 2020 and 26th January 2021 with great joy by maintaining the COVID protocol. Other festivals like Janmashtami, Mahamana Deepawali and Saraswati Puja were also celebrated during this period in small scale due to COVID restrictions. A Plantation drive in the campus was also organised by the faculty members, NSS units, staff members and the residents of the campus.

The faculty members and the NSS unit of RGSC had shown their tremendous interest for the social cause. During this pandemic period, they tried to help the local community people through educating them towards the hazards of

VIRUS, Do and Don’ts, Health precaution and about the Vaccination drive and its importance. Quality seeds of different crops were produced and distributed among the farmers.

Research facilities and other facilities available for Students

- A newly established centralized computer Lab with 22 computers well equipped with modern software packages for the students.
- The newly built Lecture Theatre Complex in South Campus become operative during this session. The new lecture theatre has all the modern facilities like one Auditorium, wall mounted projector installed in every classroom, well equipped Laboratories etc.
- A well equipped and networked computer lab for the students of MCA studying in the campus with high-end server and sophisticated display screen.
- MBA Agribusiness has a computer lab with state of art computers, to help the students learn various aspects of Management Information System & I.T. tools in business organization.
- The research facilities are taking a substantial shape at RGSC. Courses like MCA, M. Sc. (Tech.) in Environmental Science, B. Sc. (Ag.), M.Sc (Ag) programmes like Soil & Water Conservation, Agroforestry and Plant Biotechnology are providing Lab facilities and chemicals for summer internship, Dissertations and Thesis works.
- About 2 hectares of land has been provided for the research work of M. Sc. (Ag.) Agroforestry students over which custard apple, guava and *Aegle marmelos* based Agri- horticulture systemis developed
- A well equipped Ayurvedic Pharmacy Laboratory for the research work (dissertation & thesis) of M. Pharm. (Ay.) students.
- Instruments like Fourier Transform Infrared Spectrophotometer, U.V. Spectrophotometer, Atomic Absorption Spectrophotometer, Rotary Evaporator, Incubators, Furnace, Autoclave, Tablet Punching Machine, Tablet Packaging Machine, Pill Making Machine, Disintegration Tester, Tablet Hardness Tester, Laminar Airflow, U. V. Chamber, Capsule Filling Machine, Tissue Homogeniser, Tissue Bath, Electro Convulsiometer, Distillation Assembly etc. are available in the laboratory.
- For B.Sc (Ag) and M. Sc. (Ag) courses, well equipped laboratories are available in Tissue Culture Building and new Lecture Theater building to carry out practical classes and research works. Instruments namely Horizontal Electrophoresis Unit, Vertical Electrophoresis Unit, Minispin, Refrigerated Microcentrifuge, Ice flaking machine, Water Bath, Vortex, Laminar Airflow, Thermal Cycler (PCR machine), Gel Documentation System, Orbital Shaking Incubator, Deep freezer, Floor Centrifuge, Inverted microscope, UV-Visible Spectrophotometer, Weighing Balance, Gel Blotting Apparatus, Nanodrop, UV Transilluminator, Plant Growth Chamber etc facility are available in these laboratories.
- New Centralized Laboratory for the students, Teachers and Researchers.
- The campus has been equipped with modern infrastructure facilities for the students and staffs like basketball court, tennis court, canteen facilities, shops and library. The solar generated electricity project is pipelined.
- New Check dams and Ponds have been constructed for the water recharge management and rain water harvesting.

Agriculture Farm Unit

The Unit has been actively involved in the quality seed production of different crops during both Kharif and Rabi seasons of 2020-21 in the campus. During *Kharif* season, crops like paddy, mung and sesamum were grown, while during *Rabi* wheat, barley, mustard, lentil, pea and gram crops were raised for the purpose of seed production. The produced seeds were disseminated among the local farmers of Mirzapur and adjoining regions. An effective effort was made to meet the required seed demands and enhance livelihood of the farming community in the Vindhya region by promoting quality seed replacement of the common crops raised by farmers in these regions.

2.3. Colleges Admitted to the Privileges of the University

2.3.1. Arya Mahila PG College

2.3.2. Vasanta College for Women

2.3.3. Vasant Kanya Mahavidyalaya

2.3.4. Dayananda Post Graduate College (DAV PG College)

2.3.1. ARYA MAHILA PG COLLEGE

The foundation of the Arya Mahila P.G. College was laid in 1956 by Smt. Vidya Devi, the devoted student of Maharishi Gyanandaji. At present, the college is smoothly running Undergraduate and Post-graduate courses, besides research. The college is managed and coordinated by Shri Arya Mahila Hitakarini Mahaparishad, a body of Shri Bharata Dharama Mahamandal which was established by Maharishi Gyanandaji.

India, world renowned for its civilization and culture, is constantly revered and dynamic by the aura of ancientness and innovation. At the same time this country is recognized its academic identity on the world stage in order to become a world master (Vishwa Guru). It has marked its educational identity on the international platform. Educational activities have a vital role to play in developing the multifaceted dimensions of our culture and heritage. This historic college's foundation was laid by Smt.Vidya Devi in 1956 who was an able follower of great Guru Maharishi Gyananandaji with the objective of carrying forward the national educational activities in continuity and to develop the rich heritage of art, culture, science in order to further empower women through education. Under the able leadership of our first Principal of the college Miss SundariBaiPaiji and under the able guardianship of Ayurveda Ratna Dr. BrijmohanDikshitji, the college got permanent affiliation from Banaras Hindu University to run B.A. courses in 1958 and B.Ed. courses in 1974. Today the college is successfully running U.G. and P.G. courses, carrying research work for Ph.D. This prestigious historic college of Kashi is being managed by Shri Arya Mahila Hitkarini Mahaparishad.

Result of Session 2019-20 (in %) : B.A. 3rd Year (Arts) 90.13.10%, B.A. 3rd Year (Social Science) : 83.54%, B. Com 3rd Year 100% , B.Ed. 100%, M.A. Hindi 4th Semester 100%, M.A. Sanskrit 4th Semester 75%, M.A. English 4th Semester 93.33%, M.A. A.I.H.C. & Arch. 4th Semester 88.46%, M.A. Philosophy 4th Semester 100%, M.A. Political Science 4th Semester 96.87%, M.A. Sociology 4th Semester86.66%, M.A. Economics 4th Semester 84.84%, M.A. History 4th Semester 96.29%, M.A. Psychology 4th Semester 85.18%.

Department of Sanskrit

- Organized Workshop on "Rashtriya Sanskrit Shikshan
- Organized one day National Webinar Was Organised by the Department, on the topic: "Vaishwik Apda Covid-19 Ke Niwaranki Disha me Bhartiya Shashtronki Awadharna".
- Organized a National Webinar organized by Gurukul Prakalp (Kashi Prant) delivered a lecture on the topic "Gurukul Shiksha : Paramparaaur Pragati".
- Organized a Webinar organized by Namdi Sewa Samiti, Varanasi, delivered a lecture on the topic "Dr. Rajendra Prasad Pandeyjika Rachana Karm Aur Sahityik Awadan"
- Organized a Webinar organized by NCC Unit, Swami Sahjanand PG College, Ghazipur, Dr. Chandrakanta Rai, Associate Prof., Arya Mahila College, delivered a lecture on "Nai Shiksha Niti: Muddeaur Chunautiyan".
- Dr. Chandrakanta Rai, Associate Prof., Arya Mahila College, delivered a lecture on "Vartman Paripreksha me Sanskrit Shikshan" in a National Webinar organised by Uttar Pradesh Hindi Sansthan.
- Dr. Chandrakanta Rai, delivered a lecture in a Margdarshnam Programme (for UGC NET) on "Shuklatharvavediya Vishisht Suktana" organized by Vishwa Sanakritkutumbkam

Department of AIHC & Archaeology

- The department, in collaboration with IQAC Arya Mahila PG College, organized Two Day International Webinar on the topic "Archeology of Sacred Cities".
- The department, in collaboration with IQAC Arya Mahila PG College, organized Two Day International Webinar on the topic "Cultural Heritage and Tourism in Post COVID".

Department of Philosophy

- The department organized one day Webinar on the topic “Pandemic and Lord Budhha. Dr. Arvind Kumar Singh, Jaipur, Prof. NalchandKhandekar, Maharastra, Dr. Vibhesh Kumar Chaube, Jharkhand and Prof. Harishankar Prasad New Delhi delivered their lectures.
- The Green Cell organized one day National Kavya-Goshthi ‘Ullas’.
- In one day National Webinar organized by Bhartiya Sahityaevam Samaj Vikas Shiksha Samiti, Ambedkar Nagar, Dr. Anamika Singh, delivered a lecture on “Mera Tiranga MeraAbhiman”.
- The department organized an online lecture on “Mahatma Gandhi ki Drishti me Adhunik Sabhyata” delivered by Prof. Devbrat Chaube, Former Prof. Dept. of Darshan and Dharma, BHU.
- The department, in collaboration with the Department of Philosophy Vasanta College for Women, Rajghat, organized a Student Colloquium on the topic “Nyayevam Yogke Sandarbh me Gyanmimansa”.
- The department organised one day Webinar on the topic “Rashtriya Utthan me Darshan Shashtraki Bhumika. The speakers of the webinar were Prof. Rishikant Pandey, University of Allahabad, Prayagraj, Prof. Rajeev Kumar Head of Department, Langat Singh College, Mujaffarpur and Dr. Vivek Kumar Pandey, Assistant Prof. MMV, BHU.

Department of English

- Two day International Webinar on “Teaching and Learning: Shifting Paradigms in Pedagogy Post COVID-19” was organised by the department.
- Two day National Webinar on “Indian Scenario and COVID-19: The Marginalized and the Question of Survival” was organised by the department.
- An Online Interactive Session on the topic “How to Write Research Paper and Synopsis” was organised.
- An online induction programme, for the students of B.A. (Hons.) Semester I,
- An online Counselling session on “Physical, Emotional & Mental Wellness of Youth was held.
- One day National Interdisciplinary Webinar was conducted on the topic “New Perspectives and Innovative Approaches to Research” in collaboration with Vasanta College for Women.
- The department collaborated with Indic Warriors to organise an Online Interactive Session on the topic “Sati: Manufactured Myth and Fractured Facts”.

Department of Hindi

- An online lecture on “1857 ki Kranti Hamara Itihas” was organizedthrough BHU Page.
- The Department organised two day International Webinar on the topic “Shodh Pratidhi: Samasyayenevam Samadhan”.
- Dr. Suchita Tripathi delivered an online lecture on “Pt. Vidhya Niwas Mishra” through the Pageof Janwadi Lekhak Sangh West Bengal.
- The department organised one day National Webinar on the topic “COVID-19 ka Sankat: Shikshaki Chunautiyan”.
- Dr. SuchitaTripathi delivered an online lecture on “Ram ki Shakti Poojaaur Nirala” through the Page of Akhil Bhartiya Sahitya Parishad (Kashi Prant).
- Dr. Suchita Tripathi delivered an online lecture on “Subhadra Kumari Chauhan: Jhankarbhi Mukulbhi” through the Page of Shabd Sadhak.
- Dr. Suchita Tripathi delivered an online lecture on “Pt. Madan Mohan MalviyaJi ke Vicharaur Aajka BHU” through BHU FB Page.
- On the occasion of the Birth Anniversary of our founder of the college, reverend Smt. Vidya Devi ji, the department organized One Day National Webinar on the topic “Nai Shiksha Nitiaur Adhunik Parivesh”.
- The department organised a lecture on the topic “Paryavaran Sarakshanevam Samadhan”.
- Dr. Suchita Tripathi delivered a lecture on “Swami Vivekanand” in Gyanodaya Mahavidyalaya.

- On 11.02.2021, Dr. Brajbala Singh delivered a lecture on Sri Arvindka Darshan.
- On 08.03.2021, Dr. SuchitaTripathi delivered a lecture on “Mahila Sashaktikaran: Bhartiya Awadharna” in Purnodaya Mahila Mahavidyalaya, Bachchhaon, Varanasi.

Department of Home Science

- The Department in collaboration with Bharat Vikas Parishad organized a Health Camp on “Anaemia Mukt Bharat” under the scheme of the Ministry Health and Family Welfare, Govt. of India.
- On the occasion of World Consumer Rights Day, the students of the Department expressed their thoughts through Power Point Presentation on the topic Consumer Protection Act and the Rights of the Consumers.

Department of Music (Instrumental)

- On the occasion of the 100th Birth Anniversary of Pt. Ravi Shankar, a Webinar on “Swaranjali” was organized. On this occasion the students of the department organized an Exhibition of self-prepared pictures and articles.
- The department organized an online lecture on the topic “Rag Yamanke Vividh Rang: Sangeet Shikshake Pariprekshya me.” The chief Speaker, Dr. GeetaSudha Bhatt Parikh, senior lecturer, Rajsthan Sangeet Sansthan Jaipur, delivered a practical lecture.

Department of Music (Vocal)

- The Department organized two day National Webinar on “Music Perspective, Trend and Impact on Society.”
- In online lecture series organized by Vasanta College for Women, Rajghat, Dr. Ruchi Mishra delivered a lecture on the topic “Music and Psychology”.
- Dr. Ruchi Mishra delivered a lecture in National Workshop organized by Faculty of Performing Arts, BHU.
- Dr. Mamta Sanyal, Associated Prof. delivered a lecture in International Webinar organized by the Dept. of B.Ed., Arya Mahila PG College, on the topic“ Challenges of New Role and Planning For Tomorrow: India’s Fight against Covid-19(IFAC-19)”,
- Dr. MamtaSanyal, Associated Prof. delivered a lecture in International Webinar organized by Vasanta College for Women, Rajghat, on the topic “Different Aspects of Music”
- Dr. Ruchi Mishra delivered a lecture in a Workshop organized by Post Graduate College, Meerut.

Department of Economics

- The department, in collaboration with University of Allahabad, Prayagraj organized one day National Seminar on “Agricultural Crisis and Farm Bill 2020”.

Department of Sociology

- The department organized two day National Webinar on “Covid-19and Lockdown: Challenges of Aspirants for Competitive Examinations”.
- Two day International Webinar on the topic “Issues and Challenges to the Indian Society in Scenario of Covid-19”,was organized by the Department.
- The department organized “Motivational Talk Series”.
- The department organized “Faculty Enrichment Programme”.
- Dr. Madhumita Bhattacharya was felicitated with Best Teacher Award by Global Trading Excellence Award.

Department of Political Science

- The department organized a National Webinar on the topic Emerging Challenges in Indian Society and Politics with Reference to Covid-19.

Department of Psychology

- An orientation Programme was organized by the Department of Psychology for the students of M.A I Sem.

- An orientation Programme was organized by the Department of Psychology for the students of B.A I Sem.
- An online webinar series 'Pragna' on "The selection of suitable career during pandemic: Career Counseling was organized by the Department in collaboration with the Department of Commerce and IIRM, Hyderabad, Telangana.
- A lecture on "Sampling and Data Analysis Technique" was organized by the Department of Psychology. The lecture was delivered by Dr. Richa Singh, Assistant. Professor, V.C.W. Rajghat, Varanasi.
- A lecture on "Neurocognitive Rehabilitation" was organized by the Department of Psychology.

Department of History

- The department organized two day International Webinar on the topic "Pandemics in History: A Throwback".

Department of Commerce

- The department organized one day National Weminar on the topic "Finance Literacy with reference to Stock Exchange and Mutual Funds in India".

Department of Education

- The department, in collaboration with Vasanta College for Women, Rajghat and Institute of Education, Shepa, Nivia Bachchhaon, organized five day Workshop on the topic "Effective Teaching - Learning with Digital Initiative at Secondary Lavel".
- The department organized an Orientation Programme for the students of B.Ed.I Year.
- The department in collaboration with IQAC Arya Mahila PG College and School of Education, Faculty of Education, BHU, organized One Week Online Interdisciplinary Faculty Development Programme (FDP) on "NEP-2020: Teaching Learning and Research".
- The department organized one day Webinar on "Philosophical Views of Swami Vivekanand and Youth".

Remedial Courses

- College runs remedial classes for the students as per UGC's 11th Five Year Plan under which students are provided with the fundamental knowledge of the subject. Hindi, English, Sanskrit remedial classes and classes for the SC/ST/OBC (excluding creamy layer students) are taken twice a week.

Soft Skill

- Under the direction of Dr. Geeta Singh, the College runs Soft Skill syllabus since 2011-12 in which Yoga, Sitar, Vocal Music and Volleyball is included.

Student Council

- To maintain a democratic environment among the students, Arya Mahila PG College Student Council is constituted by Election in the College every year.

Publications

Publication of Journals & Letters:

News Letter	:	Training Department (B.Ed.) News letter
Darpan	:	College News letter
Sarjana	:	Annual Journal of the College (with ISBN Number)
Creation	:	Annual Research Journal of the College (with ISSN Number)
Vimarsh	:	Philosophical Journal (Department of Philosophy)

IGNOU

IGNOU Centre in the college began on 11thAugust 2011 under which 10 PG programs, 02 Diploma Courses and 04 Certificate Courses are being run and this year 250 students are registered under different Programmes/Courses.

Jagriti Centre

Keeping in view of the convenience of the students, Jagriti Centre is being run in the College and time to time workshop is organized for the benefit of students.

Infrastructural Facility

- College has five laboratories 01 in Psychology Department, 03 in Home Science Department (Food and Nutrition, Textile and Clothing, Home Management and Extension Education) and 01 in Education Department.
- College has the facility of one Auditorium (Hall) stage, sports field, Books, Teaching-learning materials and learning centers, Xerox Machine, Canteen. Computer Lab has 40 Computers with internet facility. College also has smart lecture rooms to enable teachers to delivered lecture through projectors, power point presentations and audio -visual aids.
- Among other facilities, the college has Health Checkups for students by efficient doctors twice a week and free medicines are provided.

2.3.2. VASANTA COLLEGE FOR WOMEN

Vasanta College for Women is one of the oldest colleges of Varanasi (estd. 1913), admitted to the privileges of Banaras Hindu University and runs under the aegis of Krishnamurti Foundation India, a world renowned foundation devoted to the cause of education. The college is recognized by UGC under section 2(f) and 12B of the UGC Act, 1956.

Academic Programs

The college incessantly serves the students with knowledge of Arts, Social Sciences, Education and Commerce along with proper emphasis on Indian culture and literature in the courses and follows the Academic Calendar of Banaras Hindu University for the same.

Commencement of New Courses

The college has started Diploma Course in (a) Office Management and Business Communication (Part Time) (b) Certificate Programme in Health Care Management (Part Time) (c) Microfinance and Entrepreneurship (Part Time) (d) PG Diploma in Gender & Women Studies from Academic Session 2020-21.

Collaborations / MoUs

In this session, the college has re-newed the MoU's with Vasant Kanya Mahavidyalaya, DAV PG College and Arya Mahila PG College, Varanasi for mutual visits of academic staff, exchange of students, participation in Seminars/Workshop, Trainings and exchange of academic resources etc. Together the college has also signed the MoU with ASHWA and Masoom Muskan Society, a Varanasi based NGO. The college also collaborated with International Institute of Knowledge Management (Pvt.) Ltd., Sri Lanka to be the hosting partner of the 5th International Conference on Future of Women'2022, to be held on 24 – 25 February 2022 on Virtual Platform.

ISO Certification

The college has been awarded ISO Certification in three of its categories i.e. Quality Management (ISO 9001: 2015), Environment Management (ISO 14001:2015) and Energy Management (ISO 500001:2018). ISO refers to International Organization for Standardization. It is an independent organization that provides standards in terms of quality, safety, and efficiency of services provided by any institution.

Seminar/Workshops/Conferences

- A two-day National Webinar on **National Education Policy 2020: Prospects and Challenges**was organized by Internal Quality Assurance Cell, Vasanta College for Women on Virtual Platform.
- Organized one-day online National Workshop on **Intellectual Property Rights** on Virtual Platform by Internal Quality Assurance Cell, Vasanta College for Women.
- Organized one-day Webinar for faculty on "**Mentoring Students in Higher Educational Institutions**" by Internal Quality Assurance Cell, Vasanta College for Women.
- Organized one-day Legal Awareness Workshop on '**Legal Provisions and Protective Measures for Women'** organized on Virtual Platform by Women Development Cell under the aegis of IQAC
- A one day Webinar on **'Heritage Conservation: Principal and Methods'**, was organized by Dept. of AIHC & Archeology.
- A one-day virtual Webinar on '**Development of Brahmi Script**' was organized by Dept. of AIHC & Archeology.
- A one-day Virtual Workshop on '**Dr. B.R. Ambaekar's Economic Vision and Its Relevance in Present Scenario**', was organized by Dept. of Economics
- A one-day online Webinar on '**Introduction of Primary Market & Secondary Market**' was organized by Dept. of Commerce in collaboration with Securities and Exchange Board of India (SEBI).
- A one-day Investors Awareness Webinar on "**Financial Management and Investor Education**' was organized by Dept. of Commerce in collaboration with Securities and Exchange Board of India (SEBI).

- A one-day National Interdisciplinary Webinar on “New Perspectives and Innovative Approaches to Research” was organized by Dept of English in collaboration with Arya Mahila PG College, Chetganj, Varanasi.
- A one-day workshop on **Stress Management**, was organized by Dept. of Education.
- A one-week Lecture Series on ‘**Contemporary Debates in Politics’,**was organized by Dept. of Political Science.
- An International Web Talk on Rethinking Gender and Human Security: A Global Perspective was organized by Women Development Cell.
- A two day International Virtual Conference on ‘**Gender Equity: Some Social Reflections in Present Scenario’**, was organized by Dept. of Economics.
- An International Workshop on “Dilemmas of Difference: Research Perspectives in Gender, Body Politics and Ethics” was organized by Dept. of English on Virtual Platform. ???
- A two-day workshop on “Role of Karma in Understanding the Theory of Spirituality and Religion”, was organized by Dept. of English in collaboration with Dept. of Sanskrit.
- An International Webinar on “Aspects, Traits and Trends in Performing Arts: An Overview” was organized by Dept. of Music.
- A five day online International Workshop on “Humanistic Representations of Struggle and Survival in the Onslaught of Endemics/Pandemics: Across Literary Genres” was organized by Dept. of English in association with International association for Social Science and Humanities, Sri Lanka.

Faculty Activity/Achievements

Prof. Alka Singh, Dept. of English has been nominated as Member, Advisory Board, World Congress on Women 2019 and Member, Advisory Board, Masoom Muskan Society, An NGO of Varanasi. She has been appointed as Member, Editorial Board, Research Today,an International Peer Reviewed Refereed Research Journal of Humanities & Social Sciences. Prof. Alka Singh has been awarded Purvanchal Ratna Alankaran Award 2020 awarded by Uttar Pradesh Patrakar Parishad in 2020.

Dr. Bandana Jha, Dept. of Hindi appointed nominated by President of India as the member of the Board of Management of Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow for three year from August 2021.

Dr. Sunita Arya, Dept. of English Commissioned as Lieutenant according to NCC Act 1949 18 (5)

Dr. Rachana Pandey received the Best Paper Award for her paper entitled ‘Artists on Work, Art and Society’, in 4th International Conference on Future of Women: Global Dimensions, New Strategies and Visions, 25-26 February 2021, Sri Lanka.

Dr. Akankshi Srivastava, Dept. of Psychology has been awarded Prof. Kali Prasad Memorial Research Prize for best Ph.D. in Psychology, University of Lucknow, 2020

Students Achievements

- Harshita Jaiswal, BA (III Year), secured 1st rank in 6th Asian Yoga Sports Championship 2021 and 2nd rank in 2nd International Yoga Sports Cup 2021, held online on 26 June 2021 at Singapore.
- Km. Zeenat Qureshi, MA (I Year), AIHC & Archeology has been awarded with Microgrants 2020 from The Black Trowel Collective Microgrants - $200
- Ms. Anjali Verma, Dept. of Psychology placed as HR Associate at **Impact Analytics**.
- Ms. Ritika Roy, BA, III Year (English Hons.) selected as Trainee BPS in Tata Consultancy Services Limited (TCSL) for a period of 12 month on stipend of Rs. 10,250.
- Sunidhi Sharma, B.A. (I Year), got first position in Poster Making and Ms. Apurva Shrivastava, BA (I Year), got second position in Video making competition organized at the regional level in Unnat Bharat Abhiyan.
- Ms. Supriya Tripathi, BA (I Year) got first position in an online Essay Writing Competition organized by UP State Archeology Department, Varanasi.

- Vaishnavi Sinha, B.Com, won excellence award in quiz on 'Safety and Awareness in Current Scenario', 20 July 2020.
- Shruti Srivastava, B.Com, won 3rd Rank in online quiz competition organized by Elcom Club of Department of Electronics and Communication Engineering, M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly, 26 - 28 July 2020.
- Khushi Gupta, B.Com (III Year), was given interview for an International Newspaper 'The Mt. Kenya Times' on Women's Day for being under the Top-50 Most Influential Women of India.
- Km. Anwesha, Km. Harsha Roy, Km. Priya and Km. Ritu Das, Dept. of English, qualified Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE) 2021.

Fellowship/Scholarship

The Shanti Tatha Vidhya Foundation, Varanasi has awarded its fellowship to nine students of our college amounting Rs. 77,741/- . Similarly Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi has also given a scholarship of Rs. 48000/- to 12 students of Department of Sanskrit. Following Research Scholars have been awarded national fellowships from different National Funding Agencies:

S.No.	Name of Research Scholar	Subject	Name of Fellowship	Name of Funding Agency
1	Anjali Verma	Psychology	Doctoral Fellowship	ICSSR, New Delhi
2	Anita Gupta	Hindi	Junior Research Fellowship	UGC, New Delhi
4	Latesh Kumari	Hindi	Junior Research Fellowship	UGC, New Delhi

The college has given following scholarships to the financially week/meritorious students through its own funds and donations.

Name of Scholarship	Amount	No. of Students
Achyut Patwardhan Scholarship	500/- each	89
Vasanta College Scholarship	5000/- each	23
Minakshi Krishna Scholarship	5000/- each	20
Prema Srinivasan Scholarship	5000/- each	07
Prakash Narayan Shukla and Madhuri Shukla Scholarship(for the students of English)	5000/- each	03
B.Ed. Meritorious Students Scholarship	2600/- each	02
Dr. Asha Rani / Dr. Saroj Bageshwar Scholarship (One meritorious student each from B.Ed. and M.Ed.)	5000/- each	02
Dar Sahab Scholarship	500/- each	02
Roy Chaudhary Scholarship	500/- each	01
Giri Scholarship	500/- each	01
Jahnavi Vasudev Scholarship	5000/-each	01

Facility for Physically Challenged Students

As per the directives of UGC and MHRD, purchase of Wheel chair, Ramp and Lift installation has been done for Physically Challenged students in the college. Toilet has been constructed and an effort was made to manage their classes on ground floor.

Solar Plant

The 10 KVA Solar Plant has been installed in the college to cover electricity consumption of Administrative Building.

2.3.3. VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA

Inaugurated on 10th July, 1954 by Dr. C.P. Ramaswamy Iyer, the then Vice-Chancellor of Banaras Hindu University, Vasant Kanya Mahavidyalaya, a postgraduate institution has withstood the challenges of time to leave its imprint in the world of women's education only due to the fact that it draws sustenance from the vision of Dr. Annie Besant, Mahamana Madan Mohan Malaviya, Dr. Rohit Mehta and others who worked to link up education with culture and balance the freedom with responsibility. With a holistic approach, the college has adopted the motto "education as service", so that the students become responsible citizens, able to serve the community. The academic, co-curricular and extra-curricular events brace the young girls to face, understand and address the challenges of an ever-changing society.

A group of extremely efficient, committed and qualified teachers under the able administration of open-minded Principals have successfully tried to achieve the goals for which the college has been established. The college at present is teaching 15 subjects in Arts and Social Sciences streams at UG level viz. **English, Sanskrit, Hindi, Philosophy, AIHC & Archaeology, Music (Vocal), Music (Instrumental), Painting, Home Science, History, Political Science, Sociology, Psychology, Economics and Geography;** PG in **Hindi, English, Home Science, Sociology, Psychology, AIHC & Archaeology, Economics, History, Political Science, Philosophy and Sanskrit**.

Ph.D. scholars are enrolled in five subjects viz. **Hindi, English, Home Science, Psychology and Sociology**. Post graduation in **AIHC & Archaeology**, **Economics, History, Political Science, Philosophy and Sanskrit** and **Geography** at the UG level was introduced during this session. The college also runs two certificate courses under self-financing scheme **-Spoken English and Fashion Designing.**

V.K.M. has 47 qualified and competent faculties who have been appointed as per U.G.C. norms. As the pursuit of excellence happens to be a continuous process, workshops, seminars, lecture series, faculty development programmes are held from time to time, which upgrade the information and efficiency of the teachers. The outcomes of such positive endeavors reflect on the quality of teaching.

Admission

The college is fortunate to have students from many states of India as the admission is done through an All India Entrance Test conducted by BHU.In the academic session 2020-2021, 1507 students were enrolled in the undergraduate courses and 484 in post-graduate courses. At present the total number of Research Scholars enrolled under the supervision of our faculty members is 39. One research scholar was admitted in the Deptt. of Home Science and three research scholars were enrolled in the Department of Psychology in this session. Two research scholars from the Department of Sociology were awarded Ph.D. in this session.

Academic Activities

During the COVID-19 pandemic to carry on educational activities and life-skill programmes regularly, innovative and virtual platforms were used to conduct curricular and exta-curricular activities.

Programmes Organized by Various Committees

IQAC and NAAC

- An online "Two Day lecture Series" was organized on 11th and 12th June, 2020 on "New Assessment and Accreditation Policy of NAAC" by IQAC and NAAC.
- "Two Day International Webinar" was held on "Challenges in Higher Education Post-Covid-19".
- An awareness programme for non-teaching staff was organized on 18 May, 2020 on "Managing Personal & Professional Life during Lockdown due to Covid-19".

E-Alumni Meet

On 6th June 2020, an international e-Alumni meet was organized in which the alumni of the college, holding important places in various disciplines, were awarded Certificate of Appreciation by the Organizing Committee.

Women Study Cell 'Udaan'

A Seven Day International Workshop, from 21st to 25th July, 2020 was organized on "Stay Home, Stay Safe: Exploring Gender Equality in the New Normal".

Student Advisory and Discipline Committee

On 06.06.2020, the Student Advisory and Discipline Committee organized a one-day webinar where students were informed about nutrition, mental health and job opportunities.

Unnat Bharat Abhiyan

Ministry of Human Resource Development started Unnat Bharat Abhiyan in 2014 and our college got associated with it in 2018. Various programmes for spreading awareness on social issues and development of villages are organized by the college. The five villages adopted by the college are Badagaon, Khushipur, Kukaraha, Badiasanpur and Paharigaon.

Student Centric Activities: Learning and Growing

Sarjana

Sarjana, 2020-21 was organized in a virtual mode from 21st to 25th February 2021. Students participated in 15 different events including essay writing, business planning, poetry recitation, speech, turncoat, cartooning, collage, mehandi, poster – making, photography, documentary, vocal music (classical and folk), instrumental music, theatre, creative dance, choreography, classical and folk dance.Overall, 150 students participated in the various events of Sarjana. The enthusiasm of the students regarding the participation was commendable. All of them were honoured with a certificate of participation.

Sports

Inter District Karate Championship was organized on 20th Dec. 2020 in which a number of students of Vasant Kanya Mahavidyalaya participated. The students who were declared winners are - Gold-Sakshi Gupta of BA Part III; Silver-Manisha Maurya BA Part II and Ritu Jaiswal BA Part III; Bronze- Awantika Maurya, Kadambini Kumari, Khushboo Kumari, Diksha Jaiswal; Annual Sports was not held due to Covid-19 restrictions

Eminent Visitors to the College

From time to time, eminent guests visited the college and shared their valuable thoughts and experiences with students and faculty members, some of them are Prof. Swaran Singh, Prof. A.Vaishampayan, Prof. Ravindra Rana, Prof. Kalplata Pandey, Prof. S.C. Sharma, Prof. Krishna Kanta Sharma, Prof. C .B .Sharma, Prof. Harsh V. Pant

Number of Ph.D Awarded- 4

New Infrastructure /Campus Development

A new building of the College, to accommodate new classes, has been constructed in the premises of the Theosophical Society, Indian Section. It comprises 11 classrooms, 3 labs, 1 staff room, 4 store rooms and is equipped with elevator and stilt parking facility.

Innovative Teaching and Research programmes

Classes were conducted through online platforms and e-content was shared in the form of PDF, PPT, Youtube lectures etc. from time to time with the students.

Academic Collaborations / MOU

Two MOUs were signed between the college and Social Action and Research Center (SARC) and Vasanta College for Women, Rajghat, Varanasi from 1.07.2021 for the next three years, in order to develop collaboration for counselling, training and other academic activities and to promote mutual understanding.

2.3.4. DAYANAND POST GRADUATE COLLEGE (DAV PG COLLEGE)

The DAVP.G. College was established in 1938 as an Intermediate College recognized by the Banaras Hindu University, Varanasi. The idea of establishing the college as an extension of Banaras Hindu University in the heart of the city originally conceived by **Pandit Ram Narayan Mishra** and **Babu Gauri Shankar Prasad Ji**, an intimate followers of the Mahamana DAV College. The college got degree status from the University in 1947 and permanent affiliation in 1954. The College started running undergraduate courses in the faculty of Arts, Social Sciences and Commerce. In 2008, the University allowed the College with **co-education facility** to start Post Graduate and Ph.D. (research) programmes courses and presently college is running Ph.D. and Post Graduate programmes in nine departments. The College is also running UGDCA, Travel& Tourism Management, Risk & Insurance Management, Communicative English, Prayojan Mulak Hindi Patrakarita and Post Graduate Diploma in Counseling & Psychotherapy courses/ programmes for the benefit of the students. The College is catering with distinction not only to the needs of the students of the eastern districts of U.P. but also the adjoining States like Bihar, Jharknand, Uttrakhand, West Bengal & Madhya Pradesh and even very distant place of Arunachal Pradesh and Jammu & Kashmir (Laddakh).

Admission & Examination System

BHU conducts 'Joint Entrance Test' (UET, PET & CRET) for the undergraduate, postgraduate and Ph.D. research Programmes for admitting students to the University as well as to its college. DAV P.G. College also admits students through these tests. The College adopts the whole assessment & examination system of the University.

Academic Activities and Programmes

- To enhance subjective knowledge of the students, the College has organized subject wise quest competition and essay writing competition. This quest is based on 3 stages (Objective questions, Descriptive questions and quiz based questions and presentations). This Competition is based on prize and reward which creates enthusiasm amongst the students.
- 'Online History-quest' was organized on 27 May, 2020 by Department of History, DAV PG College, Varanasi.
- 'Online Com-quest' was organized on 15-16 June, 2020 by Department of Commerce, DAV PG College, Varanasi.

Other Notable Academic Activities

- Virtual lecture on “Educational Empowerment of Minority Students: Challenges and Possibilities” was organized by the Minority Committee and IQAC
- Two days National Webinar on “Corona Calamity: Its Social and Economic Consequences in India” was organized by Department of Commerce & Economics
- International Webinar on “Mental Health and Coping Strategies During COVID-19” was organized by Department of Psychology
- International Webinar on “Apad Dharma: Moral Imperative and COVID-19”was organized by the Department of Philosophy

- Online Business Plan Competition (Business start-up for Post COVID-19) was organized by Department of Commerce
- Departmental Seminar on “New Education Policy and its Impact on Commerce Education” was organized by Department of Commerce
- Workshop on “Challenges and Opportunities for Persons with Disabilities (PwDs) in Higher Education and Vocation in the Context of Post Covid-19” was organized by Minority Committee &IQAC.

Research Facilities Available for the students

The Collage has developed a good research laboratory for the students of department of Commerce, AIHC & Archaeology and Psychology; Smart classroom facilities available in the Department of Commerce, Psychology, Economics, Political Science, History, English and AIHC & Archaeology, Hindi, Sociology; Virtual Class Room Facility; Computers with internet facilities are provided to all P.G. departments of the college; INFLIBNET (E-Magazines & Journals) systems in Library; Library is having around 46,385 books, subscribes many research journals & periodicals; Enrich departmental library in each & every departments; Teachers, research scholars and P.G. students have been provided separate seating space in the library; Xerox facility available in the library for the purpose of Photocopy of text books; L.C.D. projectors; E-library for P.G Student &Research scholars; College provides study leave to the researchers.

Student Forum

There are student forums in all the departments like Eco-Vice Republic, etc. which serves as a platform for students regarding debate, extempore, etc

3. COURSES OF STUDY 2020-21

A. PostDoctoralDegree

1. Doctor of Science (D.Sc.)
2. Doctor of Literature (D.Litt.)
3. Doctor of Law (LL.D.)

B.Doctorate Degree (Min. Dur.-2 Yrs.)

1. Doctor of Philosophy (Ph.D.)
2. Chakravarti

C.Master of Philosophy

1. M.Phil. in Subaltern Studies
2. M.Phil. in Musicology
3. M.Phil. in Environment & Sustainable Development

1.Faculty of Arts

Bachelor of Arts (B.A. Hons.)	3-years
Bachelor of Physical Education (B.P.Ed.)	2-year
Master of Arts (M.A.) in :	2-years

1. English
2. Hindi
3. Sanskrit
4. Telugu
5. German
6. French
7. Nepali
8. Bengali
9. Urdu
10. Persian
11. Arabic
12. Pali and Buddhist Studies
13. Marathi
14. Geography
15. Ancient Indian History,Culture and Archaeology
16. Indian Philosophy and Religion
17. Mathematics
18. Statistics
19. History of Arts
20. Linguistics
21. Philosophy
22. Home Science
23. Chinese
24. Kannada
25. Russian

Professional Courses 2-years

1. MA in Mass Communication
2. Master of Physical Education (M.P.Ed.)
3. Master of Library and Information Science(M.Lib. & I.Sc.)

4. MA in Prayojanmoolak Hindi (Patrakarita)
5. M.A. in Museology
6. M.A. in Manuscriptology and Paleography

Advanced P.G. Diploma in : 1-years

1. Archaeology
2. History of Arts
3. Indian History and Culture
4. Arabic
5. Telugu
6. Hindi
7. French Studies
8. German
9. Indian Philosophy & Religion
10. Nepali
11. Marathi
12. Persian
13. Urdu
14. Indian Language (Bridge course in Nepali)
15. Telugu (Bridge Course in Telugu)

Under-Graduate Diploma in : 2-years

1. Hindi
2. Tamil
3. Telugu
4. Russian
5. Chinese
6. Marathi
7. French Studies
8. Arabic
9. Persian
10. German Studies
11. English
12. Kannad
13. Urdu
14. Nepali
15. Pali
16. Sanskrit
17. Italian
18. Spanish
19. Prakrit
20. Japanese

Certificate Course in : 1-year

1. Hindi
2. English
3. Persian
4. Urdu
5. Arabic
6. Italian
7. Pali

8. French (Bridge Course)

Special Courses: 2-Years

1. M.A. in Tourism & Travel Management
2. M.A. in Corporate Communication Management
3. UG Diploma course in Office Mgt. & Business Communications (P/T)
4. Diploma course in TourismManagement (P/T)
5. PG Diploma in Bhojpuri and Janpadiya Adhyayan 2-Year
6. PG Diploma in Hindi Journalism 1-Year
7. PG Diploma in Indian Philosophy and Religion 1-Year
8. PG Diploma in Translation Skills for Varied Competencies 1-Year
9. Proficiency Certificate Course in Bhojpuri Language (4 Months)

2. Faculty of Social Sciences

Bachelor of Arts (B.A. Hons.) 3-years

Master of Arts (M.A.) in: 2-years

1. Economics
2. History
3. Political Science
4. Sociology
5. Psychology

Special Courses: 2-years

1. Master of Personnel Mgt. & Industrial Relations (MPMIR)
2. M.A. in Social Work
3. M.A. in Public Administration (MPA)
4. M.A. in Conflict Management & Development (MCMD)
5. M.A. in Integrated Rural Development and Management
6. Master of Arts in Anthropology
7. M.A. in Social Exclusion and Inclusive Policy
8. M.A. in Energy Economics
9. M.A. in Heritage Management
10. Diploma in Alternate Dispute Resolution
11. Advance Diploma in Corporate Social Responsibility
12. P.G. Diploma in Conflict Management & Development 1-Year
13. PG Diploma in Counseling & Psychotherapy 1-Year
14. P G Diploma in Gender & WomenStudies1-Year
15. PG Diploma in Counseling Guidance & Psychological Intervention 1 Year

3. Faculty of Law

1. Bachelor of Law (LL.B) 3-yars
2. Master of Law (LL.M.) 2-years

Special Courses:

1. B.A. L.L.B. 5-Years
2. LLM course in Human Rights & Duties Education (HRDE) 2-years
3. LLM Course 1-Year
4. PG Diploma in Forensic Science and Medical Jurisprudence (P/T) 1-year
5. PG Diploma in Tax Mgt. (P/T) 1-year
6. PG Diploma in Mass Communication and Media Law (P/T) 1-year
7. PG Diploma in Human Resource Management, Service and Industrial Law 1-year

8. PG Diploma in Corporate Governance (P/T)	1-year
4. Faculty of Education	2-years
1. Bachelor of Education (B.Ed.)	
2. Bachelor of Education (B.Ed. Special)	
3. Master of Education (M.Ed. Special)	
4. Master of Education (M.Ed.)	2-Years
5. Faculty of Commerce	
1. Bachelor of Commerce(B.Com. Hons.)	3-years
2. Master of Commerce (M.Com.)	2-years
Special Courses:	2-years
1. MBA (Foreign Trade)	
2. MBA (Risk and Insurance)	
3. MBA (Financial Management)	
4. Bachelor of Commerce (Hons.)(Financial Market Mgt.)	3-Years
6. Faculty of Management Studies	2-years
1. Master of BusinessAdministration (MBA)	
2. Master of Business Administration (International Business)-(MBA-IB)	
Special Courses:	1-year
5. Post Graduate Diploma in Business Administration (PGDBA) (P/T)	
6. Diploma in Microfinance and Entrepreneurship (P/T)	
7. Diploma in Leisure and Hospitality Management (P/T)	
8. PG Diploma in Health Care Management	
9. Certificate Program in Health Care Management six months (P/T)	
7. Faculty of Science	
Bachelor of Science (B.Sc. Hons.)(Math & Bio Group)	3-years
Master of Science (M.Sc.) in :	2-years
1. Chemistry	
2. Botany	
4. Mathematics	
5. Statistics	
6. Physics	
7. Zoology	
8. Geography	
9. Biochemistry	
10. Home Science	
11. Biotechnology	
12. Computer Science	
13. Psychology	
14. Molecular & Human Genetics	
15. Geology	
16. Bioinformatics(only for women MMV)	
16. Master of Science (Tech.) in Geophysics (M.Sc.Tech.)	3-years
17. Master of Science (Tech.) in(M.Sc.Tech.)	3-years
18. Master of Computer Application (MCA)	3-years

Diploma Course 1-year

1. PG DiplomainSpectroscopy
2. PG Diploma course in NaturalDisaster Management

Certificate Course in

1. Statistical Methods 1-year

Special Courses: 2-years

1. M.Sc. in Environmental Science
2. M.Sc. in Applied Microbiology
3. M.Sc. in Statistics & Computing
4. M.Sc. in Computational Science and Applications
5. M.Sc. in Forensic Science
6. M.Sc. in Mathematics & Computing
7. PG Diploma in Remote Sensing & GIS
8. PG Diploma in Population Studies 1-Year
9. PG Diploma in Chromosomal Genetic & Molecular Diagnostic (PGDCGMD) 1-Year
10. Diploma in Statistics and Computing 1-Year

8. Faculty of Visual Arts

Bachelor of Fine Arts (B.F.A.) in: 4-years

Master of Fine Arts (M.F.A.) in: 2-years

1. Painting
2. Applied Arts
3. Plastic Arts
4. Pottery & Ceramics
5. Textile Design

Special Courses: 1-year

1. Certificate Course in Painting
2. Certi. Course in Advertising & Design
3. Certificate Course in Pottery Ceramics
4. Certificate Course in Sculpture

9. Faculty of Performing Arts

Bachelor of Music (B.Mus.) : 3-years

1. Vocal
2. Instrumental (Sitar/ Violin/ Flute/ Tabla)

Bachelor of Performing Art (BPA in Dance): 3-years

1. Dance (Kathak/Bhartnatyam)

Master of Music (M.Mus.): 2-years

1. Vocal
2. Instrumental (Sitar/ Violin/ Tabla/ Flute)

Master of Performing Art (MPA in Dance): 2-years

1. Dance (Kathak/Bhartnatyam)

Master of Musicology : 2-years

1. Musicology

Junior Dip. in Music & Dance: 3-years

1. Vocal Music : Hindustani, Karnataka
2. Instrumental Music : (Sitar/Violin/Flute/Tabla/Karnataka/Veena)
   i) Junior Diploma, Level - I
   ii) Junior Diploma, Level - II
   iii) Junior Diploma, Level – III
3. Dance (Kathak/Bharatnatyam)
   i) Junior Diploma, Level - I
   ii) Junior Diploma, Level - II
   iii) Junior Diploma, Level - III

The candidates are being provided following certificates of three years diploma course on completion of the course every year:

1st Year – Junior Certificate
2nd Year – Senior Certificate
3rd Year – Diploma

Certificate Course in Musicology 1-year

10. Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vijanan

Shastri (Hons.) 3-years

Acharya in : 2-years

1. Veda- Rigveda/ Samveda, Shukla Yajurveda , Krishna Yajurveda
2. Dharmagam
3. Puranaitihasa and Sahitya(Alankar Pradhan and KavyaPradhan & Natya Pradhan)
4. Jyotish (Ganit and Falit)
5. Vyakaran
6. Mimansa
7. Nyayavaisesika
8. Vedanta
9. Jain Darshan
10. Bauddh Darshan
11. Prachinanyaya
12. Sankhya Yoga
13. Dharmashastra

Post-Graduate Diploma Course in

1. Agama Tantra 2-years

Certificate Course in

1. Sanskrit 1-year

Special Courses: 2-years

1. PG Diploma in Yoga Education
2. UG Diploma course in Vastu Shastra Evam Jyotish (P/T)
3. UG Diploma in Karma Kand 1-year
4. PG Diploma in Jyotish & Vastushastra1-year
5. Diploma in Panini Vyakaran Evam Sangdak Bhasha Vigyan 1-year

6. Certificate course in Vedic Science1-year
7. Anupraukta Vyakaran Certificate Course1-year

11. Faculty of Medicine

Bachelor of Medicine and Bachelorof Surgery (MBBS) 5½ -years

Doctor of Medicine (M.D.) in : 3-years

1. Anaesthesiology
2. Biochemistry
3. Biophysics
4. Dermatology
5. Venereology and Leprosy
6. Forensic Medicine
7. Medicine
8. Paediatrics
9. Microbiology
10. Pathology
11. Pharmacology
12. Physiology
13. Preventive and Social Medicine
14. Psychiatry
15. Radiology (Radio-diagnosis)
16. Radio Therapy and Radiation Medicine
17. Tuberculosis and Respiratory Diseases

Bachelor of Science in Nursing(including internship) 4-years

Master of Surgery (M.S.) in : 3-years

1. Anatomy
2. Opthalmology
3. Orthopaedics
4. Otorhinolaryngology
5. Surgery
6. Obstetrics and Gynaecology

Doctorates Medicines (D.M.) in : 3-years

1. Neurology
2. Endocrinology
3. Gastroenterology
4. Cardiology
5. Nephrology

Magister Chirurgaie (M.Ch.) in: 3-years

1. Neuro-Surgery
2. Plastic Surgery
3. Urology
4. Paediatric Surgery
5. Cardio-Vascular and Thoracic Surgery

M.Sc. in Health Statistics 2-years
Post-Doctoral Certificate Course in pain & palliative care 1-year

Special Courses:	2-years
1. PG Diploma in Dialysis Therapy	
2. PG Diploma in Medical Technology (Radiotherapy)	
3. PG Diploma in Lab Technology	

12. Faculty of Ayurveda

Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (BAMS)	5½ -years
Doctor of Medicine-Ayurveda	
(M.D. Ay.) in :	3-years
1. Basic Principles	
2. Dravya Guna	
3. Rasa Shastra	
4. Kaya Chikitsa	
5. Prasuti Tantra (Stri-Roga)	
6. Prasuti (Kaumarbhritya)	
7. Kaumarbhritya/Balroga	
Master of Surgery - Ayurveda	
(M.S. Ay.) in :	3-years
1. Shalya	
2. Shalakya	
Post-Graduate Diploma Course in	
Ayurvedic Pharmaceutics (PGD Ay.P)	2-years
Special Courses:	2-years
1. P.G. Diploma in Panchkarma Therapy	
2. PG Diploma in Neonatal and Child Care (PGDNC Ay.)	
3. PG Diploma in Kshar Karma	
4. PG Diploma in Vikiran & Chhaya	
5. PG Diploma in Sangyaharan [DA (Ay.)-Diploma in Anesthiseology-Ay.]	
6. PG Diploma in Agni Karma & Jalauka Vacharan	
7. PG Diploma in Ayurvedic Pain Management	
8. PG Diploma in Maternal Health Care (PGDMHC)	
9. Certificate course in Upshami Chikitsa	1-Year
10. Certificate course in Apada Prabandhan	1-Year
11. Certificate Course in Ayurvedic Pain Management	1-Year
12. Certificate Course on Technical Assistant in Bal Panchkarma	1-Year
13. Certificate Course in Prasav Vigyan	1 Year
14. Certificate Course in Ayurveda	1-Year
15. Certificate Course in CCPR & First Aid Training	6-Month
16. Certificate Course in Rasayana Vigyan	6-Month
17. Certificate Course in Rasayana Vigyan	6-Month
18. Certificate Course in Vajikaran Vigyan	6-Month
19. Certificate Course in Bhoot-Vidya Vigyan (Psychosomatic disorders)	6-Month
20. Certificate Course in Integrative Medicine	6-Month
21. Introductory Course in Ayurveda	2-Month

13. Faculty of Dental Sciences

Bachelor of Dental Surgery (BDS)	3-years
Master of Dental Surgery (MDS)	3-years

	Special Courses:	2-years
	1. U.G. Diploma in Dental Mechanic	
	2. U.G. Diploma in Dental Hygienist	
14.	**Faculty of Agriculture**	
	Bachelor of ScienceAgriculture (B.Sc. Ag.)	4-years
	Master of Science Agriculture (M.Sc. Ag.) in :	2-years
	1. Agronomy	
	2. Agricultural Economics	
	3. Plant Physiology	
	4. Entomology and Agricultural Zoology	
	5. Extension Education	
	6. Genetics and Plant Breeding	
	7. Animal Husbandry and Dairying	
	8. Mycology and Plant Pathology	
	9. Horticulture	
	10. Soil Science and Agricultural Chemistry	
	Special Courses:	2-years
	1. Master of Agri-Business Mgt. (MABM)	
	2. M.Tech. in Agricultural Engineering (Soil & Water Conservation Engg.)	
	3. M.Sc./M.Tech. in Food Science & Technology	
	4. Diploma Course in Seed Tech.	1-years
15.	**Mahila Mahavidyalaya**	**3-years**
	1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.)	
	2. Bachelor of Science (B.Sc. Hons.)	
	3. Master of Science (Home Scs.)	2-years
	4. Master of Science (Bioinformatics)(for women)	2-years
	5. M.A. in Education	2-years
	6. Diploma Course in :Dance (Kathak, Bharatnatyam)	3-years

Colleges admitted under the privileges of the University

1. Arya Mahila Degree College

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.)	3-years
2. Bachelor of Commerce (B.Com. Hons.)	3-years
3. Bachelor of Education (B.Ed.)	1-year
4. Master of Arts (M.A.) in	2 Years
1. Sanskrit	
2. Philosophy	
3. Hindi	
4. AIHC	
5. English	
6. Bengali	
5. Master of Social Science (M.A.) in	2 Years
1. Psychology	
2. History	
3. Political Science	

4. Sociology
5. Economics

2. Vasant Kanya Mahavidyalaya

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.) — 3-years
2. Master of Arts (M.A.) — 2 Years
   1. Hindi
   2. English
   3. Home Science
3. Master of Social Science (M.A.) — 2 Years
   1. Sociology
   2. Psychology
   3. Economics
4. Six Months Certificate/Diploma/ Advanced Diploma Courses in Spoken English

3. Vasanta College for Women (Rajghat)

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.) — 3-years
2. Bachelor of Commerce(B.Com.Hons.) — 3-years
3. Bachelor of Education (B.Ed.) — 1-year
4. Master of Education (M.Ed.) — 1-year
5. Master of Arts (M.A.) — 2-years
   1. English
   2. Geography
   3. Hindi
6. Master of Social Science (M.A.) — 2-years
   1. Psychology
   2. Economics
   3. History
7. One Year Full time Certificate/ Diploma/ Advanced Diploma Course in Tourism and Travel Management

4. D.A.V. Degree College — 3-years

1. Bachelor of Arts (B.A. Hons.)
2. Bachelor of Commerce(B.Com. Hons.)
3. Master of Commerce (M.Com.) — 2-years
4. Master of Arts (M.A.) in — 2 Years
   1. English
   2. Hindi
   3. AIHC & Arch.
5. Master of Social Science (M.A.) in 2 Years
   1. Political Science
   2. Psychology
   3. Sociology
   4. Economics
   5. History
   6. One Year Full time Certificate/ Diploma/ Advanced Diploma Course in Tourism and Travel Management

SOUTH CAMPUS, BARKACHHA, MIRZAPUR

REGULAR COURSES OF STUDY:

1. Faculty of Education

B.Ed. (Under Paid Seats Category from the UET Selected Candidates) — 2-Years

2. **Faculty of Ayurveda**

B.Pharm. (Ayurveda) 4 -Years
M.Pharm. (Ayurveda) 2-Years

3. **Faculty of Science**

Master of Computer Application(Under Paid Seats Category) 3-Years

4. **Faculty of Commerce**

Bachelor of Commerce (Hons.)(Under Paid Seats Category) 3-Years

UNDER SPECIAL COURSES OF STUDY:

1. **Faculty of Arts** 2 Years
    1. M.A. in Tourism and Travel Management
    2. Diploma Course in Tourism Mgt.(P/T)
    3. PG Diploma in Journalism and Mass Communication 1-Year

2. **Faculty of Management Studies**
    1. MBA Course in Agri-Business 2-Years

3. **Faculty of Commerce**
    1. Bachelor of Commerce (Hons.)(Financial Market Mgt.) 3-Years

4. **Faculty of Agriculture**
    1. B.Sc. (Ag.) 3-Years
    2. M.Sc. (Ag.) Agroforestry 2-Years
    3. M.Sc. (Ag.) Soil Science – Soil and Water Conservation
    4. M.Sc. in Plant Biotechnology

5. **Faculty of Social Science** 1-Year
    1. PG Diploma in Counseling & Psychotherapy (full time)

6. **Faculty of Visual Arts**
    1. Diploma Course in Textile Design 1-Year
    2. Certificate Course in TextileDesign 6-Months

7. **Faculty of Environment & Sustainable Development**

M.Sc. in Environmental Science (Environmental Technology) 2-years

VOCATIONAL COURSES:

1. **Faculty of Arts** 3-Years
    1. Bachelor of Vocation in Retail & Logistics Management
    2. Bachelor of Vocation in Hospitality & Tourism Management
    3. Bachelor of Vocation (Fashion Designing & Event Management)
    4. Bachelor of Vocation (Modern Office Management)
    5. Bachelor of Vocation in Food Processing & Management
    6. Bachelor of Vocation in Medical Lab. Technology
    7. Master of Vocation in Retail & Logistics Management2-Years
    8. Master of Vocation in Hospitality & Tourism Management 2-Years
    9. Master of Vocation in Food Processing & Management2-Years
    10. Master of Vocation (Medical Laboratory Technology)

4. AWARDS OF DEGREE / DIPLOMA / CERTIFICATE

1. Faculty of Agriculture

B.Sc.(Ag.)	165
M.Sc.(Ag.)/M.Sc.	233
Ph.D.(Ag.)	49
B.Sc. Venetari Sc. & Animal Hus.	14

2. Faculty of Medicine

M.B.B.S.	79
M.D.	104
M.S.	50
D.M.	11
M.Ch.	09
B.Sc. Nursing	195
M.Sc. in Health Statistics	12
Diploma in Yoga	160
Ph.D.	22

3. Faculty of Ayurveda

B.N.Y.S.	9
BAMS	58
M.D.(Ay.)	25
M.S.(Ay.)	11
B.Pharm (Ay.)	16
Post Graduate Diploma	15
Ph.D.	55

4. Faculty of Dental

B.D.S.	44
M.D.S.	12
Ph.D.	01

5. Faculty of Environment & Sustainable Development

M.Sc. (Tech.)	45
Ph.D.	09

6. Faculty of Arts

B.A. (Hons.)	1734
B.A. Vocational	152
M.A.	1298
M.P.Ed.	50
B.P.Ed.	60
M.Lib. & Information Science	30
M.A.Vocational	126
PG Diploma	160
UG Diploma	311
Certificate Course	400
Ph.D.	190
D.Lit.	01

7. Faculty of Social Sciences

B.A. (Hons.)	1551
M.A.	1007
PG Diploma	200
Ph.D.	113
M.Phil.	6

8.Institute of Science

B.Sc.(Hons.)	823
M.Sc. /M.Sc.(Tech.)	752
PG Diploma	70
Certificate Course	40
Ph.D.	116

9.Institute of Management Studies

MBA	54
MIBA	50
MBA Agri. Business	45
Diploma	78
Ph.D.	13

10. Faculty of Commerce

B.Com. (Hons.)	734
B.Com. (Hons.) FMM	94
M.Com.	214
MBA(FM)	50
MBA(FT)	28
MBA(RI)	33
Diploma	50
Ph.D.	18

11. Faculty of Education

B.Ed.	172
B.Ed.(Spl.)	27
M.Ed.	63
M.Ed. (Spl.)	10
Ph.D.	23

12. Faculty of SVDV

Shastri (Hons.)	195
Acharya	96
UG Diploma	30
Ph.D.	30
D.Lit.	01

13. Faculty of Visual Arts

B.F.A.	72
M.F.A.	71
Certificate Course	27
Ph.D.	08

14. Faculty of Performing Arts

B.Music/B.P.A.	73
M.P.A.	63
Ph.D.	20

15. Faculty of Law

LL.B.(Hons.)	197
LL.M.(General)	42
LL.M. (HRDE)	13
LL.M. (One Year)	19
PG Diploma	130
Ph.D.	12
BA LLB (Hons)	67

4.1. STUDENT STRENGTH

New Enrolment of Male and Female Students

The number of new students in various Institutes/Faculties/Colleges of the University is given below:

Sl. No.	Name of the Faculties/College	Male	Female	Total
1.	Faculty of Agricultural Science	371	259	630
2.	Faculty of Veterinary and Animal Sciences	68	5	73
3.	Faculty of Environment & Sustainable Development	33	55	88
4.	Faculty of Medicine	225	201	426
5.	Faculty of Ayurveda	103	99	202
6.	Faculty of Dental Science	33	54	87
7.	Faculty of Arts	2344	1108	3452
8.	Faculty of Commerce	638	412	1050
9.	Faculty of Education	194	119	313
10.	Faculty of Law	512	233	745
11.	Faculty of Mgt. Studies	158	93	251
12.	Faculty of Performing Arts	293	314	607
13.	Faculty of Science	1683	857	2540
14.	Faculty of Social Sciences	1156	508	1664
15.	Faculty of SVDV	171	49	220
16.	Faculty of Visual Arts	112	134	246
17.	Mahila Mahavidyalaya	0	982	982
	Total	8094	5482	13576

The number of New Enrollment of students in the Affiliated Colleges is given below:

Sl. No.	Name of the Affiliated College	Male	Female	Total
1.	Vasant Kanya Mahavidyalaya	7	870	877
2.	Arya Mahila PG College	2	1159	1161
3.	Vasanta College for Women	14	1310	1324
4.	DAV PG College	1965	245	2210
	Total	1988	3584	5572

The number of New Enrollment of students in the Schools Maintained by the University is given below:

Sl. No.	Name of the Schools	Total
1.	Central Hindu Boys School	556
2.	Central Hindu Girls School	501
3.	Shri Ranvir Sanskrit Vidyalaya	153
4.	Central Hindu School (Barckachha)	40
	Total	**1250**

New Enrolment of Foreign Students

Sl. No.	Name of the Country	Male	Female	Total
1.	Afghanistan	3	0	3
2.	America	1	1	2
3.	Bangladesh	8	3	11
4.	Cape Verde	1	0	1
5.	Cambodia	5	1	6
6.	Denmark	1	0	1
7.	Iran	1	0	1
8.	Italy	1	0	1
9.	Maldives	1	0	1
10.	Mauritius	0	1	1
11.	Myanmar	3	0	3
12.	Nepal	41	18	59
13.	Oman	0	1	1
14.	Poland	1	0	1
15.	Russian	1	1	2
16.	South Korea	0	1	1
17.	Srilanka	6	0	6
18.	Thailand	1	0	1
19.	Tibbet	9	4	13
20.	Zordan	0	2	2
	Total	**84**	**33**	**117**

Category-wise & Faculty-wise Students Strength

Sl. No.	Name of the Faculties	Total Number of Students in General Category			Total Number of Scheduled Caste Students			Total Number of Scheduled Tribe Students			Total Number of OBC Students			Total Number of Foreign Students			Grand Total		
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total
1	Faculty of Agricultural Science	582	329	911	156	67	223	55	44	99	456	190	646	82	24	106	1331	654	1985
2	Veterinary & Animal Science	33	6	39	22	3	25	8	2	10	81	10	91	0	0	0	144	21	165
3	Faculty of Environment & Sustainable Development	37	65	102	21	9	30	2	4	6	29	19	48	0	0	0	89	97	186
4	Faculty of Medicine	481	383	864	96	98	194	44	33	77	219	144	363	7	12	19	847	670	1517
5	Faculty of Ayurveda	181	207	388	50	44	94	16	17	33	128	89	217	0	0	0	375	357	732
6	Faculty of Dental Science	57	75	132	23	25	48	8	5	13	39	58	97	0	0	0	127	163	290
7	Faculty of Arts	2521	1202	3723	686	314	1000	289	145	434	1900	843	2743	50	29	79	5446	2533	7979
8	Faculty of Commerce	622	493	1115	258	84	342	119	54	173	496	288	784	28	25	53	1523	944	2467
9	Faculty of Education	159	102	261	62	23	85	14	16	30	128	101	229	3	2	5	366	244	610
10	Faculty of Law	680	258	938	142	40	182	47	30	77	362	147	509	7	3	10	1238	478	1716
11	Faculty of Management Studies	203	91	294	28	28	56	13	7	20	110	40	150	1	3	4	355	169	524
12	Faculty of Performing Arts	401	476	877	111	75	186	22	35	57	239	217	456	5	6	11	778	809	1587
13	Faculty of Science	1913	1012	2925	505	205	710	208	98	306	1215	460	1675	40	12	52	3881	1787	5668
14	Faculty of Social Sciences	1428	573	2001	385	148	533	166	72	238	868	323	1191	25	14	39	2872	1130	4002
15	Faculty of SVDV	1004	81	1085	8	4	12	7	3	10	57	40	97	2	0	2	1078	128	1206
16	Faculty of Visual Arts	101	137	238	80	38	118	23	19	42	181	136	317	11	5	16	396	335	731
17	Mahila Mahavidyalaya	0	1374	1374	0	342	342	0	156	156	0	729	729	0	5	5	0	2606	2606
	TOTAL	**10403**	**6864**	**17267**	**2633**	**1547**	**4180**	**1041**	**740**	**1781**	**6508**	**3834**	**10342**	**261**	**140**	**401**	**20846**	**13125**	**33971**

Category-wise Affiliated Colleges Students Strength

Sl. No.	Name of the Affiliated Colleges	Total No. of Students in General Category			Total No. of Scheduled Caste Students			Total No. of Scheduled Tribe Students			Total No. of OBC Students			Total No. of Foreign Students			Grand Total		
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total
1	Vasant Kanya Mahavidyalaya	2	858	860	2	259	261	1	65	66	2	774	776	0	0	0	7	1956	1963
2	Arya Mahila PG College	1	1383	1384	0	421	421	0	129	129	0	950	950	0	0	0	1	2883	2884
3	Vasanta College for Women	4	1238	1242	4	314	318	0	81	81	5	942	947	0	0	0	13	2575	2588
4	DAV PG College	2712	354	3066	360	40	400	159	18	177	714	133	847	0	0	0	3945	545	4490
	TOTAL	**2719**	**3833**	**6552**	**366**	**1034**	**1400**	**160**	**293**	**453**	**721**	**2799**	**3520**	**0**	**0**	**0**	**3966**	**7959**	**11925**

5. HUMAN RESOURCE PROFILE

Strength of Teaching Staff

The strength of teaching staff in various positions in Institutes/Faculties, including Academic Staff College of the University during the report was as follows:

Professors *(Stage-V)*

Faculty/Institute	Male							Female							Total						
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH
IMS	124	15	3	3	3	0	0	30	4	0	1	0	0	0	154	19	3	4	3	0	0
IAS	61	4	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	63	4	0	1	0	0	0
Arts	76	2	0	0	4	0	0	19	1	0	0	0	0	0	95	3	0	0	4	0	0
Science	121	12	2	2	2	0	0	14	1	1	0	0	0	0	135	13	3	2	2	0	0
Social Sciences	26	5	0	0	0	0	1	14	0	0	0	0	0	0	40	5	0	0	0	0	1
SVDV	25	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	25	0	0	0	0	0	0
Performing Arts	5	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	8	1	0	0	0	0	0
Visual Arts	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0
Commerce	17	2	1	0	1	0	0	2	0	0	0	0	0	0	19	2	1	0	1	0	0
Law	15	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	16	1	0	0	1	0	0
Management Studies	12	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12	1	0	0	0	0	0
Education	4	3	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0	9	3	0	0	0	0	0
MMV	5	1	0	0	0	0	0	26	0	0	0	1	0	0	31	1	0	0	1	0	0
IESD	4	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Malviya Moolya Anusheelan Kendra	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**498**	**46**	**6**	**6**	**11**	**0**	**1**	**117**	**7**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**615**	**53**	**7**	**7**	**12**	**0**	**1**

Associate Professor (Stage-IV)

Faculty/Institute	Male							Female							Total						
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH
IMS	36	3	2	13	0	1	0	19	6	3	4	0	0	0	55	9	5	17	0	1	0
IAS	7	4	2	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	8	4	2	0	0	1	0
Arts	7	2	1	1	1	0	0	8	2	1	1	0	0	0	15	4	2	2	1	0	0
Science	16	5	2	0	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0	21	5	2	0	0	0	0
Social Sciences	3	1	0	1	0	0	0	2	1	0	1	0	0	0	5	2	0	2	0	0	0
SVDV	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	7	0	0	0	0	0	0
Performing Arts	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0
Visual Arts	4	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	0	0	0
Commerce	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Law	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0
Management Studies	3	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	0
Education	2	1	1	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	5	1	1	0	0	0	0
MMV	2	1	1	0	0	0	0	8	3	0	0	0	0	0	10	4	1	0	0	0	0
IESD	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
Malviya Moolya Anusheelan Kendra	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**90**	**18**	**9**	**15**	**1**	**2**	**0**	**52**	**12**	**4**	**6**	**0**	**0**	**0**	**142**	**30**	**13**	**21**	**1**	**2**	**0**

Assistant Professor (Stage III)

Faculty/Institute	Male							Female							Total						
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH
IMS	3	0	0	2	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	3	1	0	3	0	0	0
IAS	3	4	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	4	3	0	0	0	0
Arts	6	1	0	1	1	0	0	2	0	0	0	0	0	0	8	1	0	1	1	0	0
Science	2	1	1	0	1	0	0	4	0	0	0	0	0	0	6	1	1	0	1	0	0
Social Sciences	3	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4	1	0	1	0	0	0
SVDV	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
Performing Arts	2	1	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	4	1	0	1	0	0	0
Visual Arts	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

Commerce	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Law	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0
Management Studies	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
Education	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
MMV	0	1	0	0	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	2	3	0	0	0	0	0
IESD	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Malviya Moolya Anusheelan Kendra	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**24**	**9**	**5**	**5**	**2**	**0**	**0**	**12**	**4**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**36**	**13**	**5**	**6**	**2**	**0**	**0**

Assistant Professor (Stage-II)

Faculty/Institute	Male							Female							Total						
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH
IMS	5	1	1	4	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	5	2	2	4	0	0	0
IAS	6	4	0	2	0	0	0	1	1	1	1	0	0	0	7	5	1	3	0	0	0
Arts	5	5	1	3	0	0	0	3	2	0	2	0	0	0	8	7	1	5	0	0	0
Science	11	8	2	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	8	2	14	0	0	0
Social Sciences	2	2	2	3	0	0	0	2	2	0	1	0	0	0	4	4	2	4	0	0	0
SVDV	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Performing Arts	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
Visual Arts	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	1	0	0	0	0	0
Commerce	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Law	3	0	0	4	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	3	1	0	4	0	0	0
Management Studies	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Education	2	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	2	1	1	0	0	0	1
MMV	0	1	1	0	0	0	0	0	2	1	2	0	0	0	0	3	2	2	0	0	0
IESD	3	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	1	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Malviya Moolya Anusheelan Kendra	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**42**	**26**	**7**	**31**	**0**	**0**	**1**	**7**	**9**	**4**	**6**	**0**	**0**	**0**	**49**	**35**	**11**	**37**	**0**	**0**	**1**

Assistant Professor (Stage-I)

Faculty/Institute	Male							Female							Total						
	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH	Gen.	SC	ST	OBC	Min.		PH
IMS	47	14	2	18	0	2	2	25	3	0	15	0	0	0	72	17	2	33	0	2	2
IAS	29	6	3	16	0	2	0	7	3	2	5	0	0	0	36	9	5	21	0	2	0
Arts	20	13	5	23	0	1	2	11	3	5	8	0	1	0	31	16	10	31	0	2	2
Science	23	14	4	34	0	4	2	14	2	6	6	0	0	2	37	16	10	40	0	4	4
Social Sciences	6	2	1	9	0	2	1	5	1	2	3	0	1	0	11	3	3	12	0	3	1
SVDV	2	1	1	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	1	4	0	0	0
Performing Arts	1	1	0	2	0	0	0	2	0	1	1	0	0	0	3	1	1	3	0	0	0
Visual Arts	1	2	2	4	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	2	2	5	0	0	0
Commerce	1	2	0	3	0	0	0	5	1	0	2	0	0	0	6	3	0	5	0	0	0
Law	3	1	1	3	0	2	0	0	0	0	1	0	0	0	3	1	1	4	0	2	0
Management Studies	1	1	2	4	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2	1	2	4	0	0	0
Education	1	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0	0	3	0	0	2	0	0	0
MMV	11	6	3	9	0	2	2	11	3	2	10	0	3	0	22	9	5	19	0	5	2
IESD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
UGC Human Resource and Development Centre	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Malviya Moolya Anusheelan Kendra	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
Total	**146**	**63**	**24**	**129**	**0**	**15**	**9**	**84**	**16**	**18**	**54**	**0**	**5**	**2**	**230**	**79**	**42**	**183**	**0**	**20**	**11**

STRENGTH OF THE NON-TEACHING STAFF

The strength of non-teaching staff is as follows:

Group 'A' Employee

1.	Vice-Chancellor	1
2.	Rector	1
3.	Registrar	1
4.	Finance Officer	1
5.	Controller of Examinations	1
6.	Veterinary Officer	1
7.	Training & Placement Officer	1
8.	System Programmer	2
9.	System Manager	1
10.	System Engineer	1
11.	Student Counsellor	1
12.	Speech Therapist	1
13.	Senior Scientist	1
14.	Senior Refractionist	1
15.	Senior Medical Officer	2
16.	Scientist (Photo Voltaic)	1
17.	Rediological Safety Officer	1
18.	Project Officer	1
19.	Programmer	4
20.	Prof-Director	1
21.	Information & Public RelationOfficer	1
22.	Networking Engineer	1
23.	Micro Analyst	1
24.	Medical Officer	18
25.	Manager	1
26.	Maintenance Engineer	2
27.	Librarian	1
28.	Law Officer	1
29.	Junior Maintenance Engineer	1
30.	Joint Registrar	8
31.	Information Scientist	1
32.	Information Officer	1
33.	Hindi Adhikari	1
34.	Executive Engineer	4
35.	Dy. Registrar	8
36.	Dy. Nursing Superintendent	4
37.	Dy. Librarian	12

38. Dy. Director 1
39. Computer Programmer 1
40. Chief Medical Officer 22
41. Audiologist 1
42. Asstt. Registrar 16
43. Asstt. PRO 1
44. Asstt. Nursing Superintendent 9
45. Asstt. Librarian 8
46. Asstt. Engineer 3
47. Asstt. Director 11

TOTAL (Group 'A' Employees) 163

GROUP ‘B’ AND ‘C’ EMPLOYEES

Category	General	SC	ST	OBC	EWS	Total	PWD
Group ‘B’	1155	241	142	448	74	2060	9
Group ‘C’	1917	464	187	692	22	3282	22
TOTAL	3072	705	329	1140	96	5342	31

6. FINANCIAL RESOURCES

Banaras Hindu University (BHU) being a Central University gets substantial annual budgetary support as grant in aid from Central Government through regular budget. Presently the **Maintenance expenditure as well as Development expenditure** are met by grants received from U.G.C. under "OH-31 (Recurring General)", "OH-36 (Recurring General) and "OH-35 (Non-Recurring) – Capital / Infrastructure" respectively. The University's internal resources are generated by way of receipts from students fee, income from properties, dairy and agriculture farm, hospital, Licence fee from shops, income from sale of Ayurvedic drugs etc. The annual accounts of the University for the year 2020-21 is already finalized and the same have been approved by the Finance Committee in its meeting held on 22.05.2021.

The Rajeev Gandhi South Campus (RGSC) of the University which is in Mirzapur District, about 80 Km away from the main campus at Varanasi. The prime objective of the establishment of this new campus is to provide opportunity to the people of the Vindhyan Region predominantly inhabited by the tribal people to have access to the employment oriented higher education and provide opportunity for training and entrepreneurship skill for the all round development of the people of this under developed region. **For development of this new campus separate grants were being provided during earlier Plan periods by the Commission through which a number of infrastructural and other facilities have already been created on the campus**.

A lot is needed for augmenting the infrastructural facilities and undertaking further development activities at RGSC. A requirement of Rs. 8,570.00 lacs was projected under XII Plan proposal of the University for RGSC.

According to the nature of funds, the University is maintaining its accounts from the grants received from the UGC under the following heads :

(A) OH-31(Recurring General)

The Object Head-31 (Recurring General) budget of the University are meant to cover:-

- Fellowship / Scholarship/Stipend etc.
- Non-Salary Components
- Pension & Pensionary Benefits
  - i. Pension
  - ii. Contribution to Pension Fund
  - iii. Contribution to New Pension Scheme
  - iv. Deposit Link Insurance Scheme

(B) OH-36 (Recurring General)

The Object Head 36 (Recurring General) budget of the University are meant to cover:-

- Salary for Faculty and Non-Faculty
- Other Component of Salary
  - i. Leave Encashment
  - ii. LTC
  - iii. Children Education Allowance
  - iv. Reimbursement of Medicine Charges
- Retirement Benefits

(C) OH-35 (Non-Recurring)-Infrastructure/Capital Grant

The Object Head 35 (Non-Recurring)-Infrastructure / Capital grant of the University are meant to create Capital Assets.

To establish world class Universities, there should be world class support and maintenance funds. Availability of support and maintenance fund is a major pre-requisite for developing University to global standards. Library-Books

and Journals, other capital (Building and Machineries), office equipments, teaching aids materials etc. are included and depending upon support, expenditure, is being monitored.

Apart from the grants received from the UGC, the University utilizes the Internal Receipts as a source of fund. This fund is used for meeting recurring expenditure under OH-31. The University's Budget represents annual expenditure covering the following areas :

The details of expenditures under "OH-31(RG)", "OH-36(RG)", "Development Fund", "Special Fund" and Project Fund for the year 2020-21 is placed as under:-

(Rs. in lacs)

Head of Account	**Receipt**	**Expenditure**
OH-31(RG) BHU	34428.24 (UGC Receipt)	37386.87
Internal Receipt	3985.32 (Internal Receipt)	3985.32
OH-31(RG) IMS, BHU	10600.00 (UGC Receipt)	10491.03
OH-36(RG) BHU	73856.56 (UGC Receipt)	76416.23
OH-36(RG) IMS, BHU	5200.00 (UGC Receipt)	5200.00
Development Fund	2491.92 (Non-Recurring)	2440.05
	2675.64 (Recurring)	2021.61
Special Fund	33680.32	19106.40
Project Fund	6011.08	5039.88

Special Fund :

In this fund the money is collected from the following heads:

1. Donation for specific purposes including endowments for chairs, scholarships, prizes and medals including interest.
2. Deposit funds like GIS, Teachers Welfare Fund, Caution Money, Security Deposit etc.
3. Special Fee like game fee, common room, educational tour fee, etc.
4. Departmental special fund comprising of income generated by Computer Centre, Bharat Kala Bhawan, Revolving funds of S.S.Hospital, Consultancy Fee etc.
5. The collection under these accounts are to be utilized only for specific purposes and its expenditure is to be regulated within the income.

Project fund :

Financial support from U.G.C. and other agencies such as Department of Bio-chemistry Department of Science & Technology, ICAR, CSIR etc. for specific purposes viz.,

1. Research Project
2. Travel Grant
3. Seminar & Conferences
4. Scholarships.

General Development Fund :

1. U.G.C. grants to the department for development under plan periods in respects of building, equipments, furniture etc. under HEFA.
2. U.G.C. assistance for strengthening of infrastructure for selected departments under KAYAKALP scheme.
3. U.G.C. grant for introduction of certain specified courses.
4. Grants to cater needs of SC, ST, EWS, Women and differently abled persons.

The University submits proposal to the funding agencies, which examine these proposals either directly or through expert committees.

Major Achievements

Substantial amount of procurement takes place in the University under various heads viz., furniture, computers, sophisticated and costly scientific equipments, heavy machinery and electrical equipments, etc. To make the procurement process more efficient, the University has put a step forward and adopted e-procurement system.

A Central Discovery Centre (CDC) has been built to accelerate the research activities / facilities and to provide a world class research centre. Many initiatives have been taken to house the highly sophisticated equipments as a national facility. Also it will be a step forward to provide a platform as start up facility to the entrepreneurs.

Several steps and innovative measures such as flexi / fixed deposit in current accounts, physical verification of assets etc. have been adopted to upgrade the process and function of University finance.

7. AWARDS, FELLOWSHIPS & DISCTINCTIONS (International / National) & Patents by Faculty Members

AWARDS

Award & Awarding Body	Recipient & Department
• *Ma Varuna Mahotsava Smriti Award*, Rastriya Manavadhikar Raksha Board & Vishva Guru Bharat Parishad , Varanasi	Prof. J.S.Tripathi, Dept. of Kayachikitsa, IMS, BHU
• Ayurveda Shiromani Award, All India Ayurvedic Specialist (PG) Association, New Delhi	Prof. Rajendra Prasad, Dept. of Kayachikitsa, IMS, BHU
• BEST RESEARCHER AWARD : In the International Scientist Awards on engineering Science and Medicine	Dr. Jitendra Singh, Assistant Professor, IMS, BHU
• Awarded 3rd prize for quiz held in online workshop 'Transmission Electron Microscopy in Life Sciences: Procedure and Applications, Department of Pathology, SGPGIMS, Lucknow	Dr. Paromita Paul, IMS, BHU
• National Award for Excellence in Academic Clinical Research, March 2021, Indian Society of Clinical Research (ISCR)	*Faculty member of IMS, BHU*
• Reviewer's excellence award, Defence life science of DRDO	Dr Kumar Sarvottam, Associate Professor, Department of Physiology, IMS, BHU
• Dev Raj Bajaj research Award, Association of Physiologists and Pharmacologists of India	Dr Hanjabam Barun Sharma, Assistant Professor, Department of Physiology, IMS, BHU
• Best Physical Paper Award – in the Annual Conference of All India Ophthalmological Society.2020, India Ophthalmological Society (AIOS)	Dr. Deepak Mishra, Associate Professor, Ophthalmology, IMS, BHU
• Research Excellence Award 2020, Institute of Scholars 2020	Dr. Jyoti Srivastava, Assistant Professor, College of Nursing, IMS, BHU
• American Academy of Neurology (AAN) International Scholarship 2020 Award, American Academy of Neurology	Dr. Anand Kumar, Assistant Professor, Department of Neurology,IMS, BHU, Varanasi
• Award of appreciation for Setting up of IPC practices in an upcoming Covid hospital, AIIMS-ASM (American Society of Microbiology) AIIMS-ASM 2020, Oct 2020	*Faculty member of IMS, BHU*
• Most Productive Research Award 2020, Institute of Science, Banaras Hindu University	Prof. A. M. Kayastha, School of Biotechnology
• Recipient of Dr S R Bose Memorial Award (2020), Indian Mycological Society	Prof. N.K. Dubey, Dept. Of Botany
• Prof. PC Jain Memorial Award (2021), Mycological Society of India,Chennai	Prof. R.N. Kharwar, Dept. Of Botany
• Corona Warrior Award (2020), Akhil Bharatiya Grahak Panchayat, Varanasi and Saksham Mahila Nirbhay Mahila organization, DBT, Government of India	Dr J P Maurya, Asstt. Professor, Dept. of Botany
• Malviya Post Doctoral Fellowship Award	Dr. Garima Jain,Centre for Genetic Disorder
• Dr. J. G. Negi Young Scientist Award 2020, 57th Annual	Dr. Shubra Sharma,Dept of Geography

Convention of Indian Geophysical Union (IGU), held on 2-4 Feb 2021 at CSIR-NIO, Goa,	
• Most Productive Researcher Award, BHU	Prof. R.K. Srivastava, Dept. of Geology
• INSA Teachers Award-2020, Indian National Science Academy New Delhi	Prof. S.K.Mishra, Department of Mathematics, Institute of science, BHU
• Most Productive Researcher Award, BHU	Prof. Anchal Srivastava,Dept. of Physics
• 'Outstanding Faculty in Physics of 6th Venus International Science and Technology Awards (VISTA-2020), Venus International Foundation	Prof. Vivek Singh,Dept. of Physics
• Awarded Visiting Associate of IUCAA, Pune for three years since Aug. 1, 2019. i.e. 01.08.2019 – 31.07.2022, IUCAA, India	Dr. R. Chaubey,DST-CIMS
• U.P. Gaurav Alankaran Award 06.02.2021, Uttar Pradesh Patrakaar Parishad, Lunknow	Prof. K. Sashi Kumar, Professor, Dept. of Vocal Music, F.O.P.A. B.H.U.
• Distinguished teacher award on the occasion of teachers day 5th September 2020 , by Rudra Group of Industries	Prof. Sangeeta Pandit, Professor & Head, Deptt. of Vocal Music, F.O.P.A. B.H.U.
• Anupam Nadbrahm Award (05/06/2020), by Sangeetanjali, Mumbai	Dr. Ram Shankar, Asstt. Professor, Dept. of Vocal Music, F.O.P.A., B.H.U.
• Medical emergency fighter award (31/05/2020) , by E-Radio - media welfare society meerut	Dr. Ram Shankar, Asstt. Professor, Dept. of Vocal Music,F.O.P.A., B.H.U.
• Sarawati Sewa Shree Award	Dr.G C Pandey, Asstt. Professor, Dept. of Vocal Music, F.O.P.A., B.H.U.
• U.P. Gaurav Alankaran Award 06.02.2021, Uttar Pradesh Patrakaar Parishad, Varanasi	Dr. Prem Kishor Mishra, Asstt. Prof., Dett. of Instrumental Music, F.O.P.A., B.H.U.
• Outstanding Music Personality of the Year award April 2020, J.S.K. Foundation, Varanasi	Dr. Supriya Shah, Asstt. Prof.., Dept. of Instrumental Music, F.O.P.A., B.H.U.
• Glorious Award 06.02.2021, Uttar Pradesh Patrakaar Parishad, Varanasi	Dr. B. Satyavara Prasad, Asstt. Prof., Deptt. of Instrumental Music, F.O.P.A., B.H.U.
• Saraswati Ratna Award, Akhil Brahman Vikas Pratishthan, Assam	Prof. Patanjali Mishra, Prof., Dept. of Veda, SVDV, BHU
• Vishisht Award 2020, Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan, Lucknow, Govt. of U.P.	Prof. Vinay Kumar Pandey, Professor & Head, Dept. of Jyotish, SVDV, BHU
• Pryagraj Gourav Award 2018, Jyotish Karmakand evam Adhyatm Sodha Sansthan, Prayag, U.P	Prof. Vinay Kumar Pandey, Professor & Head, Dept. of Jyotish, ,SVDV, BHU
• Pryagraj Gourav Award 2018, Jyotish Karmakand evam Adhyatm Sodha Sansthan, Prayag, U.P.	Prof. Chandramauli Upadhyaya, Professor, Dept. of Jyotish, ,SVDV, BHU
• National Builder Award , Rotary Club Varanasi on 06.09.2020	Dr. Meenu Pathak, Associate Professor, Music Instrumental, Vasant Kanya Mahavidyalaya
• Hindi Ratna Award, Sai Institute of Rural Development, Varanasi on 14/09/2020	Dr. Anshu Shukla, Associate Professor, Home Science, Vasant Kanya Mahavidyalaya
• Shakti Seva Award, Mission Shakti, Uttar Pradesh Government on 08/03/2021	Dr. Anshu Shukla, Associate Professor, Home Science, Vasant Kanya Mahavidyalaya
• Lalit Kala Academy Award, February 2021	Ms. Diksha Jaiswal, , Assistant Professor, Painting, Vasant Kanya Mahavidyalaya
• Sanskrit Sewa Samman, Chaturved Sanskrit Prachar	Dr. PushpaTripathi, Associate Professor,

Sansthan	Department of Sanskrit, Arya Mahila P.G. College
• Best Teaching Award, Global Trading Excellence Award	Dr. Madhumita Bhattacharya Associate Professor, Dept. of Sociology, Arya Mahila P.G. College
• Nation Builder Award, Rotary Club Varanasi Central on Teacher's Day Celebration Year 2020, Rotary Club Varanasi Central	Dr. Pradeep Kamal, Associate Professor, DAV P.G. College
• Rashtriya Shikshak Award, 2020, Srava Bhasha Trust, New Delhi .	Dr. Anup Kumar Mishra , Associate Professor, Department of Economics, DAV P.G. College
• Corona Warrior Honour Award in Appreciation of Outstanding Dedication and Service to the Nation Against Novel Corona (COVID-19 in Lockdown Period , Shehnai Wadak Ustad Bismillah Khan Trust, Patna, Bihar	Dr. Kamaluddin Sheikh, Assistant Professor, Department of Psychology DAV P.G. College

ELECTED FELLOW

Fellowship Elected Fellow	Recipient & Department
• Elected Fellow (2021), National Academy of Sciences (Prayagraj)	Prof. S. B. Agrawal, Dept. of Botany
• Elected Fellow of National Academy of Sciences, Bangalore, National Academy of Sciences, Bangalore	Dr. M.S. Singh, Professor, Department of Chemistry

FELLOWSHIP / ASSOCIATESHIP / SPONSORSHIP

Name of the Fellowship	Recipient & Department
• Fellowship of International Society of Paediatric Oncology (FSIOP), International Society of Paedicatric Oncology	Dr. Md. Abu Bashar, Asstt. Professor, Community Medicine, IMS, BHU
• Fellowship of The Society of Cardiovascular Angiography and Interventions(FSCAI), The Society for Cardiovascular Angiography and interventions	Dr Dharmendra Jain – HOD Cardiology, IMS, BHU
• Fellow , Indian Mycological Society (2020), Indian Mycological Society	Prof. N.K. Dubey, Dept of Botany
• Associate-ship (2020), National Academy of Agricultural Sciences Linnean Society (FLS),London	Dr. Bhanu Prakash, Asstt. Professor, Dept. of Botany
• Fellow (2021), National Academy of Agricultural Sciences Linnean Society (FLS),London	Dr. Bhanu Prakash, Asstt. Professor, Dept. of Botany
• Ramalingaswami Re-entry Fellowship Grant(2021), DBT, Government of India	Dr J P Maurya, Asstt. Professor, Dept. of Botany
• Fellow (2020), The Linnean Society (FLS),London.	Dr. Prashant Singh-I, Dept. of Botany
• Fellow (2020), The Linnean Society (FLS),London.	Dr. Prashant Singh-II, Dept. of Botany
• SERB-POWER (Promoting Opportunities for Women in Exploratory Research) Fellow-2021, DST	Dr. Mousumi Mutsuddi, Associate Professor, Dept. of Molecular & Human Genetics, BHU
• Fellow Member (FTICA), Institute of Combinatorics Florida atlantic University	Prof. A.K.Upadhyay, Department of Mathematics, Institute of science, BHU

• DAAD visitation fellowship, DAAD, Germany	Prof. B.P. Mandal, Dept of Physics
• Eminent Fellow of Scholars Academic and Scientific Society	Prof. P.V. Rajeev, Institute of Management Studies
• Dignitary Fellow of International Organisation for Academic and Scientific Research	Prof. P.V. Rajeev, Institute of Management Studies
• Global Fellow, Peace Research Institute of Oslo (PRIO)	Prof. Priyankar Upadhyaya UNESCO Chair
• One Fellowship for Faculty of MCPR from Linnaeus-Palme Exchange Programme, Sweden	Prof. Manoj Kumar Mishra, Professor and Coordinator, 2020-21

MEMBERS OF NATIONAL / INTERNATIONAL COMMITTEES

• Member, SCOPE Commission on Soil Health, SCOPE, International Council for Science, Paris, France	Prof. P.C. Abhilash, Institute of Environment & Sustainable Development
• Executive member, UP-UK Association of Physiologist and Pharmacologist of India	Dr. Kumar Sarvottam, Associate Professor, Department of Physiology
• Advisory committee member, Journal of Physiology and healthcare medicine	Dr. Ratna Pandey, Professor and Head Department of Physiology
• Member Governing Body, Institute of Professional Studies at Allahabad till 31.12.2020, University of Allahabad	Dr. C.P. Mishra, Professor & Head, Deptt. of Community Medicine
• Member Task Force on Development of Psychological First Aid (PFA) for neglected Tropical Diseases, WHO and NLR	Dr. C.P. Mishra, Professor & Head, Deptt. of Community Medicine
• Nominated as Member of Council of UGC DAE CSR, Indore for a period of three years starting from July 2021	Prof. Shri Singh,Dept. of Physics
• Member of Board of Governors of Centre for Studies in Social Sciences, Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Calcutta (An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Govt. of India)	Prof. Priyankar Upadhyaya, UNESCO Chair
• Chaired the Scientific Session in National Webinar on ' Individual and Organizational Strategies to deal with Stress Issues During CORONA phase' on May 26, 2020, Department of Applied Psychology, IGNTU, Amarkantak in collaboration with SOIOP, India.	Dr. Akhilendra K. Singh, Department of Psychology
• Member of the UNESCO Steering Committee, UNESCO, Paris	Prof. Priyankar Upadhyaya, UNESCO Chair

EDITORS / REVIEWERS OF JOURNALS

• Associate Editor, Journal of Applied Ecology (Wiley), IF: 6.58, British Ecological Society • Editor-in-chief, Anthropocene Science (Springer Nature), Springer Nature Singapore Pvte Ltd • Subject Matter Editor, Ecosphere (Wiley), IF; 3.171, Ecological Society of America • Associate Editor, Ecological Processes (Springer Nature), IF: 2.847, Institute of Applied Ecology, Chinese Academy of Science	Dr. P.C. Abhilash, Institute of Environment & Sustainable Development

• Associate editor, Journal of Physiology and healthcare medicine	Dr. Kumar Sarvottam, Associate Professor, Department of Physiology, IMS, BHU
• Associate editor, Association of Physiologist of India	Dr. Parul Sharma, Associate Professor, Department of Physiology, IMS, BHU
• Highly Cited ResearcherAcademic Editor/Member Editorial Board, Scientific Journals, Web of Science Group, Clarivate AnalyticsPLOS ONE, Scientific Reports, Critical Reviews™ in Oncogenesis	Faculty member of Institute of Science, BHU

OTHER DISTINCTION

• Delivered guest lecture on Geriatric Anemia organized by Department of Pathology, Chettnad Academy of research and Education (Deemed to be University).	Prof. Vijai Tilak, Head, Department of Pathology, IMS, BHU
• Chairperson for a symposium titled "Updates on Hemophilia and Thalassemia" on 22.1.2021 and 23.1.2021 at SGPGI, Lucknow , Department of Pathology, SGPGIMS, Lucknow	Prof. Vijai Tilak, Head, Department of Pathology, IMS, BHU
• Chairperson for a session in 61st Annual Conference of the Indian Society of Hematology and Blood transfusion (haematocon Virtual 2020) held from Nov. 20-22, 2020	Prof. Vijai Tilak, Head, Department of Pathology, IMS, BHU
• President Elect - API, Chairman, Scientific Committee, APICON 2022, Jaipur	Prof. Shyam Sundar, Dis. Professor, IMS, BHU
• Best poster paper on healthcare associated infections in MICROCON, Nov 2020, Indian Association of medical Microbiologists (IAMM)	Faculty member of IMS, BHU
• VD Good Company at Trichy India	Dr. Rashmi Gupta, Asso. Professor Deptt. of Shlaya Tantra, Faculty of Ayurveda, IMS BHU
• Topper in Basic course in Biomedical Research , ICMR	Dr Hanjabam Barun Sharma, Assistant Professor, Department of Physiology, IMS, BHU
• Best Poster Podium Presentation in Community / Social Ophthalmology & Comprehensive Ophthalmology in the Annual Conference of All India Ophthalmological Society,2020, India Ophthalmological Society (AIOS)	Dr. Deepak Mishra, Associate Professor, Ophthalmology, IMS, BHU
• First position in research presentation in '12th International Course in HRM and EBM', Nov 2020, Jointly by SJRI, Bangalore and McMaster University, Canada	Faculty member of IMS, BHU
• Selected and Participated YIM 2021, organised by India Bioscience	Dr. Chandana Basu (Wellcome Trust DBT India Alliance ECF), Centre for Genetic Disorder
• One of the most productive researcher of Institute of Science in the age group 40-55 years, Institute of Science, BHU, Varanasi	Dr. Vinod Kumar Tiwari, Dept of Chemistry
• Felicitated on the Institute day celebration, Institute of Science, BHU, Varanasi	Prof. D.S. Pandey, Prof. M.S. Singh, Prof. K.N. Singh, Dept. of Chemistry
• Prof. C.N.R. Rao Rotating Professorship, BHU	Prof. M.S. Singh,Dept. of Chemistry
• Sant Sanganeria Rotating Professorship, BHU	Prof. Anchal Srivastava,Dept of Physics

• To deliver a concluding remark at the 5th World Forum on Intercultural Dialogue on the theme "Building dialogue into action against discrimination, inequality and violent conflict" in Baku, Azerbaijan. Government of Azerbaijan in partnership with in UNESCO, UNAOC, UNWTO, the Council of Europe and ISESCO	Prof. Priyankar Upadhyaya, UNESCO Chair
• Youth Icon of the society 2020, by Subah-e- Banaras	Prof. Sangeeta Pandit, Professor & Head, Dept. of Vocal Music, F.O.P.A. B.H.U
• Prashasti Patra (19 Jan 2021), Sanskar Bharti,Kashi	Prof. Revati Sakalkar, Professor, Dept. of Vocal Music, F.O.P.A.B.H.U.
• Rashtra Gaurav Ratna, by Varanasi ki Awaz, Varanasi	Dr. Madhumita Bhattacharya Upadhyay
• Certificate of Honour 19.12.2020, by National Artist Union	Dr. Madhumita Bhattacharya Upadhyay
• Certificate of Appreciation for outstanding support and humanity work to the nation and fight against corona (COVID-19) as CORONA WARRIORS in Lock Down PERIOD, Mother Teresa Foundation Lucknow, Uttar Pradesh.	Dr. Kamaluddin Sheikh, Department of Psychology
• Vaagyog Nari Pratibha, VaagyogChetnaPeeth	Dr.Chandrakanta Rai, Associate Professor, Department. of Sanskrit, Arya Mahila P.G. College
• Submitted the thesis for D.Litt. program on 18th August 2020, Banaras Hindu University	Dr. Anup Kumar Mishra , Associate Professor, Department of Economics, DAV P.G. College
• Contributed as a technical counselor in Interview board and psychologist in "UP PUBLIC SERVICE COMMISSION", Allahabad, March 24, 2021, UP PUBLIC SERVICE COMMISSION, Allahabad	Dr. Richa Rani Yadav, Associate Professor, Psychology, DAV P.G. College
• Received Elite + Silver Medal for securing more than 87 % score in NPTEL online Certification program on Stress Management (During September to October 2020), NPTEL MHRD, NEW DELHI)	Dr. Akhilendra K. Singh, Assistant Professor of Psychology,DAV P.G. College
• Included as Member Editorial Board- Mind and Society (RNI NO.CHHHIN/2012/46660 ISSN : 2277-6907 (Since April 2020), MANAV NAVNIRMAN SANSTHAN , KANCHANBAG, RAJNANDGAON, Chhattisgarh India	Dr. Akhilendra K. Singh, Assistant Professor of Psychology,DAV P.G. College

PATENTS

Sl. No.	Name of the Applicant	Patent Title	Year of Application	Present Status
1.	Dr. S. K. Choudhari, Dr. S. N. Ojha and Dr. V. Ramaswamy	"Development of Welding electrodes for Spirally welded line pipe steels"	Filed by RDCIS, SAIL	Granted in 1992
2.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a herbal composition used for the treatment of rheumatoid arthritis	1998	Granted Patent No.190439 (A1)
3.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a herbal composition useful for the treatment of seizure disorders	1998	Granted Patent No.189734 (A1)
4.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a herbal composition useful for the treatment of non-ulcer dyspepsia	1998	Granted Patent No.189966 (A1)
5.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for the preparation of a new formulation advocated for the management of allergic rhinitis	1998	Granted Patent No.189725 (A1)
6.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"An improved on selective electrode useful for sensing potassium ion fluids	1999	Granted Patent No.215512
7.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"A process for the preparation of a solid-stated bio- sensor for urea	1999	Granted Patent No.215383
8.	Prof. Anil Kumar Rai, Deptt. of Orthopeadics, IMS, BHU	"Bicentric Hip Replacement Devise' commonly known as BHU Hip Devise	1999	Granted Patent No.2168000
9.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"A devise useful for sensing copper (I) ion in fluids"	1999	Granted Patent No.221601
10.	Dr. Prem Chandra Pandey & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	"A process for the preparation of a solid-state-metal based PH electrode"	1999	Granted Patent No.218340
11.	Prof. Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal	A process for producing a herbal composition for use in irritable bowel syndrome	1999	Granted Patent No.190973 (A1)
12.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A process for the preparation of a herbal composition for improving mental capabilities	1999	Granted India Patent No.191484 (A1)
13.	Prof. Govind Prasad Dubey, Prem Vati Tiwari, Aruna Agrawal	Process for the preparation of herbal of pharmaceutical composition for the management menopausal syndrome	2000	Granted Patent No.190850 (A1)
14.	Dr. N.C. Karmakar and Others, Deptt. of Metallurgical Engg. IT, BHU	"Application of Grafted Amylopectin for Waste Water Treatment"	2001	Granted Patent No. 200125
15.	Shri Rajeshwar Prasad, Dr. Keshar Prasad Yadav, Shri Anil Kumar Ray, Shri Gauri Shankar Prasad Singh*****, Shri Gautam Banerjee	"Device for Sealing inside an Upward Drilled Borehole for High Pressure Water Injection in Underground Mines"	2001	Granted Patent No. 220660
16.	Dr. Bipin Kumar Gupta, Deptt. of Physics, Faculty of Science, BHU	"A process for the preparation of graphic nanofibers and apparatus there for"	2001	Granted Patent No. 2228267
17.	Shri Anil Kumar Ray, Shri	"An Improved Caving Longwall Method	2002	Granted

	Rajeshwar Prasad, Shri Gauri Shankar Prasad Singh*, Dr. Keshar Prasad Yadava, Shri Gautam Banerjee	for Winning of Coal from Thick Seam in Single Lift Under Massive and Hard Roof Conditions in Underground Mines”		Patent No. 219305
18.	Dr. Prem Chandra Pandey, Dr. Govind Singh & Others Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“A devise of quantitative estimation of creatinine”	2002	Granted Patent No.223621
19.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition for the prevention and management of loss of cognitive decline among the aged population and a process for preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 232507
20.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal preparation and a process for the prevention and treatment of hypercholesterolemia and hypertriglycerdiemia"	2002	Granted Patent No. 226242
21.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal preparation and a process for the prevention of liver cirrhosis of varying etiology"	2002	Granted Patent No. 220806
22.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal formulation for prevention and management of coryza and a process thereof"	2002	Granted Patent No. 220786
23.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition for the prevention and management of potential diabetes and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220749
24.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal composition having anti-stress and adaptogenic properties and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220688
25.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A herbal formulation for the management of osteo-arthritis and a process for the preparation thereof"	2002	Granted Patent No. 220683
26.	Prof. Govind Prasad Dubey	Herbal preparation for Management of Cardiovascular and neurologic Disorders	2002	Granted US: 7,273,626 B2, European Union: 1569666 Britain: 08857138001 France: 02808247.7 Italy: 85062 BE/2006, Australia: WO 2004/054592 A1
27.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	“A process of preparation of antieczema agent from dry mature seeds of Myristica fragrabs (nutmeg)”	2003	Granted Patent No.235990
28.	Dr. Prem Chandra Pandey, Deptt. of Chemistry, Faculty of Science	“Electrochemical sensor for determining dopamine levels”	2003	Granted Patent No.196763
29.	Prof. Onkar Nath Srivastava, Dr. Binod Kumar Singh, Dr. Sunmil Kumar Pandey, Deptt. of Physics, Faculty of Science, BHU	“A novel ab5 type hydrogen storage moteerial and process of preparation thereof”	2004	Granted Patent No.243938
30.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	“A process of preparation of anticandidiasis agent from dry mature seeds of Myristica fragrans”	2004	Granted Patent No.227364
31.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr.	“A process of formulation of neem (Azadirachta indica) not based natural	2004	Granted Patent No.226213

	Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.	fungicidal product”		
32.	Prof. Udai Pratap Singh, Prof. Mandavi Singh, Dr. Ravi Vikram Singh, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Instt. of Ag. Scs.,	“Preparation of a drug from dry mature seeds of Myristica fragrans for the treatment and control of psoriasis in human beings by external application”	2004	Granted Patent No.217831
33.	Dr. Bhim Bali Prasad, Dr. Dhana Lakshmi, Dr. Piyushi Sindhu Sharma, Deptt. of Chemistry, Faculty of Science, BHU	“A novel molecularly imprinted polymer (MP) Immobilised silica gel sorbent preparation and a process for determination of barbituric acid using the same mip-baed sorbent”	2005	Granted Patent No.215355
34.	Prof. Ramesh Chand, Deptt. of Mycology and Plant Pathology, Institute of Agricultural Sciences	“A process for producing reusable for the prevention of atherosclerosis and hype rlipidemia”	2005	Granted Patent No. 236382
35.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Herbal Formulation for the Prevention and Management of Diabetes Mellitus and Diabetic Micro-Vascular Complications	2005	Application No. India 1397/DEL/2005 US 2009/0214678A1 European Union WO2006129325 (A1) EP1901697 (A1)
36.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A herbal preparation effective in the prevention and management of rheumatoid arthritis and associated complaints	2007	Application No. 193/CHE/2007
37.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A herbal preparation effective in the prevention and management of leucoderma	2007	Application No. 194/CHE/2007
38.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Role of salacia oblonga in the prevention and management of endothellal dysfunction in type II diabetes mellitus	2007	Application No. 314/CHE/2007
39.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Organic extracts of hippophae rhamnoides for the prevention and management of hyperhomocysteinemia, dyslipidemia associated with CHD	2007	Application No. 315/CHE/2007
40.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	"A novel herbal formulation advocated and to a process thereof for the prevention and management of neuropsychological changes associated with menopausal women"	2007	Application No. 851/DEL/2007
41.	Prof. Yamini Bhushan Tripathi, Deptt. of Medicinal Chemistry, IMS, BHU	A Novel poly-herbal preparation for the prevention of atheroscelerosis and hyper lipidemia.	2007	NOC issued Indian Patent filed No.238258 Dt.:27.1.2010 U.S.Patent No. 7,416,743 (10/542,127) Chinese Patent No. 200380109770.X
42.	Prof. D. Dash, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	“Novel Anti-Platelet and Anti-Thrombotic Properties of Nano Silver with Potential Therapeutic Applications”	2008	NOC issued/ Patent appl.No. 2416/DEL/2008 dated 23.10.2008 Patent Granted No. 273752
43.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	A herbal formulation for the prevention and management of frequent common cold and cough and associated problems	2008	Application No.64/KOL/2008
44.	Dr. Neelam Srivastva, Deptt. of Physics, MMV, BHU	Phenomenon of Humidity Controlled regaining of Mobile lonic charge Carriers in Starch based Electrolyte	2009	NOC Issued/Patent Application No. 1664/DEL/2012 filed

45.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Ayurvedic fromulation advocated for the prevention and management of coronary heart disease	2009	Granted Patent No.US 8,318,216 B2 EP2393503 (A)
46.	Prof. Govind Prasad Dubey	"A novel herbal formulation and a process for preparation therof for the prevention and management of metabolic syndrome-x"	2009	Application No. 1996/DEL/2009
47.	Prof. Shyam Sunder, Deptt. of Medicine, IMS, BHU	(i). Diagnosis of Indian visceral Leishmainiasis (VL) by Nucleic Acid detection using PCR (ii). Identification and characterization of L.Donovani specific antigen	2010	NOC issued vide letter No. IPRCell/3 dt. 04/05.08.2010
48.	Prof. N. K. Dubey Deptt. of Botany, Faculty of Science	A chemically standardized composition containing plant essential oils efficacious as anti-fungal, aflatoxin suppresser, insecticidal and anti-oxidant." <u>Modified title</u> - "A novel plant essential oil synergistic composition and its preparation.	2010	Filed through TIFAC, DST, New Delhi. No. 233/DEL/2011 dt.: 01.02.2011
49.	Dr. Asha Lata Singh, Environmental Sc., Deptt. of Botany, Faculty of Science	Removal of Arsenic (iii) from Waste water using Lactobacillus Acidophilus.	2010	Under process (requested to obtain permission from CSIR on patentability of invention in her own name)-no response)
50.	Dr. A.C. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et. al.	"Ultra fast facile method for the formation of carbon nano sheets and its polymer composites"	2010	Patent Appl. No. 2915/DEL/2010
51.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Chemical synthesis process for formation of polyindole conducting polymer, dervatives and composities with controlled morphology."	2010	Patent Appl. No.2914/DEL/2010
52.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Asteraceae and Papavereae plants extracts as efficient corrosion inhibitors.	2010	Patent Appl. No.2913/DEL/2010
53.	Prof. P.C. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et al.	Calcium ion-sensor comprising ionophore/carrier ion-free polyindole-Camphor sulphonic acid composite".	2010	National Patent Filed CBR No. 8378 dt.:04.10.2010 Patent appl. No. 23838 DEL/2010 dt.04.10.2010
54.	Dr. Rajiv Prakash et al.	"Chemical synthesis process for formation of polyindole conducting polymer, dervatives and composities with controlled morphology."	2010	Patent Appl. No.1289/DEL/2010
55.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Role of an herbal formulation in the prevention and management of age related neurodegenerative disorders with special reference to senile	2010	US2012034324 (A1) WO2012020423 (A1) WO2012020423 (A8)
56.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Role of an herbal formulation in the prevention and management of age related neurodegenerative disorders with special reference to senile dementia	2010	Application No. 2271/CHE/2010 US2012034324 (A1) WO2012020423 (A1)
57.	Mr. B.S. Chaurasia , Guest Faculty & Ph.D. Research Scholar, Deptt. of electronics Engg.,IIT (BHU),	(i). A novel architecture for pressure sensor. (ii). A novel architecture for very sensitive pressure sensor.	2010	National patent Filed Appl. No.9/DEL/2011 dt.: 12.01.2011 National Patent Filed Appl.No.67/DEL/2011

				dt.04.01.2011 Now wants to file two international patents on the same topics as above.
58.	Prof. Vakil Singh, Deptt. of Metallurgical Engg. IIT,BHU	Effect of Surface Nanocrystallization on Osseointegration of Cp-Titanium	2010	Filed on 25.05.2011 & published in journal No. 33/2011 on dt.19.08.2011 Application awaiting examination.(Appl.No.1486/DEL/2011)
59.	Prof. Devendra Kumar, Deptt. of Ceramic Engg., IIT., BHU	Iron alumina based Metal Matrix Composite Material	2010	Application form issued/No response
60.	Prof. Dhananjai Pandey, School of Material Sc. & Technology, IIT (BHU)	(i) Reactive Compatiblization of polycarbonate and Ply (Methyl Methacrylate) with noel catalysts ($SnCl_2.2H_2O$, {[Ch_3 $(CH_2)_3CH(C_2H_5)$ COO]$_3$Sn$(CH_2)_3$ CH_3} and {[$CH_3(CH_2)_3CH)C_2H_5)COO]_2S$} Evidence for Homogeneous blend formation" (ii) Miscible Polycarbonate-Polyacrylate Blends through Reactive Extrusion" (iii) Compatible Blend of Polycrbonate with Acrylate Polymer"	2010	NOC issued/Request letter has been issued to provide present status vide letter no. IPR Cell/58 dt.10.10.2012/No Response Patent appl. No. 141/DEL/2011 dt.20.01.2011
61.	Prof. D. Pandey, Dr. Rajiv Prakash et al. School of materials Science & Technology	"A process for preparation of homogeneous polymer blends particularly blends of polycarbonate (PC) and poly(methyl methacrylate) (PMMA)"	2011	Patent Application No. 141/DEL/2011
62.	Prof. Vakil Singh, Dr. Rajesh bansal & Other, Faculty of Dental Sciences, IMS, BHU	"Effect of Surface nanocrystallization on Osseointegration of CP-Titanium"	2011	Application No. 1486/DEL/2011 Awaiting examination
63.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Herbal formulation advocated for the prevention and management of coronary heart disease	2011	Granted Patent No. US 20120034326 A1 dt. 17th Dec. 2013 Published in India Application No. 2270/CHE/2010
64.	Prof. Govind Pradad Debey, Dr. Aruna Agrawal and other	A novel herbal formulation for the modulation of immune system of HIV infected patients and a process of preparation therof	2011	Application No. US2013071435 (A1) WO2013042132 (A1), EP2758064 (A1)
65.	Prof. Gopal Nath, Deptt. of Microbiology, IMS, BHU	Novel Pseudomonas aeruginosa bacteriophages and their usage in speticaemia Modified tittle- Compositions for therapeutic or prophylactic treatment of bacterial infections.	2011	Patent appl. No. 3504/DEL/2014 dt.02.12.2014 Draft patent is in process to send to Examiner
66.	Prof. Sanjay Singh, Deptt. of Pharmaceutics, IIT, BHU	Patenting of an innovative idea in the field of pharmaceutical Engg.	2011	Application form issued/No Response.
67.	Dr. N.S. Rajput, Deptt. of Electronics Engg., IIT, BHU	(i) A neural Net Implementation of SPCA Pre-Processor for Gas/Odor classification using the responses of thick film Gas sensor array. (ii) A fully Neural implementation of unitary response model for classification of gases/odors using the responses of thick film gas sensor array.	2011	Application form issued/No Response.
68.	Dr. K. R. C. Reddy,	Pharmaceutical Study and	2011	Application form issued / No

	Deptt. of Rash-Shastra, Faculty of Ayurveda, IMS,BHU	Pharmacological Evaluation of Brahmi Ghrita: A Preclinical Study		Response
69.	Dr. B.S. Chaurasia, Guest Faculty & Ph.D. Scholar, Deptt. of Electronics Engg., IIT, BHU	(i) A Novel Architecture for Pressure sensor. (ii) A Novel Architecture for very Sensitive Pressure Sensor.	2011	Application filed for National Filed: (i)No.9/DEL/2011 (ii)No.67/DEL/2011
70.	Shri Sudip Paul, Sr. Research Fellow, School of BioMedical, Engg., ITT. BHU	Hearing aid along with wireless door bell vibrator system and electronic Troch light facility.	2011	Application No.1836/DEL/2011A.filed on 28.06.2012 Published 13.07.2012. Present status of application is showing "Awaiting for examination"
71.	Dr. R.N. Rai, Associate Professor, Department of chemistry, Faculty of Science	Synthesis of Promising Novel Binary Organic white Light Emitting Material	2011	NOC Issued/Request letter has been issued to provide present status vide letter no. IPR Cell/52 dt. 10.10.2012/ Responded Under still process.
72.	Dr. Pradeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation for reduction in obesity and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
73.	Dr. Pradeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation for treatment of menopause syndrome and process for tis preparation thereof	2012	Applied
74.	Dr. Prdeep Srivastava	"A novel polyherbal formulation as anti fatigue and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
75.	Dr. Pradeep Srivastva	"A novel poly herbal formulation for growing adolescent girl and process for its preparation thereof.."	2012	Applied
76.	Prof. S.K. Tiwari, Head Deptt. of kayachikitsa, Faculty of Ayurveda, IMS	Study of anti-asthmatic effect of standardize extract of Ayurvedic compounds via nasal spray actuation in aerosol form in rodents and itscomparative clinical study	2012	Number – 7192/DEL/2013 dated 16.07.13 Published on 17.08.2013
77.	Dr. Neelam Srivastava Associate professor-Physics, MMV and others	Electrolysis of Starch based Electrolyte	2012	Application Number-1664/DEL/2012 filed on 31.05.2012
78.	Dr. Vikash Kumar, Associate Professor, Department of Pharmaceutics, IIT. BHU	Therapeutic uses of Piper Longum root powder for prevention and treatment of mild intermittent stress induces psychopathology and associated chronic diseases.	2012	NOC Issued Vide letter No IPR Cell/46 dt.; 22.09.2012. He informed that patent appl. has not been filed.
79.	Dr. Asha Lata Singh, Environmental Sc., Deptt. of Botany, Faculty of Science	Desulferization of Coal with Ralstonia sp. and Pseudoxanthomonas sp.	2012	Patent appl. was filed on 20.06.2013
80.	Dr. Swarn Lata, Deptt. of Zoology, M.M.V.	Hepotoprotective effect of Phyllantus Fraternus against Cyclophosphamidea Potent Anticancer Drug	2012	Application form issued / No Response
81.	Dr. Kavita Shah, I.E.S.D.	Process for isolation and purification of peroxidase enzyme from rice plants and application	2012	Under process/Till date NOC not issued.
82.	Dr. Karuna Singh, Deptt. of Zoology, MMV, BHU	Aqueous extract of whole fruits of Azadirachta india L. as anti fungal for the treatment of saprolegniasis with reference to fresh water fishes	2012	Application No. 1972/DEL/2013 dt.03.07.2013
83.	Sri Govind kapusetti, Sr.	Piezoelectric Bone Cement for Bio-	2012	Application form issued / No

	Research Fwllow, Deptt. of Bio Medical Engg., IIT. ,BHU	medical Application		Response
84.	Prof. D. Dash,Head, Deptt. of Biochemistry, IMS,BHU	Development of Nanogold – based diagnostic marker for cardiovascular Disorders.	2012	NOC issued vide letter No. IPR Cell/83 dt.: 29.12.2012 Informed that work has lost its novelty and therefore become non-patentable
85.	Dr. P. K. Singh, Associate Professor, Deptt. of Geology, BHU	Removel of toxic trace Metals from coal with Mixed Bacterial consortia comprising of Ralstonia sp. and pseudoxanthomnas sp.	2012	Patent appl. was filed on 20.06.2013
86.	Dr. Kavita Shah, Associate Professor, I.E.S.D, BHU	Carbon paste electrode modified with peroxidases from Rice plants and its application. Modified title- A modified crbon paste electrode with peroxidases from rice plants and a method of producing the same	2012	Application No. 478/DEL/2013. Dt.19.02.2013
87.	Dr. Neeraj Sharma, Associate Professor, School of Bio-Medical Engg., IIT	Non invasive blood Glucose meter based on Modulated Ultrasound & Optical Technique	2012	Application No. 3877/DEL/2012 dt. 14.12.2012 Published on 18.01.2013 NOC issued vide letter No. IPR Cell/72-74 dt.: 12.10.12
88.	Prof. S. K. Tiwari, Deptt. of Kayachikiitsa, Faculty of Ayurveda, IMS,BHU	Study of anti-asthmatic effect of standardize extract of Ayurvedic compounds via nasal spray actuation in Aerosol form in rodents and its comparative clinical study Modified title- Therapeutic uses of Shirishadi Polyherbal compound for prevention & treatment of sub-acute & chronic Asthmatic conditions based on its novel pharmacological activities	2012	Application No. 7192/DEL/2013 dt.16.07.2013 Published 17.08.2013
89.	Dr. Geeta Rai, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science	A pattern recognition receptor particularly a Toll like receptor which has a unique association with the presence of Glomerulonephritis in Systemic lupus Erythematosus (SLS)	2013	Application No. 128/DEL/2013. filed on 18.01.2013
90.	Dr. K.N. Tiwari, Deptt. of Botany, M.M.V.BHU	Antifungal activity of Phyllantus fraternus against Cryptococus species for potent antifungal drug Modified title- Ethanolic extract of stem of phyllanthus fraternus Webster as antifungal agent against Cryptococcus spp. (C.neoformns and C.guttii)	2013	NOC issued vide letter No. IPR Cell/38 dt.: 16.10.2014 Final Patent Appl. No. 411/DEL/2016 dt. 11.02.2016
91.	Sri O.P. Singh, Occupational therapist, Deptt. of orthopedics Sir Sunderlal Hospital BHU	Title is not disclosed	2013	Form I, II & III issued Further no response
92.	Dr. Kavita Shah, Associate Professor, I.E.S.D.BHU	Title is not disclosed	2013	Form I, II & III issued Further no response
93.	Prof. Debabrata Dash, Head, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Development of electrochemical sensor for screening and diagnosis of individuals at high- risk to develop arterial thrombosis	2013	NOC issued vide letter No. IPR Cell/07 dt.: 03.05.2013 dt. 04.12.2013
94.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A Plant based formulation for the prevention and management Irritable Bowel Syndrome (IBS)	2013 2014	Submitted Application No. India 3797/DEL/2013 US 14/468,285
95.	Prof. Govind Prasad	A Plant Based formulation for the	2013	Submitted

	Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Prevention and management Irritable bowel syndrome (IBS)	2014	Application No. US 14/468 281
96.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	Metabolic syndrome and cardiovascular disease mortality risk its prevention and management by a plant based drug	2013 2014	Submitted Application No. US 14/468 281
97.	Prof. Govind Prasad Dubey, Dr. Aruna Agrawal and others	A plant based formulation for the prevention and management of obesity and associated complications	2013 2014	Submitted Application No. US 14/469,272
98.	Prof. Govind Prasad Dubey and others	Regulation of brain biogenic amines associated with depression by a formulation from botanical soure	2014	Submitted, India, US and European Union
99.	Prof. Govid Prasad Dubey and others	Association between neopterin concentration and neurovascular changes in type-2 diabetes patients-effect of an Ayurvedic formulation mainly containing Berberis aristata	2014	NOC issued vide letter No.19 dt. 13.05.2014/ No response
100.	Dr. Geeta Rai, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science, BHU	"A pattern recognition receptor particularly a Toll like receptor which has a unique association with the presence of Glomerulonephritis in Systemic lupus	2014	NOC issued
101.	Dr. Arvind Kumar Associate Professor School of Biotechnology, Faculty of Sciences, BHU	Anti cancerous enhancement by CGA to cure	2014	NOC Issued vide letter No. 05 dt. 10.04.2014/No response
102.	Dr. Arvind Kumar Associate Professor School of Biotechnology, Faculty of Sciences, BHU	Chlorogenic acid (CGA) binds to HMGB-I to enhance anti-cancerous capability of herbal extract against liver cancer.	2014	Patent Application No. 1220/DEL/2014 filed at Delhi on 29.04.2014. He has requested to BHU for financial support
103.	Prof. G.P. Dubey, Distinguished Professor, Study Director & Coordinator, NFTHM, IMS, BHU	Invention of a new technology P007 to measure density in Neurodegenerative and neuro-psychiatirc	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/19 copy of form I, II & III is not available at the office of IPR Cell
104.	Dr. G.P. Dubey, Distinguished professor Study director & Cooridnator, NFTHM, IMS, BHU	(i) Association between neopterin concentration and neurovascular changes in type-2 diabetes patients effect of an Ayurvedic formulation mainly containing berber is aristata. (ii) Invention of a new technology P 700 to measure density in Neurodegenerative and Neuropsychiatric illness.	2014	(i) NOC issued vide letter No. IPR Cell/19 dt. 13.05.2014. copy of form I, II & III is not available at the office of IPR Cell. (ii) NOC issued vide letter No. IPR Cell/16 dt. 13.05.2014. copy of form I, II & III is not available at the office of IPR Cell
105.	Prof. D. Dash, Head, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Photothermal ablation of thrombus and relief from vascular blockage using NIR-Active nanomaterials. Modified title- A fabrin-Targeting Device with NIR-Active nanomaterials for improved thrombolysis employing photothermal (PT) method.	2014	Patent Application No3 168/DEL/2014 filed at Delhi on 03.11.2014 (Title was changed prior to filing) He was requested to furnished the comments of the funding agency for change in topic)-no response
106.	Dr. Kiran Singh, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Sciences, BHU	Use of Myeloid derived suppressor cell biomarker for the diagnosis of early pregnancy loss.	2014	NOC issued vide letter no. IPR Cell/55 dt. 11.03.2014 / No response
107.	Dr. Karuna Singh, Assistant Professor, Deptt. of Zoology, MMV, BHU	Antifungal effect of Cinnamon extract on Aureobasidium pulluslans (CBS 577.93, CBS 101119) and exophialal dermatidis	2014	NOC Issued vide letter No. IPR Cell/31 dt. 08.10.2015. Patent Filed provisional Appl.

		(MTCC 9346)		No. 201611004845 dt. 11.02.2016
108.	Dr. Pankaj Srivastava Assistant Professor, Deptt. of Chemistry Faculty of Science. BHU	A novel process for the development of p-toluenesulfonate doped polypyrrole/carbon composite electrode and a preparation of the same electrode for supercapacitor.	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/35 dt 30.09.2014 US Patent Appl. No. 14/464845 dt. 21.08.2014
109.	Dr. Preeti S. Saxena Assistant Professor, Deptt. of Zoology, Faculty of Science, BHU	Title is not disclosed	2014	Form I,II&III issued Further no response.
110.	Dr. Surya Pratap Singh, Associate Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, Faculty of Science, BHU	Mucuna Pruriens seed extracts ther of for the treatment of Neurological disorder	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/ 03 dt.10.04.2014 Appl. No. 918/DEL/2014 dt. 31.03.2014
111.	Dr. Rashmi Singh, Assistant Professor, Deptt of Zoology, MMV	First report on Intranasal administration of curcumin and its anti-asthamatic potential in mouse model of asthma: HPLC study on its absorption through nasal mucosa t the lungs.	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/39 dt.16.11.2015
112.	Dr. Rajesh Bansal , Reader, Prosthodotics Unit Faculty of Dental Sciences, IMS,BHU	Surface Modification of titanium by Incorporation of carbon	2014	NOC issued vide letter No. IPR Cell/22 dt.06.06.2014
113.	Dr. Rashmi Singh, Assistant Professor, Deptt. of Zoology, MMV	"First report on Intranasal administration of curcumin and its anit-asthmati potential in mous model of asthma: HPLC study on its absorption through nasal mucosa to the lungs"	2015	Patent Application Form I, II & III issued NOC Issued on 06.11.2015 vide letter No. TPR Cell/39
114.	Dr. Aruna Agrawal, Professor & Coordinator Advance Centre for Traditional & Genomic Medicine, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU	(i) Evaluation of mental health status of tribal children- current status and strategies for development and scientific validation of medicinal plant found in tribal area. (ii) Markers of neuro-inflammation associated with neurodegenerative disorders in type-2 diabetes mellitus patients-role of Moringa oleifera extract	2015	Requested to provide the documents pertaining to findings in U.S. reg. revalidation of the claims of Patent work. Further no response.
115.	Dr. Neelam Srivastava, Professor, Deptt. of Physics, M.M.V, BHU	Low cost electrolyte membranes for microbial fuel cell application synthesized by complexing starch (Wheat, Corn and Rice) with salt	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/53 dt. 17.12.2015 Patent Appl. No. 201611006732 dt. 26.02.2016
116.	Dr. S. Bhattacharya, Associate Chemistry, Faculty of science, BHU	New Photochromic material	2015	Form I, II & III issued Further no response
117.	Mr. Prasann Kumar, Ph.D. IIIrd Year Student, Deptt. of Plant Physiology, I.Ag.Sci., BHU	Plants based heavy metal sensors	2015	Form I, II & III issued Further no response
118.	Prof. Onkar Nath Srivastava, Hydrogen Energy Centre, Deptt. of Physics, BHU	Synthesis of pure MgH2 with reversible hydrogen storage capacity	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/28 dt. 24.09.2015
119.	Mr. Avinash Upadhyay, B.Sc.IInd Year Student Faculty of Agriculture, I.Ag.Sc., BHU	Oldest Rain Gauge 0.25 Dron	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/24 dt. 12.09.2015
120.	Dr. Shashi Pandey, Assistant Professor, Deptt. of Botany, Faculty of Science, BHU	Mapping the arsenic stress-induced proteome of *Artemisia annua* using 2-D electrophoresis and MALDI-TOF-MS	2015	Form I,II & III issued Further no response

121.	Dr. Geeta Rai, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science, BHU	A novel formulation of vitamin increases the immune efficiency in low birth weight newborn	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/41 dt. 06.11.2015 Form26 (Power of Attorney) is under process.
122.	Prof. H.B. Singh, Professor & Head Deptt. of Mycology & Plant Pathology, I.Ag.Sc., BHU	Broad spectrum antifungal efficacy of silver nanoformulation synthesized using culture supernatant of novel bacterial isolate.	2015	NOC issued vide letter No. IPR Cell/57 dt. 26.12.2015. Further no information
123.	Dr. Meenakshi Singh, Associate Professor, Deptt. of Chemistry, MMV, BHU	Preparation of molecularly imprinted polymer-quartz crystal microbalance (MIP-QCM) device for detection of Neisseria meningitides bacteria	2016	NOC issued vide letter No. IPR Cell/01 dt. 11.04.2016. Under process with CSIR
124.	Prof. R.M. Singh, Deptt. of Chemistry, Instt. of Science, BHU	Process for preparation of terminal Alkynes	2016	NOC issued vide letter No. IPR Cell/ dt. 11.0.2016.
125.	Dr. M. Mutsuddi, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Instt. of Science, BHU	KH domain containing proteins depletes pathogenic Spinocerebellar Ataxia 8 transcripts and suppresses neurodegeneration in Drosophila disease model of the disease	2016	Form I, II & III issued
126.	Dr. Debabrata Dash Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, I.M.S., BHU	Multi-level therapeutic of platelet metabolism as a novel anti-thrombotic strategy	2016	Form I, II & III issued
127.	Prof. Amitabh Krishna, Deptt. of Zoology, Instt. of Science, BHU	Prophylactic efficacy of Tribulus terrestris a potent aphrodisiac herb on Polycystic Overy Syndrome (PCOS)	2016	Form I, II & III issued
128.	Dr. Vivek Singh, Deptt. of Physics, Instt. of Science, BHU	Bragg fiber waveguide bio-sensor based on defect mode	2016	Form I,II & III issued
129.	Prof. N.K. Dubey, Deptt. of Botany, Instt. of Science, BHU	Novel composition for ontrolling storage pests and mycotoxin production (M.leucadendron and Carum carvi)	2017/2006	Authorisation Letter by The registrar issued vide letter No. IPR Cell/73 dt. 27 .03.2017
130.	Dr. Preeti S. Saxena Assistant Professor, Deptt. of Zoology, Faculty of Science, BHU	Title is not disclosed	2014	Form I,II&III issued Further no response.
131.	Prof. N.K. Dubey, Deptt. of Botany, Instt. of Science, BHU	Novel composition for ontrolling storage pests and mycotoxin production (M.leucadendron and Carum carvi)	2017/2006	Authorisation Letter by The registrar issued vide letter No. IPR Cell/ 01 dt. 03.04.2017
132.	Prof. Amitabh Krishna, Deptt. of Zoology, Instt. of Science, BHU	Title is not disclosed	2016	Form I,II & III issued
133.	Dr. Debabrata Dash, Professor, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Novel Thermogenic stent device for ablation of thrombus and prevention of restenosis in obstructed stent	2016	Form I,II & III issued
134.	Dr. Vivek Singh Asstt.Professor Deptt. of Physics Instt. of Science, BHU	Bragg fiber waveguide bio-sensor based on defect mode Applicant: Dr. Vivek Singh & BHU	2017	NOC issued vide letter No. IPR Cell/03 dt.11.04.2017 Patent No. 201711015130A published
135.	Prof. N. K. Dubey, Deptt. of Botany, Faculty of Science, BHU	Novel composition for controlling storage pets and mycotoxin production. (M.*leucadendron* and Carum *carvi*) Applicant: BHU	2017	Patent application No. 2586/DEL/2006 dt. 04.12.2006 Patent granted No. 298220 dt. 28.06.2018
136.	Dr. Preeti S. Saxena Asstt.Professor Deptt. of Zoology Instt. of Science, BHU	Lipopolysaccharide (LPS) and N-doped carbon quantum dots (NCQDs) Conjugates for E.coli detection Applicant: All Inventors & BHU	2017	NOC issued vide letter No. IPR Cell/25 dt.09.08.2017

137.	Prof. N.K. Dubey, Deptt. of Botany, Faculty of Science, BHU	Novel composition for controlling storage pets and mycotoxin production. (M.*leucadendron* and Carum *carvi*) Applicant: BHU	2017	Patent application No. 2586/DEL/2006 dtd. 04.12.2006 Patent granted No. 298220 dtd. 28.06.2018
138.	Dr. Preeti S. Saxena Asstt. Professor Deptt. of Zoology Instt. of Science, BHU	Lipopolysaccharide(LPS) and N-doped carbon quantum dots (NCQDs) Conjugates for E.coli detection Applicant: All Inventors & BHU	2017	NOC issued vide letter No. IPR Cell/25 dt.09.08.2017
139.	Prof. N. K. Dubey, Deptt. of Botany, Faculty of Science, BHU	Novel composition for controlling storage pets and mycotoxin production. (M.*leucadendron* and Carum *carvi*) Applicant: BHU	2017	Patent application No. 2586/DEL/2006 dt. 04.12.2006 Patent granted No. 298220 dt. 28.06.2018
140.	Dr. Geeta Rai Assistant Professor Deptt.of Molecular & Human Genetics Faculty of Science, BHU	A Novel milk derived formulation with potential for management of dengue Applicant : BHU	2017	NOC issued vide letter No. IPRCell/ 62 dt.30.01.2017 Patent Appl. No. 201611044471 dt. 27.12.2016
141.	Dr. Geeta Rai Assistant Professor Deptt.of Molecular & Human Genetics Faculty of Science, BHU	A novel silver nanoparticle conjugate prepared phytochemical extract causing preferred in cancer cell lines and the preparation process therein Applicant: BHU	2017	NOC issued vide letter No. IPR Cell/ 62 dt.30.01.2017 Patent Appl. No. 201711018834 dt. 29.05.2017
142.	Dr. K.M. Palandurkar Assistant Professor Deptt. of Biochemistry IMS, BHU	Device and method for Billirubin interference removal from biological samples	2018	NOC issued vide letter No.IPR Cell/ 72 dt.14.02.2018
143.	Prof. O.N. Srivastava, Nano Science, Deptt. of Physics Institute of Science, BHU	Carbon hollow cylinder made up from radially aligned carbon nanotude arrays as efficient electromagnetic material Applicant All Inventors & BHU	2018	NOC issued vide letter No.IPRCell/21 dt.04.06.2018
144.	Dr. Geeta Rai, Assistant Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Faculty of Science, BHU	Development of a novel vector system for augmented expression of bevacizumab monoclonal antibody	2018	Form I, II and III issued
145.	Dr. Manish Arora, Assistant Professor Coordinator, Design Innovation Centre (BHU), BHU	Sleeper Rickshwa-Make/Design Rickshaw home for Rickshaw Driver Applicant All Inventors, DIC BHU & BHU	2018	NOC issued vide letter No. IPR Cell/24 dt.18.06.2018
146.	Dr. Bhagyalaxmi Mohapatra, Associate Professor, Cytogenetics Laboratory, Deptt. of Zoology, Instt. of Science, BHU	A biomarker to be used in diagnostics	2018	Form I, II and III issued
147.	Prof. Anil Kumar Chauhan, Coordinator, Centre of Food Science & Technology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Process optimization for production of ready to cook multi grain khichdi Applicant: BHU	2018	NOC issued vide letter No. IPR Cell/60 dt.04.08.2018
148.	Prof. Anil Kumar Chauhan, Coordinator, Centre of Food Science & Technology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Development and process optimization of sugar free Biscuit through fenugreek seed powder and natural sweetener (Stevia)	2018	Form I, II and III issued
149.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Development of encapsulated bioprimed seeds comprising microbial consortium and uses there of Applicant: All inventors & BHU	2018	NOC issued vide letter No.IPR Cell/ 66 dt.04.09.2018

150.	Dr. Karuna Singh, Associate Professor, Deptt. of Zoology, Mahila Maha Vidyalaya, BHU	Antifungal effect of cinnamaldehyde on Cryptococcus heoformans (MTCC 1431 plus 7 other isolates), Aureobaridium pullulants (CBS 577.93, CBS 10 1119), Exophiala dermatides (MTCC 9346), Candida albicans (MTCC 3017) and Fusarius oxysporum (MTCC 2773)	2018	Form I, II and III issued
151.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Process for biofilm formation of endophytic bacteria and use there of	2018	Form I, II and III issued
152.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Tentative Title : Rapid method earthworm (Eisenia fetida)	2018	Form I, II and III issued
153.	Shri. Ashish Kr. Singh, Research Scholar, Deptt. of Microbiology, IMS, BHU	Title : Click inspired synthesis of water soluble and biocompatible Curcumin and its antibacterial, antibiofilm and other potentialmtherapeutic uses	2019	NOC issued vide letter No. IPR Cell/ 102 dt.23.01.2019
154.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Title : A novel nanoformulation for suppressing nematode population and plant growth promotion and process thereof	2019	NOC issued vide letter No.IPRCell/93 dt.14.01.2019
155.	Prof. Anchal Srivastava, Professor, Deptt. of Physics Instt. of Science, BHU	Tentative Title : High performance graphene transistor by using iconic gate dielectric	2019	Form I, II and III issued
156.	Dr. Avijit Mukherjee, Asstt. Professor, Deptt. of Biochemistry, IMS, BHU	Title : A metho for purification of bacteriophage antigen and antibody	2019	Form I, II and III issued
157.	Ms. Smita Yadav, Research Scholar, Deptt. of Biochemistry, Instt. of Science, BHU	Title : Green nanoparticle compound that was found more efficient to killing the filarial parasite at a very low dose	2019	Form I, II and III issued
158.	Prof. Debabrata Dash, Head, Deptt. of Bio-Chemistry, IMS, BHU	Title: A novel multimodal drug eluting thermogenic stent device for prevention of in-stent thrombosis	2019	NOC issued vide letter No.IPRCell/135 dt.09.03.2019
159.	Dr. Arvind M. Kayastha, Professor, School of Biotechnology, Instt. of Science, BHU	Title : Indian patent on B-amylase enzyme purified form plant source……	2019	Form I, II and III issued
160.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Title : Biodegradable nursery growing pot for protecting soiborne disease & method thereof	2019	NOC issued vide letter No.IPR Cell/02 dt. 08.04.2019
161.	Prof. Anchal Srivastava, Professor, Deptt. of Physics Instt. of Science, BHU	Title : Carbon nanotube filter for toxin removal from cigarette smoke Applicant: Dr. Anchal Srivastava & BHU	2019	Form I, II and III issued
162.	Dr. H.B. Singh, Professor, Deptt. of Mycology & Plant Pathology, Instt. of Agricultural Science, BHU	Title: A novel nano-biopesticide ormulation and method of preparation thereof Applicant: All inventors & BHU	2019	NOC issued vide letter No.IPRCell/08 dt.07.05.2019
163.	Dr. G.P. Dubey Distinguished Professor Study Director & Coordinator Collaborative Programm, IMS, BHU	Title Role of Ayurvedic formulation for the prevention and management of Breast Cancer Applicant: Mr. Suresh Garg, M/s Zeon Life-Sciences and BHU	2019	NOC withheld
164.	Dr. Jasmeet Singh, Curetor, Deptt, of Dravyaguna, Faculty of Ayuraveda, Instt. Of Medical Sciences,	Title: A pharmaco-clinical study of Apamarga (Achyranthes aspera Linn,) Pratisaraniya Kshara in Arsa w.s.r. to haemorrhoids	2019	NOC issued vide letter No.IPR Cell/ 18 Dt. 29.06.2019

		Applicant: BHU & Dr. Jasmeet Singh		
165.	Prof. Arbind Acharya, P.I., Laboratory of Cancer Immunology, Bioengineering and Infectious Disease, Deptt. Of Zoology, Instt. Of Science, BHU	Title:	2019	Form I,II & III submitted but NOC not given – some querry
166.	Dr. Geeta Rai, Associate Professor, Deptt. of Molecular & Human Genetics, Instt. of Science, BHU	Title: A diagnostic method for Covid 19 ………… Applicant: Dr. Geeta Rai	2020	Form I, II and III submitted but NOC not given- amendment required
167.	Prof. Ravi Kumar Asthana, Professor, Deptt. Of Botany Instt. Of Science. BHU	Title: Chemical fingerprinting of a potent fraction from a cyanobacterium ……. Applicant: Deptt. Of Botany, BHU and IIT (BHU)	2020	Already filed in Feb 2020 but still pending for NOC

8. SCHOLARSHIP / FELLOWSHIP (FOR STUDENTS) 2020-21

Sl. No.	Name of the Scholarship	Number of Beneficiaries
1.	UGC Research fellowship under 'R' Account – Object Head '31' (A), (B) and (C)	1008
2.	UGC NET JRF in Science and Humanities & Social Sciences	1050
3.	CSIR – JRFs/SRFs	281
4.	CAS/SAP merged Junior Research Fellowship	13
5.	Ayurveda Junior Research Fellowship in I.M.S.	13
6.	Junior and Senior Research Fellowships in Centre of Experimental Medicine and Surgery Research Laboratory in IMS	15
7.	National Fellowship for SC	74
8.	Rajiv Gandhi National Fellowship for Students with Disabilities	12
9.	National Fellowship for Higher Education (NFHE) of ST students	21
10.	UGC Research Fellowship in Science for Meritorious students	03
11.	Research Fellowship in the Centre for the Study of Nepal	02
12.	DBT – JRF by Department of Biotechnology	22
13.	Vivekanand single girls Child Scholarship	05
14.	U.P. Rajya Krishi Utpadan Mandi Parishad Scholarship	72
15.	UGC-Dr. D.S. Kothari (Post Doctoral Fellowship)	22
16.	Dr. S. Radhakrishnan Post doctoral Fellowship)	15
17.	UGC-PDF for Women	14
18.	Maulana Azad National Fellowship	21
19.	National Fellowship for OBC	78
20.	UGC- Post Doctoral Fellowship for SC/ST	05
21.	CSIR Research Associateship	08
22.	ICAR-SRF/JRF (P.G.)	94
23.	ICMR Fellowship	61
24.	ICPR Fellowship	20
25.	ICHR Fellowship	06
26.	ICSSR Fellowship	78
27.	Sanskrit Vidya Dharma Vijnan Sankay scholarship to Sanskrit and Acharya	99
28.	Studentship to M.Sc. Previous and Final year students under Scheme No.827 under DBT	30
29.	INSPIRE Fellowship	59
30.	MHA-BPR&D/ISRO's/NACO/MNRE/N.PDF/DAIC	37
31.	National Scholarship	941
32.	SC/ST/OBC/Gen./Minority Scholarship from the states (U.P.)	6147
33.	DBT-RA	02
34.	CSIR-SPM Fellowship	03
		10331

9. FACILITIES

9.1. Accommodation
- 9.1.1. Hostels for Students (Male)
- 9.1.2. Hostels for Students (Female)
- 9.1.3. Hostels for Students (Foreign)
- 9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees

9.2. Guest House

9.3. Internet & Computers

9.4. Conference Halls

9.5. Alumni Cell

9.6. Indian Council of Cultural Relation (ICCR)

9.7. Indira Gandhi National Open University

9.8. International Centre

9.9. Press Publication & Publicity Cell

9.10. Electricity, Water & Telephone

9.11. Maintenance (Building & Instruments)

9.12. Health Care (Hospital & Health Centers)

9.13. University Sports Board

9.14. Programmes Organized by Dean of Student Welfare

9.15. Canteens

9.16. National Social Service (NSS)

9.17. National Cadet Core (NCC)

9.18. Air Strip & Helipad

9.19. Shopping Complex

9.20. BHU Club

9.21. Students Welfare
- 9.21.1. Placement Service
- 9.21.2. University Employment & Guidance Bureau
- 9.21.3. Student Council
- 9.21.4. City Delegacy
- 9.21.5. Equal Opportunity and Inclusive System
- 9.21.6. Extra Curricular Activities

9.22.Hindi Publication Cell

9.1. Accommodation

(As due to lockdown Hostels accommodation facility were not been provided to the students in academic session 2021-21. So hostel details is of academic session 2019-20.)

9.1.1. Hostels for Students (Boys)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE/ OTHERS
1.	Bal Ganga Dhar Tilak Hostel	Agriculture	196	392	392	01	08
2.	S. Radha Krishnan Hostel	Agriculture	120	245	245	04	04
3.	Birla ”A” Hostel	Arts	124	248	248	03	05
4.	Birla ”B” Hostel	Arts	124	138	138	01	04
5.	Birla ”C” Hostel	Arts	132	262	262	03	02
6.	Lal Bahadur Shastri Hostel	Arts	306	559	559	01	07
7.	I.N. Gurtu Hostel	Commerce	119	255	255	01	01
8.	A.B. Hostel (Kamachha)	Education	85	122	122	01	12
9.	R.P. Hostel (Kamachha)	Education	48	86	50	01	04
10.	Dhanwantari Hostel	IMS	210	210	209	01	03
11.	Punarvasu Atreya Hostel	IMS	76	150	150	01	05
12.	Ruiya Annexe Hostel	IMS	107	210	208	01	05
13.	Ruiya (Medical) Hostel	IMS	84	237	199	02	05
14.	Sushruta Hostel (Trauma Centre)	IMS	410	406	403	02	07
15.	B.R. Ambedkar Hostel	Law	70	70	70	01	01
16.	Bhagwan Das Hostel	Law	119	246	246	01	02
17.	Chanakya Hostel	Law	94	188	175	00	05
18.	Management Hostel	Management	60	120	114	01	01
19.	Sardar Vallabh Bhai Patel Hostel	Multi Faculty	77	109	108	02	03
20.	Rewa Kothi	Performing	42	49	49	03	00
21.	Aravali Boys Hostel	RGSC	205	385	385	02	06
22.	Himgiri Boys Hostel	RGSC	29	84	84	00	02
23.	New Boys Hostel 1	RGSC	50	112	112	01	03
24.	Shivalik Boys Hostel	RGSC	150	350	350	01	05
25.	Vindhyachal Hostel	RGSC	150	363	357	01	05
26.	Bhabha Hostel	Science	193	371	371	01	05
27.	Broacha Hostel	Science	322	650	630	06	07
28.	C.P.R. Aiyer Hostel	Science	127	245	215	01	04
29.	Dalmia Hostel	Science	227	454	440	01	07
30.	Rama Krishna Hostel	Science	127	267	257	01	02
31.	A.N.D. Hostel	Social Scs.	101	202	195	01	05
32.	Moona Devi Hostel	Social Scs.	112	224	224	02	05
33.	Pt. Braj Nath Hostel	Social Scs.	115	191	186	01	01
34.	Raja Ram Mohan Roy	Social Scs.	228	456	440	04	08
35.	Ruiya Hostel (Sanskrit Block)	SVDV	62	412	208	01	04
36.	Ram Kinkar Hostel	Visual Arts	16	37	37	01	02

9.1.2. Hostels for Students (Girls)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE
1.	Rani Lakshmibai Hostel	Agriculture	103	206	206	02	00
2.	Bhartendu Harishchandra	Arts	45	90	72	01	02
3.	Florance Nightangle	IMS	53	106	106	02	13
4.	Kasturba Girls Hostel	IMS	110	218	218	01	04
5.	Lady Doctors Hostel	IMS	62	98	72	01	01
6.	Mother Teresa Hostel (Part I & II)	IMS	38	78	78	01	00
7.	Nagarjuna Girls Hostel	IMS	92	109	109	01	06
8.	New PG Doctors Hostel	IMS	95	210	210	02	04
9.	Sukanya Girls Hostel	IMS	35	70	70	02	01
10.	Jyoti Kunj Hostel	MMV	137	274	274	1	13
11.	Kirti Kunj Girls Hostel	MMV	65	224	224	01	01

12.	Kundan Devi Girls Hostel	MMV	74	148	148	01	02
13.	Pougi House Girls Hostel	MMV	06	17	17	01	03
14.	Pragya Kunj Girls Hostel	MMV	86	172	172	01	02
15.	Swasti Kunj Girls Hostel	MMV	48	192	128	02	01
16.	Naveen Girls Hostel	Multi Faculty	19	108	104	01	01
17.	Working Women Hostel	Multi Faculty	75	159	157	02	04
18.	New Girls Hostel 1	RGSC	50	142	128	1	4
19.	Nilgiri Girls Hostel	RGSC	115	307	307	02	05
20.	Vindhyavasini Girls Hostel	RGSC	116	249	249	01	04
21.	Gargi Hostel	Science	54	108	108	02	07
22.	J C Bose Girls Hostel	Science	92	196	196	01	07
23.	Kundan Devi Centenary Hostel	Science	144	288	288	01	15
24.	Maitreyi Girls Hostel	Science	70	140	139	01	02
25.	Sarojini Naidu Girls Hostel	Science	71	128	126	02	03
26.	Quarter No. B-1 Girls Hostel	Social Scs.	09	25	25	01	02
27.	Ganga Girls Hostel	Triveni	88	184	184	01	01
28.	Godawari Girls Hostel	Triveni	77	155	155	01	01
29.	Gomti Girls Hostel	Triveni	235	467	467	01	05
30.	Kaveri Girls Hostel	Triveni	78	156	156	01	01
31.	Saraswati Girls Hostel	Triveni	96	192	192	02	02
32.	Yamuna Girls Hostel	Triveni	70	142	142	01	01

9.1.3. Hostels for Students (Foreign Nationals)

S.N.	NAME OF HOSTEL	INSTT. / FAC.	NO. OF ROOMS	INTAKE CAPACITY	NO. OF INMATES	COMMON ROOM	STORE
1.	International House Complex	International	90	160	160	01	08
2.	Siddhartha Vihar	International	19	19	10	01	02
3.	International Girls Hostel (Annexe)	International	13	24	24	01	03
4.	New International Girls	International	32	74	74	01	06

9.1.4. Residential Accommodation Facility for University Employees

The Banaras Hindu University was established as a residential University where teachers, students and other employees share composite life as an academic community. In pursuance of this objective, along with hostel for students, residential houses have also been built for lodging of teachers and other employees. Presently, 862 quarters are available for teaching and 725 quarters for non teaching staff. Out of them, allotment process of 200 teacher's flats has recently been completed. Multi-storied flats (240 flats) for teachers in jodhpur colony is in the process.

9.2. Guest House Complex

University Guest House complex comprises five Guest Houses viz. Lakshman Das Guest House – Heritage, Lakshman Das Guest House – Extension, University Guest House, Faculty Guest House, and Shanti Swaroop Bhatnagar Guest House. All the Guest Houses are located at prime locations in the university and easily accessible for the guests. The University Guest House Complex is committed to providing quality services and hospitality to its guests.

The rooms are well equipped with modern amenities to facilitate the needs of the guests with most of them providing dining facilities in them. The dining rooms of the Guest Houses are equipped with a modern kitchen facility and provide homely food at a nominal price.

The Guest House Complex has been facilitating official as well as the personal requirements of the BHU family. It also caters to various programs and functions held at the university throughout the year. It has been privileged by extending services to many national and international high-profile guests, some of them are Hon'ble President of India, Hon'ble Vice President of India, Hon'ble Prime Minister of India, Hon'ble Governors of different states, Chief Ministers of various states, etc. Along with them, it has facilitated services to many renowned Bollywood celebrities.

The complex is being managed by a professional team, which consists of the Chief Warden, Wardens, Manager, and well-trained professionals from all the four sectors of hospitality, Front Office, Housekeeping, Food Production, and Food & Beverage Service. The rooms and public areas of the University Guest House Complex are well connected with high-speed Wi-Fi connection as well.

Since March 2020, the Complex has been an official host for Corona Warriors (Doctors and medical Staff of the Sir Sunderlal Hospital, BHU) and have ensured warm hospitality to them.

In order to ensure a quality security vigil, 32 close circuit television cameras have been installed at various locations at Lakshman Das Guest House – Heritage and Lakshman Das Guest House – Extension. Roof top water proofing has been done this year and few brand new air-conditioners have also been installed as per the requirement.

9.3. Internet & Computers (Computer Centre)

The year 2020-21 was the year of COVID-19 global pandemic. Most of the nations were under lock-down, and almost every sector was badly affected including education. The strength of any system i.e. physical interaction has become a biggest threat. People are supposed to keep safe-distance among themselves which emerged as the biggest challenge and the requirement of online education became a necessity. The Computer Centre of Banaras Hindu University has accepted this challenge as an opportunity and made the year 2020-21 as a paradigm shift. In this academic year, the Centre has reported manifold advancement synchronizing with the latest trend of emerging technologies. The following highlights illustrate the success:

Shifting of Computer Centre to CDC Building: Establishment of Computer Centre Infrastructure in the new Central Discovery Centre (CDC) building was a mammoth task. The team of the Computer Centre systematically planned and performed shifting with minimum disruption of services for even less than three days. All the equipment is operational and functional at the new location.

Shifting of ERP and Digitization Infrastructure: The next critical infrastructure to be shifted were ERP and Digitization. These are considered as one of the crucial services of the University Administration. These servers have also been shifted in the server area of the Computer Centre.

Establishment of Smartclass Training Room & Video-Conferencing Hall : BHU has procured 125 smart class room setups, which have been installed all across the campus. To provide the training at various levels to the different stakeholders of the University, a fully equipped Smart class Training Room has been established at 1st floor of the CDC Building. Over and above, a state-of-art Video-Conferencing Hall has also been set-up in the CDC building.

New-Dynamic BHU Website: It was long awaited that the individual department can update their latest information on the web-pages of their respective department. This comes true by implementing the new – dynamically managed decentralized website. The old website is in the process of being abundant, and the new website will take over soon.

Campus-wide LAN network: The Centre is in the process of providing the LAN ports in the chambers of teaching staff and offices to cater the high speed internet connectivity for Online Classes and academic activities.

Enhancement of leased-line Bandwidth: The Centre has enhanced NKN leased-line bandwidth from 1 Gbps to 4 Gbps apart from 2.5 Gbps of BSNL and Railtel. The computer centre is in the process of additional bandwidth, if needed for the online teaching.

Training Programmes: The Online classes need a better understanding of technologies which get utilized in the teaching learning process. The Centre has frequently organized online and offline training for the faculty members and supporting staff of the University.

9.4. Conference Halls

The University has its own Conference Halls, Auditorium Halls & Committee Rooms for various Academic meetings, Seminars, Workshops, Conference, Curricular Activities and Cultural Programmes during various occasions like Independence Day, Republic Day, Pooja& Festivals etc.

Following are the list of some main Conference, Seminar Halls and Auditoriums:-

- Swatantrata Bhawan
- K.N. Uddupa Auditorium
- Arts College Auditorium
- Pt. Omkar Nath Thakur Auditorium
- Radha Krishanan Hall
- Exhibition Hall, Faculty of Visual Arts
- Committee Room No. 1, Central Office
- Committee Room No. 2, Central Office
- M.M.V. Auditorium
- Chanakya Auditorium, Faculty of Education
- Institute of Agricultural Sciences Auditorium

9.5. Alumni Cell

The Alumni Cell of BHU was established in February 2006 by the Vice Chancellor with the aim to prepare the database of the University alumni. It has also been given the task to publish works related to Mahamana Malaviya Ji. The Alumni Cell's motto is to organize Alumni Meets at local, state, national and international levels, with the responsibility to publish regular news bulletins on these issues. Since its inception, the Cell has been organizing several meets and events, of various natures, at every level. The Cell last organized an International BHU Alumni Meet during the current session, and is making all possible preparations for organizing alumni meets in the future.

A special organ of the Alumni Cell, called the Alumni Connect, was formed in 2020 to effectively and positively harness alumni relations. It primarily intends to establish a support system where the alumni network can engage to benefit from the skills and experience of the University graduates, by offering their support to the students, to the institution and to each other. The Alumni Connect is committed towards using alumni surveys to uncover important demographics, using tools to monitor alumni engagement strategies, creating an effective and informed database, and drafting publications of different nature, including coffee table books, special edition graphic novels, et cetera, that would be centered on topics based on the University. Sessions of the Alumni Connect series, titled "Hum BHU ke Log/We, the People of BHU". This is being shared through the official social media handles of BHU Alumni Cell. Several distinguished alumni have been invited for the Alumni Connect, and many illustrious alumni have been contacted for the same.

9.6. Indian Council of Cultural Relations

The Indian Council of Cultural Relations (ICCR) Regional Office, BHU Varanasi have organized following Non-Scholarship and Scholarship activities during the current financial year.

Non-Scholarship Activities

Celebration of ICCR Foundation Day: ICCR Regional Office, Varanasi has celebrated ' ICCR Foundation Day' on 09th April 2021 by online performances of following artists on ICCR Official Face book page (i.e. Iccr Varanasi) Solo

Tabla recital of Shri Lalit Kumar, Classical Vocal recital of Shri Subhankar Dey, Siddha Veena recital of Shri Siddharth Banerjee.

ICCR Horizon Series programmes

- ICCR Regional Office, Varanasi has organized 'Sitar recital programme' of Shri Ravindra Narayan Goswami on 23rd January 2021 at Little Flower House, Nagwa Varanasi in collaboration with Little Flower House, Varanasi.
- In the nonth of February 2021, ICCR regional Office, Varanasi has organized 'Vocal recital programme' of Smt. Sucharita Gupta on 14th February 2021 at Dr. A.P. Sah Hall. Varanasi in collaboration with Sangeet Parishad Kashi.
- Vocal Recital Performance of Smt. Minakshi Majumdar was held on 07th March 2021 at kasturi Auditorium, Hotel Surya, Cantonment. Varanasi in collaboration with Shree Kashi Sangeet Samja
- ICCR Varanasi has co-hosted webinar on "Weaving Relation. Textiles Traditions" in collaboration with Uttar Pradesh Institute of Design (UPID), Lucknow on the occasion of Mahatma Gandhi's 150 anniversary organized by ICCR New Delhi.

Exhibition: On 16-17 Feb. 2020, "Kashi Eek Roop Anek" Exhibition in collaboration with UPID by 5 Different Artists from Varanasi at Pt. Deen Dayal Hastkala Sankul, Badalalpur, Varanasi

9.7. Indira Gandhi National Open University

In order to provide equitable access of higher education to the larger section of society of Eastern Uttar Pradesh, an IGNOU Sub Regional Centre was established in Varanasi on 01.05.2006 which was subsequently upgraded as Regional Centre in the year 2008. Regional Centre, Varanasi is functioning from premises of Banaras Hindu University which has its jurisdiction in 19 districts of Uttar Pradesh for providing higher education services to the people. These districts are, Allahabad, Ambedkar Nagar, Azamgarh, Ballia, Chandauli, Deoria, Ghazipur, Gorakhpur, Jaunpur, Kushinagar Maharajganj, Mau, Mirzapur, Pratapgarh, Sant Kabir Nagar, Sant Ravidas Nagar, Sonebhadra, Sultanpur and Varanasi.

Objectives

- To facilitate higher education at the doorstep of the aspirants of education, so that no one is deprived of education and there is wide spread of education in the country.
- Providing access to high quality education to all those who seek it irrespective of age, region, religion and gender
- Offering need-based academic programmes by giving professional and vocational orientation to the courses and promoting and developing distance education in India

Major Activities of IGNOU

- Admissions including re-registrations
- Establishment of Learner Support Centres
- Empanelment of Part-time Academic Counselors at the Learner Support Centres
- Organization of Counseling Sessions
- Evaluation of Assignments
- Conduct of Term End Examinations for theory & Practical courses
- Conduct of Viva Voce and evaluation of Project Reports
- Conduct of Orientation Programmes

Overall monitoring of the quality of the learner support services of the region. Regional Centre Varanasi is also operating Gyanvani station at FM 105.6 MHz.

9.8. International Centre

The International Centre helps the foreign students in choosing appropriate programme and logistic matters. Complete relevant information related to the admission of foreign students, is available at the University and facilities of form download are provided at the BHU portal and office of the Centre as well.

At Present, foreign students from 34 Countries including USA, Mauritius, Canada, France, Afghanistan, Iraq, Yemen, Fiji, Ukraine, Russia, Bangladesh, Nepal, Sri Lanka, Myanmar, Cambodia, Bhutan and Thailand and Estonia etc, are studying their respective courses (i.e. Undergraduate, Postgraduate, Ph.D. and others.) here.

Out of total 405 (255 male and 150 female students) 101 were admitted as a fresher in different faculties; amongst those 59 are males and 42 females.

During the Current year delegates from various International Universities/Institutes visited this University and discussed over the possibilities of having Academic and Research collaborations with Banaras Hindu University. Accordingly, the proposals received were duly considered and processed for finalization.

Apart from above, a number of foreign dignitaries/delegates headed by their higher authorities visited the Banaras Hindu University, The visit of Australian High Commissioner, Hon'ble Barry O' Farrell, were of more importance and honor for the University.

9.9. Information and Public Relation Office

In order to further boost the brand image of Banaras Hindu University, the Information and Public Relations Office has been constantly working to enhance university's visibility on social media. With the changing trends and practices of information dissemination, the social media landscape has also witnessed a complete turnaround. Keeping up with this, the university now has its accounts/pages on all the major social media platforms like Twitter, Facebook, Instagram and YouTube. The official social media pages of Banaras Hindu University are followed by thousands of followers and the posts are liked and shared widely.

As a result of efforts of Public Relations Office, Banaras Hindu University's official Twitter handle was verified (Blue Tick) in July 2020. The account (till August 2021) has over 43000 followers and over 7000 tweets. Tweets and posts by this account are liked and shared widely by both national and international audience.

The social media accounts of the university play a key role in disseminating information about Banaras Hindu University's activities, academic and cultural events, admission and examinations, important decisions, celebrations and observances among others.

New researches, innovations and initiatives by BHU and its members are promoted through the university's social media pages providing them global publicity. This makes it possible for people from all across India and the world to see what's going on in the university at various fronts.

The social media accounts are also used as a bridge between various stakeholders and the university to have a constant interaction regarding various issues. The feedback/responses/queries raised on social media are brought to the notice of the University administration. With BHU being very active on social media platforms, various stakeholders have now been able to connect and interact with the university as and when they need to.

Year 2020 saw COVID19 pandemic halting physical activities for a significant duration. But this did not stop the image building and publicity activities as social media was widely used for it.

Banaras Hindu University's social media platforms were greatly used to spread awareness about COVID19 pandemic by sharing information released by Government of India and its ministries, World Health Organization and other bodies and agencies. Various initiatives and activities undertaken by the university in the fight against the pandemic were highlighted through Twitter, Facebook and Instagram.

The Public Relations Office conducted a video series about the good work and noteworthy initiatives at the Sir Sunderlal Hospital during the pandemic. The series was aimed at highlighting and restless and constant efforts of the doctors and the medical staff of the hospital facility in battling the virus.

Press Conferences & Meetings

The Public relations office organizes press conferences and media briefings on various key occasions in order to provide wider publicity. Media persons from various newspapers, electronic media and web platforms are invited to these conferences, which are addressed by the concerned officials/ experts of the host department/faculty/center of that particular event or activity. These press conferences are organized at the media conference hall in the PRO office. The hall has a capacity of 35-40 people. This year due to COVID19 pandemic, no physical press conferences could be organized. However, the Public Relations Office, used online platforms for publicizing the university activities and important decisions.

Media Coverage

A large number of reports were published in various English and Hindi newspapers highlighting the academic and research achievements of BHU students, faculty and other members of the university. Reports on awards and felicitations to the members of BHU family and their participation in prestigious events, workshops and conferences were also carried by newspapers. Various interviews of BHU faculty members and officers were also published and broadcast in print and electronic media.

A number of reports were aired by electronic media regarding various development activities and achievements of the university.

The Public Relations Office invites media persons to various events and activities of the university. Besides, it also officially releases photographs and information of major events of the university like Convocation, Annual Cultural Festival, Alumni Meet etc.

Press Releases

Nearly 858 Press Releases were issued to local and national Media through e-mails and other mediums, disseminating information about various activities of the University.

Media Reports

In Print Media over 1800 news reports about development activities in the university were published.

Advertisements

In the reference year, the PRO office issued 38 advertisements to local and national media, related to various academic programs and employment opportunities among others.

BHU Press

The BHU Press has been printing various types of Books, Journals, Vishwa Panchang, Registers, Forms, Urgent Printing work of Sir Sunder Lal Hospital Trauma Centre, IIT, and alsopreparation of Answer Books for The Controller of Examinations ,II , Central Hindu Boys & Girls Schools since 1936. The BHU Press campus area is spread over 80,000 sq. ft. and constructed area is 25000 sq. ft. Here seven letter press Machines were installed initially. Presently, four Single Color Offset Machines, one Double Colour Offset printing Machine, C.T.P. machine, 1 Stitching machine, 1 Binding machine, 3 Cutting machine and 4 Punching Machine are in working condition. In the Press, total employees working are 4 permanent, 1 re-engagement and 11 contractualand 6 out sourcing staff.

Major Printing Work in during the Current year

Sl. No.	Name of the Articles C.H.S.	Copys	Pages
1	Attendence Cum Fee Register	49	8

2	Daily milk distribution cupon chart	10000	8
3	Prajna journal	1000	180
4	vkUoh{khdh Book Part 14 (2018)	200	240+ Cover
5	Teacher's Day Booklet	250	94
6	History of B.H.U. Part 1	1000	480
7	German Story Book	1000	116
8	Vishwa Panchang 2078 (SVDV)	28,000	48
9	vkUoh{khdh Book Part 15(2019)	200	233+ Cover
10	Acadmic Council Agenda	275	1185
11	Annual Report and Balance Sheet	150	216
12	L.D. Guest House Bill Book	200	3
13	Micro nutrition & Clinical Nutrition Community Medicin Book	100	206+ Cover
14	Student Passbook (Dean Of Student)	15,000	24
15	O.P.D. Prescription Slip @ 20 S.S. Hospital	10,00,000	4
16	Law School News Latter	200	8
17	Yog Sadhana Kendra Certificate	4000	1
18	Library Passbook	1000	4
19	Objection Register Trade Bill	30 Reg.	8
20	Student Diary (C.H.S. Boys)	2000	88
21	Neurology File Cover	5000	4
22	Compatibility Report Blood Bank (SSH)	505 Books	100+100
23	Student Surgical Report, Surgery	100	100
24	Milk Coupon (Cow & Bufflow) Diary Farm	10,000	10
25	Diploma Format Controller of Examination	3000	1
26	Main Digree Format Controller of Examination	15,700	1
27	Student Health Diary (Student Health Center)	50	24+ Cover
28	Cash Book (IIT)	75	100
29	Reporting register of U.A.I.TR.C., (IMS)	60 Reg.	500
30	X-Ray Main Register (Radiology)	203	100
31	Enrollment Form N.S.S.	101 Pad	1
32	Daily Distribution List (UWD)	500 Book	3
33	Consent Form	10,000	
34	Heamatology Proforma	500	6+ Cover
35	Fee & Attendence Register (CHS Boys)	150 Reg.	
36	Urine Test Reporting Register	24	300
37	Audiogram Profarma, (ENT)	110 Pad	100
38	Trade Bill Register (IIT)	30 Reg.	200
39	Pryavaran Digdarshika Book	1000	240+Cover
40	Training Diary TPO, (IIT)	500	20
41	Job Sheet (EWSS)	15,000	1
42	Follow Up Chart (Nearology)	10,000	1
43	Student Diary (RGSC)	500	44
44	E.C.G. Report, Neaurology	10,000	1
45	Paper Tag GPB, Ag. Sc.	30,000	
46	Banaras Law JournalPart 47-48	300	198
47	Pension & Gratuity Register	40 Reg.	4
48	Dossier form, Instt. of Science	6000	2
49	History Sheet, RTRM	2500	6
50	Fee Recipt, C.H.S. (Girls)	114	2
51	Envelop	50,000	
52	OPD follow Up Booklet, Nephrology	50,000	16

53	Certificate , N.S.S.	1010	1
54	Patient File, RTRM	2000	2
55	Statement of Family Members, LTC	5,000	6
56	O.P.D. Prescription Slip, U.E.H.C.	2,00,000	
57	O.T. Register, SSH	100	200
58	Ward Diary, SSH	100	400
59	OPD Register, SSH	100	400
60	Investigation Form, SSH	15,00,000	
61	Follow Up- Booklet, SSH	5000	12
62	HIV Test Report, Pathology	40,000	2
63	Meter Record Book	100 Book	100
64	Bus Card, C.H.S. Girls	1000	4
65	Different types of format of SSH & truma Center	50,00,000	
66	Test Report	60,000	2
67	Colour Doppler	5000	2
68	Ultra Sonogram Report Form	5000	2
69	M.R.I. Appointment Form	10,000	2
70	2D Colour Doppler	20,000	2
71	Histopathology report Register	50	
72	H.I.V. Report	20,000	1
72	ICTC Requsitioin Form	10,000	1
73	Reporting Register for Investigation	10,000	
74	P.I.D. Register, ICTC	20 Reg.	
75	PCR Report Format	5000	1
76	T.V. Format	5000	1
77	Prosthethic Valve Clinic	400	8
78	Blood Bank Questionary	25000	4
79	Yog Diploma Form	10000	2
80	Agreement Form	2000	
81	E.W.L. Certificate	500	
82	M.D.A.Y./ M.S.A.T Exam Form	1000	8
83	Consent Form	101 Pad	1

Store

1	A.R. 1	5000 Books	Duplicate
2	A.R. 2	100 Books	Trtiplicate
3	A.R. 3A	500 Bokk	2 Page
4	A.R. 4	100	
5	Imprest Register	50	
6	Salary Bill Form	5000	
7	Salary Bill Register	50 Pcs	
8	Stock Book 100 P., 200 P, 400 P.	300	
9	Purchase Register	200	
10	Student Attendance Sheet	10,000	
11	Student Attendance Cover	5000	
12	Attendance Register	2000	
13	Peon Book	1000	
14	Dispatch Register	200	
15	Inward Register	200	
16	Hostel Allotment Register	100	
17	Driver Car Diary	100	
18	A.P.A.R. Form	1000	8 Page
19	A.C.R. 1-7	7000	12 Page
20	A.R. 37	5000	1 Page

Truama Center

1	O.P.D. Slip	1,000 Books	4 Pages
2	Investigation form	2,00,000	
3	Drug Slip	2,00,000	
4	Doctor's Order	1,40,000	
5	Nurse's Daily Record	1,50,000	
6	Case Summary And Discharg Slip	1,50,000	
7	Admision Register	50 Register	400 Pages
8	Emergency Register	50 Register	400 Pages
9	O.P.D. Register	50 Register	400 Pages
10	Trauama Center Blood Bank Register	50 Register	200 Pages
11	O. T. Register	30 Register	200 Pages
12	Requisition Form For Blood Bank	100 Pad	100 Pages
13	M.R.I. Requisition form	20 pad	50 Pages
14	M.R.I. Appointment Slip	20 Pad	50 Pages
15	Compatibility Report Form	100 Pad	200 Pages

9.10. Electric and Water

Main Campus	
1.	Energization of 01 No. 33/11KV 12MVA Power Transformer
2.	Energization of MCH Building
3.	Providing the electric supply to 200 flats.
4.	Providing the electric supply to 200 flats.
5.	Construction of 02 Nos. new tubewells
6.	Providing the electric supply to RIO Hospital
7.	Energization of 169 Kwp roof top solar power project of Kamachha complex
Rajeev Gandhi South Campus, Barakachha, Mirzapur	
8.	Energization of another 01 No. 5 MVA transformer by erecting it in place of 1.6 MVA transformer
9.	Energization of 1.2 MWp Roof top solar power project

9.11. Maintenance (Building & Instruments)

The "University Works Department" was created ever since the University came into the existence. The Department has been entrusted to repair and maintenance of the existing University Buildings, (Residential, Institutional, Hostels & Sports Facilities) Auditoriums, Roads, Drainage and Sewerage System including sewage pumping stations, storm water drains, outer boundary walls of the Campus and repair of furniture of various Institutes/Faculties/Departments/Colleges/Hostels of University Campus and also the buildings pertaining to Rajiv Gandhi South Campus, Barkachha along with Kamachha Complex and University Health Centres at Chiraigaon, Narayanpur and Tikari etc.

The Department has also been entrusted for construction of new buildings through Govt. Agencies such as Central Public Works Department and also taking up works through contractors enlisted with University Works Department & through e-tendering process in the Main Campus as well as RGSC, Barkachha, Mirzapur. The works of additions/alterations including repairs and renovation of heritage buildings, old buildings, besides minor work, are being done departmentally. The Department also takes up the work of furnishing and interior planning etc. The Department has been entrusted to procure/ manufacture the wooden/ steel furniture required for Hostels/ Departments/ Faculties and Hospital buildings as per their requirement.

The Department has also been entrusted to make proper arrangements for various functions and ceremonies such as National Functions, like Republic Day, Independence Day, Gandhi Jayanti and other University functions like

Foundation Day celebrations, Saraswati Pooja as well as Institute Day, College Day, Hostel Day and various Seminar, Conferences throughout the year. U.W.D. provides all type of help during the inspection of various Departments Faculties, Institutes and Colleges by affiliated bodies as well as accreditation bodies. Besides this, the Department also maintains the prestigious and heritage buildings such as Malviya Bhawan, Tagore Bhawan, Sundram Lodge, Bharat Kala Bhawan and Swatantrata Bhawan along with Uduppa Auditorium, Pt. Onkar Nath Thakur Auditorium, Arts College Auditorium, Amphitheatre, Indoor Stadium & other prestigious halls with its air-conditioning system and air-cooling, and also the famous Shree Vishwanath Temple etc.

The Department has also undertaken massive works of repair of old buildings including roof treatment, renovation of kitchen, toilets etc. Academic Buildings as well as Residential buildings etc. Since most of buildings are 100 years old and few buildings are more than 100 years old.

The details of available funds during the financial year 2020-21 from the various Heads of account are as under:-

(i) Special Fund 15.09 Crore
(ii) Maintenance of University Campus/Buildings under R-A/c 1.30 Crore
(iii) Development Fund Annual Grant (2020-21) 1.47 Crore
(iv) HEFA Grant 356.00 Crore
(v) Institute of Eminence (IoE) 113.90 Crore

The following major works which have been started by the CPWD in the year 2019 and 2020 as deposit works in which some construction works are under progress and some are completed in the year 2020-21.

Works executed by CPWD as Deposit works in Current year

Sr. No.	Name of Projects	A/A & E/SAmount	Status
Projects under HEFA Grant			
1.	C/o 80 Nos. Residential Flats near Quarters E-6, Jodhpur Colony (Package-I), BHU	₹238.8930 Crores for Package-I, II, III & IV	Completed
2.	C/o 80 Nos. Residential Flats near Quarters E-10, Jodhpur Colony (Package-II), BHU		Under Progress
3.	C/o 80 Nos. Residential Flats (G+2) (Package-III) at R.G.S.C., Barkachha, BHU		Under Progress
4.	C/o Teachers Residential Flats (80 Nos.), two blocks (40 nos. each) at BHU, Varanasi		Completed
5.	C/o Girls Hostel (228 Rooms double seated) for Faculty of Social Sciences, 2^{nd} Floor to 5^{th} Floor (level 3 to level 7) on already completed G.F. +F.F. of Faculty of Visual Arts & Performing Arts, BHU	₹ 2985.00 Lakh	Work under Progress
6.	C/o 200 Rooms double seated Girls Hostel (G+8), for Research Scholars, BHU	₹ 2877.71 Lakh	Work under Progress
7.	C/o 200 Nos. Teachers Residential Flats (G+10), Two blocks (100 nos. in each block) BHU	₹ 5725.39 Lakh	Completed
Projects under Institute of Eminence (IoE)			
8.	C/o 6^{th} Floor to 10^{th} Floor (Vertical Extension) at International Boys Hostel, BHU	₹ 2199.00 Lakh	Work under progress
9.	C/o Renovation and extension of Pt. Omkarnath Thakur Auditorium at BHU	₹ 1506.46 Lakh	
10.	C/o Renovation and extension of Holkar Bhawan, BHU	₹ 97.75 Lakh	
11.	Repair and renovation of Bharat Kala Bhawan, BHU	₹ 517.31 Lakh	
12.	C/o International Girls Hostel (G+10), BHU	₹ 5000.00 Lakh	
Projects under Kayakalp Grant			
13.	Renovation of various Buildings (Package-IV), BHU	₹ 4200.00 Lakh	Work under progress
14.	Renovation of Faculty Accommodation at New and Old Medical Enclave (Package-VI), BHU	₹ 1000.00 Lakh	

15.	Renovation of 06 Nos. Students Hostel Accommodation (Package-V-a), B .H.U.	₹2800.00 Lakh	
Project Funded by U.P. Govt.			
16.	C/o Phase –II for Vaidik Vigyan Kendra (G+2) (foundation for (G+3), BHU	₹ 934.46 Lakh	Work under progress

Sr. No.	Name of Projects	A/A & E/S Amount	Status
Projects under Development Grant			
17.	C/o 100 bedded (G+5) building for MCH Wing, Sir Sunderlal Hospital, BHU	₹ 4550.00 Lakh	Completed
18.	C/o Building for Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT)-A Centre for Disability Studies and Centre for Curriculum Research, Policy and Educational Development to be developed on second floor of Lecture Theatre Complex, Faculty of Education at BHU	₹ 125.00 Lakh	
19.	Procurement of Lab Furniture of Chemistry Lab, Chemistry Department, Institute of Science, BHU	₹ 32.18 Lakh	
20.	Procurement of Furniture of C.D.C. Building, BHU	₹ 18.13 Lakh	
21.	Procurement of balance Furniture of M.C.H. Building, S.S.H., BHU	₹ 80.32 Lakh	
Project under Special Fund			
22.	Enhancement of capacity in existing 33/11 KV Main Sub Station (PSS), BHU, Varanasi.	₹ 1673.00 Lakh	Completed
23.	C/o UPS Building Block (G+2) at Trauma Centre, I.M.S., BHU	₹ 525.91 Lakh	
Project under R-A/c & Special Fund			
24.	C/o Centralized Laboratory Complex (G+2) at R.G.S.C., Barkachha.	₹ 1200.00 Lakh	Completed

Works executed under Special Fund in the Current year by the UWD

Sr. No.	Name of work	Amount (Rs.)	Status
1.	C/o Spike fencing around New Lecture Theatre Complex (G+2) at R.G.S.C., Barkachha	45,81,540.00 (Sanction Amt. 13,36,28,000.00)	Work completed
2.	P/f aluminum door, profile sheet roofing, replace of chain link and making aluminum cabin in Swimming Pool, BHU	4,65,614.00	
3.	Construction of Agriculture Guest House, BHU Part-A upto lintel Level, BHU	50,00,000.00	
4.	Replacement of roof sheet and flooring of Machine Ghar at Ayurvedic Pharmacy, BHU	9,45,500.00	
5.	Repair and renovation of Lab in Central Hindu Boys School (K), BHU	8,64,400.00	

Sr. No.	Name of work	Amount (Rs.)	Status
6.	P/L Paver Block in Central Hindu Girls School (K), BHU and associated works.	30,13,000.00	Work completed
7.	Various works in Sri Vishwanath Temple, BHU	15,59,000.00	
8.	E/I, Panel related work & supply installation, testing and	20,19,748.00	

	commissioning of UPS in Swatantrata Bhawan, BHU		
9.	Renovation of Departmental Library and Office Department of General Surgery, I.M.S., BHU	1,00,000.00	
10.	Painting work of Central Hindu Girls School (K), BHU	1,00,000.00	

KAMACHHA COMPLEX, BHU

Kamachha Complex comprises Faculty of Education, Central Hindu Boys School, Central Hindu Girls School, Ranveer Sanskrit Pathashala, Kolhua Primary School, Baijnathha Colony, Dr. A.B. Hostel, Dr. R.P. Hostel, Central Hindu Boys Hostel, Bhargav Hostel, Riva Kothi Hostel and Health Centre etc.

SOUTH CAMPUS, BARKACHHA

Rajiv Gandhi South Campus is a huge Campus spread over an area of about 2700 Acres. Educational activities have started since 2006. Large no. of buildings viz. Hostel Buildings, Lecture Theatre Complex, Girls Hostels, Administrative Building, Central Library Building, Farmers Hostel, Tissue Culture, Guest House, Seed Stores, Canteen and Banks etc. have already been completed and are presently under use. Academic activities have already been started since 2005-06. The new Campus is presently coming up very fast on account of tremendous development works taking place at RGSC, Barkachha. Construction of buildings, Roads, Water Supply & Electrification works, BHU-Diversity Park, Large Seed Stores etc. have been done on war footings. The construction of various buildings for Faculty of Veterinary & Animal Sciences, RGSC is under progress by CPWD, 10 Nos. Check Dams have been developed for irrigation purpose at RGSC, Barkachha.

The Department has created unparallel record by executing 87 Agreements and 101 Work Orders.

9.12. Health Care (Hospital & Health Centres)

Sir Sunderlal Hospital, the teaching and training Hospital for Institute of Medical Sciences has been continuously marching ahead achieving newer and newer dimensions in its development and growth ever since its inception in 1926. The highlights of the current year are as follows:

Milestones achieved

- The Hon'ble Prime Minister dedicated to Nation 430 bedded Centenary Superspeciality Complex, 74 bed Psychiatry Centre and Bone Marrow Transplantation & Stem Cell Research Centre, IMS on 16.02.2020
- 100 bedded Mother and Child Health (MCH) Wing
- Regional Institute of Ophthalmology
- Renovation of Hemophilia and Hemoglobinopathy OPD
- Reinstallation of Centralized AC in old emergency building
- Installation of Solar panel System in 550 Bedded Pediatric and Radiotherapy & other building in the Hospital.
- New Pump House near Special Ward Park.

Hospital Statistics

Total No. of OPD Patients	:	15,33,393
Total No. of Admissions	:	56,320
Total No. of Births	:	3,308
Total No. of Investigations	:	2111217
Total No. of Deaths	:	2,550
Total No. of Operation	:	29,785
Major	:	12,423
Minor	:	17,362

University Students Health Care Complex

The University has a dynamic as well as flexible comprehensive health care delivery system for all the students viz., hostellers as well as day scholars. Day-to-day health care facility is extended to them through an independent unit named **University Students Health Care Complex**. This complex is a specialist oriented health care system manned by the doctors with post graduate qualification in various disciplines of Medicine supported by well trained and dedicated nursing and paramedical staff under the overall administrative control and supervision of the Chief Medical Officer In-charge.

The students attending the centre with their authorized health diaries are provided with comprehensive health care including consultation as well as indoor treatment and admission, if needed. Minor surgical procedures and orthopedic interventions are carried out alongwith the provision of high-tech investigations and referral treatment, all free of cost. A token amount of Rs.350/- annually premium is charged from each student under the Students Health Welfare Scheme to meet the expenses on their medical care. The centre also provides health diaries and medicinal coverage for the Health Centres at RGSC, Barkachha Mirzapur and at Kamachha.

Services rendered by the Centre

A. Clinical facilities

- General out-patient consultation by P.G. doctors.
- Emergency services till 8.00 p.m. where common emergencies among are managed including VI medication, nebulization and so on.
- Minor surgical services
- Orthopedic interventions including reduction and plastering
- Respiratory medical facility
- Specialized medical consultation covering Medicine, Surgery, Orthopedics, TB and Chest diseases, Gynecology etc.
- Pharmacy and drug dispensing services
- Dressing services including routine accidents and sports related injuries
- Vaccination coverage for Hepatitis B, Tetanus, typhoid, Rabies etc.
- Injection services covering all major routine drugs needed for microbial diseases and related symptoms.
- Dental clinic with one specialized dental surgeon and well equipped staff and supporting infrastructure has been set up for virtually all dental ailments common among students. Expansion of the Dental Clinic with installation of two new state of the Dental chairs along with provision of Dental Digital X-ray has been recently done making it well equipped in line with internationally established protocols for dental treatment. A new Dental Implant Kit has been procured for placing Dental Implants, along with prosthesis, free of cost to the students who have lost their tooth due to any dental disease. A total of almost 75 Dental implants have successfully been placed on students/staff of Banaras Hindu University till date.
- Homoeopathic Clinic – till 1.00 p.m. every day for all type of ailments
- Yoga Clinic
- Physiotherapy clinic
- Digital X-ray facility
- Health counseling services
- Ophthalmology services- Refraction, color blindness test

B. Laboratory Services

Centre for clinical investigations–carries out tests related to Hematology, Liver function test, Biochemistry-urine, (Routinemicroscopy) and Rapid tests including paracheck, Denguecheck, Typhidot and blood group.

The **"Centre of Clinical Investigations"** is well equipped with modern hi-tech auto analyzer and related instruments alongwith trained staff to handle most of the routine tests as applicable for students community.

C. Other Services

- Medical fitness certificates
- Local purchase of emergency medicines
- Medical claim reimbursement on Indoor basis
- Clinical coverage of all University examinations and sports/events.

University Employees Health Care Complex

The UEHCC caters to the primary medical facilities to the regular and superannuated employees of the University and their dependents. The UEHCC also provides medical facilities to the Resident Doctors of the Sir Sunder Lal Hospital and the staff of the Kendriya Vidayalaya, BHU Campus.

Presently approx 90,000 beneficiaries are enrolled in the UEHCC and during the current year 90576 patients are benefited from the services of the UEHCC by its 06 Consultants. The dispensing of modern Medicines and Ayurvedic Medicine are done by the qualified Pharmacists.

At present the, the following services are available in the UEHCC:

- General Out-patient consultation
- Surgical Consultation
- Orthopedic Consultation
- Specialized Medical Consultation
- Gynecological Medical Consultation
- Pharmacy Services
- Dressing Facility
- Injection & Vaccination Services
- Issuance of Medical Certificates
- Processing of Medical Reimbursement Claims
- E.C.G. Facility, Nebulization & Oxygen Facility
- Clinical observation Room Facility for patients
- X-ray Facility
- Dental Clinic
- Basic Physiotherapy Services
- Blood Sample Collection (investigation related to CCI Lab)

Activities

- OPD : 90,576 patients present (Employees, Pensioners, Resident Doctors, KV- BHU Staff & their dependents
- ECG : 637
- Nebulization : 170
- Day Care Treatment : 1747
- RBS : 3807
- Blood Test Sample Collected (new facility started from June 2019) : 3005
- X-Ray : 1244
- Dressing : 1849

- Number of Reimbursement Bills : 8212
- Medicines & Dressing Materials : Rs. 4,50,00,000 /= (Approx.)

9.13. University Sports Board

The University Sports Board was constituted under the Chairmanship of the Vice Chancellor Dr. K. L. Shreemali in 1975. Earlier it was University Athletic Association. The main aim and objective of Sports Board is to provide higher level of training to the Students of the University through the Assistant / Deputy Directors and highly trained Coaches, so that the University team may achieve high standard performance in Inter University / State / National &International level competition.

Activities Held During the Session 2020-2021 at University Sports Board, BHU.

In the beginning of this session due to Covid-19 pandemic and lockdown, a few sports activities were organised in the University. During the period, University Sports Board worked tremendously hard to make and execute the plans such as renovation, remodelling and construction of new facilities for the upliftment of university sports.

- In the process of construction a new Basketball cemented court adjacent to the old Basketball court to enhance the practice faculty to the student's especially for girl's students in University Sports Board initiated.
- All the gate of Amphitheater ground upgraded with the information displayed on it for the timings of practice for the students. Iron made new gates were installed all over the Amphitheater ground to protect our ground.
- Chatrapati Shivaji hall renovated and maintained with old heritage wrestling Akhara inside the shivaji hall refilled with new soil and it is opened again for wrestlers for practice.
- In old swimming pool new flood lights were installed. A filter feed pump was also renovated, and overhauling of filtration plant of old pool is being done.

Sports/Games Complexes of University Sports Board

The University Sports Board own **an Astro -Turf Synthetic Hockey** ground with the capacity of 15000 spectator. USB also has a hostel for SAI inducted talented girls' players for three major discipline, viz, Hockey, Athletic & Boxing sports. The hostel has been inducted by SAI under STC.

I. AMPHITHEATER GROUND	**Number**
i. 400 Mt. 8 Len Soil of track and field Athletics (Men & Women)	1
ii. Cemented and Floodlighted Basketball Court	1
iii. Turf Pitch Cricket Ground	1
iv. Cemented Net Practice Cricket Pitch	1
v. Open Football Stadium	1
vi. Handball Ground	1
vii. Net ball Ground	1
viii. Kabaddi Ground	1+1
ix. Kho-Kho Ground	1
x. Clay and Synthetic Tennis Court with Floodlight	2+1
xi. Flood lighted Volleyball Court	2
II. MAHARAJA DR. VIBHUTI NARAIN SINGH INDOOR STADIUM	
i. Cemented Badminton Court	4
ii. Boxing Ring	2
iii. Table Tennis	1+1
iv. Portable Basketball (Hydraulic) Post.	1 Pair
v. Shooting range of 50 targets.	
vi. Indoor Kabaddi facility with proper mating.	

III. CHHATRAPATI SHIVAJI GYMNASIUM

i. Wrestling and Judo Mat
ii. Roman Ring
iii. Horizontal Ball
iv. Uneven Bar
v. Parallel Bar
vi. Wt. Lifting Wooden Platform
vii. Wt. Lifting Stand Station Gym
viii. Wushu Mat/Court

In the Chhatrapati Shivaji Gymnasium, staff members and students, besides the University team/players are being provided facilities like Gymnastics, Malkham, Wrestling, Weight Lifting, Power Lifting, Best Physique, Wushu and Yoga.

IV. J.K. BADMINTON HALL

i. Wooden Badminton Court (Men & Women)

In J.K. Badminton Hall, every possible facilities are provided to staff/Students/University team members and also to Institutes/Faculties/College to conduct their Inter Unit/ Department/ Badminton Tournaments and training on their request.

V. SWIMMING POOL – 02(Standard 50 Mt. & Beginner 25 Mt.)

i. 8 Lane 50 Mt. Swimming –Pool
ii. Learning Swimming –Pool

There is special training program for beginners and swimmers arranged to the students, teaching and non-Teaching Employees and their wards of the University.

VI. Squash Court

i. Wooden Squash Court

VII. Football Ground

VIII. Synthetic Hockey turf-stadium

9.14. Programmes Organized by the Dean of Student's Welfare

The Banaras Hindu University was established with the objective of imparting knowledge to the student along with opportunities for their character building. The students should Madan Mohan Malaviyaji believed that over all personality development of the students should be the basic aim of education through which they can develop their internal and external powers and contribute to the with utmost honesty and solidarity.

The University is continuously fulfilling the derams of Mahamanaji and stepping forward by organizing various Programmes, function and competition promoting creativity and its harmful effect the Government of Indian has imposed the nationwide lockdown. As the result of which all programmes has not been organized. Somehow programmes were organized as per the guidelines of the MHRD with minimum gathering. The activities which were organized during the current session are as follows.

Traditional programs organized by the festivals and ceremony cell

Inauguration of the current academic session in the traditional way with Rudrabhishek at Vishwanath temple of the campus by the Vice Chancellor on 02.07.2020 Grand program and flag hoisting by Vice Chancellor at Amphi Theater on the auspicious occasion of Independence Day on 15th August 2020; Janmashtami organized on 12 August 2020; Teachers' Day organized on 5 September 2020; On the occasion of Gandhi Jayanti, 2nd October 2020, all religion prayer & Bhajan singing organized at Malaviya Bhawan; Death anniversary of Pundit Madan Mohan Malaviya ji

organized at Malaviya Bhawanon December 04,2020, Mahamana Pt. Madan Mohan Malaviya Jayanti Celebration during 31.12.2020 to 06.01.2021

Gandhi Jayanti

Gandhi Jayanti was celebrated on 02nd October 2020 in the Malaviya Bhavan. The function was presided over by the Vice- Chancellor of the University. As per tradition of the university every year on the occasion of the Gandhi Jayanti financial assistance were provided to Dying Students i.e. Visually Impaired, Orthopaedically Impaired and Hearing Impaired, This year Rs.5000/- each as Teaching Aid to 138 Visually Impaired students. Rs.4000/- each to 50 Physically Challenged students for purchase of tricycle and Rs.3000/- each to 25 hearing Impaired students were provided.

Republic Day Ceremony

The Republic Day Celebration was organized on 26th January, 2021 at Amphitheatre ground at. 9.00 a.m., the Vice – Chancellor was received and welcomed by the NCC Group Commander at 9.00 a. m and hoisted the National Flag Followed by the National Anthem.

- Ms. Apoorva M.Sc. Botany, Institute of Science, Banaras Hindu University was was awarded the Ex-President of India Dr. Shanker Dayal Sharma Gold Medal 2019-20 and Certificate for academic excellence, general proficiency and exemplary conduct.
- Mahamana Sanskrit Award 2020-21 was presented to Shri Shishu Mishra. Aacharya (1st Year), Department of Jyotish, Faculty of S.V.D.V alongwith Medal and Certificate for obtaining highest marks in Essay Competition in Sanskrit language.
- Major S.L. Dar Gold Medal 2020-21 and certificate was awarded to Shri Yogesh Pal, B.A, Faculty of Arts, Banaras Hindu University for excellent performance in athletics.
- Major S.L. Dar Silver Medal for Best N.C.C. cadet of 2020-21 was awarded to Cadet Virendra, 3 UP Armed Sqn. N.C.C, BHU.

Best Employee Awards

Secretarial Grade - Smt. Ajita Shiva Subhramanyam, Senior Personal Assistant, Office of the Registrar (Development), and Shri M. Shankar, Personal Assistant, Recruitment and Assessment Cell;

Ministrial Grade -Shri Rajesh Kumar Singh, Senior Assistant, Department of Botany, Institute of Science and Shri Shahzad Khan, Senior Assistant, Faculty of Visual Arts;

Technical Category - Shri Suryakesh Mishra, Technical Assistant. Department of Community Medicine, Institute of Medical Sciences.

Class Fourth Employee - Technical CategoryShri Sanjay Kumar Kashyap, Laboratory Attendent, Gas House, Institute of Science; Ministrial Shri Rajdev Ram, Peon Office of the Vice- Chancellor, BHU.

Foundation Day Celebrations

As per tradition, the Foundation Day was celebrated on 16.02.2021 at the Foundation stone site of Saraswati. Mandir, On this occasion, the Vice - Chancellor offered puja and garlanded Goddess Saraswati. In the 'Puja' teachers, officer's employees and students were present.

Program co-organized by Dean of Student's

Warm Clothing Distribution

On 11th December, 2020, the Vice Chancellor distributed sweaters to 64 students of Lala Lajpat Rai Pahshala established by Mahamana Malviya Ji at Sunder Bagiya in the University.

Facilities provided under the Student Welfare Scheme

In addition to this, the Research scholars and Post-graduation students were provided financial assistance to participate in the conference, seminar, workshop etc., Other than this, the departments were provided Rs.5000/- to organize seminar and conferences for students at the departmental level. Apart from this, the students engaged in audio recording of educational material for the visually impaired students in the Central Library under the "Earn While You Learn" scheme were given a remuneration.

On the occasion of Gandhi Jayanti in 2020, as like every year, Hon'ble Vice Chancellor gave Rs.5000/- as educational assistance to 138 visually impaired students; Rs.4000/- to everyone of 50 highly specially able students to purchase a three-wheeler and Rs.3000/- per student to 25 deaf students in cash.

9.15. Canteens

The Matri Jalpan Grih group of the university operates canteens on the non-profit basis in the Institute of Medical Sciences, Sir Sunder Lal Hospital, Hospital Operation Theater, Madhuban, Central Office and Central school along with the Agro canteen in Institute of Agriculture Sciences and Ruchirain Women's College. Special care is taken for food hygiene and cleanliness in these canteens. Matri Jalpan Grih serves breakfast, lunch and other food items and is very popular among students, teachers and other staff.

Entrance examination candidates are also benefitted with these facilities. Catering is also done in the seminar, conferences and other academic occasions on the special requests of the organizers. This facility was availed by 2000 to 2500 people every day in the current session amounting in a sale of about 25,000 to 30,000 rupee daily.

9.16. National Service Scheme

Due to the increasing infection of COVID, it became almost impossible to organize the programs of National Service Scheme individually after the complete lockdown. But keeping in view the demand of the time, many programs were organized through online medium regarding prevention, control, prevention and awareness of COVID infection.

The officers and volunteers of Banaras Hindu University National Service Scheme in association with the National Service Scheme Regional Directorate of the Ministry of Youth Affairs, Government of India, participated in the meeting organized under the Public Awareness Program for COVID Infection Control for 100 consecutive days, in which the program regularly The coordinator and other officials participated.

In the current year, many programs were organized despite the adverse circumstances arising due to COVID infection, in which blood donation by volunteers, tree plantation, mask distribution, mask bank, assistance to the elderly, blood donation and awareness campaign etc.

On May 2 an online national training camp, on May 10 to July 05 National Mental Health Education webinar, on 21 May a one-day training of counsellors for mental health, National COVID 19 Quiz for Corona Awareness, two-day national webinar on "National Building in the Era of COVID 19: Role of National Service Scheme volunteers", on 23 May -24 May a national webinar on the role of volunteers of the National Service Scheme, on July 17 a review webinar seminar on work done in the last 100 days in the time of COVID crisis, on 08 October took oath in various programs to win the fight against COVID, 4,500 volunteers of National Service Scheme completed the IGot training online conducted by the Ministry of Health, Government of India, a mask bank was constructed in which about 13,000 masks were donated by the volunteers of the National Service Scheme, which were distributed among the needy, the program officers, along with volunteers in villages and slums adopted by various units of the National Service Scheme, carried out the work of prevention of COVID infection and distribution of masks, on July 20 "Tokenge – Corona ko Rokenge", on December 18, after the situation arising out of COVID 19 infection, a one-day training workshop, many cultural programs were organized through online under the Ek Bharat Shreshta Bharat program, on March 12 a rally was organised on Amrit Mahotsav, on March 16 young artists through classical singing

and dance gave the message of Ek Bharat Shreshtha Bharat, on 21 March Amrit Mahotsav Cycle Yatra was organised, on 5 June on the occasion of World Environment Day as part of the World Environment Fortnight, a speech competition on "Biodiversity is essential for our environment" was organized in which Priyanshu Rai and Nishit Nikunj got the first, Kriti Kumari and Anoop Singh got the second, Vanshika Sharma and Aparna Seth got the third place, to be done. Ms. Priyanshi Kumari and Aryaman were awarded consolation prizes.

A tree plantation program organized on 22 August in memory of the incomparable contribution of Madam Bhikaji Cama in the Indian freedom struggle. A tree plantation progam organized on 20 September on the occasion of death anniversary of social worker Annie Besant.

On September 24, the 51st Foundation Day of the National Service Scheme was organized in the National Service Scheme building, on 30 October, on the occasion of National Unity Day a tree plantation program was organized, on November 12 tree plantation was organized, on January 07, a one-day cleanliness drive was conducted, on the occasion of World Water Day on 22 March, a water conservation awareness padyatra was organized from National Service Scheme to Krishi Vigyan Sansthan.

Van Mahotsav month was started, on June 12, 2020 one-day blood donation awareness national workshop, on June 14 blood donation camp, on June 30 online one-day blood donation awareness national workshop, on August 28 AIDS awareness workshop, on September 5, blood donation camp, on October 14 AIDS awareness quiz, on November 24-25 two-day training workshop, on December 01 "AIDS Public Awareness Campaign and AIDS Awareness Cycle Rally was organized on the occasion of World AIDS Day.

On the occasion of National Youth Day on January 12, volunteers of National Service Scheme of Banaras Hindu University received ₹ 80,000 prize in AIDS awareness short film competition organized by National AIDS Control Organization and Uttar Pradesh State AIDS Control Society in Lucknow.

1st prize of ₹ 50,000 to Mr. Paritosh Kumar of Banaras Hindu University for his short film "Hello 1097", 3rd prize of ₹ 20,000 to Mr. Om Prakash for his short film "I am with you", short film of film of Mr. Rahul Anand 4th prize of ₹10,000 for "Hai Zaroor" and Mr. Sonu Kumar for his short film "India Against HIV Discrimination".

On 23 January the 125th birth anniversary of the national hero Netaji Subhash Chandra Bose was celebrated as Parakram Divas.

On 08 February 2021 blood donation camp, on March 19 two-day blood donation and AIDS awareness workshop has been organized, on March 08 a one-day training workshop on "HIV/AIDS Control: Women as a Leader"; National Youth Week was organized from 12 January to 19 January. On January12, National Youth Cycle Yatra was organized. On January 14-15, a quiz program focused on the life and work done by Swami Vivekananda was organized through online medium.

In the quiz competition, Ritesh Kumar was awarded first, Akshay Singh second, Himanshu Kumar third and Ashutosh Singh, Ankush Kumar, Raj Tripathi and Soumya Singh were awarded fourth position. Young participants were felicitated in the function held on 19th January; On the occasion of World Divyang Day on 03rd December, Saksham Kashi Divang Seva Excellent Samman Samaroh and National Seminar were organized.

On 30th December, seven-day program of "Braille Know Campaign" and Divyang Literature Festival online; A series of lectures was organized on 31st December. On January 01, the speakers discussed various aspects of education through Braille script.

A grand National Youth Poetry Gosthi was organized on 2nd January. On 4 January, the birth anniversary celebrations of Louis Braille were organized.

On June 21, International Yoga Day; National Voters' Day and youth-related quiz competition were organized on 21st January. On 22nd January, under the Voting Awareness Week, a state level speech competition was organized on the topic "Victory Voters are a boon for the prosperity of the nation."

An online essay competition on 23 January on the topic "Aware Voter and Prosperous Nation".

On January 24, under the Voting Awareness Week, the voter awareness campaign program organized among the differently-abled people inaugurated by Dr. Neeraj Tripathi, Registrar, Banaras Hindu University. On this occasion, he distributed free laptops provided by "Help the Blind Foundation", Chennai among nine visually challenged students of Banaras Hindu University.

On the occasion of Voter Awareness Day on 25 January volunteers in various colleges and faculties took a pledge to register themselves as voters and vote impartially without any fear and inducement, keeping a deep faith in the Constitution of India.

Online national seminar on "Modern India and Youth" was organized on 12th August.

On 29th August, Fit India Freedom Run was organized, National on "Role of National Service Scheme in the making of self-reliant India" was organized on 18th September.

On 23 September a one-day international seminar on "Gandhi Jivan Darshan for Service and World Peace", three-day "Gandhi Parv" was organized from 30 September to 02 October. An online national seminar on "Personal Values and Leadership in Gandhi Philosophy", On 2nd October, Shramdaan and prayer meeting was organized.

On October 10, one-day national seminar on "Mental Health and Youth" on World Mental Health Day was organized.

An awareness and behaviour change program on 15 October on 'World Hand Washing Day', On 30 October, a national seminar on "National Unity Integrity of India and Iron Man Sardar Vallabhbhai Patel; On 31 October, a national seminar on "Contribution of Iron Man Sardar Vallabhai Patel in the National Unity and Integrity of India" was organized.

On November 4, Ms. Niharika Shukla, a volunteer of Banaras Hindu University National Service Scheme, was selected to participate in the National Youth Parliament program organized by the Department of Youth Affairs and Sports, Government of India. Niharika Shukla has got the first position in the youth parliament organized at the district level.

On November 06, TB Mukt Bharat Abhiyan was launched; On 10th December, National Seminar on "COVID Epidemic and Human Rights" was organized on the online platform.

On 16th December, the sixth issue of the e-magazine Mrigatrishna, edited by the students of the university was launched through online medium.

On January 30, on the 73rd death anniversary a prayer meeting organized; On February 19 speech competition and youth dialogue program on "Road Safety and Youth Responsibility"; On 06 March a one day girls cricket match was organized. One day training workshop on girl empowerment and leadership development was organized on online platform under "Mission Shakti" program on 07 March.

On the occasion of World TB Day on 24th March, a one day training workshop was organized under TB Free India Campaign.

9.17. National Cadet Corps (NCC)

The Headquarters NCC Group ‘A’, Varanasi, was raised at the Banaras Hindu University (BHU) on 14 February 1963. The Group has nine units, of which, five are located within the BHU campus, two are located at Ballia, and one each at Ghazipur and Mughalsarai. All the units of the Group were raised prior to 1963 with the exception of 2 UP EME Coy NCC which was raised on 05 August 1921 under BENCO (Banaras Engineering College), Varanasi. The first Group Commander was Lieutenant Colonel Brijpal Singh (RAJPUT REGIMENT) and, since then, 26 Group

Commanders have served with this Headquarters. Presently, Brigadier Narinder Singh is the Group Commander since 07 Aug 20.

NCC Coverage

Headquarters NCC Group 'A' is located within the premises of the Banaras Hindu University. The units of the Group provide NCC cover to the districts of Varanasi, Chandauli, Ghazipur, Ballia and Mau, comprising a total enrolled strength of 6093 Boys and 2641 Girls in four Universities, 18 Schools & 62 Inter Colleges/Degree Colleges. TheGroup Headquarters has on its roll 17 Commissioned Officers, 38 Junior Commissioned Officers, 86 Non Commissioned Officers, 47 Senior Division Associate NCC Officers, 22 Junior Division Associate NCC Officers and 126 civilian staff.

Achievements

The achievements for the current year are as follows:

- 28 ex NCC cadets joined Armed Forces & other Central & State Government Services Through NCC 'A', 'B', & 'C" Certificates entries.
- A total of 19 Combined Annual Training Camps were conducted during the training year in which 3322 cadets underwent camp trg.
- 132 cadets of the Group part in online Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB) camp. This was a National level camp.
- **International Day of Yoga**. On the occasion of International Day of Yoga-2021 (21 Jun) total 4351 pers participated.

Honours & Awards

- Cdt Virendra of 3 UP Armd Sqn recd Maj SL Dar Silver Medal at BHU.
- Cdt Diksha Dubey of 93 UP Bn NCC received Chief Minister Gold Medal.

Community Development and Social Service Schemes

• Ex NCC Yogdan : COVID -19 (19 Apr-31 May)	-	86
• World Environment Day (05 Jun)	-	91
• Blood Donation (05, 06 May & 14 Jun)	-	79
• Int Yoga Day (21 Jun)	-	4351
• Kargil Vijay Diwas (26 Jul)	-	103
• Tree Plantation(14-28 Jul)	-	1027
• Atma Nirbhar Bharat (01-15 Aug)	-	2078
• Fit India Freedom Run (15 Aug -02 Oct)	-	6804
• Awareness Campaign on Fit India (15 Agu-14 Sep)		
*Including family Members	-	8392*
• Webinar on New Education Policy (Sep)	-	64
• Constitution Day Youth Club Activities (17 Nov-13 Dec)	-	615
• Online Swachhta Awareness Pgme (15 Oct -13 Nov)	-	2753
• Maint of Statues (Upto Feb 2021)	-	1230
• Atulya Ganga Mission (Varanasi to Ballia)	-	148
• HELP	-	50
• Youth Parliament (11 & 12 Jan 21)	-	116
• National Road Safety (21 Jan to 20 Feb 21)	-	893
• Registration on Twitter Acct	-	3899
• Statue Cleaning (12 Mar 2021)	-	175
• Jal Jeevan Sanvad (Mar 21 articles by two cdts	-	45

Ser	Name of Offr	Loc	Dates of Visit
(a)	Maj Gen Rakesh Rana ADG, NCC Dte (UP) Lucknow	NCC Gp HQ 'A', Varanasi	04 Sep 20
(b)	Brig Raja Chakravarty, DDG, NCC Dte (UP) Lucknow	NCC Gp HQ 'A', Varanasi	21 Nov 20

Miscellaneous

The Group Headquarters and units were actively involved in following activities :-

- On the occasion of Independence Day & Republic Day the Hon'ble Vice Chancellor of BHU, was presented Guard of Honour and march past by Cadets of NCC Gp HQ 'A', Varanasi at Amphitheatre.
- Certificate 'A', 'B' & 'C' examinations held during the training year.

9.18. Air Strip & Helipad

In order to develop multifaceted personality of students there is an Air Strip/Helipad on the University campus. It extends technical training at national level to the hugenumbers of University students/cadets (Junior and Senior) with collaboration of the 7 UP Air Squad.

9.19. Shopping Complex

In order to facilitate with the high quality consumables, utilities and refreshments to the patients, their attendants, visitors, students and staff of the University, about 168 shops/ outlets/ kiosk/ banks etc. (including RGSC) are running at different part of the University campus.

9.20. BHU Club

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya established the University Club in 1934 on the University campus with a mission to foster the University's merit and excellence, along with the all round development of the campus community. The primary intention of the club has been to cater to the recreational, cultural and extra curricular necessities of the campus fraternity. The club provides facilities for indoor games, social gathering, literary events, informal discussion, serving refreshments and audio visual recreations. Due to the presence of divergent ethnic and religios teaching and administrative members, the club appears to be unique place where one would feel "a mini India in its finer form of cultural manifestation at assemblage". The University Club reflects the finer cultural refinement of its faculty and administrators.

With the beginning of the new century, the role of the University Club has also been changed from exclusive cultural representation to the functionallyvalued asset. Each year it generates a reasonable amount of money from allowing its premises for marriage and other socio-cultural events and festivities. The University Club is committed to upheld the cultural and literary harmony as well as to maintain the cosmopolitan academic fabric of the University, truly realizing the Mahamana's educational and social vision.

9.21. Students Welfare

9.21.1. Placement Services

INSTITUTE OF ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

In addition to teaching and research activities, the faculties of IESD trained students for scientific work as a part of summer training towards their MSc/MPhil dissertation of other Universities. 5 Ph.D. students got job in various Government and Private Organization during 2020-2021.PG students qualified 4 JRF and 8 NET-LS in Environmental Sciences of UGC-NET.

INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

Campus placement drive for 2020-21 at the Institute of Management Studies (FMS) started on online mode where interviews were conducted through video conferencing. As many as 22 companies conducted online mode of campus placement for the batch of 2018-20 for MBA and MBA-IB, which included companies like ICICI Bank, HDFC Bank, Axis Bank, Visa Steel etc. Regular recruiters like Hinduja Leyland and Prism Cementalso approached the Institute for hiring the students of the batch of 2018-2020. MBA-AB also had a company conducting online campus placement with 2 students getting selected in JSLPS.

INSTITUTE OF SCIENCE

Department of Geology

A good number ofstudents of M.Sc. have been offered placement in the companies like ONGC, Coal India Ltd., Atomic Minerals division (AMD), Mineral Exploration Corporation Ltd.(MECL) Monet Ispat, Wipro, Tata Steel , BARC, HZL, Vedanta, State Groundwater Department etc. Most of the post graduate students of the department proceed for summer Training in the prestigious research institutions in the country and the industry. Among these prestigious institutions include the Wadia Institute of Himalayan Geology , National Geophysical Research Institute (NGRI), Physical Research Laboratory (PRL), CIMFER, GSI, ISRO and BARC etc.

Department of Geophysics

Students of final year M. Sc. (Tech.) as well as passed out students of previous year are selected / placed in GSI through UPSC in 2020-21.Due to Covid -19 pandemic,however, no any company could manage to visit the Department for recruitments.But students were exposed for various technique through online training sessions from several eminent scholars and organization such as GSI, ONGC, OIL, NGRI etc. The **s**tudents of first and second year (Exploration as well as Meteorology specializations) were trained for field visit, virtually, during the semester.

Department of Chemistry

In the current session, a placement cell at our department level which works in coordination with the placement cell at the Institute level. A number of private industries come to visit our Institute and department and offer appropriate jobs to quite good number of students as per their ability.

Department of Physics

Most of the our students go for higher education in various organization such as IIT, IISc, TIFR, IISERs, NISER, DRDO, CSIR, research Laboratories, DAE, Institutes.

Department of Computer Science

Students of the department get job offers in various companies through Campus Placement from the initiatives by the department, the University and the IIT (BHU).

FACULTY OF SOCIAL SCIENCE

Department of History

It is matter of pride for the Department that 12 of our **alumni** got jobs as Assistant Professors throughvarious state commissions as well as through direct appointments. This follows a record intake in 2020 of 24 as Assistant Professors through Bihar and UP State Public Service Commission. A few (5) also joined the state civil services through state public commission examinations. Others (5) got employment as PG teachers at schools while some were hired by the private foundations.

Department of Psychology

The placement of students of the professional course ‘Masters in Personnel Management and Industrial Relations’ (MPMIR), ‘P.G. Diploma in Counselling, Guidance and Psychological Intervention ‘and‘P.G. Diploma in

Counselling and Psychotherapy ‘continued in this year also. A good number of research scholars (Psychology) of the department joined Academic positions (Assistant Professors) at various institutes/ universities in India. The students of the department joined higher courses in reputed institutes/ universities in India and Abroad.

FACULTY OF COMMERCE

(i) Training and placement Cell of the Faculty was strengthened further. As a result of which a number of organizations (listed below) visited our Faculty for campus selection.

(1) IFFCO Tokio Ltd.
(2) Feedback Infra Ltd.
(3) ICICI Bank Ltd.
(4) Utkarsh Small Finance Ltd.
(5) Hinduja Leyland finance Ltd.
(6) Acxiom Pvt. Ltd.
(7) Bajaj Allianz Ltd.
(8) Karvy Steals Pvt.Ltd.

(ii) Interface with the Industry programme was organized to give an opportunity to the students of Master of Business Administration-Financial Management (M.B.A.-F.M.), Master of Business Administration-Risk and Insurance (M.B.A.-R.&I.) and Master of Business Administration-Foreign Trade (M.B.A.-F.T) programmes to interact with the business executives.

(iii) No. of Placement = 81+including B.Com (H), B.Com FMM, M.Com, MBA (FM), (R&I), (FT)

FACULTY OF LAW

Some Students Placed in TATA AIG VIVO.

FACULTY OF EDUCATION

The Placement Cell of Faculty of Education regularly organizes campus placement of the students so that it may fulfill their employment needs and also establishing a sound linkage with institution and the industry. More than 80 students have been selected in higher education institutions of Uttar Pradesh, Uttarakhand and several state and central universities, school administration teaching posts in DIETs of Bihar, Uttar Pradesh and primary schools of Uttar Pradesh and Bihar.

FACULTY OF PERFORMING ARTS

Sl	Name	Designation	Institute / Company
1	Ms. Arti Mishra	Assistant Professor in Vocal Music	Central University of Mizoram
2	Ms. Akansha Tiwari	Assistant Professor in Vocal Music	UPSC 2020
3	Ms. Priya Pandey	Assistant Professor in Vocal Music	Guru Ram Rai University Dehardoon Uttarakhand
4	Ms. Bidisha Hazra	Music Faculty	Indira Gandhi centre for Performing Arts, Mauritius

CENTRE FOR GENETIC DISORDERS

Running a 1-year P.G. Diploma course on Chromosomal, Genetic and Molecular Diagnostics, this course has been selected by UGC for funding under its Innovative Research Programme. Centre has approached pharmaceutical industries and other R & D laboratories for placements etc. Our previous student batch have got placement in institution like SGPGI-Lucknow, IMS BHU, teacher in government school, DBT and ICMR institutes, Institute of Science, BHU, Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi etc. This year a research student (Dr CB Singh) has completed his Ph.D. under Dr A Ali and joined postdoctoral fellowship in NCI-NIH, USA.

CENTRE FOR INTEGRATED RURAL DEVELOPMENT

Organization	Students	Post	Annual CTC
Drishtee Foundation Muradabad, UP.	Aditya Kumar	Vidushi Fellow	4.2
	Abhiranjan Kumar singh	Vidushi Fellow	4.2
Drishtee Foundation Madhubani, Bihar	Khushboo	Vidushi Fellow	4.2
Gandhi Fellowship	Rahul Kumar	Gandhi Fellow	1.68

SOUTH CAMPUS

- MBA (Agribusiness) course of RGSC is associated with various reputed companies and esteemed organizations like Pearl Academy, Shavana Seeds, Sinochem, Chambal Fertilizers, Du- Pont Pioneer, Ansal API, Bandhan Microfinance, Mahindra Tech., Pan seeds, Dhanuka Agritech, Indogulf Fertilizers, ASA Microfinance, Cashpor Microfinance, JVL Agro, Dabour Ayurvet etc for training and placement. The MBA (Agribusiness) last year batch has also been placed in various organization during the COVID period with maximum number of students placed.
- M.Sc (Soil Science- Soil & Water Conservation) & M.Sc (Agroforestry) students are successfully placed in VNR seeds Pvt. Ltd., Jharkhand State Livelihood Promotion Society, Uttar Pradesh State Rural Livelihood Mission, Agribusiness System International (NGO) and also placed in other governmental and non-governmental agricultural organizations of India.
- MCA course had placed 7 Students out of 18 in various companies like Accenture, Flipkart and other start up with the annual package of around 3.5 Lakh to 7 Lakh. Two students cleared NET Examination and One student cleared GATE.
- In B. Pharm. (Ay.) & M. Pharm. (Ay.), students have been selected for training in Shree Baidyanath Ayurved Bhawan Private Limited. Also the students were placed in Shree Baidyanath Ayurved Bhawan Private Limited, Emami Ltd., Patnjali Ayurveda and Charak.
- B.Sc (Agriculture) students of RGSC is successfully got placed in Banking sector, governmental and non-governmental agricultural organizations of India. The students are doing their Summer Internship in Indian Institute of Sugarcane Research (Lucknow).
- M. Sc. (Tech.) Env. Science students successfully placed in various oragnisation viz RAMKY ENVIRO Engineers ltd. Some of the students qualified NET examination.
- Campus Drive for the students of Medical Lab Technology, Retail Logistic & Management and Hospitality & Tourism Management taken palce under the DDU Kaushal Kendra, BHU. Indian and International companies like Pathkind Labs, Pathcare Labs, Ramkrsihna Mission and mhospitals of Sweden came forward for the drive.
- P.G. Diploma in Journalism & Mass Communication associated with various media houses viz. E.TV Bharat, Times of India, Dainik Jagran & Hindustan Times.
- Master of Travel & Tourism students were placed successfully in the reputed company like Cox & Kings, Greet Hoildays, Yatra.Com, Mauji.com, On go Journey etc and various online companies gave the opportunity to students for online training and job offers and maximum of them is placed now.
- B.Com Students were also placed and done their online training/ Internship programe in various firms/ companies like Byju.com etc,

MAHILA MAHAVIDYALAYA

MMV students participated in online training and placement programmes conducted by the university. Azim Premji Foundation was invited to conduct placement tests for the students of M.A. Education at MMV courtesy of University Placement Cell, BHU.

VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA

The cell enlightened and educated the final year students of BA and MA about different job opportunities available to them. Out of those, 18 students of M.A. (H.Sc) joined 8 weeks internship in December, 2020 in Indian Institute of Gem and Jewellery Design, Varanasi and 1 in NITRA.

VASANTA COLLEGE FOR WOMEN

An online career counseling programme on 'Career Opportunities in Teaching' was organized on 23 December 2020. The speakers were Mr. Jitendra Kumar, Principal, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Raisen, MP and Mr. Manish Kumar Pandey, TGT, Social Sciences, Kendriya Vidyalaya, Mughalsarai. A one day online career counseling programme on 'Career Opportunities in Banking' was organized on 09 January 2021. It was addressed by Mr. Saurabh Singh, Assistance Vice President, Utkarsh Small Finance Bank. One day online Career Counseling Programme on 'Academic Excellence in Coming Time' was addressed by Dr. Rakhi Gupta, Assistant Professor, Faculty of Commerce, BHU on 11 January 2021. On April 8, 2021, a programme was organized on the 'How to Crack NET with Self Study'. It was addressed by Dr. Laxmi Kant Singh, Assistant Professor, Dept. of History, DAV PG College, Varanasi.

9.21.2. Career Guidance and Counselling Cell

The '**Career Guidance and Counselling Cell'** was initially established in November 2011 and The cell was inaugurated on February 10, 2012 The Cell provides a wide variety of services for the students, staff and the families of the staff of BHU. The services and activities of the cell can be categorized under three heads viz.

- Educational & Vocational Guidance
- Psychological Counseling Services
- ***Career Guidance***
- ***Awareness Enhancing & Educative Programs***

Details of the Services Rendered: The services of the 'Career Guidance and Counselling Cell has been availed by more than 400 students of different faculties in Current session In fact, in the Current academic year, face-to-face education closed, and full-time distance education continued. In this context, planned counselling activities and all kinds of guidance and awareness events and activities were postponed or canceled.

During the COVID-19 pandemic, students' access to counselling and guidance activities through online platforms has increased the impact of the crisis experienced. Social/physical distance and other limitations can cause negative psychological situations such as anxiety and fear, and these can affect students' well-being. Students have been shown among the groups with the most psychological difficulties during this period because they had to take part in distance education activities without participating in any orientation process and adapt to this process without support. This has created a general disappointment in students.

Due to the difficulties experienced after COVID-19, students had difficulties in adapting to the situation and experienced learning difficulties, and this increased their anxiety. In such circumstances the cell has started telephonic as well as video counseling through various platforms from the April 2020.

Organized Programmes by the Cell in the Current Year: Career Counselling Through online as well as offline mode 138 Students Satisfied; Educational Guidance Through online as well as offline mode 64 Students, Satisfied.

Psychological Counselling Services: Educational Problem, Personal Problem, Relationship Problem etc. Through online as well as offline mode 205 Students Satisfied.

9.21.3. The Students Council

Following programmeswere organized by the office of the Student's Council in the academic year 2020-21

Earn While Learn Programme

A substantial number of needy and meritorious students were provided work in various places in the University campus not only to earn money for living but also for gaining experience in various fields such as library, hospital, Cyber café etc.

Publication of 9th Edition of "Drishti" Journal

In the academic session 2020-21, the 9th edition of the "Drishti Journal" has been published by the Student's Council which contains research papers and articles in three languages namely Hindi, English and Sanskrit. All the papers were reviewd and sent for correction. Most of the papers were received and sent to the press for publication.

9.21.4. City Delegacy

The students of BHU residing outside the hostels (day-scholars) are registered under City Delegacies. The Delegacy caters to physical, moral and cultural thrust of the day-scholars. There are five units of the City Delegacies for the day-scholars of the University:

- East Delegacy
- West Delegacy & D.L.W. Delegacies
- North Delegacy
- South & Ramnagar Delegacies
- Mahila Maha Vidyalaya Unit (only for girl students)

The City Delegacy provides a number of sports facilities like, Table Tennis, Chess, Carrom, Football, Volleyball, Kabbadi, and Cricket, etc. Beside sports activities, magazines useful for competitive examination, the news papers of national importance (in Hindi & English Languages) are available in the City Delegacies to the day scholars for reading.

The City Delegacy organizes UNMESH every year various competitions i.e. sports activities and literary & cultural activities, (Essay Writing, Quiz, Debate, Elocution, Cartooning, Painting, Photography, Poster Making, Mehdi, Rangoli Instrumental (Sitar, Tabla, Vasuri, Villon) Vocal and Poetry Recitation in order to give an opportunity to the students and put to test their abilities in extra-curricular activities.

In the current session, it was considering by the City Delegacies to conduct competitive events UNMESH meanwhile second wave of COVID-19 had come and all the competitive events of UNMESH was postponed.

In this connection, Chief Warden Prof. Sanjay Kumar Singh was advised to the City Delegacies Students how to save himself COVID-19. Wardens of other Delegacy Prof. R.N. Kharwar, Dr. Rajiv Vyas, Dr. Urvasi Gahlout, Dr. Ashish Kumar Gupta and Dr. Vikas Jaiswal are also advised to the City Delegacies Student to take care of Covid 19 himself.

9.21.5. Equal Opportunity and Inclusive System

Student Welfare : SC/ST

Special Cell for SC/ST

As per the directives of the University Grants Commission (UGC), New Delhi, a Special Cell for Scheduled Caste (SC) & Scheduled Tribes (ST) has been established under the charge of the Joint Registrar as its Liaison Officer. The Cell monitors the implementation of reservation policy as well as looks after the grievances of the SC & ST employees, students and teachers, and subsequently submits information to the concerned Government Offices from time to time.

Also as per directive of the Hon'ble Vice-Chancellor, BHU following Cells has been constituted:

- **SC/ST Grievance Cell at University Level.**
- **SC/ST Grievance Cell at Faculty Level.**

- **SC/ST Grievance Cell at Department Level.**

SC/ST Reservation Policy:
The mandatory provision for reservation as notified by the UGC/GoI, i.e., 15% for Scheduled Castes and 7.5% for Scheduled Tribes, has been implemented by the university for following purposes:

- Admission in Various Courses
- Allotment of Rooms in Hostels
- Allotment of Quarters for Teaching & Non-teaching Staff
- Recruitment of teaching staff (from Assistant Professor to the level of Professor)
- Recruitment of Non-teaching Staff

Standing Committee for SC/ST
As per order of the Hon'ble Vice Chancellor, BHU the Standing Committee for SC/ST has been reconstituted vide notification no. Sct/II/11-12/288 dated 08-10-2011. A Sub-Committee of the Standing Committee for SC/ST has also been constituted under the orders of the Hon'ble Vice-Chancellor to look into the doubtful Caste Certificates which are received through Admission Committees of various Departments for their verification and authentication. As per decision of the Sub-Committee, the doubtful Caste Certificates are sent to the Competent Authorities for verification through concern cell.

SC/ST Observers
For the safeguard of the interests of the SC & ST community, the University nominates SC / ST teaching staff as observer from the SC/ST teachers list in various committees like Admission/Appointment/ Promotion and Hostel Allotment Committees, which is published by the Cell every year.

Data Preparation
The Cell maintains the Statistical Data in respect of various matters like admission of students, hostel allotment, fellowship/ scholarship and allotment of University quarters to the SC/ST teaching and non-teaching employees regularly and communicates it to the UGC, New Delhi/MHRD etc., which has to be considered by the Monitoring Committee of the UGC for implementation of reservation policies for SC & ST.

Complaint Register
A complaint register is maintained by the SC/ST Cell, wherein complaints received from SC & ST community students, employees & teachers get registered and being forwarded to the concerned offices/ competent authorities for comments/necessary action thereon and all the proceedings are entered in said register. The Cell communicates the respective data to the UGC, MHRD, NCSC & NCST also.

Online Complaint Register
As per direction of the University Grant Commission vide letter dated 1 march, 2016, the University has developed an online complaint register, which may be seen at www.bhu.ac.in. To register online complaint a complaint has to login on http://internet.bhu.ac.in/scstobc/comlaint.php.

Grievance Redressal Cells
Vide notification dated 11 May, 2013 the Hon'ble Vice Chancellor has constituted three level (University Level, Faculty Level and Department Level) SC/ST Grievance Cell for speedy redressal of the grievances of teachers, employees and students of the SC/ST community.

OTHER BACKWARD CLASS

Special Cell for OBC
As per directives of the UGC to monitor the implementation of reservation policy, a Special Cell for OBC under the charge of Jt. Registrar as its Liaison Officer has also been established and operational in the University vide notification no. R/GAD/Creation of Cells /6699 dated 11-05-2013.

OBC Reservation

The mandatory provision of reservation of 27% for the OBC Category, as notified by the UGC/GOI has also been adopted/implemented by the University for the following purposes:

- Admission in various courses
- Recruitment of Teaching Posts (up to the level of Assistant Professor)
- Recruitment of Non-teaching posts

Data Preparation

The Cell regularly collect and sends the relevant Statistical Data on various matters of the University, like admissions of students, award of fellowships/Scholarships, recruitment on teaching and non-teaching position, to the UGC and MHRD, New Delhi.

Complaint Register

The OBC Cell maintain a Complaint Register wherein complaints received from OBC students, teachers and employees are registered and sent these complaints to the office of the concerned Units/competent authorities for comments/ necessary action for their disposal as per prevailing rules.

Committee for Doubtful OBC Certificate

As per order of the Hon'ble Vice-Chancellor a committee for verification of doubtful OBC caste certificate has been constituted and notified vide notification no. OBC/Misc/Caste Verification/2016/321/22384 dated August 12/13, 2016 which processes the inquiry and verification as the doubtful OBC caste certificate received from the admission committees of the different Departments, Recruitment Cell and Admin. Teaching/Non-Teaching Section of the University.

Remedial Coaching Centre

As per the Guidelines prescribed by the University Grants Commission, for the preparation of NET examination a Coaching scheme for Scheduled Castes, Scheduled Tribes, OBC (Non-Creamy Layer), Minorities communities. A seven member Advisory Committee is also constituted to look after the said scheme.

Disability Cell

In terms of letter No. F.6-1/2002(CPC-II) dated 2nd March, 2005 received from the Dy. Secretary, UGC, New Delhi vide notified vide no. R/GAD/I-Disability Unit/26377 dated 22.09.2006 a "Disability Cell" has been established in the University for implementation of the provisions of Act regarding persons with disabilities under the charges of an officer of rank of the Joint Registrar as its Liaison Officer. As of Govt. of India policy 4% percent horizontal reservation is provided to disabled persons for recruitments of teaching & non teaching positions and as per office memorandum No. 36035/02/2017-Estt (Res) dated 15.01.2018. 5% percents reservation are provided in admissions of various courses offers by the University, other related relaxations are also provided to disabled persons as per directive of the govt. of India.

Equal Opportunity Cell

The Hon'ble Vice-Chancellor has nominated the Dy. Registrar, SC/ST Cell as Incharge of Equal Opportunity Cell (E.O.C.) (letter no. R/dev/merged scheme/EOC/4174 dated 29.03.2010) at present the Incharge of Equal Opportunity Cell is an officer of the university of the rank of the Joint Registrar.

Duties of the Equal Opportunity Cell

The main duties of the Equal Opportunity Cell are to run specific schemes of coaching for students belonging to SC/ST/OBC (non creamy layer)/ Minority communities in order to enhance their employability to bring them in the main stream.

Anti Discrimination Officer (ADO)

As per directives of the UGC vide notification no. R/GAD/E.O.Cell/922 dated April 6, 2016 the Hon'ble Vice Chancellor has appointed Prof. M.K. Singh as Anti Discrimination Officer (ADO), Equal Opportunity Cell of the

Banaras Hindu University, and it has also been intimated to UGC vide letter no. SCT/EOC/301B/2016/2837 dated 18.04.2016.

Economically Weaker Section (E.W.S.) Cell

The Hon'ble Vice-Chancellor has nominated to a Joint Registrar, (SC/ST Cell) as Incharge of Economically Weaker Section (E.W.S.) Cell vide letter no. EWS Cell/Notification/ERP 2020-00039/4393 dated 30.01.2021.

Grievance Redressal Officer (EWS)

As per directives of the UGC vide notification no. EWS/GRO-Notification/ERP 2020-00039/4418 dated 26.02.2021, the Hon'ble Vice-Chancellor, has appointed Prof. Bibha Tripathi, faculty of Law, as Grievance Redressal Officer (GRO), Economically Weaker Section (E.W.S.) Cell of the Banaras Hindu University.

"Annadan Scheme" for economically weaker and meritorious students

Under the aegis of Shri Vishawanath Temple, BHU, "Annadan Scheme" was initiated in the year 2003. Under this scheme, economically weaker and meritorious students are provided free food during the period from 2nd October to 30th April of an academic session. When the scheme started in 2003, 10 students were covered under it. During the Academic Session 2020-21, 60 students benefited from this scheme.

9.21.6. Extra Curricular Activities

FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

The Institute also organized various co-curricular and extra curricular activities during the previous session. These include cultural programs organized by the students during national festivals, Alumni meet, other academic events such as conferences, seminars etc. Annual day of the Institute – Unnayan. Students actively participated and won prizes in various other events organized at University level such as Spandan 2019, Spardha 2019, Janmashtami, University Foundation Day - Vasant Panchami events etc. Students also actively participated in debates and competitive events organized by other institutions and won prizes during the session.

INSTITUTE OF SCIENCE

Department of Botany

International webinar on "Dynamics of Microbes and Plants" February 22-23, 2021.

Department of Chemistry

Many faculty members have been serving (i) as reviewer for different peer reviewed Journals, (ii) as external examiner for several Ph.D. theses of various Indian Universities, (ii) as VC Nominee for DRC of the Department of Chemistry of different Universities and IITs (iii) as Dean/Director nominee for selection of Research Scholar at different Departments of our Institute of Science, BHU (iv) as member of selection committee at various departments of BHU other than our Institutes of Science. (V.) As convener of international events like JNOST. (VI) As member of Bhatnagar award committee (VII). Member DST-FIST Committee (Chemical Science), (VIII) Core Member, SERB Fast Track Young Scientist Committee, member of PAC, SERB as well as member of Empowered Committees of UGC. Some of our faculty members are also rendering their services as warden in various Hostels of our University as well as programme officers in national service scheme (NSS).

Department of Physics

Besides teaching and research activities, Department organizes student activities through IAPT on regular basis.

School of Biotechnology

- Foundation day jhanki
- Participation in Swaksh Bharat Mission
- Extra Orientation program for newly admitted students

- Participation in the intra or inter-departmental sports and cultural activities
- Plantation in the School periphery

FACULTY OF SOCIAL SCIENCES

Faculty members are contributing meaningfully in the extra-curricular activities of the Department, Faculty as well as the University and the academic world at large. They are continuously contributing to hostel wardenship and administration (8 faculty members), University Sports Board (1), NSS programmes (3), examination and admission related works and similar corporate activities necessary for the well-being of the University and the students. One faculty member received "Best Programme Officer" award for year 2019-2020, NSS-BHU for her contribution, while another has received several awards for selfless service in the Covid-19 crisis from organisations in Varanasi, Rajasthan and New Delhi.

MAHILA MAHAVIDYALAYA

- **Celebration of National Festivals**
- **Celebration of Malviya Jayanti and Cultural Week**
- **Celebration of International Mother Language Day**
- **Celebration of Science Day Celebration**
- **NSS -** MMV has multiple NSS units which work in a synchronized manner. During this session seven one day NSS camps were conducted in online mode. Apart from this various activities were conducted by the NSS units in online mode round the year.
- Poster making competition on National Youth Day observed on the topic: India's Present and Future: Role of Young Girls in Nation Building.
- A webinar on Road Safety Awareness was organized.
- One day camp on National Science Day observed. The topic of the day was: Oral, breast and cervical cancer awareness: Risk and Screening.
- On the occasion of International Women's Day, a training on HIV/ AIDS Prevention was attended on the topic: Woman as a Leader. The programme was organised by Uttar Pradesh State AIDS Control Society on 08-03-2021.
- One day camp on World Health Day was observed. The topic for the day was: AIDS Awareness. The camp was organised jointly with Programme Officer Dr. Suparna Basu.
- World Environment Day was observed. The topic was: Role of NSS volunteers in ecosystem restoration.
- International Yoga Day was observed.
- Volunteers took pledges for no tobacco & for covid vaccine
- Completion of I-Got training.
- **NCC-** Students of MMV regularly enroll as NCC cadets and take part in training and camps that are organized in the university from time to time.
- **Orientation Session** for newly inducted students: Orientation sessions were organized at the Section Level and students were introduced to the new mode of teaching learning. They were also acquainted with the facilities and opportunities available to them on campus.,Rajasthan
- **Research Motivation Workshop/Lecture Series: An effort to nurture young female scientists".** Each year MMV organizes a research and motivation lecture series for school students with the aim to instill in them a love for a career in Science. This year the lecture series was delivered in online mode. The following lectures were organized
- Your Genes Talk About Your Well Being: Cell division and Cancer -by Prof J K Roy, Dept of Zoology, BHU
- How and Why Undergraduate Students Should Get Involved in Research Activity ? How do we do research- by Prof Neelam Srivastava, Physics Section, MMV, BHU

- How to Start Research at UG level and Research Opportunities- by Prof Richa Raghuvanshi, Botany Section, MMV, BHU.

ARYA MAHILA MAHAVIDYALAYA

Parent – Teacher Meet

All the departments of the college call for Parent-Teacher Meet so that by mutual discourse there could be a discussion on student's educational activities and progress. There is a constant attempt of improving and improvising teacher's quality performance on the basis of Feedback forms filled by the students.

Annual Sports 2020-21

In the College, different Sports Competitions, like Basket Ball, Cricket and Kabaddi etc., are organized every year.

Event orgnanized in association with Spic Macay

In the College, under the Spic Macay Chapter of Arya Mahila PG College, different programmes are organized every year.

Tejaswini (Women's Cell)

On 08.03.2021, on the occasion of Women's Day, the Department of Home Science in collaboration with MahilaAddhyan Kendra organized One Day National Webinar on the topic "Women Empowerment through Legal Awareness".

Unnat Bharat Abhiyan

Under UnnatBhatatAbhiyan, 05 following villages of Varanasi district were selected – Bhullanpur, Lakhanpur, Jalalipatti, Nathupur, and Hariharpur. Throughout the year, various programmes- Plantation, Training on Nutrition,and Health Awareness Campaign etc., were organized.

Youth Festival

Every year, MedhaSanskritikSankul (Youth Festival) is organized in the College.

National Service Scheme (NSS)

College has five units of NSS in which 500 students are registered. Each unit contributes to society by organizing one day and seven days camp, blood donation, plantation providing free education to the orphans, survey of slum areas & also by conducting various programmes and activities like speech, lecture, essay writing etc. to create awareness.

VASANTA COLLEGE FOR WOMEN

- Harshita Jaiswal, BA (III Year), secured 1st rank in 6th Asian Yoga Sports Championship 2021 and 2nd rank in 2nd International Yoga Sports Cup 2021, at Singapore.
- Km. Zeenat Qureshi, MA (I Year), AIHC & Archeology has been awarded with Microgrants 2020 from The Black Trowel Collective Microgrants - $200
- Sunidhi Sharma, B.A. (I Year), got first position in Poster Making and Ms. Apurva Shrivastava, BA (I Year), got second position in Video making competition organized at regional level in Unnat Bharat Abhiyan.
- Ms. Supriya Tripathi, BA (I Year) got first position in an online Essay Writing Competition organized by UP State Archeology Department, Varanasi.
- Vaishnavi Sinha, B.Com, won excellence award in quiz on 'Safety and Awareness in Current Scenario', 20 July 2020.
- Shruti Srivastava, B.Com, won 3rd Rank in online quiz competition organized by Elcom Club of Department of Electronics and Communication Engineering, M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly, 26 - 28 July 2020.
- Khushi Gupta, B.Com (III Year), was given interview for an International Newspaper 'The Mt. Kenya Times' on Women's Day for being under the Top-50 Most Influential Women of India, 08 March 2021.

VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA

Lectures on the following topics were organized:

- "Deconstruction: An Approach to Understanding Social Reality" on 27.05.2020. The resource person was Dr. Supriya Singh, Assistant Professor, Department of English, VKM, Kamachha.
- "Globalisation and Social Exclusion in Indian Society" on 01.06.2020. The resource person was Dr. Ashish Anshu, Assistant Professor, Department of Sociology, Govt. Degree College, Ganai Gangoli, Pithoragarh, Uttarakhand.
- "Role of Social Sciences and Social Scientists in Contemporary India" on 22.06.2020. The resource person was Prof. D. R. Sahu, Professor, Department of Sociology, University of Lucknow.
- **N.S.S.**

  In seven-day National Service Scheme camp which was centered on the axis of *Azaadi ka amritmahotsav*, students of the college took the resolution of transforming into a warrior from a student. The event started on March 18 and concluded on March 23, 2021. Keeping in mind the points and issues directed by Prof. Bala Lakhendra, Coordinator of National Service Scheme, Banaras Hindu University, many emerging topics were covered in this camp.

  Within the purview of the objectives of the camp, the goal of all-round development of volunteers was achieved. The five units of National Service Scheme working in Vasant Kanya Mahavidyalaya, selected five wards in Varanasi viz. Birdopur, Bhelupur, Nagwa, Bhadaini and Nawabganj and carried out various campaigns and activities in the area.

  Dr. Indu Upadhyay, expert speaker, addressed the volunteers on the first day a the topic 'Environmental Protection and Promotion'.

Student Centric Activities: Learning and Growing

Sarjana

Sarjana, 2020-21 was organized in a virtual mode from 21st to 25th February 2021. Students participated in 15 different events including essay writing, business planning, poetry recitation, speech, turncoat, cartooning, collage, mehandi, poster – making, photography, documentary, vocal music (classical and folk), instrumental music, theatre, creative dance, choreography, classical and folk dance.Overall, 150 students participated in the various events of Sarjana. The enthusiasm of the students regarding the participation was commendable. All of them were honoured with a certificate of participation.

Sports

Inter District Karate Championship was organized on 20th Dec. 2020 in which a number of students of Vasant Kanya Mahavidyalaya participated. The following students were declared winners.

- Gold-Sakshi Gupta of BA Part III
- Silver-Manisha Maurya BA Part II and Ritu Jaiswal BA Part III
- Bronze- Awantika Maurya, Kadambini Kumari, Khushboo Kumari, Diksha Jaiswal
- Annual Sports was not held due to Covid-19 restrictions

Sanskrit Matrimandalam

- Commemorating World Sanskrit Day, erudite scholars discussed the intricacies of pronunciation of Sanskrit language. They introduced the significance of sound in language to students and encouraged them to learn English.
- Sanskrit Matrimandalam and Acharya Vasudev Dwivedi Memorial Committee brought to light the historical views of the scholars on 'Kavyashastra' and discussed the personality and contribution of Acharya Vayunandan Pandey.

- To increase the Sanskrit extempore skills of students, an 'e-Sambhashan Shivir' series was organized from 18/02/2021 to 25/02/2021, in which they were introduced to the basics of practical usage of Sanskrit in sentence formation and exercise.

International Yoga Day

International Yoga Day was celebrated on 21.06.2020 disseminating the fact that yoga can contribute in a holistic way to achieve an equilibrium between mind and body. An e-lecture cum demonstration was organized and students and staff of the college participated with full interest and enthusiasm**.**

Tulsi Jayanti

Tulsi Jayanti was celebrated on 7.08.2020. Relevance of Manas in present scenario was discussed. About 100 students of UG and PG and staff participated in the e-programme.

Librarian's Day

Librarian's Day was celebrated on the occasion of 128th Birth Anninversay of Padmshri Dr. S. R. Ranganathan (Father of Library Science) on 10th August 2020.To commemorate the occasion, the contribution of Dr. S. R. Ranganathan in the field of Library Science and development of Indian Librarianship was discussed. The programme was attended by staff.

Youth Day

158th Birth Anniversary of Swami Vivekananda was celebrated as Youth day on 11th January, 2021. Students were asked to write an essay on Swami Vivekananda.

World Photography Day

On the occasion of World Photography Day, a one-day workshop on "Fashion Photography" was organized by the Department of Home Science on 19.08.2020. Students of M.A. and Fashion Designing attended the workshop.

Progression of Annie Besant Spirit

The 173rd birth anniversary of Dr. Annie Besant was celebrated jointly by Indian Section, Theosophical Society, Kashi Tattva Sabha and VKM, Kamachha on October 1st 2020 in the prestigious seminar hall of the college. The function was organised in both online and offline mode and connected members of TS and KTS from across the country.

Antar-rashtriya Matribhasha Diwas

As per the directives of University Grants Commission, Antarrashtriya Matribhasha Diwas "***Kashi Kavyanjali***" was celebrated on 21.02.2020. The programme was organized by the Dept. of English.

D.A.V. P.G. COLLEGE

College has oneoutdoor and one indoor Stadium having the full sports facilities to play games like Cricket, Football, Basket-Ball, Badminton and Table-Tennis etc.

NSS Programmes: Dr. Minu Lakra,Dr. Akhilendra Kumar Singh, Dr. Shiv Narayan, Dr. Najmul Hasan, Dr. Pratima Gupta, Dr. Shashikant Yadav, Dr. Siddharth Singh, Dr. Rakesh Kumar Meena supervised several programmes Offline nad Online mode .

NCC Programmes: Under the supervision of Dr. Satya Gopal the following programmes Organized:Building better mental health by ncc cadets, Ak bharat shreshath bharat, Tree plantation, On line institutional training, Atam nirbhar bharat awareness compaign, Fit india club, Launch dg ncc training, New education policy, Sapath programme, Republic day pared, Plastic free india awareness, Day ncccamp, Ncc c certificate exam, Ncc b certificate exam, Yoga.

9.22. Hindi Publication Board

Hindi Publications Board (Physics Cell), Institute of Science, Banaras Hindu University, was established in 1930 by Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya. The objective behind its establishment has been to create study material and

textbooks of science, technology, agriculture, and medical science accessible to the students in Hindi. This cell is involved in creating scientific content and books in Hindi and translate texts from English to Hindi. Moreover, the cell publishes a magazine, 'Vigyan-Ganga' (ISSN 2231-2455), highlighting popular science and research articles to encourage science writing in Hindi. The Science magazine is published twice a year, and Eleven issues have been printed so far.

It is a matter of pride that Vigyan-Ganga has been recommended by Kendriya Vidyalaya Sangathan for purchase in various Kendriya Vidyalayas. Nonetheless, Hon'ble Minister Dr. Harsh Vardhan, Science Technology and Earth Sciences, Government of India, has directed various national laboratories in India to purchase Hindi books published by the Hindi Publications Board, BHU. The Commission for Scientific and Technical Terminology, Ministry of Education (Department of Higher Education), Government of India also provides necessary grants for book publication. So far, 67 books in various disciplines of science, medicine, agriculture, and technology have been published by the cell. Further to popularize science in Hindi, the cell also organizes seminars, symposia, workshops, lectures, and competitions from time to time.

During the session in question, the corona epidemic has slowed down the functioning and activities of the cell. Yet with the partial financial support from the Commission for Scientific and Technical Terminology, a book was published and released on the occasion of World Environment Day on June 5, 2020, in Committee Room No. 1 of the Central Office by Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Rakesh Bhatnagar, Rector Prof. Vijay Kumar Shukla, Registrar Dr. Neeraj Tripathi and Joint Registrar (GAD) & DDO of the board Dr. Sanjay Kumar. The Commission gave an encouraging remark on the release of this publication, saying, "during the lockdown, even though all-important academic activities have been affected, it is the tendency of man to remain dynamic". Furthermore, another book entitled 'Paryavaran Digdarsika', was published and released by the Vice Chancellor of BHU supported by funding provided by the Commission. We hope all the academies, institutes, cells associated with the commission will continue to benefit the academic world in the same way.

In this sequence, on June 19, 2020, the science magazine Vigyan-Ganga, Issue-11 published by the board, was released by Honorable Vice Chancellor Prof. Rakesh Bhatnagar and Rector Prof. Vijay Kumar Shukla at the Vice Chancellor's residence. Presently Vigyan-Ganga issue-12 and some other books are in the process of publication.

Annexure – 1

I - **MEMBERS OF THE CORUT**

1. Prof. Rakesh Bhatnagar, Vice-Chancellor (upto 28.03.2021)
2. Prof. Arvind Kumar
3. Dr. Mahendra Kumar Singh
4. Prof. Aditya Tripathi
5. Prof. Bhartendu K. Singh
6. Dr. Sanjay Srivastava
7. Dr. Bandana Jha
8. Dr. Om Prakash
9. Shri. Neeraj Shekhar (upto 08.04.2020)
10. Shri Krishna Pratap Singh (upto 05.06.2020)
11. Shri Anandrao Adsul (upto 05.06.2020)

The members to be nominated by Visitor is awaited.

II - MEMBERS OF THE EXECUTIVE COUNCIL

1. **Prof. Rakesh Bhatnagar (upto 28.03.2021)**
   Prof. Vijay Kumar Shukla (From 28.3.2021)
   Vice-Chancellor. Banaras Hindu University
   (Is the Ex-Officio Chairman of the Executive Council)

2. **Dr. A.K. Singh**
   ICAR Research Complex for Eastern Region Research Centre, Jharkhand

3. **Dr. A.K. Tripathi**
   Scientist-F & Registrar, Forest Research Institute Deemed University,Dehradun

4. **Prof. Adya Prasad Pandey**
   Vice-Chancellor, Manipur Central University, Manipur

5. **Prof. Ashim Kumar Mukherjee**
   Professor, Head Commerce and Director MONIRBA, University of Allahabad, Senate House, Allahabad

6. **Prof. Harish Chandra Nainwal**
   Professor, HNB Garhwal University,Uttarakhand

7. **Dr. Ram Naresh Mishra**
   Professor & Head, Central University of Haryana,

8. **Prof. Anand Mohan**
   Department of Electronics Engineering, IIT, BHU, Varanasi

9. **Dr. Bachha Singh**
   Former Professor,Institute of Science, BHU, Varanasi

III - MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL

Vice-Chancellor **[Under Statute 17 (1) (i)]**
Prof. Rakesh Bhatnagar(Upto 28.3.2021)
Prof. Vijay Kumar Shukla (From 28.3.2021)

Directors of the Institutes
[Under Statute 17 (I) (iii)]

1. Agricultural Sciences
   Prof. Ramesh Chand

2. Medical Sciences
   Prof. R. K. Jain (upto 30.09.2020)
   Prof. B. K. Das (upto 14.12.2020)
   Prof. B.R. Mittal (from 15.12.2020)

3. Faculty of Environment and Sustainable Development
   Prof. A.S. Raghuvanshi

4. Faculty of Management Sudies
   Prof. S.K. Dubey

5. Faculty of Science
   Prof. Anil Kumar Tripathi

Deans of the Faculties
[Under Statute 17 (1) (iv)

Faculty of Ayurveda
Prof. Y.B. Tripathi (upto 30.06.2020)
Prof. V.P. Singh (from 01.07.2020)

Faculty of Medicine
Prof. R.K. Jain (upto 30.09.2020)
Prof. B.K. Das (from 01.10.2020)

Faculty of Arts
Prof. Ashok Singh (upto 30.06.2020)
Prof. V.B. Singh (from 01.07.2020)

Faculty of Agriculture
Prof. A.P. Singh

Faculty of Commerce
Prof. O.P.Rai (upto 06.01.2021)
Prof. Gulab Chand Ram Jaiswal (from 07.01.2021)

Faculty of Dental Sciences
Prof. (Ms.) Nilam Mittal (upto 09.09.2020)
Prof. V.K. Srivastava (from 10.09.2020)

Faculty of Education
Prof. R.P. Shukla (upto 31.05.2020)
Prof. S.K. Swain (from 01.06.2020)

Faculty of Law
Prof. R.P. Rai (upto 31.01.2021)
Prof. Ali Mehdi (from 01.02.2021)

Faculty of Management Studies
Prof. P.S. Tripathi

Faculty of Performing Arts
Prof. Rajesh Shah

Faculty of S.V.D.V.
Prof. Vindhyeshwari Prasad Mishra

Faculty of Science
Prof. M. Joshi

Faculty of Social Sciences
Prof. K.K. Mishra

Faculty of Visual Arts
Prof. Dipti Prakash Mohanty (upto 31.05.2020)
Prof. Hira Lal Prajapati (from 01.06.2020)

Faculty of Environment and Sustainable Development
Prof. G.S. Singh (upto13.08.2020)
Prof. Rajesh Kumar Mall (from 14.08.2020)

Faculty of Veterinary & Animal Science
Prof. Ramadevi Nimmanapalli

Heads of the Teaching Departments
[Under Statute 17 (I) (v)]

1. FACULTY OF ARTS

1. **Ancient Indian History, Culture & Archaeology**
   Prof. Onkar Nath Singh

2. **Arabic**
   Prof. Vazeer Hasan Abbas

3. **Bengali**
   Prof. Prakash Kumar Maiti

4. **English**
   Prof. (Ms.) Ananda Prabha Barat (upto 30.04.2020)
   Prof. K.M. Pandey (from 01.05.2020)

5. **Foreign Languages**
   Prof. Vinodanand Tiwari

6. **French Studies**
   Prof. D.K. Singh

7. **German Studies**
   Prof. M.K. Natrajan

8. **Hindi**
   Prof. (Ms.) R.K. Saraf (upto30.06.2020)

Prof. V.B. Singh(from 01.07.2020)

9. **History of Arts**
   Prof. Pradosh Kumar Mishra

10. **Indian Languages**
    Prof. Diwakar Pradhan

11. **Journalism & Mass Communication**
    Dr. Anurag Dave (upto 03.05.2020)
    Prof. V.P. Singh (from 04.05.2020)

12. **Library & Information Science**
    Prof. Bhaskar Mukherjee

13. **Linguistic**
    Prof. Rajnath Bhat

14. **Marathi**
    Dr. Pramod Bhagwan Padwal

15. **Pali & Buddhist Studies**
    Prof. Bimlendra Kumar

16. **Persian**
    Dean, Faculty of Arts (upto 20.08.2020)
    Prof. Syed Hasan Abbas (from 21.08.2020)

17. **Philosophy & Religion**
    Prof. Mukul Raj Mehta

18. **Physical Education**
    Prof. Abhimanyu Singh

19. **Sanskrit**
    Prof. Ananad Kumar Srivastava(upto 30.06.2019)
    Prof. Umesh Prasad Singh (from 01.07.2019)

20. **Telugu**
    Prof.(Ms.) Sarada Sundari Bhartula

21. **Urdu**
    Dr. Aftab Ahmad

2. FACULTY OF AYURVEDA

1. **Dravyaguna**
   Prof. K.N. Dwivedi

2. **Kaumarbhritya / Bal Roga**
   Prof. B.M. Singh

3. **Kaya Chikitsa**
   Prof. O.P. Singh

4. **Kriya Sharir**
   Prof.(Ms.) Sangeeta Gehlot (upto 25.09.2020)
   Prof. Kishor Patwardhan (from 26.09.2020)

5. **Medicinal Chemistry**
   Prof. (Ms.) Alka Agrawal

6. **Prasuti Tantra**
   Dr.(Ms.) Sunita Suman

7. **Rachana Sharir**
   Dr. Kameshwar Nath Singh

8. **Rasa Shastra**
   Prof. Anand Kumar Choudhary

9. **Samhita & Sanskrit**
   Dr. Murlidhar Paliwal (upto23.02.2021)
   Dr. Shashirekha H.K. (from 24.02.2021)

10. **Shalakya Tantra**
    Prof. B.N. Mukhopadhyay

11. **Shalya Tantra**
    Prof. Surendra Shekhar Mishra (upto 31.07.2020)
    Prof. Shiv Ji Gupta (from 01.08.2020)

12. **Siddhant Darshan**
    Prof. (Ms.) Uma Gupta (upto 13.12.2020)
    Prof. C.S. Pandey (from 14.12.2020)

13. **Swasthyavritta & Yoga**
    Dr. (Ms.) Neeru Nathani

14. **Vikrit Vigyan**
    Dr. P.S. Byadgi

15. **Sangyaharan**
    Prof. D.N. Pandey (upto 16.01.2021)
    Prof. K.K. Pandey (from 17.07.2021)

3. FACULTY OF AGRICULTURE

1. **Agricultural Economics**
   Prof. Rakesh Singh

2. **Agronomy**
   Prof. J.S. Bohra (upto 31.03.2020)
   Prof Yashwant Singh (from 01.04.2020)

3. **Animal Husbandry & Dairying**
   Prof. D.C. Rai

4. **Entomology & Agril. Zoology**
   Prof. R.N. Singh

5. **Extension Education**
   Prof. B. Jirli

6. **Farm Engineering**
   Prof. A.K. Nema

7. **Genetics & Plant Breeding***)*
   Prof. R.K. Singh (upto 28.02.2021)
   Prof. Brajesh Sinha (from 01.03.2021)

8. **Horticulture**
   Prof. Anand Kumar Singh

9. **Mycology & Plant Pathology**
   Prof. Ramesh Chand (upto 30.09.2020)
   Prof. S. S. Vaish (from 01.10.2020)

10. **Plant Physiology**
    Prof. Pravin Prakash

11. **Soil Science & Agril. Chemistry**
    Prof. Nirmal De

4. FACULTY OF COMMERCE

Commerce
Prof. Prashant Kumar (upto 06.01.2021)
Prof. Gulab Chand Ram Jaiswal (from 07.01.2021)

5. FACULTY OF DENTAL SCIENCES

Dental Sciences
Prof. (Ms.) Nilam Mittal (upto 09.09.2020)
Prof. V.K. Srivastava (from 10.09.2020)

6. FACULTY OF EDUCATION

Education
Prof. R.P. Shukla (upto 31.05.2020)
Prof. S.K. Swain (from 01.06.2020)

7. FACULTY OF LAW

Law
Prof. R.P. Rai (upto 31.01.2021)
Prof. Ali Mehdi (from 01.02.2021)

8. FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

Management Studies
Prof. P.S. Tripathi

9. FACULTY OF MEDICINE

1. **Anaesthesiology**
   Prof. Sharad Kumar Mathur

2. **Anatomy**
   Prof. (Ms.) C. Mohanty (upto 09.09.2020)
   Prof.(Ms.) Royana Singh (from 10.09.2020)

3. **Biochemistry**
   Dr.(Ms.)Ragini Srivastava

4. **Biophysics**
   Dean (Head)

5. **Cardiology**
   Dr. Dharmendra Jain

6. **Cardiothoracic Surgery**
   Dr. Siddharth lakhotia (upto 31.07.2020)
   Dr. Sanjay Kumar (from 01.08.2020)

7. **Dermatology & Venerelogy**
   Prof. Sanjay Singh

8. **Endocrinology and Metabolism**
   Prof. S.K. Singh

9. **Forensic Medicine**
   Dr. Manoj Kumar (upto 05.05.2020)
   Prof. Surendra Kumar Pandey (from06.05.2020)

10. **Gastroenterology**
    Dr. Sunit Kumar Shukla (upto 31.08.2020)
    Prof. V.K. Dixit (from 01.09.2020)

11. **General Medicine**
    Prof. (Ms.) Jaya Chakravarty

12. **Microbiology**
    Prof. (Ms.) Shampa Anupuraba (upto 31.01.2021)
    Prof. Pradyot Prakash (from 01.02.2021)

13. **Nephrology**
    Dr. Shivendra Singh

14. **Neurology**
    Prof. R.N. Chaurasia

15. **Neurosurgery**
    Dr. Ravi Shankar Prasad

16. **Obst. & Gynaecology**
    Prof. (Ms.) N.R. Agrawal (upto 30.11.2020)
    Prof. (Ms.) Uma Pandey (from 01.12.2020)

17. **Ophthalmology**
    Prof. O.P.S. Maurya

18. **Orthopaedics**
    Prof. Anil Kumar Rai (upto 22.12.2020)
    Dean (Head) (from 23.12.2020)

19. **Otorhinolaryngology (ENT)**
Prof. Rajesh Kumar

20. **Paediatrics**
Prof. Rajniti Prasad

21. **Paediatrics Surgery**
Dr.(Ms.)Sarita Chowdhary

22. **Pathology**
Prof. Vijay Tilak

23. **Pharmacology**
Prof. Amit Singh

24. **Physiology**
Prof. M.B. Mandal (upto 30.04.2020)
Prof. (Ms.) Ratna Pandey (from 01.05.2020)

25. **Plastic Surgery**
Prof. Neeraj Kant Agrawal

26. **Community Medicine (PSM)**
Prof.(Ms.) Sangeeta Kansal (upto 11.07.2020)
Prof. Chandra Pati Mishra (from 12.07.2020)

27. **Psychiatry**
Prof. (Ms.) Mona Srivastava

28. **Radio-Diagnosis Imagine (Radiology)**
Prof. R.C. Shukla (from 17.07.2020)
Prof. Ashish Verma (18.07.2020)

29. **Radiotherapy & Radiation Medicine**
Prof. U.P. Shahi (upto 29.12.2019)
Prof. Sunil Chaudhery (from 30.12.2019)

30. **General Surgery**
Prof. Puneet

31. **Tuberculosis & Chest Diseases**
Prof. G.N. Srivastava

32. **Urology**
Dr. Sameer Trivedi

33. **Surgical Oncology**
Prof. Manoj Pandey (upto 13.06.2020)
Dr. Tarun Kumar (from 14.06.2020)

10. FACULTY OF PERFORMING ARTS

1. **Dance**
Dr.(Ms.) Dipanwita Singha Roy

2. **Instrumental Music**
   Prof.(Ms.) Sangeeta Singh (upto 22.10.2020)
   Prof. Praving Uddhava (from 23.10.2020)

3. **Musicology**
   Dean (Head)

4. **Vocal Music**
   Prof. (Ms.) Sangeeta Pandit

11. FACULTY OF SCIENCE

1. **Biochemistry**
   Prof. S.P. Singh

2. **Botany**
   Prof. R.S.Upadhyay (upto 30.11.2020)
   Prof. N.K. Dubey (from 01.12.2020)

3. **Chemistry**
   Prof. D.S.Pandey

4. **Computer Science**
   Prof. S. Karthikeyan (upto 07.08.2020)
   Prof. Vivek Kumar Singh (from 08.08.2020)

5. **Geography**
   Prof. Ram Sakal Yadav

6. **Geology**
   Prof. R.K. Srivastava (upto 27.04.2020)
   Prof. B.P. Singh (from 28.04.2020)

7. **Geophysics**
   Prof.N.P.Singh (upto 27.04.2020)
   Prof. Rajeev Bhatla (from 28.04.2020)

8. **Home Science***)*
   Dr. Indira Bishnol (upto 30.06.2020)
   Prof. Kalpana Gupta (from 01.07.2020)

9. **Mathematics**
   Prof. Ashok Kumar Singh (upto 02.07.2020)
   Prof. Shyam Lal (from 03.07.2020)

10. **Physics**
    Prof. R.D.S. Yadav

11. **Statistics**
    Prof. B.B. Khare (upto 31.01.2021)
    Prof. Sanjay Kumar Singh (from 01.02.2021)

12. **Zoology**
Prof. J.K. Rai

13. **Molecular & Human Genetics**
    Prof. Gopeshwar Narayan

12.FACULTY OF SOCIAL SCIENCES

1. **Economics**
   Prof. Achal Kumar Gaur (upto 31.08.2020)
   Prof. Bhupendra Bikram Singh (from01.09.2020)

2. **History**
   Prof. Ajay Pratap (from 14.05.2020)
   Prof. Keshav Mishra (from 15.05.2020)

3. **Political Science**
   Prof. Ashok Kumar Upadhyay

4. **Psychology**
   Prof. Tara Singh (upto 21..01.2020)
   Prof. H.S. Asthana (from 22.01.2020)

5. **Sociology**
   Prof. A.P. Singh

13. SANSKRIT VIDYA DHARMA VIJNAN SANKAY

1. **Bauddha & Jain Darshan**
   Prof. Pradyumna Shah Singh

2. **Dharmagam**
   Prof. Shitala Prasad Pandey (upto 26.09.2020)
   Prof. Kamlesh Jha (from 27.09.2020)

3. **Dharmashastra & Mimansa**
   Dr. M.J. Ratate (upto 24.05.2020)
   Prof. Surendra Kumar Mishra (from25.05.2020)

4. **Jyotish**
   Prof. Vinya Kumar Pandey

5. **Sahitya***)*
   Prof. Uma Kant Chaturvedi

6. **Veda**
   Dr. Upendra Kumar Tripathi (upto 25.09.2020)
   Dean (Head) (from 26.09.2020)

7. **Vaidic Darshan**
   Prof. G.A.Shastri (upto 31.08.2020)
   Prof. V.P. Mishra (from 01.09.2020)

8. **Vyakaran**
   Prof. Bhagwat Sharan Shukla

14. FACULTY OF VISUAL ARTS

1. **Applied Arts**
   Prof. Vidhu Bhushan Singh (upto31.01.2021)
   Prof. Hira Lal Prajapati (from 01.02.2021)

2. **Painting**
   Shri. S. Pranam Kumar Singh

3. **Plastic Arts**
   Shri. Binod Kumar Singh

15. FACULTY OF ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Environment and Sustainable Development
Prof. G.S. Singh

16. FACULTY OF VETERINARY & ANIMAL SCIENCES

1. **Veterinary Anatomy**
   Dean

2. **Veterinary Phsyology & Biochemistry**
   Dean

3. **Veterinary Pharmacology & Toxicology**
   Dr. Shahid Prawez

4. **Veterinary Microbiology**
   Prof. Ramadeve Nimmanapalli

5. **Veterinary Pathology**
   Dean

6. **Veterinary Public Health Epidemiology**
   Dean

7. **Animal Nutrition**
   Dean

8. **Veterinary Gynecology & Obstetrics**
   Dean (upto 16.02.2021)
   Dr. Sanjay Kumar Ravi (17.02.2021)

9. **Veterinary Surgery & Radiology**
   Dr. Naresh Kumar Singh

10. **Veterinary Medicine**
    Dean

11. **Veterinary Parasitology**
    Dean

12. **Livestock Production & Management**
    Dean

13. **Livestock Production Technology**
    Dean

14. **Veterinary Extension**
    Dean

15. **Animal Genetics & Breeding**
    Dean (upto 17..02.2021)
    Dr. Amita Kumar (from 18.02.2021)

COORDINATORS OF INTERDISCIPLINARY SCHOOL

1. **School of Biotechnology**
   Prof. Arvind Kumar

Principal, Mahila Maha Vidyalaya (under Statue 17(1) (vi)

Prof. Inu Mehta

Principals of the Colleges admitted to the privileges of the University(under Statue 17(1) (vii)]

1. **Principal, Vasanta Kanya Mahavidyalaya**
   Prof. (Miss.) Rachna Srivastava

2. **Principal, Vasanta College for Women**
   Dr. Alka Singh

3. **Principal, Arya Mahila P.G. College**
   Dr. (Mrs.) Rachana Dubey

4. **Principal, D.A.V. Post Graduate College**
   Dr. S.D. Singh

Senior Most Professor, Reader & Lecturer in the Faculties (under Statue 17(1) (viii)

1. **Faculty of Agricultural Science**
   1. *Dr. R.P. Singh*
      Professor
   2. *Dr. Yad Vir Singh*
      Associate Professor,
   3. *Dr. Jai Prakash Rai*
      Assistant Professor

2. **Faculty of Arts**
   1. *Dr. Ashok Singh*
      Professor
   2. *Dr. Abhay Kumar Mishra*
      Associate Professor
   3. *Sri Shuju P.J.*
      Assistant Professor

3. **Faculty of Ayurveda**
   1. *Dr. Uma Gupta*
      Professor

   2. *Dr. Rashi Sharma*
      Associate Professor

3. *Dr. Priyadarshini Tiwari*
   Assistant Professor

4. Faculty of Commerce

1. *Dr. A.R. Tripathi*
   Professor
2. *Dr. Lal Baboo Jaiswal*
   Assistant Professor

5. Faculty of Dental Sciences

1. *Dr. (Ms.) Nilam Mittal*
   Professor
2. *Dr.(Ms) Preeti Tiwari*
   Associate Professor
3. *Dr. Mahesh Ravindra Khairnar*
   Assistant Professor

6. Faculty of Education

1. *Dr. H.C.S. Rathore*
   Professor
2. *Dr.(Ms) Alka Rani*
   Associate Professor
3. *Sri Ajeet Kumar Rai*
   Assistant Professor

7. Faculty of Law

1. *Dr. Rudra Praksh Rai*
   Professor
2. *Dr. Rajneesh Kumar Singh*
   Associate Professor
3. *Dr. Raju Majhi*
   Associate Professor

8. Faculty of Management Studies

1. *Dr. Surendra Kumar Singh*
   Professor
2. *Dr. Ashutosh Mohan*
   Associate Professor
3. *Dr.(Ms.) Anindita Chakraborty*
   Assistant Professor

9. Faculty of Medicine

1. *Dr. R.K. Jain*
   Professor
2. *Dr. Neeraj Kant Agrawal*
   Associate Professor
3. *Dr. Samer Singh*
   Assistant Professor

10. Faculty of Performing Arts

1. *Dr. (Ms) Sharda Velankar*
   Professor

2. *Dr. (Ms.) Vidhi Nagar*
   Associate Professor

3. *Dr. Ram Shankar*
   Assistant Professor

11. Faculty of Science

1. *Dr. Mallikarjun Joshi*
   Professor,
2. *Dr. Anil Mani Tripathi*
   Associate Professor,
3. *Dr. (Ms.) Asha Lata Singh*
   Assistant Professor

12. Faculty of Social Science

1. *Dr.(Ms.) Anju S. Upadhyay*
   Professor
2. *Dr. Rakesh Pandey*
   Associate Professor
3. *Dr. Dinesh Kumar Singh*
   Assistant Professor

13. Faculty of Sanskrit Vidya Dharm Vijnan Sankaya

1. *Dr. G.A. Shastri*
   Professor
2. *Dr. Ramakant Pandey*
   Associate Professor
3. *Dr. Subhash Pandey*
   Assistant Professor

14. Faculty of Visual Arts

1. *Dr. Anjan Chakravorty*
   Professor,
2. *Dr. S.Pranam Kumar Singh*
   Associate Professor,
3. *Dr. Shanti Swaroop Sinha*
   Assistant Professor,

15. Faculty of Environment & Sustainable Development

1. *Dr. A.S. Raghuvanshi*
   Professor,
2. *Dr. (Ms) Sunita Verma*
   Associate Professor,
3. *Dr. Jay Prakash Verma*
   Assistant Professor

16. Faculty of Veterinary and Animal Sciences

Prof. Ramadevi Nimmanapalli
Professor

17. Mahila Mahavidyalaya

1. *Dr. (Ms.)Inu Mehta nee Jain*
   Professor
2. *Dr. (Ms.) Padmini Ravindra Nath*
   Associate Professor
3. *Dr. (Ms.) Sweety Bandopadhyay*
   Assistant Professor

External Member Academic Council [(under Statute 17(1) (ix)]

1. *Prof. Rajen Harshe*
   Department of International Relations
   South Asian University

2. *Prof. Heeraman Tiwari*
   Centre for Historical Studies,
   School of Social Sciences
   JNU, New Delhi

3. *Prof. Sudhir K. Sopory*
   Emeritus Senior Scientist
   International Centre for Genetic
   Engineering and Biotechnology
   New Delhi

4. *Prof. Appa Rao Podile*
   School of Life Sciences,
   South Campus
   University of Hyderabad

5. *Prof. Tushar K. Chakraborty*
   Department of Organic Chemistry
   Indian institute of Science, Bangalore

6. *Prof. Dinesh Singh*
   Former Vice Chancellor
   University of Delhi

7. *Prof. Dilip Kumar Mohanta*
   Former VC, Kalayani University

8. *Prof. Jagdav Kumar Sharma*
   Lal Bhadur Shastri Sanskrit University
   New Delhi

9. *Dr. Soma Ghosh*
   Naria, Varanasi

10. *Prof Y.K. Chauta*
    Former Director
    PGI Chandigarh

Distinguished Professors (Special Invitees)

1. *Prof. T.K. Lahiri*
   Deptt. of Cardiovascular & Thoracic Surgery, IMS

2. *Prof. H.S. Shukla*
   Deptt. of Surgical Oncology, IMS

3. *Prof. (Ms.) S. Chooramani Gopal*
   Deptt. of Paediatrics Surgery, IMS

4. *Prof. T.M. Mohapatra,*
Deptt. of Microbiology, IMS

5. *Prof. R.G. Singh*
Deptt. of Nephrology, IMS

6. *Prof. R.H. Singh*
Former Professor of Kaya Chikitsa, Faculty of Ayurveda

7. *Prof. G.P. Dubey*
Deptt. of Kriya Sharir, Faculty of Ayurveda,IMS

8. *Prof. Yashwant Singh*
Deptt. of Physics, Faculty of Science

9. *Prof. S.C. Lakhotia*
Deptt. of Zoology, Faculty of Science

10. *Prof. L.C. Rai*
Deptt. of Botany, Faculty of Science

11. *Prof. Shri Singh*
Deptt. of Physics, Faculty of Science

12. *Prof. B.N. Singh*
Deptt. of Zoology, Faculty of Science

13. *Prof. H.R. Sharma*
Faculty of SVDV

14. *Prof. R.K. Pandey*
Institute of Management Studies

15. *Prof. Prithivi Kumar Agrawal*
Deptt. of AIHC & Archaeology, Faculty of Arts

16. *Prof. Shyam Sunder*
Deptt. of General Medicine, Institute of Science

17. *Prof. Rajiv Raman*
Deptt. of Zoology, Institute of Science

18. *Prof. Ashwani K. Rai*
Deptt. of Botany, Institute of Science

19. *Prof. Manoranjan Sahu*
Deptt. of Shalya Tantra, Faculty of Ayurveda

20. *Prof. A.K. Srivastava*
Deptt. of Psychology, Faculty of Social Sciences

21. *Prof. Lallan Mishra*
Deptt. of Chemistry, Instt. of Science

22. *Prof. J.P. Lal*
    Deptt. of Genetics and Plant Breeding, Instt. of Agricultural Sciences

23. *Prof. Ganesh Pandey*
    Centre of Biomedical Research, SGPGI Campus, Lucknow

IV- OFFICERS OF THE UNIVERSITY

Visitor
President of India

Chancellor
Dr. Giridhar Malaviya

Vice-Chancellor
Prof. Rakesh Bhatnagar (Upto 28.3.2021)
Prof. Vijay Kumar Shukla (From 28.3.2021)

Rector
Prof. Vijay Kumar Shukla

Registrar
Dr. Neeraj Tripathi

Finance Officer
Dr. Abhay Kumar Thakur

Controller of Examinations
Shri. Manoj Kumar Pandey

University Librarian
Prof. D.K. Singh

Dean of Students Welfare
Dr. M.K. Singh

Chief Proctor
Prof. O.P. Rai (Upto 31.12.2020)
Prof. Anand Choudhary (from 1.1.2021)

Medical Superintendent
Prof. S.K. Mathur

Directors of the Institutes

1. Agricultural Sciences
   Prof. Ramesh Chand

2. Medical Sciences
   Prof. A. K. Asthana (upto 14.12.2020)
   Prof. B.R. Mittal (from 15.12.2020)

3. Faculty of Environment and Sustainable Development
   Prof. A.S. Raghuvanshi

4. Faculty of Management Sudies
   Prof. S.K. Dubey

5. Faculty of Science
   Prof. Anil Kumar Tripathi

Deans of the Faculties

1. **Faculty of Ayurveda**
   Prof. Y.B. Tripathi (upto 30.06.2020)
   Prof. V.P. Singh (from 01.07.2020)

2. **Faculty of Medicine**
   Prof. R.K. Jain (upto 30.09.2020)
   Prof. B.K. Das (Upto 14.12.2020)
   Prof. B.R. Mittal (from 15.12.2020)

3. **Faculty of Arts**
   Prof. Ashok Singh (upto 30.06.2020)
   Prof. V.B. Singh (from 01.07.2020)

4. **Faculty of Agriculture**
   Prof. A.P. Singh

5. **Faculty of Commerce**
   Prof. O.P.Rai (upto 06.01.2021)
   Prof. Gulab Chand Ram Jaiswal (from 07.01.2021)

6. **Faculty of Dental Sciences**
   Prof. (Ms.) Nilam Mittal (upto 09.09.2020)
   Prof. V.K. Srivastava (from 10.09.2020)

7. **Faculty of Education**
   Prof. R.P. Shukla (upto 31.05.2020)
   Prof. S.K. Swain (from 01.06.2020)

8. **Faculty of Law**
   Prof. R.P. Rai (upto 31.01.2021)
   Prof. Ali Mehdi (from 01.02.2021)

9. **Faculty of Management Studies**
   Prof. P.S. Tripathi

10. **Faculty of Performing Arts**
    Prof. Rajesh Shah

11. **Faculty of S.V.D.V.**
    Prof. Vindhyeshwari Prasad Mishra

12. **Faculty of Science**
    Prof. M. Joshi

13. **Faculty of Social Sciences**
    Prof. K.K. Mishra

14. **Faculty of Visual Arts**

Prof. Dipti Prakash Mohanty (upto 31.05.2020)
Prof. Hira Lal Prajapati (from 01.06.2020)

15. **Faculty of Environment and Sustainable Development**
Prof. G.S. Singh (upto13.08.2020)
Prof. Rajesh Kumar Mall (from 14.08.2020)

16. **Faculty of Veterinary & Animal Science**
Prof. Ramadevi Nimmanapalli

Annexure - II

Statement Showing Academic Contribution of University Teachers During 2020-21

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Institute of Agriculture									
Department of Agricultural Economics	17	11	-	-	4	1	-	-	23
Department of Entomology and Agricultural Zoology	37	3	5	-	6	-	-	-	6
Department Farm Engineering	18	5	-	-	2	-	-	-	7
Department of Agronomy	10	26	-	-	1	3	-	-	-
Department of Dairy & Food Technology	23	28	2	-	1	4	-	-	9
Department of Extension Education	14	2	-	-	3	-	-	-	3
Department of Genetics and Plant Breeding	10	13	1	-	-	-	1	2	-
Department of Horticulture	33	2	2	-	1	-	-	-	2
Department of Mycology and Plant Pathology	13	18	1	-	-	1	-	-	-
Department of Plant Physiology	4	13	2	2	1	-	-	-	-
Institute of Medical Sciences									
Faculty of Medicine									
Prof. Shampa Anupurba	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Gopal Nath	0	11	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Pradyot Prakash	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Tuhina Banerjee	4	7	-	-	2 (chapters)	1 (chapter)	-	Indian Priority Pathogen list by DBT and WHO (India)	-
Dr. Anju Dinkar	-	-	1	1	-	-	-	-	-
Dr. Charu Singh	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. RameshwarrNath Chaurasia	3	6	1	2	-	-	-	-	4
Dr. Deepika Joshi	5	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vijay Nath Mishra	10	4	1	2	1	-	-	-	-
Dr. Abhishek Pathak	3	9							2
Dr. Varun Kumar Singh	3	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anand Kumar	-	-	4	6	-	-	-	-	-
Dr. Sanjay Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	
Dr. S. K. Singh	-	-	-	7	-	-	-	-	-
Dr. Tulika Rai	-	-	4	-	-	-	-	-	-
Dr. Ratna Pandey	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.B. Mandal	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sanjeev K. Singh	2	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kumar Sarvottam	3	-	-	-	-	-	-	-	1 Book Chapter
Dr. Samir Kumar Singh	1	-	-	-	-	-	-	-	1 Book Chapter

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Priyanka Bhagat	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Parul Sharma	1	-	4	-	-	-	-	-	-
Dr. Hanjabam Barun Sharma	4	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashish Kumar Gupta	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A. Tanu Roy	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Mona Srivastava-	16	-	-	-	-	-	-	-	--
Prof. S. Gupta	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.S. Srivastava	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. J.S. Yadav	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Pandey	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pankaj Sureka	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pankaj Gupta	1	-	-	-			-	-	-
Dr. SantanuNath	7	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Surendra Kumar Pandey	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K Singh	2	1	2	1	-	-	-	-	
Dr. R.P Maurya	3	3	1	5	-	-	-	-	Book chapter 1
Dr. O.P.S Maurya	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.P singh	2	3	1	4	-		-	-	-
Dr. Prashant Bhushan	2	1	2	1	-	1	-	-	-
Dr. Deepak Mishra	5	1	2	1	-	-	-	-	Prepare covid precaution s guideline under aegis of AIOS
Dr. Alok Kumar	-	1	-	1	-	-	-	-	-
Prof. Chandra Pati Mishra	1	5	1	-	-	-	-	-	-
Prof. Sangeeta Kansal	6	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Ravi Shankar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Manushi Srivastava	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arun Kumar Dubey	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Md. Abu Bashar	6	30	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V.K. Dixit	3	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Shukla	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. D.P. Yadav	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.P Maurya	3	3	1	5	-		-	-	Book chapter 1
Prof. Rajniti Prasad	6	3	6	3	-	-	-	-	-
Prof. O.P. Mishra	8	4	8	4	-	-	-	-	-
Prof. B. K. Das	1	1	1	1	-	-	-	-	-
Prof. Ashok Kumar	7	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Vineeta Gupta	6	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof Sunil Kumar Rao	9	0	6	3	-	-	-	-	-
Prof. Ankur Singh	2	2	2	2	-	-	-	-	-
Dr. Rimjhim Sonowal	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Abhishek abhinay	-	1	3	2	-	-	-	-	-
Dr. Priyanka Agganval	4	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Rajniti Prasad	6	3	6	3	-	-	-	-	-
Prof. Manoj Pandey	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Prof. MallikaTewari	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Tarun Kumar	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. AshishVerma	8	7	2	1	-	-	-	-	-
Prof. R.C. Shukla	3	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pramod Kumar Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. lshan Kumar	8	7	2	1	-	-	-	-	-
Dr. Ritu Ojha	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Shivendra Singh	9	-	-	-	2	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr Dharmendra Jain	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr Jyoti Srivastava	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Punam Pandey	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Amit Singh	13	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Kiran R Giri	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Upinder Kaur	4	-	8	1	1	-	-	-	-
Prof. Ragini Srivastava	1	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jyotsna Kailashiya	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Shyam Sundar	1	23	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Madhukar Rai	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Jaya Chakravarty	1	11	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Dhiraj Kishore	2	1	-	1	-	1	-	-	-
Prof. Lalit P. Meena	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Manaswi Chaubey	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jitendra Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Vijay Tilak	5	-	1	-	1	-	-	-	-
Prof. Sandip Kumar	6	-	-	-	1 (Chapter) 1		-	-	-
Dr. Anju Bharti	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Mahima Yadav	2	1	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Ojas Gupta	1	-	-	2		-	-	-	-
Dr. Bitani Naik	-	-	-	3	1 (one chapter in the book)	-	-	-	-
Dr. Neeraj Kant Agrawal	-	-	4	-	-	-	-	-	-
Dr. Umesh Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sudipat Bera	-	-	1	3	-	-	-	-	-
Prof. S.K. Singh	1	2	-	-	-		-	-	-
Prof. N.K. Agrawal	2	2	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Ritesh Kumar	1	-	-	-	-		-	-	-
Prof. Kulwant Singh	5	5	2	2	-	-	-	-	-
Dr. Ravi Shankar Prasad	5	7	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Anurag Sahu	5	4	2	2	-	-	-	-	-
Dr. Nityanand Pandey	4	4	1	2	-	-	-	-	-
Dr. Ayushman Satapathy	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Mishra	1	3	1	3	-	-	-	-	-
Prof. U. P. Shahi	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Lalit M Aggarwal	3	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sunil Choudhary	4	10	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A Mandal	4	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ritusha Mishra	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Himanshu Mishra	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Chandra Prakash	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. IshaJaiswal	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Ganesh Patel	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Mr. AnkurMourya	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rahul Agrawal	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Adit	-	-	3	1	-	-	-	-	-
Dr. Farhan Durrani	-	-	2		-	-	-	-	
Dr. Monika Bansal	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Sarita Parihar	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Anju Gautam	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. T.P. Chaturvedi	-	-	3	3	-	-	-	-	-
Dr. Ajit Parihar	-	-	4	2	-	-	-	-	-
Dr. Ashish Agrawal	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Vipul Sharma	-	-	1	2	-	-	-	-	-
Dr. Naresh Sharma	-	-	1	1	-	-	-	-	-
Dr. Neerai kr Dhiman	-	-	1	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Preeti Tiwari	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Richik Tripathi	-	-	-	2	-	-	-	-	-
Dr. Akhilesh kr Singh	-	-	3	2	-	-	-	-	-
Dr. Mahesh R. Khairnar	-	-	-	2		-	-	-	-
Dr. Akhilesh Chandra	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. Jai Prakash Singh	2	1	1	2	1	-	-	-	-
Dr. Rajkal P. Patil	-	1	-	-	-	-	-		-
Dr. Vijay Kumar Srivastava	1	3	-	-	-	-	1	-	-
Dr .Abhinav	1	5	-	3	-	-	-	-	-
Dr. MridulRanjan	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shashirekha. H.K	2	5	-	4	3	-	-	-	-
Dr. M. Paliwal	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.S. Yadav	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Raj Kishore Arya	-	1	-	-	1	-	-	-	-
Prof. D.N. Pande	-	6	-	-	1	-	-	-	-
Prof. K.K. Pandey	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Jaiswal	-	3	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Bhola Nath Maurya	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Uma Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B.K. Dwibedy	3	-	-	-	-	-	-	--	-
Prof. C.S. Pandey	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. P.S. Byadgi	10	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.C. Kar	3	-	-	-	-	-	--	-	-
Prof. Sisir Kumar Mandal	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.N. Tiwari	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. P. Tewari	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anurag Pandey	8	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sunita Suman	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Prof .Vishwesh B.N.	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anuradha Roy	-	5	-	-	2	-	-	-	-
Dr. Preeti Chouhan	-	-	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Shikha Singh	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Neeru Nathani	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kanchan Chowdhary	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mamta Tiwari	-	7	-	-	2 Chapter in book	1 Chapter in book	-	-	-
Prof. Shiv Ji Gupta	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rashmi Gupta	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K. Dwivedi Gupta	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K. Pandey	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sunita Suman	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Vishwesh *B N*	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anuradha Roy	-	5	-	-	2	-	-	-	-
Dr. Preeti Chouhan	-	-	-	1	-	-	-	-	-
Prof. K.N. Singh	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. H.H. Awasthi	3	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. V.L. Gautam	2	-	-		-	-	-	-	-
Dr. B.M.N. Kumar	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K.Pathak	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. O.P. Singh	2	1	2	1	-	-	-	-	-
Prof. K.N. Murthy	-	-	3	-	-	-	-	-	-
Prof. Rajendra Prasad	4	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. SunandhaPedekar	-	-	3	-	Chapter in Book - 2	-	BOOK-1	-	-
Dr. A.K. Pandey	3	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shalini	-	-	-	5	-	-	-	-	-
Dr. Meera Antiwal	2	3	2	-	-	-	-	-	-
Prof. Y.B. Tripathi	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V.P. Singh	-	-	-	-	Chapter	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
					in Book-1				
Prof. T.D. Singh	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Alka Agarwal	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Neha Garg	4	12	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Meenakshi Singh	-	-	-	-	Chapter in Book-1	-	-	-	-
Dr. Shobha Bhat K	3	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ringzin Lamo	-	1	-	1	-	-	-	-	-
Prof. Kishor Patwardhan	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sangeeta Gehlot	-	7	2	1	-	-	-	-	-
Dr. N.S. Tripathi	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rashi Sharma	-	1	-	1	-	-	-	-	-
Dr. VandanaVerma	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Sushil Kumar Dubey	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Aparna Singh	-	-	-	1	-	-	-	-	-
Institute of Environment and Sustainable Development									
Prof. A.S. Raghubanshi	-	18	-	-	-	-	-	-	8 (book chapters)
Prof. R.K. Mall	2	18	-	-	-	-	-	-	6 (Chapter)
Prof. Kavita Shah	-	9	1	-	-	-	-	-	3 (Book chapter)
Prof. G.S. Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.K. Mishra	1	4	-	13	-	2	-	-	-
Dr. Sunita Verma	1	5	-	-	-	-	-	-	1(book chapter)
Dr. J.P. Verma	-	6	-	3	-	-	-	-	4(book chapters)
Dr. Rajeev Pratap Singh	-	2	-	2	-	-	-	-	-
Dr. P.C. Abhilash	-	8	5	-	1	3	-	-	1 (policy report) 3 (book chapters)
Dr. T. Banerjee	-	7	-	-	-	1	-	-	-
Dr. Vishal Prasad	-	2	-	-	-	1	-	-	1 (book chapters)
Dr. Kirpa Ram	-	12	-	-	-	-	-	-	2 (book chapters)
Dr. Sudhakar Srivastava	2	10	-	-	-	1	-	-	-
Prof. A.S. Raghubanshi		18	-	-	-	-	-	-	8 (book chapters)
Department of Biochemistry									
Prof. Surya Pratap Singh	-	5	-	3	-	-	-	-	-
Prof. S. Shrikrishna	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Om Prakash Singh	-	16	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Singh	-	8	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Anchal Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ankush Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Subhash Chand Gupta	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Chandan Singh		1	-	-	-	-	-	-	-
SCHOOL OF BIOTECHNOLOGY									
Prof. Ashok Kumar	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Tripathi	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.M. Singh	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.M. Kayastha	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Pratyoosh Shukla	-	21	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Malkhey Verma	-	3	-	-	-	-	-	1	-
Dr. Debashish Dey	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V. Chaturvedi	-	1	-	1	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. A.K. Kushwaha	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
BOTANY									
Prof. M. Agrawal	-	9	-	4	-	-	-	-	-
Prof. N.K. Dubey	2	19	3	6	2	-	-	-	-
Prof. S.B. Agrawal	-	15 --	1 11	3	1 --	-	θ1	-	- --
Prof. R.P. Sinha	4	7	-	-	1	-	-	-	-
Prof. N. Ghoshal	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Mishra	-	9	-	1	-	-	-	-	-
Prof. J. Pandey	2	6	-	1	-	-	-	-	-
Prof. R.N. Kharwar	-	9	-	4	1	-	-	-	-
Prof. S.K. Dubey	-	7	-	1	-	-	-	-	-
Prof. Shashi Pandey	2	7	3	6	-	-	-	-	-
Prof. Hema Singh	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Satya Shila Singh	-	3	-	-	1	-	-	-	-
Prof. Satheesh Kr. P.K.	-	2	-	-	2	-	-	-	-
Dr. Raghvendra Singh	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.P. Singh	-	2	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Bhanu Prkash	-	6	-	1	-	-	-	-	-
Dr. R.K. Sharma	2	3	-	-	1	-	-	-	-
Dr. L.S. Songachan	-	1	6	-	-	-	-	-	-
Dr. Anita Singh	-	1	-	1	1	-	-	-	-
Dr. J.P. Maurya	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Prashant Singh	-	1	-	1	-	-	-	-	-
Dr. Deepak Kumar	-	1	-	-	3	-	-	-	-
CENTRE FOR GENETIC DISORDER-									
Prof. Parimal Das	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhtar Ali	1	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pawan K. Dubey	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Chandana Basu	-	2	-	-	-	-	-	-	-
CHEMISTRY									
Dr. B. Singh, Professor,	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. L. Mishra	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ganesh Pandey	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. D.S. Pandey	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.S. Singh	-	6	-	-	-	2	-	-	-
Dr. K.N. Singh	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.P. Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Biswajit Ray	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rama NandRai	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. K.K. Upadhyay	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Bhattacharya	-	3	-	-	-	1	-	-	-
Dr.(Mrs.) Ida Tiwari	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arvind Misra	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajesh Kumar	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V. Ganesan	-	15	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K. Tewari	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pankaj Srivastava	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vinod K. Tiwari	1	11	-	-	-	1	-	-	-
Dr. S. Krishanamoorthi	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Saha	-	6	-	1	-	1	-	-	2
Dr. Prem Praksah	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. K. Pandey	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. K. Mishra	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.D. Pandey	-	3	-	-	-	1	-	-	-
Dr. K.V.S. Rangnath	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Kuila	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V. Prasad	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Biswajit Maiti	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K. Bharty	-	2	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. L.B. Prasad	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. N. Goel	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. jay Singh	-	2	-	-	-	1	-	-	-
Dr. Ashok Basak	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. D. Guin	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Tulika Gupta	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R. Laneihpuii	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Roop Shikha Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Abhishek Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ajit Kumar Kharwar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Monalisa Pal	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sganmugam Manivannan	-	2	-	-	-	-	-	-	-
COMPUTER SCIENCE									
Prof. S. Karthikeyan	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. P.K.Mishra	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V. K. Singh	-	15	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vandana Kushwaha	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gaurav Baranwal	-	5	-	3	-	-	-	-	-
Dr. Ankita Vaish	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S. Suresh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anshul Verma	-	-	1	1	1	1	-	-	-
GEOGRAPHY									
Prof. R.S. Yadava	2	-	2	-	-	-	-	-	-
Prof. V.N. Sharma	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V.K. Rai	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.P. Mishra	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V.K. Tripathi	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. D. Gownamani	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S. Alam	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. G. Rai	4	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. S. Sanyal	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. K.P. Goswami	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.L. Meena	3	-	-	1	03- chapters in books	-	-	-	-
Dr N. Verma	3	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Subhra Sharma	3	5	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Aditya Singh	1	1	1	-	01- Chapter in book	-	-	-	-
Dr.Seema Rani	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vikram Sharma	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr .Kapil Kr. Gawaskar	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Harpreet singh	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof .S.P.Mishra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. BRK Sinha	1	5	-	-	-	-	-	-	-
GEOPHYSICS									
Prof. R. Bhatla	4	9	-	3	-	-	-	-	-
Prof. G. P. Singh	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. M. K. Srivastava	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Uma Shankar	2	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sandeep	-	3	-	2	-	-	-	-	-
Dr. Birendra Pratap	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dip Kumar Singha	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Satya Prakash Maurya	1	2	-	3	-	-	-	-	-
Dr. Subhadeep Halder	-	2	-	-	-	-	-	-	-
GEOLOGY									
Prof. R.K. Srivastava	-	11	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B.P. Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Prof. A.D. Singh	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. U.K. Shukla	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. P.K. Singh	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. N.V.C. Rao	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B. Pandey	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. V. Srivastava	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Divya Prakash	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Amiya Shankar Naik	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Kuldeep Prakash	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. R.C. Patel	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. P. Ghosh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.P. Rai	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dinesh Kumar Pandit	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A. Samal	1	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Komal Verma	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dinesh Kumar Naik	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sayandeep Banerjee	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashutosh Kanthola	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arkoprovo Biswas	3	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A. Sahoo	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. R.K. Bikramaditya Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Alok Kumar	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Oinam Kingson Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gulab Chand Gautam	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pradip K. Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shamim Ahmad Dar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
HOME SCIENCE	6	3	6	1	1	-	-	-	-
MOLECULAR AND HUMAN GENETICS									
Prof. Gopeshwar Narayan	-	9	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Ashim Mukherjee	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kiran Singh	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mousumi Mutsuddi	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Geeta Rai	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.K. Sonkar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
MATHEMATICS									
Dr. Ashok Kumar Singh (Retired)	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Shyam Lal	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Prof. M.M. Tripathi	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Harish Chandra	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K.Misra	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Prof. D.R.Sahu	-	12	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.K.Mishra	-	15	-	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K.Upadhyay	-	10	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arvind Kumar Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilesh Yadav	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Krishnendu Bhattacharyya	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashish Pathak	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anupam Priyadarshi	-	4	-	-	-	-	-	-	01(Book chapter)
Dr. Buddhadev Pal	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. K.L. Mahato	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arun Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ravi Pratap Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shibsankar Das	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jitendra Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vivek Laha	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Meena	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Prakash Goswami	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
PHYSICS									
Prof. Shri Singh	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. R.P. Malik	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Sanjay Kumar	-	5	-	-	-	-	-	-	Book chapters 1
Prof. Rajendra Kumar Singh	-	12	-	-	-	-	-	-	Book chapters 4
Prof. Debanand Sa	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. B.P. Mandal	-	8	1	-	-	-	-	-	-
Prof. Ranjan Kumar Singh	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Abhay Kumar Singh	2	18	-	-	-	-	-	-	4 (book chapters)
Prof. A.K. Ghosh	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Prof. H.P. Sharma	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Anchal Srivastava	-	7	-	-	-	2	-	-	-
Prof. Sanjay Kumar Srivastava	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Vivek Singh	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Horesh Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Surendra Prasad	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Amit Pathak	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Neeraj Mehta	-	12	-	-	-	-	-	-	3 Book Chapters
Dr. Sanjay Siwach	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Devendra Kumar Mishra	-	3	-	-	-	-	-	-	02 (Papers in Conference Proceedings)
Dr Rajneesh Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	--
Dr. Ajay Kumar Tyagi	-	15	-	-	2	-	-	-	-
Dr. Amresh Bahadur	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.L.Saroj	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rebecca Lalnuntluangi	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sterlin Leo Hudson	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jitesh Barman	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vikas Kumar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Avinash Chand Yadav	-	1 Communicated	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Krista Roluahpuia Khiangte	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Namrata Shukla	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jayeeta Lahiri	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ranjan Modak	-	5	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Debraj Rakshit	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vimal Kishore	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Chandra Shekhar Pati Tripathi	-	2	-	-	-	-	-	-	01+01= 02 (Book chapter + Chem Rxiv)
Dr. Thakur Prasad Yadav	-	11	-	-	-	-	-	-	-
STATISTICS									
Dr. K. K. Singh	1	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Upadhyay	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B.B. Khare	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Singh	-	7	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gyan Prakash Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajesh Singh	-	3	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Sanjeev Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Alok Kumar	4	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Brijesh Pratap Singh	10	18	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Piyush Kant Rai	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Abhay K. Tiwari	-	6	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.K. Chaudhary	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Nirpeksh Kumar	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. M.S. Panwar	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dinesh Kumar	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Ms. Poonam Singh	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. V.K. Sharma	-	8	-	-	-	-	-	-	-
Dr. A.S. Yadav	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Arun Kaushik	-	2	-	-	-	-	-	-	-
ZOOLOGY									
Prof. S.C. Lakhotia	2	2	4	1	1	-	-	14	6
Prof B N Singh, Distinguished Professor (Life Long)	2	1	Reviews-2 General Article - 1 Research Commentary-2 Correspondence-2	-	-	-	-	-	-
Prof. Jagat K Roy	-	3	-	-	-	-	-	-	6
Prof. (Mrs.) Neelkamal Rastogi	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.K. Trigun	1	4	-	Book Chapters: 02	-	-	-	-	-
Prof S Prasad	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Swati Mittal	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gyaneshwer Chaubey	-	25	-	-	-	-	-	-	1
Prof. Radha Chabey	-	7	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Biplob Koch	-	4	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ajay Kumar	-	4	-	1	-	1	-	-	-
Dr. Bhupendra Kumar	2	3	1	-	-	-	-	-	1
Dr. Thamil Mani Sivanandam	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Richa Arya	-	-	-	-	-	-	-	1*	*Review editor and contributed Chapters in a Book: Experiments with Drosophila for Biology Courses, published by the Indian Academy of Sciences
Bama Charan Mondal	-	1	-	-	-	-	-	-	-
DST-CIMS									
Prof. B. Tiwari	1	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Manjari Gupta	-	1	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. R. Chaubey	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rakesh Ranjan	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Institute of Management Studies	16	13	1	1	-	1	-	-	2 Chapters in Books
Faculty of Arts									
Bharat Adhyayan Kendra									
Prof. K.D. Tripathi	2	1	7	2	1	2	-	-	-
Prof. Yugal Kishor Mishra	-	-	2	-	-	-	-	2	-
Prof. R.K. Upadhyay	3	-	-	-	3	-	-	-	-
Prof. S.K. Dwivedi	1	-	-	-	5	-	-	-	-
Dr. Manju Dwivedi	-	-	1	-	-	-	-	1	-
Dr. Amit Kumar Pandey	-	-	-	-	-	-	1	-	2 National Seminar
Dr. Pallavi Trivedi	-	-	-	-	1	-	-	-	1 National Workshop
Dr. Anooppati Tiwari	-	-	-	-	-	-	1	-	2 Special Lectures
Dr. G.N. Rai	-	-	-	-	1	-	-	-	1 International Seminar 1Special Lecture
Dr. Geeta Yogesh Bhatt									1 National Workshop 6 Other workshops on Yogic Practices
Dr. Jaya Kumari Pandey	-	-	-	-	-	-	-	-	1 Special Lecture
Faculty of Commerce									
Prof. K.K. Misra	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. A.K. Mishra		-	-	-	-	1	1	-	-
Prof. S.N. Jah	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. S.C. Das	1	-	-	-	1	1	1	-	
Prof. R.S. Meena	2	4	2	2	-	-	-	-	-
Dr. Vandana Srivastava	-	1	1	-	-	-	-	-	-
Dr. A.K. Chaudhari	-	-	-	1	-	-	-	-	-
Faculty of Law									
Prof. Ali Mehdi	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. P.K. Singh	-	-	5	1	1	-	-	-	-
Prof. D.K. Mishra	-	-	1	-	-	-	-		-
Prof. A.K. Pandey	-	-	-	1	-	-	-	-	-
Prof. Ajendra Srivasatava	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. Biba Tripathi	--	-	1	-	2	-	-	-	-
Prof. Rajneesh K. Patel	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Raju Majhi	-	-	-	1 (& one book chapter)	-	-	-	-	-
Dr. Adesh Kumar	-	-	3	1	-	-	-	-	-
Dr. Mayank Pratap	-	-	1 (& one book chapter)	-	-	-	-	-	-
Dr. Prabhat kumar Saha	-	-	2	1	-	-	-	-	-
Dr. Pradeep kumar	-	-	-	3	-	-	-	-	-
Faculty of Education									
Prof. S. K. Swain	2	-	2	-	-	-	-	-	14
Prof. Anjali Bajpai	3	-	-	-	-	-	-	-	1
Prof. Sunil Kumar Singh	-	-	3	-	-	-	1	-	2
Prof. Rashmi Choudhuri	-	-	-	-	-	-	-	-	1

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Prof. Madhu Kushwaha	2	-	-	-	-	-	-	-	5
Prof. Nagendra Kumar	1	1	3	-	1	-	-	-	-
Dr. Alka Rani	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Deepa Mehta	1	1	1	-	1	-	-	-	5
Dr. Alok Gardia	1	1	2	-	1	-	-	-	5
Dr. Raghavendra N. Sharma	-	3	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Ajeet Kumar Rai	1	-	1	-	1	-	-	-	2
Dr. Priyanka Srivastava	-	-	1	-	-	-	-	-	10
Faculty of Performing Arts									
Department of Vocal Music									
Dr. K. Sashi Kumar	4	1	7	-	-	-	-	-	1
Dr. Sharada Velanker	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Sangeeta Pandit	-	-	-	-	-	-	-	-	12
Dr. Revati Sakalkar	3	-	-	-	1 Article in Book	-	-	-	10
Dr. Ramshankar	3	-	-	-	-	-	-	-	18 Performance Resource person-16 Participate)national / International webinar - 17
Dr. Gyanesh Chandra Pandey	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Madhumita Bhattacharya	-	-	-	-	-	-	-	1	Online 27 Concerts National and International
Ms. Shyama Kumari	3	-	-	-	-	-	-	-	1 online National concert
Ms. Meghna Kumar	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of Dance									
Dr. Vidhi Nagar	1	-	1	-	-	2 E - Books	-	-	National level 02 concerts
Dr. Ranjana Upadhyay	-	-	1	-	-	-	-	-	National level 2 concerts
Dr. Khileshwari Patel	-	-	-	-	-	-	-	-	National level 2 concerts
Department of Instrumental Music									
Prof. V. Balaji	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Prem Kishore Mishra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Satyavara Prasad	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Faculty of Social Sciences									
Department of Economics									
Prof. Rajiv Kumar Bhatt	2	5	-	-	-	-	-	-	-
Prof. J. B. Komaraiah	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Nidhi Sharma	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gajendra Kumar Sahu	1	-	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Priyabrata Sahoo	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Dibakar Sahoo	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Department of History									
Dr. Anuradha Singh	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashok Sonkar	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Ashutosh Kumar	1	1	-	-	-	2	-	-	
Dr. Dhrub K. Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Gagan Preet Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Malabika Pande	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. Pravesh Bharadwaj	-	-	-	-	2	-	-	-	-
Shri. Rakesh Pandey	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Sima Mishra	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Tabir Kalam	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Centre For Integrated Rural Development									
Dr. Alok Kumar Pandey	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Malaviya Centre for Peace Research									
Prof. Priyankar Upadhyaya	-	2	-	2	-	1	-	-	-
Centre for Women's Studies & Development									
Prof. Nidhi Sharma	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Meenakshi Jha	-	-	-	-	-	-	1	-	-
Faculty of SVDV									
Department of Veda									
Dr. U.K. Tripathi	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. U.P. Bharti	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. U.P. Bharti	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. N.P. Bhattarai	1	-	2	-	2	-	-	-	1
Department of Vyakaran									
Dr. R.N. Dwivedi	1	-	-	-	3	-	-	-	-
Department of Vaidic Darshan									
Prof. G.A. Shastri	1	-	-	-	1	-	-	-	-
Prof. V.P. Mishra	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. S. K.Tripathi	1	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Dwivedi	3	-	2	1	-	-	-	-	-
Dr. S.K. Padhi	4	-	2	1	-	-	-	-	-
Department of Jain-Bauddha Darshan									
Prof. A.K. Jain	5	1	4	-	1	-	5	-	--
Prof. P.S. Singh	5	2	4	2	-	1	5	-	-
Dr. Anand .K. Jain	2	-	2	-	-	-	2	-	-
Department of Dharmagam									
Prof. K. Jha	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. S.P. Pandey	3	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. B. Rohtam	4	2	3	3	-	-	-	-	-
Department of Jyotish									
Prof. C. Upadhyay	2	-	2	-	-	-	-	-	-
Prof. R. Mishra	2	-	2	-	-	-	-	-	-
Prof. V.K. Pandey	1	-	2	-	-	3 (jour) Chief edi.	-	-	5
Prof. G. Shankar	4	-	-	-	-	-	-	-	4
Dr. S. Tripathi	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. S. Pandey	-	-	-	-	1	-	-	-	1
Dr. S.K. Gupta	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Department of Sahitya									
Prof. U.K. Chaturvedi	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. S. Sharma	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Department of Dharmashatra Mimansa									
Dr. M.J. Ratate	2	-	-	-	2	-	-	-	-
Dr. S.K. Mishra	2	-	1	-	1	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Shrirama A.S.	3	-	1	-	1	-	-	-	-
Mahila Mahavidyalaya									
AIHC & Arch.	7	1	-	-	-	-	-	-	-
Bioinformatics	-	-	-	1	-	1			
Botany	2	2	-	15	-	2	-	-	6
Chemistry	-	27	-	2	-	1	-	-	-
Computer Science	-	10	1	1	-	-	-	-	-
Dance	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Home Science	6	-	6	1	1	-	-	-	-
Economics	-	3	-	-	-	1	-	-	7
Education	-	2	-	-	-	-	-	-	-
English	1	-	3	-	-	-	-	-	1
Hindi	6	2	1	-	-	-	2	-	-
Geography	11	-	-	-	-	-	-	-	23
Geology	-	1	-	1	-	-	-	-	-
History of Arts	3	1	-	-	-	-	-	-	-
Music (I)	-	2	2	-	-	-	-	-	-
Philosophy	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Physics	3	42	-	-	-	1	-	-	-
Political Science	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Psychology	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Sociology	1	-	-	2	3	-	-	-	-
Zoology	4	13	2	4	-	-	-	-	3
Rajiv Gandhi South Campus									
Dr. Ashish Singh	3	-	-	-	3	-	-	-	-
Dr. Subhash Pratap Singh	2	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Achintya Singhal	-	5	-	-	-	-	-	-	3
Dr. B.N.M. Kumar	1	8	2	-	1	-	-	-	4
Dr. M.K. Nandi	-	1	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Manoj Kumar Singh	-	-	-	-	2	1	-	-	1
Dr. Ashwani Kr. Kushwaha	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Manoj Kumar Mishra	-	-	-	-	-	-	-	-	6
Dr. Latare Ashish Marotrao	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajeev Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	2
Dr. Deepika Kaur	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Tribhuwan Nath	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Shilpa Govind Patil	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kanchan Gangaram Padwal	2	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Veenita Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Rajay Kumar Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Kaustav Chatterjee	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Gaurav Kumar Rai	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Ashok Kumar Yadav	2	-	1	-	-	-	-	-	1
Mr. Vivek Mishra	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Raghvendra Raman Mishra	1	3	-	-	-	1	-	-	7
Dr. Neha Jaiswal	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pallavi	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Irfan Ahmed Ansari	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Snehel Chakravarty	1	1	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Abhinav Singh	-	-	-	-	-	-	-	-	2
Dr. Rakesh Sil Sharma	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Pawan Kumar Anand	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Vishal Srivashtava	3	2	-	2	-	-	-	-	-
Dr. Ashok Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sana Fatma	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mohammad Irfan	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anil Kumar Pandey	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rajni Srivastava	-	5	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr. Vijai Krishna	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shrvan Kumar	-	2	3	-	-	-	-	-	5
Dr. Srizauddin Qureshi	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pragya Mishra	-	3	-	-	-	1	-	-	6
Dr. Priya Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Anil Kumar Ram	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Kishor Kumar	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Siddharth Singh	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Mr.Gautam Pratap Pradhan	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Alok Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vijay Amrit Raj	-	3	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Rajeshwar Tiwari	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Er. Ved Prakash Jaiswal	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shruti Pandey	1	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Ambrish Kumar Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	1
Mr. Ajay Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	1
Dr. Shilpi Raj	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Ms. Rashmi Chaurasia	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shruti Singh	2	1	-	-	-	-	-	-	-
Mr. Rajeshwar Tiwari	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Jyoti Saini	-	1	-	-	-	-	-	-	1
Arya Mahila Mahavidyalaya									
Bengali	7	-	-	-	-	-	-	-	-
Hindi	8	-	-	-	1	-	-	-	-
Sanskrit	10	-	-	-	-	-	-	-	-
English	7	-	-	-	-	-	-	-	-
History	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Political Science	5	-	-	-	1	-	-	-	-
Commerce	6	-	-	-	-		-	-	-
AIHC & Arch.	6	-	-	-	-	-	-	-	-
Philosophy	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Music Vocal	4	-	-	-	-	-	-	-	-
Psychology	6	-	-	-	-	-	-	-	-
Home Science	5	-	-	-	-	-	-	-	-
B.Ed.	10	-	-	-	-	-	-	-	-
Sociology	7	-	-	-	-	-	-	-	-
Economics	5	-	-	-	-	-	-	-	-
Vasanta College for Women									
Dr. Alka Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Shashi Kala Tripathi	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Bandana Jha	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Meenu Awasthi	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Manjari Shukla	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Rachana Pandey	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Vasant Kanya Mahavidyalaya									
Prof. Rachna Srivastava	2	4	-	-	-	-	-	-	-
Prof. Kalpalata Dimri	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Prof. Sangita Deodiya	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Swarvandana Sharma	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Niharika Lal	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Prof.InduUpadhyay	3	1	2	-	2	-	-	-	-
Dr .GarimaUpadhyay	-	1	1	-	1	-	-	-	-
Dr. Anshu Shukla	2	-	-	-	2	-	-	-	-
Mrs. KalpanaAnand	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Shashikala	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Shubhra Sinha	-	2	-	-	-	-	-	-	-

Institute/ Faculty/ Department	Number of Publications								
	Research Papers		Articles		Books Published		Monographs	Manuals	Others
	National	Inter National	National	Inter National	National	Inter National			
Dr.Rajesh Verma	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sapna Bhushan	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anjulata Singh	1	2	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Sunita Dixit	-	1	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Anuradha Bapuli	-	1	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Supriya Singh	-	-	-	-	-	1	-	-	-
Dr. Priyanka	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Dr. Vijay Kumar	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Ashish Sonker	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr .Nairanjana Srivastava	-	-	-	-	2	-	-	-	-
Dr..Purnima	-	1	-	1	-	-	-	-	2 poems
Dr. Shashikesh Kr. Gond	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Manju Kumari	-	1	-	1	-	1	-	-	-
Dr. Arti Kumari	-	-	1	-	1	-	-	-	-
Dr. Khushboo Mishra Ashok Kumar	-	-	1	-	-	-	-	-	-
DAV PG College, Varanasi									
Dr. Anand Singh	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Taru Singh	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Satya Gopal Jee	1	3	-	-	-	-		-	
Dr. Richa Rani Yadav	-	-	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Akhilendra Kumar Singh	1	-	1 (Editorial)	-	-	-	-	-	-
Dr. Vinod Kumar Chaudhary	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pratibha Mishra	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Vikramaditya Rai	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Ziyauddin	1	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sushma Mishra	-	2	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Neha Chaudhary	2	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Swati Sucharita Nanda	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Pratima Gupta	2	-	-	-	-	-	-	-	1 (chapter in book)
Dr. Rakesh Kumar Meena	-	-	-	-	1	-	-	-	1 (online International article)
Dr. Vimal Shankar Singh	1	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Anup Kumar Mishra	7	1	2	-	3	-	-	-	-
Dr. Mayank Kumar Singh	-	-	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Parul Jain	-	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Siddharth Singh	-	1	-	-	-	1 (Chapter in Book)	-	-	-
Dr. Rakesh Kumar Ram	2	-	1	-	-	-	-	-	-
Dr. Samir Kumar Pathak	3	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Sangeeta Jain	-	1	-	-	-	1 (Chapter in book)	-	-	-
Dr. Indrajeet Mishra	-	1	-	-	1	-	-	-	-
Dr. Bandana Bal Chandani	-	1	-	-	-	1 (Chapter in book)	-	-	-
Dr. Mahima Singh	-	1	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Tamanna Shaheen	2	-	3	-	-	-	-	-	-
Dr. Prashant Kashyap	1	-	-	-	-	-	-	-	-
Dr. Mukesh Kumar Singh	3	-	-	-	-	-	-	-	2 (Chapter in Book)
Dr. Om Prakash Kumar	1	-	-	-	-	-	-	-	-

Annexure – III

List of Research Projects Funded by Various Agencies
New Research Projects sanctioned during the year 2020-2021

Name of Institute/ Faculty/ Department	No. of Research Projects	Amount Sanctioned
UNIVERSITY GRANTS COMMISION		
AIHC & Archaeology	1	1169600
Biochemistry (Sc)	1	1402800
Chemistry	1	1359600
Community Medicine	1	700000
Dharmagam	1	625800
Hindi	1	790400
Management Studies	1	700000
Molecular Human Genetics	1	1650000
Music	1	576200
Sanskrit	1	652600
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	945300
Vyakran	1	451200
Zoology	1	700000
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY		
Botany	1	6025480
Genetics & Plant Breeding	3	19218120
Veterinary & Animal Husbandary	1	5795610
Zoology	2	15387609
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY		
Applied Physics	1	1350000
Biochemistry, IMS	2	5625000
Botany	6	22695460
Botany, MMV	1	3274540
CEMS	1	8859800
Chemistry	6	31449344
Computer Science	1	660000
Dental Science, IMS	2	11154465
Extension Education	1	6321964
Geography	1	5225240
Journalism & Mass Communication	1	370000
Microbiology	1	954000
Physics	6	43369322
Physics, MMV	1	4322560
Psychology	1	3008400
Statistics	1	1954227
Veterinary & Animal Husbandary	1	6750000
Zoology	1	3800240

COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH		
Chemistry	1	1700000
Physics	1	866500
Anaesthesiology	1	403000
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH		
Biochemistry, Institute of Science	1	1191216
Biochemistry, IMS	1	10046368
Cardiology, IMS	1	3893260
Endocrinology	1	60000
Genetics & Plant Breeding, RGSC	1	90000
Neurology	1	411600
Molecular Biology, IMS	1	1503096
CST (COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY)		
Agricultural Economics	1	1248500
Anatomy, IMS	1	1194000
Genetics & Plant Breeding	2	3137200
Gynecology & obstetrics	1	1820500
Horticulture	2	3089000
Mycology & Plant Pathology	1	1666500
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	2488420
INDIAN RICE RESEARCH INSTITUTE NEW DELHI (IRRI)		
Genetics & Plant Breeding	1	283320
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURE RESEARCH (ICAR)		
KVK Barkachha, Mirzapur, (DAMU)	1	9150000
Mycology & Plant Pathology	1	4049954
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH		
Agricultural Economics	1	1000000
Commerce	2	880000
Economics	1	1000000
Sociology	1	1000000
NATIONAL ACADEMY OF SCIENCE (NASI) SR. SCIENTIST		
Botany	2	200000
OIL AND NATURAL GAS CORPORATION (ONGC)		
Geophysics	1	500000
INTER UNIVERSITY ACCELRATOR CENTER (IUAC), NEW DELHI		
Physics, MMV	1	75000
ARDENT CLINICAL RESEAERCH SERVICES, PUNE		
General Medicine	1	46250
BAYER CROP SCIENCE LTD.		
Soil Science & Agril. Chemistry	1	876000
CMC		
Management Studies	1	500000
CRISTIAN MEDICAL COLLEGE, VELLORE		
Pediatrics, IMS	1	2226930
DAE		

Zoology	1	3075625
DHANUKA AGRITECH LTD.		
Mycology & Plant Pathology	1	803004
FOREIGN AGENCY		
AIHC & Archaeology	2	1102261
Malaviya Centre for Peace Research	1	99328
Mycology & Plant Pathology	1	1973983
Pediatrics	1	1002480
GLOBAL HEALTH ADOCACY INCUBATOR		
Community Medicine	1	1081205
ICHR (INDIAN COUNCIL FOR HISTORICAL RESEARCH)		
History	1	375000
IFMR Trust		
IESD	1	798000
IHAT (INDIAN HEALTH ACTION TRUST)		
Obst. & Gynacology	1	2331315
MALERIHA & BBD LUCKNOW		
Community Medicine	1	35000
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT		
Botany	1	4994000
MINISTRY OF AYURVEDA		
General Medicine	2	860092
Rash Shastra	1	810697
MINISTRY OF DEFENCE		
Chemistry	2	10944971
MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRY		
Centre for Food Science & Technology	1	3251000
NATIONAL CENTRE FOR ANTARCTIC & OCEAN RESEARCH		
Geology	1	817420
NATIONAL MEDICINAL PLANTS BOARD		
Medicinal Chemistry	1	1890000
NATIONAL HEALTH MINSION		
Telemedicine	1	277000
OSCAIL (OSCAIL INTEGRATED HEALTH CENTRE)		
Neurology	1	360290
UP GOVT. FUND		
Anatomy, IMS	2	4450766
Institute of Medical Science	1	3055905
Microbiology	1	13220539

ONGOING RESEARCH PROJECT

Name of Instt./ Faculty/ Deptt.	No. of Project	Amount Sanctioned
UNIVERSITY GRANT COMMISION		
AIHC & Archaeology	1	1169600

Biochemistry (Sc)	1	1402800
Chemistry	1	1359600
Community Medicine	1	700000
Computer Science, RGSC	1	800000
Dharmagam	1	625800
Hindi	1	790400
IESD	1	4200000
Linguistics	1	1074400
Management Studies	1	700000
Molecular Human Genetics	1	1650000
Music	1	576200
Physics	2	1223000
Sanskrit	1	652600
Soil Sc. & Ag. Chem	1	945300
Vyakran	1	451200
Zoology	2	14751200
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY (DBT)		
A.H & Dairy	1	6754600
Biochemistry	1	11238900
Biochemistry, IMS	1	10090000
Botany	4	17193316
Centre for Genetics Disorder	1	6574600
Genetics & Plant Breeding	5	27615920
Home Science	1	1869100
Microbiology	2	5007600
Molecular & Human Genetics	2	14028950
Molecular Biology Unit, IMS	3	22850300
Mycology & plant Pathology	2	6053200
Psychology	1	12569300
Veterinary & Animal Husbandary	1	5795610
Zoology	5	33656129
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY (DST)		
Agronomy	1	2936000
AIHC & Arch.	1	2544000
Anesthesiology, IMS	1	2277000
Applied Physics	1	1350000
Biochemistry	3	26814320
Biochemistry, IMS	4	24869200
Botany	15	55482164
Botany, MMV	2	5620540
CEMS, IMS	2	13556035
Centre for genetic Disorders	1	4709600
Centre of Exp. Medicine & Surgery	1	3212000
Chemistry	23	108329492
Chemistry, MMV	2	8599270
Community Medicine, IMS	1	3716000
Computer Science	3	4330003
Dental Science, IMS	3	19571188
DST-CIMS	1	500000
Extension Education	1	6321964
Geography	1	5225240
Geology	9	168557080

Geophysics	1	1953200
IESD	9	51741304
Journalism & Mass Communication	1	370000
Library Sci. & Info. Tech.	1	1980000
Mathematics	4	6769501
Medicine, IMS	1	11274600
Mycology & Plant Pathology	3	5373200
Neurology, IMS	1	3095520
Physics	26	121252558
Physics, MMV	1	4322560
Psychology	2	7373484
Soil Science & Agricultural Chemistry	2	4368000
Statistics	2	4226827
Veterinary & Animal Husbandry	1	6750000
Zoology	16	84019123
Zoology, MMV	1	850000
COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY		
Agricultural Economics	1	1248500
Anatomy, IMS	1	1194000
Genetics & Plant Breeding	2	3137200
Horticulture	2	3089000
Mycology & Plant Pathology	1	1666500
Soil Science & Agril. Chemistry	2	4863921
Veterinary, Gynecology & obstetrics	1	1820500
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH		
Anaesthesiology	1	403000
Applied Mathematics	1	575001
Chemistry	7	6747333
Geology	1	1232000
Physics	1	866500
Zoology	1	1112333
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH		
Biochemistry, Institute of Science	2	2171216
Biochemistry, IMS	3	13324768
Cardiology, IMS	2	3895110
Endocrinology	1	60000
Genetic Medicine	1	1508596
Genetics & Plant Breeding, RGSC	1	90000
Microbiology, IMS	1	551000
Molecular Biology, IMS	1	1503096
Mole. Hum. Gene.	1	2742075
Neurology	4	7202497
Zoology	6	16609326
MINISTRY OF EARTH SCIENCE		
Botany	1	2500000
Geology	2	11834590
Geophysics	2	8980560
INDIA COUNCIL OF AGRICULTURE RESEARCH		
Agricultural Economics	2	6341992
Agronomy	1	12620000
Biochemistry, Institute of Science	1	6530800
Botany	2	5069000

Genetics & Plant Breeding	1	709400
KVK, Barkachha, BHU	2	18300000
Mycology & Plant Pathology	5	11151814
School Of Biotechnology	1	2530000
Soil Science. & Agricultural Chemistry	3	2525000
INDIAN RICE RESEARCH INSTITUTE		
Agronomy	3	1984125
Genetics & Plant Breeding	2	2283924
INDIAN NATIONAL SCIENCE ACADEMY		
Botany	2	960000
Physics	2	1500000
Zoology	2	1880000
DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY		
Botany	2	3773450
Geology	1	2968650
IESD	1	2690900
Physics	2	4573150
Zoology	1	3075625
FOREIGN AGENCY		
A.I.H.C. Archaeology	2	1102261
Genetics & Plant Breeding	1	523174
MCPR	1	99328
Mycology & Plant Pathology	1	1973983
Pediatrics	1	1002480
COLLABORATE PROJECT, STRASA		
Agronomy	1	194979
AIHC & Archaeology	1	289543
Botany	1	1440826
Genetics & Plant Breeding	1	146235
DRUG TRIAL		
Surgical Oncology	1	45000
Dermatology	1	53156
MINISTRY OF DEFENCE		
Chemistry	2	10944971
Physics	1	4003045
MINISTRY OF CULTURE		
History(under MMAK)	1	10700000
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANIZATION		
Geophysics	1	600000
IESD	3	5568000
Physics	1	3548000
WORLD HEALTH ORGANISATION		
Community Medicine	1	166162
Medicine	1	28009300
ICRISAT (ACCLERATOR PROGRAMME FOR AGRI-TECH START-Ups)		
IESD	1	2408000
BILL & MELINDA GATES FOUNDATION USA		
Medicine	1	31912595
G.B. PLANT NATIONAL INSTT. OF HIMAYLYAN ENVIRONMENT & SUSTAINABLE DEVELOPMENT		
Soil Science & Agricultural Chemistry	1	1415920
U.P. POLLUTION CONTROL BOARD		
Centre for Environment Science	1	2403500

NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA (NASI)		
Botany	4	1880000
INTERNATIONAL MAIZE AND WHEAT IMPROVEMENT CENTRE (CIMMYT COLLABORATIVE PROJECT, HYDARABAD)		
Agronomy	1	400000
Genetics & Plant Breeding	1	442156
MINISTRY OF HUMAN AND FAMILY HEALTH WELFARE SOCIETY, NEW DELHI		
Medicine	1	2300000
Ophthalmology	1	14000000
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH		
Agricultural Economics	1	1000000
Applied Arts	1	600000
Commerce	3	1780000
Economics	2	2000000
Geography	1	1200000
Home Science	1	300000
Management Studies	1	400000
Sociology	1	1000000
CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH AYURVEDIC SCIENCES		
Botany	**1**	3958000
NATIONAL INSTITUTE OF HEALTH, BLOOMBERG		
Medicine, IMS	1	1014281
UNICEF LUCKNOW		
Pediatrics	1	625000
CHRISTIAN MEDICAL, VELLORE		
Pediatrics	1	2226930
Management Studies	1	500000
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT		
Botany	1	4994000
NATIONAL CENTRE FOR ANTARCTIC & OCEAN RESEARCH		
Geology	1	817420
NATIONAL MISSION CLEAN GANGA		
MRC Ganga Centre	1	6307175
ARDENT CLINICAL RESEARCH SERVICES, PUNE		
General Medicine	1	46250
BAYER CROP SCIENCE LTD.		
Geophysics	1	876000
CANKIDS PVT. LTD.		
Medicine, IMS	1	111000
CLIANTHA RESEARCH LTD		
Dermatology, IMS	1	71050
DHANUKA AGRITECH LTD.		
Mycology & Plant Pathology	1	803004
GLOBAL HEALTH ADOCACY INCUBATOR		
Community Medicine	1	1081205
INDIAN COUNCIL OF HISTORICAL RESEARCH (ICHR)		
History	1	375000
IFMR TRUST		
IESD	1	798000
INDIAN HEALTH ADOCACY TRUST (IHAT)		
Obst. & Gynacology	1	2331315
INDIOFIL INDUSTRY LTD.		
Entomology & Agril. Zoology	1	390000

INTER-UNIVERSITY ACCELETOR CENTRE (IUAC)		
Physics	1	75000
Physics, MMV	1	579000
KRISHI VIGYAN KENDRA (KVK)		
KVK RGSC	1	850000
MALERIHA & BBD LUCKNOW		
Community Medicine	1	35000
MINISTRY OF AYURVEDA		
Rash Shastra	1	810697
General Medicine	2	860092
MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRY		
Centre for Food Science & Tech.	1	3251000
MINISTRY OF MINES		
Geology	1	829800
NATIONAL MEDICINAL PLANTS BOARD (NMPB)		
Medicinal Chemistry	1	1890000
NATIONAL CENTRE FOR POLAR AND OCEAN RESEARCH (NCAOR)		
Geophysics	1	1720000
NATIONAL HEALTH MISSION (NHM)		
Microbiology	1	954000
Telemedicine	1	277000
OIL INDIA LTD.		
Geophysics	1	500000
OIL & NATURAL GAS CORPORATION (ONGC)		
Geophysics	1	1568000
OSCALIT INTEGRATED HEALTH CENTRE (OSCAIL)		
Neurology	1	360290
RASHTRIYA KRISHI VIGYAN YOJANA (RKVY)		
Animal & Veterinary Sciences	1	200000000
SYNOFI-SYNTHELAB LTD.		
Endocrinology, IMS	1	49680
UP GOVT. FUND		
Anatomy, IMS	2	4450766
Institute of Medical Science (SS Hospital)	1	3055905
Microbiology	1	13220539
STRASA RICE		
Agronomy	1	500000

Annexure – IV

LIST OF SEMINAR/CONFERENCE/WORKSHOP/SYMPOSIUM ETC. ORGANISED FROM APRIL 2020 TO MARCH 2021

JUNE-2020		
01-06-2020 to 02-06-2020	UGC National Workshop on "Yoga, Sports Medicine & Physical Education"	Prof. N.B. Shukla, Organizing Secretary, CHC Athletic Associations, Faculty of Arts, BHU
11-06-2020	International Webinar	Prof. D.N. Pande, Convener, Head, Department of Sangyaharan, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
15-06-2020 to 16-06-2020	National Webinar on "Prastutikaran ke vividh aayam : vadhy sangit ke pripechay main"	Prof. Sangeeta Singh, Head, Department of Instrumental Music, Faculty of Performing Arts, BHU
21-06-2020	International Yoga Day 2020 "International Seminar on Yoga and Sports"	Prof. N.B. Shukla, Organizing Secretary, CHC Athletic Associations, Faculty of Arts, BHU
JULY-2020		
10-07-2020 to 11-07-2020	International Webinar on "Physical Education, Sports and Exercise Science in Context to Covid-19"	Dr. Pradeep Singh Chahar, Organising Secretary, Department of Physical Education, BHU
13-07-2020 to 14-07-2020	International Webinar on "Common Childhood Respiratory Viral Infections and Its Contemporary Management"	Dr. P.S. Upadhyay, Organizing Secretary, Department of Kaumarbhritya/Balroga, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
14-07-2020 to 16-07-2020	National Webinar on "5G Technologies: Fostering Holistic Approach for Digital Access"	Prof. Aditya Tripathi, Department of Library & Information Science, BHU
AUGUST-2020		
01-08-2020 to 07-08-2020	National Workshop & National Webinar on "Breastfeeding: An Imparting Affair"	Prof. B.M. Singh, Head, Department of Kaumarbhritya/Balroga, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
SEPTEMBER-2020		
07-09-2020	National Webinar on "Baalochit Samskar and their Scientific Relevance"	Dr. Kalpana Patni, Organizing Secretary, Department of Kaumarbhritya/Balroga, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
08-09-2020	National Webinar on "Rational Management of Shiromarmabhighata (Cerebral Palsy) in Children"	Dr. Ravi Shankar Khatri, Organizing Secretary, Department of Kaumarbhritya/Balroga, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
28-09-2020	National Webinar on "Science behind Suwarnprashan"	Dr. Vaibhav Jaiswal, Organizing Secretary, Department of Kaumarbhritya/Balroga, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
29-09-2020 to 30-09-2020	National Conference on "Emerging Technological Advancement in Physical Education and Allied Sports "ETAPEAS-2020"	Dr. Vikram Singh, Organizing Secretary and Dr. Deepak Kumar Dogra and Dr. Abhishek Verma, Joint Organizing Secretaries, Department of Physical Education, Faculty of Arts, BHU
04-09-2020	North Zone Conference of ACH 2020: An Update on Oral & Maxillofacial Lesions"	Dr. Rahul Agrawal, Organizing Secretary, Faculty of Dental Sciences, IMS, BHU
OCTOBER-2020		
02-10-2020 to 04-10-2020	ISACON UP State Conference 2020	Prof. S. K. Mathur, Organizing Chairman & Dr. Bikram Kumar Gupta, Organizing Secretary, Department of Anaesthesiology, IMS, BHU
15-10-2020	Late Dr. S.B. Pande and Late Dr. K. Pandey Memorial National Seminar (online mode)	Dr. D.N. Pande, Convener & Head, Department of Sangyaharan, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU

11-10-2020 to 16-10-2020	Online Workshop on "Statistical Computing using R'	Dr. Rakesh Ranjan, Convener, DST-CIMS, BHU
NOVEMBER-2020		
05-11-2020 to 07-11-2020	Conference on "47th Annual Conference of Indian Immunology Society" (IMMUNOCON 2020)	Dr. Geeta Rai, Convener & Organizing Secretary, Department of Molecular & Human Genetics, Institute of Science, BHU
08-11-2020 to 12-11-2020	International Conference on "3rd World Congress on Logic and Religion"	Dr. Arun Kumar and Dr. Arvind Kumar Singh, Conveners, Department of Mathematics, Institute of Science, BHU
18-11-2020	Prakaritik chikitsa diwas	Prof. N.B. Shukla, Organizing Secretary, C.H.C. Krida Parisad, Faculty of Arts, BHU
23-11-2020 to 27-11-2020	AICTE sponsored FDP on Social Enterprise Management through online	Dr. Anurag Singh, Institute of Management Studies, BHU
25-11-2020 to 26-11-2020	UGC National Seminar on "Physical Education for Health Care Yoga & Sports Performance"	Prof. N. B. Shukla, Organizing Secretary, CHC Athletic Associations, Faculty of Arts, BHU
DECMBER-2020		
20-12-2020	Webinar on "Data Science, Artificial Intelligence and Applications"	Dr. Manjari Gupta, Convener, DST-CIMS, Institute of Science, BHU
26-12-2020 to 31-12-2020	Online Training on 'R' Programme and LaTeX Typesetting"'	Dr. Vikas Kumar Sharma, Department of Statistics, Institute of Science, BHU
27-12-2020 to 30-12-2020	International Conference on Extension Education IEEC 2020 (on line mode)	Dr. Kalyan Ghadei, Organizing Secretary, Department of Extension Education, I.Ag. Sc., BHU
JANUARY-2021		
09-01-2021 to 10-01-2021	International Webinar on "Climate Resilient Agriculture for Food and Nutritional Security"	Prof. P. K. Singh, Convener, Department of Genetics and Plant Breeding, I.Ag.Sc., BHU
10-01-2021	To outreach Rural and Dalits women to Covid-19 Health concern under Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair	The Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
11-01-2021 to 12-01-2021	Swadeshi se Swavalambi Bharat: Pd. Dindayal Upadhyay or Dattopant Thengdi	Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
15-01-2021 to 17-01-2021	21st National & 6th International Conference of A.A.I.M.	Prof. D.N. Pande, Organising Secretary General,, Head, Department of Sangyaharan, Faculty of Ayurveda, IMS, BHU
20-01-2021	To empower Child girls teaching and skill work under Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair	The Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
20-01-2021 to 21-01-2021	Aatmnirbhar Bharat or sasakt Mahilain (Pd. Dindyal Upadhyay ke sandrabh main)	Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
29-01-2021 to 30-01-2021	Pd. Dindyal Upadhyay: Prtinidhik prajatantra se sahbhagita prajatantra	Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
FEBRUARY-2021		
01-02-2021	Welfare lonely and elderly women in urban/rural areas under Pt. Deen Dayal Upadhyay Chair	The Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
06-02-2021 to 07-02-2021	36th Annual National Conference of The Mathematical Society-Banaras Hindu University on "New Challenges Emerging in Mathematical Sciences"	Dr. Krishnendu Bhattacharyya, Convener, Department of Mathematics, Institute of Science, BHU
07-02-2021 to 13-02-2021	UGC Programme on "Futurology Awareness Programme in Organization and Administration of Physical Education, Yoga, Sports Sciences in Colleges and Universities"	Prof. N.B. Shukla, CHC Athletic Associations, Faculty of Arts, BHU
11-02-2021 to 12-02-2021	Aatambirbhar Bhart or Tisara Viklap (Pd. Dindyal Upadhyay or Dattopant Thengdi)	The Dean, Faculty of Social Sciences, BHU
21-02-2021	IVth National Hematology Conference	Dr. Anju Bharti, Organising Secretary, Department of Pathology, IMS, BHU
22-02-2021 to	Webinar on "General issues of Plant Sciences"	The Head, Department of Botany, BHU

23-02-2021		
26-02-2021 to 28-02-2021	Celebrating 100 years of contemporary research	Dr. J. K. Roy, Department of Zoology, Institute of Science, BHU
26-02-2021 to 27-02-2021	Workshop on "Differential Equation: Theory, Analysis and Applications with MATLAB Programming (DETAAMP-2021)	Dr. Ravi Pratap Gupta and Dr. A. Priyadarshi, Department of Mathematics, Institute of Science, BHU
MARCH-2021		
10-03-2021 to 25-03-2021	19th Orientation Course in Women's Studies (Online/Offline)	Prof. Nidhi Sharma, Coordinator, Centre for Women's Studies & Development, Faculty of Social Sciences, BHU
15-03-2021 to 16-03-2021	Online Workshop on "Species Distribution Modelling Using R"	Dr. P.K. Srivastava, Organizing Secretary, IESD, BHU
17-03-2021 to 18-03-2021	6th Graduate Seminar on "Natural Resource Management"	Dr. R.P. Singh, Joint Organizing Secretary, IESD, BHU
17-03-2021 to 18-03-2021	Webinar on "Multilingualism and Multiculturalism: Perspectives in linguistic and cultural discourse"	Prof. Vinodanand Tiwari, Head, Department of Foreign Languages, Faculty of Arts, BHU
20-03-2021 to 26-03-2021	National Workshop on "Discovering Statistics using SPSS and R"	Dr. Pradeep Singh Chahar, Department of Physical Education, BHU

Annexure – V

STATEMENT SHOWING NUMBER OF TEACHERS DEPUTED TO PARTICIPATE IN ACADEMIC MEETS DURING THE YEAR 2020-21

Sl. No.	Department/Faculty	Name of the Teacher	Purpose of Visit & Period
A: INDIA			
1.	Faculty of Dental Sciences, Institute of Medical Sciences	Prof. Harakh Chand Baranwal	"35th IACDE National Conference" held atGuwahati during 27-28 February 2021
2.	Department of Psychology, Faculty of Social Sciences	Prof. Sandeep Kumar	• "UGC Sponsored Multi disciplinary International Seminar on Challenges and Opportunities of Human Environment" held at Bhagalpur during 22-23 February, 2021" • "Two Days Interdisciplinary National Seminar on Positive Psychology: Happiness and Fulfillingness" held at Samastipur during 18-19 March 2021

Annexure – VI

Direct Appointment and Promotions
(From 1st April 2020 to 31st March, 2021)

Appointment

Non- Teaching Post

Name of the Post	Gen	SC	EWS	ST	OBC	PWDS	Total
Group –A	05	-	-	-	01	-	06
Group –B	276	77	83	43	180	13	672
Group –C	-	-	-	-	01	-	01
Total	**281**	**77**	**83**	**43**	**182**	**13**	**679**

Teaching Post

Name of the post	Gen	EWS	SC	ST	OBC	PWDS	Total
Professor	04	-	07	01	06	-	18
Associate Professor	03	02	05	01	05	-	16
Assistant Professor	67	07	23	13	52	06	168
Total	74	09	35	15	63	06	202

Promotions

Under CAS	
Professor (Stage-5)	100
Associate Professor (Stage-4)	57
Assistant Professor (Stage-3)	44
Assistant Professor (Stage-2)	103
Total	304

Under CAS (Library Sector)

Under CAS	
Deputy Librarian (Stage-5)	**5**
Deputy Librarian (Stage-4)	**6**
Deputy Librarian (Stage-3)	**3**
Total	**14**

Under DACPS	
Professor	9
Associate Professor	47
Total	**56**

Under DACPS	
Sr. Medical Officer	2
Chief Medical Officer	3
Total	**5**

Sports Board

Under CAS	
Deputy Director of Physical Education (Stage-5)	1
Assistant Director of Physical Education (Stage-3)	5
Assistant Director of Physical Education (Stage-3)	3
Total	**9**

Administrative Sector)

Under CAS	
Deputy Registrar (Under 25%Promotion Quota)	1
Total	**1**

www.bhu.ac.in